

विदेह VIDEHA

मिथिला चित्रकला, संगीत ओ कला

Mithila Painting, Music & Arts

विदेह ई-लर्निङ्ग प्रश्नोत्तरी शृंखला · Videha eLearning Quiz Book Series

खण्ड १ / ६ · Volume 1 of 6

सम्पादक / लेखक: गजेन्द्र ठाकुर

VIDEHA — प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका | ISSN 2229-547X | www.videha.co.in

विदेह ई-लर्निङ्ग: <https://www.videha.co.in/videha-elearning.htm>

© Gajendra Thakur, Editor — Videha eJournal [Beta Version; suggestions invited]

विषय-सूची / Contents

१. विदेह मिथिला चित्रकला ओ कला विमर्श महा-क्विज	२४ प्रश्न
२. मिथिला चित्रकला विस्तृत क्विज — विदेह	१००० प्रश्न
३. विदेह ई-लर्निङ्ग क्विज — कला आ संगीत	२०० प्रश्न
४. विदेह ई-लर्निङ्ग क्विज — दृश्य-श्रव्य साहित्य/अध्ययन	२०० प्रश्न
५. Videha QUIZ — Mithila Art and Architecture UPSC Prelims Standard	७२० प्रश्न

प्रत्येक अध्यायक प्रश्न-खण्डक बाद ओहि अध्यायक उत्तरमाला (उत्तर ओ व्याख्या) देल गेल अछि।

In each chapter, the answer key with explanations (उत्तरमाला) follows the questions.

अध्याय १ : विदेह मिथिला चित्रकला ओ कला विमर्श महा-क्विज

१. मिथिला चित्रकलाक इतिहास ओ उत्पत्ति (History & Origin)

१. सांस्कृतिक मान्यताक अनुसार मिथिला चित्रकलाक मूल ककर विवाहक समय राजा जनक द्वारा कराओल गेल भित्तिचित्र सँ मानल जाइत अछि?
- (A) रामायण कालीन ओ राजा जनकक परम्परा
(B) डब्ल्यू. जी. आर्चर (W.G. Archer)
(C) भौगोलिक संकेतक (GI Tag)
(D) घरेलू लोककला सँ वैश्विक विन्यास धरि
२. १९३४ ईस्वीक विनाशकारी भूकम्पक बाद भत्कल घरक दीवार पर एहि कला कऽ देखि कऽ वैश्विक मंच पर आबय वाला ब्रिटिश अधिकारी के छलाह?
- (A) रामायण कालीन ओ राजा जनकक परम्परा
(B) डब्ल्यू. जी. आर्चर (W.G. Archer)
(C) भौगोलिक संकेतक (GI Tag)
(D) घरेलू लोककला सँ वैश्विक विन्यास धरि
३. मिथिला चित्रकला कऽ ओकर अनन्य भौगोलिक मौलिकता लेल भारत सरकार द्वारा कोन विशिष्ट बौद्धिक संपदा अधिकार देल गेल अछि?
- (A) रामायण कालीन ओ राजा जनकक परम्परा
(B) डब्ल्यू. जी. आर्चर (W.G. Archer)
(C) भौगोलिक संकेतक (GI Tag)
(D) घरेलू लोककला सँ वैश्विक विन्यास धरि
४. मूलतः अँगना-घरक भित्ति ओ जमीन धरि सीमित ई कला कखनियँ सँ व्यावसायिक रूप सँ कागज ओ कपड़ा ऊपर अयलै?
- (A) रामायण कालीन ओ राजा जनकक परम्परा
(B) डब्ल्यू. जी. आर्चर (W.G. Archer)
(C) भौगोलिक संकेतक (GI Tag)
(D) घरेलू लोककला सँ वैश्विक विन्यास धरि

२. भित्ति चित्र ओ अरिपन परम्परा (Bhitti Chitra & Aripin)

५. मिथिलाक पावन घरक आँगन में अँगुलि कऽ सहारे बनाओल जाय वाला पारंपरिक 'अरिपन' (अल्पना) में मुख्य रूप सँ ककर प्रयोग होइत अछि?
- (A) पिठार (चाउरक घोर) ओ सिन्दूर
(B) गोसाओनिक घर (पूजा कक्ष)
(C) कोहबर (Kohbar)
(D) भूमि आरी ओ चौंसठि कला
६. भित्तिचित्र (Wall Painting) के अन्तर्गत कुल देवताक कक्ष कऽ भित्ति पर बनाओल जाय वाला चित्र कऽ की कहल जाइत अछि?
- (A) पिठार (चाउरक घोर) ओ सिन्दूर
(B) गोसाओनिक घर (पूजा कक्ष)
(C) कोहबर (Kohbar)
(D) भूमि आरी ओ चौंसठि कला
७. विवाहक समय नवदम्पतिक कक्ष में बनाओल जाय वाला ओ प्रख्यात तांत्रिक भित्तिचित्र की थिक जे वंश वृद्धिक सूचक अछि?
- (A) पिठार (चाउरक घोर) ओ सिन्दूर
(B) गोसाओनिक घर (पूजा कक्ष)
(C) कोहबर (Kohbar)
(D) भूमि आरी ओ चौंसठि कला

८. अरिपन परम्परा के अन्तर्गत विभिन्न पर्व-त्योहार (जेना- कोजागरा, चौरचन) में बनय वाला ज्यामितीय चक्र की थिक?

- (A) पिठार (चाउरक घोर) ओ सिन्दूर
- (B) गोसाओनिक घर (पूजा कक्ष)
- (C) कोहबर (Kohbar)
- (D) भूमि आरी ओ चौंसठि कला

३. कचनी ओ भरनी शैली विमर्श (Kachni & Bharni Styles)

९. मिथिला चित्रकलाक 'कचनी शैली' कऽ मुख्य संरचनात्मक ओ प्रामाणिक पहचान की थिक?

- (A) महीन समानांतर रेखांकन (Line Painting)
- (B) चटकीला रङ्ग भराब (Color Filling)
- (C) रँटी ओ सौराठ शैली विन्यास
- (D) द्वि-आयामी (2D) ज्यामितीय रूप

१०. पारंपरिक 'भरनी शैली' कऽ अन्तर्गत कलाकृतियों कऽ जीवंत बनाबय लेल की कएल जाइत अछि?

- (A) महीन समानांतर रेखांकन (Line Painting)
- (B) चटकीला रङ्ग भराब (Color Filling)
- (C) रँटी ओ सौराठ शैली विन्यास
- (D) द्वि-आयामी (2D) ज्यामितीय रूप

११. कचनी ओ भरनीक विधागत विकास मिथिलाक कोन गामक पारंपरिक कलाकारों कऽ मुख्य केन्द्र मानल जाइत अछि?

- (A) महीन समानांतर रेखांकन (Line Painting)
- (B) चटकीला रङ्ग भराब (Color Filling)
- (C) रँटी ओ सौराठ शैली विन्यास
- (D) द्वि-आयामी (2D) ज्यामितीय रूप

१२. दुनू शैलियों में परिप्रेक्ष्य (Perspective) ओ श्री-डी (3D) प्रभावक स्थान पर ककर प्रयोग होइत अछि?

- (A) महीन समानांतर रेखांकन (Line Painting)
- (B) चटकीला रङ्ग भराब (Color Filling)
- (C) रँटी ओ सौराठ शैली विन्यास
- (D) द्वि-आयामी (2D) ज्यामितीय रूप

४. गोदना ओ तांत्रिक शैली विमर्श (Godna & Tantrik Styles)

१३. मिथिला कला में 'गोदना शैली' (Godna Style) कऽ उत्पत्ति ओ विकास ककर सामाजिक विमर्शक प्रतीक थिक?

- (A) जमुआ कला ओ सबल्टरन दलित विमर्श
- (B) रोडा ओ लहरिया विन्यास
- (C) यंत्र-मंत्र ओ महाशक्तियक रूपांकन
- (D) प्राकृतिक काली स्याही ओ बाँसक कूची

१४. गोदना शैली के अन्तर्गत कज्जल ओ गोबरक घोर सँ महीन समानांतर वृत्त आ रेखा बनाबय कऽ तकनीक कऽ की कहल जाइत अछि?

- (A) जमुआ कला ओ सबल्टरन दलित विमर्श
- (B) रोडा ओ लहरिया विन्यास
- (C) यंत्र-मंत्र ओ महाशक्तियक रूपांकन
- (D) प्राकृतिक काली स्याही ओ बाँसक कूची

१५. मिथिलाक 'तांत्रिक शैली' (Tantrik Style) कऽ मूल दार्शनिक आधार की थिक?

- (A) जमुआ कला ओ सबल्टरन दलित विमर्श
- (B) रोडा ओ लहरिया विन्यास
- (C) यंत्र-मंत्र ओ महाशक्तियक रूपांकन
- (D) प्राकृतिक काली स्याही ओ बाँसक कूची

१६. गोदना ओ तांत्रिक कला में महीन कोडिंग लेल पारंपरिक रूप सँ ककर प्रयोग होइत अछि?

- (A) जमुआ कला ओ सबल्टरन दलित विमर्श
- (B) रोडा ओ लहरिया विन्यास
- (C) यंत्र-मंत्र ओ महाशक्तियक रूपांकन
- (D) प्राकृतिक काली स्याही ओ बाँसक कूची

५. मुख्य रूपांकन - माछ, मयूर ओ कमल (Key Motifs)

१७. मिथिला चित्रकला ओ कोहबर में 'माछ' कऽ रूपांकन मुख्य रूप सँ ककर प्रतीक मानल जाइत अछि?

- (A) माछ (Fish) - वंश वृद्धि ओ जल तत्व
- (B) मयूर (Peacock) - सौन्दर्य ओ दिव्यता
- (C) कमल (Lotus) - पवित्रता ओ तांत्रिक नैवेद्य
- (D) बाँस (Bamboo) - वंश परम्परा ओ स्थिरता

१८. चित्रकला में 'मयूर' (मोर) कऽ अंकन मुख्य रूप सँ की दर्शाबैत अछि?

- (A) माछ (Fish) - वंश वृद्धि ओ जल तत्व
- (B) मयूर (Peacock) - सौन्दर्य ओ दिव्यता
- (C) कमल (Lotus) - पवित्रता ओ तांत्रिक नैवेद्य
- (D) बाँस (Bamboo) - वंश परम्परा ओ स्थिरता

१९. अरिपन ओ कोहबरक केंद्र में स्थित 'कमल' (Purain Leaf) कऽ महत्व की थिक?

- (A) माछ (Fish) - वंश वृद्धि ओ जल तत्व
- (B) मयूर (Peacock) - सौन्दर्य ओ दिव्यता
- (C) कमल (Lotus) - पवित्रता ओ तांत्रिक नैवेद्य
- (D) बाँस (Bamboo) - वंश परम्परा ओ स्थिरता

२०. कोहबरक भित्तिचित्रक केंद्र में सीधा ठाढ़ 'बाँस' कऽ गाछ की सूचक थिक?

- (A) माछ (Fish) - वंश वृद्धि ओ जल तत्व
- (B) मयूर (Peacock) - सौन्दर्य ओ दिव्यता
- (C) कमल (Lotus) - पवित्रता ओ तांत्रिक नैवेद्य
- (D) बाँस (Bamboo) - वंश परम्परा ओ स्थिरता

६. प्रसिद्ध चित्रकार ओ अंतर्राष्ट्रीय ख्याति (Renowned Artists)

२१. मिथिला चित्रकलाक इतिहास में भारत सरकार द्वारा पहली बेर (१९७५ में) पद्मश्री सँ सम्मानित कलाकार के छलाह?

- (A) जगदम्बा देवी (१९५५ पद्मश्री)
- (B) सीता देवी ओ गंगा देवी
- (C) महासुन्दरी देवी ओ गोदावरी दत्त
- (D) टोकामाची (Japan) मिथिला संग्रहालय

२२. कचनी ओ भरनी विधा कऽ रूस, अमेरिका ओ जापान धरि पहुँचाबय वाली प्रख्यात महिला कलाकार के छथि?

- (A) जगदम्बा देवी (१९५५ पद्मश्री)
- (B) सीता देवी ओ गंगा देवी
- (C) महासुन्दरी देवी ओ गोदावरी दत्त
- (D) टोकामाची (Japan) मिथिला संग्रहालय

२३. भित्तिचित्र सँ निकसि कऽ आधुनिक कला दीर्घा धरि मिथिलाक्षर ओ कलाक समन्वय करय वाली विदुषी के छथि?

- (A) जगदम्बा देवी (१९५५ पद्मश्री)
- (B) सीता देवी ओ गंगा देवी
- (C) महासुन्दरी देवी ओ गोदावरी दत्त
- (D) टोकामाची (Japan) मिथिला संग्रहालय

२४. विश्वक कोन देश में मिथिला चित्रकला कऽ समर्पित एकटा पैघ अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय (Mithila Museum) स्थित अछि?

- (A) जगदम्बा देवी (१५म पद्मश्री)
- (B) सीता देवी ओ गंगा देवी
- (C) महासुन्दरी देवी ओ गोदावरी दत्त
- (D) टोकामाची (Japan) मिथिला संग्रहालय

उत्तरमाला — अध्याय १ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (A) रामायण कालीन ओ राजा जनकक परम्परा — मान्यता अछि जे माता सीताक विवाहक समय राजा जनक द्वारा सम्पूर्ण मिथिला कऽ चित्रसभ सँ सजाबय कऽ आदेश देल गेल छल।
२. (B) डब्लू. जी. आर्चर (W.G. Archer) — तत्कालीन ब्रिटिश आईसीएस अधिकारी डब्लू. जी. आर्चर द्वारा १९३४ में एहि कलाक अद्भुत कोणात्मक सौंदर्यक खोज ओ दस्तावेजीकरण कएल गेल छल।
३. (C) भौगोलिक संकेतक (GI Tag) — मिथिला चित्रकला कऽ भौगोलिक संकेतक (Geographical Indication - GI Tag) प्राप्त अछि, जे एकर सत्यता कऽ अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा दैत अछि।
४. (D) घरेलू लोककला सँ वैश्विक विन्यास धरि — १९६० कऽ दशक में मिथिला में पड़ल भीषण अकालक समय राहत कार्यक तहत एकरा पहली बेर कागज पर अनल गेल छल।
५. (A) पिठार (चाउरक घोर) ओ सिन्दूर — अरिपन मूलतः अरवा वसन चाउर कऽ पीस कऽ तैयार कएल गेल 'पिठार' ओ सिन्दूर, कज्जलक बिन्दु सँ बनैत अछि।
६. (B) गोसाओनिक घर (पूजा कक्ष) — गाम-घर में कुलदेवी/देवताक कक्ष कऽ भित्तिचित्र 'गोसाओनिक घरक चित्र' कहल जाइत अछि, जाहि में तांत्रिक ओ ज्यामितीय शुद्धता होइत अछि।
७. (C) कोहबर (Kohbar) — कोहबर मिथिलाक सर्वाधिक जटिल ओ महत्वपूर्ण भित्तिचित्र थिक, जाहि में कामदेव, रति, माछ ओ बाँसक रूपांकन होइत अछि।
८. (D) भूमि आरी ओ चौंसठि कला — ई तंत्र शास्त्रक यंत्र विन्यास सँ प्रेरित भूमि-अल्पना थिक जे चौंसठि कला ओ प्राकृतिक शक्तियों कऽ आमंत्रित करैत अछि।
९. (A) महीन समानांतर रेखांकन (Line Painting) — कचनी शैली में रङ्ग नै भरि कऽ केवल पतली-पतली महीन समानांतर रेखाओं (Cross-hatching/Stippling) सँ छाया ओ आकृति बनाओल जाइत अछि।
१०. (B) चटकीला रङ्ग भराब (Color Filling) — भरनी शैली में आकृतियों के भीतर चटकीला प्राकृतिक रङ्ग (जेना लाल, पीला, कजरा) सीधे ब्रुश सँ गाढ़ रूप सँ भरल जाइत अछि।
११. (C) रँटी ओ सौराठ शैली विन्यास — रँटी ओ जितेंद्रपुर, सौराठ आदि गामक महिला कलाकार लोकनि कचनी ओ भरनी शैली कऽ चरमोत्कर्ष पर पहुँचाओलन्हि।
१२. (D) द्वि-आयामी (2D) ज्यामितीय रूप — मिथिला कला विशुद्ध रूप सँ द्वि-आयामी (2D) होइत अछि, कतय खाली स्थान कऽ पत्ता, फूल ओ लहरिया रेखा सँ भरल जाइत अछि।
१३. (A) जमुआ कला ओ सबल्टरन दलित विमर्श — गोदना शैली पारम्परिक टैटू कला सँ प्रेरित अछि, जाहि में दलित ओ सबल्टरन समाजक लोक गाछ-वृक्ष, राजा सलहेसक कथा ओ ज्यामितीय रूप कऽ रेखांकित कएने छलाह।
१४. (B) रोडा ओ लहरिया विन्यास — एकरा रोडा ओ लहरिया शैली कहल जाइत अछि जे गोदना कऽ अत्यंत बारीक ओ आधुनिक रूप दइत अछि।
१५. (C) यंत्र-मंत्र ओ महाशक्तियक रूपांकन — तांत्रिक शैली सीधे महाविद्या, शक्ति चक्र, शिव-शक्ति ओ ब्रह्मांडीय ऊर्जाक यंत्र विन्यास पर आधारित होइत अछि।
१६. (D) प्राकृतिक काली स्याही ओ बाँसक कूची — काठक कोयला या लैम्प ब्लैक (कज्जल) कऽ गोंद में मिला कऽ बाँसक नुकीली खुरपी सँ रेखांकन कएल जाइत अछि।
१७. (A) माछ (Fish) - वंश वृद्धि ओ जल तत्व — माछ जल तत्व, प्रजनन क्षमता, भाग्य ओ वंश वृद्धिक अत्यंत शुभ प्रतीक मानल जाइत अछि। 🐟
१८. (B) मयूर (Peacock) - सौन्दर्य ओ दिव्यता — मयूर प्रेम, प्राकृतिक सौन्दर्य, दिव्यता ओ मिथिलाक उत्सवधर्मिता कऽ प्रतीक थिक। 🦚

१९. (C) कमल (Lotus) - पवित्रता ओ तांत्रिक नैवेद्य — कमल पवित्रता, लक्ष्मीक वास, ओ तांत्रिक विन्यास में जीवनक ब्रह्मांडीय विकासक सूचक अछि।



२०. (D) बाँस (Bamboo) - वंश परम्परा ओ स्थिरता — बाँस पुरुष तत्व, वंशक निरन्तरता, ओ स्थिरताक प्रतीक थिक जे मिथिलाक कोहबरक रीढ़ अछि।

२१. (A) जगदम्बा देवी (शम पद्मश्री) — जितेंद्रपुरक जगदम्बा देवी पहली मिथिला कलाकार छलीह जिनकर कारण एहि लोककला कऽ राष्ट्रीय गौरव भेटल।

२२. (B) सीता देवी ओ गंगा देवी — सीता देवी (रँटी) ओ गंगा देवी अपन सूक्ष्म रेखांकन सँ मिथिला कला कऽ वैश्विक संग्रहालयों में स्थापित कएलन्हि।

२३. (C) महासुन्दरी देवी ओ गोदावरी दत्त — महासुन्दरी देवी ओ गोदावरी दत्त जी अपन साधना सँ कला कऽ नवीन पीढ़ी धरि हस्तांतरित कएलन्हि।

२४. (D) टोकामाची (Japan) मिथिला संग्रहालय — जापानक टोकामाची (Tokamachi) में मिथिला चित्रकलाक हजारों दुर्लभ प्राचीन चित्रोंक एकटा विशाल अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय अछि।

अध्याय २ : मिथिला चित्रकला विस्तृत क्विज — विदेह

इतिहास आ परिचय

१. मिथिला चित्रकलाक दोसर प्रचलित नामक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?
 - (A) धार्मिक, सामाजिक आ सजावटी तत्वक संगम
 - (B) जन्म, विवाह, उपनयन, पर्व आदिसँ जुड़ल चित्र
 - (C) मधुबनी चित्रकला
 - (D) पुरान विधि केँ नूतन माध्यम पर जीवित राखब
२. मिथिला चित्रकलामे 'मिथिला चित्रकलाक दोसर प्रचलित नाम' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?
 - (A) पुरान विधि केँ नूतन माध्यम पर जीवित राखब
 - (B) प्रमुख उत्पादन आ पहिचान केन्द्र
 - (C) मधुबनी चित्रकला
 - (D) चटख, धरतीसँ जुड़ल आ प्रतीकात्मक रंग
३. 'मिथिला चित्रकलाक दोसर प्रचलित नाम' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?
 - (A) समुद्री व्यापारक कर
 - (B) लौह-उद्योगक प्रक्रिया
 - (C) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय
 - (D) भारतीय गणितक सूत्र
४. मिथिला चित्रकलाक दोसर प्रचलित नाम सम्बन्धी सही कथन चुनू।
 - (A) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।
 - (B) ई शहरक यातायात-नियम अछि।
 - (C) ई मधुबनी चित्रकला सँ जुड़ल अछि।
 - (D) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।
५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे मिथिला चित्रकलाक दोसर प्रचलित नाम किएक महत्वपूर्ण अछि?
 - (A) कारण ई खेतीक हल-चाल मात्र केँ बुझाबैत अछि।
 - (B) कारण ई मधुबनी चित्रकला केँ बुझाबैत अछि।
 - (C) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र केँ बुझाबैत अछि।
 - (D) कारण ई सैनिक परेडक अभ्यास केँ बुझाबैत अछि।
६. परम्परागत आधार-सतहक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?
 - (A) देखैत-सिखैत पीढ़ी दर पीढ़ी ज्ञान
 - (B) क्षेत्रीय पहिचानक औपचारिक मान्यता
 - (C) हाट, संग्रहालय, प्रदर्शनी आ विद्यालय तक पहुँच
 - (D) माटि लेपल देवाल आ आँगनक धरातल
७. मिथिला चित्रकलामे 'परम्परागत आधार-सतह' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?
 - (A) माटि लेपल देवाल आ आँगनक धरातल
 - (B) देखैत-सिखैत पीढ़ी दर पीढ़ी ज्ञान
 - (C) जनजीवनक भीतर जनमल कला
 - (D) जन्म, विवाह, उपनयन, पर्व आदिसँ जुड़ल चित्र
८. 'परम्परागत आधार-सतह' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?
 - (A) भारतीय गणितक सूत्र
 - (B) लौह-उद्योगक प्रक्रिया
 - (C) समुद्री व्यापारक कर
 - (D) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय

९. परम्परागत आधार-सतह सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई नदी मापयक विज्ञान मात्र अछि।
- (B) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।
- (C) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।
- (D) ई माटि लेपल देवाल आ आँगनक धरातल सँ जुड़ल अछि।

१०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे परम्परागत आधार-सतह किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई माटि लेपल देवाल आ आँगनक धरातल सँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी सँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम सँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई खेतीक हल-चाल मात्र सँ बुझाबैत अछि।

११. मुख्य पारम्परिक साधकक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) मिथिला प्रदेशक सांस्कृतिक भूभाग
- (B) धार्मिक, सामाजिक आ सजावटी तत्वक संगम
- (C) प्रमुख उत्पादन आ पहिचान केन्द्र
- (D) घर-परिवारक स्त्री लोकनि

१२. मिथिला चित्रकलामे 'मुख्य पारम्परिक साधक' देखल जाए त विद्यार्थी सँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) मधुबनी चित्रकला
- (B) जनजीवनक भीतर जनमल कला
- (C) घर-परिवारक स्त्री लोकनि
- (D) धार्मिक, सामाजिक आ सजावटी तत्वक संगम

१३. 'मुख्य पारम्परिक साधक' सँ एहि विविधक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय
- (B) समुद्री व्यापारक कर
- (C) लौह-उद्योगक प्रक्रिया
- (D) भारतीय गणितक सूत्र

१४. मुख्य पारम्परिक साधक सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।
- (B) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।
- (C) ई घर-परिवारक स्त्री लोकनि सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।

१५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे मुख्य पारम्परिक साधक किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र सँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई नदी मापयक विज्ञान मात्र सँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति सँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई घर-परिवारक स्त्री लोकनि सँ बुझाबैत अछि।

१६. मिथिला चित्रकलाक क्षेत्रक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) जन्म, विवाह, उपनयन, पर्व आदिसँ जुड़ल चित्र
- (B) पुरान विधि सँ नूतन माध्यम पर जीवित राखब
- (C) चित्रकला सँ जीवित राखयवला पारम्परिक पट
- (D) मिथिला प्रदेशक सांस्कृतिक भूभाग

१७. मिथिला चित्रकलामे 'मिथिला चित्रकलाक क्षेत्र' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) मिथिला प्रदेशक सांस्कृतिक भूभाग
- (B) समुदायक कथा, देवी-देवता आ जीवनक स्मरण
- (C) चित्रमे पूजा, पर्व आ संस्कारक भाव
- (D) खाली जगह केँ बिन्दु, रेखा, पात, फूल सँ भरब

१८. 'मिथिला चित्रकलाक क्षेत्र' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय
- (B) समुद्री व्यापारक कर
- (C) भारतीय गणितक सूत्र
- (D) लौह-उद्योगक प्रक्रिया

१९. मिथिला चित्रकलाक क्षेत्र सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।
- (B) ई सैनिक परेडक अभ्यास अछि।
- (C) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।
- (D) ई मिथिला प्रदेशक सांस्कृतिक भूभाग सँ जुड़ल अछि।

२०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे मिथिला चित्रकलाक क्षेत्र किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई मिथिला प्रदेशक सांस्कृतिक भूभाग केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई भोजन पकाबयक विधि केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।

२१. मधुबनी जिलाक भूमिकाक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) धार्मिक, सामाजिक आ सजावटी तत्वक संगम
- (B) चित्रकला केँ जीवित राखयवला पारम्परिक पट
- (C) प्रमुख उत्पादन आ पहिचान केन्द्र
- (D) चित्रमे पूजा, पर्व आ संस्कारक भाव

२२. मिथिला चित्रकलामे 'मधुबनी जिलाक भूमिका' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) समुदायक कथा, देवी-देवता आ जीवनक स्मरण
- (B) जन्म, विवाह, उपनयन, पर्व आदिसँ जुड़ल चित्र
- (C) खाली जगह केँ बिन्दु, रेखा, पात, फूल सँ भरब
- (D) प्रमुख उत्पादन आ पहिचान केन्द्र

२३. 'मधुबनी जिलाक भूमिका' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) लौह-उद्योगक प्रक्रिया
- (B) भारतीय गणितक सूत्र
- (C) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय
- (D) समुद्री व्यापारक कर

२४. मधुबनी जिलाक भूमिका सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।
- (B) ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र अछि।
- (C) ई प्रमुख उत्पादन आ पहिचान केन्द्र सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।

२५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे मधुबनी जिलाक भूमिका किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई प्रमुख उत्पादन आ पहिचान केन्द्र केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।

२६. घरेलू चित्रकला सँ सार्वजनिक कलातक यात्राक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) जनजीवनक भीतर जनमल कला
- (B) देवाल सँ कागज, कपड़ा आ कैनवास दिस विस्तार
- (C) मिथिला प्रदेशक सांस्कृतिक भूभाग
- (D) समुदायक कथा, देवी-देवता आ जीवनक स्मरण

२७. मिथिला चित्रकलामे 'घरेलू चित्रकला सँ सार्वजनिक कलातक यात्रा' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) देवाल सँ कागज, कपड़ा आ कैनवास दिस विस्तार
- (B) खाली जगह केँ बिन्दु, रेखा, पात, फूल सँ भरब
- (C) देखैत-सिखैत पीढ़ी दर पीढ़ी ज्ञान
- (D) क्षेत्रीय पहिचानक औपचारिक मान्यता

२८. 'घरेलू चित्रकला सँ सार्वजनिक कलातक यात्रा' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) लौह-उद्योगक प्रक्रिया
- (B) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय
- (C) समुद्री व्यापारक कर
- (D) भारतीय गणितक सूत्र

२९. घरेलू चित्रकला सँ सार्वजनिक कलातक यात्रा सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र अछि।
- (B) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।
- (C) ई सैनिक परेडक अभ्यास अछि।
- (D) ई देवाल सँ कागज, कपड़ा आ कैनवास दिस विस्तार सँ जुड़ल अछि।

३०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे घरेलू चित्रकला सँ सार्वजनिक कलातक यात्रा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई देवाल सँ कागज, कपड़ा आ कैनवास दिस विस्तार केँ बुझाबैत अछि।

३१. लोक-आस्थाक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) समतल सतह पर प्रतीकात्मक चित्रण
- (B) मधुबनी चित्रकला
- (C) हाट, संग्रहालय, प्रदर्शनी आ विद्यालय तक पहुँच
- (D) चित्रमे पूजा, पर्व आ संस्कारक भाव

३२. मिथिला चित्रकलामे 'लोक-आस्था' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) देवाल सँ कागज, कपड़ा आ कैनवास दिस विस्तार
- (B) चित्रमे पूजा, पर्व आ संस्कारक भाव
- (C) जनजीवनक भीतर जनमल कला
- (D) खाली जगह केँ बिन्दु, रेखा, पात, फूल सँ भरब

३३. 'लोक-आस्था' कें एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) भारतीय गणितक सूत्र
- (B) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय
- (C) समुद्री व्यापारक कर
- (D) लौह-उद्योगक प्रक्रिया

३४. लोक-आस्था सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।
- (B) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।
- (C) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।
- (D) ई चित्रमे पूजा, पर्व आ संस्कारक भाव सँ जुड़ल अछि।

३५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे लोक-आस्था किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई दुकानक हिसाब-किताब कें बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र कें बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र कें बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई चित्रमे पूजा, पर्व आ संस्कारक भाव कें बुझाबैत अछि।

३६. मौखिक परम्पराक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) देखैत-सिखैत पीढ़ी दर पीढ़ी ज्ञान
- (B) समुदायक कथा, देवी-देवता आ जीवनक स्मरण
- (C) हाट, संग्रहालय, प्रदर्शनी आ विद्यालय तक पहुँच
- (D) मिथिला प्रदेशक सांस्कृतिक भूभाग

३७. मिथिला चित्रकलामे 'मौखिक परम्परा' देखल जाए त विद्यार्थी कें मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) हाट, संग्रहालय, प्रदर्शनी आ विद्यालय तक पहुँच
- (B) देखैत-सिखैत पीढ़ी दर पीढ़ी ज्ञान
- (C) प्रमुख उत्पादन आ पहिचान केन्द्र
- (D) समतल सतह पर प्रतीकात्मक चित्रण

३८. 'मौखिक परम्परा' कें एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय
- (B) समुद्री व्यापारक कर
- (C) भारतीय गणितक सूत्र
- (D) लौह-उद्योगक प्रक्रिया

३९. मौखिक परम्परा सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई देखैत-सिखैत पीढ़ी दर पीढ़ी ज्ञान सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।
- (C) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबक नियम अछि।
- (D) ई साधारण लेखा-बही अछि।

४०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे मौखिक परम्परा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबक पद्धति कें बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई देखैत-सिखैत पीढ़ी दर पीढ़ी ज्ञान कें बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबक नियम कें बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता कें बुझाबैत अछि।

४१. द्वि-आयामी रूपक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) चित्रकला केँ जीवित राखयवला पारम्परिक पट
- (B) चित्रमे पूजा, पर्व आ संस्कारक भाव
- (C) समतल सतह पर प्रतीकात्मक चित्रण
- (D) चटख, धरतीसँ जुड़ल आ प्रतीकात्मक रंग

४२. मिथिला चित्रकलामे 'द्वि-आयामी रूप' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) खाली जगह केँ बिन्दु, रेखा, पात, फूल सँ भरब
- (B) चित्रकला केँ जीवित राखयवला पारम्परिक पट
- (C) प्रमुख उत्पादन आ पहिचान केन्द्र
- (D) समतल सतह पर प्रतीकात्मक चित्रण

४३. 'द्वि-आयामी रूप' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय
- (B) लौह-उद्योगक प्रक्रिया
- (C) समुद्री व्यापारक कर
- (D) भारतीय गणितक सूत्र

४४. द्वि-आयामी रूप सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।
- (B) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।
- (C) ई समतल सतह पर प्रतीकात्मक चित्रण सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र अछि।

४५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे द्वि-आयामी रूप किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई खेतीक हल-चाल मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई समतल सतह पर प्रतीकात्मक चित्रण केँ बुझाबैत अछि।

४६. रिक्त स्थान भरबाक प्रवृत्तिक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) खाली जगह केँ बिन्दु, रेखा, पात, फूल सँ भरब
- (B) जन्म, विवाह, उपनयन, पर्व आदिसँ जुड़ल चित्र
- (C) घर-परिवारक स्त्री लोकनि
- (D) हाट, संग्रहालय, प्रदर्शनी आ विद्यालय तक पहुँच

४७. मिथिला चित्रकलामे 'रिक्त स्थान भरबाक प्रवृत्ति' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) देवाल सँ कागज, कपड़ा आ कैनवास दिस विस्तार
- (B) प्रमुख उत्पादन आ पहिचान केन्द्र
- (C) चटख, धरतीसँ जुड़ल आ प्रतीकात्मक रंग
- (D) खाली जगह केँ बिन्दु, रेखा, पात, फूल सँ भरब

४८. 'रिक्त स्थान भरबाक प्रवृत्ति' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) समुद्री व्यापारक कर
- (B) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय
- (C) भारतीय गणितक सूत्र
- (D) लौह-उद्योगक प्रक्रिया

४९. रिक्त स्थान भरबाक प्रवृत्ति सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी अछि।
- (B) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।
- (C) ई शहरक यातायात-नियम अछि।
- (D) ई खाली जगह केँ बिन्दु, रेखा, पात, फूल सँ भरब सँ जुड़ल अछि।

५०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे रिक्त स्थान भरबाक प्रवृत्ति किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई रेखाहीन धुँआट चित्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई खाली जगह केँ बिन्दु, रेखा, पात, फूल सँ भरब केँ बुझाबैत अछि।

५१. भौगोलिक संकेतक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) मिथिला प्रदेशक सांस्कृतिक भूभाग
- (B) देखैत-सिखैत पीढ़ी दर पीढ़ी ज्ञान
- (C) क्षेत्रीय पहिचानक औपचारिक मान्यता
- (D) देवाल सँ कागज, कपड़ा आ कैनवास दिस विस्तार

५२. मिथिला चित्रकलामे 'भौगोलिक संकेत' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) देखैत-सिखैत पीढ़ी दर पीढ़ी ज्ञान
- (B) हाट, संग्रहालय, प्रदर्शनी आ विद्यालय तक पहुँच
- (C) समतल सतह पर प्रतीकात्मक चित्रण
- (D) क्षेत्रीय पहिचानक औपचारिक मान्यता

५३. 'भौगोलिक संकेत' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) लौह-उद्योगक प्रक्रिया
- (B) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय
- (C) समुद्री व्यापारक कर
- (D) भारतीय गणितक सूत्र

५४. भौगोलिक संकेत सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।
- (B) ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र अछि।
- (C) ई क्षेत्रीय पहिचानक औपचारिक मान्यता सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।

५५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे भौगोलिक संकेत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई खेतीक हल-चाल मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई क्षेत्रीय पहिचानक औपचारिक मान्यता केँ बुझाबैत अछि।

५६. लोक-चित्रकलाक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) जनजीवनक भीतर जनमल कला
- (B) हाट, संग्रहालय, प्रदर्शनी आ विद्यालय तक पहुँच
- (C) पुरान विधि केँ नूतन माध्यम पर जीवित राखब
- (D) चित्रकला केँ जीवित राखयवला पारम्परिक पट

५७. मिथिला चित्रकलामे 'लोक-चित्रकला' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) पुरान विधि केँ नूतन माध्यम पर जीवित राखब
- (B) जनजीवनक भीतर जनमल कला
- (C) हाट, संग्रहालय, प्रदर्शनी आ विद्यालय तक पहुँच
- (D) खाली जगह केँ बिन्दु, रेखा, पात, फूल सँ भरब

५८. 'लोक-चित्रकला' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) भारतीय गणितक सूत्र
- (B) लौह-उद्योगक प्रक्रिया
- (C) समुद्री व्यापारक कर
- (D) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय

५९. लोक-चित्रकला सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई शहरक यातायात-नियम अछि।
- (B) ई जनजीवनक भीतर जनमल कला सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।
- (D) ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा अछि।

६०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे लोक-चित्रकला किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई जनजीवनक भीतर जनमल कला केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई रेखाहीन धुँआट चित्र केँ बुझाबैत अछि।

६१. संस्कार-चित्रक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) जन्म, विवाह, उपनयन, पर्व आदिसँ जुड़ल चित्र
- (B) चित्रकला केँ जीवित राखयवला पारम्परिक पट
- (C) देखैत-सिखैत पीढ़ी दर पीढ़ी ज्ञान
- (D) धार्मिक, सामाजिक आ सजावटी तत्वक संगम

६२. मिथिला चित्रकलामे 'संस्कार-चित्र' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) खाली जगह केँ बिन्दु, रेखा, पात, फूल सँ भरब
- (B) समतल सतह पर प्रतीकात्मक चित्रण
- (C) जन्म, विवाह, उपनयन, पर्व आदिसँ जुड़ल चित्र
- (D) पुरान विधि केँ नूतन माध्यम पर जीवित राखब

६३. 'संस्कार-चित्र' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) समुद्री व्यापारक कर
- (B) भारतीय गणितक सूत्र
- (C) लौह-उद्योगक प्रक्रिया
- (D) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय

६४. संस्कार-चित्र सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।
- (B) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।
- (C) ई जन्म, विवाह, उपनयन, पर्व आदिसँ जुड़ल चित्र सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।

६५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे संस्कार-चित्र किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई नदी मापयक विज्ञान मात्रा केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई जन्म, विवाह, उपनयन, पर्व आदिसँ जुड़ल चित्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई केवल पत्थर काटबाक काम केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।

६६. पारम्परिक रंग-भावक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) चटख, धरतीसँ जुड़ल आ प्रतीकात्मक रंग
- (B) जनजीवनक भीतर जनमल कला
- (C) पुरान विधि केँ नूतन माध्यम पर जीवित राखब
- (D) देवाल सँ कागज, कपड़ा आ केनवास दिस विस्तार

६७. मिथिला चित्रकलामे 'पारम्परिक रंग-भाव' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) माटि लेपल देवाल आ आँगनक धरातल
- (B) पुरान विधि केँ नूतन माध्यम पर जीवित राखब
- (C) चटख, धरतीसँ जुड़ल आ प्रतीकात्मक रंग
- (D) देखैत-सिखैत पीढ़ी दर पीढ़ी ज्ञान

६८. 'पारम्परिक रंग-भाव' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) समुद्री व्यापारक कर
- (B) भारतीय गणितक सूत्र
- (C) लौह-उद्योगक प्रक्रिया
- (D) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय

६९. पारम्परिक रंग-भाव सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई सैनिक परेडक अभ्यास अछि।
- (B) ई चटख, धरतीसँ जुड़ल आ प्रतीकात्मक रंग सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई शहरक यातायात-नियम अछि।
- (D) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।

७०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे पारम्परिक रंग-भाव किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल पत्थर काटबाक काम केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई चटख, धरतीसँ जुड़ल आ प्रतीकात्मक रंग केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्रा केँ बुझाबैत अछि।

७१. रेखाक प्रधानताक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) जनजीवनक भीतर जनमल कला
- (B) देखैत-सिखैत पीढ़ी दर पीढ़ी ज्ञान
- (C) चित्रमे पूजा, पर्व आ संस्कारक भाव
- (D) सीमा-रेखा आ आकृतिक स्पष्टता

७२. मिथिला चित्रकलामे 'रेखाक प्रधानता' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) माटि लेपल देवाल आ आँगनक धरातल
- (B) सीमा-रेखा आ आकृतिक स्पष्टता
- (C) चित्रमे पूजा, पर्व आ संस्कारक भाव
- (D) पुरान विधि केँ नूतन माध्यम पर जीवित राखब

७३. 'रेखाक प्रधानता' कें एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) समुद्री व्यापारक कर
- (B) भारतीय गणितक सूत्र
- (C) लौह-उद्योगक प्रक्रिया
- (D) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय

७४. रेखाक प्रधानता सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।
- (B) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।
- (C) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबक नियम अछि।
- (D) ई सीमा-रेखा आ आकृतिक स्पष्टता सँ जुड़ल अछि।

७५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे रेखाक प्रधानता किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता कें बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई युद्धक लोहेक औजार कें बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई सीमा-रेखा आ आकृतिक स्पष्टता कें बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी कें बुझाबैत अछि।

७६. घरक भीतक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) मिथिला प्रदेशक सांस्कृतिक भूभाग
- (B) हाट, संग्रहालय, प्रदर्शनी आ विद्यालय तक पहुँच
- (C) पुरान विधि कें नूतन माध्यम पर जीवित राखब
- (D) चित्रकला कें जीवित राखयवला पारम्परिक पट

७७. मिथिला चित्रकलामे 'घरक भीत' देखल जाए त विद्यार्थी कें मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) खाली जगह कें बिन्दु, रेखा, पात, फूल सँ भरब
- (B) जनजीवनक भीतर जनमल कला
- (C) समुदायक कथा, देवी-देवता आ जीवनक स्मरण
- (D) चित्रकला कें जीवित राखयवला पारम्परिक पट

७८. 'घरक भीत' कें एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) समुद्री व्यापारक कर
- (B) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय
- (C) लौह-उद्योगक प्रक्रिया
- (D) भारतीय गणितक सूत्र

७९. घरक भीत सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।
- (B) ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा अछि।
- (C) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।
- (D) ई चित्रकला कें जीवित राखयवला पारम्परिक पट सँ जुड़ल अछि।

८०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे घरक भीत किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र कें बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई रेखाहीन धुँआट चित्र कें बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी कें बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई चित्रकला कें जीवित राखयवला पारम्परिक पट कें बुझाबैत अछि।

८१. लोक-स्मृतिक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) माटि लेपल देवाल आ आँगनक धरातल
- (B) क्षेत्रीय पहिचानक औपचारिक मान्यता
- (C) समुदायक कथा, देवी-देवता आ जीवनक स्मरण
- (D) हाट, संग्रहालय, प्रदर्शनी आ विद्यालय तक पहुँच

८२. मिथिला चित्रकलामे 'लोक-स्मृति' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) प्रमुख उत्पादन आ पहिचान केन्द्र
- (B) समुदायक कथा, देवी-देवता आ जीवनक स्मरण
- (C) घर-परिवारक स्त्री लोकनि
- (D) पुरान विधि केँ नूतन माध्यम पर जीवित राखब

८३. 'लोक-स्मृति' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) समुद्री व्यापारक कर
- (B) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय
- (C) भारतीय गणितक सूत्र
- (D) लौह-उद्योगक प्रक्रिया

८४. लोक-स्मृति सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम अछि।
- (B) ई समुदायक कथा, देवी-देवता आ जीवनक स्मरण सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।
- (D) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।

८५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे लोक-स्मृति किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई समुदायक कथा, देवी-देवता आ जीवनक स्मरण केँ बुझाबैत अछि।

८६. आधुनिक प्रसारक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) जन्म, विवाह, उपनयन, पर्व आदिसँ जुड़ल चित्र
- (B) धार्मिक, सामाजिक आ सजावटी तत्वक संगम
- (C) हाट, संग्रहालय, प्रदर्शनी आ विद्यालय तक पहुँच
- (D) देवाल सँ कागज, कपड़ा आ कैनवास दिस विस्तार

८७. मिथिला चित्रकलामे 'आधुनिक प्रसार' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) चित्रकला केँ जीवित राखयवला पारम्परिक पट
- (B) देवाल सँ कागज, कपड़ा आ कैनवास दिस विस्तार
- (C) खाली जगह केँ बिन्दु, रेखा, पात, फूल सँ भरब
- (D) हाट, संग्रहालय, प्रदर्शनी आ विद्यालय तक पहुँच

८८. 'आधुनिक प्रसार' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) भारतीय गणितक सूत्र
- (B) समुद्री व्यापारक कर
- (C) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय
- (D) लौह-उद्योगक प्रक्रिया

८९. आधुनिक प्रसार सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।
- (B) ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र अछि।
- (C) ई हाट, संग्रहालय, प्रदर्शनी आ विद्यालय तक पहुँच सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।

९०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे आधुनिक प्रसार किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई हाट, संग्रहालय, प्रदर्शनी आ विद्यालय तक पहुँच केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई खेतीक हल-चाल मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।

९१. मिथिला चित्रकलाक मूल स्वभावक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) देवाल सँ कागज, कपड़ा आ कैनवास दिस विस्तार
- (B) चित्रकला केँ जीवित राखयवला पारम्परिक पट
- (C) धार्मिक, सामाजिक आ सजावटी तत्वक संगम
- (D) चित्रमे पूजा, पर्व आ संस्कारक भाव

९२. मिथिला चित्रकलामे 'मिथिला चित्रकलाक मूल स्वभाव' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) खाली जगह केँ बिन्दु, रेखा, पात, फूल सँ भरब
- (B) चटख, धरतीसँ जुड़ल आ प्रतीकात्मक रंग
- (C) धार्मिक, सामाजिक आ सजावटी तत्वक संगम
- (D) घर-परिवारक स्त्री लोकनि

९३. 'मिथिला चित्रकलाक मूल स्वभाव' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) लौह-उद्योगक प्रक्रिया
- (B) भारतीय गणितक सूत्र
- (C) समुद्री व्यापारक कर
- (D) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय

९४. मिथिला चित्रकलाक मूल स्वभाव सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।
- (B) ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र अछि।
- (C) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।
- (D) ई धार्मिक, सामाजिक आ सजावटी तत्वक संगम सँ जुड़ल अछि।

९५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे मिथिला चित्रकलाक मूल स्वभाव किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई विद्यालयक परीक्षा-सूची केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई नदी मापयक विज्ञान मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई धार्मिक, सामाजिक आ सजावटी तत्वक संगम केँ बुझाबैत अछि।

९६. कलात्मक निरन्तरताक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) हाट, संग्रहालय, प्रदर्शनी आ विद्यालय तक पहुँच
- (B) पुरान विधि केँ नूतन माध्यम पर जीवित राखब
- (C) चटख, धरतीसँ जुड़ल आ प्रतीकात्मक रंग
- (D) देखैत-सिखैत पीढ़ी दर पीढ़ी ज्ञान

९७. मिथिला चित्रकलामे 'कलात्मक निरन्तरता' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) पुरान विधि केँ नूतन माध्यम पर जीवित राखब
- (B) मधुबनी चित्रकला
- (C) देवाल सँ कागज, कपड़ा आ कैनवास दिस विस्तार
- (D) देखैत-सिखैत पीढ़ी दर पीढ़ी ज्ञान

९८. 'कलात्मक निरन्तरता' केँ एहि विचित्रक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) लौह-उद्योगक प्रक्रिया
- (B) भारतीय गणितक सूत्र
- (C) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय
- (D) समुद्री व्यापारक कर

९९. कलात्मक निरन्तरता सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई पुरान विधि केँ नूतन माध्यम पर जीवित राखब सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।
- (C) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।
- (D) ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी अछि।

१००. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे कलात्मक निरन्तरता किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई रेखाहीन धुँआट चित्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई पुरान विधि केँ नूतन माध्यम पर जीवित राखब केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई नदी मापयक विज्ञान मात्र केँ बुझाबैत अछि।

शैली आ उपशैली

१०१. भरनी शैलीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) रंग भराव पर केन्द्रित शैली
- (B) बाहरी किनार पर फूल-पात वा ज्यामितीय पट्टी
- (C) गामक जीवन, श्रम, स्त्री, उत्सवक चित्रण
- (D) विवाह-कक्ष आ दाम्पत्य मंगलसँ जुड़ल शैली

१०२. मिथिला चित्रकलामे 'भरनी शैली' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) नियमबद्ध अकादमिक चित्रणसँ बेसी जन-अभिव्यक्ति
- (B) देवता आ पूजा-स्थलक सजावटी चित्र
- (C) रंग भराव पर केन्द्रित शैली
- (D) चटख रंग आ स्पष्ट क्षेत्र विभाजन

१०३. 'भरनी शैली' केँ एहि विचित्रक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) मुद्रा-विनिमय दर
- (B) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद
- (C) हथियारक प्रकार
- (D) दरबारी संगीतक राग

१०४. भरनी शैली सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।
- (B) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।
- (C) ई रंग भराव पर केन्द्रित शैली सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई साधारण लेखा-बही अछि।

१०५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे भरनी शैली किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई रंग भराव पर केन्द्रित शैली केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई साधारण लेखा-बही केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।

१०६. कचनी शैलीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) गामक जीवन, श्रम, स्त्री, उत्सवक चित्रण
- (B) सूक्ष्म रेखा आ हाचिंग पर आधारित शैली
- (C) कागज वा कपड़ा पर बनल चित्र
- (D) मांगलिक प्रतीक सँ भरल चित्र

१०७. मिथिला चित्रकलामे 'कचनी शैली' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) गामक जीवन, श्रम, स्त्री, उत्सवक चित्रण
- (B) बाहरी किनार पर फूल-पात वा ज्यामितीय पट्टी
- (C) एक चित्रमे घटना वा प्रसंगक प्रस्तुति
- (D) सूक्ष्म रेखा आ हाचिंग पर आधारित शैली

१०८. 'कचनी शैली' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) हथियारक प्रकार
- (B) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद
- (C) दरबारी संगीतक राग
- (D) मुद्रा-विनिमय दर

१०९. कचनी शैली सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।
- (B) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।
- (C) ई सूक्ष्म रेखा आ हाचिंग पर आधारित शैली सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई साधारण लेखा-बही अछि।

११०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे कचनी शैली किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई सूक्ष्म रेखा आ हाचिंग पर आधारित शैली केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई भोजन पकाबयक विधि केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई केवल पत्थर काटबाक काम केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।

१११. तांत्रिक शैलीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) नियमबद्ध अकादमिक चित्रणसँ बेसी जन-अभिव्यक्ति
- (B) राम-सीता, राधा-कृष्ण, शिव-पार्वती आदिक चित्र
- (C) देवी-देवता आ तांत्रिक प्रतीकक चित्रण
- (D) एक चित्रमे घटना वा प्रसंगक प्रस्तुति

११२. मिथिला चित्रकलामे 'तांत्रिक शैली' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) रेखा प्रधान, कम रंग वाला चित्र
- (B) रेखा आ रंग दुनूक संयुक्त प्रयोग
- (C) देवी-देवता आ तांत्रिक प्रतीकक चित्रण
- (D) विवाह-कक्ष आ दाम्पत्य मंगलसँ जुड़ल शैली

११३. 'तांत्रिक शैली' कें एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) दरबारी संगीतक राग
- (B) हथियारक प्रकार
- (C) मुद्रा-विनिमय दर
- (D) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद

११४. तांत्रिक शैली सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।
- (B) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।
- (C) ई देवी-देवता आ तांत्रिक प्रतीकक चित्रण सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई केवल संगमरमर मूर्ति बनावयक पद्धति अछि।

११५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे तांत्रिक शैली किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई युद्धक लोहेक औजार कें बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई शहरक यातायात-नियम कें बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई भोजन पकाबयक विधि कें बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई देवी-देवता आ तांत्रिक प्रतीकक चित्रण कें बुझाबैत अछि।

११६. गोदना शैलीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) रेखा आ रंग दुनूक संयुक्त प्रयोग
- (B) कागज वा कपड़ा पर बनल चित्र
- (C) टैटू-जकाँ बिन्दु-रेखा पर आधारित लोकशैली
- (D) चाउरक घोल सँ बनल भूमि-चित्र

११७. मिथिला चित्रकलामे 'गोदना शैली' देखल जाए त विद्यार्थी कें मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) विवाह-कक्ष आ दाम्पत्य मंगलसँ जुड़ल शैली
- (B) रेखा आ रंग दुनूक संयुक्त प्रयोग
- (C) एक चित्रमे घटना वा प्रसंगक प्रस्तुति
- (D) टैटू-जकाँ बिन्दु-रेखा पर आधारित लोकशैली

११८. 'गोदना शैली' कें एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) हथियारक प्रकार
- (B) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद
- (C) दरबारी संगीतक राग
- (D) मुद्रा-विनिमय दर

११९. गोदना शैली सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।
- (B) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।
- (C) ई टैटू-जकाँ बिन्दु-रेखा पर आधारित लोकशैली सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा अछि।

१२०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे गोदना शैली किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई दुकानक हिसाब-किताब कें बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा कें बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई टैटू-जकाँ बिन्दु-रेखा पर आधारित लोकशैली कें बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई रेखाहीन धुँआट चित्र कें बुझाबैत अछि।

१२१. कोहबर शैलीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) नियमबद्ध अकादमिक चित्रणसँ बेसी जन-अभिव्यक्ति
- (B) विवाह-कक्ष आ दाम्पत्य मंगलसँ जुड़ल शैली
- (C) केन्द्र आ चारू दिस फैलैत संतुलित रचना
- (D) चाउरक घोल सँ बनल भूमि-चित्र

१२२. मिथिला चित्रकलामे 'कोहबर शैली' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) विवाह-कक्ष आ दाम्पत्य मंगलसँ जुड़ल शैली
- (B) चाउरक घोल सँ बनल भूमि-चित्र
- (C) रेखा प्रधान, कम रंग वाला चित्र
- (D) देवाल पर बनाओल चित्र

१२३. 'कोहबर शैली' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद
- (B) दरबारी संगीतक राग
- (C) हथियारक प्रकार
- (D) मुद्रा-विनिमय दर

१२४. कोहबर शैली सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई विवाह-कक्ष आ दाम्पत्य मंगलसँ जुड़ल शैली सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।
- (C) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।
- (D) ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी अछि।

१२५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे कोहबर शैली किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई विवाह-कक्ष आ दाम्पत्य मंगलसँ जुड़ल शैली केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई दुकानक हिसाब-किताब केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा केँ बुझाबैत अछि।

१२६. अरिपनक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) रंग भराव पर केन्द्रित शैली
- (B) चाउरक घोल सँ बनल भूमि-चित्र
- (C) एक चित्रमे घटना वा प्रसंगक प्रस्तुति
- (D) चटख रंग आ स्पष्ट क्षेत्र विभाजन

१२७. मिथिला चित्रकलामे 'अरिपन' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) राम-सीता, राधा-कृष्ण, शिव-पार्वती आदिक चित्र
- (B) चाउरक घोल सँ बनल भूमि-चित्र
- (C) देवता आ पूजा-स्थलक सजावटी चित्र
- (D) मांगलिक प्रतीक सँ भरल चित्र

१२८. 'अरिपन' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद
- (B) दरबारी संगीतक राग
- (C) मुद्रा-विनिमय दर
- (D) हथियारक प्रकार

१२९. अरिपन सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।
- (B) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।
- (C) ई चाउरक घोल सँ बनल भूमि-चित्र सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई शहरक यातायात-नियम अछि।

१३०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे अरिपन किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई चाउरक घोल सँ बनल भूमि-चित्र केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केवल पत्थर काटबाक काम केँ बुझाबैत अछि।

१३१. भित्ति-चित्रक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) टैटू-जकाँ बिन्दु-रेखा पर आधारित लोकशैली
- (B) देवाल पर बनाओल चित्र
- (C) गामक जीवन, श्रम, स्त्री, उत्सवक चित्रण
- (D) नियमबद्ध अकादमिक चित्रणसँ बेसी जन-अभिव्यक्ति

१३२. मिथिला चित्रकलामे 'भित्ति-चित्र' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) देवाल पर बनाओल चित्र
- (B) एक चित्रमे घटना वा प्रसंगक प्रस्तुति
- (C) चाउरक घोल सँ बनल भूमि-चित्र
- (D) विवाह-कक्ष आ दाम्पत्य मंगलसँ जुड़ल शैली

१३३. 'भित्ति-चित्र' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) मुद्रा-विनिमय दर
- (B) हथियारक प्रकार
- (C) दरबारी संगीतक राग
- (D) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद

१३४. भित्ति-चित्र सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।
- (B) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।
- (C) ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा अछि।
- (D) ई देवाल पर बनाओल चित्र सँ जुड़ल अछि।

१३५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे भित्ति-चित्र किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई देवाल पर बनाओल चित्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई सैनिक परेडक अभ्यास केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।

१३६. पट-चित्रक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) केन्द्र आ चारु दिस फैलैत संतुलित रचना
- (B) कागज वा कपड़ा पर बनल चित्र
- (C) विवाह-कक्ष आ दाम्पत्य मंगलसँ जुड़ल शैली
- (D) नियमबद्ध अकादमिक चित्रणसँ बेसी जन-अभिव्यक्ति

१३७. मिथिला चित्रकलामे 'पट-चित्र' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) रेखा प्रधान, कम रंग वाला चित्र
- (B) कागज वा कपड़ा पर बनल चित्र
- (C) नियमबद्ध अकादमिक चित्रणसँ बेसी जन-अभिव्यक्ति
- (D) राम-सीता, राधा-कृष्ण, शिव-पार्वती आदिक चित्र

१३८. 'पट-चित्र' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) दरबारी संगीतक राग
- (B) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद
- (C) मुद्रा-विनिमय दर
- (D) हथियारक प्रकार

१३९. पट-चित्र सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई कागज वा कपड़ा पर बनल चित्र सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई शहरक यातायात-नियम अछि।
- (C) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।
- (D) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।

१४०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे पट-चित्र किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई विद्यालयक परीक्षा-सूची केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई कागज वा कपड़ा पर बनल चित्र केँ बुझाबैत अछि।

१४१. कछनी-भरनी मिश्रणक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) रेखा आ रंग दुनूक संयुक्त प्रयोग
- (B) केन्द्र आ चारु दिस फैलैत संतुलित रचना
- (C) कागज वा कपड़ा पर बनल चित्र
- (D) मांगलिक प्रतीक सँ भरल चित्र

१४२. मिथिला चित्रकलामे 'कछनी-भरनी मिश्रण' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) रंग भराव पर केन्द्रित शैली
- (B) रेखा आ रंग दुनूक संयुक्त प्रयोग
- (C) गामक जीवन, श्रम, स्त्री, उत्सवक चित्रण
- (D) रेखा प्रधान, कम रंग वाला चित्र

१४३. 'कछनी-भरनी मिश्रण' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद
- (B) मुद्रा-विनिमय दर
- (C) दरबारी संगीतक राग
- (D) हथियारक प्रकार

१४४. कछनी-भरनी मिश्रण सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र अछि।
- (B) ई रेखा आ रंग दुनूक संयुक्त प्रयोग सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी अछि।
- (D) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।

१४५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे कछनी-भरनी मिश्रण किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई रेखा आ रंग दुनूक संयुक्त प्रयोग केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।

१४६. लोक-शैलीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) रेखा आ रंग दुनूक संयुक्त प्रयोग
- (B) मांगलिक प्रतीक सँ भरल चित्र
- (C) नियमबद्ध अकादमिक चित्रणसँ बेसी जन-अभिव्यक्ति
- (D) रंग भराव पर केन्द्रित शैली

१४७. मिथिला चित्रकलामे 'लोक-शैली' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) चाउरक घोल सँ बनल भूमि-चित्र
- (B) मांगलिक प्रतीक सँ भरल चित्र
- (C) नियमबद्ध अकादमिक चित्रणसँ बेसी जन-अभिव्यक्ति
- (D) देवाल पर बनाओल चित्र

१४८. 'लोक-शैली' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) मुद्रा-विनिमय दर
- (B) हथियारक प्रकार
- (C) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद
- (D) दरबारी संगीतक राग

१४९. लोक-शैली सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई शहरक यातायात-नियम अछि।
- (B) ई नियमबद्ध अकादमिक चित्रणसँ बेसी जन-अभिव्यक्ति सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र अछि।
- (D) ई साधारण लेखा-बही अछि।

१५०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे लोक-शैली किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई भोजन पकाबयक विधि केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई दुकानक हिसाब-किताब केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई नियमबद्ध अकादमिक चित्रणसँ बेसी जन-अभिव्यक्ति केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र केँ बुझाबैत अछि।

१५१. देव-विषयक शैलीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) रेखा प्रधान, कम रंग वाला चित्र
- (B) राम-सीता, राधा-कृष्ण, शिव-पार्वती आदिक चित्र
- (C) सूक्ष्म रेखा आ हाचिंग पर आधारित शैली
- (D) गामक जीवन, श्रम, स्त्री, उत्सवक चित्रण

१५२. मिथिला चित्रकलामे 'देव-विषयक शैली' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) एक चित्रमे घटना वा प्रसंगक प्रस्तुति
- (B) राम-सीता, राधा-कृष्ण, शिव-पार्वती आदिक चित्र
- (C) टैटू-जकाँ बिन्दु-रेखा पर आधारित लोकशैली
- (D) रंग भराव पर केन्द्रित शैली

१५३. 'देव-विषयक शैली' कें एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) हथियारक प्रकार
- (B) मुद्रा-विनिमय दर
- (C) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद
- (D) दरबारी संगीतक राग

१५४. देव-विषयक शैली सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई शहरक यातायात-नियम अछि।
- (B) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।
- (C) ई नदी मापयक विज्ञान मात्र अछि।
- (D) ई राम-सीता, राधा-कृष्ण, शिव-पार्वती आदिक चित्र सँ जुड़ल अछि।

१५५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे देव-विषयक शैली किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई राम-सीता, राधा-कृष्ण, शिव-पार्वती आदिक चित्र कें बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम कें बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई नदी मापयक विज्ञान मात्र कें बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता कें बुझाबैत अछि।

१५६. प्रकृति-विषयक शैलीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) गाछ, पात, माछ, चिड़ै, सूर्य, चन्द्रक चित्र
- (B) बाहरी किनार पर फूल-पात वा ज्यामितीय पट्टी
- (C) रंग भराव पर केन्द्रित शैली
- (D) एक चित्रमे घटना वा प्रसंगक प्रस्तुति

१५७. मिथिला चित्रकलामे 'प्रकृति-विषयक शैली' देखल जाए त विद्यार्थी कें मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) गाछ, पात, माछ, चिड़ै, सूर्य, चन्द्रक चित्र
- (B) रेखा आ रंग दुनूक संयुक्त प्रयोग
- (C) विवाह-कक्ष आ दाम्पत्य मंगलसँ जुड़ल शैली
- (D) देवी-देवता आ तांत्रिक प्रतीकक चित्रण

१५८. 'प्रकृति-विषयक शैली' कें एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद
- (B) हथियारक प्रकार
- (C) मुद्रा-विनिमय दर
- (D) दरबारी संगीतक राग

१५९. प्रकृति-विषयक शैली सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम अछि।
- (B) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।
- (C) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।
- (D) ई गाछ, पात, माछ, चिड़ै, सूर्य, चन्द्रक चित्र सँ जुड़ल अछि।

१६०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे प्रकृति-विषयक शैली किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई साधारण लेखा-बही कें बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई गाछ, पात, माछ, चिड़ै, सूर्य, चन्द्रक चित्र कें बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति कें बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी कें बुझाबैत अछि।

१६१. समाज-विषयक शैलीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) केन्द्र आ चारु दिस फैलैत संतुलित रचना
- (B) बाहरी किनार पर फूल-पात वा ज्यामितीय पट्टी
- (C) गामक जीवन, श्रम, स्त्री, उत्सवक चित्रण
- (D) नियमबद्ध अकादमिक चित्रणसँ बेसी जन-अभिव्यक्ति

१६२. मिथिला चित्रकलामे 'समाज-विषयक शैली' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) राम-सीता, राधा-कृष्ण, शिव-पार्वती आदिक चित्र
- (B) टैटू-जकाँ बिन्दु-रेखा पर आधारित लोकशैली
- (C) मांगलिक प्रतीक सँ भरल चित्र
- (D) गामक जीवन, श्रम, स्त्री, उत्सवक चित्रण

१६३. 'समाज-विषयक शैली' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) मुद्रा-विनिमय दर
- (B) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद
- (C) हथियारक प्रकार
- (D) दरबारी संगीतक राग

१६४. समाज-विषयक शैली सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा अछि।
- (B) ई गामक जीवन, श्रम, स्त्री, उत्सवक चित्रण सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति अछि।
- (D) ई शहरक यातायात-नियम अछि।

१६५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे समाज-विषयक शैली किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई भोजन पकाबयक विधि केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई गामक जीवन, श्रम, स्त्री, उत्सवक चित्रण केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केवल पत्थर काटबाक काम केँ बुझाबैत अछि।

१६६. रेखीय शैलीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) रेखा आ रंग दुनूक संयुक्त प्रयोग
- (B) देवाल पर बनाओल चित्र
- (C) मांगलिक प्रतीक सँ भरल चित्र
- (D) रेखा प्रधान, कम रंग वाला चित्र

१६७. मिथिला चित्रकलामे 'रेखीय शैली' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) देवी-देवता आ तांत्रिक प्रतीकक चित्रण
- (B) केन्द्र आ चारु दिस फैलैत संतुलित रचना
- (C) देवाल पर बनाओल चित्र
- (D) रेखा प्रधान, कम रंग वाला चित्र

१६८. 'रेखीय शैली' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) हथियारक प्रकार
- (B) दरबारी संगीतक राग
- (C) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद
- (D) मुद्रा-विनिमय दर

१६९. रेखीय शैली सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई रेखा प्रधान, कम रंग वाला चित्र सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।
- (C) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबक नियम अछि।
- (D) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।

१७०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे रेखीय शैली किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल पत्थर काटबाक काम कें बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबक नियम कें बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई रेखा प्रधान, कम रंग वाला चित्र कें बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई युद्धक लोहेक औजार कें बुझाबैत अछि।

१७१. रंगप्रधान शैलीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) चटख रंग आ स्पष्ट क्षेत्र विभाजन
- (B) देवता आ पूजा-स्थलक सजावटी चित्र
- (C) एक चित्रमे घटना वा प्रसंगक प्रस्तुति
- (D) देवी-देवता आ तांत्रिक प्रतीकक चित्रण

१७२. मिथिला चित्रकलामे 'रंगप्रधान शैली' देखल जाए त विद्यार्थी कें मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) रेखा प्रधान, कम रंग वाला चित्र
- (B) गाछ, पात, माछ, चिड़ै, सूर्य, चन्द्रक चित्र
- (C) सूक्ष्म रेखा आ हाचिंग पर आधारित शैली
- (D) चटख रंग आ स्पष्ट क्षेत्र विभाजन

१७३. 'रंगप्रधान शैली' कें एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद
- (B) हथियारक प्रकार
- (C) मुद्रा-विनिमय दर
- (D) दरबारी संगीतक राग

१७४. रंगप्रधान शैली सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।
- (B) ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी अछि।
- (C) ई नदी मापक विज्ञान मात्र अछि।
- (D) ई चटख रंग आ स्पष्ट क्षेत्र विभाजन सँ जुड़ल अछि।

१७५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे रंगप्रधान शैली किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई विद्यालयक परीक्षा-सूची कें बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल पत्थर काटबाक काम कें बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई चटख रंग आ स्पष्ट क्षेत्र विभाजन कें बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा कें बुझाबैत अछि।

१७६. विवाह-रचनाक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) गाछ, पात, माछ, चिड़ै, सूर्य, चन्द्रक चित्र
- (B) चटख रंग आ स्पष्ट क्षेत्र विभाजन
- (C) चाउरक घोल सँ बनल भूमि-चित्र
- (D) मांगलिक प्रतीक सँ भरल चित्र

१७७. मिथिला चित्रकलामे 'विवाह-रचना' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) रंग भराव पर केन्द्रित शैली
- (B) देवाल पर बनाओल चित्र
- (C) मांगलिक प्रतीक सँ भरल चित्र
- (D) रेखा प्रधान, कम रंग वाला चित्र

१७८. 'विवाह-रचना' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) मुद्रा-विनिमय दर
- (B) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद
- (C) दरबारी संगीतक राग
- (D) हथियारक प्रकार

१७९. विवाह-रचना सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा अछि।
- (B) ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति अछि।
- (C) ई मांगलिक प्रतीक सँ भरल चित्र सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।

१८०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे विवाह-रचना किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई मांगलिक प्रतीक सँ भरल चित्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केवल पत्थर काटबाक काम केँ बुझाबैत अछि।

१८१. पूजा-रचनाक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) देवता आ पूजा-स्थलक सजावटी चित्र
- (B) केन्द्र आ चारु दिस फैलैत संतुलित रचना
- (C) एक चित्रमे घटना वा प्रसंगक प्रस्तुति
- (D) चटख रंग आ स्पष्ट क्षेत्र विभाजन

१८२. मिथिला चित्रकलामे 'पूजा-रचना' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) देवी-देवता आ तांत्रिक प्रतीकक चित्रण
- (B) रंग भराव पर केन्द्रित शैली
- (C) देवता आ पूजा-स्थलक सजावटी चित्र
- (D) गाछ, पात, माछ, चिड़ै, सूर्य, चन्द्रक चित्र

१८३. 'पूजा-रचना' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद
- (B) दरबारी संगीतक राग
- (C) मुद्रा-विनिमय दर
- (D) हथियारक प्रकार

१८४. पूजा-रचना सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा अछि।
- (B) ई देवता आ पूजा-स्थलक सजावटी चित्र सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।
- (D) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।

१८५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे पूजा-रचना किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई भोजन पकाबयक विधि केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई साधारण लेखा-बही केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई देवता आ पूजा-स्थलक सजावटी चित्र केँ बुझाबैत अछि।

१८६. कथा-रचनाक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) एक चित्रमे घटना वा प्रसंगक प्रस्तुति
- (B) रेखा प्रधान, कम रंग वाला चित्र
- (C) नियमबद्ध अकादमिक चित्रणसँ बेसी जन-अभिव्यक्ति
- (D) गामक जीवन, श्रम, स्त्री, उत्सवक चित्रण

१८७. मिथिला चित्रकलामे 'कथा-रचना' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) सूक्ष्म रेखा आ हाचिंग पर आधारित शैली
- (B) देवाल पर बनाओल चित्र
- (C) मांगलिक प्रतीक सँ भरल चित्र
- (D) एक चित्रमे घटना वा प्रसंगक प्रस्तुति

१८८. 'कथा-रचना' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) दरबारी संगीतक राग
- (B) मुद्रा-विनिमय दर
- (C) हथियारक प्रकार
- (D) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद

१८९. कथा-रचना सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।
- (B) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।
- (C) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।
- (D) ई एक चित्रमे घटना वा प्रसंगक प्रस्तुति सँ जुड़ल अछि।

१९०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे कथा-रचना किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई रेखाहीन धुँआट चित्र केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई एक चित्रमे घटना वा प्रसंगक प्रस्तुति केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केवल पत्थर काटबाक काम केँ बुझाबैत अछि।

१९१. मंडलात्मक शैलीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) केन्द्र आ चारु दिस फैलैत संतुलित रचना
- (B) एक चित्रमे घटना वा प्रसंगक प्रस्तुति
- (C) गामक जीवन, श्रम, स्त्री, उत्सवक चित्रण
- (D) मांगलिक प्रतीक सँ भरल चित्र

१९२. मिथिला चित्रकलामे 'मंडलात्मक शैली' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) सूक्ष्म रेखा आ हाचिंग पर आधारित शैली
- (B) चटख रंग आ स्पष्ट क्षेत्र विभाजन
- (C) रेखा आ रंग दुनूक संयुक्त प्रयोग
- (D) केन्द्र आ चारु दिस फैलैत संतुलित रचना

१९३. 'मंडलात्मक शैली' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) दरबारी संगीतक राग
- (B) हथियारक प्रकार
- (C) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद
- (D) मुद्रा-विनिमय दर

१९४. मंडलात्मक शैली सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।
- (B) ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति अछि।
- (C) ई केन्द्र आ चारू दिस फैलैत संतुलित रचना सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।

१९५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे मंडलात्मक शैली किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केन्द्र आ चारू दिस फैलैत संतुलित रचना केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई सैनिक परेडक अभ्यास केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र केँ बुझाबैत अछि।

१९६. सीमारेखा सजावटक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) रेखा आ रंग दुनूक संयुक्त प्रयोग
- (B) बाहरी किनार पर फूल-पात वा ज्यामितीय पट्टी
- (C) कागज वा कपड़ा पर बनल चित्र
- (D) विवाह-कक्ष आ दाम्पत्य मंगलसँ जुड़ल शैली

१९७. मिथिला चित्रकलामे 'सीमारेखा सजावट' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) चटख रंग आ स्पष्ट क्षेत्र विभाजन
- (B) कागज वा कपड़ा पर बनल चित्र
- (C) टैटू-जकाँ बिन्दु-रेखा पर आधारित लोकशैली
- (D) बाहरी किनार पर फूल-पात वा ज्यामितीय पट्टी

१९८. 'सीमारेखा सजावट' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) हथियारक प्रकार
- (B) मुद्रा-विनिमय दर
- (C) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद
- (D) दरबारी संगीतक राग

१९९. सीमारेखा सजावट सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति अछि।
- (B) ई बाहरी किनार पर फूल-पात वा ज्यामितीय पट्टी सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र अछि।
- (D) ई शहरक यातायात-नियम अछि।

२००. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे सीमारेखा सजावट किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई बाहरी किनार पर फूल-पात वा ज्यामितीय पट्टी केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता केँ बुझाबैत अछि।

रेखा, रंग आ सामग्री

२०१. काजरक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) धरतीसँ मिलल रंगद्रव्य
- (B) कचनी शैलीक आधार
- (C) कालिखसँ बनल कारी रंग
- (D) खाली जगहमे छोटे बिन्दुक लय

२०२. मिथिला चित्रकलामे 'काजर' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) नारंगी आ गरम रंगक स्रोत
- (B) धरतीसँ मिलल रंगद्रव्य
- (C) कालिखसँ बनल कारी रंग
- (D) उज्जर रंग आ अरिपनक आधार

२०३. 'काजर' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) कानूनी दफा
- (B) औषधि-मात्रा
- (C) चित्र बनावयक सामग्री आ तकनीक
- (D) रेलवे मार्ग-संकेत

२०४. काजर सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।
- (B) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।
- (C) ई कालिखसँ बनल कारी रंग सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।

२०५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे काजर किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई दुकानक हिसाब-किताब केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई कालिखसँ बनल कारी रंग केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई भोजन पकाबयक विधि केँ बुझाबैत अछि।

२०६. हरिद्राक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) आधुनिक पोर्टेबल माध्यम
- (B) पीयर रंगक स्रोत
- (C) रंग केँ सतह पर टिकयबाक द्रव
- (D) समानान्तर वा तिरछ रेखासँ भराव

२०७. मिथिला चित्रकलामे 'हरिद्रा' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) कला-बजारक महत्त्वपूर्ण माध्यम
- (B) नील रंगक पारम्परिक स्रोत
- (C) पीयर रंगक स्रोत
- (D) सीधा हाथसँ चित्रणक साधन

२०८. 'हरिद्रा' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) चित्र बनावयक सामग्री आ तकनीक
- (B) औषधि-मात्रा
- (C) रेलवे मार्ग-संकेत
- (D) कानूनी दफा

२०९. हरिद्रा सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई पीयर रंगक स्रोत सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।
- (C) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।
- (D) ई सैनिक परेडक अभ्यास अछि।

२१०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे हरिद्रा किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई पीयर रंगक स्रोत केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई रेखाहीन धुँआट चित्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई खेतीक हल-चाल मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र केँ बुझाबैत अछि।

२११. चाउरक घोलक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) आधुनिक पोर्टेबल माध्यम
- (B) खाली जगहमे छोटे बिन्दुक लय
- (C) रेखा खींचबाक साधन
- (D) उज्जर रंग आ अरिपनक आधार

२१२. मिथिला चित्रकलामे 'चाउरक घोल' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) माटि-सँ जुड़ल लाल-भूरा रंग
- (B) उज्जर रंग आ अरिपनक आधार
- (C) आकृति आ पृष्ठभूमिक स्पष्ट भेद
- (D) स्पष्ट, चमकदार आ भिन्न रंगक मेल

२१३. 'चाउरक घोल' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) कानूनी दफा
- (B) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक
- (C) रेलवे मार्ग-संकेत
- (D) औषधि-मात्रा

२१४. चाउरक घोल सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई उज्जर रंग आ अरिपनक आधार सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई सैनिक परेडक अभ्यास अछि।
- (C) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।
- (D) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।

२१५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे चाउरक घोल किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई भोजन पकाबयक विधि केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई रेखाहीन धुँआट चित्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई उज्जर रंग आ अरिपनक आधार केँ बुझाबैत अछि।

२१६. पलाशक फूलक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) नील रंगक पारम्परिक स्रोत
- (B) नारंगी आ गरम रंगक स्रोत
- (C) फूल, पात, माटि, कालिख आदि सँ बनल रंग
- (D) आकृति केँ स्पष्ट करयवाली जुड़वा रेखा

२१७. मिथिला चित्रकलामे 'पलाशक फूल' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) नारंगी आ गरम रंगक स्रोत
- (B) खाली जगहमे छोटे बिन्दुक लय
- (C) नील रंगक पारम्परिक स्रोत
- (D) फूल, पात, माटि, कालिख आदि सँ बनल रंग

२१८. 'पलाशक फूल' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) चित्र बनावयक सामग्री आ तकनीक
- (B) औषधि-मात्रा
- (C) रेलवे मार्ग-संकेत
- (D) कानूनी दफा

२१९. पलाशक फूल सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।
- (B) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।
- (C) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।
- (D) ई नारंगी आ गरम रंगक स्रोत सँ जुड़ल अछि।

२२०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे पलाशक फूल किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई नारंगी आ गरम रंगक स्रोत केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई नदी मापयक विज्ञान मात्र केँ बुझाबैत अछि।

२२१. नीलक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) नारंगी आ गरम रंगक स्रोत
- (B) आकृति केँ स्पष्ट करयवाली जुड़वा रेखा
- (C) नील रंगक पारम्परिक स्रोत
- (D) कला-बजारक महत्त्वपूर्ण माध्यम

२२२. मिथिला चित्रकलामे 'नील' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) नील रंगक पारम्परिक स्रोत
- (B) पीयर रंगक स्रोत
- (C) समानान्तर वा तिरछ रेखासँ भराव
- (D) सीधा हाथसँ चित्रणक साधन

२२३. 'नील' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) चित्र बनावयक सामग्री आ तकनीक
- (B) औषधि-मात्रा
- (C) कानूनी दफा
- (D) रेलवे मार्ग-संकेत

२२४. नील सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई साधारण लेखा-बही अछि।
- (B) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।
- (C) ई नील रंगक पारम्परिक स्रोत सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।

२२५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे नील किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई नील रंगक पारम्परिक स्रोत केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई सैनिक परेडक अभ्यास केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम केँ बुझाबैत अछि।

२२६. लाल माटिक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) समानान्तर वा तिरछ रेखासँ भराव
- (B) रेखा खींचबाक साधन
- (C) माटि-सँ जुड़ल लाल-भूरा रंग
- (D) धरतीसँ मिलल रंगद्रव्य

२२७. मिथिला चित्रकलामे 'लाल माटि' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) आधुनिक पोर्टेबल माध्यम
- (B) रंग केँ सतह पर टिकयबाक द्रव
- (C) माटि-सँ जुड़ल लाल-भूरा रंग
- (D) कचनी शैलीक आधार

२२८. 'लाल माटि' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) चित्र बनावयक सामग्री आ तकनीक
- (B) कानूनी दफा
- (C) औषधि-मात्रा
- (D) रेलवे मार्ग-संकेत

२२९. लाल माटि सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई साधारण लेखा-बही अछि।
- (B) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।
- (C) ई केवल संगमरमर मूर्ति बनावयक पद्धति अछि।
- (D) ई माटि-सँ जुड़ल लाल-भूरा रंग सँ जुड़ल अछि।

२३०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे लाल माटि किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई माटि-सँ जुड़ल लाल-भूरा रंग केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई विद्यालयक परीक्षा-सूची केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई रेखाहीन धुँआट चित्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र केँ बुझाबैत अछि।

२३१. बाँसक काठीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) फूल, पात, माटि, कालिख आदि सँ बनल रंग
- (B) नारंगी आ गरम रंगक स्रोत
- (C) रेखा खींचबाक साधन
- (D) आकृति आ पृष्ठभूमिक स्पष्ट भेद

२३२. मिथिला चित्रकलामे 'बाँसक काठी' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) रेखा खींचबाक साधन
- (B) उज्जर रंग आ अरिपनक आधार
- (C) आधुनिक पोर्टेबल माध्यम
- (D) रंग केँ सतह पर टिकयबाक द्रव

२३३. 'बाँसक काठी' कें एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) औषधि-मात्रा
- (B) कानूनी दफा
- (C) रेलवे मार्ग-संकेत
- (D) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक

२३४. बाँसक काठी सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई रेखा खींचबाक साधन सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई सैनिक परेडक अभ्यास अछि।
- (C) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।
- (D) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।

२३५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे बाँसक काठी किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई रेखा खींचबाक साधन कें बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई साधारण लेखा-बही कें बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई भोजन पकाबयक विधि कें बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई युद्धक लोहेक औजार कें बुझाबैत अछि।

२३६. अंगुरीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) आकृति कें स्पष्ट करयवाली जुड़वा रेखा
- (B) रेखा खींचबाक साधन
- (C) आकृति आ पृष्ठभूमिक स्पष्ट भेद
- (D) सीधा हाथसँ चित्रणक साधन

२३७. मिथिला चित्रकलामे 'अंगुरी' देखल जाए त विद्यार्थी कें मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) स्पष्ट, चमकदार आ भिन्न रंगक मेल
- (B) फूल, पात, माटि, कालिख आदि सँ बनल रंग
- (C) सीधा हाथसँ चित्रणक साधन
- (D) पीयर रंगक स्रोत

२३८. 'अंगुरी' कें एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) कानूनी दफा
- (B) रेलवे मार्ग-संकेत
- (C) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक
- (D) औषधि-मात्रा

२३९. अंगुरी सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई सीधा हाथसँ चित्रणक साधन सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।
- (C) ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र अछि।
- (D) ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा अछि।

२४०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे अंगुरी किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र कें बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई खेतीक हल-चाल मात्र कें बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी कें बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई सीधा हाथसँ चित्रणक साधन कें बुझाबैत अछि।

२४१. खनिज रंगक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) धरतीसँ मिलल रंगद्रव्य
- (B) सीधा हाथसँ चित्रणक साधन
- (C) स्पष्ट, चमकदार आ भिन्न रंगक मेल
- (D) लम्बा टिकयवला आधुनिक सतह

२४२. मिथिला चित्रकलामे 'खनिज रंग' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) आकृति केँ स्पष्ट करयवाली जुड़वा रेखा
- (B) आकृति आ पृष्ठभूमिक स्पष्ट भेद
- (C) धरतीसँ मिलल रंगद्रव्य
- (D) माटि-सँ जुड़ल लाल-भूरा रंग

२४३. 'खनिज रंग' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) रेलवे मार्ग-संकेत
- (B) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक
- (C) औषधि-मात्रा
- (D) कानूनी दफा

२४४. खनिज रंग सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी अछि।
- (B) ई धरतीसँ मिलल रंगद्रव्य सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।
- (D) ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र अछि।

२४५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे खनिज रंग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई खेतीक हल-चाल मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई भोजन पकाबयक विधि केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई धरतीसँ मिलल रंगद्रव्य केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।

२४६. प्राकृतिक रंगक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) फूल, पात, माटि, कालिख आदि सँ बनल रंग
- (B) माटि-सँ जुड़ल लाल-भूरा रंग
- (C) आधुनिक पोर्टेबल माध्यम
- (D) खाली जगहमे छोटे बिन्दुक लय

२४७. मिथिला चित्रकलामे 'प्राकृतिक रंग' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) नारंगी आ गरम रंगक स्रोत
- (B) फूल, पात, माटि, कालिख आदि सँ बनल रंग
- (C) माटि-सँ जुड़ल लाल-भूरा रंग
- (D) कचनी शैलीक आधार

२४८. 'प्राकृतिक रंग' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक
- (B) औषधि-मात्रा
- (C) कानूनी दफा
- (D) रेलवे मार्ग-संकेत

२४९. प्राकृतिक रंग सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।
- (B) ई साधारण लेखा-बही अछि।
- (C) ई फूल, पात, माटि, कालिख आदि सँ बनल रंग सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम अछि।

२५०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे प्राकृतिक रंग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई नदी मापयक विज्ञान मात्रा केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई फूल, पात, माटि, कालिख आदि सँ बनल रंग केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई विद्यालयक परीक्षा-सूची केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई संगीतक ताल-वाद्य मात्रा केँ बुझाबैत अछि।

२५१. चटख विरोधी रंगक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) स्पष्ट, चमकदार आ भिन्न रंगक मेल
- (B) फूल, पात, माटि, कालिख आदि सँ बनल रंग
- (C) लम्बा टिकयवला आधुनिक सतह
- (D) पीयर रंगक स्रोत

२५२. मिथिला चित्रकलामे 'चटख विरोधी रंग' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) आकृति केँ स्पष्ट करयवाली जुड़वा रेखा
- (B) स्पष्ट, चमकदार आ भिन्न रंगक मेल
- (C) माटि-सँ जुड़ल लाल-भूरा रंग
- (D) नील रंगक पारम्परिक स्रोत

२५३. 'चटख विरोधी रंग' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक
- (B) औषधि-मात्रा
- (C) कानूनी दफा
- (D) रेलवे मार्ग-संकेत

२५४. चटख विरोधी रंग सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा अछि।
- (B) ई स्पष्ट, चमकदार आ भिन्न रंगक मेल सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई संगीतक ताल-वाद्य मात्रा अछि।
- (D) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।

२५५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे चटख विरोधी रंग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई स्पष्ट, चमकदार आ भिन्न रंगक मेल केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई दुकानक हिसाब-किताब केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता केँ बुझाबैत अछि।

२५६. महीन रेखाक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) समानान्तर वा तिरछ रेखासँ भराव
- (B) स्पष्ट, चमकदार आ भिन्न रंगक मेल
- (C) कचनी शैलीक आधार
- (D) आधुनिक पोर्टेबल माध्यम

२५७. मिथिला चित्रकलामे 'महीन रेखा' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) धरतीसँ मिलल रंगद्रव्य
- (B) कचनी शैलीक आधार
- (C) लम्बा टिकयवला आधुनिक सतह
- (D) आधुनिक पोर्टेबल माध्यम

२५८. 'महीन रेखा' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) रेलवे मार्ग-संकेत
- (B) औषधि-मात्रा
- (C) कानूनी दफा
- (D) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक

२५९. महीन रेखा सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।
- (B) ई कचनी शैलीक आधार सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम अछि।
- (D) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।

२६०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे महीन रेखा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई सैनिक परेडक अभ्यास केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई कचनी शैलीक आधार केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई भोजन पकाबयक विधि केँ बुझाबैत अछि।

२६१. दोहरी सीमा-रेखाक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) माटि-सँ जुड़ल लाल-भूरा रंग
- (B) उज्जर रंग आ अरिपनक आधार
- (C) स्पष्ट, चमकदार आ भिन्न रंगक मेल
- (D) आकृति केँ स्पष्ट करयवाली जुड़वा रेखा

२६२. मिथिला चित्रकलामे 'दोहरी सीमा-रेखा' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) आकृति केँ स्पष्ट करयवाली जुड़वा रेखा
- (B) उज्जर रंग आ अरिपनक आधार
- (C) समानान्तर वा तिरछ रेखासँ भराव
- (D) खाली जगहमे छोटे बिन्दुक लय

२६३. 'दोहरी सीमा-रेखा' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) रेलवे मार्ग-संकेत
- (B) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक
- (C) औषधि-मात्रा
- (D) कानूनी दफा

२६४. दोहरी सीमा-रेखा सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम अछि।
- (B) ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र अछि।
- (C) ई आकृति केँ स्पष्ट करयवाली जुड़वा रेखा सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।

२६५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे दोहरी सीमा-रेखा किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई आकृति केँ स्पष्ट करयवाली जुड़वा रेखा केँ बुझाबैत अछि।

२६६. बिन्दु भरावक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) खाली जगहमे छोटे बिन्दुक लय
- (B) कचनी शैलीक आधार
- (C) धरतीसँ मिलल रंगद्रव्य
- (D) आकृति आ पृष्ठभूमिक स्पष्ट भेद

२६७. मिथिला चित्रकलामे 'बिन्दु भराव' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) माटि-सँ जुड़ल लाल-भूरा रंग
- (B) कचनी शैलीक आधार
- (C) खाली जगहमे छोटे बिन्दुक लय
- (D) आकृति आ पृष्ठभूमिक स्पष्ट भेद

२६८. 'बिन्दु भराव' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) कानूनी दफा
- (B) रेलवे मार्ग-संकेत
- (C) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक
- (D) औषधि-मात्रा

२६९. बिन्दु भराव सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।
- (B) ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र अछि।
- (C) ई खाली जगहमे छोटे बिन्दुक लय सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा अछि।

२७०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे बिन्दु भराव किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई साधारण लेखा-बही केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई भोजन पकाबयक विधि केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई खाली जगहमे छोटे बिन्दुक लय केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम केँ बुझाबैत अछि।

२७१. हाचिंग रेखाक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) कला-बजारक महत्वपूर्ण माध्यम
- (B) रंग केँ सतह पर टिकयबाक द्रव
- (C) सीधा हाथसँ चित्रणक साधन
- (D) समानान्तर वा तिरछ रेखासँ भराव

२७२. मिथिला चित्रकलामे 'हाचिंग रेखा' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) कालिखसँ बनल कारी रंग
- (B) समानान्तर वा तिरछ रेखासँ भराव
- (C) आधुनिक पोर्टेबल माध्यम
- (D) खाली जगहमे छोटे बिन्दुक लय

२७३. 'हाचिंग रेखा' कैं एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक
- (B) औषधि-मात्रा
- (C) रेलवे मार्ग-संकेत
- (D) कानूनी दफा

२७४. हाचिंग रेखा सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई समानान्तर वा तिरछ रेखासँ भराव सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।
- (C) ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी अछि।
- (D) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।

२७५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे हाचिंग रेखा किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई समानान्तर वा तिरछ रेखासँ भराव कैं बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई खेतीक हल-चाल मात्र कैं बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र कैं बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम कैं बुझाबैत अछि।

२७६. कपड़ा सतहक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) आधुनिक पोर्टेबल माध्यम
- (B) नारंगी आ गरम रंगक स्रोत
- (C) आकृति कैं स्पष्ट करयवाली जुड़वा रेखा
- (D) सीधा हाथसँ चित्रणक साधन

२७७. मिथिला चित्रकलामे 'कपड़ा सतह' देखल जाए त विद्यार्थी कैं मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) आधुनिक पोर्टेबल माध्यम
- (B) कचनी शैलीक आधार
- (C) नारंगी आ गरम रंगक स्रोत
- (D) आकृति कैं स्पष्ट करयवाली जुड़वा रेखा

२७८. 'कपड़ा सतह' कैं एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) रेलवे मार्ग-संकेत
- (B) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक
- (C) औषधि-मात्रा
- (D) कानूनी दफा

२७९. कपड़ा सतह सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई सैनिक परेडक अभ्यास अछि।
- (B) ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा अछि।
- (C) ई आधुनिक पोर्टेबल माध्यम सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति अछि।

२८०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे कपड़ा सतह किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई आधुनिक पोर्टेबल माध्यम कैं बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी कैं बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई विद्यालयक परीक्षा-सूची कैं बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई साधारण लेखा-बही कैं बुझाबैत अछि।

२८१. हस्तनिर्मित कागजक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) आकृति केँ स्पष्ट करयवाली जुड़वा रेखा
- (B) कला-बजारक महत्त्वपूर्ण माध्यम
- (C) स्पष्ट, चमकदार आ भिन्न रंगक मेल
- (D) लम्बा टिकयवला आधुनिक सतह

२८२. मिथिला चित्रकलामे 'हस्तनिर्मित कागज' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) आधुनिक पोर्टेबल माध्यम
- (B) कला-बजारक महत्त्वपूर्ण माध्यम
- (C) कालिखसँ बनल कारी रंग
- (D) खाली जगहमे छोटे बिन्दुक लय

२८३. 'हस्तनिर्मित कागज' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) चित्र बनावयक सामग्री आ तकनीक
- (B) कानूनी दफा
- (C) औषधि-मात्रा
- (D) रेलवे मार्ग-संकेत

२८४. हस्तनिर्मित कागज सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा अछि।
- (B) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम अछि।
- (C) ई कला-बजारक महत्त्वपूर्ण माध्यम सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र अछि।

२८५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे हस्तनिर्मित कागज किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई कला-बजारक महत्त्वपूर्ण माध्यम केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।

२८६. कैनवासक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) नारंगी आ गरम रंगक स्रोत
- (B) माटि-सँ जुड़ल लाल-भूरा रंग
- (C) कालिखसँ बनल कारी रंग
- (D) लम्बा टिकयवला आधुनिक सतह

२८७. मिथिला चित्रकलामे 'कैनवास' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) सीधा हाथसँ चित्रणक साधन
- (B) माटि-सँ जुड़ल लाल-भूरा रंग
- (C) लम्बा टिकयवला आधुनिक सतह
- (D) रेखा खींचबाक साधन

२८८. 'कैनवास' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) कानूनी दफा
- (B) चित्र बनावयक सामग्री आ तकनीक
- (C) रेलवे मार्ग-संकेत
- (D) औषधि-मात्रा

२८९. कैनवास सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।
- (B) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।
- (C) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।
- (D) ई लम्बा टिकयवला आधुनिक सतह सँ जुड़ल अछि।

२९०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे कैनवास किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई नदी मापयक विज्ञान मात्रा केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई साधारण लेखा-बही केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई लम्बा टिकयवला आधुनिक सतह केँ बुझाबैत अछि।

२९१. रंगक बान्हक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) धरतीसँ मिलल रंगद्रव्य
- (B) स्पष्ट, चमकदार आ भिन्न रंगक मेल
- (C) रंग केँ सतह पर टिकयबाक द्रव
- (D) लम्बा टिकयवला आधुनिक सतह

२९२. मिथिला चित्रकलामे 'रंगक बान्ह' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) कालिखसँ बनल कारी रंग
- (B) रंग केँ सतह पर टिकयबाक द्रव
- (C) नारंगी आ गरम रंगक स्रोत
- (D) रेखा खींचबाक साधन

२९३. 'रंगक बान्ह' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) रेलवे मार्ग-संकेत
- (B) औषधि-मात्रा
- (C) चित्र बनावयक सामग्री आ तकनीक
- (D) कानूनी दफा

२९४. रंगक बान्ह सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई सैनिक परेडक अभ्यास अछि।
- (B) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।
- (C) ई शहरक यातायात-नियम अछि।
- (D) ई रंग केँ सतह पर टिकयबाक द्रव सँ जुड़ल अछि।

२९५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे रंगक बान्ह किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई रंग केँ सतह पर टिकयबाक द्रव केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई रेखाहीन धुँआट चित्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजावयक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई नदी मापयक विज्ञान मात्रा केँ बुझाबैत अछि।

२९६. साफ सीमाक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) उज्जर रंग आ अरिपनक आधार
- (B) कचनी शैलीक आधार
- (C) आकृति आ पृष्ठभूमिक स्पष्ट भेद
- (D) माटि-सँ जुड़ल लाल-भूरा रंग

२९७. मिथिला चित्रकलामे 'साफ सीमा' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) कालिखसँ बनल कारी रंग
- (B) आकृति आ पृष्ठभूमिक स्पष्ट भेद
- (C) नील रंगक पारम्परिक स्रोत
- (D) फूल, पात, माटि, कालिख आदि सँ बनल रंग

२९८. 'साफ सीमा' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) कानूनी दफा
- (B) रेलवे मार्ग-संकेत
- (C) औषधि-मात्रा
- (D) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक

२९९. साफ सीमा सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।
- (B) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।
- (C) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।
- (D) ई आकृति आ पृष्ठभूमिक स्पष्ट भेद सँ जुड़ल अछि।

३००. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे साफ सीमा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई आकृति आ पृष्ठभूमिक स्पष्ट भेद केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई साधारण लेखा-बही केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति केँ बुझाबैत अछि।

चिन्ह, आकृति आ रचना

३०१. कमलक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) बल, राजसत्ता आ शुभ अवसरक प्रतीक
- (B) पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक प्रतीक
- (C) सौन्दर्य, वर्षा आ उल्लासक प्रतीक
- (D) शीतलता, चक्र आ सौम्य भाव

३०२. मिथिला चित्रकलामे 'कमल' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) चित्रक केन्द्र-बिन्दु
- (B) वृद्धि आ प्रकृति-लय
- (C) पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक प्रतीक
- (D) वंश-वृद्धि आ स्थायित्वक प्रतीक

३०३. 'कमल' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) खगोल गणना मात्र
- (B) युद्ध-नीति
- (C) प्रतीक आ रचना-संरचना
- (D) बैंकक ब्याज-दर

३०४. कमल सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।
- (B) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम अछि।
- (C) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।
- (D) ई पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक प्रतीक सँ जुड़ल अछि।

३०५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे कमल किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक प्रतीक केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई नदी मापयक विज्ञान मात्र केँ बुझाबैत अछि।

३०६. माछक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) दिशा, शक्ति आ संरचनाक संकेत
- (B) बल, राजसत्ता आ शुभ अवसरक प्रतीक
- (C) जल, जीवन आ समृद्धिक प्रतीक
- (D) जल, धैर्य आ दीर्घजीवनक प्रतीक

३०७. मिथिला चित्रकलामे 'माछ' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) सन्देश, प्रेम आ हरियर जीवनक संकेत
- (B) जल, जीवन आ समृद्धिक प्रतीक
- (C) पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक प्रतीक
- (D) लय आ सजावटी एकता

३०८. 'माछ' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) खगोल गणना मात्र
- (B) प्रतीक आ रचना-संरचना
- (C) बैंकक ब्याज-दर
- (D) युद्ध-नीति

३०९. माछ सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई शहरक यातायात-नियम अछि।
- (B) ई जल, जीवन आ समृद्धिक प्रतीक सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।
- (D) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।

३१०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे माछ किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई सैनिक परेडक अभ्यास केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई जल, जीवन आ समृद्धिक प्रतीक केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र केँ बुझाबैत अछि।

३११. बाँसक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) ऊर्जा, समय आ जीवनक स्रोत
- (B) वंश-वृद्धि आ स्थायित्वक प्रतीक
- (C) चित्रक केन्द्र-बिन्दु
- (D) जागरण आ दैवी उपस्थिति

३१२. मिथिला चित्रकलामे 'बाँस' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) जल, जीवन आ समृद्धिक प्रतीक
- (B) दुनू दिसक संतुलित व्यवस्था
- (C) वंश-वृद्धि आ स्थायित्वक प्रतीक
- (D) दिशा, शक्ति आ संरचनाक संकेत

३१३. 'बाँस' कें एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) खगोल गणना मात्र
- (B) प्रतीक आ रचना-संरचना
- (C) बैंकक ब्याज-दर
- (D) युद्ध-नीति

३१४. बाँस सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई वंश-वृद्धि आ स्थायित्वक प्रतीक सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।
- (C) ई साधारण लेखा-बही अछि।
- (D) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।

३१५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे बाँस किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई वंश-वृद्धि आ स्थायित्वक प्रतीक कें बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई सैनिक परेडक अभ्यास कें बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई दुकानक हिसाब-किताब कें बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई भोजन पकाबयक विधि कें बुझाबैत अछि।

३१६. सूर्यक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) ऊर्जा, समय आ जीवनक स्रोत
- (B) बल, राजसत्ता आ शुभ अवसरक प्रतीक
- (C) शीतलता, चक्र आ सौम्य भाव
- (D) सौन्दर्य, वर्षा आ उल्लासक प्रतीक

३१७. मिथिला चित्रकलामे 'सूर्य' देखल जाए त विद्यार्थी कें मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक प्रतीक
- (B) जागरण आ दैवी उपस्थिति
- (C) किनार सजावट
- (D) ऊर्जा, समय आ जीवनक स्रोत

३१८. 'सूर्य' कें एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) बैंकक ब्याज-दर
- (B) युद्ध-नीति
- (C) प्रतीक आ रचना-संरचना
- (D) खगोल गणना मात्र

३१९. सूर्य सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।
- (B) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।
- (C) ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र अछि।
- (D) ई ऊर्जा, समय आ जीवनक स्रोत सँ जुड़ल अछि।

३२०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे सूर्य किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई ऊर्जा, समय आ जीवनक स्रोत कें बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र कें बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी कें बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र कें बुझाबैत अछि।

३२१. चन्द्रक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) शक्ति, रक्षा आ गूढ़ भाव
- (B) सीमा आ पवित्र स्थानक निर्धारण
- (C) किनार सजावट
- (D) शीतलता, चक्र आ सौम्य भाव

३२२. मिथिला चित्रकलामे 'चन्द्र' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) जागरण आ दैवी उपस्थिति
- (B) लय आ सजावटी एकता
- (C) जल, धैर्य आ दीर्घजीवनक प्रतीक
- (D) शीतलता, चक्र आ सौम्य भाव

३२३. 'चन्द्र' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) युद्ध-नीति
- (B) प्रतीक आ रचना-संरचना
- (C) खगोल गणना मात्र
- (D) बैंकक ब्याज-दर

३२४. चन्द्र सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा अछि।
- (B) ई नदी मापयक विज्ञान मात्र अछि।
- (C) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।
- (D) ई शीतलता, चक्र आ सौम्य भाव सँ जुड़ल अछि।

३२५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे चन्द्र किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई नदी मापयक विज्ञान मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई शीतलता, चक्र आ सौम्य भाव केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र केँ बुझाबैत अछि।

३२६. कछुआक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) जल, धैर्य आ दीर्घजीवनक प्रतीक
- (B) किनार सजावट
- (C) जागरण आ दैवी उपस्थिति
- (D) ऊर्जा, समय आ जीवनक स्रोत

३२७. मिथिला चित्रकलामे 'कछुआ' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) ऊर्जा, समय आ जीवनक स्रोत
- (B) वृद्धि आ प्रकृति-लय
- (C) सन्देश, प्रेम आ हरियर जीवनक संकेत
- (D) जल, धैर्य आ दीर्घजीवनक प्रतीक

३२८. 'कछुआ' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) प्रतीक आ रचना-संरचना
- (B) युद्ध-नीति
- (C) खगोल गणना मात्र
- (D) बैंकक ब्याज-दर

३२९. कछुआ सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।
- (B) ई जल, धैर्य आ दीर्घजीवनक प्रतीक सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।
- (D) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम अछि।

३३०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे कछुआ किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई सैनिक परेडक अभ्यास कें बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र कें बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई जल, धैर्य आ दीर्घजीवनक प्रतीक कें बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई नदी मापयक विज्ञान मात्र कें बुझाबैत अछि।

३३१. मोरक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) सन्देश, प्रेम आ हरियर जीवनक संकेत
- (B) शक्ति, रक्षा आ गूढ़ भाव
- (C) वंश-वृद्धि आ स्थायित्वक प्रतीक
- (D) सौन्दर्य, वर्षा आ उल्लासक प्रतीक

३३२. मिथिला चित्रकलामे 'मोर' देखल जाए त विद्यार्थी कें मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) वंश-वृद्धि आ स्थायित्वक प्रतीक
- (B) सौन्दर्य, वर्षा आ उल्लासक प्रतीक
- (C) जागरण आ दैवी उपस्थिति
- (D) जल, धैर्य आ दीर्घजीवनक प्रतीक

३३३. 'मोर' कें एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) बैंकक ब्याज-दर
- (B) खगोल गणना मात्र
- (C) युद्ध-नीति
- (D) प्रतीक आ रचना-संरचना

३३४. मोर सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।
- (B) ई सौन्दर्य, वर्षा आ उल्लासक प्रतीक सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।
- (D) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।

३३५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे मोर किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई शहरक यातायात-नियम कें बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र कें बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई नदी मापयक विज्ञान मात्र कें बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई सौन्दर्य, वर्षा आ उल्लासक प्रतीक कें बुझाबैत अछि।

३३६. हाथीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) लय आ सजावटी एकता
- (B) पूर्णता आ केन्द्रित ऊर्जा
- (C) बल, राजसत्ता आ शुभ अवसरक प्रतीक
- (D) पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक प्रतीक

३३७. मिथिला चित्रकलामे 'हाथी' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) जल, धैर्य आ दीर्घजीवनक प्रतीक
- (B) पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक प्रतीक
- (C) किनार सजावट
- (D) बल, राजसत्ता आ शुभ अवसरक प्रतीक

३३८. 'हाथी' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) युद्ध-नीति
- (B) प्रतीक आ रचना-संरचना
- (C) खगोल गणना मात्र
- (D) बैंकक ब्याज-दर

३३९. हाथी सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई शहरक यातायात-नियम अछि।
- (B) ई बल, राजसत्ता आ शुभ अवसरक प्रतीक सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई साधारण लेखा-बही अछि।
- (D) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।

३४०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे हाथी किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई साधारण लेखा-बही केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई बल, राजसत्ता आ शुभ अवसरक प्रतीक केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई नदी मापयक विज्ञान मात्र केँ बुझाबैत अछि।

३४१. गायक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) शक्ति, रक्षा आ गूढ़ भाव
- (B) पालन-पोषण आ घरक समृद्धि
- (C) सीमा आ पवित्र स्थानक निर्धारण
- (D) पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक प्रतीक

३४२. मिथिला चित्रकलामे 'गाय' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) सौन्दर्य, वर्षा आ उल्लासक प्रतीक
- (B) सीमा आ पवित्र स्थानक निर्धारण
- (C) पालन-पोषण आ घरक समृद्धि
- (D) वृद्धि आ प्रकृति-लय

३४३. 'गाय' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) प्रतीक आ रचना-संरचना
- (B) बैंकक ब्याज-दर
- (C) खगोल गणना मात्र
- (D) युद्ध-नीति

३४४. गाय सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।
- (B) ई पालन-पोषण आ घरक समृद्धि सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।
- (D) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।

३४५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे गाय किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई पालन-पोषण आ घरक समृद्धि केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई खेतीक हल-चाल मात्र केँ बुझाबैत अछि।

३४६. तोताक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) शीतलता, चक्र आ सौम्य भाव
- (B) सन्देश, प्रेम आ हरियर जीवनक संकेत
- (C) ऊर्जा, समय आ जीवनक स्रोत
- (D) पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक प्रतीक

३४७. मिथिला चित्रकलामे 'तोता' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) पूर्णता आ केन्द्रित ऊर्जा
- (B) दिशा, शक्ति आ संरचनाक संकेत
- (C) सन्देश, प्रेम आ हरियर जीवनक संकेत
- (D) लय आ सजावटी एकता

३४८. 'तोता' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) प्रतीक आ रचना-संरचना
- (B) युद्ध-नीति
- (C) खगोल गणना मात्र
- (D) बैकक ब्याज-दर

३४९. तोता सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई सन्देश, प्रेम आ हरियर जीवनक संकेत सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।
- (C) ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र अछि।
- (D) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।

३५०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे तोता किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई सन्देश, प्रेम आ हरियर जीवनक संकेत केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई साधारण लेखा-बही केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।

३५१. सर्पक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) शक्ति, रक्षा आ गूढ़ भाव
- (B) चित्रक केन्द्र-बिन्दु
- (C) पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक प्रतीक
- (D) पूर्णता आ केन्द्रित ऊर्जा

३५२. मिथिला चित्रकलामे 'सर्प' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) जल, धैर्य आ दीर्घजीवनक प्रतीक
- (B) शक्ति, रक्षा आ गूढ़ भाव
- (C) चित्रक केन्द्र-बिन्दु
- (D) सन्देश, प्रेम आ हरियर जीवनक संकेत

३५३. 'सर्प' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) खगोल गणना मात्र
- (B) युद्ध-नीति
- (C) प्रतीक आ रचना-संरचना
- (D) बैंकक ब्याज-दर

३५४. सर्प सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति अछि।
- (B) ई शक्ति, रक्षा आ गूढ़ भाव सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।
- (D) ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा अछि।

३५५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे सर्प किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई शक्ति, रक्षा आ गूढ़ भाव केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी केँ बुझाबैत अछि।

३५६. वृत्तक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) किनार सजावट
- (B) जल, धैर्य आ दीर्घजीवनक प्रतीक
- (C) पूर्णता आ केन्द्रित ऊर्जा
- (D) दुनू दिसक संतुलित व्यवस्था

३५७. मिथिला चित्रकलामे 'वृत्त' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) पूर्णता आ केन्द्रित ऊर्जा
- (B) पालन-पोषण आ घरक समृद्धि
- (C) किनार सजावट
- (D) चित्रक केन्द्र-बिन्दु

३५८. 'वृत्त' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) युद्ध-नीति
- (B) प्रतीक आ रचना-संरचना
- (C) खगोल गणना मात्र
- (D) बैंकक ब्याज-दर

३५९. वृत्त सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।
- (B) ई पूर्णता आ केन्द्रित ऊर्जा सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई साधारण लेखा-बही अछि।
- (D) ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी अछि।

३६०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे वृत्त किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई पूर्णता आ केन्द्रित ऊर्जा केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा केँ बुझाबैत अछि।

३६१. त्रिकोणक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) वंश-वृद्धि आ स्थायित्वक प्रतीक
- (B) पूर्णता आ केन्द्रित ऊर्जा
- (C) सीमा आ पवित्र स्थानक निर्धारण
- (D) दिशा, शक्ति आ संरचनाक संकेत

३६२. मिथिला चित्रकलामे 'त्रिकोण' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) जल, धैर्य आ दीर्घजीवनक प्रतीक
- (B) दिशा, शक्ति आ संरचनाक संकेत
- (C) पालन-पोषण आ घरक समृद्धि
- (D) पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक प्रतीक

३६३. 'त्रिकोण' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) प्रतीक आ रचना-संरचना
- (B) खगोल गणना मात्र
- (C) युद्ध-नीति
- (D) बैंकक ब्याज-दर

३६४. त्रिकोण सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र अछि।
- (B) ई सैनिक परेडक अभ्यास अछि।
- (C) ई दिशा, शक्ति आ संरचनाक संकेत सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।

३६५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे त्रिकोण किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई खेतीक हल-चाल मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई रेखाहीन धुँआट चित्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई दिशा, शक्ति आ संरचनाक संकेत केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा केँ बुझाबैत अछि।

३६६. चौकोर घेराक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) बल, राजसत्ता आ शुभ अवसरक प्रतीक
- (B) सीमा आ पवित्र स्थानक निर्धारण
- (C) वंश-वृद्धि आ स्थायित्वक प्रतीक
- (D) पूर्णता आ केन्द्रित ऊर्जा

३६७. मिथिला चित्रकलामे 'चौकोर घेरा' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) सीमा आ पवित्र स्थानक निर्धारण
- (B) सन्देश, प्रेम आ हरियर जीवनक संकेत
- (C) पालन-पोषण आ घरक समृद्धि
- (D) शक्ति, रक्षा आ गूढ़ भाव

३६८. 'चौकोर घेरा' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) खगोल गणना मात्र
- (B) बैंकक ब्याज-दर
- (C) युद्ध-नीति
- (D) प्रतीक आ रचना-संरचना

३६९. चौकोर घेरा सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई सैनिक परेडक अभ्यास अछि।
- (B) ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा अछि।
- (C) ई सीमा आ पवित्र स्थानक निर्धारण सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।

३७०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे चौकोर घेरा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई रेखाहीन धुँआट चित्र केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई सीमा आ पवित्र स्थानक निर्धारण केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई दुकानक हिसाब-किताब केँ बुझाबैत अछि।

३७१. पात-लताक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) वृद्धि आ प्रकृति-लय
- (B) ऊर्जा, समय आ जीवनक स्रोत
- (C) किनार सजावट
- (D) सौन्दर्य, वर्षा आ उल्लासक प्रतीक

३७२. मिथिला चित्रकलामे 'पात-लता' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) लय आ सजावटी एकता
- (B) वृद्धि आ प्रकृति-लय
- (C) जल, धैर्य आ दीर्घजीवनक प्रतीक
- (D) किनार सजावट

३७३. 'पात-लता' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) खगोल गणना मात्र
- (B) युद्ध-नीति
- (C) बैंकक ब्याज-दर
- (D) प्रतीक आ रचना-संरचना

३७४. पात-लता सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई वृद्धि आ प्रकृति-लय सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा अछि।
- (C) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।
- (D) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।

३७५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे पात-लता किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई वृद्धि आ प्रकृति-लय केँ बुझाबैत अछि।

३७६. फूल-पट्टीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) चित्रक केन्द्र-बिन्दु
- (B) किनार सजावट
- (C) वृद्धि आ प्रकृति-लय
- (D) जल, जीवन आ समृद्धिक प्रतीक

३७७. मिथिला चित्रकलामे 'फूल-पट्टी' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) किनार सजावट
- (B) शीतलता, चक्र आ सौम्य भाव
- (C) पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक प्रतीक
- (D) बल, राजसत्ता आ शुभ अवसरक प्रतीक

३७८. 'फूल-पट्टी' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) खगोल गणना मात्र
- (B) प्रतीक आ रचना-संरचना
- (C) बैंकक ब्याज-दर
- (D) युद्ध-नीति

३७९. फूल-पट्टी सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई किनार सजावट सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।
- (C) ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र अछि।
- (D) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।

३८०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे फूल-पट्टी किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई किनार सजावट केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई रेखाहीन धुँआट चित्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र केँ बुझाबैत अछि।

३८१. नेत्रक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) वृद्धि आ प्रकृति-लय
- (B) सन्देश, प्रेम आ हरियर जीवनक संकेत
- (C) ऊर्जा, समय आ जीवनक स्रोत
- (D) जागरण आ दैवी उपस्थिति

३८२. मिथिला चित्रकलामे 'नेत्र' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) जागरण आ दैवी उपस्थिति
- (B) चित्रक केन्द्र-बिन्दु
- (C) पालन-पोषण आ घरक समृद्धि
- (D) लय आ सजावटी एकता

३८३. 'नेत्र' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) प्रतीक आ रचना-संरचना
- (B) बैंकक ब्याज-दर
- (C) खगोल गणना मात्र
- (D) युद्ध-नीति

३८४. नेत्र सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।
- (B) ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति अछि।
- (C) ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा अछि।
- (D) ई जागरण आ दैवी उपस्थिति सँ जुड़ल अछि।

३८५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे नेत्र किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई जागरण आ दैवी उपस्थिति केँ बुझाबैत अछि।

३८६. दोहरावक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) किनार सजावट
- (B) जल, जीवन आ समृद्धिक प्रतीक
- (C) लय आ सजावटी एकता
- (D) सीमा आ पवित्र स्थानक निर्धारण

३८७. मिथिला चित्रकलामे 'दोहराव' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) बल, राजसत्ता आ शुभ अवसरक प्रतीक
- (B) पालन-पोषण आ घरक समृद्धि
- (C) जल, धैर्य आ दीर्घजीवनक प्रतीक
- (D) लय आ सजावटी एकता

३८८. 'दोहराव' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) खगोल गणना मात्र
- (B) युद्ध-नीति
- (C) प्रतीक आ रचना-संरचना
- (D) बैंकक ब्याज-दर

३८९. दोहराव सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।
- (B) ई लय आ सजावटी एकता सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।
- (D) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम अछि।

३९०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे दोहराव किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई लय आ सजावटी एकता केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति केँ बुझाबैत अछि।

३९१. सममितिक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) जागरण आ दैवी उपस्थिति
- (B) दुनू दिसक संतुलित व्यवस्था
- (C) किनार सजावट
- (D) वृद्धि आ प्रकृति-लय

३९२. मिथिला चित्रकलामे 'सममिति' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) दिशा, शक्ति आ संरचनाक संकेत
- (B) दुनू दिसक संतुलित व्यवस्था
- (C) सौन्दर्य, वर्षा आ उल्लासक प्रतीक
- (D) सन्देश, प्रेम आ हरियर जीवनक संकेत

३९३. 'सममिति' कैं एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) प्रतीक आ रचना-संरचना
- (B) खगोल गणना मात्र
- (C) युद्ध-नीति
- (D) बैंकक ब्याज-दर

३९४. सममिति सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई दुनू दिसक संतुलित व्यवस्था सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।
- (C) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।
- (D) ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा अछि।

३९५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे सममिति किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई रेखाहीन धुँआट चित्र कैं बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम कैं बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम कैं बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई दुनू दिसक संतुलित व्यवस्था कैं बुझाबैत अछि।

३९६. मुख्य आकृतिक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) पूर्णता आ केन्द्रित ऊर्जा
- (B) चित्रक केन्द्र-बिन्दु
- (C) पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक प्रतीक
- (D) दुनू दिसक संतुलित व्यवस्था

३९७. मिथिला चित्रकलामे 'मुख्य आकृति' देखल जाए त विद्यार्थी कैं मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) सीमा आ पवित्र स्थानक निर्धारण
- (B) चित्रक केन्द्र-बिन्दु
- (C) जल, जीवन आ समृद्धिक प्रतीक
- (D) बल, राजसत्ता आ शुभ अवसरक प्रतीक

३९८. 'मुख्य आकृति' कैं एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) युद्ध-नीति
- (B) खगोल गणना मात्र
- (C) बैंकक ब्याज-दर
- (D) प्रतीक आ रचना-संरचना

३९९. मुख्य आकृति सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।
- (B) ई चित्रक केन्द्र-बिन्दु सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।
- (D) ई सैनिक परेडक अभ्यास अछि।

४००. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे मुख्य आकृति किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई चित्रक केन्द्र-बिन्दु कैं बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता कैं बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई नदी मापयक विज्ञान मात्र कैं बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा कैं बुझाबैत अछि।

कोहबर, अरिपन आ संस्कार

४०१. कोहबर घरक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) सूर्य-आस्थासँ जुड़ल चित्र-विषय
- (B) पूजा वा संस्कारक पवित्र आसन
- (C) मंगल, हरियरी आ जीवन
- (D) विवाह-संस्कारक पवित्र कक्ष

४०२. मिथिला चित्रकलामे 'कोहबर घर' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) सूर्य-आस्थासँ जुड़ल चित्र-विषय
- (B) प्रकाश आ पवित्रताक चिन्ह
- (C) भूमि-चित्रक पारम्परिक स्थान
- (D) विवाह-संस्कारक पवित्र कक्ष

४०३. 'कोहबर घर' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) नौकायनक दिशा
- (B) कारखानाक उत्पादन-तालिका
- (C) संस्कार आ मांगलिक चित्र
- (D) खेलक अंक-सूची

४०४. कोहबर घर सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।
- (B) ई विवाह-संस्कारक पवित्र कक्ष सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई साधारण लेखा-बही अछि।
- (D) ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा अछि।

४०५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे कोहबर घर किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई विद्यालयक परीक्षा-सूची केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई विवाह-संस्कारक पवित्र कक्ष केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई भोजन पकाबयक विधि केँ बुझाबैत अछि।

४०६. दूल्हा-दुल्हिनक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) सूर्य-आस्थासँ जुड़ल चित्र-विषय
- (B) मंगल, हरियरी आ जीवन
- (C) नूतन दाम्पत्य जीवनक केन्द्र
- (D) पूजा वा संस्कार लेल चिह्नित स्थान

४०७. मिथिला चित्रकलामे 'दूल्हा-दुल्हिन' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) पूर्णता, जल आ मंगलक प्रतीक
- (B) शक्ति-आराधनाक चित्र-विषय
- (C) रक्षण आ गूढ़ शक्तिक अभिव्यक्ति
- (D) नूतन दाम्पत्य जीवनक केन्द्र

४०८. 'दूल्हा-दुल्हिन' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) कारखानाक उत्पादन-तालिका
- (B) नौकायनक दिशा
- (C) खेलक अंक-सूची
- (D) संस्कार आ मांगलिक चित्र

४०९. दूल्हा-दुल्हिन सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।
- (B) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।
- (C) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।
- (D) ई नूतन दाम्पत्य जीवनक केन्द्र सँ जुड़ल अछि।

४१०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे दूल्हा-दुल्हिन किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई नूतन दाम्पत्य जीवनक केन्द्र सँ जुड़ाबैत अछि।
- (B) कारण ई खेतीक हल-चाल मात्र सँ जुड़ाबैत अछि।
- (C) कारण ई साधारण लेखा-बही सँ जुड़ाबैत अछि।
- (D) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबक नियम सँ जुड़ाबैत अछि।

४११. विवाहक बाँसक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) वंश-वृद्धिक मंगल संकेत
- (B) पूर्णता, जल आ मंगलक प्रतीक
- (C) मंगल, हरियरी आ जीवन
- (D) दीक्षा-संस्कारक भूमि-चित्र

४१२. मिथिला चित्रकलामे 'विवाहक बाँस' देखल जाए त विद्यार्थी सँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) मंगल आ शुभारम्भक चिन्ह
- (B) वंश-वृद्धिक मंगल संकेत
- (C) चित्रणपूर्व सतह शुद्ध करब
- (D) पूजा वा संस्कारक पवित्र आसन

४१३. 'विवाहक बाँस' सँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) नौकायनक दिशा
- (B) कारखानाक उत्पादन-तालिका
- (C) खेलक अंक-सूची
- (D) संस्कार आ मांगलिक चित्र

४१४. विवाहक बाँस सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई वंश-वृद्धिक मंगल संकेत सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।
- (C) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।
- (D) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।

४१५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे विवाहक बाँस किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम सँ जुड़ाबैत अछि।
- (B) कारण ई वंश-वृद्धिक मंगल संकेत सँ जुड़ाबैत अछि।
- (C) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र सँ जुड़ाबैत अछि।
- (D) कारण ई नदी मापक विज्ञान मात्र सँ जुड़ाबैत अछि।

४१६. कमल-दलक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) पूर्णता, जल आ मंगलक प्रतीक
- (B) विवाहमे पवित्र उर्वरता
- (C) मंगल, हरियरी आ जीवन
- (D) प्रकाश आ पवित्रताक चिन्ह

४१७. मिथिला चित्रकलामे 'कमल-दल' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) विवाहमे पवित्र उर्वरता
- (B) मंगल आ शुभारम्भक चिन्ह
- (C) वंश-वृद्धिक मंगल संकेत
- (D) भूमि-चित्रक पारम्परिक स्थान

४१८. 'कमल-दल' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) खेलक अंक-सूची
- (B) कारखानाक उत्पादन-तालिका
- (C) संस्कार आ मांगलिक चित्र
- (D) नौकायनक दिशा

४१९. कमल-दल सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम अछि।
- (B) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।
- (C) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।
- (D) ई विवाहमे पवित्र उर्वरता सँ जुड़ल अछि।

४२०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे कमल-दल किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई भोजन पकाबयक विधि केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई विद्यालयक परीक्षा-सूची केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई विवाहमे पवित्र उर्वरता केँ बुझाबैत अछि।

४२१. अरिपनक केन्द्रक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) नियम, आस्था आ सामूहिक स्मरण
- (B) दीक्षा-संस्कारक भूमि-चित्र
- (C) जीवन-चक्रक एक संस्कार
- (D) पूजा वा संस्कारक पवित्र आसन

४२२. मिथिला चित्रकलामे 'अरिपनक केन्द्र' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) दीक्षा-संस्कारक भूमि-चित्र
- (B) शक्ति-आराधनाक चित्र-विषय
- (C) वंश-वृद्धिक मंगल संकेत
- (D) पूजा वा संस्कारक पवित्र आसन

४२३. 'अरिपनक केन्द्र' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) खेलक अंक-सूची
- (B) कारखानाक उत्पादन-तालिका
- (C) संस्कार आ मांगलिक चित्र
- (D) नौकायनक दिशा

४२४. अरिपनक केन्द्र सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।
- (B) ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी अछि।
- (C) ई पूजा वा संस्कारक पवित्र आसन सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।

४२५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे अरिपनक केन्द्र किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई पूजा वा संस्कारक पवित्र आसन केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई दुकानक हिसाब-किताब केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र केँ बुझाबैत अछि।

४२६. चाउर-पिठारक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) शक्ति-आराधनाक चित्र-विषय
- (B) नियम, आस्था आ सामूहिक स्मरण
- (C) अरिपन बनबयक मुख्य पदार्थ
- (D) भूमि-चित्रक पारम्परिक स्थान

४२७. मिथिला चित्रकलामे 'चाउर-पिठार' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) मंगल, हरियरी आ जीवन
- (B) मंगल आ शुभारम्भक चिन्ह
- (C) अरिपन बनबयक मुख्य पदार्थ
- (D) रक्षण आ गूढ़ शक्तिक अभिव्यक्ति

४२८. 'चाउर-पिठार' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) कारखानाक उत्पादन-तालिका
- (B) नौकायनक दिशा
- (C) संस्कार आ मांगलिक चित्र
- (D) खेलक अंक-सूची

४२९. चाउर-पिठार सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।
- (B) ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति अछि।
- (C) ई अरिपन बनबयक मुख्य पदार्थ सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।

४३०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे चाउर-पिठार किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई अरिपन बनबयक मुख्य पदार्थ केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई साधारण लेखा-बही केँ बुझाबैत अछि।

४३१. उपनयन अरिपनक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) शक्ति-आराधनाक चित्र-विषय
- (B) नवजीवनक मंगल चित्र
- (C) पूजा वा संस्कार लेल चिह्नित स्थान
- (D) दीक्षा-संस्कारक भूमि-चित्र

४३२. मिथिला चित्रकलामे 'उपनयन अरिपन' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) विवाहमे पवित्र उर्वरता
- (B) जीवन-चक्रक एक संस्कार
- (C) नियम, आस्था आ सामूहिक स्मरण
- (D) दीक्षा-संस्कारक भूमि-चित्र

४३३. 'उपनयन अरिपन' कैं एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) नौकायनक दिशा
- (B) खेलक अंक-सूची
- (C) संस्कार आ मांगलिक चित्र
- (D) कारखानाक उत्पादन-तालिका

४३४. उपनयन अरिपन सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई साधारण लेखा-बही अछि।
- (B) ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा अछि।
- (C) ई दीक्षा-संस्कारक भूमि-चित्र सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई शहरक यातायात-नियम अछि।

४३५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे उपनयन अरिपन किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई दीक्षा-संस्कारक भूमि-चित्र कैं बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई नदी मापयक विज्ञान मात्र कैं बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा कैं बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई सैनिक परेडक अभ्यास कैं बुझाबैत अछि।

४३६. छठ पूजाक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) अरिपन बनबयक मुख्य पदार्थ
- (B) चित्रणपूर्व सतह शुद्ध करब
- (C) सूर्य-आस्थासँ जुड़ल चित्र-विषय
- (D) जीवन-चक्रक एक संस्कार

४३७. मिथिला चित्रकलामे 'छठ पूजा' देखल जाए त विद्यार्थी कैं मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) सूर्य-आस्थासँ जुड़ल चित्र-विषय
- (B) मंगल, हरियरी आ जीवन
- (C) प्रकाश आ पवित्रताक चिन्ह
- (D) विवाह-संस्कारक पवित्र कक्ष

४३८. 'छठ पूजा' कैं एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) नौकायनक दिशा
- (B) कारखानाक उत्पादन-तालिका
- (C) संस्कार आ मांगलिक चित्र
- (D) खेलक अंक-सूची

४३९. छठ पूजा सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई सूर्य-आस्थासँ जुड़ल चित्र-विषय सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति अछि।
- (C) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।
- (D) ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र अछि।

४४०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे छठ पूजा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र कैं बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई सूर्य-आस्थासँ जुड़ल चित्र-विषय कैं बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई शहरक यातायात-नियम कैं बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई रेखाहीन धुँआट चित्र कैं बुझाबैत अछि।

४४१. दुर्गा पूजाक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) पूजा वा संस्कार लेल चिह्नित स्थान
- (B) शक्ति-आराधनाक चित्र-विषय
- (C) नियम, आस्था आ सामूहिक स्मरण
- (D) प्रकाश आ पवित्रताक चिन्ह

४४२. मिथिला चित्रकलामे 'दुर्गा पूजा' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) शक्ति-आराधनाक चित्र-विषय
- (B) अरिपन बनबयक मुख्य पदार्थ
- (C) चित्रणपूर्व सतह शुद्ध करब
- (D) जीवन-चक्रक एक संस्कार

४४३. 'दुर्गा पूजा' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) नौकायनक दिशा
- (B) संस्कार आ मांगलिक चित्र
- (C) खेलक अंक-सूची
- (D) कारखानाक उत्पादन-तालिका

४४४. दुर्गा पूजा सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई शहरक यातायात-नियम अछि।
- (B) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।
- (C) ई शक्ति-आराधनाक चित्र-विषय सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति अछि।

४४५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे दुर्गा पूजा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई शक्ति-आराधनाक चित्र-विषय केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र केँ बुझाबैत अछि।

४४६. काली पूजाक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) रक्षण आ गूढ़ शक्तिक अभिव्यक्ति
- (B) चित्रणपूर्व सतह शुद्ध करब
- (C) वंश-वृद्धिक मंगल संकेत
- (D) मंगल आ शुभारम्भक चिन्ह

४४७. मिथिला चित्रकलामे 'काली पूजा' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) मंगल, हरियरी आ जीवन
- (B) पूजा वा संस्कार लेल चिह्नित स्थान
- (C) रक्षण आ गूढ़ शक्तिक अभिव्यक्ति
- (D) प्रकाश आ पवित्रताक चिन्ह

४४८. 'काली पूजा' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) नौकायनक दिशा
- (B) खेलक अंक-सूची
- (C) संस्कार आ मांगलिक चित्र
- (D) कारखानाक उत्पादन-तालिका

४४९. काली पूजा सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।
- (B) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।
- (C) ई रक्षण आ गूढ़ शक्तिक अभिव्यक्ति सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।

४५०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे काली पूजा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई रक्षण आ गूढ़ शक्तिक अभिव्यक्ति केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई साधारण लेखा-बही केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति केँ बुझाबैत अछि।

४५१. जन्म-संस्कारक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) भूमि-चित्रक पारम्परिक स्थान
- (B) नवजीवनक मंगल चित्र
- (C) दीक्षा-संस्कारक भूमि-चित्र
- (D) शक्ति-आराधनाक चित्र-विषय

४५२. मिथिला चित्रकलामे 'जन्म-संस्कार' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) नवजीवनक मंगल चित्र
- (B) मंगल आ शुभारम्भक चिन्ह
- (C) जीवन-चक्रक एक संस्कार
- (D) पूजा वा संस्कारक पवित्र आसन

४५३. 'जन्म-संस्कार' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) कारखानाक उत्पादन-तालिका
- (B) संस्कार आ मांगलिक चित्र
- (C) नौकायनक दिशा
- (D) खेलक अंक-सूची

४५४. जन्म-संस्कार सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा अछि।
- (B) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।
- (C) ई नवजीवनक मंगल चित्र सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई साधारण लेखा-बही अछि।

४५५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे जन्म-संस्कार किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई नवजीवनक मंगल चित्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई खेतीक हल-चाल मात्र केँ बुझाबैत अछि।

४५६. मुण्डन-संस्कारक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) जीवन-चक्रक एक संस्कार
- (B) रक्षण आ गूढ़ शक्तिक अभिव्यक्ति
- (C) पूजा वा संस्कार लेल चिह्नित स्थान
- (D) पूजा वा संस्कारक पवित्र आसन

४५७. मिथिला चित्रकलामे 'मुण्डन-संस्कार' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) पूजा वा संस्कारक पवित्र आसन
- (B) जीवन-चक्रक एक संस्कार
- (C) पूर्णता, जल आ मंगलक प्रतीक
- (D) नियम, आस्था आ सामूहिक स्मरण

४५८. 'मुण्डन-संस्कार' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) खेलक अंक-सूची
- (B) नौकायनक दिशा
- (C) कारखानाक उत्पादन-तालिका
- (D) संस्कार आ मांगलिक चित्र

४५९. मुण्डन-संस्कार सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र अछि।
- (B) ई जीवन-चक्रक एक संस्कार सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।
- (D) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम अछि।

४६०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे मुण्डन-संस्कार किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई नदी मापयक विज्ञान मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई जीवन-चक्रक एक संस्कार केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।

४६१. कलशक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) नूतन दाम्पत्य जीवनक केन्द्र
- (B) पूर्णता, जल आ मंगलक प्रतीक
- (C) सूर्य-आस्थासँ जुड़ल चित्र-विषय
- (D) रक्षण आ गूढ़ शक्तिक अभिव्यक्ति

४६२. मिथिला चित्रकलामे 'कलश' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) नियम, आस्था आ सामूहिक स्मरण
- (B) भूमि-चित्रक पारम्परिक स्थान
- (C) मंगल, हरियरी आ जीवन
- (D) पूर्णता, जल आ मंगलक प्रतीक

४६३. 'कलश' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) कारखानाक उत्पादन-तालिका
- (B) संस्कार आ मांगलिक चित्र
- (C) खेलक अंक-सूची
- (D) नौकायनक दिशा

४६४. कलश सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई शहरक यातायात-नियम अछि।
- (B) ई पूर्णता, जल आ मंगलक प्रतीक सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।
- (D) ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी अछि।

४६५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे कलश किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई पूर्णता, जल आ मंगलक प्रतीक केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई भोजन पकाबयक विधि केँ बुझाबैत अछि।

४६६. दीपक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) रक्षण आ गूढ़ शक्तिक अभिव्यक्ति
- (B) प्रकाश आ पवित्रताक चिन्ह
- (C) शक्ति-आराधनाक चित्र-विषय
- (D) दीक्षा-संस्कारक भूमि-चित्र

४६७. मिथिला चित्रकलामे 'दीप' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) अरिपन बनबयक मुख्य पदार्थ
- (B) प्रकाश आ पवित्रताक चिन्ह
- (C) पूजा वा संस्कार लेल चिह्नित स्थान
- (D) सूर्य-आस्थासँ जुड़ल चित्र-विषय

४६८. 'दीप' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) कारखानाक उत्पादन-तालिका
- (B) खेलक अंक-सूची
- (C) संस्कार आ मांगलिक चित्र
- (D) नौकायनक दिशा

४६९. दीप सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति अछि।
- (B) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।
- (C) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।
- (D) ई प्रकाश आ पवित्रताक चिन्ह सँ जुड़ल अछि।

४७०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे दीप किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई विद्यालयक परीक्षा-सूची केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई सैनिक परेडक अभ्यास केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई प्रकाश आ पवित्रताक चिन्ह केँ बुझाबैत अछि।

४७१. स्वस्तिकक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) पूजा वा संस्कारक पवित्र आसन
- (B) नवजीवनक मंगल चित्र
- (C) मंगल आ शुभारम्भक चिन्ह
- (D) चित्रणपूर्व सतह शुद्ध करब

४७२. मिथिला चित्रकलामे 'स्वस्तिक' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) विवाह-संस्कारक पवित्र कक्ष
- (B) प्रकाश आ पवित्रताक चिन्ह
- (C) नियम, आस्था आ सामूहिक स्मरण
- (D) मंगल आ शुभारम्भक चिन्ह

४७३. 'स्वस्तिक' कैं एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) कारखानाक उत्पादन-तालिका
- (B) संस्कार आ मांगलिक चित्र
- (C) नौकायनक दिशा
- (D) खेलक अंक-सूची

४७४. स्वस्तिक सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।
- (B) ई सैनिक परेडक अभ्यास अछि।
- (C) ई मंगल आ शुभारम्भक चिन्ह सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम अछि।

४७५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे स्वस्तिक किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई मंगल आ शुभारम्भक चिन्ह कैं बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी कैं बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई युद्धक लोहेक औजार कैं बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता कैं बुझाबैत अछि।

४७६. आमक पातक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) शक्ति-आराधनाक चित्र-विषय
- (B) नवजीवनक मंगल चित्र
- (C) पूजा वा संस्कार लेल चिह्नित स्थान
- (D) मंगल, हरियरी आ जीवन

४७७. मिथिला चित्रकलामे 'आमक पात' देखल जाए त विद्यार्थी कैं मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) मंगल, हरियरी आ जीवन
- (B) अरिपन बनबयक मुख्य पदार्थ
- (C) नियम, आस्था आ सामूहिक स्मरण
- (D) रक्षण आ गूढ़ शक्तिक अभिव्यक्ति

४७८. 'आमक पात' कैं एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) संस्कार आ मांगलिक चित्र
- (B) नौकायनक दिशा
- (C) कारखानाक उत्पादन-तालिका
- (D) खेलक अंक-सूची

४७९. आमक पात सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई मंगल, हरियरी आ जीवन सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई सैनिक परेडक अभ्यास अछि।
- (C) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।
- (D) ई नदी मापयक विज्ञान मात्र अछि।

४८०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे आमक पात किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता कैं बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति कैं बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई मंगल, हरियरी आ जीवन कैं बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी कैं बुझाबैत अछि।

४८१. व्रतक चित्रक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) नियम, आस्था आ सामूहिक स्मरण
- (B) नवजीवनक मंगल चित्र
- (C) पूजा वा संस्कारक पवित्र आसन
- (D) चित्रणपूर्व सतह शुद्ध करब

४८२. मिथिला चित्रकलामे 'व्रतक चित्र' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) पूर्णता, जल आ मंगलक प्रतीक
- (B) भूमि-चित्रक पारम्परिक स्थान
- (C) नूतन दाम्पत्य जीवनक केन्द्र
- (D) नियम, आस्था आ सामूहिक स्मरण

४८३. 'व्रतक चित्र' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) कारखानाक उत्पादन-तालिका
- (B) खेलक अंक-सूची
- (C) संस्कार आ मांगलिक चित्र
- (D) नौकायनक दिशा

४८४. व्रतक चित्र सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई नियम, आस्था आ सामूहिक स्मरण सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।
- (C) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।
- (D) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।

४८५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे व्रतक चित्र किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई नियम, आस्था आ सामूहिक स्मरण केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई सैनिक परेडक अभ्यास केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई विद्यालयक परीक्षा-सूची केँ बुझाबैत अछि।

४८६. आँगनक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) विवाहमे पवित्र उर्वरता
- (B) दीक्षा-संस्कारक भूमि-चित्र
- (C) भूमि-चित्रक पारम्परिक स्थान
- (D) वंश-वृद्धिक मंगल संकेत

४८७. मिथिला चित्रकलामे 'आँगन' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) मंगल, हरियरी आ जीवन
- (B) भूमि-चित्रक पारम्परिक स्थान
- (C) पूजा वा संस्कारक पवित्र आसन
- (D) शक्ति-आराधनाक चित्र-विषय

४८८. 'आँगन' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) नौकायनक दिशा
- (B) संस्कार आ मांगलिक चित्र
- (C) खेलक अंक-सूची
- (D) कारखानाक उत्पादन-तालिका

४८९. आँगन सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।
- (B) ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र अछि।
- (C) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।
- (D) ई भूमि-चित्रक पारम्परिक स्थान सँ जुड़ल अछि।

४९०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे आँगन किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई भूमि-चित्रक पारम्परिक स्थान केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई नदी मापयक विज्ञान मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केवल पत्थर काटबाक काम केँ बुझाबैत अछि।

४९१. माटि लीपबक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) चित्रणपूर्व सतह शुद्ध करब
- (B) पूजा वा संस्कार लेल चिह्नित स्थान
- (C) अरिपन बनबयक मुख्य पदार्थ
- (D) नवजीवनक मंगल चित्र

४९२. मिथिला चित्रकलामे 'माटि लीपब' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) मंगल आ शुभारम्भक चिन्ह
- (B) पूजा वा संस्कार लेल चिह्नित स्थान
- (C) चित्रणपूर्व सतह शुद्ध करब
- (D) नियम, आस्था आ सामूहिक स्मरण

४९३. 'माटि लीपब' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) नौकायनक दिशा
- (B) संस्कार आ मांगलिक चित्र
- (C) खेलक अंक-सूची
- (D) कारखानाक उत्पादन-तालिका

४९४. माटि लीपब सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई शहरक यातायात-नियम अछि।
- (B) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।
- (C) ई चित्रणपूर्व सतह शुद्ध करब सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।

४९५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे माटि लीपब किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई विद्यालयक परीक्षा-सूची केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई चित्रणपूर्व सतह शुद्ध करब केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई नदी मापयक विज्ञान मात्र केँ बुझाबैत अछि।

४९६. मंगल चौकक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) दीक्षा-संस्कारक भूमि-चित्र
- (B) पूजा वा संस्कार लेल चिह्नित स्थान
- (C) प्रकाश आ पवित्रताक चिन्ह
- (D) भूमि-चित्रक पारम्परिक स्थान

४९७. मिथिला चित्रकलामे 'मंगल चौक' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) पूजा वा संस्कार लेल चिह्नित स्थान
- (B) दीक्षा-संस्कारक भूमि-चित्र
- (C) चित्रणपूर्व सतह शुद्ध करब
- (D) पूर्णता, जल आ मंगलक प्रतीक

४९८. 'मंगल चौक' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) कारखानाक उत्पादन-तालिका
- (B) संस्कार आ मांगलिक चित्र
- (C) नौकायनक दिशा
- (D) खेलक अंक-सूची

४९९. मंगल चौक सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई पूजा वा संस्कार लेल चिह्नित स्थान सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।
- (C) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।
- (D) ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र अछि।

५००. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे मंगल चौक किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई साधारण लेखा-बही केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई पूजा वा संस्कार लेल चिह्नित स्थान केँ बुझाबैत अछि।

देवी-देवता, कथा आ पर्व

५०१. राम-सीताक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) समृद्धि आ सौभाग्य
- (B) आदर्श दाम्पत्य आ धर्मक कथा-विषय
- (C) कथा-चित्रणक महत्त्वपूर्ण स्रोत
- (D) प्रेम, भक्ति आ लीला

५०२. मिथिला चित्रकलामे 'राम-सीता' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) शक्ति आ संरक्षण
- (B) भक्ति, बल आ सेवा
- (C) आदर्श दाम्पत्य आ धर्मक कथा-विषय
- (D) गामक स्मृति आ नैतिक सीख

५०३. 'राम-सीता' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) मौसम विभागक संकेत मात्र
- (B) राजस्व अभिलेख
- (C) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय
- (D) मशीन मरम्मतक नियम

५०४. राम-सीता सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।
- (B) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।
- (C) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।
- (D) ई आदर्श दाम्पत्य आ धर्मक कथा-विषय सँ जुड़ल अछि।

५०५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे राम-सीता किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई दुकानक हिसाब-किताब केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई रेखाहीन धुँआट चित्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई आदर्श दाम्पत्य आ धर्मक कथा-विषय केँ बुझाबैत अछि।

५०६. सीताक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) दीप, लक्ष्मी आ उजियार
- (B) मिथिलाक लोक-स्मृति सँ जुड़ल देवी-स्वरूप
- (C) दुर्गा आ विजयक पर्व-विषय
- (D) आदर्श दाम्पत्य आ धर्मक कथा-विषय

५०७. मिथिला चित्रकलामे 'सीता' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) विद्या, कला आ वाणी
- (B) आदर्श दाम्पत्य आ धर्मक कथा-विषय
- (C) गामक स्मृति आ नैतिक सीख
- (D) मिथिलाक लोक-स्मृति सँ जुड़ल देवी-स्वरूप

५०८. 'सीता' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) राजस्व अभिलेख
- (B) मशीन मरम्मतक नियम
- (C) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय
- (D) मौसम विभागक संकेत मात्र

५०९. सीता सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र अछि।
- (B) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम अछि।
- (C) ई मिथिलाक लोक-स्मृति सँ जुड़ल देवी-स्वरूप सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई नदी मापयक विज्ञान मात्र अछि।

५१०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे सीता किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई मिथिलाक लोक-स्मृति सँ जुड़ल देवी-स्वरूप केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई सैनिक परेडक अभ्यास केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई विद्यालयक परीक्षा-सूची केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।

५११. राधा-कृष्णक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) आदर्श दाम्पत्य आ धर्मक कथा-विषय
- (B) दाम्पत्य, तप आ शक्ति-संतुलन
- (C) प्रेम, भक्ति आ लीला
- (D) जल, सूर्य आ अर्घ्यक दृश्य

५१२. मिथिला चित्रकलामे 'राधा-कृष्ण' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) आदर्श दाम्पत्य आ धर्मक कथा-विषय
- (B) प्रेम, भक्ति आ लीला
- (C) रंग, उल्लास आ सामूहिकता
- (D) गामक स्मृति आ नैतिक सीख

५१३. 'राधा-कृष्ण' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) मशीन मरम्मतक नियम
- (B) राजस्व अभिलेख
- (C) मौसम विभागक संकेत मात्र
- (D) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय

५१४. राधा-कृष्ण सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र अछि।
- (B) ई प्रेम, भक्ति आ लीला सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।
- (D) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।

५१५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे राधा-कृष्ण किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई प्रेम, भक्ति आ लीला केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई नदी मापयक विज्ञान मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र केँ बुझाबैत अछि।

५१६. शिव-पार्वतीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) रंग, उल्लास आ सामूहिकता
- (B) प्रकाश, ऋतु आ जीवन-ऊर्जा
- (C) दाम्पत्य, तप आ शक्ति-संतुलन
- (D) दीप, लक्ष्मी आ उजियार

५१७. मिथिला चित्रकलामे 'शिव-पार्वती' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) आरम्भ आ विघ्न-निवारणक देवता
- (B) दाम्पत्य, तप आ शक्ति-संतुलन
- (C) प्रेम, भक्ति आ लीला
- (D) विद्या, कला आ वाणी

५१८. 'शिव-पार्वती' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय
- (B) मौसम विभागक संकेत मात्र
- (C) मशीन मरम्मतक नियम
- (D) राजस्व अभिलेख

५१९. शिव-पार्वती सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र अछि।
- (B) ई नदी मापयक विज्ञान मात्र अछि।
- (C) ई दाम्पत्य, तप आ शक्ति-संतुलन सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।

५२०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे शिव-पार्वती किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई दाम्पत्य, तप आ शक्ति-संतुलन केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई नदी मापयक विज्ञान मात्र केँ बुझाबैत अछि।

५२१. गणेशक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) आरम्भ आ विघ्न-निवारणक देवता
- (B) प्रकाश, ऋतु आ जीवन-ऊर्जा
- (C) विद्या, कला आ वाणी
- (D) दाम्पत्य, तप आ शक्ति-संतुलन

५२२. मिथिला चित्रकलामे 'गणेश' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) रंग, उल्लास आ सामूहिकता
- (B) आरम्भ आ विघ्न-निवारणक देवता
- (C) शक्ति आ संरक्षण
- (D) धरती, जल आ रक्षा

५२३. 'गणेश' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) राजस्व अभिलेख
- (B) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय
- (C) मशीन मरम्मतक नियम
- (D) मौसम विभागक संकेत मात्र

५२४. गणेश सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।
- (B) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम अछि।
- (C) ई आरम्भ आ विघ्न-निवारणक देवता सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई नदी मापयक विज्ञान मात्र अछि।

५२५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे गणेश किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई आरम्भ आ विघ्न-निवारणक देवता केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई खेतीक हल-चाल मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई साधारण लेखा-बही केँ बुझाबैत अछि।

५२६. लक्ष्मीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लीला
- (B) समृद्धि आ सौभाग्य
- (C) मिथिलाक लोक-स्मृति सँ जुड़ल देवी-स्वरूप
- (D) दुर्गा आ विजयक पर्व-विषय

५२७. मिथिला चित्रकलामे 'लक्ष्मी' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) समृद्धि आ सौभाग्य
- (B) गूढ़ शक्ति आ रक्षण
- (C) आरम्भ आ विघ्न-निवारणक देवता
- (D) प्रकाश, ऋतु आ जीवन-ऊर्जा

५२८. 'लक्ष्मी' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) मौसम विभागक संकेत मात्र
- (B) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय
- (C) राजस्व अभिलेख
- (D) मशीन मरम्मतक नियम

५२९. लक्ष्मी सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।
- (B) ई समृद्धि आ सौभाग्य सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई सैनिक परेडक अभ्यास अछि।
- (D) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।

५३०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे लक्ष्मी किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई समृद्धि आ सौभाग्य केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।

५३१. सरस्वतीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) दाम्पत्य, तप आ शक्ति-संतुलन
- (B) प्रेम, भक्ति आ लीला
- (C) जल, सूर्य आ अर्घ्यक दृश्य
- (D) विद्या, कला आ वाणी

५३२. मिथिला चित्रकलामे 'सरस्वती' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) दुर्गा आ विजयक पर्व-विषय
- (B) जल, सूर्य आ अर्घ्यक दृश्य
- (C) विद्या, कला आ वाणी
- (D) नृत्य, बाँसुरी आ गोप-जीवन

५३३. 'सरस्वती' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) मौसम विभागक संकेत मात्र
- (B) राजस्व अभिलेख
- (C) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय
- (D) मशीन मरम्मतक नियम

५३४. सरस्वती सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।
- (B) ई विद्या, कला आ वाणी सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।
- (D) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।

५३५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे सरस्वती किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई साधारण लेखा-बही केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई विद्या, कला आ वाणी केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम केँ बुझाबैत अछि।

५३६. दुर्गाक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) धर्म-संघर्ष आ नायकत्वक कथा
- (B) रंग, उल्लास आ सामूहिकता
- (C) शक्ति आ संरक्षण
- (D) जल, सूर्य आ अर्घ्यक दृश्य

५३७. मिथिला चित्रकलामे 'दुर्गा' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) जल, सूर्य आ अर्घ्यक दृश्य
- (B) दाम्पत्य, तप आ शक्ति-संतुलन
- (C) शक्ति आ संरक्षण
- (D) धर्म-संघर्ष आ नायकत्वक कथा

५३८. 'दुर्गा' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय
- (B) मशीन मरम्मतक नियम
- (C) मौसम विभागक संकेत मात्र
- (D) राजस्व अभिलेख

५३९. दुर्गा सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम अछि।
- (B) ई शक्ति आ संरक्षण सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।
- (D) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।

५४०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे दुर्गा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई शक्ति आ संरक्षण केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई दुकानक हिसाब-किताब केँ बुझाबैत अछि।

५४१. कालीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) जल, सूर्य आ अर्घ्यक दृश्य
- (B) धरती, जल आ रक्षा
- (C) समृद्धि आ सौभाग्य
- (D) गूढ़ शक्ति आ रक्षण

५४२. मिथिला चित्रकलामे 'काली' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) समृद्धि आ सौभाग्य
- (B) नृत्य, बाँसुरी आ गोप-जीवन
- (C) प्रकाश, ऋतु आ जीवन-ऊर्जा
- (D) गूढ़ शक्ति आ रक्षण

५४३. 'काली' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय
- (B) मौसम विभागक संकेत मात्र
- (C) राजस्व अभिलेख
- (D) मशीन मरम्मतक नियम

५४४. काली सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।
- (B) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम अछि।
- (C) ई गूढ़ शक्ति आ रक्षण सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।

५४५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे काली किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई नदी मापयक विज्ञान मात्रा केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई गूढ़ शक्ति आ रक्षण केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केवल पत्थर काटबाक काम केँ बुझाबैत अछि।

५४६. सूर्य देवक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) दीप, लक्ष्मी आ उजियार
- (B) प्रकाश, ऋतु आ जीवन-ऊर्जा
- (C) प्रेम, भक्ति आ लीला
- (D) दुर्गा आ विजयक पर्व-विषय

५४७. मिथिला चित्रकलामे 'सूर्य देव' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) प्रकाश, ऋतु आ जीवन-ऊर्जा
- (B) आरम्भ आ विघ्न-निवारणक देवता
- (C) आदर्श दाम्पत्य आ धर्मक कथा-विषय
- (D) धरती, जल आ रक्षा

५४८. 'सूर्य देव' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) राजस्व अभिलेख
- (B) मशीन मरम्मतक नियम
- (C) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय
- (D) मौसम विभागक संकेत मात्र

५४९. सूर्य देव सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।
- (B) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।
- (C) ई प्रकाश, ऋतु आ जीवन-ऊर्जा सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।

५५०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे सूर्य देव किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई प्रकाश, ऋतु आ जीवन-ऊर्जा केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई भोजन पकाबयक विधि केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र केँ बुझाबैत अछि।

५५१. हनुमानक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) प्रेम, भक्ति आ लीला
- (B) भक्ति, बल आ सेवा
- (C) आदर्श दाम्पत्य आ धर्मक कथा-विषय
- (D) प्रकाश, ऋतु आ जीवन-ऊर्जा

५५२. मिथिला चित्रकलामे 'हनुमान' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) कथा-चित्रणक महत्त्वपूर्ण स्रोत
- (B) धर्म-संघर्ष आ नायकत्वक कथा
- (C) जल, सूर्य आ अर्घ्यक दृश्य
- (D) भक्ति, बल आ सेवा

५५३. 'हनुमान' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) राजस्व अभिलेख
- (B) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय
- (C) मशीन मरम्मतक नियम
- (D) मौसम विभागक संकेत मात्र

५५४. हनुमान सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई भक्ति, बल आ सेवा सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।
- (C) ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र अछि।
- (D) ई साधारण लेखा-बही अछि।

५५५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे हनुमान किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई भक्ति, बल आ सेवा केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।

५५६. नाग देवताक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) मिथिलाक लोक-स्मृति सँ जुड़ल देवी-स्वरूप
- (B) धरती, जल आ रक्षा
- (C) प्रेम, भक्ति आ लीला
- (D) गामक स्मृति आ नैतिक सीख

५५७. मिथिला चित्रकलामे 'नाग देवता' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) दुर्गा आ विजयक पर्व-विषय
- (B) जल, सूर्य आ अर्घ्यक दृश्य
- (C) समृद्धि आ सौभाग्य
- (D) धरती, जल आ रक्षा

५५८. 'नाग देवता' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय
- (B) मौसम विभागक संकेत मात्र
- (C) राजस्व अभिलेख
- (D) मशीन मरम्मतक नियम

५५९. नाग देवता सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी अछि।
- (B) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।
- (C) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।
- (D) ई धरती, जल आ रक्षा सँ जुड़ल अछि।

५६०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे नाग देवता किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई धरती, जल आ रक्षा केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई रेखाहीन धुँआट चित्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई साधारण लेखा-बही केँ बुझाबैत अछि।

५६१. रामायण प्रसंगक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) विद्या, कला आ वाणी
- (B) मिथिलाक लोक-स्मृति सँ जुड़ल देवी-स्वरूप
- (C) कथा-चित्रणक महत्त्वपूर्ण स्रोत
- (D) भक्ति, बल आ सेवा

५६२. मिथिला चित्रकलामे 'रामायण प्रसंग' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) विद्या, कला आ वाणी
- (B) धरती, जल आ रक्षा
- (C) मिथिलाक लोक-स्मृति सँ जुड़ल देवी-स्वरूप
- (D) कथा-चित्रणक महत्त्वपूर्ण स्रोत

५६३. 'रामायण प्रसंग' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) राजस्व अभिलेख
- (B) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय
- (C) मशीन मरम्मतक नियम
- (D) मौसम विभागक संकेत मात्र

५६४. रामायण प्रसंग सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।
- (B) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।
- (C) ई सैनिक परेडक अभ्यास अछि।
- (D) ई कथा-चित्रणक महत्त्वपूर्ण स्रोत सँ जुड़ल अछि।

५६५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे रामायण प्रसंग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई कथा-चित्रणक महत्त्वपूर्ण स्रोत केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई केवल पत्थर काटबाक काम केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र केँ बुझाबैत अछि।

५६६. महाभारत प्रसंगक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) धर्म-संघर्ष आ नायकत्वक कथा
- (B) प्रकाश, ऋतु आ जीवन-ऊर्जा
- (C) जल, सूर्य आ अर्घ्यक दृश्य
- (D) शक्ति आ संरक्षण

५६७. मिथिला चित्रकलामे 'महाभारत प्रसंग' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) विद्या, कला आ वाणी
- (B) धर्म-संघर्ष आ नायकत्वक कथा
- (C) कथा-चित्रणक महत्त्वपूर्ण स्रोत
- (D) मिथिलाक लोक-स्मृति सँ जुड़ल देवी-स्वरूप

५६८. 'महाभारत प्रसंग' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) राजस्व अभिलेख
- (B) मशीन मरम्मतक नियम
- (C) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय
- (D) मौसम विभागक संकेत मात्र

५६९. महाभारत प्रसंग सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई नदी मापयक विज्ञान मात्र अछि।
- (B) ई धर्म-संघर्ष आ नायकत्वक कथा सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।
- (D) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम अछि।

५७०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे महाभारत प्रसंग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई धर्म-संघर्ष आ नायकत्वक कथा केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई दुकानक हिसाब-किताब केँ बुझाबैत अछि।

५७१. कृष्ण लीलाक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) नृत्य, बाँसुरी आ गोप-जीवन
- (B) गामक स्मृति आ नैतिक सीख
- (C) जल, सूर्य आ अर्घ्यक दृश्य
- (D) दीप, लक्ष्मी आ उजियार

५७२. मिथिला चित्रकलामे 'कृष्ण लीला' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) नृत्य, बाँसुरी आ गोप-जीवन
- (B) प्रेम, भक्ति आ लीला
- (C) कथा-चित्रणक महत्त्वपूर्ण स्रोत
- (D) दीप, लक्ष्मी आ उजियार

५७३. 'कृष्ण लीला' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) राजस्व अभिलेख
- (B) मशीन मरम्मतक नियम
- (C) मौसम विभागक संकेत मात्र
- (D) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय

५७४. कृष्ण लीला सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम अछि।
- (B) ई नृत्य, बाँसुरी आ गोप-जीवन सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई नदी मापयक विज्ञान मात्र अछि।
- (D) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।

५७५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे कृष्ण लीला किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई खेतीक हल-चाल मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई नृत्य, बाँसुरी आ गोप-जीवन केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई दुकानक हिसाब-किताब केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई साधारण लेखा-बही केँ बुझाबैत अछि।

५७६. दशहराक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) भक्ति, बल आ सेवा
- (B) धर्म-संघर्ष आ नायकत्वक कथा
- (C) दुर्गा आ विजयक पर्व-विषय
- (D) विद्या, कला आ वाणी

५७७. मिथिला चित्रकलामे 'दशहरा' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) गूढ़ शक्ति आ रक्षण
- (B) दुर्गा आ विजयक पर्व-विषय
- (C) आरम्भ आ विघ्न-निवारणक देवता
- (D) समृद्धि आ सौभाग्य

५७८. 'दशहरा' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) मौसम विभागक संकेत मात्र
- (B) राजस्व अभिलेख
- (C) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय
- (D) मशीन मरम्मतक नियम

५७९. दशहरा सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।
- (B) ई शहरक यातायात-नियम अछि।
- (C) ई दुर्गा आ विजयक पर्व-विषय सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति अछि।

५८०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे दशहरा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई दुर्गा आ विजयक पर्व-विषय केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई नदी मापयक विज्ञान मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।

५८१. होलीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) धरती, जल आ रक्षा
- (B) दाम्पत्य, तप आ शक्ति-संतुलन
- (C) आदर्श दाम्पत्य आ धर्मक कथा-विषय
- (D) रंग, उल्लास आ सामूहिकता

५८२. मिथिला चित्रकलामे 'होली' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) रंग, उल्लास आ सामूहिकता
- (B) धरती, जल आ रक्षा
- (C) आदर्श दाम्पत्य आ धर्मक कथा-विषय
- (D) गूढ़ शक्ति आ रक्षण

५८३. 'होली' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) राजस्व अभिलेख
- (B) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय
- (C) मशीन मरम्मतक नियम
- (D) मौसम विभागक संकेत मात्र

५८४. होली सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई रंग, उल्लास आ सामूहिकता सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।
- (C) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।
- (D) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम अछि।

५८५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे होली किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई खेतीक हल-चाल मात्रा केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल पत्थर काटबाक काम केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई रेखाहीन धुँआट चित्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई रंग, उल्लास आ सामूहिकता केँ बुझाबैत अछि।

५८६. दीपावलीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) मिथिलाक लोक-स्मृति सँ जुड़ल देवी-स्वरूप
- (B) आदर्श दाम्पत्य आ धर्मक कथा-विषय
- (C) भक्ति, बल आ सेवा
- (D) दीप, लक्ष्मी आ उजियार

५८७. मिथिला चित्रकलामे 'दीपावली' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) विद्या, कला आ वाणी
- (B) धर्म-संघर्ष आ नायकत्वक कथा
- (C) दीप, लक्ष्मी आ उजियार
- (D) मिथिलाक लोक-स्मृति सँ जुड़ल देवी-स्वरूप

५८८. 'दीपावली' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) राजस्व अभिलेख
- (B) मौसम विभागक संकेत मात्रा
- (C) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय
- (D) मशीन मरम्मतक नियम

५८९. दीपावली सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई नदी मापयक विज्ञान मात्रा अछि।
- (B) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।
- (C) ई दीप, लक्ष्मी आ उजियार सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।

५९०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे दीपावली किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई सैनिक परेडक अभ्यास केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई रेखाहीन धुँआट चित्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई दीप, लक्ष्मी आ उजियार केँ बुझाबैत अछि।

५९१. छठक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) प्रकाश, ऋतु आ जीवन-ऊर्जा
- (B) धरती, जल आ रक्षा
- (C) दीप, लक्ष्मी आ उजियार
- (D) जल, सूर्य आ अर्घ्यक दृश्य

५९२. मिथिला चित्रकलामे 'छठ' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) दुर्गा आ विजयक पर्व-विषय
- (B) आदर्श दाम्पत्य आ धर्मक कथा-विषय
- (C) धर्म-संघर्ष आ नायकत्वक कथा
- (D) जल, सूर्य आ अर्घ्यक दृश्य

५९३. 'छठ' कैं एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) राजस्व अभिलेख
- (B) मौसम विभागक संकेत मात्र
- (C) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय
- (D) मशीन मरम्मतक नियम

५९४. छठ सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।
- (B) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम अछि।
- (C) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।
- (D) ई जल, सूर्य आ अर्घ्यक दृश्य सँ जुड़ल अछि।

५९५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे छठ किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई जल, सूर्य आ अर्घ्यक दृश्य कैं बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र कैं बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई भोजन पकाबयक विधि कैं बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र कैं बुझाबैत अछि।

५९६. स्थानीय लोककथाक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) आरम्भ आ विघ्न-निवारणक देवता
- (B) गामक स्मृति आ नैतिक सीख
- (C) मिथिलाक लोक-स्मृति सँ जुड़ल देवी-स्वरूप
- (D) नृत्य, बाँसुरी आ गोप-जीवन

५९७. मिथिला चित्रकलामे 'स्थानीय लोककथा' देखल जाए त विद्यार्थी कैं मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) गूढ़ शक्ति आ रक्षण
- (B) विद्या, कला आ वाणी
- (C) मिथिलाक लोक-स्मृति सँ जुड़ल देवी-स्वरूप
- (D) गामक स्मृति आ नैतिक सीख

५९८. 'स्थानीय लोककथा' कैं एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय
- (B) मौसम विभागक संकेत मात्र
- (C) मशीन मरम्मतक नियम
- (D) राजस्व अभिलेख

५९९. स्थानीय लोककथा सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई गामक स्मृति आ नैतिक सीख सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति अछि।
- (C) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम अछि।
- (D) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।

६००. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे स्थानीय लोककथा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी कैं बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई सैनिक परेडक अभ्यास कैं बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई गामक स्मृति आ नैतिक सीख कैं बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई रेखाहीन धुँआट चित्र कैं बुझाबैत अछि।

प्रकृति, जीव-जंतु आ पर्यावरण

६०१. गाछक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) अनेक जीव-जंतु आ पादपक उपस्थित
- (B) वर्षा आ कृषक आशा
- (C) गति आ जीवन-प्रवाह
- (D) जीवन, छाँह आ स्थायित्व

६०२. मिथिला चित्रकलामे 'गाछ' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) सृष्टि आ पीढ़ीक विस्तार
- (B) पालन, दूध आ गृहस्थ जीवन
- (C) उत्सव आ शक्ति
- (D) जीवन, छाँह आ स्थायित्व

६०३. 'गाछ' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) मुद्रणालयक मशीन
- (B) सैन्य अभ्यास
- (C) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक
- (D) शहरक भवन-नियम

६०४. गाछ सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा अछि।
- (B) ई जीवन, छाँह आ स्थायित्व सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।
- (D) ई नदी मापयक विज्ञान मात्र अछि।

६०५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे गाछ किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल पत्थर काटबाक काम केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई जीवन, छाँह आ स्थायित्व केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।

६०६. जीवन-वृक्षक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) धार्मिक चित्रसँ गाछ बचाबयक लोक-उद्यम
- (B) सृष्टि आ पीढ़ीक विस्तार
- (C) जल-संसाधन आ ग्राम्य जीवन
- (D) जीवन, छाँह आ स्थायित्व

६०७. मिथिला चित्रकलामे 'जीवन-वृक्ष' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) जलमे खिलल पवित्र सौन्दर्य
- (B) जीवन, छाँह आ स्थायित्व
- (C) वर्षा आ कृषक आशा
- (D) सृष्टि आ पीढ़ीक विस्तार

६०८. 'जीवन-वृक्ष' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) सैन्य अभ्यास
- (B) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक
- (C) शहरक भवन-नियम
- (D) मुद्रणालयक मशीन

६०९. जीवन-वृक्ष सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई सृष्टि आ पीढ़ीक विस्तार सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।
- (C) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।
- (D) ई साधारण लेखा-बही अछि।

६१०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे जीवन-वृक्ष किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई सृष्टि आ पीढ़ीक विस्तार केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।

६११. पोखरि सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) जल-संसाधन आ ग्राम्य जीवन
- (B) अन्न, श्रम आ ऋतु
- (C) जीवन, छाँह आ स्थायित्व
- (D) वर्षा आ कृषक आशा

६१२. मिथिला चित्रकलामे 'पोखरि' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) प्रकृति सँ कला सामग्री
- (B) सृष्टि आ पीढ़ीक विस्तार
- (C) जल-संसाधन आ ग्राम्य जीवन
- (D) अनेक जीव-जंतु आ पादपक उपस्थिति

६१३. 'पोखरि' केँ एहि विवेक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक
- (B) सैन्य अभ्यास
- (C) शहरक भवन-नियम
- (D) मुद्रणालयक मशीन

६१४. पोखरि सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।
- (B) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।
- (C) ई जल-संसाधन आ ग्राम्य जीवन सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।

६१५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे पोखरि किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई जल-संसाधन आ ग्राम्य जीवन केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी केँ बुझाबैत अछि।

६१६. माछक समूहक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) अन्न, श्रम आ ऋतु
- (B) जल आ उर्वरता
- (C) समृद्ध जल-जगत
- (D) आकाश, सन्देश आ ऋतु

६१७. मिथिला चित्रकलामे 'माछक समूह' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) जल-संसाधन आ ग्राम्य जीवन
- (B) पालन, दूध आ गृहस्थ जीवन
- (C) समृद्ध जल-जगत
- (D) गति आ जीवन-प्रवाह

६१८. 'माछक समूह' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक
- (B) सैन्य अभ्यास
- (C) शहरक भवन-नियम
- (D) मुद्रणालयक मशीन

६१९. माछक समूह सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई समृद्ध जल-जगत सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी अछि।
- (C) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।
- (D) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।

६२०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे माछक समूह किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई समृद्ध जल-जगत केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई भोजन पकाबयक विधि केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम केँ बुझाबैत अछि।

६२१. कछुआ आ माछक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) छठ आ कृषि जीवन
- (B) पालन, दूध आ गृहस्थ जीवन
- (C) प्रकृति सँ कला सामग्री
- (D) जल आ उर्वरता

६२२. मिथिला चित्रकलामे 'कछुआ आ माछ' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) जीवन, छाँह आ स्थायित्व
- (B) वर्षा ऋतुक उल्लास
- (C) जल आ उर्वरता
- (D) उत्सव आ शक्ति

६२३. 'कछुआ आ माछ' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक
- (B) मुद्रणालयक मशीन
- (C) सैन्य अभ्यास
- (D) शहरक भवन-नियम

६२४. कछुआ आ माछ सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी अछि।
- (B) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।
- (C) ई जल आ उर्वरता सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई साधारण लेखा-बही अछि।

६२५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे कछुआ आ माछ किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई खेतीक हल-चाल मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई भोजन पकाबयक विधि केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई जल आ उर्वरता केँ बुझाबैत अछि।

६२६. चिरईक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) नवजीवन आ वृद्धि
- (B) आकाश, सन्देश आ ऋतु
- (C) जीवन, छाँह आ स्थायित्व
- (D) वर्षा आ कृषक आशा

६२७. मिथिला चित्रकलामे 'चिरई' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) आकाश, सन्देश आ ऋतु
- (B) अनेक जीव-जंतु आ पादपक उपस्थिति
- (C) छठ आ कृषि जीवन
- (D) धार्मिक चित्रसँ गाछ बचाबयक लोक-उद्यम

६२८. 'चिरई' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक
- (B) मुद्रणालयक मशीन
- (C) सैन्य अभ्यास
- (D) शहरक भवन-नियम

६२९. चिरई सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।
- (B) ई शहरक यातायात-नियम अछि।
- (C) ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र अछि।
- (D) ई आकाश, सन्देश आ ऋतु सँ जुड़ल अछि।

६३०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे चिरई किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई आकाश, सन्देश आ ऋतु केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम केँ बुझाबैत अछि।

६३१. मोर आ मेघक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) उत्सव आ शक्ति
- (B) वर्षा ऋतुक उल्लास
- (C) अनेक जीव-जंतु आ पादपक उपस्थिति
- (D) गति आ जीवन-प्रवाह

६३२. मिथिला चित्रकलामे 'मोर आ मेघ' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) नवजीवन आ वृद्धि
- (B) वर्षा ऋतुक उल्लास
- (C) सूक्ष्म जीवनक सजावटी रूप
- (D) अन्न, श्रम आ ऋतु

६३३. 'मोर आ मेघ' कें एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) शहरक भवन-नियम
- (B) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक
- (C) सैन्य अभ्यास
- (D) मुद्रणालयक मशीन

६३४. मोर आ मेघ सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई वर्षा ऋतुक उल्लास सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।
- (C) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।
- (D) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।

६३५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे मोर आ मेघ किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी कें बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई वर्षा ऋतुक उल्लास कें बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई साधारण लेखा-बही कें बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई शहरक यातायात-नियम कें बुझाबैत अछि।

६३६. गाय-बछड़ाक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) जलमे खिलल पवित्र सौन्दर्य
- (B) पालन, दूध आ गृहस्थ जीवन
- (C) वर्षा आ कृषक आशा
- (D) नवजीवन आ वृद्धि

६३७. मिथिला चित्रकलामे 'गाय-बछड़ा' देखल जाए त विद्यार्थी कें मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) आकाश, सन्देश आ ऋतु
- (B) समृद्ध जल-जगत
- (C) पालन, दूध आ गृहस्थ जीवन
- (D) नवजीवन आ वृद्धि

६३८. 'गाय-बछड़ा' कें एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) मुद्रणालयक मशीन
- (B) शहरक भवन-नियम
- (C) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक
- (D) सैन्य अभ्यास

६३९. गाय-बछड़ा सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र अछि।
- (B) ई सैनिक परेडक अभ्यास अछि।
- (C) ई पालन, दूध आ गृहस्थ जीवन सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई नदी मापयक विज्ञान मात्र अछि।

६४०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे गाय-बछड़ा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई पालन, दूध आ गृहस्थ जीवन कें बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम कें बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता कें बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई दुकानक हिसाब-किताब कें बुझाबैत अछि।

६४१. हाथी-जुलूसक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) उत्सव आ शक्ति
- (B) वर्षा ऋतुक उल्लास
- (C) नवजीवन आ वृद्धि
- (D) वर्षा आ कृषक आशा

६४२. मिथिला चित्रकलामे 'हाथी-जुलूस' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) जल आ उर्वरता
- (B) आकाश, सन्देश आ ऋतु
- (C) उत्सव आ शक्ति
- (D) छठ आ कृषि जीवन

६४३. 'हाथी-जुलूस' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) मुद्रणालयक मशीन
- (B) सैन्य अभ्यास
- (C) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक
- (D) शहरक भवन-नियम

६४४. हाथी-जुलूस सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई उत्सव आ शक्ति सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम अछि।
- (C) ई शहरक यातायात-नियम अछि।
- (D) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।

६४५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे हाथी-जुलूस किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल पत्थर काटबाक काम केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई उत्सव आ शक्ति केँ बुझाबैत अछि।

६४६. घोड़ाक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) छठ आ कृषि जीवन
- (B) जलमे खिलल पवित्र सौन्दर्य
- (C) सृष्टि आ पीढ़ीक विस्तार
- (D) यात्रा, गति आ वीरता

६४७. मिथिला चित्रकलामे 'घोड़ा' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) जीवन, छाँह आ स्थायित्व
- (B) यात्रा, गति आ वीरता
- (C) छठ आ कृषि जीवन
- (D) अन्न, श्रम आ ऋतु

६४८. 'घोड़ा' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) सैन्य अभ्यास
- (B) शहरक भवन-नियम
- (C) मुद्रणालयक मशीन
- (D) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक

६४९. घोड़ा सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र अछि।
- (B) ई सैनिक परेडक अभ्यास अछि।
- (C) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।
- (D) ई यात्रा, गति आ वीरता सँ जुड़ल अछि।

६५०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे घोड़ा किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई यात्रा, गति आ वीरता केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केवल पत्थर काटबाक काम केँ बुझाबैत अछि।

६५१. कमल-पोखरि सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) जलमे खिलल पवित्र सौन्दर्य
- (B) जल आ उर्वरता
- (C) सूक्ष्म जीवनक सजावटी रूप
- (D) पालन, दूध आ गृहस्थ जीवन

६५२. मिथिला चित्रकलामे 'कमल-पोखरि' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) गति आ जीवन-प्रवाह
- (B) प्रकृति सँ कला सामग्री
- (C) जलमे खिलल पवित्र सौन्दर्य
- (D) वर्षा आ कृषक आशा

६५३. 'कमल-पोखरि' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) शहरक भवन-नियम
- (B) मुद्रणालयक मशीन
- (C) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक
- (D) सैन्य अभ्यास

६५४. कमल-पोखरि सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा अछि।
- (B) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।
- (C) ई जलमे खिलल पवित्र सौन्दर्य सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।

६५५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे कमल-पोखरि किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई जलमे खिलल पवित्र सौन्दर्य केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई दुकानक हिसाब-किताब केँ बुझाबैत अछि।

६५६. हरियर पातक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) गति आ जीवन-प्रवाह
- (B) पालन, दूध आ गृहस्थ जीवन
- (C) वर्षा ऋतुक उल्लास
- (D) नवजीवन आ वृद्धि

६५७. मिथिला चित्रकलामे 'हरियर पात' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) अनेक जीव-जंतु आ पादपक उपस्थित
- (B) जल आ उर्वरता
- (C) सूक्ष्म जीवनक सजावटी रूप
- (D) नवजीवन आ वृद्धि

६५८. 'हरियर पात' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) मुद्रणालयक मशीन
- (B) शहरक भवन-नियम
- (C) सैन्य अभ्यास
- (D) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक

६५९. हरियर पात सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई नवजीवन आ वृद्धि सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।
- (C) ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति अछि।
- (D) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।

६६०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे हरियर पात किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई नवजीवन आ वृद्धि केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल पत्थर काटबाक काम केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई खेतीक हल-चाल मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र केँ बुझाबैत अछि।

६६१. धानक खेतक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) पालन, दूध आ गृहस्थ जीवन
- (B) यात्रा, गति आ वीरता
- (C) अन्न, श्रम आ ऋतु
- (D) नवजीवन आ वृद्धि

६६२. मिथिला चित्रकलामे 'धानक खेत' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) आकाश, सन्देश आ ऋतु
- (B) अन्न, श्रम आ ऋतु
- (C) समृद्ध जल-जगत
- (D) पालन, दूध आ गृहस्थ जीवन

६६३. 'धानक खेत' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) शहरक भवन-नियम
- (B) सैन्य अभ्यास
- (C) मुद्रणालयक मशीन
- (D) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक

६६४. धानक खेत सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई शहरक यातायात-नियम अछि।
- (B) ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र अछि।
- (C) ई अन्न, श्रम आ ऋतु सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।

६६५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे धानक खेत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई अन्न, श्रम आ ऋतु केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा केँ बुझाबैत अछि।

६६६. मेघक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) वर्षा आ कृषक आशा
- (B) आकाश, सन्देश आ ऋतु
- (C) जल-संसाधन आ ग्राम्य जीवन
- (D) यात्रा, गति आ वीरता

६६७. मिथिला चित्रकलामे 'मेघ' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) उत्सव आ शक्ति
- (B) वर्षा आ कृषक आशा
- (C) अनेक जीव-जंतु आ पादपक उपस्थिति
- (D) सूक्ष्म जीवनक सजावटी रूप

६६८. 'मेघ' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) मुद्रणालयक मशीन
- (B) शहरक भवन-नियम
- (C) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक
- (D) सैन्य अभ्यास

६६९. मेघ सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी अछि।
- (B) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।
- (C) ई शहरक यातायात-नियम अछि।
- (D) ई वर्षा आ कृषक आशा सँ जुड़ल अछि।

६७०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे मेघ किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई वर्षा आ कृषक आशा केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई रेखाहीन धुँआट चित्र केँ बुझाबैत अछि।

६७१. सूर्य-जल सम्बन्धक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) अनेक जीव-जंतु आ पादपक उपस्थिति
- (B) जीवन, छाँह आ स्थायित्व
- (C) छठ आ कृषि जीवन
- (D) सृष्टि आ पीढ़ीक विस्तार

६७२. मिथिला चित्रकलामे 'सूर्य-जल सम्बन्ध' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) पालन, दूध आ गृहस्थ जीवन
- (B) जल-संसाधन आ ग्राम्य जीवन
- (C) छठ आ कृषि जीवन
- (D) वर्षा ऋतुक उल्लास

६७३. 'सूर्य-जल सम्बन्ध' कैं एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) सैन्य अभ्यास
- (B) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक
- (C) मुद्रणालयक मशीन
- (D) शहरक भवन-नियम

६७४. सूर्य-जल सम्बन्ध सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।
- (B) ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र अछि।
- (C) ई छठ आ कृषि जीवन सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।

६७५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे सूर्य-जल सम्बन्ध किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई छठ आ कृषि जीवन कैं बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम कैं बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई भोजन पकाबयक विधि कैं बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी कैं बुझाबैत अछि।

६७६. वृक्ष-संरक्षणक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) धार्मिक चित्रसँ गाछ बचाबयक लोक-उद्यम
- (B) नवजीवन आ वृद्धि
- (C) पालन, दूध आ गृहस्थ जीवन
- (D) वर्षा ऋतुक उल्लास

६७७. मिथिला चित्रकलामे 'वृक्ष-संरक्षण' देखल जाए त विद्यार्थी कैं मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) अन्न, श्रम आ ऋतु
- (B) जल आ उर्वरता
- (C) छठ आ कृषि जीवन
- (D) धार्मिक चित्रसँ गाछ बचाबयक लोक-उद्यम

६७८. 'वृक्ष-संरक्षण' कैं एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) मुद्रणालयक मशीन
- (B) शहरक भवन-नियम
- (C) सैन्य अभ्यास
- (D) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक

६७९. वृक्ष-संरक्षण सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।
- (B) ई शहरक यातायात-नियम अछि।
- (C) ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र अछि।
- (D) ई धार्मिक चित्रसँ गाछ बचाबयक लोक-उद्यम सँ जुड़ल अछि।

६८०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे वृक्ष-संरक्षण किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई सैनिक परेडक अभ्यास कैं बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी कैं बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई भोजन पकाबयक विधि कैं बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई धार्मिक चित्रसँ गाछ बचाबयक लोक-उद्यम कैं बुझाबैत अछि।

६८१. वनस्पतिजन्य रंगक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) सूक्ष्म जीवनक सजावटी रूप
- (B) यात्रा, गति आ वीरता
- (C) प्रकृति सँ कला सामग्री
- (D) जल आ उर्वरता

६८२. मिथिला चित्रकलामे 'वनस्पतिजन्य रंग' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) प्रकृति सँ कला सामग्री
- (B) गति आ जीवन-प्रवाह
- (C) पालन, दूध आ गृहस्थ जीवन
- (D) अन्न, श्रम आ ऋतु

६८३. 'वनस्पतिजन्य रंग' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) मुद्रणालयक मशीन
- (B) शहरक भवन-नियम
- (C) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक
- (D) सैन्य अभ्यास

६८४. वनस्पतिजन्य रंग सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।
- (B) ई शहरक यातायात-नियम अछि।
- (C) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।
- (D) ई प्रकृति सँ कला सामग्री सँ जुड़ल अछि।

६८५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे वनस्पतिजन्य रंग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई रेखाहीन धुँआट चित्र केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजावयक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई प्रकृति सँ कला सामग्री केँ बुझाबैत अछि।

६८६. जैव-विविधताक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) जीवन, छाँह आ स्थायित्व
- (B) अनेक जीव-जंतु आ पादपक उपस्थिति
- (C) वर्षा आ कृषक आशा
- (D) जल आ उर्वरता

६८७. मिथिला चित्रकलामे 'जैव-विविधता' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) गति आ जीवन-प्रवाह
- (B) वर्षा ऋतुक उल्लास
- (C) नवजीवन आ वृद्धि
- (D) अनेक जीव-जंतु आ पादपक उपस्थिति

६८८. 'जैव-विविधता' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) शहरक भवन-नियम
- (B) सैन्य अभ्यास
- (C) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक
- (D) मुद्रणालयक मशीन

६८९. जैव-विविधता सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।
- (B) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।
- (C) ई अनेक जीव-जंतु आ पादपक उपस्थित सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।

६९०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे जैव-विविधता किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई शहरक यातायात-नियम कें बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई अनेक जीव-जंतु आ पादपक उपस्थित कें बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई युद्धक लोहेक औजार कें बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई सैनिक परेडक अभ्यास कें बुझाबैत अछि।

६९१. पानीक लहरक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) धार्मिक चित्रसँ गाछ बचाबयक लोक-उद्यम
- (B) अनेक जीव-जंतु आ पादपक उपस्थित
- (C) जल-संसाधन आ ग्राम्य जीवन
- (D) गति आ जीवन-प्रवाह

६९२. मिथिला चित्रकलामे 'पानीक लहर' देखल जाए त विद्यार्थी कें मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) आकाश, सन्देश आ ऋतु
- (B) उत्सव आ शक्ति
- (C) गति आ जीवन-प्रवाह
- (D) वर्षा ऋतुक उल्लास

६९३. 'पानीक लहर' कें एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) सैन्य अभ्यास
- (B) मुद्रणालयक मशीन
- (C) शहरक भवन-नियम
- (D) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक

६९४. पानीक लहर सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई गति आ जीवन-प्रवाह सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।
- (C) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।
- (D) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम अछि।

६९५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे पानीक लहर किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम कें बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र कें बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई गति आ जीवन-प्रवाह कें बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र कें बुझाबैत अछि।

६९६. चिड़ै आ पातक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) जल-संसाधन आ ग्राम्य जीवन
- (B) सूक्ष्म जीवनक सजावटी रूप
- (C) जल आ उर्वरता
- (D) छठ आ कृषि जीवन

६९७. मिथिला चित्रकलामे 'चिड़ै आ पात' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) सूक्ष्म जीवनक सजावटी रूप
- (B) यात्रा, गति आ वीरता
- (C) उत्सव आ शक्ति
- (D) प्रकृति सँ कला सामग्री

६९८. 'चिड़ै आ पात' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) मुद्रणालयक मशीन
- (B) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक
- (C) सैन्य अभ्यास
- (D) शहरक भवन-नियम

६९९. चिड़ै आ पात सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।
- (B) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।
- (C) ई सूक्ष्म जीवनक सजावटी रूप सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।

७००. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे चिड़ै आ पात किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई भोजन पकाबयक विधि केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई खेतीक हल-चाल मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई सूक्ष्म जीवनक सजावटी रूप केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई दुकानक हिसाब-किताब केँ बुझाबैत अछि।

कलाकार, समाज आ परम्परा

७०१. स्त्री-परम्पराक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) लोककलाक प्रत्यक्ष बाजार
- (B) जाति, पेशा वा परिवार अनुसार भिन्न अभिव्यक्ति
- (C) चित्र द्वारा अनुभव सुनायब
- (D) घरक भीतर विकसित रचनात्मक ज्ञान

७०२. मिथिला चित्रकलामे 'स्त्री-परम्परा' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) रेखा, विषय आ कथा सिखाबयक पहिल विद्यालय
- (B) मधुबनी चित्रकलाक प्रसिद्ध अग्रणी कलाकार
- (C) चित्र द्वारा अनुभव सुनायब
- (D) घरक भीतर विकसित रचनात्मक ज्ञान

७०३. 'स्त्री-परम्परा' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा
- (B) रेलगाड़ी समय-सारिणी
- (C) कम्पनीक करार
- (D) रसायनक सूत्र मात्र

७०४. स्त्री-परम्परा सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई घरक भीतर विकसित रचनात्मक ज्ञान सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई सैनिक परेडक अभ्यास अछि।
- (C) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।
- (D) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।

७०५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे स्त्री-परम्परा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई घरक भीतर विकसित रचनात्मक ज्ञान केँ बुझाबैत अछि।

७०६. सामुदायिक सीखक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) मधुबनी चित्रकलाक प्रसिद्ध अग्रणी कलाकार
- (B) व्यक्तिगत शैलीक पहचान
- (C) देखब, दोहराब आ अभ्यास करब
- (D) परम्परा राखि नूतन विषय जोड़ब

७०७. मिथिला चित्रकलामे 'सामुदायिक सीख' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) जाति, पेशा वा परिवार अनुसार भिन्न अभिव्यक्ति
- (B) कलाकारक समूह-आधारित सहयोग
- (C) गूढ़ प्रतीक आ सशक्त मिथिला शैलीक कलाकार
- (D) देखब, दोहराब आ अभ्यास करब

७०८. 'सामुदायिक सीख' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा
- (B) रेलगाड़ी समय-सारिणी
- (C) रसायनक सूत्र मात्र
- (D) कम्पनीक करार

७०९. सामुदायिक सीख सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई देखब, दोहराब आ अभ्यास करब सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र अछि।
- (C) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम अछि।
- (D) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।

७१०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे सामुदायिक सीख किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई साधारण लेखा-बही केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई देखब, दोहराब आ अभ्यास करब केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र केँ बुझाबैत अछि।

७११. सीता देवीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) मधुबनी चित्रकलाक आदरणीय पुरान पीढ़ीक कलाकार
- (B) गूढ़ प्रतीक आ सशक्त मिथिला शैलीक कलाकार
- (C) मधुबनी चित्रकलाक प्रसिद्ध अग्रणी कलाकार
- (D) मिथिला चित्रकलाक प्रसिद्ध शिक्षिका-कलाकार

७१२. मिथिला चित्रकलामे 'सीता देवी' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) लोक-परम्परा आ हस्तकला सँ जुड़ल वरिष्ठ कलाकार
- (B) मधुबनी चित्रकलाक प्रसिद्ध अग्रणी कलाकार
- (C) आधुनिक बजार आ पेशेवर विस्तारक परिणाम
- (D) कलाकारक समूह-आधारित सहयोग

७१३. 'सीता देवी' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) रेलगाड़ी समय-सारिणी
- (B) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा
- (C) रसायनक सूत्र मात्र
- (D) कम्पनीक करार

७१४. सीता देवी सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई मधुबनी चित्रकलाक प्रसिद्ध अग्रणी कलाकार सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।
- (C) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।
- (D) ई सैनिक परेडक अभ्यास अछि।

७१५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे सीता देवी किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल पत्थर काटबाक काम केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई खेतीक हल-चाल मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई मधुबनी चित्रकलाक प्रसिद्ध अग्रणी कलाकार केँ बुझाबैत अछि।

७१६. गंगा देवीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) चित्र द्वारा अर्थ-संप्रेषण
- (B) समुदायक पहिचान आ स्वाभिमान
- (C) कचनी आ कथा-चित्रण लेल प्रसिद्ध कलाकार
- (D) कलाकारक सामूहिक अभ्यास आ प्रशिक्षण स्थल

७१७. मिथिला चित्रकलामे 'गंगा देवी' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) व्यक्तिगत शैलीक पहचान
- (B) कचनी आ कथा-चित्रण लेल प्रसिद्ध कलाकार
- (C) मधुबनी चित्रकलाक प्रसिद्ध अग्रणी कलाकार
- (D) समाजक अनुभव केँ चित्रमे उतारयवाली कलाकार

७१८. 'गंगा देवी' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा
- (B) रसायनक सूत्र मात्र
- (C) कम्पनीक करार
- (D) रेलगाड़ी समय-सारिणी

७१९. गंगा देवी सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।
- (B) ई कचनी आ कथा-चित्रण लेल प्रसिद्ध कलाकार सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।
- (D) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।

७२०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे गंगा देवी किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई कचनी आ कथा-चित्रण लेल प्रसिद्ध कलाकार केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा केँ बुझाबैत अछि।

७२१. बौआ देवीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) मिथिला चित्रकलाक प्रसिद्ध शिक्षिका-कलाकार
- (B) समाजक अनुभव केँ चित्रमे उतारयवाली कलाकार
- (C) गूढ़ प्रतीक आ सशक्त मिथिला शैलीक कलाकार
- (D) कलाकारक सामूहिक अभ्यास आ प्रशिक्षण स्थल

७२२. मिथिला चित्रकलामे 'बौआ देवी' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) मधुबनी चित्रकलाक आदरणीय पुरान पीढ़ीक कलाकार
- (B) जाति, पेशा वा परिवार अनुसार भिन्न अभिव्यक्ति
- (C) गूढ़ प्रतीक आ सशक्त मिथिला शैलीक कलाकार
- (D) समुदायक पहिचान आ स्वाभिमान

७२३. 'बौआ देवी' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा
- (B) कम्पनीक करार
- (C) रसायनक सूत्र मात्र
- (D) रेलगाड़ी समय-सारिणी

७२४. बौआ देवी सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।
- (B) ई गूढ़ प्रतीक आ सशक्त मिथिला शैलीक कलाकार सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई साधारण लेखा-बही अछि।
- (D) ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र अछि।

७२५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे बौआ देवी किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई गूढ़ प्रतीक आ सशक्त मिथिला शैलीक कलाकार केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।

७२६. महासुन्दरी देवीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) कलाकारक समूह-आधारित सहयोग
- (B) लोक-परम्परा आ हस्तकला सँ जुड़ल वरिष्ठ कलाकार
- (C) कचनी आ कथा-चित्रण लेल प्रसिद्ध कलाकार
- (D) चित्र द्वारा अनुभव सुनायब

७२७. मिथिला चित्रकलामे 'महासुन्दरी देवी' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) चित्र द्वारा अर्थ-संप्रेषण
- (B) व्यक्तिगत शैलीक पहचान
- (C) समुदायक पहिचान आ स्वाभिमान
- (D) लोक-परम्परा आ हस्तकला सँ जुड़ल वरिष्ठ कलाकार

७२८. 'महासुन्दरी देवी' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) रेलगाड़ी समय-सारिणी
- (B) रसायनक सूत्र मात्र
- (C) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा
- (D) कम्पनीक करार

७२९. महासुन्दरी देवी सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई साधारण लेखा-बही अछि।
- (B) ई लोक-परम्परा आ हस्तकला सँ जुड़ल वरिष्ठ कलाकार सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।
- (D) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।

७३०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे महासुन्दरी देवी किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई नदी मापयक विज्ञान मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई लोक-परम्परा आ हस्तकला सँ जुड़ल वरिष्ठ कलाकार केँ बुझाबैत अछि।

७३१. दुलारी देवीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) परम्परा राखि नूतन विषय जोड़ब
- (B) जाति, पेशा वा परिवार अनुसार भिन्न अभिव्यक्ति
- (C) समाजक अनुभव केँ चित्रमे उतारयवाली कलाकार
- (D) समुदायक पहिचान आ स्वाभिमान

७३२. मिथिला चित्रकलामे 'दुलारी देवी' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) जाति, पेशा वा परिवार अनुसार भिन्न अभिव्यक्ति
- (B) गूढ़ प्रतीक आ सशक्त मिथिला शैलीक कलाकार
- (C) रेखा, विषय आ कथा सिखाबयक पहिल विद्यालय
- (D) समाजक अनुभव केँ चित्रमे उतारयवाली कलाकार

७३३. 'दुलारी देवी' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) रेलगाड़ी समय-सारिणी
- (B) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा
- (C) कम्पनीक करार
- (D) रसायनक सूत्र मात्र

७३४. दुलारी देवी सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई समाजक अनुभव केँ चित्रमे उतारयवाली कलाकार सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।
- (C) ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी अछि।
- (D) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।

७३५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे दुलारी देवी किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई समाजक अनुभव केँ चित्रमे उतारयवाली कलाकार केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई भोजन पकाबयक विधि केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई रेखाहीन धुँआट चित्र केँ बुझाबैत अछि।

७३६. जगदम्बा देवीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) चित्र द्वारा अर्थ-संप्रेषण
- (B) कलाकारक समूह-आधारित सहयोग
- (C) घरक भीतर विकसित रचनात्मक ज्ञान
- (D) मधुबनी चित्रकलाक आदरणीय पुरान पीढ़ीक कलाकार

७३७. मिथिला चित्रकलामे 'जगदम्बा देवी' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) परम्परा राखि नूतन विषय जोड़ब
- (B) मधुबनी चित्रकलाक आदरणीय पुरान पीढ़ीक कलाकार
- (C) जाति, पेशा वा परिवार अनुसार भिन्न अभिव्यक्ति
- (D) मधुबनी चित्रकलाक प्रसिद्ध अग्रणी कलाकार

७३८. 'जगदम्बा देवी' केँ एहि विवेक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) कम्पनीक करार
- (B) रेलगाड़ी समय-सारिणी
- (C) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा
- (D) रसायनक सूत्र मात्र

७३९. जगदम्बा देवी सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई मधुबनी चित्रकलाक आदरणीय पुरान पीढ़ीक कलाकार सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।
- (C) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।
- (D) ई नदी मापयक विज्ञान मात्र अछि।

७४०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे जगदम्बा देवी किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई मधुबनी चित्रकलाक आदरणीय पुरान पीढ़ीक कलाकार केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र केँ बुझाबैत अछि।

७४१. गोदावरी दत्ताक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) परम्परा राखि नूतन विषय जोड़ब
- (B) मिथिला चित्रकलाक प्रसिद्ध शिक्षिका-कलाकार
- (C) मधुबनी चित्रकलाक प्रसिद्ध अग्रणी कलाकार
- (D) गूढ़ प्रतीक आ सशक्त मिथिला शैलीक कलाकार

७४२. मिथिला चित्रकलामे 'गोदावरी दत्ता' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) मिथिला चित्रकलाक प्रसिद्ध शिक्षिका-कलाकार
- (B) कलाकारक सामूहिक अभ्यास आ प्रशिक्षण स्थल
- (C) मधुबनी चित्रकलाक प्रसिद्ध अग्रणी कलाकार
- (D) रेखा, विषय आ कथा सिखाबयक पहिल विद्यालय

७४३. 'गोदावरी दत्ता' केँ एहि विवेक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) रसायनक सूत्र मात्र
- (B) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा
- (C) रेलगाड़ी समय-सारिणी
- (D) कम्पनीक करार

७४४. गोदावरी दत्ता सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।
- (B) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।
- (C) ई मिथिला चित्रकलाक प्रसिद्ध शिक्षिका-कलाकार सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी अछि।

७४५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे गोदावरी दत्ता किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई खेतीक हल-चाल मात्रा केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई मिथिला चित्रकलाक प्रसिद्ध शिक्षिका-कलाकार केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केवल पत्थर काटबाक काम केँ बुझाबैत अछि।

७४६. ग्राम्य कार्यशालाक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) कलाकारक सामूहिक अभ्यास आ प्रशिक्षण स्थल
- (B) मिथिला चित्रकलाक प्रसिद्ध शिक्षिका-कलाकार
- (C) आधुनिक बजार आ पेशेवर विस्तारक परिणाम
- (D) रेखा, विषय आ कथा सिखाबयक पहिल विद्यालय

७४७. मिथिला चित्रकलामे 'ग्राम्य कार्यशाला' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) आधुनिक बजार आ पेशेवर विस्तारक परिणाम
- (B) मधुबनी चित्रकलाक आदरणीय पुरान पीढ़ीक कलाकार
- (C) कलाकारक सामूहिक अभ्यास आ प्रशिक्षण स्थल
- (D) घरक भीतर विकसित रचनात्मक ज्ञान

७४८. 'ग्राम्य कार्यशाला' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) रसायनक सूत्र मात्र
- (B) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा
- (C) रेलगाड़ी समय-सारिणी
- (D) कम्पनीक करार

७४९. ग्राम्य कार्यशाला सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई कलाकारक सामूहिक अभ्यास आ प्रशिक्षण स्थल सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी अछि।
- (C) ई नदी मापयक विज्ञान मात्र अछि।
- (D) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।

७५०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे ग्राम्य कार्यशाला किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई खेतीक हल-चाल मात्रा केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई साधारण लेखा-बही केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई कलाकारक सामूहिक अभ्यास आ प्रशिक्षण स्थल केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।

७५१. हाट आ मेलाक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) मधुबनी चित्रकलाक आदरणीय पुरान पीढ़ीक कलाकार
- (B) जाति, पेशा वा परिवार अनुसार भिन्न अभिव्यक्ति
- (C) कचनी आ कथा-चित्रण लेल प्रसिद्ध कलाकार
- (D) लोककलाक प्रत्यक्ष बाजार

७५२. मिथिला चित्रकलामे 'हाट आ मेला' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) चित्र द्वारा अर्थ-संप्रेषण
- (B) कलाकारक समूह-आधारित सहयोग
- (C) लोककलाक प्रत्यक्ष बाजार
- (D) समाजक अनुभव केँ चित्रमे उतारयवाली कलाकार

७५३. 'हाट आ मेला' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) रसायनक सूत्र मात्र
- (B) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा
- (C) कम्पनीक करार
- (D) रेलगाड़ी समय-सारिणी

७५४. हाट आ मेला सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई लोककलाक प्रत्यक्ष बाजार सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।
- (C) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।
- (D) ई शहरक यातायात-नियम अछि।

७५५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे हाट आ मेला किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई सैनिक परेडक अभ्यास केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई लोककलाक प्रत्यक्ष बाजार केँ बुझाबैत अछि।

७५६. परिवारक भूमिकाक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) रेखा, विषय आ कथा सिखाबयक पहिल विद्यालय
- (B) कलाकारक सामूहिक अभ्यास आ प्रशिक्षण स्थल
- (C) परम्परा राखि नूतन विषय जोड़ब
- (D) कचनी आ कथा-चित्रण लेल प्रसिद्ध कलाकार

७५७. मिथिला चित्रकलामे 'परिवारक भूमिका' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) कचनी आ कथा-चित्रण लेल प्रसिद्ध कलाकार
- (B) रेखा, विषय आ कथा सिखाबयक पहिल विद्यालय
- (C) जाति, पेशा वा परिवार अनुसार भिन्न अभिव्यक्ति
- (D) कलाकारक समूह-आधारित सहयोग

७५८. 'परिवारक भूमिका' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) कम्पनीक करार
- (B) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा
- (C) रसायनक सूत्र मात्र
- (D) रेलगाड़ी समय-सारिणी

७५९. परिवारक भूमिका सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई शहरक यातायात-नियम अछि।
- (B) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।
- (C) ई रेखा, विषय आ कथा सिखाबयक पहिल विद्यालय सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।

७६०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे परिवारक भूमिका किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई रेखा, विषय आ कथा सिखाबयक पहिल विद्यालय केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई साधारण लेखा-बही केँ बुझाबैत अछि।

७६१. समुदाय-विशेष शैलीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) चित्र द्वारा अनुभव सुनायब
- (B) मधुबनी चित्रकलाक आदरणीय पुरान पीढ़ीक कलाकार
- (C) जाति, पेशा वा परिवार अनुसार भिन्न अभिव्यक्ति
- (D) समुदायक पहिचान आ स्वाभिमान

७६२. मिथिला चित्रकलामे 'समुदाय-विशेष शैली' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) परम्परा राखि नूतन विषय जोड़ब
- (B) जाति, पेशा वा परिवार अनुसार भिन्न अभिव्यक्ति
- (C) लोककलाक प्रत्यक्ष बाजार
- (D) मिथिला चित्रकलाक प्रसिद्ध शिक्षिका-कलाकार

७६३. 'समुदाय-विशेष शैली' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) रसायनक सूत्र मात्र
- (B) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा
- (C) रेलगाड़ी समय-सारिणी
- (D) कम्पनीक करार

७६४. समुदाय-विशेष शैली सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई जाति, पेशा वा परिवार अनुसार भिन्न अभिव्यक्ति सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई शहरक यातायात-नियम अछि।
- (C) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबक नियम अछि।
- (D) ई भोजन पकाबक विधि अछि।

७६५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे समुदाय-विशेष शैली किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई जाति, पेशा वा परिवार अनुसार भिन्न अभिव्यक्ति केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी केँ बुझाबैत अछि।

७६६. पुरुष कलाकारक प्रवेशक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) जाति, पेशा वा परिवार अनुसार भिन्न अभिव्यक्ति
- (B) रेखा, विषय आ कथा सिखाबक पहिल विद्यालय
- (C) समुदायक पहिचान आ स्वाभिमान
- (D) आधुनिक बजार आ पेशेवर विस्तारक परिणाम

७६७. मिथिला चित्रकलामे 'पुरुष कलाकारक प्रवेश' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) चित्र द्वारा अनुभव सुनायब
- (B) कलाकारक समूह-आधारित सहयोग
- (C) लोककलाक प्रत्यक्ष बाजार
- (D) आधुनिक बजार आ पेशेवर विस्तारक परिणाम

७६८. 'पुरुष कलाकारक प्रवेश' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) रसायनक सूत्र मात्र
- (B) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा
- (C) कम्पनीक करार
- (D) रेलगाड़ी समय-सारिणी

७६९. पुरुष कलाकारक प्रवेश सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई आधुनिक बजार आ पेशेवर विस्तारक परिणाम सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।
- (C) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।
- (D) ई शहरक यातायात-नियम अछि।

७७०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे पुरुष कलाकारक प्रवेश किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई रेखाहीन धुँआट चित्र केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई भोजन पकाबयक विधि केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई आधुनिक बजार आ पेशेवर विस्तारक परिणाम केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम केँ बुझाबैत अछि।

७७१. शिल्प-सहकारीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) चित्र द्वारा अर्थ-संप्रेषण
- (B) कलाकारक समूह-आधारित सहयोग
- (C) गूढ़ प्रतीक आ सशक्त मिथिला शैलीक कलाकार
- (D) आधुनिक बजार आ पेशेवर विस्तारक परिणाम

७७२. मिथिला चित्रकलामे 'शिल्प-सहकारी' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) समाजक अनुभव केँ चित्रमे उतारयवाली कलाकार
- (B) मिथिला चित्रकलाक प्रसिद्ध शिक्षिका-कलाकार
- (C) कचनी आ कथा-चित्रण लेल प्रसिद्ध कलाकार
- (D) कलाकारक समूह-आधारित सहयोग

७७३. 'शिल्प-सहकारी' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) रेलगाड़ी समय-सारिणी
- (B) रसायनक सूत्र मात्र
- (C) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा
- (D) कम्पनीक करार

७७४. शिल्प-सहकारी सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई कलाकारक समूह-आधारित सहयोग सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।
- (C) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।
- (D) ई सैनिक परेडक अभ्यास अछि।

७७५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे शिल्प-सहकारी किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई भोजन पकाबयक विधि केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल पत्थर काटबाक काम केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई सैनिक परेडक अभ्यास केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई कलाकारक समूह-आधारित सहयोग केँ बुझाबैत अछि।

७७६. कथा कहबाक कलाक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) चित्र द्वारा अनुभव सुनायब
- (B) चित्र द्वारा अर्थ-संप्रेषण
- (C) लोक-परम्परा आ हस्तकला सँ जुड़ल वरिष्ठ कलाकार
- (D) कचनी आ कथा-चित्रण लेल प्रसिद्ध कलाकार

७७७. मिथिला चित्रकलामे 'कथा कहबाक कला' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) समाजक अनुभव केँ चित्रमे उतारयवाली कलाकार
- (B) चित्र द्वारा अनुभव सुनायब
- (C) लोककलाक प्रत्यक्ष बाजार
- (D) आधुनिक बजार आ पेशेवर विस्तारक परिणाम

७७८. 'कथा कहबाक कला' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) रसायनक सूत्र मात्र
- (B) रेलगाड़ी समय-सारिणी
- (C) कम्पनीक करार
- (D) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा

७७९. कथा कहबाक कला सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई नदी मापयक विज्ञान मात्र अछि।
- (B) ई चित्र द्वारा अनुभव सुनायब सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी अछि।
- (D) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।

७८०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे कथा कहबाक कला किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई चित्र द्वारा अनुभव सुनायब केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई खेतीक हल-चाल मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई सैनिक परेडक अभ्यास केँ बुझाबैत अछि।

७८१. साक्षरता सँ परे ज्ञानक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) चित्र द्वारा अर्थ-संप्रेषण
- (B) मधुबनी चित्रकलाक आदरणीय पुरान पीढ़ीक कलाकार
- (C) लोक-परम्परा आ हस्तकला सँ जुड़ल वरिष्ठ कलाकार
- (D) चित्र द्वारा अनुभव सुनायब

७८२. मिथिला चित्रकलामे 'साक्षरता सँ परे ज्ञान' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) चित्र द्वारा अर्थ-संप्रेषण
- (B) जाति, पेशा वा परिवार अनुसार भिन्न अभिव्यक्ति
- (C) कलाकारक सामूहिक अभ्यास आ प्रशिक्षण स्थल
- (D) देखब, दोहराब आ अभ्यास करब

७८३. 'साक्षरता सँ परे ज्ञान' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा
- (B) कम्पनीक करार
- (C) रेलगाड़ी समय-सारिणी
- (D) रसायनक सूत्र मात्र

७८४. साक्षरता सँ परे ज्ञान सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई चित्र द्वारा अर्थ-संप्रेषण सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र अछि।
- (C) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।
- (D) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।

७८५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे साक्षरता सँ परे ज्ञान किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई भोजन पकाबयक विधि केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई विद्यालयक परीक्षा-सूची केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई चित्र द्वारा अर्थ-संप्रेषण केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई साधारण लेखा-बही केँ बुझाबैत अछि।

७८६. लोक-गौरवक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) आधुनिक बजार आ पेशेवर विस्तारक परिणाम
- (B) रेखा, विषय आ कथा सिखाबयक पहिल विद्यालय
- (C) जाति, पेशा वा परिवार अनुसार भिन्न अभिव्यक्ति
- (D) समुदायक पहिचान आ स्वाभिमान

७८७. मिथिला चित्रकलामे 'लोक-गौरव' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) आधुनिक बजार आ पेशेवर विस्तारक परिणाम
- (B) मधुबनी चित्रकलाक प्रसिद्ध अग्रणी कलाकार
- (C) समुदायक पहिचान आ स्वाभिमान
- (D) व्यक्तिगत शैलीक पहचान

७८८. 'लोक-गौरव' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) रेलगाड़ी समय-सारिणी
- (B) रसायनक सूत्र मात्र
- (C) कम्पनीक करार
- (D) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा

७८९. लोक-गौरव सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई समुदायक पहिचान आ स्वाभिमान सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई शहरक यातायात-नियम अछि।
- (C) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम अछि।
- (D) ई साधारण लेखा-बही अछि।

७९०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे लोक-गौरव किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई विद्यालयक परीक्षा-सूची केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई समुदायक पहिचान आ स्वाभिमान केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम केँ बुझाबैत अछि।

७९१. कलाकारक हस्ताक्षरक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) व्यक्तिगत शैलीक पहचान
- (B) चित्र द्वारा अनुभव सुनायब
- (C) समाजक अनुभव केँ चित्रमे उतारयवाली कलाकार
- (D) कचनी आ कथा-चित्रण लेल प्रसिद्ध कलाकार

७९२. मिथिला चित्रकलामे 'कलाकारक हस्ताक्षर' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) व्यक्तिगत शैलीक पहचान
- (B) मधुबनी चित्रकलाक प्रसिद्ध अग्रणी कलाकार
- (C) आधुनिक बजार आ पेशेवर विस्तारक परिणाम
- (D) जाति, पेशा वा परिवार अनुसार भिन्न अभिव्यक्ति

७९३. 'कलाकारक हस्ताक्षर' कें एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) रेलगाड़ी समय-सारिणी
- (B) कम्पनीक करार
- (C) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा
- (D) रसायनक सूत्र मात्र

७९४. कलाकारक हस्ताक्षर सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई सैनिक परेडक अभ्यास अछि।
- (B) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।
- (C) ई नदी मापक विज्ञान मात्र अछि।
- (D) ई व्यक्तिगत शैलीक पहचान सँ जुड़ल अछि।

७९५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे कलाकारक हस्ताक्षर किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल पत्थर काटबाक काम कें बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई साधारण लेखा-बही कें बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबक नियम कें बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई व्यक्तिगत शैलीक पहचान कें बुझाबैत अछि।

७९६. पीढ़ीगत बदलावक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) मधुबनी चित्रकलाक आदरणीय पुरान पीढ़ीक कलाकार
- (B) चित्र द्वारा अर्थ-संप्रेषण
- (C) परम्परा राखि नूतन विषय जोड़ब
- (D) कलाकारक सामूहिक अभ्यास आ प्रशिक्षण स्थल

७९७. मिथिला चित्रकलामे 'पीढ़ीगत बदलाव' देखल जाए त विद्यार्थी कें मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) परम्परा राखि नूतन विषय जोड़ब
- (B) चित्र द्वारा अर्थ-संप्रेषण
- (C) कचनी आ कथा-चित्रण लेल प्रसिद्ध कलाकार
- (D) मिथिला चित्रकलाक प्रसिद्ध शिक्षिका-कलाकार

७९८. 'पीढ़ीगत बदलाव' कें एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) रेलगाड़ी समय-सारिणी
- (B) रसायनक सूत्र मात्र
- (C) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा
- (D) कम्पनीक करार

७९९. पीढ़ीगत बदलाव सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी अछि।
- (B) ई परम्परा राखि नूतन विषय जोड़ब सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा अछि।
- (D) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।

८००. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे पीढ़ीगत बदलाव किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई परम्परा राखि नूतन विषय जोड़ब कें बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबक पद्धति कें बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा कें बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी कें बुझाबैत अछि।

आधुनिक रूप, संरक्षण आ बाजार

८०१. कागज पर चित्रक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) संग्रह आ बिक्री लेल सहज माध्यम
- (B) मूल क्षेत्रक प्रतिष्ठा बचाबयक उपाय
- (C) स्थानीय कला द्वारा सौन्दर्य-बोध
- (D) कला-ग्राम आ सांस्कृतिक यात्रा

८०२. मिथिला चित्रकलामे 'कागज पर चित्र' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) कलाकारक अधिकार पर चोट
- (B) कृति संग कलाकार आ स्थान लिखब
- (C) कला-संरक्षण आ अध्ययनक स्थान
- (D) संग्रह आ बिक्री लेल सहज माध्यम

८०३. 'कागज पर चित्र' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम
- (B) सागरक गहराई नाप
- (C) डाक-टिकट चिपकाबय
- (D) घड़ी मरम्मत

८०४. कागज पर चित्र सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई संग्रह आ बिक्री लेल सहज माध्यम सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।
- (C) ई शहरक यातायात-नियम अछि।
- (D) ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति अछि।

८०५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे कागज पर चित्र किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई दुकानक हिसाब-किताब केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई नदी मापयक विज्ञान मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई संग्रह आ बिक्री लेल सहज माध्यम केँ बुझाबैत अछि।

८०६. कपड़ा पर चित्रक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) कलाकारक अधिकार पर चोट
- (B) उपयोगी वस्तु आ सजावट दुनू
- (C) कलाकारसँ सीधा वा प्रमाणित स्रोतसँ खरीद
- (D) पर्यावरण-मित्र रंग आ सतह

८०७. मिथिला चित्रकलामे 'कपड़ा पर चित्र' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) पुरान चित्रक संरक्षणक सावधान प्रक्रिया
- (B) मूल क्षेत्रक प्रतिष्ठा बचाबयक उपाय
- (C) उपयोगी वस्तु आ सजावट दुनू
- (D) संग्रह आ बिक्री लेल सहज माध्यम

८०८. 'कपड़ा पर चित्र' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) डाक-टिकट चिपकाबय
- (B) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम
- (C) सागरक गहराई नाप
- (D) घड़ी मरम्मत

८०९. कपड़ा पर चित्र सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।
- (B) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।
- (C) ई उपयोगी वस्तु आ सजावट दुनू सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।

८१०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे कपड़ा पर चित्र किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई उपयोगी वस्तु आ सजावट दुनू केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता केँ बुझाबैत अछि।

८११. कैनवास कलाक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) स्थानीय कलाक वैश्विक पहुँच
- (B) कलाकारक अधिकार पर चोट
- (C) पुरान चित्रक संरक्षणक सावधान प्रक्रिया
- (D) दीर्घा आ संग्रह लेल टिकाऊ रूप

८१२. मिथिला चित्रकलामे 'कैनवास कला' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) विद्यार्थीक लेल क्रमबद्ध अभ्यास
- (B) कला-ग्राम आ सांस्कृतिक यात्रा
- (C) पर्यावरण-मित्र रंग आ सतह
- (D) दीर्घा आ संग्रह लेल टिकाऊ रूप

८१३. 'कैनवास कला' केँ एहि विवेक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) डाक-टिकट चिपकाबय
- (B) घड़ी मरम्मत
- (C) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम
- (D) सागरक गहराइ नाप

८१४. कैनवास कला सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई सैनिक परेडक अभ्यास अछि।
- (B) ई दीर्घा आ संग्रह लेल टिकाऊ रूप सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।
- (D) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।

८१५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे कैनवास कला किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई दीर्घा आ संग्रह लेल टिकाऊ रूप केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई साधारण लेखा-बही केँ बुझाबैत अछि।

८१६. डिजिटल रूपांतरणक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) छवि, छापाई आ सीखबाक नूतन माध्यम
- (B) उपयोगी वस्तु आ सजावट दुनू
- (C) विद्यार्थीक लेल क्रमबद्ध अभ्यास
- (D) कलाकारसँ सीधा वा प्रमाणित स्रोतसँ खरीद

८१७. मिथिला चित्रकलामे 'डिजिटल रूपांतरण' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) कृति संग कलाकार आ स्थान लिखब
- (B) रूप बदलैत, आत्मा बचैत
- (C) मूल क्षेत्रक प्रतिष्ठा बचाबयक उपाय
- (D) छवि, छापाई आ सीखबाक नूतन माध्यम

८१८. 'डिजिटल रूपांतरण' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम
- (B) डाक-टिकट चिपकाबय
- (C) सागरक गहराई नाप
- (D) घड़ी मरम्मत

८१९. डिजिटल रूपांतरण सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।
- (B) ई शहरक यातायात-नियम अछि।
- (C) ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र अछि।
- (D) ई छवि, छापाई आ सीखबाक नूतन माध्यम सँ जुड़ल अछि।

८२०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे डिजिटल रूपांतरण किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई छवि, छापाई आ सीखबाक नूतन माध्यम केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता केँ बुझाबैत अछि।

८२१. भौगोलिक पहचानक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) स्थानीय कला द्वारा सौन्दर्य-बोध
- (B) उपयोगी वस्तु आ सजावट दुनू
- (C) पर्यावरण-मित्र रंग आ सतह
- (D) मूल क्षेत्रक प्रतिष्ठा बचाबयक उपाय

८२२. मिथिला चित्रकलामे 'भौगोलिक पहचान' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) कला-संरक्षण आ अध्ययनक स्थान
- (B) विद्यार्थीक लेल क्रमबद्ध अभ्यास
- (C) मूल क्षेत्रक प्रतिष्ठा बचाबयक उपाय
- (D) मूल शैली, कलाकार आ स्रोतक सम्मान

८२३. 'भौगोलिक पहचान' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) घड़ी मरम्मत
- (B) सागरक गहराई नाप
- (C) डाक-टिकट चिपकाबय
- (D) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम

८२४. भौगोलिक पहचान सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई मूल क्षेत्रक प्रतिष्ठा बचाबयक उपाय सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।
- (C) ई सैनिक परेडक अभ्यास अछि।
- (D) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।

८२५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे भौगोलिक पहचान किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई मूल क्षेत्रक प्रतिष्ठा बचाबयक उपाय केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र केँ बुझाबैत अछि।

८२६. प्रमाणिकताक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) रूप बदलैत, आत्मा बचैत
- (B) मूल क्षेत्रक प्रतिष्ठा बचाबयक उपाय
- (C) मूल शैली, कलाकार आ स्रोतक सम्मान
- (D) छवि, छापाई आ सीखबाक नूतन माध्यम

८२७. मिथिला चित्रकलामे 'प्रमाणिकता' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) मूल शैली, कलाकार आ स्रोतक सम्मान
- (B) स्थानीय कला द्वारा सौन्दर्य-बोध
- (C) स्थानीय कलाक वैश्विक पहुँच
- (D) संग्रह आ बिक्री लेल सहज माध्यम

८२८. 'प्रमाणिकता' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) डाक-टिकट चिपकाबय
- (B) सागरक गहराई नाप
- (C) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम
- (D) घड़ी मरम्मत

८२९. प्रमाणिकता सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।
- (B) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।
- (C) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।
- (D) ई मूल शैली, कलाकार आ स्रोतक सम्मान सँ जुड़ल अछि।

८३०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे प्रमाणिकता किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई मूल शैली, कलाकार आ स्रोतक सम्मान केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई रेखाहीन धुँआट चित्र केँ बुझाबैत अछि।

८३१. संग्रहालयक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) कला-संरक्षण आ अध्ययनक स्थान
- (B) पुरान चित्रक संरक्षणक सावधान प्रक्रिया
- (C) कला-ग्राम आ सांस्कृतिक यात्रा
- (D) पर्यावरण-मित्र रंग आ सतह

८३२. मिथिला चित्रकलामे 'संग्रहालय' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) कला-संरक्षण आ अध्ययनक स्थान
- (B) कला-ग्राम आ सांस्कृतिक यात्रा
- (C) मूल क्षेत्रक प्रतिष्ठा बचाबयक उपाय
- (D) दीर्घा आ संग्रह लेल टिकाऊ रूप

८३३. 'संग्रहालय' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) डाक-टिकट चिपकाबय
- (B) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम
- (C) सागरक गहराइ नाप
- (D) घड़ी मरम्मत

८३४. संग्रहालय सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई साधारण लेखा-बही अछि।
- (B) ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी अछि।
- (C) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।
- (D) ई कला-संरक्षण आ अध्ययनक स्थान सँ जुड़ल अछि।

८३५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे संग्रहालय किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई कला-संरक्षण आ अध्ययनक स्थान केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई नदी मापयक विज्ञान मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई दुकानक हिसाब-किताब केँ बुझाबैत अछि।

८३६. प्रदर्शनीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) लोककला केँ सार्वजनिक मंच
- (B) उपयोगी वस्तु आ सजावट दुनू
- (C) कला-ग्राम आ सांस्कृतिक यात्रा
- (D) स्थानीय कलाक वैश्विक पहुँच

८३७. मिथिला चित्रकलामे 'प्रदर्शनी' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) चित्रकला सँ प्रेरित वस्तु-सजावट
- (B) लोककला केँ सार्वजनिक मंच
- (C) स्थानीय कलाक वैश्विक पहुँच
- (D) कला-ग्राम आ सांस्कृतिक यात्रा

८३८. 'प्रदर्शनी' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम
- (B) सागरक गहराइ नाप
- (C) घड़ी मरम्मत
- (D) डाक-टिकट चिपकाबय

८३९. प्रदर्शनी सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।
- (B) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।
- (C) ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति अछि।
- (D) ई लोककला केँ सार्वजनिक मंच सँ जुड़ल अछि।

८४०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे प्रदर्शनी किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई विद्यालयक परीक्षा-सूची केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई लोककला केँ सार्वजनिक मंच केँ बुझाबैत अछि।

८४१. कला-बजारक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) स्थानीय कला द्वारा सौन्दर्य-बोध
- (B) जीविका आ प्रसारक साधन
- (C) कलाकारक अधिकार पर चोट
- (D) लोककला केँ सार्वजनिक मंच

८४२. मिथिला चित्रकलामे 'कला-बजार' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) लोककला केँ सार्वजनिक मंच
- (B) स्थानीय कला द्वारा सौन्दर्य-बोध
- (C) कला-ग्राम आ सांस्कृतिक यात्रा
- (D) जीविका आ प्रसारक साधन

८४३. 'कला-बजार' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) डाक-टिकट चिपकाबय
- (B) सागरक गहराइ नाप
- (C) घड़ी मरम्मत
- (D) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम

८४४. कला-बजार सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई जीविका आ प्रसारक साधन सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।
- (C) ई सैनिक परेडक अभ्यास अछि।
- (D) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।

८४५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे कला-बजार किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई जीविका आ प्रसारक साधन केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई विद्यालयक परीक्षा-सूची केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई नदी मापयक विज्ञान मात्र केँ बुझाबैत अछि।

८४६. नकलक समस्याक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) कलाकारक अधिकार पर चोट
- (B) कला-ग्राम आ सांस्कृतिक यात्रा
- (C) उपयोगी वस्तु आ सजावट दुनू
- (D) कलाकारसँ सीधा वा प्रमाणित स्रोतसँ खरीद

८४७. मिथिला चित्रकलामे 'नकलक समस्या' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) कलाकारसँ सीधा वा प्रमाणित स्रोतसँ खरीद
- (B) स्थानीय कलाक वैश्विक पहुँच
- (C) चित्रकला सँ प्रेरित वस्तु-सजावट
- (D) कलाकारक अधिकार पर चोट

८४८. 'नकलक समस्या' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) सागरक गहराइ नाप
- (B) घड़ी मरम्मत
- (C) डाक-टिकट चिपकाबय
- (D) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम

८४९. नकलक समस्या सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई कलाकारक अधिकार पर चोट सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।
- (C) ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी अछि।
- (D) ई शहरक यातायात-नियम अछि।

८५०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे नकलक समस्या किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई कलाकारक अधिकार पर चोट केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई दुकानक हिसाब-किताब केँ बुझाबैत अछि।

८५१. शिक्षण-पुस्तिकाक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) जीविका आ प्रसारक साधन
- (B) पुरान चित्रक संरक्षणक सावधान प्रक्रिया
- (C) विद्यार्थीक लेल क्रमबद्ध अभ्यास
- (D) मूल शैली, कलाकार आ स्रोतक सम्मान

८५२. मिथिला चित्रकलामे 'शिक्षण-पुस्तिका' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) जीविका आ प्रसारक साधन
- (B) कलाकारक अधिकार पर चोट
- (C) विद्यार्थीक लेल क्रमबद्ध अभ्यास
- (D) स्थानीय कला द्वारा सौन्दर्य-बोध

८५३. 'शिक्षण-पुस्तिका' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम
- (B) सागरक गहराई नाप
- (C) डाक-टिकट चिपकाबय
- (D) घड़ी मरम्मत

८५४. शिक्षण-पुस्तिका सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।
- (B) ई विद्यार्थीक लेल क्रमबद्ध अभ्यास सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।
- (D) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।

८५५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे शिक्षण-पुस्तिका किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई दुकानक हिसाब-किताब केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई विद्यार्थीक लेल क्रमबद्ध अभ्यास केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई सैनिक परेडक अभ्यास केँ बुझाबैत अछि।

८५६. विद्यालयी प्रयोगक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) छवि, छापाई आ सीखबाक नूतन माध्यम
- (B) कला-ग्राम आ सांस्कृतिक यात्रा
- (C) जीविका आ प्रसारक साधन
- (D) स्थानीय कला द्वारा सौन्दर्य-बोध

८५७. मिथिला चित्रकलामे 'विद्यालयी प्रयोग' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) जीविका आ प्रसारक साधन
- (B) कला-संरक्षण आ अध्ययनक स्थान
- (C) कला-ग्राम आ सांस्कृतिक यात्रा
- (D) स्थानीय कला द्वारा सौन्दर्य-बोध

८५८. 'विद्यालयी प्रयोग' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम
- (B) डाक-टिकट चिपकाबय
- (C) सागरक गहराइ नाप
- (D) घड़ी मरम्मत

८५९. विद्यालयी प्रयोग सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई साधारण लेखा-बही अछि।
- (B) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।
- (C) ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी अछि।
- (D) ई स्थानीय कला द्वारा सौन्दर्य-बोध सँ जुड़ल अछि।

८६०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे विद्यालयी प्रयोग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई रेखाहीन धुँआट चित्र केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई स्थानीय कला द्वारा सौन्दर्य-बोध केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम केँ बुझाबैत अछि।

८६१. पर्यटनक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) स्थानीय कलाक वैश्विक पहुँच
- (B) कलाकारक अधिकार पर चोट
- (C) पर्यावरण-मित्र रंग आ सतह
- (D) कला-ग्राम आ सांस्कृतिक यात्रा

८६२. मिथिला चित्रकलामे 'पर्यटन' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) पर्यावरण-मित्र रंग आ सतह
- (B) कला-ग्राम आ सांस्कृतिक यात्रा
- (C) पुरान चित्रक संरक्षणक सावधान प्रक्रिया
- (D) स्थानीय कला द्वारा सौन्दर्य-बोध

८६३. 'पर्यटन' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) घड़ी मरम्मत
- (B) सागरक गहराइ नाप
- (C) डाक-टिकट चिपकाबय
- (D) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम

८६४. पर्यटन सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र अछि।
- (B) ई कला-ग्राम आ सांस्कृतिक यात्रा सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।
- (D) ई नदी मापयक विज्ञान मात्र अछि।

८६५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे पर्यटन किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई भोजन पकाबयक विधि केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल पत्थर काटबाक काम केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई कला-ग्राम आ सांस्कृतिक यात्रा केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई दुकानक हिसाब-किताब केँ बुझाबैत अछि।

८६६. निर्यातक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) स्थानीय कलाक वैश्विक पहुँच
- (B) छवि, छापाई आ सीखबाक नूतन माध्यम
- (C) कलाकारक अधिकार पर चोट
- (D) कला-ग्राम आ सांस्कृतिक यात्रा

८६७. मिथिला चित्रकलामे 'निर्यात' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) लोककला केँ सार्वजनिक मंच
- (B) स्थानीय कलाक वैश्विक पहुँच
- (C) दीर्घा आ संग्रह लेल टिकाऊ रूप
- (D) छवि, छापाई आ सीखबाक नूतन माध्यम

८६८. 'निर्यात' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) घड़ी मरम्मत
- (B) सागरक गहराई नाप
- (C) डाक-टिकट चिपकाबय
- (D) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम

८६९. निर्यात सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र अछि।
- (B) ई स्थानीय कलाक वैश्विक पहुँच सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।
- (D) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।

८७०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे निर्यात किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई साधारण लेखा-बही केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई स्थानीय कलाक वैश्विक पहुँच केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई दुकानक हिसाब-किताब केँ बुझाबैत अछि।

८७१. डिजाइन-उद्योगक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) विद्यार्थीक लेल क्रमबद्ध अभ्यास
- (B) छवि, छापाई आ सीखबाक नूतन माध्यम
- (C) कला-संरक्षण आ अध्ययनक स्थान
- (D) चित्रकला सँ प्रेरित वस्तु-सजावट

८७२. मिथिला चित्रकलामे 'डिजाइन-उद्योग' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) पुरान चित्रक संरक्षणक सावधान प्रक्रिया
- (B) कलाकारक अधिकार पर चोट
- (C) चित्रकला सँ प्रेरित वस्तु-सजावट
- (D) कला-संरक्षण आ अध्ययनक स्थान

८७३. 'डिजाइन-उद्योग' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) सागरक गहराइ नाप
- (B) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम
- (C) डाक-टिकट चिपकाबय
- (D) घड़ी मरम्मत

८७४. डिजाइन-उद्योग सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।
- (B) ई नदी मापयक विज्ञान मात्र अछि।
- (C) ई शहरक यातायात-नियम अछि।
- (D) ई चित्रकला सँ प्रेरित वस्तु-सजावट सँ जुड़ल अछि।

८७५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे डिजाइन-उद्योग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई चित्रकला सँ प्रेरित वस्तु-सजावट केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई दुकानक हिसाब-किताब केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई भोजन पकाबयक विधि केँ बुझाबैत अछि।

८७६. सतत सामग्रीक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) दीर्घा आ संग्रह लेल टिकाऊ रूप
- (B) छवि, छापाई आ सीखबाक नूतन माध्यम
- (C) पर्यावरण-मित्र रंग आ सतह
- (D) स्थानीय कलाक वैश्विक पहुँच

८७७. मिथिला चित्रकलामे 'सतत सामग्री' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) उपयोगी वस्तु आ सजावट दुनू
- (B) कलाकारसँ सीधा वा प्रमाणित स्रोतसँ खरीद
- (C) पर्यावरण-मित्र रंग आ सतह
- (D) संग्रह आ बिक्री लेल सहज माध्यम

८७८. 'सतत सामग्री' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) घड़ी मरम्मत
- (B) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम
- (C) डाक-टिकट चिपकाबय
- (D) सागरक गहराइ नाप

८७९. सतत सामग्री सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।
- (B) ई नदी मापयक विज्ञान मात्र अछि।
- (C) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।
- (D) ई पर्यावरण-मित्र रंग आ सतह सँ जुड़ल अछि।

८८०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे सतत सामग्री किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई साधारण लेखा-बही केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई पर्यावरण-मित्र रंग आ सतह केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई विद्यालयक परीक्षा-सूची केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति केँ बुझाबैत अछि।

८८१. स्रोत-लेखनक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) कलाकारक अधिकार पर चोट
- (B) कृति संग कलाकार आ स्थान लिखब
- (C) पर्यावरण-मित्र रंग आ सतह
- (D) पुरान चित्रक संरक्षणक सावधान प्रक्रिया

८८२. मिथिला चित्रकलामे 'स्रोत-लेखन' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) दीर्घा आ संग्रह लेल टिकाऊ रूप
- (B) कृति संग कलाकार आ स्थान लिखब
- (C) कला-संरक्षण आ अध्ययनक स्थान
- (D) कला-ग्राम आ सांस्कृतिक यात्रा

८८३. 'स्रोत-लेखन' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) डाक-टिकट चिपकाबय
- (B) सागरक गहराई नाप
- (C) घड़ी मरम्मत
- (D) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम

८८४. स्रोत-लेखन सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र अछि।
- (B) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।
- (C) ई कृति संग कलाकार आ स्थान लिखब सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी अछि।

८८५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे स्रोत-लेखन किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई नदी मापयक विज्ञान मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई कृति संग कलाकार आ स्थान लिखब केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई विद्यालयक परीक्षा-सूची केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई सैनिक परेडक अभ्यास केँ बुझाबैत अछि।

८८६. मरम्मतक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) रूप बदलैत, आत्मा बचैत
- (B) मूल शैली, कलाकार आ स्रोतक सम्मान
- (C) पुरान चित्रक संरक्षणक सावधान प्रक्रिया
- (D) उपयोगी वस्तु आ सजावट दुनू

८८७. मिथिला चित्रकलामे 'मरम्मत' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) कृति संग कलाकार आ स्थान लिखब
- (B) उपयोगी वस्तु आ सजावट दुनू
- (C) पुरान चित्रक संरक्षणक सावधान प्रक्रिया
- (D) दीर्घा आ संग्रह लेल टिकाऊ रूप

८८८. 'मरम्मत' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) घड़ी मरम्मत
- (B) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम
- (C) सागरक गहराई नाप
- (D) डाक-टिकट चिपकाबय

८८९. मरम्मत सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई सैनिक परेडक अभ्यास अछि।
- (B) ई पुरान चित्रक संरक्षणक सावधान प्रक्रिया सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।
- (D) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम अछि।

८९०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे मरम्मत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई पुरान चित्रक संरक्षणक सावधान प्रक्रिया केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई रेखाहीन धुँआट चित्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता केँ बुझाबैत अछि।

८९१. लोककला आ आधुनिकताक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) कला-ग्राम आ सांस्कृतिक यात्रा
- (B) विद्यार्थीक लेल क्रमबद्ध अभ्यास
- (C) रूप बदलैत, आत्मा बचैत
- (D) दीर्घा आ संग्रह लेल टिकाऊ रूप

८९२. मिथिला चित्रकलामे 'लोककला आ आधुनिकता' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) पर्यावरण-मित्र रंग आ सतह
- (B) कला-ग्राम आ सांस्कृतिक यात्रा
- (C) संग्रह आ बिक्री लेल सहज माध्यम
- (D) रूप बदलैत, आत्मा बचैत

८९३. 'लोककला आ आधुनिकता' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम
- (B) डाक-टिकट चिपकाबय
- (C) सागरक गहराई नाप
- (D) घड़ी मरम्मत

८९४. लोककला आ आधुनिकता सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।
- (B) ई रूप बदलैत, आत्मा बचैत सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।
- (D) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।

८९५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे लोककला आ आधुनिकता किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई विद्यालयक परीक्षा-सूची केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई रूप बदलैत, आत्मा बचैत केँ बुझाबैत अछि।

८९६. नैतिक खरीदक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) मूल शैली, कलाकार आ स्रोतक सम्मान
- (B) चित्रकला सँ प्रेरित वस्तु-सजावट
- (C) स्थानीय कला द्वारा सौन्दर्य-बोध
- (D) कलाकारसँ सीधा वा प्रमाणित स्रोतसँ खरीद

८९७. मिथिला चित्रकलामे 'नैतिक खरीद' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) कलाकारसँ सीधा वा प्रमाणित स्रोतसँ खरीद
- (B) संग्रह आ बिक्री लेल सहज माध्यम
- (C) पर्यावरण-मित्र रंग आ सतह
- (D) उपयोगी वस्तु आ सजावट दुनू

८९८. 'नैतिक खरीद' केँ एहि विचित्र कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम
- (B) सागरक गहराई नाप
- (C) घड़ी मरम्मत
- (D) डाक-टिकट चिपकाबय

८९९. नैतिक खरीद सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।
- (B) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।
- (C) ई कलाकारसँ सीधा वा प्रमाणित स्रोतसँ खरीद सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई साधारण लेखा-बही अछि।

९००. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे नैतिक खरीद किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई खेतीक हल-चाल मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई कलाकारसँ सीधा वा प्रमाणित स्रोतसँ खरीद केँ बुझाबैत अछि।

अभ्यास, पहचान आ आलोचना

९०१. चित्रमे खाली जगह न छोड़बक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) एक कमल बनाकऽ चारू दिस पात-बिन्दु भरब
- (B) मिथिला चित्रकला पहचानबाक आधार
- (C) मिथिला शैलीक घन सजावटी प्रवृत्ति
- (D) केन्द्र आ किनारक संतुलन

९०२. मिथिला चित्रकलामे 'चित्रमे खाली जगह न छोड़ब' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) कला केँ ओकर भाषा-संस्कृतिमे पढ़ब
- (B) मिथिला शैलीक घन सजावटी प्रवृत्ति
- (C) सजावटसँ बेसी प्रतीकात्मकता बुझब
- (D) सीखबाक लेल नकल, प्रकाशन लेल श्रेय

९०३. 'चित्रमे खाली जगह न छोड़ब' केँ एहि विचित्र कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) खाद्य-संग्रहणक तापमान
- (B) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन
- (C) डाक-घरक मुहर
- (D) धातु गलाबयक भट्ठी

९०४. चित्रमे खाली जगह न छोड़ब सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र अछि।
- (B) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।
- (C) ई मिथिला शैलीक घन सजावटी प्रवृत्ति सँ जुड़ल अछि।
- (D) ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा अछि।

९०५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे चित्रमे खाली जगह न छोड़ब किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई मिथिला शैलीक घन सजावटी प्रवृत्ति केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई साधारण लेखा-बही केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।

९०६. दोहरी रेखा आ भीतरक भरावक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) मिथिला चित्रकला पहचानबाक आधार
- (B) चटख रंग भराव बेसी
- (C) देवी, यंत्र, गूढ़ चिन्ह
- (D) हर रंगीन लोकचित्र केँ मिथिला नहि मानब

९०७. मिथिला चित्रकलामे 'दोहरी रेखा आ भीतरक भराव' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) मिथिला चित्रकला पहचानबाक आधार
- (B) चटख रंग भराव बेसी
- (C) बिन्दु, छोट चिह्न आ टैटू-जकाँ लय
- (D) चाउर घोलक ज्यामितीय भूमि-चित्र

९०८. 'दोहरी रेखा आ भीतरक भराव' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) धातु गलाबयक भट्ठी
- (B) डाक-घरक मुहर
- (C) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन
- (D) खाद्य-संग्रहणक तापमान

९०९. दोहरी रेखा आ भीतरक भराव सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई मिथिला चित्रकला पहचानबाक आधार सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र अछि।
- (C) ई साधारण लेखा-बही अछि।
- (D) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।

९१०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे दोहरी रेखा आ भीतरक भराव किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई भोजन पकाबयक विधि केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई मिथिला चित्रकला पहचानबाक आधार केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम केँ बुझाबैत अछि।

९११. देवता केँ लोक-रेखा मे देखबक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) महीन रेखा आ हाचिंग बेसी
- (B) हर रंगीन लोकचित्र केँ मिथिला नहि मानब
- (C) लोककथा आ आस्थाक दृश्य रूप
- (D) लोकशैलीमे समकालीन बात

९१२. मिथिला चित्रकलामे 'देवता केँ लोक-रेखा मे देखब' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) लोककथा आ आस्थाक दृश्य रूप
- (B) कमल, बाँस, माछ, कछुआ, सूर्य-चन्द्र
- (C) लोकशैलीमे समकालीन बात
- (D) केन्द्र आ किनारक संतुलन

९१३. 'देवता के लोक-रेखा में देखब' के एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमें राखब उचित?

- (A) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन
- (B) धातु गलाबयक भट्ठी
- (C) डाक-घरक मुहर
- (D) खाद्य-संग्रहणक तापमान

९१४. देवता के लोक-रेखा में देखब सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई सैनिक परेडक अभ्यास अछि।
- (B) ई लोककथा आ आस्थाक दृश्य रूप सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।
- (D) ई साधारण लेखा-बही अछि।

९१५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमें देवता के लोक-रेखा में देखब किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई लोककथा आ आस्थाक दृश्य रूप केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र केँ बुझाबैत अछि।

९१६. कोहबर चिन्ह पहचानबक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) सीखबाक लेल नकल, प्रकाशन लेल श्रेय
- (B) कमल, बाँस, माछ, कछुआ, सूर्य-चन्द्र
- (C) चाउर घोलक ज्यामितीय भूमि-चित्र
- (D) नैतिक कला-अध्ययनक नियम

९१७. मिथिला चित्रकलामें 'कोहबर चिन्ह पहचानब' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) कमल, बाँस, माछ, कछुआ, सूर्य-चन्द्र
- (B) देवी, यंत्र, गूढ़ चिन्ह
- (C) नैतिक कला-अध्ययनक नियम
- (D) चटख रंग भराव बेसी

९१८. 'कोहबर चिन्ह पहचानब' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमें राखब उचित?

- (A) खाद्य-संग्रहणक तापमान
- (B) धातु गलाबयक भट्ठी
- (C) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन
- (D) डाक-घरक मुहर

९१९. कोहबर चिन्ह पहचानब सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई नदी मापयक विज्ञान मात्र अछि।
- (B) ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र अछि।
- (C) ई शहरक यातायात-नियम अछि।
- (D) ई कमल, बाँस, माछ, कछुआ, सूर्य-चन्द्र सँ जुड़ल अछि।

९२०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमें कोहबर चिन्ह पहचानब किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई दुकानक हिसाब-किताब केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई सैनिक परेडक अभ्यास केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई कमल, बाँस, माछ, कछुआ, सूर्य-चन्द्र केँ बुझाबैत अछि।

९२१. अरिपन चिन्ह पहचानबक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) चटख रंग भराव बेसी
- (B) देवी, यंत्र, गूढ़ चिन्ह
- (C) चाउर घोलक ज्यामितीय भूमि-चित्र
- (D) हर रंगीन लोकचित्र केँ मिथिला नहि मानब

९२२. मिथिला चित्रकलामे 'अरिपन चिन्ह पहचानब' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) नैतिक कला-अध्ययनक नियम
- (B) चाउर घोलक ज्यामितीय भूमि-चित्र
- (C) चटख रंग भराव बेसी
- (D) महीन रेखा आ हाचिंग बेसी

९२३. 'अरिपन चिन्ह पहचानब' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) डाक-घरक मुहर
- (B) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन
- (C) धातु गलाबयक भट्टी
- (D) खाद्य-संग्रहणक तापमान

९२४. अरिपन चिन्ह पहचानब सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई चाउर घोलक ज्यामितीय भूमि-चित्र सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई साधारण लेखा-बही अछि।
- (C) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।
- (D) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।

९२५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे अरिपन चिन्ह पहचानब किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई विद्यालयक परीक्षा-सूची केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई चाउर घोलक ज्यामितीय भूमि-चित्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई भोजन पकाबयक विधि केँ बुझाबैत अछि।

९२६. कचनी पहचानबक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) महीन रेखा आ हाचिंग बेसी
- (B) चटख रंग भराव बेसी
- (C) कला केँ ओकर भाषा-संस्कृतिमे पढ़ब
- (D) चाउर घोलक ज्यामितीय भूमि-चित्र

९२७. मिथिला चित्रकलामे 'कचनी पहचानब' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) परम्परा भंग नहि, विस्तार
- (B) सजावटसँ बेसी प्रतीकात्मकता बुझब
- (C) रेखा, रंग, प्रतीक, विषय आ स्रोत पाँचू देखब
- (D) महीन रेखा आ हाचिंग बेसी

९२८. 'कचनी पहचानब' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) खाद्य-संग्रहणक तापमान
- (B) डाक-घरक मुहर
- (C) धातु गलाबयक भट्टी
- (D) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन

९२९. कचनी पहचानब सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई महीन रेखा आ हाचिंग बेसी सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।
- (C) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।
- (D) ई नदी मापयक विज्ञान मात्र अछि।

९३०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे कचनी पहचानब किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई भोजन पकाबयक विधि केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई महीन रेखा आ हाचिंग बेसी केँ बुझाबैत अछि।

९३१. भरनी पहचानबक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) देवी, यंत्र, गूढ़ चिन्ह
- (B) कमल, बाँस, माछ, कछुआ, सूर्य-चन्द्र
- (C) एक कमल बनाकऽ चारू दिस पात-बिन्दु भरब
- (D) चटख रंग भराव बेसी

९३२. मिथिला चित्रकलामे 'भरनी पहचानब' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) परम्परा भंग नहि, विस्तार
- (B) चाउर घोलक ज्यामितीय भूमि-चित्र
- (C) लोकशैलीमे समकालीन बात
- (D) चटख रंग भराव बेसी

९३३. 'भरनी पहचानब' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) डाक-घरक मुहर
- (B) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन
- (C) खाद्य-संग्रहणक तापमान
- (D) धातु गलाबयक भट्टी

९३४. भरनी पहचानब सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई चटख रंग भराव बेसी सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।
- (C) ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र अछि।
- (D) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम अछि।

९३५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे भरनी पहचानब किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई सैनिक परेडक अभ्यास केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई साधारण लेखा-बही केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई विद्यालयक परीक्षा-सूची केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई चटख रंग भराव बेसी केँ बुझाबैत अछि।

९३६. गोदना पहचानबक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) सीखबाक लेल नकल, प्रकाशन लेल श्रेय
- (B) मिथिला शैलीक घन सजावटी प्रवृत्ति
- (C) हर रंगीन लोकचित्र केँ मिथिला नहि मानब
- (D) बिन्दु, छोट चिह्न आ टैटू-जकाँ लय

९३७. मिथिला चित्रकलामे 'गोदना पहचानब' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) बिन्दु, छोट चिह्न आ टैटू-जकाँ लय
- (B) नैतिक कला-अध्ययनक नियम
- (C) चाउर घोलक ज्यामितीय भूमि-चित्र
- (D) हर रंगीन लोकचित्र केँ मिथिला नहि मानब

९३८. 'गोदना पहचानब' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन
- (B) डाक-घरक मुहर
- (C) धातु गलाबयक भट्ठी
- (D) खाद्य-संग्रहणक तापमान

९३९. गोदना पहचानब सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम अछि।
- (B) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।
- (C) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।
- (D) ई बिन्दु, छोट चिह्न आ टैटू-जकाँ लय सँ जुड़ल अछि।

९४०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे गोदना पहचानब किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई साधारण लेखा-बही केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई बिन्दु, छोट चिह्न आ टैटू-जकाँ लय केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।

९४१. तांत्रिक पहचानबक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) देवी, यंत्र, गूढ़ चिन्ह
- (B) हर रंगीन लोकचित्र केँ मिथिला नहि मानब
- (C) चटख रंग भराव बेसी
- (D) सजावटसँ बेसी प्रतीकात्मकता बुझब

९४२. मिथिला चित्रकलामे 'तांत्रिक पहचानब' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) हर रंगीन लोकचित्र केँ मिथिला नहि मानब
- (B) मिथिला चित्रकला पहचानबाक आधार
- (C) कमल, बाँस, माछ, कछुआ, सूर्य-चन्द्र
- (D) देवी, यंत्र, गूढ़ चिन्ह

९४३. 'तांत्रिक पहचानब' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) डाक-घरक मुहर
- (B) धातु गलाबयक भट्ठी
- (C) खाद्य-संग्रहणक तापमान
- (D) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन

९४४. तांत्रिक पहचानब सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई सैनिक परेडक अभ्यास अछि।
- (B) ई देवी, यंत्र, गूढ़ चिन्ह सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।
- (D) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।

१४५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे तांत्रिक पहचानब किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई दुकानक हिसाब-किताब केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई देवी, यंत्र, गूढ़ चिन्ह केँ बुझाबैत अछि।

१४६. गलत पहचान सँ बचबक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) हर रंगीन लोकचित्र केँ मिथिला नहि मानब
- (B) देवी, यंत्र, गूढ़ चिन्ह
- (C) चाउर घोलक ज्यामितीय भूमि-चित्र
- (D) रेखा, रंग, प्रतीक, विषय आ स्रोत पाँचू देखब

१४७. मिथिला चित्रकलामे 'गलत पहचान सँ बचब' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) हर रंगीन लोकचित्र केँ मिथिला नहि मानब
- (B) सजावटसँ बेसी प्रतीकात्मकता बुझब
- (C) छाया-प्रकाश नहि, प्रतीकात्मक समतलता
- (D) कला केँ ओकर भाषा-संस्कृतिमे पढ़ब

१४८. 'गलत पहचान सँ बचब' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) खाद्य-संग्रहणक तापमान
- (B) डाक-घरक मुहर
- (C) धातु गलाबयक भट्टी
- (D) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन

१४९. गलत पहचान सँ बचब सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई हर रंगीन लोकचित्र केँ मिथिला नहि मानब सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा अछि।
- (C) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।
- (D) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।

१५०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे गलत पहचान सँ बचब किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई खेतीक हल-चाल मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई सैनिक परेडक अभ्यास केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई हर रंगीन लोकचित्र केँ मिथिला नहि मानब केँ बुझाबैत अछि।

१५१. रचना-समता जाँचबक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) कमल, बाँस, माछ, कछुआ, सूर्य-चन्द्र
- (B) केन्द्र आ किनारक संतुलन
- (C) सजावटसँ बेसी प्रतीकात्मकता बुझब
- (D) हर रंगीन लोकचित्र केँ मिथिला नहि मानब

१५२. मिथिला चित्रकलामे 'रचना-समता जाँचब' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) रेखा, रंग, प्रतीक, विषय आ स्रोत पाँचू देखब
- (B) केन्द्र आ किनारक संतुलन
- (C) देवी, यंत्र, गूढ़ चिन्ह
- (D) सजावटसँ बेसी प्रतीकात्मकता बुझब

९५३. 'रचना-समता जाँचब' कें एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) डाक-घरक मुहर
- (B) खाद्य-संग्रहणक तापमान
- (C) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन
- (D) धातु गलाबयक भट्टी

९५४. रचना-समता जाँचब सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई केन्द्र आ किनारक संतुलन सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।
- (C) ई विद्यालयक परीक्षा-सूची अछि।
- (D) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।

९५५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे रचना-समता जाँचब किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई युद्धक लोहेक औजार कें बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र कें बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई विद्यालयक परीक्षा-सूची कें बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई केन्द्र आ किनारक संतुलन कें बुझाबैत अछि।

९५६. रंगक अर्थ पूछबक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) मिथिला चित्रकला पहचानबाक आधार
- (B) कमल, बाँस, माछ, कछुआ, सूर्य-चन्द्र
- (C) सजावटसँ बेसी प्रतीकात्मकता बुझब
- (D) एक कमल बनाकऽ चारू दिस पात-बिन्दु भरब

९५७. मिथिला चित्रकलामे 'रंगक अर्थ पूछब' देखल जाए त विद्यार्थी कें मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) सीखबाक लेल नकल, प्रकाशन लेल श्रेय
- (B) लोककथा आ आस्थाक दृश्य रूप
- (C) सजावटसँ बेसी प्रतीकात्मकता बुझब
- (D) हर रंगीन लोकचित्र कें मिथिला नहि मानब

९५८. 'रंगक अर्थ पूछब' कें एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) डाक-घरक मुहर
- (B) धातु गलाबयक भट्टी
- (C) खाद्य-संग्रहणक तापमान
- (D) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन

९५९. रंगक अर्थ पूछब सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई नदी मापयक विज्ञान मात्र अछि।
- (B) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।
- (C) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।
- (D) ई सजावटसँ बेसी प्रतीकात्मकता बुझब सँ जुड़ल अछि।

९६०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे रंगक अर्थ पूछब किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र कें बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई सजावटसँ बेसी प्रतीकात्मकता बुझब कें बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई खेतीक हल-चाल मात्र कें बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई रेखाहीन धुँआट चित्र कें बुझाबैत अछि।

९६१. कलाकारक श्रेयक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) नैतिक कला-अध्ययनक नियम
- (B) चटख रंग भराव बेसी
- (C) रेखा, रंग, प्रतीक, विषय आ स्रोत पाँचू देखब
- (D) देवी, यंत्र, गूढ़ चिन्ह

९६२. मिथिला चित्रकलामे 'कलाकारक श्रेय' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) नैतिक कला-अध्ययनक नियम
- (B) केन्द्र आ किनारक संतुलन
- (C) छाया-प्रकाश नहि, प्रतीकात्मक समतलता
- (D) लोककथा आ आस्थाक दृश्य रूप

९६३. 'कलाकारक श्रेय' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) खाद्य-संग्रहणक तापमान
- (B) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन
- (C) डाक-घरक मुहर
- (D) धातु गलाबयक भट्ठी

९६४. कलाकारक श्रेय सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।
- (B) ई नैतिक कला-अध्ययनक नियम सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।
- (D) ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति अछि।

९६५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे कलाकारक श्रेय किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई दुकानक हिसाब-किताब केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई नैतिक कला-अध्ययनक नियम केँ बुझाबैत अछि।

९६६. स्थानीय शब्द बुझबक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) चटख रंग भराव बेसी
- (B) चाउर घोलक ज्यामितीय भूमि-चित्र
- (C) मिथिला चित्रकला पहचानबाक आधार
- (D) कला केँ ओकर भाषा-संस्कृतिमे पढ़ब

९६७. मिथिला चित्रकलामे 'स्थानीय शब्द बुझब' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) लोककथा आ आस्थाक दृश्य रूप
- (B) कला केँ ओकर भाषा-संस्कृतिमे पढ़ब
- (C) कमल, बाँस, माछ, कछुआ, सूर्य-चन्द्र
- (D) मिथिला शैलीक घन सजावटी प्रवृत्ति

९६८. 'स्थानीय शब्द बुझब' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) डाक-घरक मुहर
- (B) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन
- (C) खाद्य-संग्रहणक तापमान
- (D) धातु गलाबयक भट्ठी

९६९. स्थानीय शब्द बुझब सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई केवल संगमरमर मूर्ति बनाबयक पद्धति अछि।
- (B) ई कला केँ ओकर भाषा-संस्कृतिमे पढ़ब सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।
- (D) ई सैनिक परेडक अभ्यास अछि।

९७०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे स्थानीय शब्द बुझब किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई कला केँ ओकर भाषा-संस्कृतिमे पढ़ब केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।

९७१. नूतन विषय जोड़बक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) चटख रंग भराव बेसी
- (B) परम्परा भंग नहि, विस्तार
- (C) देवी, यंत्र, गूढ़ चिन्ह
- (D) मिथिला चित्रकला पहचानबाक आधार

९७२. मिथिला चित्रकलामे 'नूतन विषय जोड़ब' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) महीन रेखा आ हाचिंग बेसी
- (B) चाउर घोलक ज्यामितीय भूमि-चित्र
- (C) परम्परा भंग नहि, विस्तार
- (D) बिन्दु, छोट चिह्न आ टैटू-जकाँ लय

९७३. 'नूतन विषय जोड़ब' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) धातु गलाबयक भट्ठी
- (B) खाद्य-संग्रहणक तापमान
- (C) डाक-घरक मुहर
- (D) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन

९७४. नूतन विषय जोड़ब सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई नदी मापयक विज्ञान मात्र अछि।
- (B) ई सैनिक परेडक अभ्यास अछि।
- (C) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।
- (D) ई परम्परा भंग नहि, विस्तार सँ जुड़ल अछि।

९७५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे नूतन विषय जोड़ब किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई परम्परा भंग नहि, विस्तार केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई रेखाहीन धुँआट चित्र केँ बुझाबैत अछि।

९७६. अति-यथार्थवाद सँ भेदक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) छाया-प्रकाश नहि, प्रतीकात्मक समतलता
- (B) चटख रंग भराव बेसी
- (C) केन्द्र आ किनारक संतुलन
- (D) लोककथा आ आस्थाक दृश्य रूप

९७७. मिथिला चित्रकलामे 'अति-यथार्थवाद सँ भेद' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) हर रंगीन लोकचित्र केँ मिथिला नहि मानब
- (B) चटख रंग भराव बेसी
- (C) महीन रेखा आ हाचिंग बेसी
- (D) छाया-प्रकाश नहि, प्रतीकात्मक समतलता

९७८. 'अति-यथार्थवाद सँ भेद' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) डाक-घरक मुहर
- (B) खाद्य-संग्रहणक तापमान
- (C) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन
- (D) धातु गलाबयक भट्ठी

९७९. अति-यथार्थवाद सँ भेद सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई बिना प्रतीकक खाली रंग-पोता अछि।
- (B) ई सैनिक परेडक अभ्यास अछि।
- (C) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।
- (D) ई छाया-प्रकाश नहि, प्रतीकात्मक समतलता सँ जुड़ल अछि।

९८०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे अति-यथार्थवाद सँ भेद किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई युद्धक लोहेक औजार केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई खेतीक हल-चाल मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई छाया-प्रकाश नहि, प्रतीकात्मक समतलता केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा केँ बुझाबैत अछि।

९८१. छोट अभ्यासक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) सजावटसँ बेसी प्रतीकात्मकता बुझब
- (B) सीखबाक लेल नकल, प्रकाशन लेल श्रेय
- (C) एक कमल बनाकऽ चारू दिस पात-बिन्दु भरब
- (D) परम्परा भंग नहि, विस्तार

९८२. मिथिला चित्रकलामे 'छोट अभ्यास' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) देवी, यंत्र, गूढ़ चिन्ह
- (B) रेखा, रंग, प्रतीक, विषय आ स्रोत पाँचू देखब
- (C) एक कमल बनाकऽ चारू दिस पात-बिन्दु भरब
- (D) कला केँ ओकर भाषा-संस्कृतिमे पढ़ब

९८३. 'छोट अभ्यास' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन
- (B) धातु गलाबयक भट्ठी
- (C) खाद्य-संग्रहणक तापमान
- (D) डाक-घरक मुहर

९८४. छोट अभ्यास सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई बिजली मिस्त्रीक यंत्र अछि।
- (B) ई खेतीक हल-चाल मात्र अछि।
- (C) ई भोजन पकाबयक विधि अछि।
- (D) ई एक कमल बनाकऽ चारू दिस पात-बिन्दु भरब सँ जुड़ल अछि।

९८५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे छोट अभ्यास किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई सैनिक परेडक अभ्यास केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई एक कमल बनाकऽ चारू दिस पात-बिन्दु भरब केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई समुद्र-जहाजक यांत्रिक नक्शा केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई दुकानक हिसाब-किताब केँ बुझाबैत अछि।

९८६. नैतिक प्रतिलिपिक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) मिथिला शैलीक घन सजावटी प्रवृत्ति
- (B) सीखबाक लेल नकल, प्रकाशन लेल श्रेय
- (C) हर रंगीन लोकचित्र केँ मिथिला नहि मानब
- (D) परम्परा भंग नहि, विस्तार

९८७. मिथिला चित्रकलामे 'नैतिक प्रतिलिपि' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) छाया-प्रकाश नहि, प्रतीकात्मक समतलता
- (B) परम्परा भंग नहि, विस्तार
- (C) महीन रेखा आ हाचिंग बेसी
- (D) सीखबाक लेल नकल, प्रकाशन लेल श्रेय

९८८. 'नैतिक प्रतिलिपि' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) धातु गलाबयक भट्टी
- (B) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन
- (C) खाद्य-संग्रहणक तापमान
- (D) डाक-घरक मुहर

९८९. नैतिक प्रतिलिपि सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई सीखबाक लेल नकल, प्रकाशन लेल श्रेय सँ जुड़ल अछि।
- (B) ई नदी मापयक विज्ञान मात्र अछि।
- (C) ई केवल दरबारी तेल-चित्रक नियम अछि।
- (D) ई केवल पत्थर काटबाक काम अछि।

९९०. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे नैतिक प्रतिलिपि किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई सैनिक परेडक अभ्यास केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई साधारण लेखा-बही केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई सीखबाक लेल नकल, प्रकाशन लेल श्रेय केँ बुझाबैत अछि।

९९१. सामाजिक विषयक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) चाउर घोलक ज्यामितीय भूमि-चित्र
- (B) लोकशैलीमे समकालीन बात
- (C) केन्द्र आ किनारक संतुलन
- (D) सीखबाक लेल नकल, प्रकाशन लेल श्रेय

९९२. मिथिला चित्रकलामे 'सामाजिक विषय' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) बिन्दु, छोट चिह्न आ टैटू-जकाँ लय
- (B) देवी, यंत्र, गूढ़ चिन्ह
- (C) लोकशैलीमे समकालीन बात
- (D) चटख रंग भराव बेसी

१९३. 'सामाजिक विषय' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) धातु गलाबयक भट्ठी
- (B) डाक-घरक मुहर
- (C) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन
- (D) खाद्य-संग्रहणक तापमान

१९४. सामाजिक विषय सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई रेखाहीन धुँआट चित्र अछि।
- (B) ई लोकशैलीमे समकालीन बात सँ जुड़ल अछि।
- (C) ई दुकानक हिसाब-किताब अछि।
- (D) ई युद्धक लोहेक औजार अछि।

१९५. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे सामाजिक विषय किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई अंग्रेजी अक्षर सजाबयक नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई संगीतक ताल-वाद्य मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई शहरक यातायात-नियम केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई लोकशैलीमे समकालीन बात केँ बुझाबैत अछि।

१९६. अन्तिम मूल्यांकनक सही अर्थ/मुख्य सम्बन्ध कोन अछि?

- (A) केन्द्र आ किनारक संतुलन
- (B) रेखा, रंग, प्रतीक, विषय आ स्रोत पाँचू देखब
- (C) सीखबाक लेल नकल, प्रकाशन लेल श्रेय
- (D) परम्परा भंग नहि, विस्तार

१९७. मिथिला चित्रकलामे 'अन्तिम मूल्यांकन' देखल जाए त विद्यार्थी केँ मुख्यतः की बुझबाक चाही?

- (A) हर रंगीन लोकचित्र केँ मिथिला नहि मानब
- (B) रेखा, रंग, प्रतीक, विषय आ स्रोत पाँचू देखब
- (C) सजावटसँ बेसी प्रतीकात्मकता बुझब
- (D) छाया-प्रकाश नहि, प्रतीकात्मक समतलता

१९८. 'अन्तिम मूल्यांकन' केँ एहि क्विजक कोन अध्ययन-कोटिमे राखब उचित?

- (A) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन
- (B) खाद्य-संग्रहणक तापमान
- (C) डाक-घरक मुहर
- (D) धातु गलाबयक भट्ठी

१९९. अन्तिम मूल्यांकन सम्बन्धी सही कथन चुनू।

- (A) ई शहरक यातायात-नियम अछि।
- (B) ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी अछि।
- (C) ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र अछि।
- (D) ई रेखा, रंग, प्रतीक, विषय आ स्रोत पाँचू देखब सँ जुड़ल अछि।

१०००. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनमे अन्तिम मूल्यांकन किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई रेखा, रंग, प्रतीक, विषय आ स्रोत पाँचू देखब केँ बुझाबैत अछि।
- (B) कारण ई कपड़ा बुनबाक करघा मात्र केँ बुझाबैत अछि।
- (C) कारण ई केवल आधुनिक फोटोकॉपी केँ बुझाबैत अछि।
- (D) कारण ई सैनिक परेडक अभ्यास केँ बुझाबैत अछि।

१. (C) मधुबनी चित्रकला — ई कला मिथिला क्षेत्रमे विकसित भेल आ मधुबनी एकर प्रमुख केन्द्र बनल, तें मधुबनी चित्रकला नामो प्रचलित भेल।
२. (C) मधुबनी चित्रकला — ई कला मिथिला क्षेत्रमे विकसित भेल आ मधुबनी एकर प्रमुख केन्द्र बनल, तें मधुबनी चित्रकला नामो प्रचलित भेल।
३. (C) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय — मिथिला चित्रकलाक दोसर प्रचलित नाम एहि खण्डक विषय 'इतिहास आ परिचय' सँ सीधा जुड़ल अछि। ई कला मिथिला क्षेत्रमे विकसित भेल आ मधुबनी एकर प्रमुख केन्द्र बनल, तें मधुबनी चित्रकला नामो प्रचलित भेल।
४. (C) ई मधुबनी चित्रकला सँ जुड़ल अछि। — ई कला मिथिला क्षेत्रमे विकसित भेल आ मधुबनी एकर प्रमुख केन्द्र बनल, तें मधुबनी चित्रकला नामो प्रचलित भेल।
५. (B) कारण ई मधुबनी चित्रकला केँ बुझाबैत अछि। — ई कला मिथिला क्षेत्रमे विकसित भेल आ मधुबनी एकर प्रमुख केन्द्र बनल, तें मधुबनी चित्रकला नामो प्रचलित भेल।
६. (D) माटि लेपल देवाल आ आँगनक धरातल — पहिने ई चित्र घरक देवाल, कोठरी, आँगन आ संस्कार-स्थल पर बनाओल जाइत छल।
७. (A) माटि लेपल देवाल आ आँगनक धरातल — पहिने ई चित्र घरक देवाल, कोठरी, आँगन आ संस्कार-स्थल पर बनाओल जाइत छल।
८. (D) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय — परम्परागत आधार-सतह एहि खण्डक विषय 'इतिहास आ परिचय' सँ सीधा जुड़ल अछि। पहिने ई चित्र घरक देवाल, कोठरी, आँगन आ संस्कार-स्थल पर बनाओल जाइत छल।
९. (D) ई माटि लेपल देवाल आ आँगनक धरातल सँ जुड़ल अछि। — पहिने ई चित्र घरक देवाल, कोठरी, आँगन आ संस्कार-स्थल पर बनाओल जाइत छल।
१०. (A) कारण ई माटि लेपल देवाल आ आँगनक धरातल केँ बुझाबैत अछि। — पहिने ई चित्र घरक देवाल, कोठरी, आँगन आ संस्कार-स्थल पर बनाओल जाइत छल।
११. (D) घर-परिवारक स्त्री लोकनि — घरेलू संस्कार आ लोक-आस्था सँ जुड़ल एहि कला केँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्त्री लोकनि सिखैत-सिखबैत रहल छथि।
१२. (C) घर-परिवारक स्त्री लोकनि — घरेलू संस्कार आ लोक-आस्था सँ जुड़ल एहि कला केँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्त्री लोकनि सिखैत-सिखबैत रहल छथि।
१३. (A) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय — मुख्य पारम्परिक साधक एहि खण्डक विषय 'इतिहास आ परिचय' सँ सीधा जुड़ल अछि। घरेलू संस्कार आ लोक-आस्था सँ जुड़ल एहि कला केँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्त्री लोकनि सिखैत-सिखबैत रहल छथि।
१४. (C) ई घर-परिवारक स्त्री लोकनि सँ जुड़ल अछि। — घरेलू संस्कार आ लोक-आस्था सँ जुड़ल एहि कला केँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्त्री लोकनि सिखैत-सिखबैत रहल छथि।
१५. (D) कारण ई घर-परिवारक स्त्री लोकनि केँ बुझाबैत अछि। — घरेलू संस्कार आ लोक-आस्था सँ जुड़ल एहि कला केँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्त्री लोकनि सिखैत-सिखबैत रहल छथि।
१६. (D) मिथिला प्रदेशक सांस्कृतिक भूभाग — ई कला बिहारक मिथिला क्षेत्र आ सटल तराईक लोक-संस्कृति सँ गाढ़ रूपेँ जुड़ल अछि।
१७. (A) मिथिला प्रदेशक सांस्कृतिक भूभाग — ई कला बिहारक मिथिला क्षेत्र आ सटल तराईक लोक-संस्कृति सँ गाढ़ रूपेँ जुड़ल अछि।
१८. (A) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय — मिथिला चित्रकलाक क्षेत्र एहि खण्डक विषय 'इतिहास आ परिचय' सँ सीधा जुड़ल अछि। ई कला बिहारक मिथिला क्षेत्र आ सटल तराईक लोक-संस्कृति सँ गाढ़ रूपेँ जुड़ल अछि।
१९. (D) ई मिथिला प्रदेशक सांस्कृतिक भूभाग सँ जुड़ल अछि। — ई कला बिहारक मिथिला क्षेत्र आ सटल तराईक लोक-संस्कृति सँ गाढ़ रूपेँ जुड़ल अछि।
२०. (A) कारण ई मिथिला प्रदेशक सांस्कृतिक भूभाग केँ बुझाबैत अछि। — ई कला बिहारक मिथिला क्षेत्र आ सटल तराईक लोक-संस्कृति सँ गाढ़ रूपेँ जुड़ल अछि।
२१. (C) प्रमुख उत्पादन आ पहिचान केन्द्र — मधुबनी जिलाक नाम सँ एहि कलाक विश्व-स्तर पर पहिचान बेसी फैलल।
२२. (D) प्रमुख उत्पादन आ पहिचान केन्द्र — मधुबनी जिलाक नाम सँ एहि कलाक विश्व-स्तर पर पहिचान बेसी फैलल।
२३. (C) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय — मधुबनी जिलाक भूमिका एहि खण्डक विषय 'इतिहास आ परिचय' सँ सीधा जुड़ल अछि। मधुबनी जिलाक नाम सँ एहि कलाक विश्व-स्तर पर पहिचान बेसी फैलल।
२४. (C) ई प्रमुख उत्पादन आ पहिचान केन्द्र सँ जुड़ल अछि। — मधुबनी जिलाक नाम सँ एहि कलाक विश्व-स्तर पर पहिचान बेसी फैलल।
२५. (A) कारण ई प्रमुख उत्पादन आ पहिचान केन्द्र केँ बुझाबैत अछि। — मधुबनी जिलाक नाम सँ एहि कलाक विश्व-स्तर पर पहिचान बेसी फैलल।

२६. (B) देवाल सँ कागज, कपड़ा आ कैनवास दिस विस्तार — समयक संग ई कला घरक देवालसँ निकलि बजार, प्रदर्शनी आ संग्रहमे पहुँचि गेल।
२७. (A) देवाल सँ कागज, कपड़ा आ कैनवास दिस विस्तार — समयक संग ई कला घरक देवालसँ निकलि बजार, प्रदर्शनी आ संग्रहमे पहुँचि गेल।
२८. (B) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय — घरेलू चित्रकला सँ सार्वजनिक कलातक यात्रा एहि खण्डक विषय 'इतिहास आ परिचय' सँ सीधा जुड़ल अछि। समयक संग ई कला घरक देवालसँ निकलि बजार, प्रदर्शनी आ संग्रहमे पहुँचि गेल।
२९. (D) ई देवाल सँ कागज, कपड़ा आ कैनवास दिस विस्तार सँ जुड़ल अछि। — समयक संग ई कला घरक देवालसँ निकलि बजार, प्रदर्शनी आ संग्रहमे पहुँचि गेल।
३०. (D) कारण ई देवाल सँ कागज, कपड़ा आ कैनवास दिस विस्तार केँ बुझाबैत अछि। — समयक संग ई कला घरक देवालसँ निकलि बजार, प्रदर्शनी आ संग्रहमे पहुँचि गेल।
३१. (D) चित्रमे पूजा, पर्व आ संस्कारक भाव — चित्रकला केवल सजावट नहि, लोक-विश्वास आ जीवन-चक्रक अभिव्यक्ति सेहो अछि।
३२. (B) चित्रमे पूजा, पर्व आ संस्कारक भाव — चित्रकला केवल सजावट नहि, लोक-विश्वास आ जीवन-चक्रक अभिव्यक्ति सेहो अछि।
३३. (B) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय — लोक-आस्था एहि खण्डक विषय 'इतिहास आ परिचय' सँ सीधा जुड़ल अछि। चित्रकला केवल सजावट नहि, लोक-विश्वास आ जीवन-चक्रक अभिव्यक्ति सेहो अछि।
३४. (D) ई चित्रमे पूजा, पर्व आ संस्कारक भाव सँ जुड़ल अछि। — चित्रकला केवल सजावट नहि, लोक-विश्वास आ जीवन-चक्रक अभिव्यक्ति सेहो अछि।
३५. (D) कारण ई चित्रमे पूजा, पर्व आ संस्कारक भाव केँ बुझाबैत अछि। — चित्रकला केवल सजावट नहि, लोक-विश्वास आ जीवन-चक्रक अभिव्यक्ति सेहो अछि।
३६. (A) देखैत-सिखैत पीढ़ी दर पीढ़ी ज्ञान — बहुत रेखा, चिन्ह आ कथा पुस्तकीय नियमसँ नहि, घर-समाजक अभ्याससँ सिखाओल जाइत छल।
३७. (B) देखैत-सिखैत पीढ़ी दर पीढ़ी ज्ञान — बहुत रेखा, चिन्ह आ कथा पुस्तकीय नियमसँ नहि, घर-समाजक अभ्याससँ सिखाओल जाइत छल।
३८. (A) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय — मौखिक परम्परा एहि खण्डक विषय 'इतिहास आ परिचय' सँ सीधा जुड़ल अछि। बहुत रेखा, चिन्ह आ कथा पुस्तकीय नियमसँ नहि, घर-समाजक अभ्याससँ सिखाओल जाइत छल।
३९. (A) ई देखैत-सिखैत पीढ़ी दर पीढ़ी ज्ञान सँ जुड़ल अछि। — बहुत रेखा, चिन्ह आ कथा पुस्तकीय नियमसँ नहि, घर-समाजक अभ्याससँ सिखाओल जाइत छल।
४०. (B) कारण ई देखैत-सिखैत पीढ़ी दर पीढ़ी ज्ञान केँ बुझाबैत अछि। — बहुत रेखा, चिन्ह आ कथा पुस्तकीय नियमसँ नहि, घर-समाजक अभ्याससँ सिखाओल जाइत छल।
४१. (C) समतल सतह पर प्रतीकात्मक चित्रण — मिथिला चित्रकलामे गहराई देखाबय लेल छाया-प्रकाश कम, प्रतीक आ सजावटी रचना बेसी भेटैत अछि।
४२. (D) समतल सतह पर प्रतीकात्मक चित्रण — मिथिला चित्रकलामे गहराई देखाबय लेल छाया-प्रकाश कम, प्रतीक आ सजावटी रचना बेसी भेटैत अछि।
४३. (A) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय — द्वि-आयामी रूप एहि खण्डक विषय 'इतिहास आ परिचय' सँ सीधा जुड़ल अछि। मिथिला चित्रकलामे गहराई देखाबय लेल छाया-प्रकाश कम, प्रतीक आ सजावटी रचना बेसी भेटैत अछि।
४४. (C) ई समतल सतह पर प्रतीकात्मक चित्रण सँ जुड़ल अछि। — मिथिला चित्रकलामे गहराई देखाबय लेल छाया-प्रकाश कम, प्रतीक आ सजावटी रचना बेसी भेटैत अछि।
४५. (D) कारण ई समतल सतह पर प्रतीकात्मक चित्रण केँ बुझाबैत अछि। — मिथिला चित्रकलामे गहराई देखाबय लेल छाया-प्रकाश कम, प्रतीक आ सजावटी रचना बेसी भेटैत अछि।
४६. (A) खाली जगह केँ बिन्दु, रेखा, पात, फूल सँ भरब — एहि शैलीमे रिक्त स्थान बहुत कम छोड़ल जाइत अछि; भराव रचना केँ लय आ घनत्व दैत अछि।
४७. (D) खाली जगह केँ बिन्दु, रेखा, पात, फूल सँ भरब — एहि शैलीमे रिक्त स्थान बहुत कम छोड़ल जाइत अछि; भराव रचना केँ लय आ घनत्व दैत अछि।
४८. (B) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय — रिक्त स्थान भरबाक प्रवृत्ति एहि खण्डक विषय 'इतिहास आ परिचय' सँ सीधा जुड़ल अछि। एहि शैलीमे रिक्त स्थान बहुत कम छोड़ल जाइत अछि; भराव रचना केँ लय आ घनत्व दैत अछि।
४९. (D) ई खाली जगह केँ बिन्दु, रेखा, पात, फूल सँ भरब सँ जुड़ल अछि। — एहि शैलीमे रिक्त स्थान बहुत कम छोड़ल जाइत अछि; भराव रचना केँ लय आ घनत्व दैत अछि।
५०. (D) कारण ई खाली जगह केँ बिन्दु, रेखा, पात, फूल सँ भरब केँ बुझाबैत अछि। — एहि शैलीमे रिक्त स्थान बहुत कम छोड़ल जाइत अछि; भराव रचना केँ लय आ घनत्व दैत अछि।

५१. (C) क्षेत्रीय पहिचानक औपचारिक मान्यता — मधुबनी/मिथिला चित्रकलाक विशिष्ट क्षेत्रीय पहचान ओकर सांस्कृतिक मूल्य केँ बल दैत अछि।
५२. (D) क्षेत्रीय पहिचानक औपचारिक मान्यता — मधुबनी/मिथिला चित्रकलाक विशिष्ट क्षेत्रीय पहचान ओकर सांस्कृतिक मूल्य केँ बल दैत अछि।
५३. (B) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय — भौगोलिक संकेत एहि खण्डक विषय 'इतिहास आ परिचय' सँ सीधा जुड़ल अछि। मधुबनी/मिथिला चित्रकलाक विशिष्ट क्षेत्रीय पहचान ओकर सांस्कृतिक मूल्य केँ बल दैत अछि।
५४. (C) ई क्षेत्रीय पहिचानक औपचारिक मान्यता सँ जुड़ल अछि। — मधुबनी/मिथिला चित्रकलाक विशिष्ट क्षेत्रीय पहचान ओकर सांस्कृतिक मूल्य केँ बल दैत अछि।
५५. (D) कारण ई क्षेत्रीय पहिचानक औपचारिक मान्यता केँ बुझाबैत अछि। — मधुबनी/मिथिला चित्रकलाक विशिष्ट क्षेत्रीय पहचान ओकर सांस्कृतिक मूल्य केँ बल दैत अछि।
५६. (A) जनजीवनक भीतर जनमल कला — ई कला राजदरबारसँ बेसी गाम-घर, संस्कार, लोककथा आ घरेलू जीवनसँ उपजल।
५७. (B) जनजीवनक भीतर जनमल कला — ई कला राजदरबारसँ बेसी गाम-घर, संस्कार, लोककथा आ घरेलू जीवनसँ उपजल।
५८. (D) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय — लोक-चित्रकला एहि खण्डक विषय 'इतिहास आ परिचय' सँ सीधा जुड़ल अछि। ई कला राजदरबारसँ बेसी गाम-घर, संस्कार, लोककथा आ घरेलू जीवनसँ उपजल।
५९. (B) ई जनजीवनक भीतर जनमल कला सँ जुड़ल अछि। — ई कला राजदरबारसँ बेसी गाम-घर, संस्कार, लोककथा आ घरेलू जीवनसँ उपजल।
६०. (C) कारण ई जनजीवनक भीतर जनमल कला केँ बुझाबैत अछि। — ई कला राजदरबारसँ बेसी गाम-घर, संस्कार, लोककथा आ घरेलू जीवनसँ उपजल।
६१. (A) जन्म, विवाह, उपनयन, पर्व आदिसँ जुड़ल चित्र — मिथिला चित्रकलामे जीवनक महत्वपूर्ण अवसर पर प्रतीकात्मक चित्र बनाओल जाएत रहल अछि।
६२. (C) जन्म, विवाह, उपनयन, पर्व आदिसँ जुड़ल चित्र — मिथिला चित्रकलामे जीवनक महत्वपूर्ण अवसर पर प्रतीकात्मक चित्र बनाओल जाएत रहल अछि।
६३. (D) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय — संस्कार-चित्र एहि खण्डक विषय 'इतिहास आ परिचय' सँ सीधा जुड़ल अछि। मिथिला चित्रकलामे जीवनक महत्वपूर्ण अवसर पर प्रतीकात्मक चित्र बनाओल जाएत रहल अछि।
६४. (C) ई जन्म, विवाह, उपनयन, पर्व आदिसँ जुड़ल चित्र सँ जुड़ल अछि। — मिथिला चित्रकलामे जीवनक महत्वपूर्ण अवसर पर प्रतीकात्मक चित्र बनाओल जाएत रहल अछि।
६५. (B) कारण ई जन्म, विवाह, उपनयन, पर्व आदिसँ जुड़ल चित्र केँ बुझाबैत अछि। — मिथिला चित्रकलामे जीवनक महत्वपूर्ण अवसर पर प्रतीकात्मक चित्र बनाओल जाएत रहल अछि।
६६. (A) चटख, धरतीसँ जुड़ल आ प्रतीकात्मक रंग — रंग केवल सुन्दरता नहि, आस्था, ऋतु, ऊर्जा आ मंगलक संकेत बनैत अछि।
६७. (C) चटख, धरतीसँ जुड़ल आ प्रतीकात्मक रंग — रंग केवल सुन्दरता नहि, आस्था, ऋतु, ऊर्जा आ मंगलक संकेत बनैत अछि।
६८. (D) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय — पारम्परिक रंग-भाव एहि खण्डक विषय 'इतिहास आ परिचय' सँ सीधा जुड़ल अछि। रंग केवल सुन्दरता नहि, आस्था, ऋतु, ऊर्जा आ मंगलक संकेत बनैत अछि।
६९. (B) ई चटख, धरतीसँ जुड़ल आ प्रतीकात्मक रंग सँ जुड़ल अछि। — रंग केवल सुन्दरता नहि, आस्था, ऋतु, ऊर्जा आ मंगलक संकेत बनैत अछि।
७०. (C) कारण ई चटख, धरतीसँ जुड़ल आ प्रतीकात्मक रंग केँ बुझाबैत अछि। — रंग केवल सुन्दरता नहि, आस्था, ऋतु, ऊर्जा आ मंगलक संकेत बनैत अछि।
७१. (D) सीमा-रेखा आ आकृतिक स्पष्टता — मिथिला चित्रकलामे रेखा वस्तु केँ चिन्हित करैत, ओकर भीतर सजावटी लय भरैत अछि।
७२. (B) सीमा-रेखा आ आकृतिक स्पष्टता — मिथिला चित्रकलामे रेखा वस्तु केँ चिन्हित करैत, ओकर भीतर सजावटी लय भरैत अछि।
७३. (D) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय — रेखाक प्रधानता एहि खण्डक विषय 'इतिहास आ परिचय' सँ सीधा जुड़ल अछि। मिथिला चित्रकलामे रेखा वस्तु केँ चिन्हित करैत, ओकर भीतर सजावटी लय भरैत अछि।
७४. (D) ई सीमा-रेखा आ आकृतिक स्पष्टता सँ जुड़ल अछि। — मिथिला चित्रकलामे रेखा वस्तु केँ चिन्हित करैत, ओकर भीतर सजावटी लय भरैत अछि।
७५. (C) कारण ई सीमा-रेखा आ आकृतिक स्पष्टता केँ बुझाबैत अछि। — मिथिला चित्रकलामे रेखा वस्तु केँ चिन्हित करैत, ओकर भीतर सजावटी लय भरैत अछि।
७६. (D) चित्रकला केँ जीवित राखयवला पारम्परिक पट — देवाल पर बनल चित्र मानसून, नवीनीकरण आ संस्कारक संग बदलैत रहल।

७७. (D) चित्रकला के जीवित राखयवला पारम्परिक पट — देवाल पर बनल चित्र मानसून, नवीनीकरण आ संस्कारक संग बदलैत रहल।
७८. (B) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय — घरक भीत एहि खण्डक विषय 'इतिहास आ परिचय' सँ सीधा जुड़ल अछि। देवाल पर बनल चित्र मानसून, नवीनीकरण आ संस्कारक संग बदलैत रहल।
७९. (D) ई चित्रकला के जीवित राखयवला पारम्परिक पट सँ जुड़ल अछि। — देवाल पर बनल चित्र मानसून, नवीनीकरण आ संस्कारक संग बदलैत रहल।
८०. (D) कारण ई चित्रकला के जीवित राखयवला पारम्परिक पट केँ बुझाबैत अछि। — देवाल पर बनल चित्र मानसून, नवीनीकरण आ संस्कारक संग बदलैत रहल।
८१. (C) समुदायक कथा, देवी-देवता आ जीवनक स्मरण — चित्र लोकक स्मरण-पुस्तक जकाँ काज करैत अछि, जाहिमे कथा, पर्व आ अनुभव बसैत अछि।
८२. (B) समुदायक कथा, देवी-देवता आ जीवनक स्मरण — चित्र लोकक स्मरण-पुस्तक जकाँ काज करैत अछि, जाहिमे कथा, पर्व आ अनुभव बसैत अछि।
८३. (B) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय — लोक-स्मृति एहि खण्डक विषय 'इतिहास आ परिचय' सँ सीधा जुड़ल अछि। चित्र लोकक स्मरण-पुस्तक जकाँ काज करैत अछि, जाहिमे कथा, पर्व आ अनुभव बसैत अछि।
८४. (B) ई समुदायक कथा, देवी-देवता आ जीवनक स्मरण सँ जुड़ल अछि। — चित्र लोकक स्मरण-पुस्तक जकाँ काज करैत अछि, जाहिमे कथा, पर्व आ अनुभव बसैत अछि।
८५. (D) कारण ई समुदायक कथा, देवी-देवता आ जीवनक स्मरण केँ बुझाबैत अछि। — चित्र लोकक स्मरण-पुस्तक जकाँ काज करैत अछि, जाहिमे कथा, पर्व आ अनुभव बसैत अछि।
८६. (C) हाट, संग्रहालय, प्रदर्शनी आ विद्यालय तक पहुँच — कागज आ कपड़ा पर चित्रण बढ़लाक बाद ई कला घरसँ बाहर व्यापक समाजमे पहुँचि गेल।
८७. (D) हाट, संग्रहालय, प्रदर्शनी आ विद्यालय तक पहुँच — कागज आ कपड़ा पर चित्रण बढ़लाक बाद ई कला घरसँ बाहर व्यापक समाजमे पहुँचि गेल।
८८. (C) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय — आधुनिक प्रसार एहि खण्डक विषय 'इतिहास आ परिचय' सँ सीधा जुड़ल अछि। कागज आ कपड़ा पर चित्रण बढ़लाक बाद ई कला घरसँ बाहर व्यापक समाजमे पहुँचि गेल।
८९. (C) ई हाट, संग्रहालय, प्रदर्शनी आ विद्यालय तक पहुँच सँ जुड़ल अछि। — कागज आ कपड़ा पर चित्रण बढ़लाक बाद ई कला घरसँ बाहर व्यापक समाजमे पहुँचि गेल।
९०. (A) कारण ई हाट, संग्रहालय, प्रदर्शनी आ विद्यालय तक पहुँच केँ बुझाबैत अछि। — कागज आ कपड़ा पर चित्रण बढ़लाक बाद ई कला घरसँ बाहर व्यापक समाजमे पहुँचि गेल।
९१. (C) धार्मिक, सामाजिक आ सजावटी तत्वक संगम — एहि कलामे आस्था, लोकजीवन, प्रतीक, रेखा आ रंग एक साथ भेटैत अछि।
९२. (C) धार्मिक, सामाजिक आ सजावटी तत्वक संगम — एहि कलामे आस्था, लोकजीवन, प्रतीक, रेखा आ रंग एक साथ भेटैत अछि।
९३. (D) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय — मिथिला चित्रकलाक मूल स्वभाव एहि खण्डक विषय 'इतिहास आ परिचय' सँ सीधा जुड़ल अछि। एहि कलामे आस्था, लोकजीवन, प्रतीक, रेखा आ रंग एक साथ भेटैत अछि।
९४. (D) ई धार्मिक, सामाजिक आ सजावटी तत्वक संगम सँ जुड़ल अछि। — एहि कलामे आस्था, लोकजीवन, प्रतीक, रेखा आ रंग एक साथ भेटैत अछि।
९५. (D) कारण ई धार्मिक, सामाजिक आ सजावटी तत्वक संगम केँ बुझाबैत अछि। — एहि कलामे आस्था, लोकजीवन, प्रतीक, रेखा आ रंग एक साथ भेटैत अछि।
९६. (B) पुरान विधि केँ नूतन माध्यम पर जीवित राखब — परम्परा बदलबाक बादो मूल चिन्ह, कथा आ रचना-लय सुरक्षित रहल अछि।
९७. (A) पुरान विधि केँ नूतन माध्यम पर जीवित राखब — परम्परा बदलबाक बादो मूल चिन्ह, कथा आ रचना-लय सुरक्षित रहल अछि।
९८. (C) मिथिला चित्रकलाक मूल परिचय — कलात्मक निरन्तरता एहि खण्डक विषय 'इतिहास आ परिचय' सँ सीधा जुड़ल अछि। परम्परा बदलबाक बादो मूल चिन्ह, कथा आ रचना-लय सुरक्षित रहल अछि।
९९. (A) ई पुरान विधि केँ नूतन माध्यम पर जीवित राखब सँ जुड़ल अछि। — परम्परा बदलबाक बादो मूल चिन्ह, कथा आ रचना-लय सुरक्षित रहल अछि।
१००. (C) कारण ई पुरान विधि केँ नूतन माध्यम पर जीवित राखब केँ बुझाबैत अछि। — परम्परा बदलबाक बादो मूल चिन्ह, कथा आ रचना-लय सुरक्षित रहल अछि।
१०१. (A) रंग भराव पर केन्द्रित शैली — भरनीमे आकृतिक भीतर चटख रंग भरि चित्र केँ सघन आ उत्सवी रूप देल जाइत अछि।
१०२. (C) रंग भराव पर केन्द्रित शैली — भरनीमे आकृतिक भीतर चटख रंग भरि चित्र केँ सघन आ उत्सवी रूप देल जाइत अछि।

- १०३. (B) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद** — भरनी शैली एहि खण्डक विषय 'शैली आ उपशैली' सँ सीधा जुड़ल अछि। भरनीमे आकृतिक भीतर चटख रंग भरि चित्र केँ सघन आ उत्सवी रूप देल जाइत अछि।
- १०४. (C) ई रंग भराव पर केन्द्रित शैली सँ जुड़ल अछि।** — भरनीमे आकृतिक भीतर चटख रंग भरि चित्र केँ सघन आ उत्सवी रूप देल जाइत अछि।
- १०५. (A) कारण ई रंग भराव पर केन्द्रित शैली केँ बुझाबैत अछि।** — भरनीमे आकृतिक भीतर चटख रंग भरि चित्र केँ सघन आ उत्सवी रूप देल जाइत अछि।
- १०६. (B) सूक्ष्म रेखा आ हाचिंग पर आधारित शैली** — कचनीमे महीन रेखा, समानान्तर खिंचाव आ रेखीय बनावटसँ छाया आ लय बनाओल जाइत अछि।
- १०७. (D) सूक्ष्म रेखा आ हाचिंग पर आधारित शैली** — कचनीमे महीन रेखा, समानान्तर खिंचाव आ रेखीय बनावटसँ छाया आ लय बनाओल जाइत अछि।
- १०८. (B) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद** — कचनी शैली एहि खण्डक विषय 'शैली आ उपशैली' सँ सीधा जुड़ल अछि। कचनीमे महीन रेखा, समानान्तर खिंचाव आ रेखीय बनावटसँ छाया आ लय बनाओल जाइत अछि।
- १०९. (C) ई सूक्ष्म रेखा आ हाचिंग पर आधारित शैली सँ जुड़ल अछि।** — कचनीमे महीन रेखा, समानान्तर खिंचाव आ रेखीय बनावटसँ छाया आ लय बनाओल जाइत अछि।
- ११०. (A) कारण ई सूक्ष्म रेखा आ हाचिंग पर आधारित शैली केँ बुझाबैत अछि।** — कचनीमे महीन रेखा, समानान्तर खिंचाव आ रेखीय बनावटसँ छाया आ लय बनाओल जाइत अछि।
- १११. (C) देवी-देवता आ तांत्रिक प्रतीकक चित्रण** — एहि शैलीमे शक्ति, यंत्र, देव-मूर्ति आ गूढ़ प्रतीक सभक महत्त्व रहैत अछि।
- ११२. (C) देवी-देवता आ तांत्रिक प्रतीकक चित्रण** — एहि शैलीमे शक्ति, यंत्र, देव-मूर्ति आ गूढ़ प्रतीक सभक महत्त्व रहैत अछि।
- ११३. (D) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद** — तांत्रिक शैली एहि खण्डक विषय 'शैली आ उपशैली' सँ सीधा जुड़ल अछि। एहि शैलीमे शक्ति, यंत्र, देव-मूर्ति आ गूढ़ प्रतीक सभक महत्त्व रहैत अछि।
- ११४. (C) ई देवी-देवता आ तांत्रिक प्रतीकक चित्रण सँ जुड़ल अछि।** — एहि शैलीमे शक्ति, यंत्र, देव-मूर्ति आ गूढ़ प्रतीक सभक महत्त्व रहैत अछि।
- ११५. (D) कारण ई देवी-देवता आ तांत्रिक प्रतीकक चित्रण केँ बुझाबैत अछि।** — एहि शैलीमे शक्ति, यंत्र, देव-मूर्ति आ गूढ़ प्रतीक सभक महत्त्व रहैत अछि।
- ११६. (C) टैटू-जकाँ बिन्दु-रेखा पर आधारित लोकशैली** — गोदना शैली शरीर पर बनयवला लोक-चिन्हक स्मृति केँ कागज/चित्रमे लयबद्ध करैत अछि।
- ११७. (D) टैटू-जकाँ बिन्दु-रेखा पर आधारित लोकशैली** — गोदना शैली शरीर पर बनयवला लोक-चिन्हक स्मृति केँ कागज/चित्रमे लयबद्ध करैत अछि।
- ११८. (B) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद** — गोदना शैली एहि खण्डक विषय 'शैली आ उपशैली' सँ सीधा जुड़ल अछि। गोदना शैली शरीर पर बनयवला लोक-चिन्हक स्मृति केँ कागज/चित्रमे लयबद्ध करैत अछि।
- ११९. (C) ई टैटू-जकाँ बिन्दु-रेखा पर आधारित लोकशैली सँ जुड़ल अछि।** — गोदना शैली शरीर पर बनयवला लोक-चिन्हक स्मृति केँ कागज/चित्रमे लयबद्ध करैत अछि।
- १२०. (C) कारण ई टैटू-जकाँ बिन्दु-रेखा पर आधारित लोकशैली केँ बुझाबैत अछि।** — गोदना शैली शरीर पर बनयवला लोक-चिन्हक स्मृति केँ कागज/चित्रमे लयबद्ध करैत अछि।
- १२१. (B) विवाह-कक्ष आ दाम्पत्य मंगलसँ जुड़ल शैली** — कोहबरमे कमल, बाँस, माछ, कछुआ, सूर्य-चन्द्र आदिसँ प्रजनन, समृद्धि आ मंगल व्यक्त होइत अछि।
- १२२. (A) विवाह-कक्ष आ दाम्पत्य मंगलसँ जुड़ल शैली** — कोहबरमे कमल, बाँस, माछ, कछुआ, सूर्य-चन्द्र आदिसँ प्रजनन, समृद्धि आ मंगल व्यक्त होइत अछि।
- १२३. (A) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद** — कोहबर शैली एहि खण्डक विषय 'शैली आ उपशैली' सँ सीधा जुड़ल अछि। कोहबरमे कमल, बाँस, माछ, कछुआ, सूर्य-चन्द्र आदिसँ प्रजनन, समृद्धि आ मंगल व्यक्त होइत अछि।
- १२४. (A) ई विवाह-कक्ष आ दाम्पत्य मंगलसँ जुड़ल शैली सँ जुड़ल अछि।** — कोहबरमे कमल, बाँस, माछ, कछुआ, सूर्य-चन्द्र आदिसँ प्रजनन, समृद्धि आ मंगल व्यक्त होइत अछि।
- १२५. (A) कारण ई विवाह-कक्ष आ दाम्पत्य मंगलसँ जुड़ल शैली केँ बुझाबैत अछि।** — कोहबरमे कमल, बाँस, माछ, कछुआ, सूर्य-चन्द्र आदिसँ प्रजनन, समृद्धि आ मंगल व्यक्त होइत अछि।
- १२६. (B) चाउरक घोल सँ बनल भूमि-चित्र** — अरिपन आँगन वा संस्कार-स्थल पर बनाओल जाएत अछि आ पूजा-संस्कारमे मंगल चिह्न बनैत अछि।
- १२७. (B) चाउरक घोल सँ बनल भूमि-चित्र** — अरिपन आँगन वा संस्कार-स्थल पर बनाओल जाएत अछि आ पूजा-संस्कारमे मंगल चिह्न बनैत अछि।

- १२८. (A) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद** — अरिपन एहि खण्डक विषय 'शैली आ उपशैली' सँ सीधा जुड़ल अछि। अरिपन आँगन वा संस्कार-स्थल पर बनाओल जाएत अछि आ पूजा-संस्कारमे मंगल चिह्न बनैत अछि।
- १२९. (C) ई चाउरक घोल सँ बनल भूमि-चित्र सँ जुड़ल अछि।** — अरिपन आँगन वा संस्कार-स्थल पर बनाओल जाएत अछि आ पूजा-संस्कारमे मंगल चिह्न बनैत अछि।
- १३०. (A) कारण ई चाउरक घोल सँ बनल भूमि-चित्र केँ बुझाबैत अछि।** — अरिपन आँगन वा संस्कार-स्थल पर बनाओल जाएत अछि आ पूजा-संस्कारमे मंगल चिह्न बनैत अछि।
- १३१. (B) देवाल पर बनाओल चित्र** — भित्ति-चित्र घरक भीत केँ कथा, देवता आ संस्कारक जीवित पट बना दैत अछि।
- १३२. (A) देवाल पर बनाओल चित्र** — भित्ति-चित्र घरक भीत केँ कथा, देवता आ संस्कारक जीवित पट बना दैत अछि।
- १३३. (D) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद** — भित्ति-चित्र एहि खण्डक विषय 'शैली आ उपशैली' सँ सीधा जुड़ल अछि। भित्ति-चित्र घरक भीत केँ कथा, देवता आ संस्कारक जीवित पट बना दैत अछि।
- १३४. (D) ई देवाल पर बनाओल चित्र सँ जुड़ल अछि।** — भित्ति-चित्र घरक भीत केँ कथा, देवता आ संस्कारक जीवित पट बना दैत अछि।
- १३५. (B) कारण ई देवाल पर बनाओल चित्र केँ बुझाबैत अछि।** — भित्ति-चित्र घरक भीत केँ कथा, देवता आ संस्कारक जीवित पट बना दैत अछि।
- १३६. (B) कागज वा कपड़ा पर बनल चित्र** — आधुनिक प्रसारक संग मिथिला चित्रकला पोर्टेबल पट पर बेसी बनय लागल।
- १३७. (B) कागज वा कपड़ा पर बनल चित्र** — आधुनिक प्रसारक संग मिथिला चित्रकला पोर्टेबल पट पर बेसी बनय लागल।
- १३८. (B) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद** — पट-चित्र एहि खण्डक विषय 'शैली आ उपशैली' सँ सीधा जुड़ल अछि। आधुनिक प्रसारक संग मिथिला चित्रकला पोर्टेबल पट पर बेसी बनय लागल।
- १३९. (A) ई कागज वा कपड़ा पर बनल चित्र सँ जुड़ल अछि।** — आधुनिक प्रसारक संग मिथिला चित्रकला पोर्टेबल पट पर बेसी बनय लागल।
- १४०. (D) कारण ई कागज वा कपड़ा पर बनल चित्र केँ बुझाबैत अछि।** — आधुनिक प्रसारक संग मिथिला चित्रकला पोर्टेबल पट पर बेसी बनय लागल।
- १४१. (A) रेखा आ रंग दुनूक संयुक्त प्रयोग** — बहुत आधुनिक चित्रमे कचनीक रेखा आ भरनीक रंग एक संग मिलैत अछि।
- १४२. (B) रेखा आ रंग दुनूक संयुक्त प्रयोग** — बहुत आधुनिक चित्रमे कचनीक रेखा आ भरनीक रंग एक संग मिलैत अछि।
- १४३. (A) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद** — कछनी-भरनी मिश्रण एहि खण्डक विषय 'शैली आ उपशैली' सँ सीधा जुड़ल अछि। बहुत आधुनिक चित्रमे कचनीक रेखा आ भरनीक रंग एक संग मिलैत अछि।
- १४४. (B) ई रेखा आ रंग दुनूक संयुक्त प्रयोग सँ जुड़ल अछि।** — बहुत आधुनिक चित्रमे कचनीक रेखा आ भरनीक रंग एक संग मिलैत अछि।
- १४५. (C) कारण ई रेखा आ रंग दुनूक संयुक्त प्रयोग केँ बुझाबैत अछि।** — बहुत आधुनिक चित्रमे कचनीक रेखा आ भरनीक रंग एक संग मिलैत अछि।
- १४६. (C) नियमबद्ध अकादमिक चित्रणसँ बेसी जन-अभिव्यक्ति** — ई शैली लोक-जीवनक अनुभव, आस्था आ सहज रचनात्मकता पर आधारित अछि।
- १४७. (C) नियमबद्ध अकादमिक चित्रणसँ बेसी जन-अभिव्यक्ति** — ई शैली लोक-जीवनक अनुभव, आस्था आ सहज रचनात्मकता पर आधारित अछि।
- १४८. (C) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद** — लोक-शैली एहि खण्डक विषय 'शैली आ उपशैली' सँ सीधा जुड़ल अछि। ई शैली लोक-जीवनक अनुभव, आस्था आ सहज रचनात्मकता पर आधारित अछि।
- १४९. (B) ई नियमबद्ध अकादमिक चित्रणसँ बेसी जन-अभिव्यक्ति सँ जुड़ल अछि।** — ई शैली लोक-जीवनक अनुभव, आस्था आ सहज रचनात्मकता पर आधारित अछि।
- १५०. (C) कारण ई नियमबद्ध अकादमिक चित्रणसँ बेसी जन-अभिव्यक्ति केँ बुझाबैत अछि।** — ई शैली लोक-जीवनक अनुभव, आस्था आ सहज रचनात्मकता पर आधारित अछि।
- १५१. (B) राम-सीता, राधा-कृष्ण, शिव-पार्वती आदिक चित्र** — मिथिला चित्रकलामे देवकथा लोक-भाषा आ लोक-रेखामे व्यक्त होइत अछि।
- १५२. (B) राम-सीता, राधा-कृष्ण, शिव-पार्वती आदिक चित्र** — मिथिला चित्रकलामे देवकथा लोक-भाषा आ लोक-रेखामे व्यक्त होइत अछि।
- १५३. (C) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद** — देव-विषयक शैली एहि खण्डक विषय 'शैली आ उपशैली' सँ सीधा जुड़ल अछि। मिथिला चित्रकलामे देवकथा लोक-भाषा आ लोक-रेखामे व्यक्त होइत अछि।
- १५४. (D) ई राम-सीता, राधा-कृष्ण, शिव-पार्वती आदिक चित्र सँ जुड़ल अछि।** — मिथिला चित्रकलामे देवकथा लोक-भाषा आ लोक-रेखामे व्यक्त होइत अछि।

१५५. (A) कारण ई राम-सीता, राधा-कृष्ण, शिव-पार्वती आदिक चित्र केँ बुझाबैत अछि। — मिथिला चित्रकलामे देवकथा लोक-भाषा आ लोक-रेखामे व्यक्त होइत अछि।
१५६. (A) गाछ, पात, माछ, चिड़ै, सूर्य, चन्द्रक चित्र — प्रकृति मिथिला जीवनक अंग अछि, तें चित्रमे ओकर सघन उपस्थिति रहैत अछि।
१५७. (A) गाछ, पात, माछ, चिड़ै, सूर्य, चन्द्रक चित्र — प्रकृति मिथिला जीवनक अंग अछि, तें चित्रमे ओकर सघन उपस्थिति रहैत अछि।
१५८. (A) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद — प्रकृति-विषयक शैली एहि खण्डक विषय 'शैली आ उपशैली' सँ सीधा जुड़ल अछि। प्रकृति मिथिला जीवनक अंग अछि, तें चित्रमे ओकर सघन उपस्थिति रहैत अछि।
१५९. (D) ई गाछ, पात, माछ, चिड़ै, सूर्य, चन्द्रक चित्र सँ जुड़ल अछि। — प्रकृति मिथिला जीवनक अंग अछि, तें चित्रमे ओकर सघन उपस्थिति रहैत अछि।
१६०. (B) कारण ई गाछ, पात, माछ, चिड़ै, सूर्य, चन्द्रक चित्र केँ बुझाबैत अछि। — प्रकृति मिथिला जीवनक अंग अछि, तें चित्रमे ओकर सघन उपस्थिति रहैत अछि।
१६१. (C) गामक जीवन, श्रम, स्त्री, उत्सवक चित्रण — आधुनिक कलाकार लोकजीवन आ सामाजिक प्रश्न सभ केँ सेहो मिथिला शैलीमे उतारैत छथि।
१६२. (D) गामक जीवन, श्रम, स्त्री, उत्सवक चित्रण — आधुनिक कलाकार लोकजीवन आ सामाजिक प्रश्न सभ केँ सेहो मिथिला शैलीमे उतारैत छथि।
१६३. (B) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद — समाज-विषयक शैली एहि खण्डक विषय 'शैली आ उपशैली' सँ सीधा जुड़ल अछि। आधुनिक कलाकार लोकजीवन आ सामाजिक प्रश्न सभ केँ सेहो मिथिला शैलीमे उतारैत छथि।
१६४. (B) ई गामक जीवन, श्रम, स्त्री, उत्सवक चित्रण सँ जुड़ल अछि। — आधुनिक कलाकार लोकजीवन आ सामाजिक प्रश्न सभ केँ सेहो मिथिला शैलीमे उतारैत छथि।
१६५. (C) कारण ई गामक जीवन, श्रम, स्त्री, उत्सवक चित्रण केँ बुझाबैत अछि। — आधुनिक कलाकार लोकजीवन आ सामाजिक प्रश्न सभ केँ सेहो मिथिला शैलीमे उतारैत छथि।
१६६. (D) रेखा प्रधान, कम रंग वाला चित्र — रेखीय रचनाने आकृतिक सीमांकन आ भीतरक महीन भराव मुख्य होइत अछि।
१६७. (D) रेखा प्रधान, कम रंग वाला चित्र — रेखीय रचनाने आकृतिक सीमांकन आ भीतरक महीन भराव मुख्य होइत अछि।
१६८. (C) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद — रेखीय शैली एहि खण्डक विषय 'शैली आ उपशैली' सँ सीधा जुड़ल अछि। रेखीय रचनाने आकृतिक सीमांकन आ भीतरक महीन भराव मुख्य होइत अछि।
१६९. (A) ई रेखा प्रधान, कम रंग वाला चित्र सँ जुड़ल अछि। — रेखीय रचनाने आकृतिक सीमांकन आ भीतरक महीन भराव मुख्य होइत अछि।
१७०. (C) कारण ई रेखा प्रधान, कम रंग वाला चित्र केँ बुझाबैत अछि। — रेखीय रचनाने आकृतिक सीमांकन आ भीतरक महीन भराव मुख्य होइत अछि।
१७१. (A) चटख रंग आ स्पष्ट क्षेत्र विभाजन — एहि शैलीमे रंगक समृद्धि चित्र केँ दूरसँ देखबामे सेहो प्रभावी बनबैत अछि।
१७२. (D) चटख रंग आ स्पष्ट क्षेत्र विभाजन — एहि शैलीमे रंगक समृद्धि चित्र केँ दूरसँ देखबामे सेहो प्रभावी बनबैत अछि।
१७३. (A) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद — रंगप्रधान शैली एहि खण्डक विषय 'शैली आ उपशैली' सँ सीधा जुड़ल अछि। एहि शैलीमे रंगक समृद्धि चित्र केँ दूरसँ देखबामे सेहो प्रभावी बनबैत अछि।
१७४. (D) ई चटख रंग आ स्पष्ट क्षेत्र विभाजन सँ जुड़ल अछि। — एहि शैलीमे रंगक समृद्धि चित्र केँ दूरसँ देखबामे सेहो प्रभावी बनबैत अछि।
१७५. (C) कारण ई चटख रंग आ स्पष्ट क्षेत्र विभाजन केँ बुझाबैत अछि। — एहि शैलीमे रंगक समृद्धि चित्र केँ दूरसँ देखबामे सेहो प्रभावी बनबैत अछि।
१७६. (D) मांगलिक प्रतीक सँ भरल चित्र — विवाहक अवसर पर बनल चित्र दाम्पत्य, उर्वरता आ घरक समृद्धिक शुभकामना करैत अछि।
१७७. (C) मांगलिक प्रतीक सँ भरल चित्र — विवाहक अवसर पर बनल चित्र दाम्पत्य, उर्वरता आ घरक समृद्धिक शुभकामना करैत अछि।
१७८. (B) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद — विवाह-रचना एहि खण्डक विषय 'शैली आ उपशैली' सँ सीधा जुड़ल अछि। विवाहक अवसर पर बनल चित्र दाम्पत्य, उर्वरता आ घरक समृद्धिक शुभकामना करैत अछि।
१७९. (C) ई मांगलिक प्रतीक सँ भरल चित्र सँ जुड़ल अछि। — विवाहक अवसर पर बनल चित्र दाम्पत्य, उर्वरता आ घरक समृद्धिक शुभकामना करैत अछि।
१८०. (C) कारण ई मांगलिक प्रतीक सँ भरल चित्र केँ बुझाबैत अछि। — विवाहक अवसर पर बनल चित्र दाम्पत्य, उर्वरता आ घरक समृद्धिक शुभकामना करैत अछि।
१८१. (A) देवता आ पूजा-स्थलक सजावटी चित्र — पूजा-रचनाने पवित्रता, मंडल, दीप, पात, फूल आ देव-चिन्ह महत्त्वपूर्ण रहैत अछि।
१८२. (C) देवता आ पूजा-स्थलक सजावटी चित्र — पूजा-रचनाने पवित्रता, मंडल, दीप, पात, फूल आ देव-चिन्ह महत्त्वपूर्ण रहैत अछि।

- १८३. (A) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद** — पूजा-रचना एहि खण्डक विषय 'शैली आ उपशैली' सँ सीधा जुड़ल अछि। पूजा-रचनाने पवित्रता, मंडल, दीप, पात, फूल आ देव-चिन्ह महत्त्वपूर्ण रहैत अछि।
- १८४. (B) ई देवता आ पूजा-स्थलक सजावटी चित्र सँ जुड़ल अछि।** — पूजा-रचनाने पवित्रता, मंडल, दीप, पात, फूल आ देव-चिन्ह महत्त्वपूर्ण रहैत अछि।
- १८५. (D) कारण ई देवता आ पूजा-स्थलक सजावटी चित्र केँ बुझाबैत अछि।** — पूजा-रचनाने पवित्रता, मंडल, दीप, पात, फूल आ देव-चिन्ह महत्त्वपूर्ण रहैत अछि।
- १८६. (A) एक चित्रमे घटना वा प्रसंगक प्रस्तुति** — रामायण, महाभारत, लोककथा वा ग्राम्य प्रसंग मिथिला रेखामे कथा बनि जाएत अछि।
- १८७. (D) एक चित्रमे घटना वा प्रसंगक प्रस्तुति** — रामायण, महाभारत, लोककथा वा ग्राम्य प्रसंग मिथिला रेखामे कथा बनि जाएत अछि।
- १८८. (D) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद** — कथा-रचना एहि खण्डक विषय 'शैली आ उपशैली' सँ सीधा जुड़ल अछि। रामायण, महाभारत, लोककथा वा ग्राम्य प्रसंग मिथिला रेखामे कथा बनि जाएत अछि।
- १८९. (D) ई एक चित्रमे घटना वा प्रसंगक प्रस्तुति सँ जुड़ल अछि।** — रामायण, महाभारत, लोककथा वा ग्राम्य प्रसंग मिथिला रेखामे कथा बनि जाएत अछि।
- १९०. (C) कारण ई एक चित्रमे घटना वा प्रसंगक प्रस्तुति केँ बुझाबैत अछि।** — रामायण, महाभारत, लोककथा वा ग्राम्य प्रसंग मिथिला रेखामे कथा बनि जाएत अछि।
- १९१. (A) केन्द्र आ चारु दिस फैलैत संतुलित रचना** — मंडल शैलीमे केन्द्र-बिन्दुसँ प्रतीक विस्तार पाबैत अछि आ रचना संतुलित रहैत अछि।
- १९२. (D) केन्द्र आ चारु दिस फैलैत संतुलित रचना** — मंडल शैलीमे केन्द्र-बिन्दुसँ प्रतीक विस्तार पाबैत अछि आ रचना संतुलित रहैत अछि।
- १९३. (C) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद** — मंडलात्मक शैली एहि खण्डक विषय 'शैली आ उपशैली' सँ सीधा जुड़ल अछि। मंडल शैलीमे केन्द्र-बिन्दुसँ प्रतीक विस्तार पाबैत अछि आ रचना संतुलित रहैत अछि।
- १९४. (C) ई केन्द्र आ चारु दिस फैलैत संतुलित रचना सँ जुड़ल अछि।** — मंडल शैलीमे केन्द्र-बिन्दुसँ प्रतीक विस्तार पाबैत अछि आ रचना संतुलित रहैत अछि।
- १९५. (B) कारण ई केन्द्र आ चारु दिस फैलैत संतुलित रचना केँ बुझाबैत अछि।** — मंडल शैलीमे केन्द्र-बिन्दुसँ प्रतीक विस्तार पाबैत अछि आ रचना संतुलित रहैत अछि।
- १९६. (B) बाहरी किनार पर फूल-पात वा ज्यामितीय पट्टी** — किनारक सजावट चित्र केँ चौखट देत अछि आ रचनाक एकता बनाए रखैत अछि।
- १९७. (D) बाहरी किनार पर फूल-पात वा ज्यामितीय पट्टी** — किनारक सजावट चित्र केँ चौखट देत अछि आ रचनाक एकता बनाए रखैत अछि।
- १९८. (C) मिथिला चित्रकलाक शैलीगत भेद** — सीमारेखा सजावट एहि खण्डक विषय 'शैली आ उपशैली' सँ सीधा जुड़ल अछि। किनारक सजावट चित्र केँ चौखट देत अछि आ रचनाक एकता बनाए रखैत अछि।
- १९९. (B) ई बाहरी किनार पर फूल-पात वा ज्यामितीय पट्टी सँ जुड़ल अछि।** — किनारक सजावट चित्र केँ चौखट देत अछि आ रचनाक एकता बनाए रखैत अछि।
- २००. (A) कारण ई बाहरी किनार पर फूल-पात वा ज्यामितीय पट्टी केँ बुझाबैत अछि।** — किनारक सजावट चित्र केँ चौखट देत अछि आ रचनाक एकता बनाए रखैत अछि।
- २०१. (C) कालिखसँ बनल कारी रंग** — परम्परागत चित्रणमे काजर/कालिख कारी रेखा आ गाढ़ रंग लेल उपयोगी रहल।
- २०२. (C) कालिखसँ बनल कारी रंग** — परम्परागत चित्रणमे काजर/कालिख कारी रेखा आ गाढ़ रंग लेल उपयोगी रहल।
- २०३. (C) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक** — काजर एहि खण्डक विषय 'रेखा, रंग आ सामग्री' सँ सीधा जुड़ल अछि। परम्परागत चित्रणमे काजर/कालिख कारी रेखा आ गाढ़ रंग लेल उपयोगी रहल।
- २०४. (C) ई कालिखसँ बनल कारी रंग सँ जुड़ल अछि।** — परम्परागत चित्रणमे काजर/कालिख कारी रेखा आ गाढ़ रंग लेल उपयोगी रहल।
- २०५. (B) कारण ई कालिखसँ बनल कारी रंग केँ बुझाबैत अछि।** — परम्परागत चित्रणमे काजर/कालिख कारी रेखा आ गाढ़ रंग लेल उपयोगी रहल।
- २०६. (B) पीयर रंगक स्रोत** — हल्दी मिथिला जीवनमे मंगल आ पवित्रतासँ जुड़ल अछि, आ रंग-स्रोत सेहो बनैत अछि।
- २०७. (C) पीयर रंगक स्रोत** — हल्दी मिथिला जीवनमे मंगल आ पवित्रतासँ जुड़ल अछि, आ रंग-स्रोत सेहो बनैत अछि।
- २०८. (A) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक** — हरिद्रा एहि खण्डक विषय 'रेखा, रंग आ सामग्री' सँ सीधा जुड़ल अछि। हल्दी मिथिला जीवनमे मंगल आ पवित्रतासँ जुड़ल अछि, आ रंग-स्रोत सेहो बनैत अछि।
- २०९. (A) ई पीयर रंगक स्रोत सँ जुड़ल अछि।** — हल्दी मिथिला जीवनमे मंगल आ पवित्रतासँ जुड़ल अछि, आ रंग-स्रोत सेहो बनैत अछि।

२१०. (A) कारण ई पीयर रंगक स्रोत केँ बुझाबैत अछि। — हल्दी मिथिला जीवनमे मंगल आ पवित्रतासँ जुड़ल अछि, आ रंग-स्रोत सेहो बनैत अछि।
२११. (D) उज्जर रंग आ अरिपनक आधार — चाउरक घोल भूमि-चित्र आ सफेद रेखा लेल महत्त्वपूर्ण पारम्परिक सामग्री अछि।
२१२. (B) उज्जर रंग आ अरिपनक आधार — चाउरक घोल भूमि-चित्र आ सफेद रेखा लेल महत्त्वपूर्ण पारम्परिक सामग्री अछि।
२१३. (B) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक — चाउरक घोल एहि खण्डक विषय 'रेखा, रंग आ सामग्री' सँ सीधा जुड़ल अछि। चाउरक घोल भूमि-चित्र आ सफेद रेखा लेल महत्त्वपूर्ण पारम्परिक सामग्री अछि।
२१४. (A) ई उज्जर रंग आ अरिपनक आधार सँ जुड़ल अछि। — चाउरक घोल भूमि-चित्र आ सफेद रेखा लेल महत्त्वपूर्ण पारम्परिक सामग्री अछि।
२१५. (D) कारण ई उज्जर रंग आ अरिपनक आधार केँ बुझाबैत अछि। — चाउरक घोल भूमि-चित्र आ सफेद रेखा लेल महत्त्वपूर्ण पारम्परिक सामग्री अछि।
२१६. (B) नारंगी आ गरम रंगक स्रोत — फूल-पातसँ रंग बनब मिथिला चित्रकलाक प्रकृति-सापेक्ष प्रवृत्ति देखबैत अछि।
२१७. (A) नारंगी आ गरम रंगक स्रोत — फूल-पातसँ रंग बनब मिथिला चित्रकलाक प्रकृति-सापेक्ष प्रवृत्ति देखबैत अछि।
२१८. (A) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक — पलाशक फूल एहि खण्डक विषय 'रेखा, रंग आ सामग्री' सँ सीधा जुड़ल अछि। फूल-पातसँ रंग बनब मिथिला चित्रकलाक प्रकृति-सापेक्ष प्रवृत्ति देखबैत अछि।
२१९. (D) ई नारंगी आ गरम रंगक स्रोत सँ जुड़ल अछि। — फूल-पातसँ रंग बनब मिथिला चित्रकलाक प्रकृति-सापेक्ष प्रवृत्ति देखबैत अछि।
२२०. (A) कारण ई नारंगी आ गरम रंगक स्रोत केँ बुझाबैत अछि। — फूल-पातसँ रंग बनब मिथिला चित्रकलाक प्रकृति-सापेक्ष प्रवृत्ति देखबैत अछि।
२२१. (C) नील रंगक पारम्परिक स्रोत — नील रंग जल, आकाश वा सजावटी क्षेत्रमे उपयोगी मानल जाइत अछि।
२२२. (A) नील रंगक पारम्परिक स्रोत — नील रंग जल, आकाश वा सजावटी क्षेत्रमे उपयोगी मानल जाइत अछि।
२२३. (A) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक — नील एहि खण्डक विषय 'रेखा, रंग आ सामग्री' सँ सीधा जुड़ल अछि। नील रंग जल, आकाश वा सजावटी क्षेत्रमे उपयोगी मानल जाइत अछि।
२२४. (C) ई नील रंगक पारम्परिक स्रोत सँ जुड़ल अछि। — नील रंग जल, आकाश वा सजावटी क्षेत्रमे उपयोगी मानल जाइत अछि।
२२५. (A) कारण ई नील रंगक पारम्परिक स्रोत केँ बुझाबैत अछि। — नील रंग जल, आकाश वा सजावटी क्षेत्रमे उपयोगी मानल जाइत अछि।
२२६. (C) माटि-सँ जुड़ल लाल-भूरा रंग — लाल माटि धरती, उर्वरता आ स्थानीय संसाधनक संकेत दैत अछि।
२२७. (C) माटि-सँ जुड़ल लाल-भूरा रंग — लाल माटि धरती, उर्वरता आ स्थानीय संसाधनक संकेत दैत अछि।
२२८. (A) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक — लाल माटि एहि खण्डक विषय 'रेखा, रंग आ सामग्री' सँ सीधा जुड़ल अछि। लाल माटि धरती, उर्वरता आ स्थानीय संसाधनक संकेत दैत अछि।
२२९. (D) ई माटि-सँ जुड़ल लाल-भूरा रंग सँ जुड़ल अछि। — लाल माटि धरती, उर्वरता आ स्थानीय संसाधनक संकेत दैत अछि।
२३०. (A) कारण ई माटि-सँ जुड़ल लाल-भूरा रंग केँ बुझाबैत अछि। — लाल माटि धरती, उर्वरता आ स्थानीय संसाधनक संकेत दैत अछि।
२३१. (C) रेखा खींचबाक साधन — कलाकार बारीक काठी, तिनका, कलम वा ब्रशसँ रेखा बनबैत छथि।
२३२. (A) रेखा खींचबाक साधन — कलाकार बारीक काठी, तिनका, कलम वा ब्रशसँ रेखा बनबैत छथि।
२३३. (D) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक — बाँसक काठी एहि खण्डक विषय 'रेखा, रंग आ सामग्री' सँ सीधा जुड़ल अछि। कलाकार बारीक काठी, तिनका, कलम वा ब्रशसँ रेखा बनबैत छथि।
२३४. (A) ई रेखा खींचबाक साधन सँ जुड़ल अछि। — कलाकार बारीक काठी, तिनका, कलम वा ब्रशसँ रेखा बनबैत छथि।
२३५. (A) कारण ई रेखा खींचबाक साधन केँ बुझाबैत अछि। — कलाकार बारीक काठी, तिनका, कलम वा ब्रशसँ रेखा बनबैत छथि।
२३६. (D) सीधा हाथसँ चित्रणक साधन — परम्परागत विधिमे अंगुरी, काठी, कपड़ा वा साधारण औजारसँ चित्र बनाओल जाएत रहल।
२३७. (C) सीधा हाथसँ चित्रणक साधन — परम्परागत विधिमे अंगुरी, काठी, कपड़ा वा साधारण औजारसँ चित्र बनाओल जाएत रहल।
२३८. (C) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक — अंगुरी एहि खण्डक विषय 'रेखा, रंग आ सामग्री' सँ सीधा जुड़ल अछि। परम्परागत विधिमे अंगुरी, काठी, कपड़ा वा साधारण औजारसँ चित्र बनाओल जाएत रहल।
२३९. (A) ई सीधा हाथसँ चित्रणक साधन सँ जुड़ल अछि। — परम्परागत विधिमे अंगुरी, काठी, कपड़ा वा साधारण औजारसँ चित्र बनाओल जाएत रहल।

- २४०. (D) कारण ई सीधा हाथसँ चित्रणक साधन केँ बुझाबैत अछि।** — परम्परागत विधिमे अंगुरी, काठी, कपड़ा वा साधारण औजारसँ चित्र बनाओल जाएत रहल।
- २४१. (A) धरतीसँ मिलल रंगद्रव्य** — मिथिला चित्रकलामे स्थानीय खनिज आ वनस्पतिजन्य रंगक उपयोग परम्परागत रहल अछि।
- २४२. (C) धरतीसँ मिलल रंगद्रव्य** — मिथिला चित्रकलामे स्थानीय खनिज आ वनस्पतिजन्य रंगक उपयोग परम्परागत रहल अछि।
- २४३. (B) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक** — खनिज रंग एहि खण्डक विषय 'रेखा, रंग आ सामग्री' सँ सीधा जुड़ल अछि। मिथिला चित्रकलामे स्थानीय खनिज आ वनस्पतिजन्य रंगक उपयोग परम्परागत रहल अछि।
- २४४. (B) ई धरतीसँ मिलल रंगद्रव्य सँ जुड़ल अछि।** — मिथिला चित्रकलामे स्थानीय खनिज आ वनस्पतिजन्य रंगक उपयोग परम्परागत रहल अछि।
- २४५. (C) कारण ई धरतीसँ मिलल रंगद्रव्य केँ बुझाबैत अछि।** — मिथिला चित्रकलामे स्थानीय खनिज आ वनस्पतिजन्य रंगक उपयोग परम्परागत रहल अछि।
- २४६. (A) फूल, पात, माटि, कालिख आदि सँ बनल रंग** — प्राकृतिक रंग एहि कलाक स्थानीयता आ पर्यावरण-सम्बन्ध केँ प्रकट करैत अछि।
- २४७. (B) फूल, पात, माटि, कालिख आदि सँ बनल रंग** — प्राकृतिक रंग एहि कलाक स्थानीयता आ पर्यावरण-सम्बन्ध केँ प्रकट करैत अछि।
- २४८. (A) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक** — प्राकृतिक रंग एहि खण्डक विषय 'रेखा, रंग आ सामग्री' सँ सीधा जुड़ल अछि। प्राकृतिक रंग एहि कलाक स्थानीयता आ पर्यावरण-सम्बन्ध केँ प्रकट करैत अछि।
- २४९. (C) ई फूल, पात, माटि, कालिख आदि सँ बनल रंग सँ जुड़ल अछि।** — प्राकृतिक रंग एहि कलाक स्थानीयता आ पर्यावरण-सम्बन्ध केँ प्रकट करैत अछि।
- २५०. (B) कारण ई फूल, पात, माटि, कालिख आदि सँ बनल रंग केँ बुझाबैत अछि।** — प्राकृतिक रंग एहि कलाक स्थानीयता आ पर्यावरण-सम्बन्ध केँ प्रकट करैत अछि।
- २५१. (A) स्पष्ट, चमकदार आ भिन्न रंगक मेल** — मिथिला चित्रकला दूरसँ देखलहुँ प्रभावी लागय, तें रंग-विरोध आ उज्ज्वलता महत्त्वपूर्ण अछि।
- २५२. (B) स्पष्ट, चमकदार आ भिन्न रंगक मेल** — मिथिला चित्रकला दूरसँ देखलहुँ प्रभावी लागय, तें रंग-विरोध आ उज्ज्वलता महत्त्वपूर्ण अछि।
- २५३. (A) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक** — चटख विरोधी रंग एहि खण्डक विषय 'रेखा, रंग आ सामग्री' सँ सीधा जुड़ल अछि। मिथिला चित्रकला दूरसँ देखलहुँ प्रभावी लागय, तें रंग-विरोध आ उज्ज्वलता महत्त्वपूर्ण अछि।
- २५४. (B) ई स्पष्ट, चमकदार आ भिन्न रंगक मेल सँ जुड़ल अछि।** — मिथिला चित्रकला दूरसँ देखलहुँ प्रभावी लागय, तें रंग-विरोध आ उज्ज्वलता महत्त्वपूर्ण अछि।
- २५५. (B) कारण ई स्पष्ट, चमकदार आ भिन्न रंगक मेल केँ बुझाबैत अछि।** — मिथिला चित्रकला दूरसँ देखलहुँ प्रभावी लागय, तें रंग-विरोध आ उज्ज्वलता महत्त्वपूर्ण अछि।
- २५६. (C) कचनी शैलीक आधार** — महीन रेखा आकृतिक भीतर बनावट, गति आ ध्वनि-जकाँ लय बनबैत अछि।
- २५७. (B) कचनी शैलीक आधार** — महीन रेखा आकृतिक भीतर बनावट, गति आ ध्वनि-जकाँ लय बनबैत अछि।
- २५८. (D) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक** — महीन रेखा एहि खण्डक विषय 'रेखा, रंग आ सामग्री' सँ सीधा जुड़ल अछि। महीन रेखा आकृतिक भीतर बनावट, गति आ ध्वनि-जकाँ लय बनबैत अछि।
- २५९. (B) ई कचनी शैलीक आधार सँ जुड़ल अछि।** — महीन रेखा आकृतिक भीतर बनावट, गति आ ध्वनि-जकाँ लय बनबैत अछि।
- २६०. (C) कारण ई कचनी शैलीक आधार केँ बुझाबैत अछि।** — महीन रेखा आकृतिक भीतर बनावट, गति आ ध्वनि-जकाँ लय बनबैत अछि।
- २६१. (D) आकृति केँ स्पष्ट करयवाली जुड़वा रेखा** — बहुत चित्रमे बाहरी रेखाक संग एक आंतरिक रेखा आकृति केँ गाढ़ बनबैत अछि।
- २६२. (A) आकृति केँ स्पष्ट करयवाली जुड़वा रेखा** — बहुत चित्रमे बाहरी रेखाक संग एक आंतरिक रेखा आकृति केँ गाढ़ बनबैत अछि।
- २६३. (B) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक** — दोहरी सीमा-रेखा एहि खण्डक विषय 'रेखा, रंग आ सामग्री' सँ सीधा जुड़ल अछि। बहुत चित्रमे बाहरी रेखाक संग एक आंतरिक रेखा आकृति केँ गाढ़ बनबैत अछि।
- २६४. (C) ई आकृति केँ स्पष्ट करयवाली जुड़वा रेखा सँ जुड़ल अछि।** — बहुत चित्रमे बाहरी रेखाक संग एक आंतरिक रेखा आकृति केँ गाढ़ बनबैत अछि।
- २६५. (D) कारण ई आकृति केँ स्पष्ट करयवाली जुड़वा रेखा केँ बुझाबैत अछि।** — बहुत चित्रमे बाहरी रेखाक संग एक आंतरिक रेखा आकृति केँ गाढ़ बनबैत अछि।
- २६६. (A) खाली जगहमे छोटे बिन्दुक लय** — बिन्दु रिक्त स्थान भरैत अछि आ सतह पर सजावटी ताल बनबैत अछि।

२६७. (C) खाली जगहमे छोटे बिन्दुक लय — बिन्दु रिक्त स्थान भरैत अछि आ सतह पर सजावटी ताल बनबैत अछि।
२६८. (C) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक — बिन्दु भराव एहि खण्डक विषय 'रेखा, रंग आ सामग्री' सँ सीधा जुड़ल अछि। बिन्दु रिक्त स्थान भरैत अछि आ सतह पर सजावटी ताल बनबैत अछि।
२६९. (C) ई खाली जगहमे छोटे बिन्दुक लय सँ जुड़ल अछि। — बिन्दु रिक्त स्थान भरैत अछि आ सतह पर सजावटी ताल बनबैत अछि।
२७०. (C) कारण ई खाली जगहमे छोटे बिन्दुक लय सँ जुड़ाबैत अछि। — बिन्दु रिक्त स्थान भरैत अछि आ सतह पर सजावटी ताल बनबैत अछि।
२७१. (D) समानान्तर वा तिरछ रेखासँ भराव — कचनीमे हाचिंगसँ रंगक बिनो गहराइ आ क्षेत्र-भेद बनाओल जाइत अछि।
२७२. (B) समानान्तर वा तिरछ रेखासँ भराव — कचनीमे हाचिंगसँ रंगक बिनो गहराइ आ क्षेत्र-भेद बनाओल जाइत अछि।
२७३. (A) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक — हाचिंग रेखा एहि खण्डक विषय 'रेखा, रंग आ सामग्री' सँ सीधा जुड़ल अछि। कचनीमे हाचिंगसँ रंगक बिनो गहराइ आ क्षेत्र-भेद बनाओल जाइत अछि।
२७४. (A) ई समानान्तर वा तिरछ रेखासँ भराव सँ जुड़ल अछि। — कचनीमे हाचिंगसँ रंगक बिनो गहराइ आ क्षेत्र-भेद बनाओल जाइत अछि।
२७५. (A) कारण ई समानान्तर वा तिरछ रेखासँ भराव सँ जुड़ाबैत अछि। — कचनीमे हाचिंगसँ रंगक बिनो गहराइ आ क्षेत्र-भेद बनाओल जाइत अछि।
२७६. (A) आधुनिक पोर्टेबल माध्यम — कपड़ा पर चित्र बनलासँ ई कला ओढ़नी, परदा, सजावटी पट आ उपयोगी वस्तुमे फैलल।
२७७. (A) आधुनिक पोर्टेबल माध्यम — कपड़ा पर चित्र बनलासँ ई कला ओढ़नी, परदा, सजावटी पट आ उपयोगी वस्तुमे फैलल।
२७८. (B) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक — कपड़ा सतह एहि खण्डक विषय 'रेखा, रंग आ सामग्री' सँ सीधा जुड़ल अछि। कपड़ा पर चित्र बनलासँ ई कला ओढ़नी, परदा, सजावटी पट आ उपयोगी वस्तुमे फैलल।
२७९. (C) ई आधुनिक पोर्टेबल माध्यम सँ जुड़ल अछि। — कपड़ा पर चित्र बनलासँ ई कला ओढ़नी, परदा, सजावटी पट आ उपयोगी वस्तुमे फैलल।
२८०. (A) कारण ई आधुनिक पोर्टेबल माध्यम सँ जुड़ाबैत अछि। — कपड़ा पर चित्र बनलासँ ई कला ओढ़नी, परदा, सजावटी पट आ उपयोगी वस्तुमे फैलल।
२८१. (B) कला-बजारक महत्त्वपूर्ण माध्यम — कागज पर चित्र बनलासँ संग्रह, बिक्री, प्रदर्शन आ पाठ्य उपयोग सहज भेल।
२८२. (B) कला-बजारक महत्त्वपूर्ण माध्यम — कागज पर चित्र बनलासँ संग्रह, बिक्री, प्रदर्शन आ पाठ्य उपयोग सहज भेल।
२८३. (A) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक — हस्तनिर्मित कागज एहि खण्डक विषय 'रेखा, रंग आ सामग्री' सँ सीधा जुड़ल अछि। कागज पर चित्र बनलासँ संग्रह, बिक्री, प्रदर्शन आ पाठ्य उपयोग सहज भेल।
२८४. (C) ई कला-बजारक महत्त्वपूर्ण माध्यम सँ जुड़ल अछि। — कागज पर चित्र बनलासँ संग्रह, बिक्री, प्रदर्शन आ पाठ्य उपयोग सहज भेल।
२८५. (A) कारण ई कला-बजारक महत्त्वपूर्ण माध्यम सँ जुड़ाबैत अछि। — कागज पर चित्र बनलासँ संग्रह, बिक्री, प्रदर्शन आ पाठ्य उपयोग सहज भेल।
२८६. (D) लम्बा टिक्यवला आधुनिक सतह — कैनवास पर मिथिला चित्रकला आधुनिक दीर्घा आ घर-सजावटमे बेसी देखाइ पड़ैत अछि।
२८७. (C) लम्बा टिक्यवला आधुनिक सतह — कैनवास पर मिथिला चित्रकला आधुनिक दीर्घा आ घर-सजावटमे बेसी देखाइ पड़ैत अछि।
२८८. (B) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक — कैनवास एहि खण्डक विषय 'रेखा, रंग आ सामग्री' सँ सीधा जुड़ल अछि। कैनवास पर मिथिला चित्रकला आधुनिक दीर्घा आ घर-सजावटमे बेसी देखाइ पड़ैत अछि।
२८९. (D) ई लम्बा टिक्यवला आधुनिक सतह सँ जुड़ल अछि। — कैनवास पर मिथिला चित्रकला आधुनिक दीर्घा आ घर-सजावटमे बेसी देखाइ पड़ैत अछि।
२९०. (D) कारण ई लम्बा टिक्यवला आधुनिक सतह सँ जुड़ाबैत अछि। — कैनवास पर मिथिला चित्रकला आधुनिक दीर्घा आ घर-सजावटमे बेसी देखाइ पड़ैत अछि।
२९१. (C) रंग सँ सतह पर टिक्यबाक द्रव — परम्परागत रंगमे गोंद, दूध वा अन्य बान्हक प्रयोगसँ रंग स्थिर कएल जाइत छल।
२९२. (B) रंग सँ सतह पर टिक्यबाक द्रव — परम्परागत रंगमे गोंद, दूध वा अन्य बान्हक प्रयोगसँ रंग स्थिर कएल जाइत छल।
२९३. (C) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक — रंगक बान्ह एहि खण्डक विषय 'रेखा, रंग आ सामग्री' सँ सीधा जुड़ल अछि। परम्परागत रंगमे गोंद, दूध वा अन्य बान्हक प्रयोगसँ रंग स्थिर कएल जाइत छल।
२९४. (D) ई रंग सँ सतह पर टिक्यबाक द्रव सँ जुड़ल अछि। — परम्परागत रंगमे गोंद, दूध वा अन्य बान्हक प्रयोगसँ रंग स्थिर कएल जाइत छल।
२९५. (A) कारण ई रंग सँ सतह पर टिक्यबाक द्रव सँ जुड़ाबैत अछि। — परम्परागत रंगमे गोंद, दूध वा अन्य बान्हक प्रयोगसँ रंग स्थिर कएल जाइत छल।
२९६. (C) आकृति आ पृष्ठभूमिक स्पष्ट भेद — मिथिला चित्रकलामे अस्पष्ट धुँआटपन कम, साफ रेखा आ स्पष्ट रूप बेसी रहैत अछि।

३९७. (B) आकृति आ पृष्ठभूमिक स्पष्ट भेद — मिथिला चित्रकलामे अस्पष्ट धुँआटपन कम, साफ रेखा आ स्पष्ट रूप बेसी रहैत अछि।
३९८. (D) चित्र बनाबयक सामग्री आ तकनीक — साफ सीमा एहि खण्डक विषय 'रेखा, रंग आ सामग्री' सँ सीधा जुड़ल अछि। मिथिला चित्रकलामे अस्पष्ट धुँआटपन कम, साफ रेखा आ स्पष्ट रूप बेसी रहैत अछि।
३९९. (D) ई आकृति आ पृष्ठभूमिक स्पष्ट भेद सँ जुड़ल अछि। — मिथिला चित्रकलामे अस्पष्ट धुँआटपन कम, साफ रेखा आ स्पष्ट रूप बेसी रहैत अछि।
४००. (B) कारण ई आकृति आ पृष्ठभूमिक स्पष्ट भेद केँ बुझाबैत अछि। — मिथिला चित्रकलामे अस्पष्ट धुँआटपन कम, साफ रेखा आ स्पष्ट रूप बेसी रहैत अछि।
४०१. (B) पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक प्रतीक — कोहबर आ देव-चित्रमे कमल मंगल, जन्म-शक्ति आ निर्मलताक संकेत बनैत अछि।
४०२. (C) पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक प्रतीक — कोहबर आ देव-चित्रमे कमल मंगल, जन्म-शक्ति आ निर्मलताक संकेत बनैत अछि।
४०३. (C) प्रतीक आ रचना-संरचना — कमल एहि खण्डक विषय 'चिन्ह, आकृति आ रचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। कोहबर आ देव-चित्रमे कमल मंगल, जन्म-शक्ति आ निर्मलताक संकेत बनैत अछि।
४०४. (D) ई पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक प्रतीक सँ जुड़ल अछि। — कोहबर आ देव-चित्रमे कमल मंगल, जन्म-शक्ति आ निर्मलताक संकेत बनैत अछि।
४०५. (C) कारण ई पवित्रता, उर्वरता आ सौन्दर्यक प्रतीक केँ बुझाबैत अछि। — कोहबर आ देव-चित्रमे कमल मंगल, जन्म-शक्ति आ निर्मलताक संकेत बनैत अछि।
४०६. (C) जल, जीवन आ समृद्धिक प्रतीक — मिथिला जल-प्रदेशक स्मृति आ शुभता माछक चित्रसँ व्यक्त होइत अछि।
४०७. (B) जल, जीवन आ समृद्धिक प्रतीक — मिथिला जल-प्रदेशक स्मृति आ शुभता माछक चित्रसँ व्यक्त होइत अछि।
४०८. (B) प्रतीक आ रचना-संरचना — माछ एहि खण्डक विषय 'चिन्ह, आकृति आ रचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। मिथिला जल-प्रदेशक स्मृति आ शुभता माछक चित्रसँ व्यक्त होइत अछि।
४०९. (B) ई जल, जीवन आ समृद्धिक प्रतीक सँ जुड़ल अछि। — मिथिला जल-प्रदेशक स्मृति आ शुभता माछक चित्रसँ व्यक्त होइत अछि।
४१०. (B) कारण ई जल, जीवन आ समृद्धिक प्रतीक केँ बुझाबैत अछि। — मिथिला जल-प्रदेशक स्मृति आ शुभता माछक चित्रसँ व्यक्त होइत अछि।
४११. (B) वंश-वृद्धि आ स्थायित्वक प्रतीक — कोहबरमे बाँस दाम्पत्य जीवनक बढ़ोतरी आ कुल-वृद्धिक मंगल संकेत दैत अछि।
४१२. (C) वंश-वृद्धि आ स्थायित्वक प्रतीक — कोहबरमे बाँस दाम्पत्य जीवनक बढ़ोतरी आ कुल-वृद्धिक मंगल संकेत दैत अछि।
४१३. (B) प्रतीक आ रचना-संरचना — बाँस एहि खण्डक विषय 'चिन्ह, आकृति आ रचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। कोहबरमे बाँस दाम्पत्य जीवनक बढ़ोतरी आ कुल-वृद्धिक मंगल संकेत दैत अछि।
४१४. (A) ई वंश-वृद्धि आ स्थायित्वक प्रतीक सँ जुड़ल अछि। — कोहबरमे बाँस दाम्पत्य जीवनक बढ़ोतरी आ कुल-वृद्धिक मंगल संकेत दैत अछि।
४१५. (A) कारण ई वंश-वृद्धि आ स्थायित्वक प्रतीक केँ बुझाबैत अछि। — कोहबरमे बाँस दाम्पत्य जीवनक बढ़ोतरी आ कुल-वृद्धिक मंगल संकेत दैत अछि।
४१६. (A) ऊर्जा, समय आ जीवनक स्रोत — मिथिला चित्रकलामे सूर्य देवता आ प्रकाशक रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि।
४१७. (D) ऊर्जा, समय आ जीवनक स्रोत — मिथिला चित्रकलामे सूर्य देवता आ प्रकाशक रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि।
४१८. (C) प्रतीक आ रचना-संरचना — सूर्य एहि खण्डक विषय 'चिन्ह, आकृति आ रचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। मिथिला चित्रकलामे सूर्य देवता आ प्रकाशक रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि।
४१९. (D) ई ऊर्जा, समय आ जीवनक स्रोत सँ जुड़ल अछि। — मिथिला चित्रकलामे सूर्य देवता आ प्रकाशक रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि।
४२०. (A) कारण ई ऊर्जा, समय आ जीवनक स्रोत केँ बुझाबैत अछि। — मिथिला चित्रकलामे सूर्य देवता आ प्रकाशक रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि।
४२१. (D) शीतलता, चक्र आ सौम्य भाव — सूर्य-चन्द्रक युग्म समय, संतुलन आ जीवन-चक्रक संकेत दैत अछि।
४२२. (D) शीतलता, चक्र आ सौम्य भाव — सूर्य-चन्द्रक युग्म समय, संतुलन आ जीवन-चक्रक संकेत दैत अछि।
४२३. (B) प्रतीक आ रचना-संरचना — चन्द्र एहि खण्डक विषय 'चिन्ह, आकृति आ रचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। सूर्य-चन्द्रक युग्म समय, संतुलन आ जीवन-चक्रक संकेत दैत अछि।
४२४. (D) ई शीतलता, चक्र आ सौम्य भाव सँ जुड़ल अछि। — सूर्य-चन्द्रक युग्म समय, संतुलन आ जीवन-चक्रक संकेत दैत अछि।
४२५. (C) कारण ई शीतलता, चक्र आ सौम्य भाव केँ बुझाबैत अछि। — सूर्य-चन्द्रक युग्म समय, संतुलन आ जीवन-चक्रक संकेत दैत अछि।
४२६. (A) जल, धैर्य आ दीर्घजीवनक प्रतीक — कछुआ कोहबरमे उर्वरता आ स्थिर जीवनक शुभ संकेतक रूपमे देखल जाइत अछि।

- ३२७. (D) जल, धैर्य आ दीर्घजीवनक प्रतीक** — कछुआ कोहबरमे उर्वरता आ स्थिर जीवनक शुभ संकेतक रूपमे देखल जाइत अछि।
- ३२८. (A) प्रतीक आ रचना-संरचना** — कछुआ एहि खण्डक विषय 'चिन्ह, आकृति आ रचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। कछुआ कोहबरमे उर्वरता आ स्थिर जीवनक शुभ संकेतक रूपमे देखल जाइत अछि।
- ३२९. (B) ई जल, धैर्य आ दीर्घजीवनक प्रतीक सँ जुड़ल अछि।** — कछुआ कोहबरमे उर्वरता आ स्थिर जीवनक शुभ संकेतक रूपमे देखल जाइत अछि।
- ३३०. (C) कारण ई जल, धैर्य आ दीर्घजीवनक प्रतीक केँ बुझाबैत अछि।** — कछुआ कोहबरमे उर्वरता आ स्थिर जीवनक शुभ संकेतक रूपमे देखल जाइत अछि।
- ३३१. (D) सौन्दर्य, वर्षा आ उल्लासक प्रतीक** — मोरक पाँख आ चाल चित्रमे सजावट आ ऋतु-भाव दैत अछि।
- ३३२. (B) सौन्दर्य, वर्षा आ उल्लासक प्रतीक** — मोरक पाँख आ चाल चित्रमे सजावट आ ऋतु-भाव दैत अछि।
- ३३३. (D) प्रतीक आ रचना-संरचना** — मोर एहि खण्डक विषय 'चिन्ह, आकृति आ रचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। मोरक पाँख आ चाल चित्रमे सजावट आ ऋतु-भाव दैत अछि।
- ३३४. (B) ई सौन्दर्य, वर्षा आ उल्लासक प्रतीक सँ जुड़ल अछि।** — मोरक पाँख आ चाल चित्रमे सजावट आ ऋतु-भाव दैत अछि।
- ३३५. (D) कारण ई सौन्दर्य, वर्षा आ उल्लासक प्रतीक केँ बुझाबैत अछि।** — मोरक पाँख आ चाल चित्रमे सजावट आ ऋतु-भाव दैत अछि।
- ३३६. (C) बल, राजसत्ता आ शुभ अवसरक प्रतीक** — हाथी विवाह, जुलूस वा उत्सव दृश्य केँ गौरव आ मंगल भाव दैत अछि।
- ३३७. (D) बल, राजसत्ता आ शुभ अवसरक प्रतीक** — हाथी विवाह, जुलूस वा उत्सव दृश्य केँ गौरव आ मंगल भाव दैत अछि।
- ३३८. (B) प्रतीक आ रचना-संरचना** — हाथी एहि खण्डक विषय 'चिन्ह, आकृति आ रचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। हाथी विवाह, जुलूस वा उत्सव दृश्य केँ गौरव आ मंगल भाव दैत अछि।
- ३३९. (B) ई बल, राजसत्ता आ शुभ अवसरक प्रतीक सँ जुड़ल अछि।** — हाथी विवाह, जुलूस वा उत्सव दृश्य केँ गौरव आ मंगल भाव दैत अछि।
- ३४०. (C) कारण ई बल, राजसत्ता आ शुभ अवसरक प्रतीक केँ बुझाबैत अछि।** — हाथी विवाह, जुलूस वा उत्सव दृश्य केँ गौरव आ मंगल भाव दैत अछि।
- ३४१. (B) पालन-पोषण आ घरक समृद्धि** — गाय ग्रामीण जीवन, दूध, मातृत्व आ शान्ति सँ जुड़ल प्रतीक अछि।
- ३४२. (C) पालन-पोषण आ घरक समृद्धि** — गाय ग्रामीण जीवन, दूध, मातृत्व आ शान्ति सँ जुड़ल प्रतीक अछि।
- ३४३. (A) प्रतीक आ रचना-संरचना** — गाय एहि खण्डक विषय 'चिन्ह, आकृति आ रचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। गाय ग्रामीण जीवन, दूध, मातृत्व आ शान्ति सँ जुड़ल प्रतीक अछि।
- ३४४. (B) ई पालन-पोषण आ घरक समृद्धि सँ जुड़ल अछि।** — गाय ग्रामीण जीवन, दूध, मातृत्व आ शान्ति सँ जुड़ल प्रतीक अछि।
- ३४५. (C) कारण ई पालन-पोषण आ घरक समृद्धि केँ बुझाबैत अछि।** — गाय ग्रामीण जीवन, दूध, मातृत्व आ शान्ति सँ जुड़ल प्रतीक अछि।
- ३४६. (B) सन्देश, प्रेम आ हरियर जीवनक संकेत** — तोता लोककथा, प्रेम-संवाद आ प्रकृति-सौन्दर्यसँ जुड़ल अछि।
- ३४७. (C) सन्देश, प्रेम आ हरियर जीवनक संकेत** — तोता लोककथा, प्रेम-संवाद आ प्रकृति-सौन्दर्यसँ जुड़ल अछि।
- ३४८. (A) प्रतीक आ रचना-संरचना** — तोता एहि खण्डक विषय 'चिन्ह, आकृति आ रचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। तोता लोककथा, प्रेम-संवाद आ प्रकृति-सौन्दर्यसँ जुड़ल अछि।
- ३४९. (A) ई सन्देश, प्रेम आ हरियर जीवनक संकेत सँ जुड़ल अछि।** — तोता लोककथा, प्रेम-संवाद आ प्रकृति-सौन्दर्यसँ जुड़ल अछि।
- ३५०. (A) कारण ई सन्देश, प्रेम आ हरियर जीवनक संकेत केँ बुझाबैत अछि।** — तोता लोककथा, प्रेम-संवाद आ प्रकृति-सौन्दर्यसँ जुड़ल अछि।
- ३५१. (A) शक्ति, रक्षा आ गूढ़ भाव** — सर्प देवता, धरतीक शक्ति वा तांत्रिक संकेतक रूपमे चित्रित भऽ सकैत अछि।
- ३५२. (B) शक्ति, रक्षा आ गूढ़ भाव** — सर्प देवता, धरतीक शक्ति वा तांत्रिक संकेतक रूपमे चित्रित भऽ सकैत अछि।
- ३५३. (C) प्रतीक आ रचना-संरचना** — सर्प एहि खण्डक विषय 'चिन्ह, आकृति आ रचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। सर्प देवता, धरतीक शक्ति वा तांत्रिक संकेतक रूपमे चित्रित भऽ सकैत अछि।
- ३५४. (B) ई शक्ति, रक्षा आ गूढ़ भाव सँ जुड़ल अछि।** — सर्प देवता, धरतीक शक्ति वा तांत्रिक संकेतक रूपमे चित्रित भऽ सकैत अछि।
- ३५५. (C) कारण ई शक्ति, रक्षा आ गूढ़ भाव केँ बुझाबैत अछि।** — सर्प देवता, धरतीक शक्ति वा तांत्रिक संकेतक रूपमे चित्रित भऽ सकैत अछि।
- ३५६. (C) पूर्णता आ केन्द्रित ऊर्जा** — मंडल आ अरिपनमे वृत्त संतुलन, चक्र आ समग्रताक रूपक बनैत अछि।

३५७. (A) पूर्णता आ केन्द्रित ऊर्जा — मंडल आ अरिपनमे वृत्त संतुलन, चक्र आ समग्रताक रूपक बनैत अछि।
३५८. (B) प्रतीक आ रचना-संरचना — वृत्त एहि खण्डक विषय 'चिन्ह, आकृति आ रचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। मंडल आ अरिपनमे वृत्त संतुलन, चक्र आ समग्रताक रूपक बनैत अछि।
३५९. (B) ई पूर्णता आ केन्द्रित ऊर्जा सँ जुड़ल अछि। — मंडल आ अरिपनमे वृत्त संतुलन, चक्र आ समग्रताक रूपक बनैत अछि।
३६०. (A) कारण ई पूर्णता आ केन्द्रित ऊर्जा केँ बुझाबैत अछि। — मंडल आ अरिपनमे वृत्त संतुलन, चक्र आ समग्रताक रूपक बनैत अछि।
३६१. (D) दिशा, शक्ति आ संरचनाक संकेत — ज्यामितीय आकृति रचना केँ अनुशासित करैत अछि आ प्रतीकात्मक अर्थ दैत अछि।
३६२. (B) दिशा, शक्ति आ संरचनाक संकेत — ज्यामितीय आकृति रचना केँ अनुशासित करैत अछि आ प्रतीकात्मक अर्थ दैत अछि।
३६३. (A) प्रतीक आ रचना-संरचना — त्रिकोण एहि खण्डक विषय 'चिन्ह, आकृति आ रचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। ज्यामितीय आकृति रचना केँ अनुशासित करैत अछि आ प्रतीकात्मक अर्थ दैत अछि।
३६४. (C) ई दिशा, शक्ति आ संरचनाक संकेत सँ जुड़ल अछि। — ज्यामितीय आकृति रचना केँ अनुशासित करैत अछि आ प्रतीकात्मक अर्थ दैत अछि।
३६५. (C) कारण ई दिशा, शक्ति आ संरचनाक संकेत केँ बुझाबैत अछि। — ज्यामितीय आकृति रचना केँ अनुशासित करैत अछि आ प्रतीकात्मक अर्थ दैत अछि।
३६६. (B) सीमा आ पवित्र स्थानक निर्धारण — चौकोर पट पूजा वा दृश्य केँ अलग पवित्र क्षेत्रमे बाँधि दैत अछि।
३६७. (A) सीमा आ पवित्र स्थानक निर्धारण — चौकोर पट पूजा वा दृश्य केँ अलग पवित्र क्षेत्रमे बाँधि दैत अछि।
३६८. (D) प्रतीक आ रचना-संरचना — चौकोर घेरा एहि खण्डक विषय 'चिन्ह, आकृति आ रचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। चौकोर पट पूजा वा दृश्य केँ अलग पवित्र क्षेत्रमे बाँधि दैत अछि।
३६९. (C) ई सीमा आ पवित्र स्थानक निर्धारण सँ जुड़ल अछि। — चौकोर पट पूजा वा दृश्य केँ अलग पवित्र क्षेत्रमे बाँधि दैत अछि।
३७०. (C) कारण ई सीमा आ पवित्र स्थानक निर्धारण केँ बुझाबैत अछि। — चौकोर पट पूजा वा दृश्य केँ अलग पवित्र क्षेत्रमे बाँधि दैत अछि।
३७१. (A) वृद्धि आ प्रकृति-लय — लता-पात रिक्त स्थान भरैत अछि आ जीवनक विस्तार देखबैत अछि।
३७२. (B) वृद्धि आ प्रकृति-लय — लता-पात रिक्त स्थान भरैत अछि आ जीवनक विस्तार देखबैत अछि।
३७३. (D) प्रतीक आ रचना-संरचना — पात-लता एहि खण्डक विषय 'चिन्ह, आकृति आ रचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। लता-पात रिक्त स्थान भरैत अछि आ जीवनक विस्तार देखबैत अछि।
३७४. (A) ई वृद्धि आ प्रकृति-लय सँ जुड़ल अछि। — लता-पात रिक्त स्थान भरैत अछि आ जीवनक विस्तार देखबैत अछि।
३७५. (D) कारण ई वृद्धि आ प्रकृति-लय केँ बुझाबैत अछि। — लता-पात रिक्त स्थान भरैत अछि आ जीवनक विस्तार देखबैत अछि।
३७६. (B) किनार सजावट — फूल-पट्टी चित्रक बाहरी भाग केँ सुन्दर चौखट दैत अछि।
३७७. (A) किनार सजावट — फूल-पट्टी चित्रक बाहरी भाग केँ सुन्दर चौखट दैत अछि।
३७८. (B) प्रतीक आ रचना-संरचना — फूल-पट्टी एहि खण्डक विषय 'चिन्ह, आकृति आ रचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। फूल-पट्टी चित्रक बाहरी भाग केँ सुन्दर चौखट दैत अछि।
३७९. (A) ई किनार सजावट सँ जुड़ल अछि। — फूल-पट्टी चित्रक बाहरी भाग केँ सुन्दर चौखट दैत अछि।
३८०. (B) कारण ई किनार सजावट केँ बुझाबैत अछि। — फूल-पट्टी चित्रक बाहरी भाग केँ सुन्दर चौखट दैत अछि।
३८१. (D) जागरण आ दैवी उपस्थिति — देवी-देवताक बड़ नेत्र दर्शकक संग सीधा सम्बन्ध बनबैत अछि।
३८२. (A) जागरण आ दैवी उपस्थिति — देवी-देवताक बड़ नेत्र दर्शकक संग सीधा सम्बन्ध बनबैत अछि।
३८३. (A) प्रतीक आ रचना-संरचना — नेत्र एहि खण्डक विषय 'चिन्ह, आकृति आ रचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। देवी-देवताक बड़ नेत्र दर्शकक संग सीधा सम्बन्ध बनबैत अछि।
३८४. (D) ई जागरण आ दैवी उपस्थिति सँ जुड़ल अछि। — देवी-देवताक बड़ नेत्र दर्शकक संग सीधा सम्बन्ध बनबैत अछि।
३८५. (D) कारण ई जागरण आ दैवी उपस्थिति केँ बुझाबैत अछि। — देवी-देवताक बड़ नेत्र दर्शकक संग सीधा सम्बन्ध बनबैत अछि।
३८६. (C) लय आ सजावटी एकता — एकहि आकृतिक दोहरावसँ चित्रमे संगीत-जकाँ ताल बनैत अछि।

- ३८७. (D) लय आ सजावटी एकता** — एकहि आकृतिक दोहरावसँ चित्रमे संगीत-जकाँ ताल बनैत अछि।
- ३८८. (C) प्रतीक आ रचना-संरचना** — दोहराव एहि खण्डक विषय 'चिन्ह, आकृति आ रचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। एकहि आकृतिक दोहरावसँ चित्रमे संगीत-जकाँ ताल बनैत अछि।
- ३८९. (B) ई लय आ सजावटी एकता सँ जुड़ल अछि।** — एकहि आकृतिक दोहरावसँ चित्रमे संगीत-जकाँ ताल बनैत अछि।
- ३९०. (B) कारण ई लय आ सजावटी एकता केँ बुझाबैत अछि।** — एकहि आकृतिक दोहरावसँ चित्रमे संगीत-जकाँ ताल बनैत अछि।
- ३९१. (B) दुनू दिसक संतुलित व्यवस्था** — कोहबर वा मंडलमे सममिति रचनाक स्थिरता आ मंगल भाव बढ़बैत अछि।
- ३९२. (B) दुनू दिसक संतुलित व्यवस्था** — कोहबर वा मंडलमे सममिति रचनाक स्थिरता आ मंगल भाव बढ़बैत अछि।
- ३९३. (A) प्रतीक आ रचना-संरचना** — सममिति एहि खण्डक विषय 'चिन्ह, आकृति आ रचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। कोहबर वा मंडलमे सममिति रचनाक स्थिरता आ मंगल भाव बढ़बैत अछि।
- ३९४. (A) ई दुनू दिसक संतुलित व्यवस्था सँ जुड़ल अछि।** — कोहबर वा मंडलमे सममिति रचनाक स्थिरता आ मंगल भाव बढ़बैत अछि।
- ३९५. (D) कारण ई दुनू दिसक संतुलित व्यवस्था केँ बुझाबैत अछि।** — कोहबर वा मंडलमे सममिति रचनाक स्थिरता आ मंगल भाव बढ़बैत अछि।
- ३९६. (B) चित्रक केन्द्र-बिन्दु** — देवता, दूल्हा-दुल्हिन, वृक्ष वा मंडल जँ केन्द्रमे हो, तकरा चारू दिस बाकी चिन्ह व्यवस्थित होइत अछि।
- ३९७. (B) चित्रक केन्द्र-बिन्दु** — देवता, दूल्हा-दुल्हिन, वृक्ष वा मंडल जँ केन्द्रमे हो, तकरा चारू दिस बाकी चिन्ह व्यवस्थित होइत अछि।
- ३९८. (D) प्रतीक आ रचना-संरचना** — मुख्य आकृति एहि खण्डक विषय 'चिन्ह, आकृति आ रचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। देवता, दूल्हा-दुल्हिन, वृक्ष वा मंडल जँ केन्द्रमे हो, तकरा चारू दिस बाकी चिन्ह व्यवस्थित होइत अछि।
- ३९९. (B) ई चित्रक केन्द्र-बिन्दु सँ जुड़ल अछि।** — देवता, दूल्हा-दुल्हिन, वृक्ष वा मंडल जँ केन्द्रमे हो, तकरा चारू दिस बाकी चिन्ह व्यवस्थित होइत अछि।
- ४००. (A) कारण ई चित्रक केन्द्र-बिन्दु केँ बुझाबैत अछि।** — देवता, दूल्हा-दुल्हिन, वृक्ष वा मंडल जँ केन्द्रमे हो, तकरा चारू दिस बाकी चिन्ह व्यवस्थित होइत अछि।
- ४०१. (D) विवाह-संस्कारक पवित्र कक्ष** — कोहबर चित्र दाम्पत्य, मंगल, उर्वरता आ कुल-वृद्धिक शुभकामना सँ जुड़ल अछि।
- ४०२. (D) विवाह-संस्कारक पवित्र कक्ष** — कोहबर चित्र दाम्पत्य, मंगल, उर्वरता आ कुल-वृद्धिक शुभकामना सँ जुड़ल अछि।
- ४०३. (C) संस्कार आ मांगलिक चित्र** — कोहबर घर एहि खण्डक विषय 'कोहबर, अरिपन आ संस्कार' सँ सीधा जुड़ल अछि। कोहबर चित्र दाम्पत्य, मंगल, उर्वरता आ कुल-वृद्धिक शुभकामना सँ जुड़ल अछि।
- ४०४. (B) ई विवाह-संस्कारक पवित्र कक्ष सँ जुड़ल अछि।** — कोहबर चित्र दाम्पत्य, मंगल, उर्वरता आ कुल-वृद्धिक शुभकामना सँ जुड़ल अछि।
- ४०५. (B) कारण ई विवाह-संस्कारक पवित्र कक्ष केँ बुझाबैत अछि।** — कोहबर चित्र दाम्पत्य, मंगल, उर्वरता आ कुल-वृद्धिक शुभकामना सँ जुड़ल अछि।
- ४०६. (C) नूतन दाम्पत्य जीवनक केन्द्र** — कोहबरमे दाम्पत्य जोड़ी सामाजिक आ धार्मिक स्वीकृतिक प्रतीक बनैत अछि।
- ४०७. (D) नूतन दाम्पत्य जीवनक केन्द्र** — कोहबरमे दाम्पत्य जोड़ी सामाजिक आ धार्मिक स्वीकृतिक प्रतीक बनैत अछि।
- ४०८. (D) संस्कार आ मांगलिक चित्र** — दूल्हा-दुल्हिन एहि खण्डक विषय 'कोहबर, अरिपन आ संस्कार' सँ सीधा जुड़ल अछि। कोहबरमे दाम्पत्य जोड़ी सामाजिक आ धार्मिक स्वीकृतिक प्रतीक बनैत अछि।
- ४०९. (D) ई नूतन दाम्पत्य जीवनक केन्द्र सँ जुड़ल अछि।** — कोहबरमे दाम्पत्य जोड़ी सामाजिक आ धार्मिक स्वीकृतिक प्रतीक बनैत अछि।
- ४१०. (A) कारण ई नूतन दाम्पत्य जीवनक केन्द्र केँ बुझाबैत अछि।** — कोहबरमे दाम्पत्य जोड़ी सामाजिक आ धार्मिक स्वीकृतिक प्रतीक बनैत अछि।
- ४११. (A) वंश-वृद्धिक मंगल संकेत** — बाँसक तेज बढ़ैत स्वभाव विवाह-चित्रमे कुलक वृद्धि आ स्थिरताक रूपक अछि।
- ४१२. (B) वंश-वृद्धिक मंगल संकेत** — बाँसक तेज बढ़ैत स्वभाव विवाह-चित्रमे कुलक वृद्धि आ स्थिरताक रूपक अछि।
- ४१३. (D) संस्कार आ मांगलिक चित्र** — विवाहक बाँस एहि खण्डक विषय 'कोहबर, अरिपन आ संस्कार' सँ सीधा जुड़ल अछि। बाँसक तेज बढ़ैत स्वभाव विवाह-चित्रमे कुलक वृद्धि आ स्थिरताक रूपक अछि।
- ४१४. (A) ई वंश-वृद्धिक मंगल संकेत सँ जुड़ल अछि।** — बाँसक तेज बढ़ैत स्वभाव विवाह-चित्रमे कुलक वृद्धि आ स्थिरताक रूपक अछि।
- ४१५. (B) कारण ई वंश-वृद्धिक मंगल संकेत केँ बुझाबैत अछि।** — बाँसक तेज बढ़ैत स्वभाव विवाह-चित्रमे कुलक वृद्धि आ स्थिरताक रूपक अछि।
- ४१६. (B) विवाहमे पवित्र उर्वरता** — कमल कोहबरमे सौन्दर्य, शक्ति, जन्म आ मंगलक एकत्र संकेत दैत अछि।

४१७. (A) विवाहमे पवित्र उर्वरता — कमल कोहबरमे सौन्दर्य, शक्ति, जन्म आ मंगलक एकत्र संकेत दैत अछि।
४१८. (C) संस्कार आ मांगलिक चित्र — कमल-दल एहि खण्डक विषय 'कोहबर, अरिपन आ संस्कार' सँ सीधा जुड़ल अछि। कमल कोहबरमे सौन्दर्य, शक्ति, जन्म आ मंगलक एकत्र संकेत दैत अछि।
४१९. (D) ई विवाहमे पवित्र उर्वरता सँ जुड़ल अछि। — कमल कोहबरमे सौन्दर्य, शक्ति, जन्म आ मंगलक एकत्र संकेत दैत अछि।
४२०. (D) कारण ई विवाहमे पवित्र उर्वरता केँ बुझाबैत अछि। — कमल कोहबरमे सौन्दर्य, शक्ति, जन्म आ मंगलक एकत्र संकेत दैत अछि।
४२१. (D) पूजा वा संस्कारक पवित्र आसन — अरिपनक बीच भाग देवता, कलश वा संस्कार-वस्तु लेल पवित्र स्थान बनबैत अछि।
४२२. (D) पूजा वा संस्कारक पवित्र आसन — अरिपनक बीच भाग देवता, कलश वा संस्कार-वस्तु लेल पवित्र स्थान बनबैत अछि।
४२३. (C) संस्कार आ मांगलिक चित्र — अरिपनक केन्द्र एहि खण्डक विषय 'कोहबर, अरिपन आ संस्कार' सँ सीधा जुड़ल अछि। अरिपनक बीच भाग देवता, कलश वा संस्कार-वस्तु लेल पवित्र स्थान बनबैत अछि।
४२४. (C) ई पूजा वा संस्कारक पवित्र आसन सँ जुड़ल अछि। — अरिपनक बीच भाग देवता, कलश वा संस्कार-वस्तु लेल पवित्र स्थान बनबैत अछि।
४२५. (B) कारण ई पूजा वा संस्कारक पवित्र आसन केँ बुझाबैत अछि। — अरिपनक बीच भाग देवता, कलश वा संस्कार-वस्तु लेल पवित्र स्थान बनबैत अछि।
४२६. (C) अरिपन बनबयक मुख्य पदार्थ — चाउरक पवित्रता आ अन्नक महत्त्व अरिपन केँ लोकजीवन सँ जोड़ैत अछि।
४२७. (C) अरिपन बनबयक मुख्य पदार्थ — चाउरक पवित्रता आ अन्नक महत्त्व अरिपन केँ लोकजीवन सँ जोड़ैत अछि।
४२८. (C) संस्कार आ मांगलिक चित्र — चाउर-पिठार एहि खण्डक विषय 'कोहबर, अरिपन आ संस्कार' सँ सीधा जुड़ल अछि। चाउरक पवित्रता आ अन्नक महत्त्व अरिपन केँ लोकजीवन सँ जोड़ैत अछि।
४२९. (C) ई अरिपन बनबयक मुख्य पदार्थ सँ जुड़ल अछि। — चाउरक पवित्रता आ अन्नक महत्त्व अरिपन केँ लोकजीवन सँ जोड़ैत अछि।
४३०. (C) कारण ई अरिपन बनबयक मुख्य पदार्थ केँ बुझाबैत अछि। — चाउरक पवित्रता आ अन्नक महत्त्व अरिपन केँ लोकजीवन सँ जोड़ैत अछि।
४३१. (D) दीक्षा-संस्कारक भूमि-चित्र — जीवनक नूतन अवस्था केँ चिह्नित करयमे अरिपन सहायक होइत अछि।
४३२. (D) दीक्षा-संस्कारक भूमि-चित्र — जीवनक नूतन अवस्था केँ चिह्नित करयमे अरिपन सहायक होइत अछि।
४३३. (C) संस्कार आ मांगलिक चित्र — उपनयन अरिपन एहि खण्डक विषय 'कोहबर, अरिपन आ संस्कार' सँ सीधा जुड़ल अछि। जीवनक नूतन अवस्था केँ चिह्नित करयमे अरिपन सहायक होइत अछि।
४३४. (C) ई दीक्षा-संस्कारक भूमि-चित्र सँ जुड़ल अछि। — जीवनक नूतन अवस्था केँ चिह्नित करयमे अरिपन सहायक होइत अछि।
४३५. (A) कारण ई दीक्षा-संस्कारक भूमि-चित्र केँ बुझाबैत अछि। — जीवनक नूतन अवस्था केँ चिह्नित करयमे अरिपन सहायक होइत अछि।
४३६. (C) सूर्य-आस्थासँ जुड़ल चित्र-विषय — सूर्य, अर्घ्य, जल आ श्रद्धा मिथिला चित्रकलामे छठक भाव व्यक्त करैत अछि।
४३७. (A) सूर्य-आस्थासँ जुड़ल चित्र-विषय — सूर्य, अर्घ्य, जल आ श्रद्धा मिथिला चित्रकलामे छठक भाव व्यक्त करैत अछि।
४३८. (C) संस्कार आ मांगलिक चित्र — छठ पूजा एहि खण्डक विषय 'कोहबर, अरिपन आ संस्कार' सँ सीधा जुड़ल अछि। सूर्य, अर्घ्य, जल आ श्रद्धा मिथिला चित्रकलामे छठक भाव व्यक्त करैत अछि।
४३९. (A) ई सूर्य-आस्थासँ जुड़ल चित्र-विषय सँ जुड़ल अछि। — सूर्य, अर्घ्य, जल आ श्रद्धा मिथिला चित्रकलामे छठक भाव व्यक्त करैत अछि।
४४०. (B) कारण ई सूर्य-आस्थासँ जुड़ल चित्र-विषय केँ बुझाबैत अछि। — सूर्य, अर्घ्य, जल आ श्रद्धा मिथिला चित्रकलामे छठक भाव व्यक्त करैत अछि।
४४१. (B) शक्ति-आराधनाक चित्र-विषय — देवी दुर्गाक चित्र शक्ति, रक्षा आ विजयक संकेत बनैत अछि।
४४२. (A) शक्ति-आराधनाक चित्र-विषय — देवी दुर्गाक चित्र शक्ति, रक्षा आ विजयक संकेत बनैत अछि।
४४३. (B) संस्कार आ मांगलिक चित्र — दुर्गा पूजा एहि खण्डक विषय 'कोहबर, अरिपन आ संस्कार' सँ सीधा जुड़ल अछि। देवी दुर्गाक चित्र शक्ति, रक्षा आ विजयक संकेत बनैत अछि।
४४४. (C) ई शक्ति-आराधनाक चित्र-विषय सँ जुड़ल अछि। — देवी दुर्गाक चित्र शक्ति, रक्षा आ विजयक संकेत बनैत अछि।
४४५. (B) कारण ई शक्ति-आराधनाक चित्र-विषय केँ बुझाबैत अछि। — देवी दुर्गाक चित्र शक्ति, रक्षा आ विजयक संकेत बनैत अछि।
४४६. (A) रक्षण आ गूढ़ शक्तिक अभिव्यक्ति — कालीक चित्र तांत्रिक आ शक्ति-प्रधान शैलीसँ जुड़ि सकैत अछि।

४४७. (C) रक्षण आ गूढ शक्तिक अभिव्यक्ति — कालीक चित्र तांत्रिक आ शक्ति-प्रधान शैलीसँ जुड़ि सकैत अछि।
४४८. (C) संस्कार आ मांगलिक चित्र — काली पूजा एहि खण्डक विषय 'कोहबर, अरिपन आ संस्कार' सँ सीधा जुड़ल अछि। कालीक चित्र तांत्रिक आ शक्ति-प्रधान शैलीसँ जुड़ि सकैत अछि।
४४९. (C) ई रक्षण आ गूढ शक्तिक अभिव्यक्ति सँ जुड़ल अछि। — कालीक चित्र तांत्रिक आ शक्ति-प्रधान शैलीसँ जुड़ि सकैत अछि।
४५०. (A) कारण ई रक्षण आ गूढ शक्तिक अभिव्यक्ति केँ बुझाबैत अछि। — कालीक चित्र तांत्रिक आ शक्ति-प्रधान शैलीसँ जुड़ि सकैत अछि।
४५१. (B) नवजीवनक मंगल चित्र — बालक जन्म पर बनल चिह्न घरक हर्ष, रक्षा आ आशीष व्यक्त करैत अछि।
४५२. (A) नवजीवनक मंगल चित्र — बालक जन्म पर बनल चिह्न घरक हर्ष, रक्षा आ आशीष व्यक्त करैत अछि।
४५३. (B) संस्कार आ मांगलिक चित्र — जन्म-संस्कार एहि खण्डक विषय 'कोहबर, अरिपन आ संस्कार' सँ सीधा जुड़ल अछि। बालक जन्म पर बनल चिह्न घरक हर्ष, रक्षा आ आशीष व्यक्त करैत अछि।
४५४. (C) ई नवजीवनक मंगल चित्र सँ जुड़ल अछि। — बालक जन्म पर बनल चिह्न घरक हर्ष, रक्षा आ आशीष व्यक्त करैत अछि।
४५५. (C) कारण ई नवजीवनक मंगल चित्र केँ बुझाबैत अछि। — बालक जन्म पर बनल चिह्न घरक हर्ष, रक्षा आ आशीष व्यक्त करैत अछि।
४५६. (A) जीवन-चक्रक एक संस्कार — लोक-संस्कारक अवसर पर भूमि वा देवाल सजाबयक परम्परा चित्रकला सँ जुड़ल अछि।
४५७. (B) जीवन-चक्रक एक संस्कार — लोक-संस्कारक अवसर पर भूमि वा देवाल सजाबयक परम्परा चित्रकला सँ जुड़ल अछि।
४५८. (D) संस्कार आ मांगलिक चित्र — मुण्डन-संस्कार एहि खण्डक विषय 'कोहबर, अरिपन आ संस्कार' सँ सीधा जुड़ल अछि। लोक-संस्कारक अवसर पर भूमि वा देवाल सजाबयक परम्परा चित्रकला सँ जुड़ल अछि।
४५९. (B) ई जीवन-चक्रक एक संस्कार सँ जुड़ल अछि। — लोक-संस्कारक अवसर पर भूमि वा देवाल सजाबयक परम्परा चित्रकला सँ जुड़ल अछि।
४६०. (C) कारण ई जीवन-चक्रक एक संस्कार केँ बुझाबैत अछि। — लोक-संस्कारक अवसर पर भूमि वा देवाल सजाबयक परम्परा चित्रकला सँ जुड़ल अछि।
४६१. (B) पूर्णता, जल आ मंगलक प्रतीक — पूजा आ विवाह चित्रमे कलश शुभ आरम्भ आ समृद्धि देखबैत अछि।
४६२. (D) पूर्णता, जल आ मंगलक प्रतीक — पूजा आ विवाह चित्रमे कलश शुभ आरम्भ आ समृद्धि देखबैत अछि।
४६३. (B) संस्कार आ मांगलिक चित्र — कलश एहि खण्डक विषय 'कोहबर, अरिपन आ संस्कार' सँ सीधा जुड़ल अछि। पूजा आ विवाह चित्रमे कलश शुभ आरम्भ आ समृद्धि देखबैत अछि।
४६४. (B) ई पूर्णता, जल आ मंगलक प्रतीक सँ जुड़ल अछि। — पूजा आ विवाह चित्रमे कलश शुभ आरम्भ आ समृद्धि देखबैत अछि।
४६५. (A) कारण ई पूर्णता, जल आ मंगलक प्रतीक केँ बुझाबैत अछि। — पूजा आ विवाह चित्रमे कलश शुभ आरम्भ आ समृद्धि देखबैत अछि।
४६६. (B) प्रकाश आ पवित्रताक चिन्ह — दीपक चित्र अज्ञान हटबाक, पूजा आ उत्सवक भाव दैत अछि।
४६७. (B) प्रकाश आ पवित्रताक चिन्ह — दीपक चित्र अज्ञान हटबाक, पूजा आ उत्सवक भाव दैत अछि।
४६८. (C) संस्कार आ मांगलिक चित्र — दीप एहि खण्डक विषय 'कोहबर, अरिपन आ संस्कार' सँ सीधा जुड़ल अछि। दीपक चित्र अज्ञान हटबाक, पूजा आ उत्सवक भाव दैत अछि।
४६९. (D) ई प्रकाश आ पवित्रताक चिन्ह सँ जुड़ल अछि। — दीपक चित्र अज्ञान हटबाक, पूजा आ उत्सवक भाव दैत अछि।
४७०. (D) कारण ई प्रकाश आ पवित्रताक चिन्ह केँ बुझाबैत अछि। — दीपक चित्र अज्ञान हटबाक, पूजा आ उत्सवक भाव दैत अछि।
४७१. (C) मंगल आ शुभारम्भक चिन्ह — स्वस्तिक लोक-आचारमे शुभ दिशा आ मंगल कार्यक संकेत बनैत अछि।
४७२. (D) मंगल आ शुभारम्भक चिन्ह — स्वस्तिक लोक-आचारमे शुभ दिशा आ मंगल कार्यक संकेत बनैत अछि।
४७३. (B) संस्कार आ मांगलिक चित्र — स्वस्तिक एहि खण्डक विषय 'कोहबर, अरिपन आ संस्कार' सँ सीधा जुड़ल अछि। स्वस्तिक लोक-आचारमे शुभ दिशा आ मंगल कार्यक संकेत बनैत अछि।
४७४. (C) ई मंगल आ शुभारम्भक चिन्ह सँ जुड़ल अछि। — स्वस्तिक लोक-आचारमे शुभ दिशा आ मंगल कार्यक संकेत बनैत अछि।
४७५. (A) कारण ई मंगल आ शुभारम्भक चिन्ह केँ बुझाबैत अछि। — स्वस्तिक लोक-आचारमे शुभ दिशा आ मंगल कार्यक संकेत बनैत अछि।
४७६. (D) मंगल, हरियरी आ जीवन — पूजा-सजावटमे आम-पात जीवन-ऊर्जा आ शुद्धताक रूपक अछि।
४७७. (A) मंगल, हरियरी आ जीवन — पूजा-सजावटमे आम-पात जीवन-ऊर्जा आ शुद्धताक रूपक अछि।

४७८. (A) संस्कार आ मांगलिक चित्र — आमक पात एहि खण्डक विषय 'कोहबर, अरिपन आ संस्कार' सँ सीधा जुड़ल अछि। पूजा-सजावटमे आम-पात जीवन-ऊर्जा आ शुद्धताक रूपक अछि।
४७९. (A) ई मंगल, हरियरी आ जीवन सँ जुड़ल अछि। — पूजा-सजावटमे आम-पात जीवन-ऊर्जा आ शुद्धताक रूपक अछि।
४८०. (C) कारण ई मंगल, हरियरी आ जीवन कें बुझाबैत अछि। — पूजा-सजावटमे आम-पात जीवन-ऊर्जा आ शुद्धताक रूपक अछि।
४८१. (A) नियम, आस्था आ सामूहिक स्मरण — व्रत-उत्सवमे चित्र पूजा-कथा कें देखय योग्य रूप दैत अछि।
४८२. (D) नियम, आस्था आ सामूहिक स्मरण — व्रत-उत्सवमे चित्र पूजा-कथा कें देखय योग्य रूप दैत अछि।
४८३. (C) संस्कार आ मांगलिक चित्र — व्रतक चित्र एहि खण्डक विषय 'कोहबर, अरिपन आ संस्कार' सँ सीधा जुड़ल अछि। व्रत-उत्सवमे चित्र पूजा-कथा कें देखय योग्य रूप दैत अछि।
४८४. (A) ई नियम, आस्था आ सामूहिक स्मरण सँ जुड़ल अछि। — व्रत-उत्सवमे चित्र पूजा-कथा कें देखय योग्य रूप दैत अछि।
४८५. (B) कारण ई नियम, आस्था आ सामूहिक स्मरण कें बुझाबैत अछि। — व्रत-उत्सवमे चित्र पूजा-कथा कें देखय योग्य रूप दैत अछि।
४८६. (C) भूमि-चित्रक पारम्परिक स्थान — घरक आँगन समाज, पूजा आ परिवारक साझा मंच रहल अछि।
४८७. (B) भूमि-चित्रक पारम्परिक स्थान — घरक आँगन समाज, पूजा आ परिवारक साझा मंच रहल अछि।
४८८. (B) संस्कार आ मांगलिक चित्र — आँगन एहि खण्डक विषय 'कोहबर, अरिपन आ संस्कार' सँ सीधा जुड़ल अछि। घरक आँगन समाज, पूजा आ परिवारक साझा मंच रहल अछि।
४८९. (D) ई भूमि-चित्रक पारम्परिक स्थान सँ जुड़ल अछि। — घरक आँगन समाज, पूजा आ परिवारक साझा मंच रहल अछि।
४९०. (A) कारण ई भूमि-चित्रक पारम्परिक स्थान कें बुझाबैत अछि। — घरक आँगन समाज, पूजा आ परिवारक साझा मंच रहल अछि।
४९१. (A) चित्रणपूर्व सतह शुद्ध करब — देवाल वा आँगन लीपलासँ पवित्र, समतल आ नूतन सतह बनैत अछि।
४९२. (C) चित्रणपूर्व सतह शुद्ध करब — देवाल वा आँगन लीपलासँ पवित्र, समतल आ नूतन सतह बनैत अछि।
४९३. (B) संस्कार आ मांगलिक चित्र — माटि लीपब एहि खण्डक विषय 'कोहबर, अरिपन आ संस्कार' सँ सीधा जुड़ल अछि। देवाल वा आँगन लीपलासँ पवित्र, समतल आ नूतन सतह बनैत अछि।
४९४. (C) ई चित्रणपूर्व सतह शुद्ध करब सँ जुड़ल अछि। — देवाल वा आँगन लीपलासँ पवित्र, समतल आ नूतन सतह बनैत अछि।
४९५. (C) कारण ई चित्रणपूर्व सतह शुद्ध करब कें बुझाबैत अछि। — देवाल वा आँगन लीपलासँ पवित्र, समतल आ नूतन सतह बनैत अछि।
४९६. (B) पूजा वा संस्कार लेल चिह्नित स्थान — मंगल चौक स्थान कें सामान्यसँ पवित्र बनबैत अछि।
४९७. (A) पूजा वा संस्कार लेल चिह्नित स्थान — मंगल चौक स्थान कें सामान्यसँ पवित्र बनबैत अछि।
४९८. (B) संस्कार आ मांगलिक चित्र — मंगल चौक एहि खण्डक विषय 'कोहबर, अरिपन आ संस्कार' सँ सीधा जुड़ल अछि। मंगल चौक स्थान कें सामान्यसँ पवित्र बनबैत अछि।
४९९. (A) ई पूजा वा संस्कार लेल चिह्नित स्थान सँ जुड़ल अछि। — मंगल चौक स्थान कें सामान्यसँ पवित्र बनबैत अछि।
५००. (D) कारण ई पूजा वा संस्कार लेल चिह्नित स्थान कें बुझाबैत अछि। — मंगल चौक स्थान कें सामान्यसँ पवित्र बनबैत अछि।
५०१. (B) आदर्श दाम्पत्य आ धर्मक कथा-विषय — मिथिला चित्रकलामे सीताक जन्मभूमि-संस्कृति राम-सीता प्रसंग कें विशेष भाव दैत अछि।
५०२. (C) आदर्श दाम्पत्य आ धर्मक कथा-विषय — मिथिला चित्रकलामे सीताक जन्मभूमि-संस्कृति राम-सीता प्रसंग कें विशेष भाव दैत अछि।
५०३. (C) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय — राम-सीता एहि खण्डक विषय 'देवी-देवता, कथा आ पर्व' सँ सीधा जुड़ल अछि। मिथिला चित्रकलामे सीताक जन्मभूमि-संस्कृति राम-सीता प्रसंग कें विशेष भाव दैत अछि।
५०४. (D) ई आदर्श दाम्पत्य आ धर्मक कथा-विषय सँ जुड़ल अछि। — मिथिला चित्रकलामे सीताक जन्मभूमि-संस्कृति राम-सीता प्रसंग कें विशेष भाव दैत अछि।
५०५. (D) कारण ई आदर्श दाम्पत्य आ धर्मक कथा-विषय कें बुझाबैत अछि। — मिथिला चित्रकलामे सीताक जन्मभूमि-संस्कृति राम-सीता प्रसंग कें विशेष भाव दैत अछि।
५०६. (B) मिथिलाक लोक-स्मृति सँ जुड़ल देवी-स्वरूप — सीता मिथिला समाजमे बेटी, धरती आ शीलक प्रतीक रूपेँ आदर पबैत छथि।
५०७. (D) मिथिलाक लोक-स्मृति सँ जुड़ल देवी-स्वरूप — सीता मिथिला समाजमे बेटी, धरती आ शीलक प्रतीक रूपेँ आदर पबैत छथि।

५०८. (C) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय — सीता एहि खण्डक विषय 'देवी-देवता, कथा आ पर्व' सँ सीधा जुड़ल अछि। सीता मिथिला समाजमे बेटी, धरती आ शीलक प्रतीक रूपेँ आदर पबैत छथि।
५०९. (C) ई मिथिलाक लोक-स्मृति सँ जुड़ल देवी-स्वरूप सँ जुड़ल अछि। — सीता मिथिला समाजमे बेटी, धरती आ शीलक प्रतीक रूपेँ आदर पबैत छथि।
५१०. (A) कारण ई मिथिलाक लोक-स्मृति सँ जुड़ल देवी-स्वरूप केँ बुझाबैत अछि। — सीता मिथिला समाजमे बेटी, धरती आ शीलक प्रतीक रूपेँ आदर पबैत छथि।
५११. (C) प्रेम, भक्ति आ लीला — राधा-कृष्ण विषय रंग, नृत्य, संगीत आ प्रेम-भक्ति केँ चित्रमे लयैत अछि।
५१२. (B) प्रेम, भक्ति आ लीला — राधा-कृष्ण विषय रंग, नृत्य, संगीत आ प्रेम-भक्ति केँ चित्रमे लयैत अछि।
५१३. (D) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय — राधा-कृष्ण एहि खण्डक विषय 'देवी-देवता, कथा आ पर्व' सँ सीधा जुड़ल अछि। राधा-कृष्ण विषय रंग, नृत्य, संगीत आ प्रेम-भक्ति केँ चित्रमे लयैत अछि।
५१४. (B) ई प्रेम, भक्ति आ लीला सँ जुड़ल अछि। — राधा-कृष्ण विषय रंग, नृत्य, संगीत आ प्रेम-भक्ति केँ चित्रमे लयैत अछि।
५१५. (B) कारण ई प्रेम, भक्ति आ लीला केँ बुझाबैत अछि। — राधा-कृष्ण विषय रंग, नृत्य, संगीत आ प्रेम-भक्ति केँ चित्रमे लयैत अछि।
५१६. (C) दाम्पत्य, तप आ शक्ति-संतुलन — शिव-पार्वतीक चित्र लोक-आस्था आ पारिवारिक मंगल दुनू सँ जुड़ल अछि।
५१७. (B) दाम्पत्य, तप आ शक्ति-संतुलन — शिव-पार्वतीक चित्र लोक-आस्था आ पारिवारिक मंगल दुनू सँ जुड़ल अछि।
५१८. (A) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय — शिव-पार्वती एहि खण्डक विषय 'देवी-देवता, कथा आ पर्व' सँ सीधा जुड़ल अछि। शिव-पार्वतीक चित्र लोक-आस्था आ पारिवारिक मंगल दुनू सँ जुड़ल अछि।
५१९. (C) ई दाम्पत्य, तप आ शक्ति-संतुलन सँ जुड़ल अछि। — शिव-पार्वतीक चित्र लोक-आस्था आ पारिवारिक मंगल दुनू सँ जुड़ल अछि।
५२०. (A) कारण ई दाम्पत्य, तप आ शक्ति-संतुलन केँ बुझाबैत अछि। — शिव-पार्वतीक चित्र लोक-आस्था आ पारिवारिक मंगल दुनू सँ जुड़ल अछि।
५२१. (A) आरम्भ आ विघ्न-निवारणक देवता — चित्रक आरम्भ वा पूजा प्रसंगमे गणेशक उपस्थितिक शुभ अर्थ अछि।
५२२. (B) आरम्भ आ विघ्न-निवारणक देवता — चित्रक आरम्भ वा पूजा प्रसंगमे गणेशक उपस्थितिक शुभ अर्थ अछि।
५२३. (B) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय — गणेश एहि खण्डक विषय 'देवी-देवता, कथा आ पर्व' सँ सीधा जुड़ल अछि। चित्रक आरम्भ वा पूजा प्रसंगमे गणेशक उपस्थितिक शुभ अर्थ अछि।
५२४. (C) ई आरम्भ आ विघ्न-निवारणक देवता सँ जुड़ल अछि। — चित्रक आरम्भ वा पूजा प्रसंगमे गणेशक उपस्थितिक शुभ अर्थ अछि।
५२५. (A) कारण ई आरम्भ आ विघ्न-निवारणक देवता केँ बुझाबैत अछि। — चित्रक आरम्भ वा पूजा प्रसंगमे गणेशक उपस्थितिक शुभ अर्थ अछि।
५२६. (B) समृद्धि आ सौभाग्य — लक्ष्मीक चित्र धन, अन्न, कमल आ गृह-संपन्नताक भाव दैत अछि।
५२७. (A) समृद्धि आ सौभाग्य — लक्ष्मीक चित्र धन, अन्न, कमल आ गृह-संपन्नताक भाव दैत अछि।
५२८. (B) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय — लक्ष्मी एहि खण्डक विषय 'देवी-देवता, कथा आ पर्व' सँ सीधा जुड़ल अछि। लक्ष्मीक चित्र धन, अन्न, कमल आ गृह-संपन्नताक भाव दैत अछि।
५२९. (B) ई समृद्धि आ सौभाग्य सँ जुड़ल अछि। — लक्ष्मीक चित्र धन, अन्न, कमल आ गृह-संपन्नताक भाव दैत अछि।
५३०. (C) कारण ई समृद्धि आ सौभाग्य केँ बुझाबैत अछि। — लक्ष्मीक चित्र धन, अन्न, कमल आ गृह-संपन्नताक भाव दैत अछि।
५३१. (D) विद्या, कला आ वाणी — सरस्वती चित्रकला, संगीत आ शिक्षा सँ जुड़ल देवी छथि।
५३२. (C) विद्या, कला आ वाणी — सरस्वती चित्रकला, संगीत आ शिक्षा सँ जुड़ल देवी छथि।
५३३. (C) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय — सरस्वती एहि खण्डक विषय 'देवी-देवता, कथा आ पर्व' सँ सीधा जुड़ल अछि। सरस्वती चित्रकला, संगीत आ शिक्षा सँ जुड़ल देवी छथि।
५३४. (B) ई विद्या, कला आ वाणी सँ जुड़ल अछि। — सरस्वती चित्रकला, संगीत आ शिक्षा सँ जुड़ल देवी छथि।
५३५. (C) कारण ई विद्या, कला आ वाणी केँ बुझाबैत अछि। — सरस्वती चित्रकला, संगीत आ शिक्षा सँ जुड़ल देवी छथि।
५३६. (C) शक्ति आ संरक्षण — दुर्गाक सिंहवाहिनी रूप अन्याय पर विजयक रूपक बनैत अछि।
५३७. (C) शक्ति आ संरक्षण — दुर्गाक सिंहवाहिनी रूप अन्याय पर विजयक रूपक बनैत अछि।

५३८. (A) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय — दुर्गा एहि खण्डक विषय 'देवी-देवता, कथा आ पर्व' सँ सीधा जुड़ल अछि। दुर्गाक सिंहवाहिनी रूप अन्याय पर विजयक रूपक बनैत अछि।
५३९. (B) ई शक्ति आ संरक्षण सँ जुड़ल अछि। — दुर्गाक सिंहवाहिनी रूप अन्याय पर विजयक रूपक बनैत अछि।
५४०. (A) कारण ई शक्ति आ संरक्षण केँ बुझाबैत अछि। — दुर्गाक सिंहवाहिनी रूप अन्याय पर विजयक रूपक बनैत अछि।
५४१. (D) गूढ़ शक्ति आ रक्षण — काली चित्रमे तीव्रता, शक्ति आ तांत्रिक भाव बेसी रहैत अछि।
५४२. (D) गूढ़ शक्ति आ रक्षण — काली चित्रमे तीव्रता, शक्ति आ तांत्रिक भाव बेसी रहैत अछि।
५४३. (A) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय — काली एहि खण्डक विषय 'देवी-देवता, कथा आ पर्व' सँ सीधा जुड़ल अछि। काली चित्रमे तीव्रता, शक्ति आ तांत्रिक भाव बेसी रहैत अछि।
५४४. (C) ई गूढ़ शक्ति आ रक्षण सँ जुड़ल अछि। — काली चित्रमे तीव्रता, शक्ति आ तांत्रिक भाव बेसी रहैत अछि।
५४५. (C) कारण ई गूढ़ शक्ति आ रक्षण केँ बुझाबैत अछि। — काली चित्रमे तीव्रता, शक्ति आ तांत्रिक भाव बेसी रहैत अछि।
५४६. (B) प्रकाश, ऋतु आ जीवन-ऊर्जा — सूर्य-पूजा आ छठ पर्व मिथिला चित्रकलामे सूर्यक महत्त्व बढ़बैत अछि।
५४७. (A) प्रकाश, ऋतु आ जीवन-ऊर्जा — सूर्य-पूजा आ छठ पर्व मिथिला चित्रकलामे सूर्यक महत्त्व बढ़बैत अछि।
५४८. (C) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय — सूर्य देव एहि खण्डक विषय 'देवी-देवता, कथा आ पर्व' सँ सीधा जुड़ल अछि। सूर्य-पूजा आ छठ पर्व मिथिला चित्रकलामे सूर्यक महत्त्व बढ़बैत अछि।
५४९. (C) ई प्रकाश, ऋतु आ जीवन-ऊर्जा सँ जुड़ल अछि। — सूर्य-पूजा आ छठ पर्व मिथिला चित्रकलामे सूर्यक महत्त्व बढ़बैत अछि।
५५०. (B) कारण ई प्रकाश, ऋतु आ जीवन-ऊर्जा केँ बुझाबैत अछि। — सूर्य-पूजा आ छठ पर्व मिथिला चित्रकलामे सूर्यक महत्त्व बढ़बैत अछि।
५५१. (B) भक्ति, बल आ सेवा — हनुमान चित्र रामकथाक साहस आ निष्ठाक संकेत दैत अछि।
५५२. (D) भक्ति, बल आ सेवा — हनुमान चित्र रामकथाक साहस आ निष्ठाक संकेत दैत अछि।
५५३. (B) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय — हनुमान एहि खण्डक विषय 'देवी-देवता, कथा आ पर्व' सँ सीधा जुड़ल अछि। हनुमान चित्र रामकथाक साहस आ निष्ठाक संकेत दैत अछि।
५५४. (A) ई भक्ति, बल आ सेवा सँ जुड़ल अछि। — हनुमान चित्र रामकथाक साहस आ निष्ठाक संकेत दैत अछि।
५५५. (A) कारण ई भक्ति, बल आ सेवा केँ बुझाबैत अछि। — हनुमान चित्र रामकथाक साहस आ निष्ठाक संकेत दैत अछि।
५५६. (B) धरती, जल आ रक्षा — नाग-विषय लोकविश्वास, तांत्रिक शक्ति आ ग्राम्य रक्षा सँ जुड़ैत अछि।
५५७. (D) धरती, जल आ रक्षा — नाग-विषय लोकविश्वास, तांत्रिक शक्ति आ ग्राम्य रक्षा सँ जुड़ैत अछि।
५५८. (A) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय — नाग देवता एहि खण्डक विषय 'देवी-देवता, कथा आ पर्व' सँ सीधा जुड़ल अछि। नाग-विषय लोकविश्वास, तांत्रिक शक्ति आ ग्राम्य रक्षा सँ जुड़ैत अछि।
५५९. (D) ई धरती, जल आ रक्षा सँ जुड़ल अछि। — नाग-विषय लोकविश्वास, तांत्रिक शक्ति आ ग्राम्य रक्षा सँ जुड़ैत अछि।
५६०. (A) कारण ई धरती, जल आ रक्षा केँ बुझाबैत अछि। — नाग-विषय लोकविश्वास, तांत्रिक शक्ति आ ग्राम्य रक्षा सँ जुड़ैत अछि।
५६१. (C) कथा-चित्रणक महत्त्वपूर्ण स्रोत — मिथिला चित्रकलामे रामायणक प्रसंग लोकभाषी चित्रकथामे बदलि जाएत अछि।
५६२. (D) कथा-चित्रणक महत्त्वपूर्ण स्रोत — मिथिला चित्रकलामे रामायणक प्रसंग लोकभाषी चित्रकथामे बदलि जाएत अछि।
५६३. (B) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय — रामायण प्रसंग एहि खण्डक विषय 'देवी-देवता, कथा आ पर्व' सँ सीधा जुड़ल अछि। मिथिला चित्रकलामे रामायणक प्रसंग लोकभाषी चित्रकथामे बदलि जाएत अछि।
५६४. (D) ई कथा-चित्रणक महत्त्वपूर्ण स्रोत सँ जुड़ल अछि। — मिथिला चित्रकलामे रामायणक प्रसंग लोकभाषी चित्रकथामे बदलि जाएत अछि।
५६५. (B) कारण ई कथा-चित्रणक महत्त्वपूर्ण स्रोत केँ बुझाबैत अछि। — मिथिला चित्रकलामे रामायणक प्रसंग लोकभाषी चित्रकथामे बदलि जाएत अछि।
५६६. (A) धर्म-संघर्ष आ नायकत्वक कथा — महाभारत विषय कलाकार केँ बहुपात्र कथा आ नैतिक प्रश्न देखाबयक अवसर दैत अछि।
५६७. (B) धर्म-संघर्ष आ नायकत्वक कथा — महाभारत विषय कलाकार केँ बहुपात्र कथा आ नैतिक प्रश्न देखाबयक अवसर दैत अछि।

५६८. (C) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय — महाभारत प्रसंग एहि खण्डक विषय 'देवी-देवता, कथा आ पर्व' सँ सीधा जुड़ल अछि। महाभारत विषय कलाकार केँ बहुपात्र कथा आ नैतिक प्रश्न देखाबयक अवसर दैत अछि।
५६९. (B) ई धर्म-संघर्ष आ नायकत्वक कथा सँ जुड़ल अछि। — महाभारत विषय कलाकार केँ बहुपात्र कथा आ नैतिक प्रश्न देखाबयक अवसर दैत अछि।
५७०. (B) कारण ई धर्म-संघर्ष आ नायकत्वक कथा केँ बुझाबैत अछि। — महाभारत विषय कलाकार केँ बहुपात्र कथा आ नैतिक प्रश्न देखाबयक अवसर दैत अछि।
५७१. (A) नृत्य, बाँसुरी आ गोप-जीवन — कृष्ण लीला रंग, वृन्दावन भाव, प्रेम आ संगीतक जीवंत विषय अछि।
५७२. (A) नृत्य, बाँसुरी आ गोप-जीवन — कृष्ण लीला रंग, वृन्दावन भाव, प्रेम आ संगीतक जीवंत विषय अछि।
५७३. (D) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय — कृष्ण लीला एहि खण्डक विषय 'देवी-देवता, कथा आ पर्व' सँ सीधा जुड़ल अछि। कृष्ण लीला रंग, वृन्दावन भाव, प्रेम आ संगीतक जीवंत विषय अछि।
५७४. (B) ई नृत्य, बाँसुरी आ गोप-जीवन सँ जुड़ल अछि। — कृष्ण लीला रंग, वृन्दावन भाव, प्रेम आ संगीतक जीवंत विषय अछि।
५७५. (B) कारण ई नृत्य, बाँसुरी आ गोप-जीवन केँ बुझाबैत अछि। — कृष्ण लीला रंग, वृन्दावन भाव, प्रेम आ संगीतक जीवंत विषय अछि।
५७६. (C) दुर्गा आ विजयक पर्व-विषय — दशहरा चित्रमे शक्ति, शस्त्र, सिंह आ असुर-वधक बिम्ब देखाइ पड़ि सकैत अछि।
५७७. (B) दुर्गा आ विजयक पर्व-विषय — दशहरा चित्रमे शक्ति, शस्त्र, सिंह आ असुर-वधक बिम्ब देखाइ पड़ि सकैत अछि।
५७८. (C) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय — दशहरा एहि खण्डक विषय 'देवी-देवता, कथा आ पर्व' सँ सीधा जुड़ल अछि। दशहरा चित्रमे शक्ति, शस्त्र, सिंह आ असुर-वधक बिम्ब देखाइ पड़ि सकैत अछि।
५७९. (C) ई दुर्गा आ विजयक पर्व-विषय सँ जुड़ल अछि। — दशहरा चित्रमे शक्ति, शस्त्र, सिंह आ असुर-वधक बिम्ब देखाइ पड़ि सकैत अछि।
५८०. (A) कारण ई दुर्गा आ विजयक पर्व-विषय केँ बुझाबैत अछि। — दशहरा चित्रमे शक्ति, शस्त्र, सिंह आ असुर-वधक बिम्ब देखाइ पड़ि सकैत अछि।
५८१. (D) रंग, उल्लास आ सामूहिकता — होली विषय मिथिला चित्रकलाक रंग-प्रधान स्वभावसँ सहज मेल खाइत अछि।
५८२. (A) रंग, उल्लास आ सामूहिकता — होली विषय मिथिला चित्रकलाक रंग-प्रधान स्वभावसँ सहज मेल खाइत अछि।
५८३. (B) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय — होली एहि खण्डक विषय 'देवी-देवता, कथा आ पर्व' सँ सीधा जुड़ल अछि। होली विषय मिथिला चित्रकलाक रंग-प्रधान स्वभावसँ सहज मेल खाइत अछि।
५८४. (A) ई रंग, उल्लास आ सामूहिकता सँ जुड़ल अछि। — होली विषय मिथिला चित्रकलाक रंग-प्रधान स्वभावसँ सहज मेल खाइत अछि।
५८५. (D) कारण ई रंग, उल्लास आ सामूहिकता केँ बुझाबैत अछि। — होली विषय मिथिला चित्रकलाक रंग-प्रधान स्वभावसँ सहज मेल खाइत अछि।
५८६. (D) दीप, लक्ष्मी आ उजियार — दीपावली चित्रमे प्रकाश, लक्ष्मी, घर-सजावट आ मंगल भाव रहैत अछि।
५८७. (C) दीप, लक्ष्मी आ उजियार — दीपावली चित्रमे प्रकाश, लक्ष्मी, घर-सजावट आ मंगल भाव रहैत अछि।
५८८. (C) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय — दीपावली एहि खण्डक विषय 'देवी-देवता, कथा आ पर्व' सँ सीधा जुड़ल अछि। दीपावली चित्रमे प्रकाश, लक्ष्मी, घर-सजावट आ मंगल भाव रहैत अछि।
५८९. (C) ई दीप, लक्ष्मी आ उजियार सँ जुड़ल अछि। — दीपावली चित्रमे प्रकाश, लक्ष्मी, घर-सजावट आ मंगल भाव रहैत अछि।
५९०. (D) कारण ई दीप, लक्ष्मी आ उजियार केँ बुझाबैत अछि। — दीपावली चित्रमे प्रकाश, लक्ष्मी, घर-सजावट आ मंगल भाव रहैत अछि।
५९१. (D) जल, सूर्य आ अर्घ्यक दृश्य — छठक चित्रमे नदी/पोखरि, अर्घ्य, सूर्य आ श्रद्धालु लोक मुख्य बिम्ब बनैत अछि।
५९२. (D) जल, सूर्य आ अर्घ्यक दृश्य — छठक चित्रमे नदी/पोखरि, अर्घ्य, सूर्य आ श्रद्धालु लोक मुख्य बिम्ब बनैत अछि।
५९३. (C) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय — छठ एहि खण्डक विषय 'देवी-देवता, कथा आ पर्व' सँ सीधा जुड़ल अछि। छठक चित्रमे नदी/पोखरि, अर्घ्य, सूर्य आ श्रद्धालु लोक मुख्य बिम्ब बनैत अछि।
५९४. (D) ई जल, सूर्य आ अर्घ्यक दृश्य सँ जुड़ल अछि। — छठक चित्रमे नदी/पोखरि, अर्घ्य, सूर्य आ श्रद्धालु लोक मुख्य बिम्ब बनैत अछि।
५९५. (A) कारण ई जल, सूर्य आ अर्घ्यक दृश्य केँ बुझाबैत अछि। — छठक चित्रमे नदी/पोखरि, अर्घ्य, सूर्य आ श्रद्धालु लोक मुख्य बिम्ब बनैत अछि।
५९६. (B) गामक स्मृति आ नैतिक सीख — देवकथा मात्र नहि, लोककथा सेहो मिथिला चित्रकलाक विषय बनि सकैत अछि।
५९७. (D) गामक स्मृति आ नैतिक सीख — देवकथा मात्र नहि, लोककथा सेहो मिथिला चित्रकलाक विषय बनि सकैत अछि।

५९८. (A) आस्था, कथा आ पर्वक चित्र-विषय — स्थानीय लोककथा एहि खण्डक विषय 'देवी-देवता, कथा आ पर्व' सँ सीधा जुड़ल अछि। देवकथा मात्र नहि, लोककथा सेहो मिथिला चित्रकलाक विषय बनि सकैत अछि।
५९९. (A) ई गामक स्मृति आ नैतिक सीख सँ जुड़ल अछि। — देवकथा मात्र नहि, लोककथा सेहो मिथिला चित्रकलाक विषय बनि सकैत अछि।
६००. (C) कारण ई गामक स्मृति आ नैतिक सीख केँ बुझाबैत अछि। — देवकथा मात्र नहि, लोककथा सेहो मिथिला चित्रकलाक विषय बनि सकैत अछि।
६०१. (D) जीवन, छाँह आ स्थायित्व — मिथिला चित्रकलामे गाछ मात्र पृष्ठभूमि नहि, जीवनक केन्द्र आ प्रकृति-सम्बन्धक चिन्ह अछि।
६०२. (D) जीवन, छाँह आ स्थायित्व — मिथिला चित्रकलामे गाछ मात्र पृष्ठभूमि नहि, जीवनक केन्द्र आ प्रकृति-सम्बन्धक चिन्ह अछि।
६०३. (C) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक — गाछ एहि खण्डक विषय 'प्रकृति, जीव-जंतु आ पर्यावरण' सँ सीधा जुड़ल अछि। मिथिला चित्रकलामे गाछ मात्र पृष्ठभूमि नहि, जीवनक केन्द्र आ प्रकृति-सम्बन्धक चिन्ह अछि।
६०४. (B) ई जीवन, छाँह आ स्थायित्व सँ जुड़ल अछि। — मिथिला चित्रकलामे गाछ मात्र पृष्ठभूमि नहि, जीवनक केन्द्र आ प्रकृति-सम्बन्धक चिन्ह अछि।
६०५. (B) कारण ई जीवन, छाँह आ स्थायित्व केँ बुझाबैत अछि। — मिथिला चित्रकलामे गाछ मात्र पृष्ठभूमि नहि, जीवनक केन्द्र आ प्रकृति-सम्बन्धक चिन्ह अछि।
६०६. (B) सृष्टि आ पीढ़ीक विस्तार — जीवन-वृक्षक शाखा सभ कुल, प्रकृति आ जीव-जगतक सम्बन्ध देखबैत अछि।
६०७. (D) सृष्टि आ पीढ़ीक विस्तार — जीवन-वृक्षक शाखा सभ कुल, प्रकृति आ जीव-जगतक सम्बन्ध देखबैत अछि।
६०८. (B) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक — जीवन-वृक्ष एहि खण्डक विषय 'प्रकृति, जीव-जंतु आ पर्यावरण' सँ सीधा जुड़ल अछि। जीवन-वृक्षक शाखा सभ कुल, प्रकृति आ जीव-जगतक सम्बन्ध देखबैत अछि।
६०९. (A) ई सृष्टि आ पीढ़ीक विस्तार सँ जुड़ल अछि। — जीवन-वृक्षक शाखा सभ कुल, प्रकृति आ जीव-जगतक सम्बन्ध देखबैत अछि।
६१०. (B) कारण ई सृष्टि आ पीढ़ीक विस्तार केँ बुझाबैत अछि। — जीवन-वृक्षक शाखा सभ कुल, प्रकृति आ जीव-जगतक सम्बन्ध देखबैत अछि।
६११. (A) जल-संसाधन आ ग्राम्य जीवन — पोखर मिथिलाक गाम, माछ, कमल, स्नान, पूजा आ पर्यावरणक केन्द्र रहल अछि।
६१२. (C) जल-संसाधन आ ग्राम्य जीवन — पोखर मिथिलाक गाम, माछ, कमल, स्नान, पूजा आ पर्यावरणक केन्द्र रहल अछि।
६१३. (A) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक — पोखर एहि खण्डक विषय 'प्रकृति, जीव-जंतु आ पर्यावरण' सँ सीधा जुड़ल अछि। पोखर मिथिलाक गाम, माछ, कमल, स्नान, पूजा आ पर्यावरणक केन्द्र रहल अछि।
६१४. (C) ई जल-संसाधन आ ग्राम्य जीवन सँ जुड़ल अछि। — पोखर मिथिलाक गाम, माछ, कमल, स्नान, पूजा आ पर्यावरणक केन्द्र रहल अछि।
६१५. (C) कारण ई जल-संसाधन आ ग्राम्य जीवन केँ बुझाबैत अछि। — पोखर मिथिलाक गाम, माछ, कमल, स्नान, पूजा आ पर्यावरणक केन्द्र रहल अछि।
६१६. (C) समृद्ध जल-जगत — समूहमे माछ चित्रित भेलासँ जीवन, गति आ जल-समृद्धिक बोध होइत अछि।
६१७. (C) समृद्ध जल-जगत — समूहमे माछ चित्रित भेलासँ जीवन, गति आ जल-समृद्धिक बोध होइत अछि।
६१८. (A) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक — माछक समूह एहि खण्डक विषय 'प्रकृति, जीव-जंतु आ पर्यावरण' सँ सीधा जुड़ल अछि। समूहमे माछ चित्रित भेलासँ जीवन, गति आ जल-समृद्धिक बोध होइत अछि।
६१९. (A) ई समृद्ध जल-जगत सँ जुड़ल अछि। — समूहमे माछ चित्रित भेलासँ जीवन, गति आ जल-समृद्धिक बोध होइत अछि।
६२०. (A) कारण ई समृद्ध जल-जगत केँ बुझाबैत अछि। — समूहमे माछ चित्रित भेलासँ जीवन, गति आ जल-समृद्धिक बोध होइत अछि।
६२१. (D) जल आ उर्वरता — जलजीव कोहबर आ प्रकृति-चित्रमे शुभता आ जीवन-चक्रक संकेत दैत अछि।
६२२. (C) जल आ उर्वरता — जलजीव कोहबर आ प्रकृति-चित्रमे शुभता आ जीवन-चक्रक संकेत दैत अछि।
६२३. (A) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक — कछुआ आ माछ एहि खण्डक विषय 'प्रकृति, जीव-जंतु आ पर्यावरण' सँ सीधा जुड़ल अछि। जलजीव कोहबर आ प्रकृति-चित्रमे शुभता आ जीवन-चक्रक संकेत दैत अछि।
६२४. (C) ई जल आ उर्वरता सँ जुड़ल अछि। — जलजीव कोहबर आ प्रकृति-चित्रमे शुभता आ जीवन-चक्रक संकेत दैत अछि।
६२५. (D) कारण ई जल आ उर्वरता केँ बुझाबैत अछि। — जलजीव कोहबर आ प्रकृति-चित्रमे शुभता आ जीवन-चक्रक संकेत दैत अछि।
६२६. (B) आकाश, सन्देश आ ऋतु — चिड़ै-चुनमुनीक चित्र प्रकृतिक जीवंतता आ लोकगीतक स्मृति जगबैत अछि।
६२७. (A) आकाश, सन्देश आ ऋतु — चिड़ै-चुनमुनीक चित्र प्रकृतिक जीवंतता आ लोकगीतक स्मृति जगबैत अछि।

६२८. (A) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक — चिरई एहि खण्डक विषय 'प्रकृति, जीव-जंतु आ पर्यावरण' सँ सीधा जुड़ल अछि। चिड़ै-चुनमुनीक चित्र प्रकृतिक जीवंतता आ लोकगीतक स्मृति जगबैत अछि।
६२९. (D) ई आकाश, सन्देश आ ऋतु सँ जुड़ल अछि। — चिड़ै-चुनमुनीक चित्र प्रकृतिक जीवंतता आ लोकगीतक स्मृति जगबैत अछि।
६३०. (A) कारण ई आकाश, सन्देश आ ऋतु केँ बुझाबैत अछि। — चिड़ै-चुनमुनीक चित्र प्रकृतिक जीवंतता आ लोकगीतक स्मृति जगबैत अछि।
६३१. (B) वर्षा ऋतुक उल्लास — मोरक नाच आ मेघक बिम्ब कृषक जीवन आ वर्षाक प्रतीक्षा सँ जुड़ल अछि।
६३२. (B) वर्षा ऋतुक उल्लास — मोरक नाच आ मेघक बिम्ब कृषक जीवन आ वर्षाक प्रतीक्षा सँ जुड़ल अछि।
६३३. (B) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक — मोर आ मेघ एहि खण्डक विषय 'प्रकृति, जीव-जंतु आ पर्यावरण' सँ सीधा जुड़ल अछि। मोरक नाच आ मेघक बिम्ब कृषक जीवन आ वर्षाक प्रतीक्षा सँ जुड़ल अछि।
६३४. (A) ई वर्षा ऋतुक उल्लास सँ जुड़ल अछि। — मोरक नाच आ मेघक बिम्ब कृषक जीवन आ वर्षाक प्रतीक्षा सँ जुड़ल अछि।
६३५. (B) कारण ई वर्षा ऋतुक उल्लास केँ बुझाबैत अछि। — मोरक नाच आ मेघक बिम्ब कृषक जीवन आ वर्षाक प्रतीक्षा सँ जुड़ल अछि।
६३६. (B) पालन, दूध आ गृहस्थ जीवन — गाय-बछड़ा चित्र गामक पोषण-व्यवस्था आ स्नेहक बिम्ब अछि।
६३७. (C) पालन, दूध आ गृहस्थ जीवन — गाय-बछड़ा चित्र गामक पोषण-व्यवस्था आ स्नेहक बिम्ब अछि।
६३८. (C) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक — गाय-बछड़ा एहि खण्डक विषय 'प्रकृति, जीव-जंतु आ पर्यावरण' सँ सीधा जुड़ल अछि। गाय-बछड़ा चित्र गामक पोषण-व्यवस्था आ स्नेहक बिम्ब अछि।
६३९. (C) ई पालन, दूध आ गृहस्थ जीवन सँ जुड़ल अछि। — गाय-बछड़ा चित्र गामक पोषण-व्यवस्था आ स्नेहक बिम्ब अछि।
६४०. (A) कारण ई पालन, दूध आ गृहस्थ जीवन केँ बुझाबैत अछि। — गाय-बछड़ा चित्र गामक पोषण-व्यवस्था आ स्नेहक बिम्ब अछि।
६४१. (A) उत्सव आ शक्ति — हाथी सामाजिक समारोहक गरिमा आ शुभता बढ़बैत अछि।
६४२. (C) उत्सव आ शक्ति — हाथी सामाजिक समारोहक गरिमा आ शुभता बढ़बैत अछि।
६४३. (C) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक — हाथी-जुलूस एहि खण्डक विषय 'प्रकृति, जीव-जंतु आ पर्यावरण' सँ सीधा जुड़ल अछि। हाथी सामाजिक समारोहक गरिमा आ शुभता बढ़बैत अछि।
६४४. (A) ई उत्सव आ शक्ति सँ जुड़ल अछि। — हाथी सामाजिक समारोहक गरिमा आ शुभता बढ़बैत अछि।
६४५. (D) कारण ई उत्सव आ शक्ति केँ बुझाबैत अछि। — हाथी सामाजिक समारोहक गरिमा आ शुभता बढ़बैत अछि।
६४६. (D) यात्रा, गति आ वीरता — घोड़ा जुलूस, विवाह वा कथा प्रसंगमे गति आ ऊर्जाक प्रतीक बनैत अछि।
६४७. (B) यात्रा, गति आ वीरता — घोड़ा जुलूस, विवाह वा कथा प्रसंगमे गति आ ऊर्जाक प्रतीक बनैत अछि।
६४८. (D) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक — घोड़ा एहि खण्डक विषय 'प्रकृति, जीव-जंतु आ पर्यावरण' सँ सीधा जुड़ल अछि। घोड़ा जुलूस, विवाह वा कथा प्रसंगमे गति आ ऊर्जाक प्रतीक बनैत अछि।
६४९. (D) ई यात्रा, गति आ वीरता सँ जुड़ल अछि। — घोड़ा जुलूस, विवाह वा कथा प्रसंगमे गति आ ऊर्जाक प्रतीक बनैत अछि।
६५०. (C) कारण ई यात्रा, गति आ वीरता केँ बुझाबैत अछि। — घोड़ा जुलूस, विवाह वा कथा प्रसंगमे गति आ ऊर्जाक प्रतीक बनैत अछि।
६५१. (A) जलमे खिलल पवित्र सौन्दर्य — कमल-पोखरि चित्रमे प्रकृति आ पूजा दुनू भाव एक साथ आओत अछि।
६५२. (C) जलमे खिलल पवित्र सौन्दर्य — कमल-पोखरि चित्रमे प्रकृति आ पूजा दुनू भाव एक साथ आओत अछि।
६५३. (C) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक — कमल-पोखरि एहि खण्डक विषय 'प्रकृति, जीव-जंतु आ पर्यावरण' सँ सीधा जुड़ल अछि। कमल-पोखरि चित्रमे प्रकृति आ पूजा दुनू भाव एक साथ आओत अछि।
६५४. (C) ई जलमे खिलल पवित्र सौन्दर्य सँ जुड़ल अछि। — कमल-पोखरि चित्रमे प्रकृति आ पूजा दुनू भाव एक साथ आओत अछि।
६५५. (B) कारण ई जलमे खिलल पवित्र सौन्दर्य केँ बुझाबैत अछि। — कमल-पोखरि चित्रमे प्रकृति आ पूजा दुनू भाव एक साथ आओत अछि।
६५६. (D) नवजीवन आ वृद्धि — पात आ लता रिक्त स्थान भरबाक संग-संग जीवनक विस्तारक संकेत दैत अछि।
६५७. (D) नवजीवन आ वृद्धि — पात आ लता रिक्त स्थान भरबाक संग-संग जीवनक विस्तारक संकेत दैत अछि।

६५८. (D) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक — हरियर पात एहि खण्डक विषय 'प्रकृति, जीव-जंतु आ पर्यावरण' सँ सीधा जुड़ल अछि। पात आ लता रिक्त स्थान भरबाक संग-संग जीवनक विस्तारक संकेत दैत अछि।
६५९. (A) ई नवजीवन आ वृद्धि सँ जुड़ल अछि। — पात आ लता रिक्त स्थान भरबाक संग-संग जीवनक विस्तारक संकेत दैत अछि।
६६०. (A) कारण ई नवजीवन आ वृद्धि केँ बुझाबैत अछि। — पात आ लता रिक्त स्थान भरबाक संग-संग जीवनक विस्तारक संकेत दैत अछि।
६६१. (C) अन्न, श्रम आ ऋतु — धान मिथिलाक कृषि-संस्कृति, अन्न-समृद्धि आ लोकजीवनक मुख्य आधार अछि।
६६२. (B) अन्न, श्रम आ ऋतु — धान मिथिलाक कृषि-संस्कृति, अन्न-समृद्धि आ लोकजीवनक मुख्य आधार अछि।
६६३. (D) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक — धानक खेत एहि खण्डक विषय 'प्रकृति, जीव-जंतु आ पर्यावरण' सँ सीधा जुड़ल अछि। धान मिथिलाक कृषि-संस्कृति, अन्न-समृद्धि आ लोकजीवनक मुख्य आधार अछि।
६६४. (C) ई अन्न, श्रम आ ऋतु सँ जुड़ल अछि। — धान मिथिलाक कृषि-संस्कृति, अन्न-समृद्धि आ लोकजीवनक मुख्य आधार अछि।
६६५. (C) कारण ई अन्न, श्रम आ ऋतु केँ बुझाबैत अछि। — धान मिथिलाक कृषि-संस्कृति, अन्न-समृद्धि आ लोकजीवनक मुख्य आधार अछि।
६६६. (A) वर्षा आ कृषक आशा — मेघक बिम्ब खेत, मोर, नदी आ अन्नक आशा सँ जुड़ि सकैत अछि।
६६७. (B) वर्षा आ कृषक आशा — मेघक बिम्ब खेत, मोर, नदी आ अन्नक आशा सँ जुड़ि सकैत अछि।
६६८. (C) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक — मेघ एहि खण्डक विषय 'प्रकृति, जीव-जंतु आ पर्यावरण' सँ सीधा जुड़ल अछि। मेघक बिम्ब खेत, मोर, नदी आ अन्नक आशा सँ जुड़ि सकैत अछि।
६६९. (D) ई वर्षा आ कृषक आशा सँ जुड़ल अछि। — मेघक बिम्ब खेत, मोर, नदी आ अन्नक आशा सँ जुड़ि सकैत अछि।
६७०. (A) कारण ई वर्षा आ कृषक आशा केँ बुझाबैत अछि। — मेघक बिम्ब खेत, मोर, नदी आ अन्नक आशा सँ जुड़ि सकैत अछि।
६७१. (C) छठ आ कृषि जीवन — जलमे उगैत/डूबैत सूर्यक दृश्य प्रकृति, पूजा आ ऋतु-चक्रक संगम अछि।
६७२. (C) छठ आ कृषि जीवन — जलमे उगैत/डूबैत सूर्यक दृश्य प्रकृति, पूजा आ ऋतु-चक्रक संगम अछि।
६७३. (B) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक — सूर्य-जल सम्बन्ध एहि खण्डक विषय 'प्रकृति, जीव-जंतु आ पर्यावरण' सँ सीधा जुड़ल अछि। जलमे उगैत/डूबैत सूर्यक दृश्य प्रकृति, पूजा आ ऋतु-चक्रक संगम अछि।
६७४. (C) ई छठ आ कृषि जीवन सँ जुड़ल अछि। — जलमे उगैत/डूबैत सूर्यक दृश्य प्रकृति, पूजा आ ऋतु-चक्रक संगम अछि।
६७५. (A) कारण ई छठ आ कृषि जीवन केँ बुझाबैत अछि। — जलमे उगैत/डूबैत सूर्यक दृश्य प्रकृति, पूजा आ ऋतु-चक्रक संगम अछि।
६७६. (A) धार्मिक चित्रसँ गाछ बचाबयक लोक-उद्यम — देव-चित्र वा पवित्र बिम्ब गाछ पर बनलासँ लोक ओकर संरक्षण लेल प्रेरित भऽ सकैत अछि।
६७७. (D) धार्मिक चित्रसँ गाछ बचाबयक लोक-उद्यम — देव-चित्र वा पवित्र बिम्ब गाछ पर बनलासँ लोक ओकर संरक्षण लेल प्रेरित भऽ सकैत अछि।
६७८. (D) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक — वृक्ष-संरक्षण एहि खण्डक विषय 'प्रकृति, जीव-जंतु आ पर्यावरण' सँ सीधा जुड़ल अछि। देव-चित्र वा पवित्र बिम्ब गाछ पर बनलासँ लोक ओकर संरक्षण लेल प्रेरित भऽ सकैत अछि।
६७९. (D) ई धार्मिक चित्रसँ गाछ बचाबयक लोक-उद्यम सँ जुड़ल अछि। — देव-चित्र वा पवित्र बिम्ब गाछ पर बनलासँ लोक ओकर संरक्षण लेल प्रेरित भऽ सकैत अछि।
६८०. (D) कारण ई धार्मिक चित्रसँ गाछ बचाबयक लोक-उद्यम केँ बुझाबैत अछि। — देव-चित्र वा पवित्र बिम्ब गाछ पर बनलासँ लोक ओकर संरक्षण लेल प्रेरित भऽ सकैत अछि।
६८१. (C) प्रकृति सँ कला सामग्री — फूल-पातसँ रंग बनब कला आ पर्यावरणक सहजीवन देखबैत अछि।
६८२. (A) प्रकृति सँ कला सामग्री — फूल-पातसँ रंग बनब कला आ पर्यावरणक सहजीवन देखबैत अछि।
६८३. (C) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक — वनस्पतिजन्य रंग एहि खण्डक विषय 'प्रकृति, जीव-जंतु आ पर्यावरण' सँ सीधा जुड़ल अछि। फूल-पातसँ रंग बनब कला आ पर्यावरणक सहजीवन देखबैत अछि।
६८४. (D) ई प्रकृति सँ कला सामग्री सँ जुड़ल अछि। — फूल-पातसँ रंग बनब कला आ पर्यावरणक सहजीवन देखबैत अछि।
६८५. (D) कारण ई प्रकृति सँ कला सामग्री केँ बुझाबैत अछि। — फूल-पातसँ रंग बनब कला आ पर्यावरणक सहजीवन देखबैत अछि।
६८६. (B) अनेक जीव-जंतु आ पादपक उपस्थिति — मिथिला चित्रकला अपन क्षेत्रक जीव-जगत केँ सांस्कृतिक स्मृतिमे राखैत अछि।
६८७. (D) अनेक जीव-जंतु आ पादपक उपस्थिति — मिथिला चित्रकला अपन क्षेत्रक जीव-जगत केँ सांस्कृतिक स्मृतिमे राखैत अछि।

६८८. (C) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक — जैव-विविधता एहि खण्डक विषय 'प्रकृति, जीव-जंतु आ पर्यावरण' सँ सीधा जुड़ल अछि। मिथिला चित्रकला अपन क्षेत्रक जीव-जगत केँ सांस्कृतिक स्मृतिमे राखैत अछि।
६८९. (C) ई अनेक जीव-जंतु आ पादपक उपस्थिति सँ जुड़ल अछि। — मिथिला चित्रकला अपन क्षेत्रक जीव-जगत केँ सांस्कृतिक स्मृतिमे राखैत अछि।
६९०. (B) कारण ई अनेक जीव-जंतु आ पादपक उपस्थिति केँ बुझाबैत अछि। — मिथिला चित्रकला अपन क्षेत्रक जीव-जगत केँ सांस्कृतिक स्मृतिमे राखैत अछि।
६९१. (D) गति आ जीवन-प्रवाह — लहरदार रेखा जलक उपस्थिति आ चित्रक भीतर गतिशीलता देखबैत अछि।
६९२. (C) गति आ जीवन-प्रवाह — लहरदार रेखा जलक उपस्थिति आ चित्रक भीतर गतिशीलता देखबैत अछि।
६९३. (D) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक — पानीक लहर एहि खण्डक विषय 'प्रकृति, जीव-जंतु आ पर्यावरण' सँ सीधा जुड़ल अछि। लहरदार रेखा जलक उपस्थिति आ चित्रक भीतर गतिशीलता देखबैत अछि।
६९४. (A) ई गति आ जीवन-प्रवाह सँ जुड़ल अछि। — लहरदार रेखा जलक उपस्थिति आ चित्रक भीतर गतिशीलता देखबैत अछि।
६९५. (C) कारण ई गति आ जीवन-प्रवाह केँ बुझाबैत अछि। — लहरदार रेखा जलक उपस्थिति आ चित्रक भीतर गतिशीलता देखबैत अछि।
६९६. (B) सूक्ष्म जीवनक सजावटी रूप — छोट चिट्ठे-पात चित्रमे रिक्तता हटबैत, प्रकृतिक भरपूरता देखबैत अछि।
६९७. (A) सूक्ष्म जीवनक सजावटी रूप — छोट चिट्ठे-पात चित्रमे रिक्तता हटबैत, प्रकृतिक भरपूरता देखबैत अछि।
६९८. (B) प्रकृति आ जीव-जगतक प्रतीक — चिट्ठे आ पात एहि खण्डक विषय 'प्रकृति, जीव-जंतु आ पर्यावरण' सँ सीधा जुड़ल अछि। छोट चिट्ठे-पात चित्रमे रिक्तता हटबैत, प्रकृतिक भरपूरता देखबैत अछि।
६९९. (C) ई सूक्ष्म जीवनक सजावटी रूप सँ जुड़ल अछि। — छोट चिट्ठे-पात चित्रमे रिक्तता हटबैत, प्रकृतिक भरपूरता देखबैत अछि।
७००. (C) कारण ई सूक्ष्म जीवनक सजावटी रूप केँ बुझाबैत अछि। — छोट चिट्ठे-पात चित्रमे रिक्तता हटबैत, प्रकृतिक भरपूरता देखबैत अछि।
७०१. (D) घरक भीतर विकसित रचनात्मक ज्ञान — मिथिला चित्रकला घर-आँगनमे स्त्री लोकनिक हाथे पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवित रहल।
७०२. (D) घरक भीतर विकसित रचनात्मक ज्ञान — मिथिला चित्रकला घर-आँगनमे स्त्री लोकनिक हाथे पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवित रहल।
७०३. (A) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा — स्त्री-परम्परा एहि खण्डक विषय 'कलाकार, समाज आ परम्परा' सँ सीधा जुड़ल अछि। मिथिला चित्रकला घर-आँगनमे स्त्री लोकनिक हाथे पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवित रहल।
७०४. (A) ई घरक भीतर विकसित रचनात्मक ज्ञान सँ जुड़ल अछि। — मिथिला चित्रकला घर-आँगनमे स्त्री लोकनिक हाथे पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवित रहल।
७०५. (D) कारण ई घरक भीतर विकसित रचनात्मक ज्ञान केँ बुझाबैत अछि। — मिथिला चित्रकला घर-आँगनमे स्त्री लोकनिक हाथे पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवित रहल।
७०६. (C) देखब, दोहराब आ अभ्यास करब — बच्चा आ नव कलाकार घरक बड़ लोकक चित्र देखैत-देखैत रेखा आ प्रतीक सीखैत छलाह।
७०७. (D) देखब, दोहराब आ अभ्यास करब — बच्चा आ नव कलाकार घरक बड़ लोकक चित्र देखैत-देखैत रेखा आ प्रतीक सीखैत छलाह।
७०८. (A) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा — सामुदायिक सीख एहि खण्डक विषय 'कलाकार, समाज आ परम्परा' सँ सीधा जुड़ल अछि। बच्चा आ नव कलाकार घरक बड़ लोकक चित्र देखैत-देखैत रेखा आ प्रतीक सीखैत छलाह।
७०९. (A) ई देखब, दोहराब आ अभ्यास करब सँ जुड़ल अछि। — बच्चा आ नव कलाकार घरक बड़ लोकक चित्र देखैत-देखैत रेखा आ प्रतीक सीखैत छलाह।
७१०. (C) कारण ई देखब, दोहराब आ अभ्यास करब केँ बुझाबैत अछि। — बच्चा आ नव कलाकार घरक बड़ लोकक चित्र देखैत-देखैत रेखा आ प्रतीक सीखैत छलाह।
७११. (C) मधुबनी चित्रकलाक प्रसिद्ध अग्रणी कलाकार — सीता देवीक कृति एहि लोककला केँ व्यापक पहिचान देबामे महत्वपूर्ण मानल जाइत अछि।
७१२. (B) मधुबनी चित्रकलाक प्रसिद्ध अग्रणी कलाकार — सीता देवीक कृति एहि लोककला केँ व्यापक पहिचान देबामे महत्वपूर्ण मानल जाइत अछि।
७१३. (B) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा — सीता देवी एहि खण्डक विषय 'कलाकार, समाज आ परम्परा' सँ सीधा जुड़ल अछि। सीता देवीक कृति एहि लोककला केँ व्यापक पहिचान देबामे महत्वपूर्ण मानल जाइत अछि।
७१४. (A) ई मधुबनी चित्रकलाक प्रसिद्ध अग्रणी कलाकार सँ जुड़ल अछि। — सीता देवीक कृति एहि लोककला केँ व्यापक पहिचान देबामे महत्वपूर्ण मानल जाइत अछि।

- ७१५. (D) कारण ई मधुबनी चित्रकलाक प्रसिद्ध अग्रणी कलाकार केँ बुझाबैत अछि।** — सीता देवीक कृति एहि लोककला केँ व्यापक पहिचान देबामे महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि।
- ७१६. (C) कचनी आ कथा-चित्रण लेल प्रसिद्ध कलाकार** — गंगा देवी मिथिला चित्रकलाक सूक्ष्म रेखा आ निजी अनुभवक चित्रण लेल याद कएल जाइत छथि।
- ७१७. (B) कचनी आ कथा-चित्रण लेल प्रसिद्ध कलाकार** — गंगा देवी मिथिला चित्रकलाक सूक्ष्म रेखा आ निजी अनुभवक चित्रण लेल याद कएल जाइत छथि।
- ७१८. (A) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा** — गंगा देवी एहि खण्डक विषय 'कलाकार, समाज आ परम्परा' सँ सीधा जुड़ल अछि। गंगा देवी मिथिला चित्रकलाक सूक्ष्म रेखा आ निजी अनुभवक चित्रण लेल याद कएल जाइत छथि।
- ७१९. (B) ई कचनी आ कथा-चित्रण लेल प्रसिद्ध कलाकार सँ जुड़ल अछि।** — गंगा देवी मिथिला चित्रकलाक सूक्ष्म रेखा आ निजी अनुभवक चित्रण लेल याद कएल जाइत छथि।
- ७२०. (A) कारण ई कचनी आ कथा-चित्रण लेल प्रसिद्ध कलाकार केँ बुझाबैत अछि।** — गंगा देवी मिथिला चित्रकलाक सूक्ष्म रेखा आ निजी अनुभवक चित्रण लेल याद कएल जाइत छथि।
- ७२१. (C) गूढ़ प्रतीक आ सशक्त मिथिला शैलीक कलाकार** — बौआ देवीक कला परम्परा आ आधुनिक पहिचानक बीच सेतु जकाँ देखल जाइत अछि।
- ७२२. (C) गूढ़ प्रतीक आ सशक्त मिथिला शैलीक कलाकार** — बौआ देवीक कला परम्परा आ आधुनिक पहिचानक बीच सेतु जकाँ देखल जाइत अछि।
- ७२३. (A) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा** — बौआ देवी एहि खण्डक विषय 'कलाकार, समाज आ परम्परा' सँ सीधा जुड़ल अछि। बौआ देवीक कला परम्परा आ आधुनिक पहिचानक बीच सेतु जकाँ देखल जाइत अछि।
- ७२४. (B) ई गूढ़ प्रतीक आ सशक्त मिथिला शैलीक कलाकार सँ जुड़ल अछि।** — बौआ देवीक कला परम्परा आ आधुनिक पहिचानक बीच सेतु जकाँ देखल जाइत अछि।
- ७२५. (C) कारण ई गूढ़ प्रतीक आ सशक्त मिथिला शैलीक कलाकार केँ बुझाबैत अछि।** — बौआ देवीक कला परम्परा आ आधुनिक पहिचानक बीच सेतु जकाँ देखल जाइत अछि।
- ७२६. (B) लोक-परम्परा आ हस्तकला सँ जुड़ल वरिष्ठ कलाकार** — महासुन्दरी देवी मिथिला कला-संस्कृति केँ संस्थागत सम्मान दिलाबयवाली कलाकारमे गनल जाइत छथि।
- ७२७. (D) लोक-परम्परा आ हस्तकला सँ जुड़ल वरिष्ठ कलाकार** — महासुन्दरी देवी मिथिला कला-संस्कृति केँ संस्थागत सम्मान दिलाबयवाली कलाकारमे गनल जाइत छथि।
- ७२८. (C) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा** — महासुन्दरी देवी एहि खण्डक विषय 'कलाकार, समाज आ परम्परा' सँ सीधा जुड़ल अछि। महासुन्दरी देवी मिथिला कला-संस्कृति केँ संस्थागत सम्मान दिलाबयवाली कलाकारमे गनल जाइत छथि।
- ७२९. (B) ई लोक-परम्परा आ हस्तकला सँ जुड़ल वरिष्ठ कलाकार सँ जुड़ल अछि।** — महासुन्दरी देवी मिथिला कला-संस्कृति केँ संस्थागत सम्मान दिलाबयवाली कलाकारमे गनल जाइत छथि।
- ७३०. (D) कारण ई लोक-परम्परा आ हस्तकला सँ जुड़ल वरिष्ठ कलाकार केँ बुझाबैत अछि।** — महासुन्दरी देवी मिथिला कला-संस्कृति केँ संस्थागत सम्मान दिलाबयवाली कलाकारमे गनल जाइत छथि।
- ७३१. (C) समाजक अनुभव केँ चित्रमे उतारयवाली कलाकार** — दुलारी देवीक चित्रमे लोकजीवन, श्रम आ सामाजिक अनुभूति प्रमुख रूपेँ देखाइ पड़ैत अछि।
- ७३२. (D) समाजक अनुभव केँ चित्रमे उतारयवाली कलाकार** — दुलारी देवीक चित्रमे लोकजीवन, श्रम आ सामाजिक अनुभूति प्रमुख रूपेँ देखाइ पड़ैत अछि।
- ७३३. (B) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा** — दुलारी देवी एहि खण्डक विषय 'कलाकार, समाज आ परम्परा' सँ सीधा जुड़ल अछि। दुलारी देवीक चित्रमे लोकजीवन, श्रम आ सामाजिक अनुभूति प्रमुख रूपेँ देखाइ पड़ैत अछि।
- ७३४. (A) ई समाजक अनुभव केँ चित्रमे उतारयवाली कलाकार सँ जुड़ल अछि।** — दुलारी देवीक चित्रमे लोकजीवन, श्रम आ सामाजिक अनुभूति प्रमुख रूपेँ देखाइ पड़ैत अछि।
- ७३५. (B) कारण ई समाजक अनुभव केँ चित्रमे उतारयवाली कलाकार केँ बुझाबैत अछि।** — दुलारी देवीक चित्रमे लोकजीवन, श्रम आ सामाजिक अनुभूति प्रमुख रूपेँ देखाइ पड़ैत अछि।
- ७३६. (D) मधुबनी चित्रकलाक आदरणीय पुरान पीढ़ीक कलाकार** — जगदम्बा देवीक नाम एहि कला केँ प्रतिष्ठा देबयवाली वरिष्ठ कलाकारमे लेल जाइत अछि।

७३७. (B) मधुबनी चित्रकलाक आदरणीय पुरान पीढ़ीक कलाकार — जगदम्बा देवीक नाम एहि कला केँ प्रतिष्ठा देबयवाली वरिष्ठ कलाकारमे लेल जाइत अछि।
७३८. (C) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा — जगदम्बा देवी एहि खण्डक विषय 'कलाकार, समाज आ परम्परा' सँ सीधा जुड़ल अछि। जगदम्बा देवीक नाम एहि कला केँ प्रतिष्ठा देबयवाली वरिष्ठ कलाकारमे लेल जाइत अछि।
७३९. (A) ई मधुबनी चित्रकलाक आदरणीय पुरान पीढ़ीक कलाकार सँ जुड़ल अछि। — जगदम्बा देवीक नाम एहि कला केँ प्रतिष्ठा देबयवाली वरिष्ठ कलाकारमे लेल जाइत अछि।
७४०. (B) कारण ई मधुबनी चित्रकलाक आदरणीय पुरान पीढ़ीक कलाकार केँ बुझाबैत अछि। — जगदम्बा देवीक नाम एहि कला केँ प्रतिष्ठा देबयवाली वरिष्ठ कलाकारमे लेल जाइत अछि।
७४१. (B) मिथिला चित्रकलाक प्रसिद्ध शिक्षिका-कलाकार — गोदावरी दत्ताक कार्य परम्परा केँ सिखाबय आ प्रसारित करबामे महत्वपूर्ण रहल।
७४२. (A) मिथिला चित्रकलाक प्रसिद्ध शिक्षिका-कलाकार — गोदावरी दत्ताक कार्य परम्परा केँ सिखाबय आ प्रसारित करबामे महत्वपूर्ण रहल।
७४३. (B) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा — गोदावरी दत्ता एहि खण्डक विषय 'कलाकार, समाज आ परम्परा' सँ सीधा जुड़ल अछि। गोदावरी दत्ताक कार्य परम्परा केँ सिखाबय आ प्रसारित करबामे महत्वपूर्ण रहल।
७४४. (C) ई मिथिला चित्रकलाक प्रसिद्ध शिक्षिका-कलाकार सँ जुड़ल अछि। — गोदावरी दत्ताक कार्य परम्परा केँ सिखाबय आ प्रसारित करबामे महत्वपूर्ण रहल।
७४५. (B) कारण ई मिथिला चित्रकलाक प्रसिद्ध शिक्षिका-कलाकार केँ बुझाबैत अछि। — गोदावरी दत्ताक कार्य परम्परा केँ सिखाबय आ प्रसारित करबामे महत्वपूर्ण रहल।
७४६. (A) कलाकारक सामूहिक अभ्यास आ प्रशिक्षण स्थल — कार्यशाला परम्परागत ज्ञान केँ नव पीढ़ी आ बाहरी विद्यार्थी धरि पहुँचबैत अछि।
७४७. (C) कलाकारक सामूहिक अभ्यास आ प्रशिक्षण स्थल — कार्यशाला परम्परागत ज्ञान केँ नव पीढ़ी आ बाहरी विद्यार्थी धरि पहुँचबैत अछि।
७४८. (B) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा — ग्राम्य कार्यशाला एहि खण्डक विषय 'कलाकार, समाज आ परम्परा' सँ सीधा जुड़ल अछि। कार्यशाला परम्परागत ज्ञान केँ नव पीढ़ी आ बाहरी विद्यार्थी धरि पहुँचबैत अछि।
७४९. (A) ई कलाकारक सामूहिक अभ्यास आ प्रशिक्षण स्थल सँ जुड़ल अछि। — कार्यशाला परम्परागत ज्ञान केँ नव पीढ़ी आ बाहरी विद्यार्थी धरि पहुँचबैत अछि।
७५०. (C) कारण ई कलाकारक सामूहिक अभ्यास आ प्रशिक्षण स्थल केँ बुझाबैत अछि। — कार्यशाला परम्परागत ज्ञान केँ नव पीढ़ी आ बाहरी विद्यार्थी धरि पहुँचबैत अछि।
७५१. (D) लोककलाक प्रत्यक्ष बाजार — हाट-मेळा कलाकार केँ दर्शक, क्रेता आ संवादक अवसर दैत अछि।
७५२. (C) लोककलाक प्रत्यक्ष बाजार — हाट-मेळा कलाकार केँ दर्शक, क्रेता आ संवादक अवसर दैत अछि।
७५३. (B) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा — हाट आ मेला एहि खण्डक विषय 'कलाकार, समाज आ परम्परा' सँ सीधा जुड़ल अछि। हाट-मेळा कलाकार केँ दर्शक, क्रेता आ संवादक अवसर दैत अछि।
७५४. (A) ई लोककलाक प्रत्यक्ष बाजार सँ जुड़ल अछि। — हाट-मेळा कलाकार केँ दर्शक, क्रेता आ संवादक अवसर दैत अछि।
७५५. (D) कारण ई लोककलाक प्रत्यक्ष बाजार केँ बुझाबैत अछि। — हाट-मेळा कलाकार केँ दर्शक, क्रेता आ संवादक अवसर दैत अछि।
७५६. (A) रेखा, विषय आ कथा सिखाबयक पहिल विद्यालय — घर स्वयं मिथिला चित्रकलाक पहिल गुरुकुल जकाँ रहल अछि।
७५७. (B) रेखा, विषय आ कथा सिखाबयक पहिल विद्यालय — घर स्वयं मिथिला चित्रकलाक पहिल गुरुकुल जकाँ रहल अछि।
७५८. (B) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा — परिवारक भूमिका एहि खण्डक विषय 'कलाकार, समाज आ परम्परा' सँ सीधा जुड़ल अछि। घर स्वयं मिथिला चित्रकलाक पहिल गुरुकुल जकाँ रहल अछि।
७५९. (C) ई रेखा, विषय आ कथा सिखाबयक पहिल विद्यालय सँ जुड़ल अछि। — घर स्वयं मिथिला चित्रकलाक पहिल गुरुकुल जकाँ रहल अछि।
७६०. (C) कारण ई रेखा, विषय आ कथा सिखाबयक पहिल विद्यालय केँ बुझाबैत अछि। — घर स्वयं मिथिला चित्रकलाक पहिल गुरुकुल जकाँ रहल अछि।
७६१. (C) जाति, पेशा वा परिवार अनुसार भिन्न अभिव्यक्ति — मिथिला चित्रकलामे अनेक समुदाय अपन अनुभव आ चिन्हक संग शैली विकसित करैत रहल।

- ७६२. (B) जाति, पेशा वा परिवार अनुसार भिन्न अभिव्यक्ति** — मिथिला चित्रकलामे अनेक समुदाय अपन अनुभव आ चिन्हक संग शैली विकसित करैत रहल।
- ७६३. (B) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा** — समुदाय-विशेष शैली एहि खण्डक विषय 'कलाकार, समाज आ परम्परा' सँ सीधा जुड़ल अछि। मिथिला चित्रकलामे अनेक समुदाय अपन अनुभव आ चिन्हक संग शैली विकसित करैत रहल।
- ७६४. (A) ई जाति, पेशा वा परिवार अनुसार भिन्न अभिव्यक्ति सँ जुड़ल अछि।** — मिथिला चित्रकलामे अनेक समुदाय अपन अनुभव आ चिन्हक संग शैली विकसित करैत रहल।
- ७६५. (B) कारण ई जाति, पेशा वा परिवार अनुसार भिन्न अभिव्यक्ति केँ बुझाबैत अछि।** — मिथिला चित्रकलामे अनेक समुदाय अपन अनुभव आ चिन्हक संग शैली विकसित करैत रहल।
- ७६६. (D) आधुनिक बजार आ पेशेवर विस्तारक परिणाम** — आज स्त्रीक संग पुरुष कलाकार सेहो एहि कला केँ अपन पेशा आ अभ्यास बनबैत छथि।
- ७६७. (D) आधुनिक बजार आ पेशेवर विस्तारक परिणाम** — आज स्त्रीक संग पुरुष कलाकार सेहो एहि कला केँ अपन पेशा आ अभ्यास बनबैत छथि।
- ७६८. (B) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा** — पुरुष कलाकारक प्रवेश एहि खण्डक विषय 'कलाकार, समाज आ परम्परा' सँ सीधा जुड़ल अछि। आज स्त्रीक संग पुरुष कलाकार सेहो एहि कला केँ अपन पेशा आ अभ्यास बनबैत छथि।
- ७६९. (A) ई आधुनिक बजार आ पेशेवर विस्तारक परिणाम सँ जुड़ल अछि।** — आज स्त्रीक संग पुरुष कलाकार सेहो एहि कला केँ अपन पेशा आ अभ्यास बनबैत छथि।
- ७७०. (C) कारण ई आधुनिक बजार आ पेशेवर विस्तारक परिणाम केँ बुझाबैत अछि।** — आज स्त्रीक संग पुरुष कलाकार सेहो एहि कला केँ अपन पेशा आ अभ्यास बनबैत छथि।
- ७७१. (B) कलाकारक समूह-आधारित सहयोग** — सहकारी वा समूह कलाकार केँ सामग्री, विक्रय आ प्रशिक्षणमे सहारा देत अछि।
- ७७२. (D) कलाकारक समूह-आधारित सहयोग** — सहकारी वा समूह कलाकार केँ सामग्री, विक्रय आ प्रशिक्षणमे सहारा देत अछि।
- ७७३. (C) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा** — शिल्प-सहकारी एहि खण्डक विषय 'कलाकार, समाज आ परम्परा' सँ सीधा जुड़ल अछि। सहकारी वा समूह कलाकार केँ सामग्री, विक्रय आ प्रशिक्षणमे सहारा देत अछि।
- ७७४. (A) ई कलाकारक समूह-आधारित सहयोग सँ जुड़ल अछि।** — सहकारी वा समूह कलाकार केँ सामग्री, विक्रय आ प्रशिक्षणमे सहारा देत अछि।
- ७७५. (D) कारण ई कलाकारक समूह-आधारित सहयोग केँ बुझाबैत अछि।** — सहकारी वा समूह कलाकार केँ सामग्री, विक्रय आ प्रशिक्षणमे सहारा देत अछि।
- ७७६. (A) चित्र द्वारा अनुभव सुनायब** — मिथिला चित्रकला चित्रित कथा अछि, जाहिमे समाज अपन बात रंग-रेखा सँ कहैत अछि।
- ७७७. (B) चित्र द्वारा अनुभव सुनायब** — मिथिला चित्रकला चित्रित कथा अछि, जाहिमे समाज अपन बात रंग-रेखा सँ कहैत अछि।
- ७७८. (D) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा** — कथा कहबाक कला एहि खण्डक विषय 'कलाकार, समाज आ परम्परा' सँ सीधा जुड़ल अछि। मिथिला चित्रकला चित्रित कथा अछि, जाहिमे समाज अपन बात रंग-रेखा सँ कहैत अछि।
- ७७९. (B) ई चित्र द्वारा अनुभव सुनायब सँ जुड़ल अछि।** — मिथिला चित्रकला चित्रित कथा अछि, जाहिमे समाज अपन बात रंग-रेखा सँ कहैत अछि।
- ७८०. (B) कारण ई चित्र द्वारा अनुभव सुनायब केँ बुझाबैत अछि।** — मिथिला चित्रकला चित्रित कथा अछि, जाहिमे समाज अपन बात रंग-रेखा सँ कहैत अछि।
- ७८१. (A) चित्र द्वारा अर्थ-संप्रेषण** — चित्र भाषा पढ़ल-लिखल शब्द पर निर्भर नहि; प्रतीक सभ सेहो अर्थ पहुँचबैत अछि।
- ७८२. (A) चित्र द्वारा अर्थ-संप्रेषण** — चित्र भाषा पढ़ल-लिखल शब्द पर निर्भर नहि; प्रतीक सभ सेहो अर्थ पहुँचबैत अछि।
- ७८३. (A) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा** — साक्षरता सँ परे ज्ञान एहि खण्डक विषय 'कलाकार, समाज आ परम्परा' सँ सीधा जुड़ल अछि। चित्र भाषा पढ़ल-लिखल शब्द पर निर्भर नहि; प्रतीक सभ सेहो अर्थ पहुँचबैत अछि।
- ७८४. (A) ई चित्र द्वारा अर्थ-संप्रेषण सँ जुड़ल अछि।** — चित्र भाषा पढ़ल-लिखल शब्द पर निर्भर नहि; प्रतीक सभ सेहो अर्थ पहुँचबैत अछि।
- ७८५. (C) कारण ई चित्र द्वारा अर्थ-संप्रेषण केँ बुझाबैत अछि।** — चित्र भाषा पढ़ल-लिखल शब्द पर निर्भर नहि; प्रतीक सभ सेहो अर्थ पहुँचबैत अछि।
- ७८६. (D) समुदायक पहिचान आ स्वाभिमान** — मिथिला चित्रकला क्षेत्रीय अस्मिता केँ दृश्य रूपमे प्रतिष्ठित करैत अछि।
- ७८७. (C) समुदायक पहिचान आ स्वाभिमान** — मिथिला चित्रकला क्षेत्रीय अस्मिता केँ दृश्य रूपमे प्रतिष्ठित करैत अछि।

७८८. (D) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा — लोक-गौरव एहि खण्डक विषय 'कलाकार, समाज आ परम्परा' सँ सीधा जुड़ल अछि। मिथिला चित्रकला क्षेत्रीय अस्मिता केँ दृश्य रूपमे प्रतिष्ठित करैत अछि।
७८९. (A) ई समुदायक पहिचान आ स्वाभिमान सँ जुड़ल अछि। — मिथिला चित्रकला क्षेत्रीय अस्मिता केँ दृश्य रूपमे प्रतिष्ठित करैत अछि।
७९०. (B) कारण ई समुदायक पहिचान आ स्वाभिमान केँ बुझाबैत अछि। — मिथिला चित्रकला क्षेत्रीय अस्मिता केँ दृश्य रूपमे प्रतिष्ठित करैत अछि।
७९१. (A) व्यक्तिगत शैलीक पहिचान — आज बहुत कलाकार अपन विशिष्ट रेखा, रंग आ विषयसँ अलग पहिचान बनबैत छथि।
७९२. (A) व्यक्तिगत शैलीक पहिचान — आज बहुत कलाकार अपन विशिष्ट रेखा, रंग आ विषयसँ अलग पहिचान बनबैत छथि।
७९३. (C) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा — कलाकारक हस्ताक्षर एहि खण्डक विषय 'कलाकार, समाज आ परम्परा' सँ सीधा जुड़ल अछि। आज बहुत कलाकार अपन विशिष्ट रेखा, रंग आ विषयसँ अलग पहिचान बनबैत छथि।
७९४. (D) ई व्यक्तिगत शैलीक पहिचान सँ जुड़ल अछि। — आज बहुत कलाकार अपन विशिष्ट रेखा, रंग आ विषयसँ अलग पहिचान बनबैत छथि।
७९५. (D) कारण ई व्यक्तिगत शैलीक पहिचान केँ बुझाबैत अछि। — आज बहुत कलाकार अपन विशिष्ट रेखा, रंग आ विषयसँ अलग पहिचान बनबैत छथि।
७९६. (C) परम्परा राखि नूतन विषय जोड़ब — नव कलाकार पर्यावरण, शिक्षा, नारी-अधिकार, स्वास्थ्य जेहन विषय सेहो मिथिला शैलीमे लयैत छथि।
७९७. (A) परम्परा राखि नूतन विषय जोड़ब — नव कलाकार पर्यावरण, शिक्षा, नारी-अधिकार, स्वास्थ्य जेहन विषय सेहो मिथिला शैलीमे लयैत छथि।
७९८. (C) कलाकार, समुदाय आ सीखबाक परम्परा — पीढ़ीगत बदलाव एहि खण्डक विषय 'कलाकार, समाज आ परम्परा' सँ सीधा जुड़ल अछि। नव कलाकार पर्यावरण, शिक्षा, नारी-अधिकार, स्वास्थ्य जेहन विषय सेहो मिथिला शैलीमे लयैत छथि।
७९९. (B) ई परम्परा राखि नूतन विषय जोड़ब सँ जुड़ल अछि। — नव कलाकार पर्यावरण, शिक्षा, नारी-अधिकार, स्वास्थ्य जेहन विषय सेहो मिथिला शैलीमे लयैत छथि।
८००. (A) कारण ई परम्परा राखि नूतन विषय जोड़ब केँ बुझाबैत अछि। — नव कलाकार पर्यावरण, शिक्षा, नारी-अधिकार, स्वास्थ्य जेहन विषय सेहो मिथिला शैलीमे लयैत छथि।
८०१. (A) संग्रह आ बिक्री लेल सहज माध्यम — कागज पर आ गेलासँ चित्र घरक देवालसँ बाहर यात्रा करय योग्य भेल।
८०२. (D) संग्रह आ बिक्री लेल सहज माध्यम — कागज पर आ गेलासँ चित्र घरक देवालसँ बाहर यात्रा करय योग्य भेल।
८०३. (A) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम — कागज पर चित्र एहि खण्डक विषय 'आधुनिक रूप, संरक्षण आ बाजार' सँ सीधा जुड़ल अछि। कागज पर आ गेलासँ चित्र घरक देवालसँ बाहर यात्रा करय योग्य भेल।
८०४. (A) ई संग्रह आ बिक्री लेल सहज माध्यम सँ जुड़ल अछि। — कागज पर आ गेलासँ चित्र घरक देवालसँ बाहर यात्रा करय योग्य भेल।
८०५. (D) कारण ई संग्रह आ बिक्री लेल सहज माध्यम केँ बुझाबैत अछि। — कागज पर आ गेलासँ चित्र घरक देवालसँ बाहर यात्रा करय योग्य भेल।
८०६. (B) उपयोगी वस्तु आ सजावट दुनू — साड़ी, दुपट्टा, परदा, थैला आदिमे मिथिला चित्रकला नूतन रूप पबैत अछि।
८०७. (C) उपयोगी वस्तु आ सजावट दुनू — साड़ी, दुपट्टा, परदा, थैला आदिमे मिथिला चित्रकला नूतन रूप पबैत अछि।
८०८. (B) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम — कपड़ा पर चित्र एहि खण्डक विषय 'आधुनिक रूप, संरक्षण आ बाजार' सँ सीधा जुड़ल अछि। साड़ी, दुपट्टा, परदा, थैला आदिमे मिथिला चित्रकला नूतन रूप पबैत अछि।
८०९. (C) ई उपयोगी वस्तु आ सजावट दुनू सँ जुड़ल अछि। — साड़ी, दुपट्टा, परदा, थैला आदिमे मिथिला चित्रकला नूतन रूप पबैत अछि।
८१०. (B) कारण ई उपयोगी वस्तु आ सजावट दुनू केँ बुझाबैत अछि। — साड़ी, दुपट्टा, परदा, थैला आदिमे मिथिला चित्रकला नूतन रूप पबैत अछि।
८११. (D) दीर्घा आ संग्रह लेल टिकाऊ रूप — कैनवास पर बनल चित्र परम्परा केँ आधुनिक कला-जगतक संग जोड़ैत अछि।
८१२. (D) दीर्घा आ संग्रह लेल टिकाऊ रूप — कैनवास पर बनल चित्र परम्परा केँ आधुनिक कला-जगतक संग जोड़ैत अछि।
८१३. (C) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम — कैनवास कला एहि खण्डक विषय 'आधुनिक रूप, संरक्षण आ बाजार' सँ सीधा जुड़ल अछि। कैनवास पर बनल चित्र परम्परा केँ आधुनिक कला-जगतक संग जोड़ैत अछि।
८१४. (B) ई दीर्घा आ संग्रह लेल टिकाऊ रूप सँ जुड़ल अछि। — कैनवास पर बनल चित्र परम्परा केँ आधुनिक कला-जगतक संग जोड़ैत अछि।
८१५. (B) कारण ई दीर्घा आ संग्रह लेल टिकाऊ रूप केँ बुझाबैत अछि। — कैनवास पर बनल चित्र परम्परा केँ आधुनिक कला-जगतक संग जोड़ैत अछि।
८१६. (A) छवि, छापाई आ सीखबाक नूतन माध्यम — डिजिटल माध्यमसँ मिथिला चित्रकला शिक्षण, डिजाइन आ प्रचारमे फैलि रहल अछि।
८१७. (D) छवि, छापाई आ सीखबाक नूतन माध्यम — डिजिटल माध्यमसँ मिथिला चित्रकला शिक्षण, डिजाइन आ प्रचारमे फैलि रहल अछि।

८१८. (A) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम — डिजिटल रूपांतरण एहि खण्डक विषय 'आधुनिक रूप, संरक्षण आ बाजार' सँ सीधा जुड़ल अछि। डिजिटल माध्यमसँ मिथिला चित्रकला शिक्षण, डिजाइन आ प्रचारमे फैलि रहल अछि।
८१९. (D) ई छवि, छापाई आ सीखबाक नूतन माध्यम सँ जुड़ल अछि। — डिजिटल माध्यमसँ मिथिला चित्रकला शिक्षण, डिजाइन आ प्रचारमे फैलि रहल अछि।
८२०. (C) कारण ई छवि, छापाई आ सीखबाक नूतन माध्यम केँ बुझाबैत अछि। — डिजिटल माध्यमसँ मिथिला चित्रकला शिक्षण, डिजाइन आ प्रचारमे फैलि रहल अछि।
८२१. (D) मूल क्षेत्रक प्रतिष्ठा बचाबक उपाय — क्षेत्रीय पहचान कलाकार आ परम्परा केँ अनुचित नकलसँ बचाबमे सहायक भऽ सकैत अछि।
८२२. (C) मूल क्षेत्रक प्रतिष्ठा बचाबक उपाय — क्षेत्रीय पहचान कलाकार आ परम्परा केँ अनुचित नकलसँ बचाबमे सहायक भऽ सकैत अछि।
८२३. (D) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम — भौगोलिक पहचान एहि खण्डक विषय 'आधुनिक रूप, संरक्षण आ बाजार' सँ सीधा जुड़ल अछि। क्षेत्रीय पहचान कलाकार आ परम्परा केँ अनुचित नकलसँ बचाबमे सहायक भऽ सकैत अछि।
८२४. (A) ई मूल क्षेत्रक प्रतिष्ठा बचाबक उपाय सँ जुड़ल अछि। — क्षेत्रीय पहचान कलाकार आ परम्परा केँ अनुचित नकलसँ बचाबमे सहायक भऽ सकैत अछि।
८२५. (C) कारण ई मूल क्षेत्रक प्रतिष्ठा बचाबक उपाय केँ बुझाबैत अछि। — क्षेत्रीय पहचान कलाकार आ परम्परा केँ अनुचित नकलसँ बचाबमे सहायक भऽ सकैत अछि।
८२६. (C) मूल शैली, कलाकार आ स्रोतक सम्मान — खरीद वा अध्ययनमे कलाकारक नाम, सामग्री आ शैलीक जानकारी राखब उचित अछि।
८२७. (A) मूल शैली, कलाकार आ स्रोतक सम्मान — खरीद वा अध्ययनमे कलाकारक नाम, सामग्री आ शैलीक जानकारी राखब उचित अछि।
८२८. (C) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम — प्रमाणिकता एहि खण्डक विषय 'आधुनिक रूप, संरक्षण आ बाजार' सँ सीधा जुड़ल अछि। खरीद वा अध्ययनमे कलाकारक नाम, सामग्री आ शैलीक जानकारी राखब उचित अछि।
८२९. (D) ई मूल शैली, कलाकार आ स्रोतक सम्मान सँ जुड़ल अछि। — खरीद वा अध्ययनमे कलाकारक नाम, सामग्री आ शैलीक जानकारी राखब उचित अछि।
८३०. (C) कारण ई मूल शैली, कलाकार आ स्रोतक सम्मान केँ बुझाबैत अछि। — खरीद वा अध्ययनमे कलाकारक नाम, सामग्री आ शैलीक जानकारी राखब उचित अछि।
८३१. (A) कला-संरक्षण आ अध्ययनक स्थान — संग्रहालय कृति केँ सुरक्षित राखैत आ दर्शक केँ संदर्भ सहित देखबैत अछि।
८३२. (A) कला-संरक्षण आ अध्ययनक स्थान — संग्रहालय कृति केँ सुरक्षित राखैत आ दर्शक केँ संदर्भ सहित देखबैत अछि।
८३३. (B) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम — संग्रहालय एहि खण्डक विषय 'आधुनिक रूप, संरक्षण आ बाजार' सँ सीधा जुड़ल अछि। संग्रहालय कृति केँ सुरक्षित राखैत आ दर्शक केँ संदर्भ सहित देखबैत अछि।
८३४. (D) ई कला-संरक्षण आ अध्ययनक स्थान सँ जुड़ल अछि। — संग्रहालय कृति केँ सुरक्षित राखैत आ दर्शक केँ संदर्भ सहित देखबैत अछि।
८३५. (A) कारण ई कला-संरक्षण आ अध्ययनक स्थान केँ बुझाबैत अछि। — संग्रहालय कृति केँ सुरक्षित राखैत आ दर्शक केँ संदर्भ सहित देखबैत अछि।
८३६. (A) लोककला केँ सार्वजनिक मंच — प्रदर्शनी कलाकार, दर्शक आ आलोचकक बीच संवाद बढ़बैत अछि।
८३७. (B) लोककला केँ सार्वजनिक मंच — प्रदर्शनी कलाकार, दर्शक आ आलोचकक बीच संवाद बढ़बैत अछि।
८३८. (A) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम — प्रदर्शनी एहि खण्डक विषय 'आधुनिक रूप, संरक्षण आ बाजार' सँ सीधा जुड़ल अछि। प्रदर्शनी कलाकार, दर्शक आ आलोचकक बीच संवाद बढ़बैत अछि।
८३९. (D) ई लोककला केँ सार्वजनिक मंच सँ जुड़ल अछि। — प्रदर्शनी कलाकार, दर्शक आ आलोचकक बीच संवाद बढ़बैत अछि।
८४०. (D) कारण ई लोककला केँ सार्वजनिक मंच केँ बुझाबैत अछि। — प्रदर्शनी कलाकार, दर्शक आ आलोचकक बीच संवाद बढ़बैत अछि।
८४१. (B) जीविका आ प्रसारक साधन — बजार कलाकार केँ आय दैत अछि, मुदा शैलीक गहराई आ नैतिकता बचब आवश्यक अछि।
८४२. (D) जीविका आ प्रसारक साधन — बजार कलाकार केँ आय दैत अछि, मुदा शैलीक गहराई आ नैतिकता बचब आवश्यक अछि।
८४३. (D) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम — कला-बजार एहि खण्डक विषय 'आधुनिक रूप, संरक्षण आ बाजार' सँ सीधा जुड़ल अछि। बजार कलाकार केँ आय दैत अछि, मुदा शैलीक गहराई आ नैतिकता बचब आवश्यक अछि।
८४४. (A) ई जीविका आ प्रसारक साधन सँ जुड़ल अछि। — बजार कलाकार केँ आय दैत अछि, मुदा शैलीक गहराई आ नैतिकता बचब आवश्यक अछि।

८४५. (B) कारण ई जीविका आ प्रसारक साधन केँ बुझाबैत अछि। — बजार कलाकार केँ आय दैत अछि, मुदा शैलीक गहराई आ नैतिकता बचब आवश्यक अछि।
८४६. (A) कलाकारक अधिकार पर चोट — बिना श्रेय आ बिना समझक नकल परम्परा आ कलाकार दुनूक हानि करैत अछि।
८४७. (D) कलाकारक अधिकार पर चोट — बिना श्रेय आ बिना समझक नकल परम्परा आ कलाकार दुनूक हानि करैत अछि।
८४८. (D) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम — नकलक समस्या एहि खण्डक विषय 'आधुनिक रूप, संरक्षण आ बाजार' सँ सीधा जुड़ल अछि। बिना श्रेय आ बिना समझक नकल परम्परा आ कलाकार दुनूक हानि करैत अछि।
८४९. (A) ई कलाकारक अधिकार पर चोट सँ जुड़ल अछि। — बिना श्रेय आ बिना समझक नकल परम्परा आ कलाकार दुनूक हानि करैत अछि।
८५०. (A) कारण ई कलाकारक अधिकार पर चोट केँ बुझाबैत अछि। — बिना श्रेय आ बिना समझक नकल परम्परा आ कलाकार दुनूक हानि करैत अछि।
८५१. (C) विद्यार्थीक लेल क्रमबद्ध अभ्यास — शिक्षण सामग्री रेखा, प्रतीक आ रंगक अर्थ स्पष्ट करैत अछि।
८५२. (C) विद्यार्थीक लेल क्रमबद्ध अभ्यास — शिक्षण सामग्री रेखा, प्रतीक आ रंगक अर्थ स्पष्ट करैत अछि।
८५३. (A) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम — शिक्षण-पुस्तिका एहि खण्डक विषय 'आधुनिक रूप, संरक्षण आ बाजार' सँ सीधा जुड़ल अछि। शिक्षण सामग्री रेखा, प्रतीक आ रंगक अर्थ स्पष्ट करैत अछि।
८५४. (B) ई विद्यार्थीक लेल क्रमबद्ध अभ्यास सँ जुड़ल अछि। — शिक्षण सामग्री रेखा, प्रतीक आ रंगक अर्थ स्पष्ट करैत अछि।
८५५. (C) कारण ई विद्यार्थीक लेल क्रमबद्ध अभ्यास केँ बुझाबैत अछि। — शिक्षण सामग्री रेखा, प्रतीक आ रंगक अर्थ स्पष्ट करैत अछि।
८५६. (D) स्थानीय कला द्वारा सौन्दर्य-बोध — विद्यालयमे मिथिला चित्रकला पढ़लासँ विद्यार्थी अपन क्षेत्रीय विरासतसँ जुड़ैत अछि।
८५७. (D) स्थानीय कला द्वारा सौन्दर्य-बोध — विद्यालयमे मिथिला चित्रकला पढ़लासँ विद्यार्थी अपन क्षेत्रीय विरासतसँ जुड़ैत अछि।
८५८. (A) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम — विद्यालयी प्रयोग एहि खण्डक विषय 'आधुनिक रूप, संरक्षण आ बाजार' सँ सीधा जुड़ल अछि। विद्यालयमे मिथिला चित्रकला पढ़लासँ विद्यार्थी अपन क्षेत्रीय विरासतसँ जुड़ैत अछि।
८५९. (D) ई स्थानीय कला द्वारा सौन्दर्य-बोध सँ जुड़ल अछि। — विद्यालयमे मिथिला चित्रकला पढ़लासँ विद्यार्थी अपन क्षेत्रीय विरासतसँ जुड़ैत अछि।
८६०. (B) कारण ई स्थानीय कला द्वारा सौन्दर्य-बोध केँ बुझाबैत अछि। — विद्यालयमे मिथिला चित्रकला पढ़लासँ विद्यार्थी अपन क्षेत्रीय विरासतसँ जुड़ैत अछि।
८६१. (D) कला-ग्राम आ सांस्कृतिक यात्रा — कला-ग्राम, हाट आ कार्यशाला यात्रिक केँ प्रत्यक्ष परम्परा देखबैत अछि।
८६२. (B) कला-ग्राम आ सांस्कृतिक यात्रा — कला-ग्राम, हाट आ कार्यशाला यात्रिक केँ प्रत्यक्ष परम्परा देखबैत अछि।
८६३. (D) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम — पर्यटन एहि खण्डक विषय 'आधुनिक रूप, संरक्षण आ बाजार' सँ सीधा जुड़ल अछि। कला-ग्राम, हाट आ कार्यशाला यात्रिक केँ प्रत्यक्ष परम्परा देखबैत अछि।
८६४. (B) ई कला-ग्राम आ सांस्कृतिक यात्रा सँ जुड़ल अछि। — कला-ग्राम, हाट आ कार्यशाला यात्रिक केँ प्रत्यक्ष परम्परा देखबैत अछि।
८६५. (C) कारण ई कला-ग्राम आ सांस्कृतिक यात्रा केँ बुझाबैत अछि। — कला-ग्राम, हाट आ कार्यशाला यात्रिक केँ प्रत्यक्ष परम्परा देखबैत अछि।
८६६. (A) स्थानीय कलाक वैश्विक पहुँच — मिथिला चित्रकला देश-बाहर पहुँचि स्थानीय कलाकारक नाम आ आय बढ़ा सकैत अछि।
८६७. (B) स्थानीय कलाक वैश्विक पहुँच — मिथिला चित्रकला देश-बाहर पहुँचि स्थानीय कलाकारक नाम आ आय बढ़ा सकैत अछि।
८६८. (D) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम — निर्यात एहि खण्डक विषय 'आधुनिक रूप, संरक्षण आ बाजार' सँ सीधा जुड़ल अछि। मिथिला चित्रकला देश-बाहर पहुँचि स्थानीय कलाकारक नाम आ आय बढ़ा सकैत अछि।
८६९. (B) ई स्थानीय कलाक वैश्विक पहुँच सँ जुड़ल अछि। — मिथिला चित्रकला देश-बाहर पहुँचि स्थानीय कलाकारक नाम आ आय बढ़ा सकैत अछि।
८७०. (B) कारण ई स्थानीय कलाक वैश्विक पहुँच केँ बुझाबैत अछि। — मिथिला चित्रकला देश-बाहर पहुँचि स्थानीय कलाकारक नाम आ आय बढ़ा सकैत अछि।
८७१. (D) चित्रकला सँ प्रेरित वस्तु-सजावट — पोस्टर, पुस्तक-मुख, वस्त्र आ गृह-सजावटमे मिथिला मोटिफ अपन रूप बदलैत अछि।
८७२. (C) चित्रकला सँ प्रेरित वस्तु-सजावट — पोस्टर, पुस्तक-मुख, वस्त्र आ गृह-सजावटमे मिथिला मोटिफ अपन रूप बदलैत अछि।
८७३. (B) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम — डिजाइन-उद्योग एहि खण्डक विषय 'आधुनिक रूप, संरक्षण आ बाजार' सँ सीधा जुड़ल अछि। पोस्टर, पुस्तक-मुख, वस्त्र आ गृह-सजावटमे मिथिला मोटिफ अपन रूप बदलैत अछि।

८७४. (D) ई चित्रकला सँ प्रेरित वस्तु-सजावट सँ जुड़ल अछि। — पोस्टर, पुस्तक-मुख, वस्त्र आ गृह-सजावटमे मिथिला मोटिफ अपन रूप बदलैत अछि।
८७५. (A) कारण ई चित्रकला सँ प्रेरित वस्तु-सजावट केँ बुझाबैत अछि। — पोस्टर, पुस्तक-मुख, वस्त्र आ गृह-सजावटमे मिथिला मोटिफ अपन रूप बदलैत अछि।
८७६. (C) पर्यावरण-मित्र रंग आ सतह — प्राकृतिक वा कम-हानिकारक सामग्री परम्परा आ पर्यावरण दुनूक रक्षा करैत अछि।
८७७. (C) पर्यावरण-मित्र रंग आ सतह — प्राकृतिक वा कम-हानिकारक सामग्री परम्परा आ पर्यावरण दुनूक रक्षा करैत अछि।
८७८. (B) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम — सतत सामग्री एहि खण्डक विषय 'आधुनिक रूप, संरक्षण आ बाजार' सँ सीधा जुड़ल अछि। प्राकृतिक वा कम-हानिकारक सामग्री परम्परा आ पर्यावरण दुनूक रक्षा करैत अछि।
८७९. (D) ई पर्यावरण-मित्र रंग आ सतह सँ जुड़ल अछि। — प्राकृतिक वा कम-हानिकारक सामग्री परम्परा आ पर्यावरण दुनूक रक्षा करैत अछि।
८८०. (B) कारण ई पर्यावरण-मित्र रंग आ सतह केँ बुझाबैत अछि। — प्राकृतिक वा कम-हानिकारक सामग्री परम्परा आ पर्यावरण दुनूक रक्षा करैत अछि।
८८१. (B) कृति संग कलाकार आ स्थान लिखब — स्रोत लिखबासँ कलाकारक श्रेय, शोध आ प्रमाणिकता सुरक्षित होइत अछि।
८८२. (B) कृति संग कलाकार आ स्थान लिखब — स्रोत लिखबासँ कलाकारक श्रेय, शोध आ प्रमाणिकता सुरक्षित होइत अछि।
८८३. (D) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम — स्रोत-लेखन एहि खण्डक विषय 'आधुनिक रूप, संरक्षण आ बाजार' सँ सीधा जुड़ल अछि। स्रोत लिखबासँ कलाकारक श्रेय, शोध आ प्रमाणिकता सुरक्षित होइत अछि।
८८४. (C) ई कृति संग कलाकार आ स्थान लिखब सँ जुड़ल अछि। — स्रोत लिखबासँ कलाकारक श्रेय, शोध आ प्रमाणिकता सुरक्षित होइत अछि।
८८५. (B) कारण ई कृति संग कलाकार आ स्थान लिखब केँ बुझाबैत अछि। — स्रोत लिखबासँ कलाकारक श्रेय, शोध आ प्रमाणिकता सुरक्षित होइत अछि।
८८६. (C) पुरान चित्रक संरक्षणक सावधान प्रक्रिया — जल, धूप आ मोड़क असर सँ बचा कृति केँ सुरक्षित राखल जाए।
८८७. (C) पुरान चित्रक संरक्षणक सावधान प्रक्रिया — जल, धूप आ मोड़क असर सँ बचा कृति केँ सुरक्षित राखल जाए।
८८८. (B) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम — मरम्मत एहि खण्डक विषय 'आधुनिक रूप, संरक्षण आ बाजार' सँ सीधा जुड़ल अछि। जल, धूप आ मोड़क असर सँ बचा कृति केँ सुरक्षित राखल जाए।
८८९. (B) ई पुरान चित्रक संरक्षणक सावधान प्रक्रिया सँ जुड़ल अछि। — जल, धूप आ मोड़क असर सँ बचा कृति केँ सुरक्षित राखल जाए।
८९०. (A) कारण ई पुरान चित्रक संरक्षणक सावधान प्रक्रिया केँ बुझाबैत अछि। — जल, धूप आ मोड़क असर सँ बचा कृति केँ सुरक्षित राखल जाए।
८९१. (C) रूप बदलैत, आत्मा बचैत — आधुनिक माध्यम अपनाबैत काल प्रतीक, रेखा, कथा आ समुदाय-श्रेय सुरक्षित रहबाक चाही।
८९२. (D) रूप बदलैत, आत्मा बचैत — आधुनिक माध्यम अपनाबैत काल प्रतीक, रेखा, कथा आ समुदाय-श्रेय सुरक्षित रहबाक चाही।
८९३. (A) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम — लोककला आ आधुनिकता एहि खण्डक विषय 'आधुनिक रूप, संरक्षण आ बाजार' सँ सीधा जुड़ल अछि। आधुनिक माध्यम अपनाबैत काल प्रतीक, रेखा, कथा आ समुदाय-श्रेय सुरक्षित रहबाक चाही।
८९४. (B) ई रूप बदलैत, आत्मा बचैत सँ जुड़ल अछि। — आधुनिक माध्यम अपनाबैत काल प्रतीक, रेखा, कथा आ समुदाय-श्रेय सुरक्षित रहबाक चाही।
८९५. (D) कारण ई रूप बदलैत, आत्मा बचैत केँ बुझाबैत अछि। — आधुनिक माध्यम अपनाबैत काल प्रतीक, रेखा, कथा आ समुदाय-श्रेय सुरक्षित रहबाक चाही।
८९६. (D) कलाकारसँ सीधा वा प्रमाणित स्रोतसँ खरीद — नैतिक खरीद कलाकारक श्रमक उचित सम्मान आ परम्पराक संरक्षण करैत अछि।
८९७. (A) कलाकारसँ सीधा वा प्रमाणित स्रोतसँ खरीद — नैतिक खरीद कलाकारक श्रमक उचित सम्मान आ परम्पराक संरक्षण करैत अछि।
८९८. (A) संरक्षण, बाजार आ आधुनिक माध्यम — नैतिक खरीद एहि खण्डक विषय 'आधुनिक रूप, संरक्षण आ बाजार' सँ सीधा जुड़ल अछि। नैतिक खरीद कलाकारक श्रमक उचित सम्मान आ परम्पराक संरक्षण करैत अछि।
८९९. (C) ई कलाकारसँ सीधा वा प्रमाणित स्रोतसँ खरीद सँ जुड़ल अछि। — नैतिक खरीद कलाकारक श्रमक उचित सम्मान आ परम्पराक संरक्षण करैत अछि।
९००. (D) कारण ई कलाकारसँ सीधा वा प्रमाणित स्रोतसँ खरीद केँ बुझाबैत अछि। — नैतिक खरीद कलाकारक श्रमक उचित सम्मान आ परम्पराक संरक्षण करैत अछि।
९०१. (C) मिथिला शैलीक घन सजावटी प्रवृत्ति — जँ चित्रमे पृष्ठभूमि बिन्दु, पात, रेखा सँ भरल अछि, तखन ई मिथिला शैलीक संकेत भऽ सकैत अछि।
९०२. (B) मिथिला शैलीक घन सजावटी प्रवृत्ति — जँ चित्रमे पृष्ठभूमि बिन्दु, पात, रेखा सँ भरल अछि, तखन ई मिथिला शैलीक संकेत भऽ सकैत अछि।

१०३. (B) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन — चित्रमे खाली जगह न छोड़ब एहि खण्डक विषय 'अभ्यास, पहचान आ आलोचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। जँ चित्रमे पृष्ठभूमि बिन्दु, पात, रेखा सँ भरल अछि, तखन ई मिथिला शैलीक संकेत भऽ सकैत अछि।
१०४. (C) ई मिथिला शैलीक घन सजावटी प्रवृत्ति सँ जुड़ल अछि। — जँ चित्रमे पृष्ठभूमि बिन्दु, पात, रेखा सँ भरल अछि, तखन ई मिथिला शैलीक संकेत भऽ सकैत अछि।
१०५. (B) कारण ई मिथिला शैलीक घन सजावटी प्रवृत्ति केँ बुझाबैत अछि। — जँ चित्रमे पृष्ठभूमि बिन्दु, पात, रेखा सँ भरल अछि, तखन ई मिथिला शैलीक संकेत भऽ सकैत अछि।
१०६. (A) मिथिला चित्रकला पहचानबाक आधार — बाहरी सीमा आ भीतर सजावटी भराव एहि शैलीक प्रमुख दृश्य गुण अछि।
१०७. (A) मिथिला चित्रकला पहचानबाक आधार — बाहरी सीमा आ भीतर सजावटी भराव एहि शैलीक प्रमुख दृश्य गुण अछि।
१०८. (C) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन — दोहरी रेखा आ भीतरक भराव एहि खण्डक विषय 'अभ्यास, पहचान आ आलोचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। बाहरी सीमा आ भीतर सजावटी भराव एहि शैलीक प्रमुख दृश्य गुण अछि।
१०९. (A) ई मिथिला चित्रकला पहचानबाक आधार सँ जुड़ल अछि। — बाहरी सीमा आ भीतर सजावटी भराव एहि शैलीक प्रमुख दृश्य गुण अछि।
११०. (C) कारण ई मिथिला चित्रकला पहचानबाक आधार केँ बुझाबैत अछि। — बाहरी सीमा आ भीतर सजावटी भराव एहि शैलीक प्रमुख दृश्य गुण अछि।
१११. (C) लोककथा आ आस्थाक दृश्य रूप — मिथिला चित्रकलामे देव-मूर्ति शास्त्रीय यथार्थवादसँ बेसी लोक-चिन्हक रूपमे आबैत छथि।
११२. (A) लोककथा आ आस्थाक दृश्य रूप — मिथिला चित्रकलामे देव-मूर्ति शास्त्रीय यथार्थवादसँ बेसी लोक-चिन्हक रूपमे आबैत छथि।
११३. (A) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन — देवता केँ लोक-रेखा मे देखब एहि खण्डक विषय 'अभ्यास, पहचान आ आलोचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। मिथिला चित्रकलामे देव-मूर्ति शास्त्रीय यथार्थवादसँ बेसी लोक-चिन्हक रूपमे आबैत छथि।
११४. (B) ई लोककथा आ आस्थाक दृश्य रूप सँ जुड़ल अछि। — मिथिला चित्रकलामे देव-मूर्ति शास्त्रीय यथार्थवादसँ बेसी लोक-चिन्हक रूपमे आबैत छथि।
११५. (A) कारण ई लोककथा आ आस्थाक दृश्य रूप केँ बुझाबैत अछि। — मिथिला चित्रकलामे देव-मूर्ति शास्त्रीय यथार्थवादसँ बेसी लोक-चिन्हक रूपमे आबैत छथि।
११६. (B) कमल, बाँस, माछ, कछुआ, सूर्य-चन्द्र — एहि चिन्ह सभक मेल विवाह-सम्बन्धी कोहबर रचना दिस संकेत करैत अछि।
११७. (A) कमल, बाँस, माछ, कछुआ, सूर्य-चन्द्र — एहि चिन्ह सभक मेल विवाह-सम्बन्धी कोहबर रचना दिस संकेत करैत अछि।
११८. (C) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन — कोहबर चिन्ह पहचानब एहि खण्डक विषय 'अभ्यास, पहचान आ आलोचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। एहि चिन्ह सभक मेल विवाह-सम्बन्धी कोहबर रचना दिस संकेत करैत अछि।
११९. (D) ई कमल, बाँस, माछ, कछुआ, सूर्य-चन्द्र सँ जुड़ल अछि। — एहि चिन्ह सभक मेल विवाह-सम्बन्धी कोहबर रचना दिस संकेत करैत अछि।
१२०. (D) कारण ई कमल, बाँस, माछ, कछुआ, सूर्य-चन्द्र केँ बुझाबैत अछि। — एहि चिन्ह सभक मेल विवाह-सम्बन्धी कोहबर रचना दिस संकेत करैत अछि।
१२१. (C) चाउर घोलक ज्यामितीय भूमि-चित्र — भूमि पर बनल वृत्त, मंडल, पाँखुड़ी, चौक आदि अरिपनक संकेत अछि।
१२२. (B) चाउर घोलक ज्यामितीय भूमि-चित्र — भूमि पर बनल वृत्त, मंडल, पाँखुड़ी, चौक आदि अरिपनक संकेत अछि।
१२३. (B) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन — अरिपन चिन्ह पहचानब एहि खण्डक विषय 'अभ्यास, पहचान आ आलोचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। भूमि पर बनल वृत्त, मंडल, पाँखुड़ी, चौक आदि अरिपनक संकेत अछि।
१२४. (A) ई चाउर घोलक ज्यामितीय भूमि-चित्र सँ जुड़ल अछि। — भूमि पर बनल वृत्त, मंडल, पाँखुड़ी, चौक आदि अरिपनक संकेत अछि।
१२५. (B) कारण ई चाउर घोलक ज्यामितीय भूमि-चित्र केँ बुझाबैत अछि। — भूमि पर बनल वृत्त, मंडल, पाँखुड़ी, चौक आदि अरिपनक संकेत अछि।
१२६. (A) महीन रेखा आ हाचिंग बेसी — जँ रंग कम आ रेखीय भराव बेसी हो, तखन कचनी शैली सोचल जा सकैत अछि।
१२७. (D) महीन रेखा आ हाचिंग बेसी — जँ रंग कम आ रेखीय भराव बेसी हो, तखन कचनी शैली सोचल जा सकैत अछि।
१२८. (D) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन — कचनी पहचानब एहि खण्डक विषय 'अभ्यास, पहचान आ आलोचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। जँ रंग कम आ रेखीय भराव बेसी हो, तखन कचनी शैली सोचल जा सकैत अछि।
१२९. (A) ई महीन रेखा आ हाचिंग बेसी सँ जुड़ल अछि। — जँ रंग कम आ रेखीय भराव बेसी हो, तखन कचनी शैली सोचल जा सकैत अछि।
१३०. (D) कारण ई महीन रेखा आ हाचिंग बेसी केँ बुझाबैत अछि। — जँ रंग कम आ रेखीय भराव बेसी हो, तखन कचनी शैली सोचल जा सकैत अछि।
१३१. (D) चटख रंग भराव बेसी — आकृतिक भीतर गाढ़ रंग भरल रहला पर भरनी प्रवृत्ति स्पष्ट होइत अछि।

१३२. (D) चटख रंग भराव बेसी — आकृतिक भीतर गाढ़ रंग भरल रहला पर भरनी प्रवृत्ति स्पष्ट होइत अछि।
१३३. (B) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन — भरनी पहचानब एहि खण्डक विषय 'अभ्यास, पहचान आ आलोचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। आकृतिक भीतर गाढ़ रंग भरल रहला पर भरनी प्रवृत्ति स्पष्ट होइत अछि।
१३४. (A) ई चटख रंग भराव बेसी सँ जुड़ल अछि। — आकृतिक भीतर गाढ़ रंग भरल रहला पर भरनी प्रवृत्ति स्पष्ट होइत अछि।
१३५. (D) कारण ई चटख रंग भराव बेसी केँ बुझाबैत अछि। — आकृतिक भीतर गाढ़ रंग भरल रहला पर भरनी प्रवृत्ति स्पष्ट होइत अछि।
१३६. (D) बिन्दु, छोट चिह्न आ टैटू-जकाँ लय — गोदना शैली शरीर-चिह्नक स्मृति केँ चित्रक सतह पर आनैत अछि।
१३७. (A) बिन्दु, छोट चिह्न आ टैटू-जकाँ लय — गोदना शैली शरीर-चिह्नक स्मृति केँ चित्रक सतह पर आनैत अछि।
१३८. (A) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन — गोदना पहचानब एहि खण्डक विषय 'अभ्यास, पहचान आ आलोचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। गोदना शैली शरीर-चिह्नक स्मृति केँ चित्रक सतह पर आनैत अछि।
१३९. (D) ई बिन्दु, छोट चिह्न आ टैटू-जकाँ लय सँ जुड़ल अछि। — गोदना शैली शरीर-चिह्नक स्मृति केँ चित्रक सतह पर आनैत अछि।
१४०. (C) कारण ई बिन्दु, छोट चिह्न आ टैटू-जकाँ लय केँ बुझाबैत अछि। — गोदना शैली शरीर-चिह्नक स्मृति केँ चित्रक सतह पर आनैत अछि।
१४१. (A) देवी, यंत्र, गूढ़ चिन्ह — तांत्रिक शैलीमे शक्ति-चिन्ह, देवमूर्ति आ प्रतीकक गहन अर्थ रहैत अछि।
१४२. (D) देवी, यंत्र, गूढ़ चिन्ह — तांत्रिक शैलीमे शक्ति-चिन्ह, देवमूर्ति आ प्रतीकक गहन अर्थ रहैत अछि।
१४३. (D) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन — तांत्रिक पहचानब एहि खण्डक विषय 'अभ्यास, पहचान आ आलोचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। तांत्रिक शैलीमे शक्ति-चिन्ह, देवमूर्ति आ प्रतीकक गहन अर्थ रहैत अछि।
१४४. (B) ई देवी, यंत्र, गूढ़ चिन्ह सँ जुड़ल अछि। — तांत्रिक शैलीमे शक्ति-चिन्ह, देवमूर्ति आ प्रतीकक गहन अर्थ रहैत अछि।
१४५. (D) कारण ई देवी, यंत्र, गूढ़ चिन्ह केँ बुझाबैत अछि। — तांत्रिक शैलीमे शक्ति-चिन्ह, देवमूर्ति आ प्रतीकक गहन अर्थ रहैत अछि।
१४६. (A) हर रंगीन लोकचित्र केँ मिथिला नहि मानब — क्षेत्र, रेखा, प्रतीक, भराव आ विषय देखिकेँ पहचान करबाक चाही।
१४७. (A) हर रंगीन लोकचित्र केँ मिथिला नहि मानब — क्षेत्र, रेखा, प्रतीक, भराव आ विषय देखिकेँ पहचान करबाक चाही।
१४८. (D) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन — गलत पहचान सँ बचब एहि खण्डक विषय 'अभ्यास, पहचान आ आलोचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। क्षेत्र, रेखा, प्रतीक, भराव आ विषय देखिकेँ पहचान करबाक चाही।
१४९. (A) ई हर रंगीन लोकचित्र केँ मिथिला नहि मानब सँ जुड़ल अछि। — क्षेत्र, रेखा, प्रतीक, भराव आ विषय देखिकेँ पहचान करबाक चाही।
१५०. (D) कारण ई हर रंगीन लोकचित्र केँ मिथिला नहि मानब केँ बुझाबैत अछि। — क्षेत्र, रेखा, प्रतीक, भराव आ विषय देखिकेँ पहचान करबाक चाही।
१५१. (B) केन्द्र आ किनारक संतुलन — चित्रमे मुख्य आकृति, किनार, पृष्ठभूमि आ प्रतीक सभक संतुलन देखब आलोचनाक भाग अछि।
१५२. (B) केन्द्र आ किनारक संतुलन — चित्रमे मुख्य आकृति, किनार, पृष्ठभूमि आ प्रतीक सभक संतुलन देखब आलोचनाक भाग अछि।
१५३. (C) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन — रचना-समता जाँचब एहि खण्डक विषय 'अभ्यास, पहचान आ आलोचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। चित्रमे मुख्य आकृति, किनार, पृष्ठभूमि आ प्रतीक सभक संतुलन देखब आलोचनाक भाग अछि।
१५४. (A) ई केन्द्र आ किनारक संतुलन सँ जुड़ल अछि। — चित्रमे मुख्य आकृति, किनार, पृष्ठभूमि आ प्रतीक सभक संतुलन देखब आलोचनाक भाग अछि।
१५५. (D) कारण ई केन्द्र आ किनारक संतुलन केँ बुझाबैत अछि। — चित्रमे मुख्य आकृति, किनार, पृष्ठभूमि आ प्रतीक सभक संतुलन देखब आलोचनाक भाग अछि।
१५६. (C) सजावटसँ बेसी प्रतीकात्मकता बुझब — रंग कोना पर्व, देवता, प्रकृति वा भावसँ जुड़ल अछि, ई देखब जरूरी अछि।
१५७. (C) सजावटसँ बेसी प्रतीकात्मकता बुझब — रंग कोना पर्व, देवता, प्रकृति वा भावसँ जुड़ल अछि, ई देखब जरूरी अछि।
१५८. (D) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन — रंगक अर्थ पूछब एहि खण्डक विषय 'अभ्यास, पहचान आ आलोचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। रंग कोना पर्व, देवता, प्रकृति वा भावसँ जुड़ल अछि, ई देखब जरूरी अछि।
१५९. (D) ई सजावटसँ बेसी प्रतीकात्मकता बुझब सँ जुड़ल अछि। — रंग कोना पर्व, देवता, प्रकृति वा भावसँ जुड़ल अछि, ई देखब जरूरी अछि।
१६०. (B) कारण ई सजावटसँ बेसी प्रतीकात्मकता बुझब केँ बुझाबैत अछि। — रंग कोना पर्व, देवता, प्रकृति वा भावसँ जुड़ल अछि, ई देखब जरूरी अछि।
१६१. (A) नैतिक कला-अध्ययनक नियम — चित्र उपयोग करैत काल कलाकारक नाम आ स्रोत देब उचित अछि।

१६२. (A) नैतिक कला-अध्ययनक नियम — चित्र उपयोग करैत काल कलाकारक नाम आ स्रोत देब उचित अछि।
१६३. (B) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन — कलाकारक श्रेय एहि खण्डक विषय 'अभ्यास, पहचान आ आलोचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। चित्र उपयोग करैत काल कलाकारक नाम आ स्रोत देब उचित अछि।
१६४. (B) ई नैतिक कला-अध्ययनक नियम सँ जुड़ल अछि। — चित्र उपयोग करैत काल कलाकारक नाम आ स्रोत देब उचित अछि।
१६५. (D) कारण ई नैतिक कला-अध्ययनक नियम केँ बुझाबैत अछि। — चित्र उपयोग करैत काल कलाकारक नाम आ स्रोत देब उचित अछि।
१६६. (D) कला केँ ओकर भाषा-संस्कृतिमे पढ़ब — कोहबर, अरिपन, पिठार जेहन शब्द अर्थ सहित बुझलासँ कला-समझ गाढ़ होइत अछि।
१६७. (B) कला केँ ओकर भाषा-संस्कृतिमे पढ़ब — कोहबर, अरिपन, पिठार जेहन शब्द अर्थ सहित बुझलासँ कला-समझ गाढ़ होइत अछि।
१६८. (B) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन — स्थानीय शब्द बुझब एहि खण्डक विषय 'अभ्यास, पहचान आ आलोचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। कोहबर, अरिपन, पिठार जेहन शब्द अर्थ सहित बुझलासँ कला-समझ गाढ़ होइत अछि।
१६९. (B) ई कला केँ ओकर भाषा-संस्कृतिमे पढ़ब सँ जुड़ल अछि। — कोहबर, अरिपन, पिठार जेहन शब्द अर्थ सहित बुझलासँ कला-समझ गाढ़ होइत अछि।
१७०. (B) कारण ई कला केँ ओकर भाषा-संस्कृतिमे पढ़ब केँ बुझाबैत अछि। — कोहबर, अरिपन, पिठार जेहन शब्द अर्थ सहित बुझलासँ कला-समझ गाढ़ होइत अछि।
१७१. (B) परम्परा भंग नहि, विस्तार — पर्यावरण वा शिक्षा जेहन नूतन विषय मिथिला शैलीमे बनि सकैत अछि जँ रेखा-प्रतीकक आत्मा बचल रहय।
१७२. (C) परम्परा भंग नहि, विस्तार — पर्यावरण वा शिक्षा जेहन नूतन विषय मिथिला शैलीमे बनि सकैत अछि जँ रेखा-प्रतीकक आत्मा बचल रहय।
१७३. (D) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन — नूतन विषय जोड़ब एहि खण्डक विषय 'अभ्यास, पहचान आ आलोचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। पर्यावरण वा शिक्षा जेहन नूतन विषय मिथिला शैलीमे बनि सकैत अछि जँ रेखा-प्रतीकक आत्मा बचल रहय।
१७४. (D) ई परम्परा भंग नहि, विस्तार सँ जुड़ल अछि। — पर्यावरण वा शिक्षा जेहन नूतन विषय मिथिला शैलीमे बनि सकैत अछि जँ रेखा-प्रतीकक आत्मा बचल रहय।
१७५. (B) कारण ई परम्परा भंग नहि, विस्तार केँ बुझाबैत अछि। — पर्यावरण वा शिक्षा जेहन नूतन विषय मिथिला शैलीमे बनि सकैत अछि जँ रेखा-प्रतीकक आत्मा बचल रहय।
१७६. (A) छाया-प्रकाश नहि, प्रतीकात्मक समतलता — मिथिला शैलीक बल समतल रचना, प्रतीक आ सजावटी रेखामे अछि।
१७७. (D) छाया-प्रकाश नहि, प्रतीकात्मक समतलता — मिथिला शैलीक बल समतल रचना, प्रतीक आ सजावटी रेखामे अछि।
१७८. (C) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन — अति-यथार्थवाद सँ भेद एहि खण्डक विषय 'अभ्यास, पहचान आ आलोचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। मिथिला शैलीक बल समतल रचना, प्रतीक आ सजावटी रेखामे अछि।
१७९. (D) ई छाया-प्रकाश नहि, प्रतीकात्मक समतलता सँ जुड़ल अछि। — मिथिला शैलीक बल समतल रचना, प्रतीक आ सजावटी रेखामे अछि।
१८०. (C) कारण ई छाया-प्रकाश नहि, प्रतीकात्मक समतलता केँ बुझाबैत अछि। — मिथिला शैलीक बल समतल रचना, प्रतीक आ सजावटी रेखामे अछि।
१८१. (C) एक कमल बनाकऽ चारू दिस पात-बिन्दु भरब — विद्यार्थी एहि अभ्याससँ भराव, सममिति आ सीमा-पट्टी बुझि सकैत अछि।
१८२. (C) एक कमल बनाकऽ चारू दिस पात-बिन्दु भरब — विद्यार्थी एहि अभ्याससँ भराव, सममिति आ सीमा-पट्टी बुझि सकैत अछि।
१८३. (A) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन — छोट अभ्यास एहि खण्डक विषय 'अभ्यास, पहचान आ आलोचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। विद्यार्थी एहि अभ्याससँ भराव, सममिति आ सीमा-पट्टी बुझि सकैत अछि।
१८४. (D) ई एक कमल बनाकऽ चारू दिस पात-बिन्दु भरब सँ जुड़ल अछि। — विद्यार्थी एहि अभ्याससँ भराव, सममिति आ सीमा-पट्टी बुझि सकैत अछि।
१८५. (B) कारण ई एक कमल बनाकऽ चारू दिस पात-बिन्दु भरब केँ बुझाबैत अछि। — विद्यार्थी एहि अभ्याससँ भराव, सममिति आ सीमा-पट्टी बुझि सकैत अछि।
१८६. (B) सीखबाक लेल नकल, प्रकाशन लेल श्रेय — अभ्यासमे प्रतिलिपि ठीक, मुदा सार्वजनिक उपयोगमे कलाकारक श्रेय आवश्यक अछि।
१८७. (D) सीखबाक लेल नकल, प्रकाशन लेल श्रेय — अभ्यासमे प्रतिलिपि ठीक, मुदा सार्वजनिक उपयोगमे कलाकारक श्रेय आवश्यक अछि।
१८८. (B) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन — नैतिक प्रतिलिपि एहि खण्डक विषय 'अभ्यास, पहचान आ आलोचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। अभ्यासमे प्रतिलिपि ठीक, मुदा सार्वजनिक उपयोगमे कलाकारक श्रेय आवश्यक अछि।

१८९. (A) ई सीखबाक लेल नकल, प्रकाशन लेल श्रेय सँ जुड़ल अछि। — अभ्यासमे प्रतिलिपि ठीक, मुदा सार्वजनिक उपयोगमे कलाकारक श्रेय आवश्यक अछि।
१९०. (D) कारण ई सीखबाक लेल नकल, प्रकाशन लेल श्रेय केँ बुझाबैत अछि। — अभ्यासमे प्रतिलिपि ठीक, मुदा सार्वजनिक उपयोगमे कलाकारक श्रेय आवश्यक अछि।
१९१. (B) लोकशैलीमे समकालीन बात — दहेज, शिक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य जेहन विषय मिथिला चित्रकलामे आधुनिक विस्तार देखबैत अछि।
१९२. (C) लोकशैलीमे समकालीन बात — दहेज, शिक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य जेहन विषय मिथिला चित्रकलामे आधुनिक विस्तार देखबैत अछि।
१९३. (C) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन — सामाजिक विषय एहि खण्डक विषय 'अभ्यास, पहचान आ आलोचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। दहेज, शिक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य जेहन विषय मिथिला चित्रकलामे आधुनिक विस्तार देखबैत अछि।
१९४. (B) ई लोकशैलीमे समकालीन बात सँ जुड़ल अछि। — दहेज, शिक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य जेहन विषय मिथिला चित्रकलामे आधुनिक विस्तार देखबैत अछि।
१९५. (D) कारण ई लोकशैलीमे समकालीन बात केँ बुझाबैत अछि। — दहेज, शिक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य जेहन विषय मिथिला चित्रकलामे आधुनिक विस्तार देखबैत अछि।
१९६. (B) रेखा, रंग, प्रतीक, विषय आ स्रोत पाँचू देखब — एकटा मिथिला चित्रकला केँ बुझबाक लेल केवल सुन्दरता नहि, ओकर सांस्कृतिक सन्दर्भ सेहो देखबाक चाही।
१९७. (B) रेखा, रंग, प्रतीक, विषय आ स्रोत पाँचू देखब — एकटा मिथिला चित्रकला केँ बुझबाक लेल केवल सुन्दरता नहि, ओकर सांस्कृतिक सन्दर्भ सेहो देखबाक चाही।
१९८. (A) चित्र-पहचान आ मूल्यांकन — अन्तिम मूल्यांकन एहि खण्डक विषय 'अभ्यास, पहचान आ आलोचना' सँ सीधा जुड़ल अछि। एकटा मिथिला चित्रकला केँ बुझबाक लेल केवल सुन्दरता नहि, ओकर सांस्कृतिक सन्दर्भ सेहो देखबाक चाही।
१९९. (D) ई रेखा, रंग, प्रतीक, विषय आ स्रोत पाँचू देखब सँ जुड़ल अछि। — एकटा मिथिला चित्रकला केँ बुझबाक लेल केवल सुन्दरता नहि, ओकर सांस्कृतिक सन्दर्भ सेहो देखबाक चाही।
१०००. (A) कारण ई रेखा, रंग, प्रतीक, विषय आ स्रोत पाँचू देखब केँ बुझाबैत अछि। — एकटा मिथिला चित्रकला केँ बुझबाक लेल केवल सुन्दरता नहि, ओकर सांस्कृतिक सन्दर्भ सेहो देखबाक चाही।

अध्याय ३ : विदेह ई-लर्निङ्ग क्विज — कला आ संगीत

खण्ड १ : मिथिलाक संगीत-परम्परा परिचय

१. मिथिलाक संगीत-परम्पराक जड़ि कोन प्रकारक संगीतसँ जुड़ल अछि?
 - (A) केवल फिल्मी
 - (B) लोकगीत आ शास्त्रीय संगीत दुनू
 - (C) केवल विदेशी
 - (D) केवल वाद्य
२. मिथिलाक संगीत प्रायः कोन भाषामे होइत अछि?
 - (A) केवल संस्कृत
 - (B) मैथिली (आ संस्कृत सेहो)
 - (C) फारसी
 - (D) तमिल
३. मिथिलाक संगीत-परम्परामे 'विद्यापति'क की योगदान?
 - (A) कोनो नहि
 - (B) गेय पद आ माधुर्यपूर्ण रचना
 - (C) रोक
 - (D) हानि
४. मिथिलाक संगीत कोन-कोन अवसरसँ जुड़ल अछि?
 - (A) केवल युद्ध
 - (B) जन्म, विवाह, पाबनि
 - (C) व्यापार
 - (D) कोनो नहि
५. मिथिलाक संगीतमे 'कण्ठ-संगीत' (गायन) आ 'वाद्य-संगीत'क सम्बन्ध?
 - (A) विरोधी
 - (B) परस्पर पूरक
 - (C) असम्बद्ध
 - (D) निरर्थक
६. मिथिलाक संगीत-परम्परा कोना आगाँ बढ़ल?
 - (A) केवल लिखित
 - (B) मुँहजुबानी (गुरु-शिष्य) परम्परासँ
 - (C) विदेशसँ
 - (D) कोनो नहि
७. दरभंगा घराना कोन संगीत-शैलीसँ जुड़ल अछि?
 - (A) कर्नाटक संगीत
 - (B) ध्रुपद
 - (C) फिल्मी गीत
 - (D) पॉप
८. मिथिलाक संगीतमे 'भाव' आ 'स्वर'क सम्बन्ध?
 - (A) असम्बद्ध
 - (B) भाव स्वरक माध्यमसँ व्यक्त
 - (C) विरोधी
 - (D) निरर्थक

९. मिथिलाक संगीत-परम्परा कोन रूपमे आइयो जीवित अछि?

- (A) केवल पुस्तक
- (B) लोकगीत, पाबनि आ शास्त्रीय गायनमे
- (C) लुप्त
- (D) कोनो नहि

१०. मिथिलाक संगीत-परम्पराक संरक्षण किएक आवश्यक?

- (A) कोनो नहि
- (B) सांस्कृतिक धरोहरक रक्षा
- (C) हानि
- (D) निरर्थक

खण्ड २ : लोकगीत-परम्परा

११. 'सोहर' गीत कोन अवसर पर गाओल जाइत अछि?

- (A) शोक
- (B) सन्तान-जन्मक हर्ष
- (C) युद्ध
- (D) विदाई

१२. 'समदाउन' गीत कोन भाव दैत अछि?

- (A) हर्ष
- (B) बेटीक विदाईक करुण भाव
- (C) युद्ध
- (D) व्यापार

१३. मिथिलाक विवाह-गीत के गाबैत छथि?

- (A) केवल पुरुष
- (B) घरक स्त्रीगण
- (C) विदेशी
- (D) बच्चा मात्र

१४. 'जट-जटिन' गीत कोन ऋतु/ भावसँ जुड़ल अछि?

- (A) जाड़
- (B) वर्षा आ दाम्पत्य-जीवन
- (C) गर्मी
- (D) शरद

१५. 'भगवती-गीत' कोन भावसँ गाओल जाइत अछि?

- (A) क्रोध
- (B) भक्ति आ श्रद्धा
- (C) हास्य
- (D) भय

१६. 'नचारी' गीत कोन देवतासँ जुड़ल अछि?

- (A) विष्णु
- (B) शिव
- (C) गणेश
- (D) सूर्य

१७. 'महेशवाणी' कोन भावक गीत थिक?

- (A) हास्य
- (B) शिव-महिमा/भक्ति
- (C) युद्ध
- (D) व्यापार

१८. 'सामा-चकेबा' गीत कोन सम्बन्धसँ जुड़ल अछि?

- (A) पति-पत्नी
- (B) बहिन-भाइ
- (C) माय-बेटा
- (D) गुरु-शिष्य

१९. 'कीर्तनिया' गीत कोन भावसँ जुड़ल अछि?

- (A) युद्ध
- (B) कीर्तन आ भक्तिप्रधान प्रसंग
- (C) व्यापार
- (D) विज्ञान

२०. मिथिलाक लोकगीतक भाषा कोना होइत अछि?

- (A) कठिन विदेशी
- (B) सहज मैथिली, लयदार
- (C) केवल संस्कृत
- (D) अर्थहीन

खण्ड ३ : शास्त्रीय संगीत आ ध्रुपद

२१. 'ध्रुपद' कोन प्रकारक संगीत-शैली थिक?

- (A) आधुनिक फिल्मि
- (B) गम्भीर शास्त्रीय गायन-शैली
- (C) लोकगीत मात्र
- (D) पॉप

२२. दरभंगा घराना ध्रुपदक कोन रूपमे प्रसिद्ध अछि?

- (A) नूतन शैली
- (B) परम्परागत आ प्रतिष्ठित घराना
- (C) विदेशी
- (D) कोनो नहि

२३. शास्त्रीय संगीतमे 'राग' की थिक?

- (A) केवल शोर
- (B) स्वरक नियमबद्ध सुरीला ढाँचा
- (C) केवल ताल
- (D) केवल गीत

२४. 'ताल' संगीतमे की निर्धारित करैत अछि?

- (A) स्वर
- (B) समय-चक्र/लय
- (C) शब्द
- (D) भाव मात्र

२५. 'आलाप' संगीतमे कोन भाग थिक?

- (A) अन्त
- (B) आरम्भिक स्वर-विस्तार (बिना ताल)
- (C) केवल ताल
- (D) मध्य

२६. दरभंगा-राजक संरक्षणमे कोन कला विशेष फलल?

- (A) केवल चित्रकला
- (B) शास्त्रीय संगीत
- (C) केवल नृत्य
- (D) कोनो नहि

२७. 'गुरु-शिष्य परम्परा' शास्त्रीय संगीतमे किएक महत्त्वपूर्ण?

- (A) कोनो नहि
- (B) ज्ञान आ कौशलक प्रत्यक्ष हस्तान्तरण
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

२८. शास्त्रीय संगीतमे 'रियाज' (अभ्यास)क की महत्त्व?

- (A) कोनो नहि
- (B) निपुणता आ स्वर-शुद्धता
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

२९. ध्रुपद गायनमे कोन वाद्य प्रायः साथ दैत अछि?

- (A) सितार
- (B) पखावज/तानपुरा
- (C) गिटार
- (D) ड्रम-सेट

३०. मिथिलाक शास्त्रीय संगीत-परम्पराक संरक्षण किएक जरूरी?

- (A) कोनो नहि
- (B) अमूल्य सांस्कृतिक धरोहरक रक्षा
- (C) हानि
- (D) निरर्थक

खण्ड ४ : वाद्य-यन्त्र

३१. 'ढोलक' कोन प्रकारक वाद्य थिक?

- (A) तार-वाद्य
- (B) ताल/अवनद्ध वाद्य
- (C) सुषिर वाद्य
- (D) घन वाद्य

३२. 'हारमोनियम' कोन प्रकारक वाद्य थिक?

- (A) ताल
- (B) सुर/स्वर-वाद्य
- (C) केवल ताली
- (D) घन

३३. 'झाल' (मंजीरा) कोन प्रकारक वाद्य थिक?

- (A) तार
- (B) घन (धातुक ताल-वाद्य)
- (C) सुषिर
- (D) चर्म

३४. 'तानपुरा' संगीतमे कोन काज करैत अछि?

- (A) ताल देब
- (B) स्वर-संगति/आधार देब
- (C) केवल सजावट
- (D) कोनो नहि

३५. 'पखावज' कोन वाद्य थिक?

- (A) स्वर-वाद्य
- (B) ताल-वाद्य (ध्रुपदमे प्रयुक्त)
- (C) सुषिर
- (D) तार

३६. 'बाँसुरी' कोन प्रकारक वाद्य थिक?

- (A) ताल
- (B) सुषिर (फूँकि बजाओल जाइत)
- (C) तार
- (D) घन

३७. 'सितार' कोन प्रकारक वाद्य थिक?

- (A) सुषिर
- (B) तार-वाद्य
- (C) ताल
- (D) घन

३८. लोक-वाद्यमे 'डफली' कोन प्रकारक वाद्य थिक?

- (A) तार
- (B) ताल/अवनद्ध (हाथसँ बजाओल)
- (C) सुषिर
- (D) घन

३९. वाद्य-यन्त्रक चारि मुख्य वर्गीकरण की?

- (A) केवल दू
- (B) तार, ताल(अवनद्ध), सुषिर, घन
- (C) केवल एक
- (D) अज्ञात

४०. मिथिलाक लोक-संगीतमे वाद्यक की भूमिका?

- (A) कोनो नहि
- (B) गीतक भाव आ लयकेँ सघन करब
- (C) निरर्थक
- (D) रोक

खण्ड ५ : रस, भाव आ संगीत-सौन्दर्य

४१. संगीतमे 'भाव' आ 'राग'क सम्बन्ध?

- (A) असम्बद्ध
- (B) राग विशेष भाव जगाबैत अछि
- (C) विरोधी
- (D) निरर्थक

४२. 'शृंगार रस'क संगीतमे कोन भाव प्रमुख?

- (A) क्रोध
- (B) प्रेम/रति
- (C) भय
- (D) शोक

४३. 'भक्ति-भाव' प्रधान संगीतमे कोन विषय आबैत अछि?

- (A) व्यापार
- (B) देवी-देवताक स्तुति
- (C) युद्ध
- (D) विज्ञान

४४. 'करुण भाव' बला गीत प्रायः कोन प्रसंगसँ जुड़ल?

- (A) विवाह-हर्ष
- (B) विदाई आ वियोग
- (C) युद्ध-विजय
- (D) व्यापार

४५. संगीतमे 'लय'क की महत्त्व?

- (A) कोनो नहि
- (B) समय-गतिक नियमन आ सौन्दर्य
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

४६. संगीतमे 'सुर' आ 'ताल'क सम्बन्ध?

- (A) विरोधी
- (B) परस्पर पूरक
- (C) असम्बद्ध
- (D) निरर्थक

४७. मिथिलाक संगीतमे 'प्रकृति'क प्रसंग कोन भाव दैत अछि?

- (A) केवल सजावट
- (B) ऋतु-भाव आ जीवन-लय
- (C) निरर्थक
- (D) गणित

४८. 'समवेत गायन' (कोरस)क की प्रभाव?

- (A) कोनो नहि
- (B) सामूहिक भाव आ ऊर्जा
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

४९. संगीतक सौन्दर्य कोना अनुभूत होइत अछि?

- (A) केवल आँखिसँ
- (B) श्रवण आ हृदयसँ
- (C) केवल मस्तिष्कसँ
- (D) कोनो नहि

५०. मिथिलाक संगीत-सौन्दर्यक मूल स्रोत की?

- (A) केवल तकनीक
- (B) भाव, भाषा आ परम्परा
- (C) निरर्थक
- (D) विदेशी

खण्ड ६ : मिथिला चित्रकला (कला)

५१. मिथिला चित्रकलाकेँ आओर कोन नामसँ जानल जाइत अछि?

- (A) वारली
- (B) मधुबनी
- (C) पट्टचित्र
- (D) गोंड

५२. मिथिला चित्रकला परम्परागत रूपेँ के बनबैत छलीह?

- (A) केवल पुरुष
- (B) घरक स्त्रीगण
- (C) विदेशी
- (D) बच्चा

५३. मिथिला चित्रकलामे प्रायः कोन विषय आबैत अछि?

- (A) केवल युद्ध
- (B) देवी-देवता, प्रकृति, विवाह-प्रसंग
- (C) गणित
- (D) विज्ञान

५४. 'कोहबर' चित्र कोन अवसरसँ जुड़ल अछि?

- (A) शोक
- (B) विवाह
- (C) युद्ध
- (D) व्यापार

५५. 'अरिपन' कोन सामग्रीसँ बनाओल जाइत अछि?

- (A) तेल
- (B) पिठार (चाउरक घोर)
- (C) धातु
- (D) काँच

५६. मिथिला चित्रकलाक चारि प्रमुख शैली कोन?

- (A) कोनो नहि
- (B) कचनी, भरनी, गोदना, तांत्रिक
- (C) केवल एक
- (D) अज्ञात

५७. मिथिला चित्रकलाकें राष्ट्रीय सम्मान कोन रूपमे भेटल?

- (A) केवल स्थानीय
- (B) पद्मश्री सन सम्मान
- (C) कोनो नहि
- (D) केवल गाम

५८. 'सिक्की-कला' कोन सामग्रीसँ बनैत अछि?

- (A) धातु
- (B) सिक्की-घास
- (C) पाथर
- (D) काँच

५९. मिथिलाक 'सुजनी' कला की थिक?

- (A) चित्रकला
- (B) सीअन-कला (कढ़ाई/रजाई)
- (C) धातु-कला
- (D) मूर्ति

६०. मिथिला चित्रकलाक संरक्षण किएक आवश्यक?

- (A) कोनो नहि
- (B) सांस्कृतिक पहचान आ आजीविका
- (C) हानि
- (D) निरर्थक

खण्ड ७ : मूर्तिकला आ हस्तकला

६१. मिथिलामे परम्परागत मूर्तिकला कोन सामग्रीसँ होइत अछि?

- (A) केवल काँच
- (B) माटि, पाथर, धातु
- (C) केवल कागज
- (D) कोनो नहि

६२. दुर्गा-पूजाक अवसर पर मिथिलामे की बनैत अछि?

- (A) केवल चित्र
- (B) माटिक मूर्ति
- (C) केवल अरिपन
- (D) कोनो नहि

६३. 'काष्ठ-कला' (काठक नक्काशी) मिथिलामे कतय देखल जाइत अछि?

- (A) कतहु नहि
- (B) दरवाजा, खाट आ घरक काठपर
- (C) केवल विदेश
- (D) कोनो नहि

६४. 'सिक्की-कला'क प्रमुख उत्पाद की?

- (A) कुर्सी
- (B) डाला, पौती, खिलौना
- (C) गाड़ी
- (D) कोनो नहि

६५. मिथिलाक हस्तकलामे 'बाँस-कला'क की उपयोग?

- (A) कोनो नहि
- (B) डाला-कुड़ी, टोकरी आदि
- (C) केवल सजावट
- (D) कोनो नहि

६६. हस्तकला मिथिलाक नारीकें कोन रूपमे सहायक भेल?

- (A) कोनो नहि
- (B) आय आ आत्मनिर्भरता
- (C) हानि
- (D) रोक

६७. मिथिलाक हस्तकलाक संरक्षणमे की आवश्यक?

- (A) कोनो नहि
- (B) प्रशिक्षण, बाजार आ सम्मान
- (C) रोक
- (D) हानि

६८. मिथिलाक कलामे 'मखान-कला' (मखानसँ सजावट) कोन अवसर पर बनैत अछि?

- (A) शोक
- (B) पाबनि-मांगलिक अवसर
- (C) युद्ध
- (D) कोनो नहि

६९. हस्तकलाक उत्पाद कोन बाजार धरि पहुँचि रहल अछि?

- (A) केवल गाम
- (B) देश-विदेशक बाजार
- (C) कोनो नहि
- (D) केवल जिला

७०. मिथिलाक हस्तकला कोन मूल्यकें देखबैत अछि?

- (A) भेदभाव
- (B) सृजनशीलता आ श्रम-कौशल
- (C) विवाद
- (D) निरर्थकता

खण्ड ८ : नृत्य आ प्रदर्शन-कला

७१. 'विदापत-नाच' कोन कविसँ जुड़ल नृत्य-परम्परा थिक?

- (A) विद्यापति
- (B) नचिकेता
- (C) यात्री
- (D) राजकमल

७२. 'जट-जटिन' नृत्य कोन भावसँ जुड़ल अछि?

- (A) युद्ध
- (B) वर्षा आ दाम्पत्य-जीवन
- (C) व्यापार
- (D) परीक्षा

७३. 'डोमकच' कोन अवसरक नृत्य-प्रस्तुति थिक?

- (A) शोक
- (B) विवाह (वर-विदाईक बाद)
- (C) परीक्षा
- (D) युद्ध

७४. मिथिलाक लोकनृत्यमे कोन वाद्य प्रायः साथ दैत अछि?

- (A) सितार
- (B) ढोलक-झाल
- (C) गिटार
- (D) पियानो

७५. 'सामा-चकेबा' कोन रूपमे प्रस्तुत होइत अछि?

- (A) केवल नाटक
- (B) गीत-नृत्यमय लोक-प्रस्तुति
- (C) केवल भाषण
- (D) केवल पूजा

७६. नृत्यमे 'हाव-भाव'क की महत्त्व?

- (A) कोनो नहि
- (B) भावक मूक अभिव्यक्ति
- (C) निरर्थक
- (D) केवल सजावट

७७. मिथिलाक नृत्य-परम्परा कोन अवसरसँ जुड़ल अछि?

- (A) केवल युद्ध
- (B) विवाह, पाबनि आ उत्सव
- (C) व्यापार
- (D) कोनो नहि

७८. 'कीर्तनिया' प्रस्तुतिमे नृत्यक की भूमिका?

- (A) कोनो नहि
- (B) भक्ति-भावक संग शारीरिक अभिव्यक्ति
- (C) निरर्थक
- (D) रोक

७९. लोकनृत्यमे 'सामूहिकता'क की महत्त्व?

- (A) कोनो नहि
- (B) सामाजिक एकता आ आनन्द
- (C) निरर्थक
- (D) विवाद

८०. मिथिलाक नृत्य-परम्पराक संरक्षण किएक जरूरी?

- (A) कोनो नहि
- (B) सांस्कृतिक पहचान आ धरोहरक रक्षा
- (C) हानि
- (D) निरर्थक

खण्ड १ : विद्यापति आ गीत-काव्य

८१. विद्यापति कोन भाषाक महाकवि मानल जाइत छथि?

- (A) केवल संस्कृत
- (B) मैथिली (आ संस्कृत-अवहट्ट)
- (C) फारसी
- (D) तमिल

८२. विद्यापतिक पदावली कोन भावसँ भरल अछि?

- (A) केवल युद्ध
- (B) शृंगार आ भक्ति
- (C) केवल हास्य
- (D) विज्ञान

८३. विद्यापतिक गीत आइयो मिथिलामे कोन रूपमे जीवित अछि?

- (A) केवल पुस्तक
- (B) पाबनि आ विवाह-गीतमे
- (C) लुप्त
- (D) कोनो नहि

८४. 'कीर्तिलता' आ 'कीर्तिपताका' कोन भाषामे अछि?

- (A) संस्कृत
- (B) अवहट्ट
- (C) फारसी
- (D) तमिल

८५. विद्यापतिक कोन उपाधि देल गेल मानल जाइत अछि?

- (A) अभिनव जयदेव/कविशेखर
- (B) योद्धा
- (C) व्यापारी
- (D) राजा

८६. विद्यापति-पर्व कोन रूपमे मनाओल जाइत अछि?

- (A) शोक
- (B) साहित्य-संस्कृतिक उत्सव
- (C) युद्ध
- (D) व्यापार-मेला

८७. विद्यापतिक गीतमे 'प्रकृति'क प्रयोग प्रायः कोन रूपमे?

- (A) केवल सजावट
- (B) भाव आ प्रेमक प्रतीक
- (C) निरर्थक
- (D) गणित

८८. विद्यापति-गीतक संगीतमे की विशेष?

- (A) कठिन
- (B) मधुर आ गेय (गाबय योग्य)
- (C) निरर्थक
- (D) कोनो नहि

८९. विद्यापति-गीत कोन रागमे प्रायः गाओल जाइत अछि?

- (A) केवल एक राग
- (B) विभिन्न लोक-शास्त्रीय राग
- (C) कोनो नहि
- (D) अज्ञात

९०. विद्यापतिक साहित्यिक-संगीतिक योगदान मिथिलाकें की देलक?

- (A) कोनो नहि
- (B) समृद्ध काव्य-संगीत परम्परा
- (C) हानि
- (D) रोक

खण्ड १० : पाबनि-संगीत आ उत्सव

९१. छठि पाबनिमे कोन प्रकारक गीत गाओल जाइत अछि?

- (A) शोक-गीत
- (B) छठि-गीत (सूर्य-आराधना)
- (C) युद्ध-गीत
- (D) व्यापार-गीत

९२. 'जुड़शीतल' पाबनिमे संगीतक की भूमिका?

- (A) कोनो नहि
- (B) नववर्षक हर्ष व्यक्त करब
- (C) निरर्थक
- (D) रोक

९३. 'मधुश्रावणी' व्रतमे कोन प्रकारक गीत-कथा होइत अछि?

- (A) युद्ध
- (B) व्रत-कथा आ गीत
- (C) व्यापार
- (D) विज्ञान

९४. 'कोजागरा' पाबनिमे संगीतक प्रसंग की?

- (A) शोक
- (B) नवविवाहित वरक स्वागत-गीत
- (C) युद्ध
- (D) व्यापार

९५. विवाह-संगीतमे 'परिछन' संस्कारक गीत कोन भाव दैत अछि?

- (A) शोक
- (B) स्वागत आ मंगल
- (C) युद्ध
- (D) व्यापार

९६. पाबनि-संगीत समाजकें कोना जोड़ैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) सामूहिक उत्सव आ एकता
- (C) विभाजन
- (D) निरर्थक

९७. दीपावलीक अवसर पर मिथिलामे कोन प्रकारक गीत?

- (A) शोक
- (B) मंगल-गीत/दीप-गीत
- (C) युद्ध
- (D) व्यापार

९८. होलीक अवसर पर मिथिलामे कोन गीत प्रसिद्ध?

- (A) शोक-गीत
- (B) फगुआ/होरी गीत
- (C) युद्ध-गीत
- (D) व्यापार

९९. पाबनि-संगीतक संरक्षण किएक जरूरी?

- (A) कोनो नहि
- (B) सांस्कृतिक परम्पराक रक्षा
- (C) हानि
- (D) निरर्थक

१००. पाबनि-संगीत नव पीढ़ीकेँ की दैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) सांस्कृतिक बोध आ जुड़ाव
- (C) हानि
- (D) निरर्थक

खण्ड ११ : समकालीन संगीत आ कला

१०१. समकालीन मैथिली संगीतमे कोन नव माध्यम जुड़ल?

- (A) कोनो नहि
- (B) रेडियो, टीवी आ डिजिटल मंच
- (C) केवल मन्दिर
- (D) कोनो नहि

१०२. मैथिली फिल्म-संगीत कोना विकसित भेल?

- (A) कोनो नहि
- (B) लोकगीत आ आधुनिक संगीतक मेलसँ
- (C) रोकसँ
- (D) लोपसँ

१०३. डिजिटल माध्यमसँ मैथिली संगीतकेँ की लाभ?

- (A) कोनो नहि
- (B) व्यापक श्रोता धरि पहुँच
- (C) हानि
- (D) रोक

१०४. समकालीन मैथिली कलाकार कोन नव विषय आनलनि?

- (A) कोनो नहि
- (B) सामाजिक सन्देश, पर्यावरण
- (C) केवल पौराणिक
- (D) कोनो नहि

१०५. मैथिली संगीत-प्रतियोगिता आ महोत्सवक की लाभ?

- (A) कोनो नहि
- (B) प्रतिभा-प्रोत्साहन आ प्रसार
- (C) हानि
- (D) रोक

१०६. मैथिली सिनेमामे संगीतक की भूमिका?

- (A) कोनो नहि
- (B) कथाक भाव आ लोकप्रियता बढ़ाएब
- (C) निरर्थक
- (D) रोक

१०७. समकालीन कलामे 'प्रयोगशीलता'क अर्थ की?

- (A) पुरान दोहराब
- (B) नव शैली आ माध्यमक खोज
- (C) केवल अनुवाद
- (D) निरर्थक

१०८. 'विदेह' ई-पत्रिका कला-संगीतक कोना सहयोग करैत अछि?

- (A) रोकि कऽ
- (B) आलेख-रचना प्रकाशित कऽ
- (C) अनदेखी कऽ
- (D) हानि कऽ

१०९. समकालीन कलाकारक सोझाँ की चुनौती?

- (A) कोनो नहि
- (B) परम्परा आ आधुनिकताक सन्तुलन
- (C) अधिक सुविधा
- (D) लाभ

११०. समकालीन मैथिली कला-संगीतक भविष्य कोना उज्ज्वल भऽ सकैत अछि?

- (A) भाषा छोड़लासँ
- (B) नव सृजन, प्रशिक्षण आ डिजिटल मंचसँ
- (C) रोकलासँ
- (D) मौनसँ

खण्ड १२ : संगीत-शिक्षा आ प्रशिक्षण

१११. संगीत-शिक्षा बच्चामे कोन गुण विकसित करैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) अनुशासन, एकाग्रता आ सृजनशीलता
- (C) हानि
- (D) आलस्य

११२. 'रियाज' (नियमित अभ्यास)क की महत्त्व?

- (A) कोनो नहि
- (B) निपुणता आ स्वर-शुद्धता प्राप्ति
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

११३. संगीत-गुरुक की भूमिका?

- (A) कोनो नहि
- (B) ज्ञान, तकनीक आ अनुशासन सिखाएब
- (C) रोक
- (D) हानि

११४. बाल-संगीत-प्रशिक्षण किएक महत्त्वपूर्ण?

- (A) कोनो नहि
- (B) प्रारम्भिक उमेरमे आधार मजगूत होइत अछि
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

११५. संगीत-विद्यालय/कार्यशालाक की लाभ?

- (A) कोनो नहि
- (B) संरचित शिक्षा आ अभ्यासक अवसर
- (C) हानि
- (D) रोक

११६. डिजिटल माध्यमसँ संगीत-शिक्षा कोना सम्भव?

- (A) असम्भव
- (B) ऑनलाइन वीडियो आ कक्षासँ
- (C) कोनो नहि
- (D) रोक

११७. संगीत-शिक्षामे 'श्रवण-कौशल'क की महत्त्व?

- (A) कोनो नहि
- (B) स्वर आ ताल पकड़बाक क्षमता
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

११८. कला-शिक्षामे 'अभ्यास आ धैर्य'क सम्बन्ध?

- (A) असम्बद्ध
- (B) निपुणताक लेल दुनू आवश्यक
- (C) विरोधी
- (D) निरर्थक

११९. संगीत-शिक्षाक सामाजिक लाभ की?

- (A) कोनो नहि
- (B) सांस्कृतिक संरक्षण आ रोजगार
- (C) हानि
- (D) रोक

१२०. संगीत-शिक्षाक अन्तिम लक्ष्य की?

- (A) कोनो नहि
- (B) कला आ कलाकार-परम्पराक निरन्तरता
- (C) हानि
- (D) रोक

खण्ड १३ : रंग, प्रतीक आ चित्र-तकनीक

१२१. मिथिला चित्रकलाक रंग परम्परागत रूपें कतयसँ अबैत छल?

- (A) केवल बजार
- (B) प्राकृतिक स्रोत (फूल-पात-हरदी)
- (C) कोनो नहि
- (D) विदेश

१२२. मिथिला चित्रकलामे 'मछली' कोन प्रतीक थिक?

- (A) युद्ध
- (B) समृद्धि-उर्वरता
- (C) दुख
- (D) भय

१२३. कोहबरमे 'कमल-वन' (पुरेन) कोन भाव दैत अछि?

- (A) विनाश
- (B) सृजन आ संतति
- (C) भय
- (D) दुख

१२४. 'कचनी' शैलीक मुख्य पहचान की?

- (A) रंग-भराव
- (B) महीन रेखा-काम
- (C) केवल बिन्दु
- (D) रिक्तता

१२५. 'भरनी' शैलीक मुख्य पहचान की?

- (A) केवल रेखा
- (B) चटक रंग-भराव
- (C) रिक्तता
- (D) केवल बिन्दु

१२६. मिथिला चित्रकलामे 'रिक्त-स्थान-भय'क अर्थ की?

- (A) कोनो नहि
- (B) हर खाली जगह अलंकरणसँ भरब
- (C) रिक्त राखब
- (D) केवल एक रंग

१२७. मिथिला चित्रकलाक 'बोर्डर'क की महत्त्व?

- (A) कोनो नहि
- (B) चित्रकै अलंकृत आ पूर्ण बनाएब
- (C) निरर्थक
- (D) रिक्तता

१२८. मिथिला चित्रकलामे 'सूर्य-चन्द्र' चित्र की देखबैत अछि?

- (A) विनाश
- (B) शाश्वतता आ शुभ
- (C) भय
- (D) दुख

१२९. मिथिला चित्रकलामे 'हाथी' कोन भाव दैत अछि?

- (A) गरीबी
- (B) ऐश्वर्य आ शक्ति
- (C) भय
- (D) दुख

१३०. मिथिला चित्रकलाक प्रतीकात्मकता की देखबैत अछि?

- (A) रिक्तता
- (B) गहिर सांस्कृतिक अर्थ-व्यवस्था
- (C) निरर्थकता
- (D) लोप

खण्ड १४ : संगीत-शब्दावली

१३१. 'राग' संगीतमे की थिक?

- (A) केवल शोर
- (B) स्वरक नियमबद्ध सुरीला ढाँचा
- (C) केवल ताल
- (D) केवल गीत

१३२. 'ताल'क अर्थ की?

- (A) स्वर
- (B) समय-चक्र/लय
- (C) शब्द
- (D) भाव मात्र

१३३. 'सरगम' की थिक?

- (A) केवल वाद्य
- (B) सा-रे-ग-म आदि स्वरक क्रम
- (C) केवल ताल
- (D) कोनो नहि

१३४. 'आलाप' की थिक?

- (A) अन्त
- (B) आरम्भिक स्वर-विस्तार (बिना ताल)
- (C) केवल ताल
- (D) मध्य

१३५. 'समवेत गायन' की थिक?

- (A) एकल गायन
- (B) सामूहिक गायन
- (C) केवल वादन
- (D) कोनो नहि

१३६. 'रियाज'क अर्थ की?

- (A) प्रदर्शन
- (B) नियमित अभ्यास
- (C) अन्त
- (D) विश्राम

१३७. 'घराना' संगीतमे की थिक?

- (A) केवल वाद्य
- (B) विशिष्ट शैली-परम्पराक संस्था/परिवार
- (C) केवल गीत
- (D) कोनो नहि

१३८. 'तानपुरा'क काज की?

- (A) ताल देब
- (B) स्वर-संगति/आधार देब
- (C) केवल सजावट
- (D) कोनो नहि

१३९. 'लोकगीत'क अर्थ की?

- (A) शास्त्रीय रचना
- (B) सामान्य जनमे प्रचलित परम्परागत गीत
- (C) विदेशी गीत
- (D) कोनो नहि

१४०. 'वाद्य-संगीत' आ 'कण्ठ-संगीत'मे भेद की?

- (A) कोनो भेद नहि
- (B) वाद्य=यन्त्रसँ; कण्ठ=स्वरसँ (गायन)
- (C) दुनू एके
- (D) अर्थहीन

खण्ड १५ : प्रसिद्ध कलाकार आ विभूति

१४१. मिथिला चित्रकलाक प्रसिद्ध कलाकार, जिनका पद्मश्री भेटल, के छलीह?

- (A) सीता देवी
- (B) कोनो नहि
- (C) केवल विदेशी
- (D) अज्ञात

१४२. गंगा देवी कोन शैली लेल प्रसिद्ध छलीह?

- (A) कचनी (रेखा-प्रधान)
- (B) केवल मूर्ति
- (C) केवल धातु
- (D) कोनो नहि

१४३. दरभंगा घरानाक प्रसिद्ध ध्रुपद-गायक परिवारक रूपमे कोन प्रसिद्ध छथि?

- (A) मिश्र बन्धु (दरभंगा घराना)
- (B) केवल विदेशी
- (C) कोनो नहि
- (D) अज्ञात

१४४. विद्यापति कोन कालक संरक्षक राजासँ जुड़ल छलाह?

- (A) मुगल
- (B) ओइनवार वंशक शिवसिंह
- (C) गुप्त
- (D) मौर्य

१४५. मिथिलाक कलाकार-विभूतिक स्मृति-संरक्षण किएक जरूरी?

- (A) कोनो नहि
- (B) प्रेरणा आ सांस्कृतिक गौरव
- (C) हानि
- (D) निरर्थक

१४६. मिथिला चित्रकलाक कलाकारकेँ अन्तर्राष्ट्रीय पहचान कोना भेटल?

- (A) कोनो नहि
- (B) प्रदर्शनी आ सम्मानसँ
- (C) रोकसँ
- (D) लोपसँ

१४७. मिथिलाक संगीतकार-कलाकारक संरक्षणमे राज-दरबारक की भूमिका?

- (A) कोनो नहि
- (B) आर्थिक संरक्षण आ मंच
- (C) रोक
- (D) हानि

१४८. मिथिलाक कलाकार-विभूति समाजकेँ की प्रेरणा दैत छथि?

- (A) कोनो नहि
- (B) समर्पण, कौशल आ सांस्कृतिक गौरव
- (C) हानि
- (D) निरर्थक

१४९. कलाकारकेँ सम्मान भेटलासँ की भेल?

- (A) कोनो नहि
- (B) कला आ कलाकार दुनूक प्रतिष्ठा बढ़ल
- (C) हानि
- (D) लोप

१५०. मिथिलाक कला-संगीत-विभूतिक योगदान कोना अमर रहैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) रचना, शिष्य-परम्परा आ अभिलेखसँ
- (C) लोपसँ
- (D) रोकसँ

खण्ड १६ : समापन-समीक्षा आ निष्कर्ष

१५१. मिथिलाक कला आ संगीतक साझा मूल भाव की?

- (A) भय
- (B) शुभ, भक्ति आ सौन्दर्य
- (C) दुख
- (D) रिक्तता

१५२. मिथिलाक कला-संगीत नारीकेँ की देलक?

- (A) कोनो नहि
- (B) अभिव्यक्ति, पहचान आ आजीविका
- (C) हानि
- (D) रोक

१५३. मिथिलाक कला-संगीत विश्वकें की देलक?

- (A) कोनो नहि
- (B) अद्वितीय लोक-परम्परा आ सौन्दर्य
- (C) हानि
- (D) रिक्तता

१५४. मिथिलाक कला-संगीतक भविष्य कोना उज्ज्वल भऽ सकैत अछि?

- (A) परम्परा छोड़ि
- (B) परम्परा-रक्षा, प्रशिक्षण आ नव-सृजनसँ
- (C) रोकसँ
- (D) मौनसँ

१५५. मिथिलाक कला-संगीतक संरक्षणमे आजुक पीढ़ीक दायित्व?

- (A) कोनो नहि
- (B) सिखब, बनाएब आ आगाँ बढ़ाएब
- (C) हानि
- (D) रोक

१५६. मिथिलाक कला-संगीत मिथिलाक पहचान कोना बनल?

- (A) कोनो नहि
- (B) विशिष्ट शैली आ विश्व-प्रसिद्धिसँ
- (C) हानि
- (D) लोपसँ

१५७. 'विदेह' कला-संगीतक संरक्षणमे की भूमिका निभा सकैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) आलेख-रचना प्रकाशन आ संरक्षण
- (C) रोक
- (D) हानि

१५८. मिथिलाक कला-संगीतक अध्ययनसँ की भेटैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) सांस्कृतिक बोध आ सौन्दर्य-दृष्टि
- (C) हानि
- (D) रिक्तता

१५९. मिथिलाक कला-संगीत कोन सन्देश दैत अछि?

- (A) भय
- (B) सौन्दर्य, भक्ति आ सृजनशीलता
- (C) दुख
- (D) रिक्तता

१६०. एहि सम्पूर्ण प्रश्नोत्तरीक सार की?

- (A) कोनो नहि
- (B) मिथिलाक कला आ संगीतक समृद्ध परम्परा बुझब आ सहेजब
- (C) मौन
- (D) उपेक्षा

खण्ड १७ : संगीतक सामाजिक-सांस्कृतिक भूमिका

१६१. संगीत समाजकें कोना जोड़ैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) सामूहिक भाव आ उत्सवसँ
- (C) विभाजन
- (D) निरर्थक

१६२. संगीत मानसिक स्वास्थ्यपर कोन प्रभाव दैत अछि?

- (A) नकारात्मक
- (B) शान्ति आ आनन्द
- (C) कोनो नहि
- (D) हानि

१६३. संगीत संस्कार-शिक्षामे कोना सहायक?

- (A) कोनो नहि
- (B) भाव-संवेदना आ अनुशासन सिखा कऽ
- (C) हानि
- (D) रोक

१६४. मिथिलाक संगीत सामाजिक उत्सवमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) आनन्द आ सामूहिकता बढ़ाएब
- (C) विभाजन
- (D) निरर्थक

१६५. संगीतक माध्यमसँ सामाजिक सन्देश कोना दिअल जा सकैत अछि?

- (A) असम्भव
- (B) गीतक बोलमे सन्देश राखि
- (C) कोनो नहि
- (D) रोक

१६६. संगीत सांस्कृतिक पहचानकें कोना सुदृढ़ करैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) भाषा आ परम्पराकें जीवित राखि
- (C) हानि
- (D) रोक

१६७. संगीतक माध्यमसँ इतिहास कोना संरक्षित होइत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) गीतमे घटना-कथा समेटि
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

१६८. संगीत-सभा (कॉन्सर्ट)क सामाजिक लाभ की?

- (A) कोनो नहि
- (B) सामूहिक आनन्द आ कलाकार-प्रोत्साहन
- (C) हानि
- (D) रोक

१६९. संगीतक सामाजिक भूमिका आधुनिक कालमे कोना बदलल?

- (A) समाप्त
- (B) डिजिटल मंचसँ व्यापक भेल
- (C) घटल
- (D) कोनो नहि

१७०. संगीत आ समाजक सम्बन्धक सार की?

- (A) असम्बद्ध
- (B) परस्पर पूरक आ जीवन्त सम्बन्ध
- (C) विरोधी
- (D) निरर्थक

खण्ड १८ : कला-संगीतमे लिंग आ समावेशिता

१७१. मिथिलाक चित्रकला-परम्परामे नारीक भूमिका कोना रहल?

- (A) गौण
- (B) केन्द्रीय/सृजक
- (C) अनुपस्थित
- (D) कोनो नहि

१७२. गायन-परम्परामे स्त्री-पुरुष दुनूक योगदान कोना?

- (A) केवल पुरुष
- (B) दुनूक योगदान (भिन्न रूपमे)
- (C) केवल स्त्री
- (D) कोनो नहि

१७३. 'गोदना' शैलीसँ कोन समुदायक योगदान जुड़ल अछि?

- (A) राजपरिवार
- (B) वंचित/दलित समुदाय
- (C) विदेशी
- (D) कोनो नहि

१७४. कला-संगीतमे समावेशिता किएक महत्त्वपूर्ण?

- (A) कोनो नहि
- (B) विविध स्वर आ शैलीक समृद्धि
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

१७५. नारी-कलाकारकेँ सम्मान भेटलासँ की भेल?

- (A) कोनो नहि
- (B) समाजमे नारी-योगदानक स्वीकृति
- (C) हानि
- (D) रोक

१७६. कला-संगीतमे 'समान अवसर'क अर्थ की?

- (A) भेदभाव
- (B) सभ वर्ग-लिंगकेँ सीखब-प्रदर्शनक समान मौका
- (C) रोक
- (D) निरर्थक

१७७. मिथिलाक संगीत-परम्परामे 'सामूहिक स्त्री-गायन'क की महत्त्व?

- (A) कोनो नहि
- (B) सामाजिक एकता आ अभिव्यक्ति
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

१७८. समावेशी कला-परम्परा समाजकेँ की सिखबैत अछि?

- (A) भेदभाव
- (B) सभक प्रतिभाक सम्मान
- (C) विवाद
- (D) निरर्थक

१७९. नारी-सशक्तिकरणमे कला-संगीतक की योगदान?

- (A) कोनो नहि
- (B) आत्मनिर्भरता आ आत्मविश्वास
- (C) हानि
- (D) रोक

१८०. भविष्यमे कला-संगीतमे समावेशिता कोना बढ़त?

- (A) रोकसँ
- (B) शिक्षा, अवसर आ सम्मानसँ
- (C) मौनसँ
- (D) भेदभावसँ

खण्ड १९ : तुलनात्मक दृष्टि

१८१. मिथिलाक संगीत आ चित्रकलामे एक साझा गुण की?

- (A) कोनो नहि
- (B) प्रतीकात्मकता आ भाव-समृद्धि
- (C) रिक्तता
- (D) निरर्थक

१८२. शास्त्रीय आ लोक-संगीतमे एक भेद की?

- (A) कोनो भेद नहि
- (B) शास्त्रीय=नियम-बद्ध; लोक=सहज-परम्परागत
- (C) दुनू एके
- (D) अर्थहीन

१८३. मिथिला चित्रकला आ अन्य भारतीय लोक-चित्रकलामे एक साझा बिन्दु?

- (A) कोनो नहि
- (B) क्षेत्रीय सांस्कृतिक अभिव्यक्ति
- (C) लोप
- (D) निरर्थक

१८४. मिथिलाक कला-संगीत आ साहित्यमे की साझा सूत्र?

- (A) कोनो नहि
- (B) विद्यापति सन रचनाकारक योगदान
- (C) असम्बद्ध
- (D) निरर्थक

१८५. मिथिलाक कला-संगीत आ पाबनिमे की सम्बन्ध?

- (A) असम्बद्ध
- (B) घनिष्ठ — एक-दोसरसँ अभिन्न
- (C) विरोधी
- (D) निरर्थक

१८६. वैश्विक लोक-कला-परम्परासँ मिथिलाक तुलनासँ की बुझल जाइत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) सार्वभौम सृजनात्मक चेतना
- (C) लोप
- (D) निरर्थक

१८७. शास्त्रीय आ लोक-कलाक संबंध कोना मानल जाइत अछि?

- (A) विरोधी
- (B) परस्पर पोषक
- (C) असम्बद्ध
- (D) निरर्थक

१८८. मिथिलाक कला-संगीतक तुलनात्मक अध्ययनक लाभ की?

- (A) कोनो नहि
- (B) विशिष्टता आ साझा सूत्र दुनूक बोध
- (C) हानि
- (D) रिक्तता

१८९. मिथिलाक कला-संगीतक वैश्विक महत्त्व की?

- (A) कोनो नहि
- (B) मानव-सृजनशीलताक उदाहरण
- (C) लोप
- (D) निरर्थक

१९०. तुलनात्मक दृष्टिसँ मिथिलाक कला-संगीतक की लाभ?

- (A) कोनो नहि
- (B) व्यापक पहचान आ सम्मान
- (C) हानि
- (D) रिक्तता

खण्ड २० : समापन आ संक्षेप

१९१. मिथिलाक कला-संगीत एक वाक्यमे की थिक?

- (A) केवल सजावट
- (B) भाव, भक्ति आ सौन्दर्यक समृद्ध परम्परा
- (C) रिक्तता
- (D) निरर्थक

१९२. मिथिलाक कला-संगीतक मूल सृजक के रहल?

- (A) केवल पुरुष
- (B) समाजक सभ वर्ग (विशेषतः स्त्रीगण)
- (C) केवल विदेशी
- (D) कोनो नहि

१९३. मिथिलाक कला-संगीत कतयसँ निकलि विश्व धरि पहुँचल?

- (A) शहरसँ
- (B) भीत-आँगन-गाछीसँ मंच-डिजिटल धरि
- (C) विदेशसँ
- (D) कोनो नहि

१९४. मिथिलाक कला-संगीतक संरक्षण कोना सम्भव?

- (A) रोकसँ
- (B) शिक्षा, प्रशिक्षण आ प्रसारसँ
- (C) मौनसँ
- (D) लोपसँ

१९५. मिथिलाक कला-संगीत मिथिलाकेँ की दैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) सांस्कृतिक पहचान आ गौरव
- (C) हानि
- (D) रिक्तता

१९६. मिथिलाक कला-संगीतक अध्ययनक मूल लाभ की?

- (A) कोनो नहि
- (B) सांस्कृतिक बोध आ सौन्दर्य-दृष्टि
- (C) हानि
- (D) रिक्तता

१९७. मिथिलाक कला-संगीतक भविष्यक चाबी की?

- (A) रोक
- (B) नव पीढ़ी, शिक्षा आ डिजिटल प्रसार
- (C) मौन
- (D) उपेक्षा

१९८. 'विदेह' मिथिलाक कला-संगीतक संरक्षणमे की दऽ सकैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) प्रकाशन, संग्रह आ प्रसार
- (C) रोक
- (D) हानि

१९९. मिथिलाक कला-संगीतक प्रति आजुक पीढ़ीक उत्तरदायित्व?

- (A) उपेक्षा
- (B) सिखब, अभ्यास करब आ आगाँ बढ़ाएब
- (C) मौन
- (D) रोक

२००. एहि सम्पूर्ण प्रश्नोत्तरीक सार की?

- (A) कोनो नहि
- (B) मिथिलाक कला आ संगीतक समृद्ध परम्परा बुझब, सम्मान देब आ सहेजब
- (C) मौन
- (D) उपेक्षा

१. (B) लोकगीत आ शास्त्रीय संगीत दुनू — मिथिलाक संगीत-परम्परा लोकगीत आ शास्त्रीय (ध्रुपद सन) संगीत दुनूक समृद्ध संगमसँ बनल अछि।
२. (B) मैथिली (आ संस्कृत सेहो) — मिथिलाक संगीत मुख्यतः मैथिली भाषामे होइत अछि, यद्यपि शास्त्रीय रचनामे संस्कृत सेहो प्रयुक्त होइत अछि।
३. (B) गेय पद आ माधुर्यपूर्ण रचना — विद्यापतिक गेय पद मिथिलाक संगीत-परम्परालेँ माधुर्य आ भावसँ समृद्ध केलक।
४. (B) जन्म, विवाह, पाबनि — मिथिलाक संगीत जन्म (सोहर), विवाह आ पाबनि सन जीवन-संस्कारक हर अवसरसँ जुड़ल अछि।
५. (B) परस्पर पूरक — गायन आ वाद्य परस्पर पूरक रूपमे मिलि कऽ मिथिलाक संगीत-प्रस्तुतिकेँ पूर्ण करैत अछि।
६. (B) मुँहजुबानी (गुरु-शिष्य) परम्परासँ — मिथिलाक संगीत मुख्यतः मुँहजुबानी आ गुरु-शिष्य परम्परासँ एक पीढ़ीसँ दोसर पीढ़ी धरि पहुँचल।
७. (B) ध्रुपद — दरभंगा घराना ध्रुपद शास्त्रीय गायन-परम्पराक प्रसिद्ध घराना थिक।
८. (B) भाव स्वरक माध्यमसँ व्यक्त — मिथिलाक संगीतमे भाव — प्रेम, भक्ति, विरह — स्वर आ लयक माध्यमसँ व्यक्त होइत अछि।
९. (B) लोकगीत, पाबनि आ शास्त्रीय गायनमे — मिथिलाक संगीत आइयो लोकगीत, पाबनिक गीत आ शास्त्रीय गायनक रूपमे जीवित अछि।
१०. (B) सांस्कृतिक धरोहरक रक्षा — मिथिलाक संगीत अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर थिक, तँ एकर संरक्षण आवश्यक अछि।
११. (B) सन्तान-जन्मक हर्ष — सोहर सन्तान-जन्मक उपलक्ष्यमे स्त्रीगण द्वारा गाओल जाइत हर्ष-गीत थिक।
१२. (B) बेटीक विदाईक करुण भाव — समदाउन बेटीक विदाईक करुण लोकगीत थिक।
१३. (B) घरक स्त्रीगण — विवाहक विभिन्न संस्कारमे घरक स्त्रीगण मिलि कऽ परम्परागत गीत गाबैत छथि।
१४. (B) वर्षा आ दाम्पत्य-जीवन — जट-जटिन वर्षाक कामना आ जट-जटिनक दाम्पत्य-प्रसंगसँ जुड़ल लोकगीत-नाट्य थिक।
१५. (B) भक्ति आ श्रद्धा — भगवती-गीतमे देवीक प्रति भक्ति आ श्रद्धाक भाव व्यक्त होइत अछि।
१६. (B) शिव — नचारी शिव-भक्तिसँ जुड़ल गीत-परम्परा थिक।
१७. (B) शिव-महिमा/भक्ति — महेशवाणी शिव (महेश)क महिमा आ भक्तिसँ जुड़ल गीत-प्रकार थिक।
१८. (B) बहिन-भाइ — सामा-चेकेबा बहिन-भाइक स्नेहसँ जुड़ल गीत-नृत्यमय लोकपर्व थिक।
१९. (B) कीर्तन आ भक्तिप्रधान प्रसंग — कीर्तनिया मिथिलाक भक्तिप्रधान गीत-नाट्य थिक, जाहिमे कीर्तन-शैलीमे पौराणिक प्रसंग प्रस्तुत होइत अछि।
२०. (B) सहज मैथिली, लयदार — मिथिलाक लोकगीत सहज, लयदार मैथिली भाषामे होइत अछि, जे जन-जन धरि पहुँचैत अछि।
२१. (B) गम्भीर शास्त्रीय गायन-शैली — ध्रुपद भारतीय शास्त्रीय संगीतक प्राचीन, गम्भीर आ गरिमामय गायन-शैली थिक।
२२. (B) परम्परागत आ प्रतिष्ठित घराना — दरभंगा घराना ध्रुपद गायनक परम्परागत आ अत्यन्त प्रतिष्ठित घराना मानल जाइत अछि।
२३. (B) स्वरक नियमबद्ध सुरीला ढाँचा — राग स्वर सभक नियमबद्ध, सुरीला ढाँचा थिक जे विशेष भाव आ समय-अनुकूलतासँ जुड़ल रहैत अछि।
२४. (B) समय-चक्र/लय — ताल संगीतक समय-चक्र आ लयकेँ निर्धारित करैत अछि।
२५. (B) आरम्भिक स्वर-विस्तार (बिना ताल) — आलाप रागक आरम्भिक, बिना तालक स्वर-विस्तार थिक, जे रागक स्वरूप स्थापित करैत अछि।
२६. (B) शास्त्रीय संगीत — दरभंगा-राजक उदार संरक्षणमे शास्त्रीय ध्रुपद संगीत विशेष रूपेँ फलल-फूलल।
२७. (B) ज्ञान आ कौशलक प्रत्यक्ष हस्तान्तरण — गुरु-शिष्य परम्परा शास्त्रीय संगीतक सूक्ष्म ज्ञान आ कौशल प्रत्यक्ष रूपमे आगाँ बढ़ाबैत अछि।
२८. (B) निपुणता आ स्वर-शुद्धता — नियमित रियाजसँ गायक/वादककेँ स्वर-शुद्धता आ निपुणता प्राप्त होइत अछि।
२९. (B) पखावज/तानपुरा — ध्रुपद गायनमे प्रायः पखावज (ताल) आ तानपुरा (स्वर-संगति) साथ दैत अछि।
३०. (B) अमूल्य सांस्कृतिक धरोहरक रक्षा — ध्रुपद सन शास्त्रीय परम्परा अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर थिक, तँ एकर संरक्षण आवश्यक।
३१. (B) ताल/अवनद्ध वाद्य — ढोलक चर्म-मढ़ल ताल-वाद्य (अवनद्ध) थिक, जे लोकगीतमे ताल देबाक मुख्य वाद्य थिक।
३२. (B) सुर/स्वर-वाद्य — हारमोनियम स्वर-वाद्य थिक, जे लोकगीत आ संगीतमे सुर देबाक काज करैत अछि।
३३. (B) घन (धातुक ताल-वाद्य) — झाल वा मंजीरा धातुक घन-वाद्य थिक, जे ताल आ लयकेँ सघन करैत अछि।
३४. (B) स्वर-संगति/आधार देब — तानपुरा निरन्तर स्वर-संगति दऽ गायन-वादनक आधार स्वर स्थिर राखैत अछि।

३५. (B) ताल-वाद्य (ध्रुपदमे प्रयुक्त) — पखावज ताल-वाद्य थिक, जे विशेषतः ध्रुपद गायनमे साथ दैत अछि।
३६. (B) सुषिर (फूँकि बजाओल जाइत) — बाँसुरी सुषिर-वाद्य थिक, जे फूँकि कऽ बजाओल जाइत अछि।
३७. (B) तार-वाद्य — सितार तार-वाद्य थिक, जे अंगुरी आ मिजराबसँ बजाओल जाइत अछि।
३८. (B) ताल/अवनद्ध (हाथसँ बजाओल) — डफली हाथसँ बजाओल जाइत ताल-वाद्य थिक, जे लोकगीतमे प्रयुक्त होइत अछि।
३९. (B) तार, ताल(अवनद्ध), सुषिर, घन — भारतीय संगीतमे वाद्यकें तार (तत्), ताल/अवनद्ध, सुषिर आ घन — चारि वर्गमे बाँटल जाइत अछि।
४०. (B) गीतक भाव आ लयकें सघन करब — ढोलक, झाल आ हारमोनियम सन वाद्य लोकगीतक भाव आ लयकें सघन कऽ प्रस्तुतिकें जीवन्त बनबैत अछि।
४१. (B) राग विशेष भाव जगाबैत अछि — प्रत्येक राग विशेष भाव — शृंगार, भक्ति, करुणा — जगेबाक क्षमता रखैत अछि।
४२. (B) प्रेम/रति — शृंगार रसप्रधान संगीतमे प्रेम आ रतिक भाव प्रमुख रहैत अछि — जेना विद्यापतिक पद।
४३. (B) देवी-देवताक स्तुति — भक्ति-प्रधान संगीतमे देवी-देवताक स्तुति आ शरणागतिक भाव प्रमुख रहैत अछि।
४४. (B) विदाई आ वियोग — करुण भाव बला गीत प्रायः विदाई, वियोग वा हानिक प्रसंगसँ जुड़ल रहैत अछि — जेना समदाउन।
४५. (B) समय-गतिक नियमन आ सौन्दर्य — लय संगीतक समय-गतिकें नियमित कऽ ओकरामे सौन्दर्य आ प्रवाह अनैत अछि।
४६. (B) परस्पर पूरक — सुर (स्वर) आ ताल मिलि कऽ संगीतकें पूर्ण आ सुसंगठित बनबैत अछि।
४७. (B) ऋतु-भाव आ जीवन-लय — वर्षा, वसन्त सन ऋतु-प्रसंग मिथिलाक संगीतमे जीवन-लय आ भावक संग जुड़ल रहैत अछि।
४८. (B) सामूहिक भाव आ ऊर्जा — समवेत गायन सामूहिक भाव आ ऊर्जा उत्पन्न कऽ श्रोता-गायक दुनूकें जोड़ैत अछि।
४९. (B) श्रवण आ हृदयसँ — संगीतक सौन्दर्य मुख्यतः श्रवणक माध्यमसँ हृदय धरि पहुँचि अनुभूत होइत अछि।
५०. (B) भाव, भाषा आ परम्परा — मिथिलाक संगीत-सौन्दर्यक मूल स्रोत गहिर भाव, मधुर मैथिली भाषा आ समृद्ध परम्परा थिक।
५१. (B) मधुबनी — मिथिला चित्रकलाकें मधुबनी चित्रकलाक नामसँ सेहो जानल जाइत अछि।
५२. (B) घरक स्त्रीगण — मिथिला चित्रकला परम्परागत रूपें घरक स्त्रीगण द्वारा भीत आ आँगनमे रचल जाइत छल।
५३. (B) देवी-देवता, प्रकृति, विवाह-प्रसंग — मिथिला चित्रकलामे देवी-देवता, सूर्य-चन्द्र, वृक्ष, मछली आ विवाह-प्रसंग सन शुभ विषय प्रमुख रहैत अछि।
५४. (B) विवाह — कोहबर चित्र विवाह-संस्कारसँ जुड़ल मांगलिक चित्र थिक।
५५. (B) पिठार (चाउरक घोर) — अरिपन प्रायः पिठार — चाउर पीसि बनल सादा घोर — सँ आँगन-देहरीमे बनाओल जाइत अछि।
५६. (B) कचनी, भरनी, गोदना, तांत्रिक — कचनी, भरनी, गोदना आ तांत्रिक — ई मिथिला चित्रकलाक चारि प्रमुख शैली थिक।
५७. (B) पद्मश्री सन सम्मान — अनेक मिथिला-कलाकारकें पद्मश्री सन राष्ट्रीय सम्मान भेटल, जे ऐ कलाक प्रतिष्ठाकें देखबैत अछि।
५८. (B) सिक्की-घास — सिक्की-कला सिक्की नामक घाससँ सुन्दर डाला, पौती आदि बनेबाक हस्तकला थिक।
५९. (B) सीअन-कला (कढ़ाई/रजाई) — सुजनी पुरान वस्त्रकें सीअन-कढ़ाईसँ सजा कऽ बनाओल जाइत कलात्मक रजाई-कला थिक।
६०. (B) सांस्कृतिक पहचान आ आजीविका — मिथिला चित्रकला एकर सांस्कृतिक पहचान आ अनेक परिवारक आजीविकासँ जुड़ल अछि, तँ संरक्षण आवश्यक।
६१. (B) माटि, पाथर, धातु — मिथिलामे परम्परागत मूर्तिकला माटि, पाथर आ धातु सन सामग्रीसँ होइत अछि।
६२. (B) माटिक मूर्ति — दुर्गा-पूजाक अवसर पर मिथिलामे माटिक मूर्ति बना कऽ पूजा कएल जाइत अछि।
६३. (B) दरवाजा, खाट आ घरक काठपर — मिथिलाक परम्परागत काष्ठ-कला घरक दरवाजा, खाट आ काठक वस्तुपर नक्काशीक रूपमे देखल जाइत अछि।
६४. (B) डाला, पौती, खिलौना — सिक्की-घाससँ डाला, पौती आ सुन्दर खिलौना सन वस्तु बनाओल जाइत अछि।
६५. (B) डाला-कुड़ी, टोकरी आदि — बाँससँ डाला, कुड़ी, टोकरी सन दैनिक उपयोगक वस्तु मिथिलामे परम्परागत रूपें बनैत अछि।
६६. (B) आय आ आत्मनिर्भरता — चित्रकला आ हस्तकला अनेक मैथिल नारीकें आय आ आत्मनिर्भरताक मार्ग देलक।
६७. (B) प्रशिक्षण, बाजार आ सम्मान — प्रशिक्षण, उचित बाजार आ सामाजिक सम्मान मिथिलाक हस्तकलाक संरक्षणमे आवश्यक अछि।
६८. (B) पाबनि-मांगलिक अवसर — मखानसँ बनल सजावटी वस्तु शुभ पाबनि आ मांगलिक अवसर पर प्रयुक्त होइत अछि।
६९. (B) देश-विदेशक बाजार — मिथिलाक हस्तकला उत्पाद आइ देश-विदेशक बाजार धरि पहुँचि रहल अछि।

७०. (B) सृजनशीलता आ श्रम-कौशल — मिथिलाक हस्तकला कलाकारक सृजनशीलता आ हाथक कुशल श्रमक मूल्यकेँ देखबैत अछि।
७१. (A) विद्यापति — विद्यापति-नाच विद्यापतिक गीत आ प्रसंगपर आधारित मिथिलाक लोकनृत्य-परम्परा थिक।
७२. (B) वर्षा आ दाम्पत्य-जीवन — जट-जटिन वर्षाक कामना आ जट-जटिनक दाम्पत्य-प्रसंगसँ जुड़ल लोकनृत्य-गीत थिक।
७३. (B) विवाह (वर-विदाईक बाद) — डोमकच विवाहमे वर-पक्षक प्रस्थानक बाद घरक स्त्रीगण द्वारा कएल जाइत हास्य-नृत्यप्रधान लोक-प्रस्तुति थिक।
७४. (B) ढोलक-झाल — ढोलक आ झाल सन वाद्य मिथिलाक लोकनृत्य-गीतमे ताल आ लय देबाक काज करैत अछि।
७५. (B) गीत-नृत्यमय लोक-प्रस्तुति — सामा-चकेबा गीत आ नृत्यक संग प्रस्तुत होइत बहिन-भाइक स्नेहपर आधारित लोक-परम्परा थिक।
७६. (B) भावक मूक अभिव्यक्ति — नृत्यमे हाव-भाव बिना शब्दक भावनाकेँ दर्शक धरि पहुँचबैत अछि।
७७. (B) विवाह, पाबनि आ उत्सव — मिथिलाक नृत्य-परम्परा विवाह, पाबनि आ उत्सवक अवसर पर सक्रिय रूपेँ देखल जाइत अछि।
७८. (B) भक्ति-भावक संग शारीरिक अभिव्यक्ति — कीर्तनियामे नृत्य भक्ति-भावकेँ शारीरिक रूपेँ अभिव्यक्त करैत अछि।
७९. (B) सामाजिक एकता आ आनन्द — सामूहिक नृत्य सामाजिक एकता, सहयोग आ साझा आनन्दक भाव जगबैत अछि।
८०. (B) सांस्कृतिक पहचान आ धरोहरक रक्षा — लोकनृत्य मिथिलाक सांस्कृतिक पहचान आ धरोहरक अमूल्य अंग थिक, तँ संरक्षण आवश्यक।
८१. (B) मैथिली (आ संस्कृत-अवहट्ट) — विद्यापति मैथिलीक महाकवि छथि; ओ संस्कृत आ अवहट्टमे सेहो रचना केलनि।
८२. (B) शृंगार आ भक्ति — विद्यापतिक पदावलीमे राधा-कृष्णक शृंगार आ शिव-भक्तिक भाव प्रमुख रूपेँ भरल अछि।
८३. (B) पाबनि आ विवाह-गीतमे — विद्यापतिक गीत आइयो मिथिलाक पाबनि आ विवाह-गीतमे रचि-बसि गेल अछि।
८४. (B) अवहट्ट — विद्यापतिक कीर्तिलता आ कीर्तिपताका अवहट्ट भाषामे रचित अछि।
८५. (A) अभिनव जयदेव/कविशेखर — विद्यापति ‘अभिनव जयदेव’ आ ‘कविशेखर’ सन उपाधिसँ सम्मानित मानल जाइत छथि।
८६. (B) साहित्य-संस्कृतिक उत्सव — विद्यापति-पर्व मिथिलाक साहित्यिक-सांस्कृतिक उत्सव थिक, जाहिमे गीत, नाट्य आ विचार-गोष्ठी होइत अछि।
८७. (B) भाव आ प्रेमक प्रतीक — विद्यापतिक गीतमे नदी, वसन्त आ ऋतु प्रायः भाव आ प्रेमक प्रतीक रूपमे आबैत अछि।
८८. (B) मधुर आ गेय (गाबय योग्य) — विद्यापतिक पद मधुर आ गेय थिक, जे एकरा गायन-योग्य आ लोकप्रिय बनबैत अछि।
८९. (B) विभिन्न लोक-शास्त्रीय राग — विद्यापति-गीत विभिन्न लोक आ शास्त्रीय राग-शैलीमे गाओल जाइत अछि।
९०. (B) समृद्ध काव्य-संगीत परम्परा — विद्यापतिक योगदान मिथिलाकेँ एक समृद्ध काव्य-संगीत परम्परा देलक, जे आइयो जीवित अछि।
९१. (B) छठि-गीत (सूर्य-आराधना) — छठि पाबनिमे सूर्य आ छठि मैयाक आराधनासँ जुड़ल विशेष छठि-गीत गाओल जाइत अछि।
९२. (B) नववर्षक हर्ष व्यक्त करब — जुड़शीतलमे गीत-संगीतसँ नववर्षक हर्ष आ शीतलताक भाव व्यक्त होइत अछि।
९३. (B) व्रत-कथा आ गीत — मधुश्रावणीमे प्रतिदिन व्रत-कथा कहल आ गीत गाओल जाइत अछि।
९४. (B) नवविवाहित वरक स्वागत-गीत — कोजागरामे नवविवाहित वरक स्वागतमे हर्षक गीत गाओल जाइत अछि।
९५. (B) स्वागत आ मंगल — परिछन-गीत वरक स्वागत आ मंगल-कामनाक भाव दैत अछि।
९६. (B) सामूहिक उत्सव आ एकता — पाबनि-संगीत सामूहिक उत्सवमे लोककेँ एक संग जोड़ि सामाजिक एकता बढ़ाबैत अछि।
९७. (B) मंगल-गीत/दीप-गीत — दीपावलीमे मंगल आ प्रकाशक भाव दऽ हर्षगीत गाओल जाइत अछि।
९८. (B) फगुआ/होरी गीत — फगुआ वा होरी-गीत होलीक अवसर पर हर्ष आ रंगक भावसँ गाओल जाइत अछि।
९९. (B) सांस्कृतिक परम्पराक रक्षा — पाबनि-संगीत मिथिलाक सांस्कृतिक परम्पराक अमूल्य अंग थिक, तँ संरक्षण आवश्यक।
१००. (B) सांस्कृतिक बोध आ जुड़ाव — पाबनि-संगीत नव पीढ़ीकेँ अपन संस्कृतिसँ जोड़ि सांस्कृतिक बोध दैत अछि।
१०१. (B) रेडियो, टीवी आ डिजिटल मंच — आधुनिक मैथिली संगीत रेडियो, दूरदर्शन आ डिजिटल मंच (यू-ट्यूब आदि) धरि पहुँचि गेल अछि।
१०२. (B) लोकगीत आ आधुनिक संगीतक मेलसँ — मैथिली फिल्म-संगीत परम्परागत लोकगीतक भाव आ आधुनिक वाद्य-संगीतक मेलसँ विकसित भेल।
१०३. (B) व्यापक श्रोता धरि पहुँच — डिजिटल माध्यमसँ मैथिली संगीत देश-विदेशक व्यापक श्रोता धरि सहजहि पहुँचि सकैत अछि।
१०४. (B) सामाजिक सन्देश, पर्यावरण — समकालीन कलाकार परम्परागत विषयक संग सामाजिक सन्देश आ पर्यावरण सन नव विषय सेहो आनलनि।
१०५. (B) प्रतिभा-प्रोत्साहन आ प्रसार — संगीत-महोत्सव आ प्रतियोगिता नव प्रतिभाकेँ मंच आ प्रोत्साहन दऽ संगीतकेँ व्यापक बनबैत अछि।

१०६. (B) कथाक भाव आ लोकप्रियता बढ़ाएब — मैथिली सिनेमामे संगीत कथाक भाव बढ़ा फिल्मकेँ लोकप्रिय बनबैत अछि।
१०७. (B) नव शैली आ माध्यमक खोज — प्रयोगशीलता नव शैली, माध्यम आ तकनीकक खोज कऽ कलाकेँ समृद्ध करैत अछि।
१०८. (B) आलेख-रचना प्रकाशित कऽ — विदेह कला आ संगीत सम्बन्धी आलेख-रचना प्रकाशित कऽ ओकरा संरक्षण आ प्रसारमे सहयोग करैत अछि।
१०९. (B) परम्परा आ आधुनिकताक सन्तुलन — परम्परागत मूल्य बचाइत आधुनिक माध्यमक उपयोग समकालीन कलाकारक प्रमुख चुनौती थिक।
११०. (B) नव सृजन, प्रशिक्षण आ डिजिटल मंचसँ — नव सृजन, कलाकार-प्रशिक्षण आ डिजिटल मंचक समुचित उपयोगसँ मैथिली कला-संगीतक भविष्य उज्ज्वल भऽ सकैत अछि।
१११. (B) अनुशासन, एकाग्रता आ सृजनशीलता — संगीत-शिक्षा बच्चाकेँ अनुशासन, एकाग्रता आ सृजनशीलता सन गुण विकसित करैत अछि।
११२. (B) निपुणता आ स्वर-शुद्धता प्राप्ति — नियमित रियाजसँ गायक/वादककेँ निपुणता आ स्वर-शुद्धता प्राप्त होइत अछि।
११३. (B) ज्ञान, तकनीक आ अनुशासन सिखाएब — संगीत-गुरु शिष्यकेँ संगीतक ज्ञान, तकनीक आ अनुशासन सिखा हुनकर कलाकेँ निखारैत छथि।
११४. (B) प्रारम्भिक उमेरमे आधार मजगूत होइत अछि — बचपनमे संगीत-प्रशिक्षणसँ कलाक आधार मजगूत होइत अछि, जे भविष्यक निपुणताक नींव बनैत अछि।
११५. (B) संरचित शिक्षा आ अभ्यासक अवसर — संगीत-विद्यालय आ कार्यशाला विद्यार्थीकेँ संरचित शिक्षा आ नियमित अभ्यासक अवसर दैत अछि।
११६. (B) ऑनलाइन वीडियो आ कक्षासँ — ऑनलाइन वीडियो आ डिजिटल कक्षासँ संगीत घर बैसल सिखब सम्भव भेल अछि।
११७. (B) स्वर आ ताल पकड़बाक क्षमता — तेज श्रवण-कौशल विद्यार्थीकेँ स्वर आ तालकेँ सही ढंगेँ पकड़बामे सहायक होइत अछि।
११८. (B) निपुणताक लेल दुनू आवश्यक — कोनो कला (संगीत वा चित्रकला)मे निपुणता लेल निरन्तर अभ्यास आ धैर्य दुनू आवश्यक अछि।
११९. (B) सांस्कृतिक संरक्षण आ रोजगार — संगीत-शिक्षा सांस्कृतिक परम्पराक संरक्षणक संग रोजगारक अवसर सेहो दैत अछि।
१२०. (B) कला आ कलाकार-परम्पराक निरन्तरता — संगीत-शिक्षाक अन्तिम लक्ष्य कला आ कलाकार-परम्पराकेँ निरन्तर आगाँ बढ़ाएब थिक।
१२१. (B) प्राकृतिक स्रोत (फूल-पात-हरदी) — परम्परागत रूपेँ रंग फूल, पात, हरदी आ माटि सन प्राकृतिक स्रोतसँ बनाओल जाइत छल।
१२२. (B) समृद्धि-उर्वरता — मछली मिथिला चित्रकलामे समृद्धि, उर्वरता आ शुभक प्रतीक मानल जाइत अछि।
१२३. (B) सृजन आ संतति — पुरैन सृजन, उर्वरता आ वंश-वृद्धिक प्रतीक रूपमे कोहबरमे चित्रित होइत अछि।
१२४. (B) महीन रेखा-काम — कचनी शैलीक मुख्य पहचान महीन, बारीक रेखा-काम थिक।
१२५. (B) चटक रंग-भराव — भरनी शैलीक मुख्य पहचान आकृतिमे चटक रंगक भराव थिक।
१२६. (B) हर खाली जगह अलंकरणसँ भरब — मिथिला चित्रकलामे प्रायः हर खाली जगह फूल-पात आदिसँ भरि देल जाइत अछि।
१२७. (B) चित्रकेँ अलंकृत आ पूर्ण बनाएब — सजल बॉर्डर चित्रकेँ अलंकृत आ पूर्ण रूप दैत अछि।
१२८. (B) शाश्वतता आ शुभ — सूर्य-चन्द्र शाश्वतता, ऊर्जा आ शुभ-मंगलक प्रतीक रूपमे चित्रित होइत अछि।
१२९. (B) ऐश्वर्य आ शक्ति — हाथी ऐश्वर्य, शक्ति आ राजसी समृद्धिक प्रतीक रूपमे चित्रित होइत अछि।
१३०. (B) गहिर सांस्कृतिक अर्थ-व्यवस्था — प्रतीकक बहुलता मिथिला चित्रकलाक गहिर सांस्कृतिक अर्थ-व्यवस्था आ भाव-समृद्धि देखबैत अछि।
१३१. (B) स्वरक नियमबद्ध सुरीला ढाँचा — राग स्वर सभक नियमबद्ध, सुरीला ढाँचा थिक।
१३२. (B) समय-चक्र/लय — ताल संगीतक समय-चक्र आ लयकेँ निर्धारित करैत अछि।
१३३. (B) सा-रे-ग-म आदि स्वरक क्रम — सरगम सा-रे-ग-म-प-ध-नि — संगीतक मूल सात स्वरक क्रम थिक।
१३४. (B) आरम्भिक स्वर-विस्तार (बिना ताल) — आलाप रागक आरम्भिक, बिना तालक स्वर-विस्तार थिक।
१३५. (B) सामूहिक गायन — समवेत गायन अर्थात् अनेक गायकक मिलि कऽ एक संग गाएब।
१३६. (B) नियमित अभ्यास — रियाजक अर्थ नियमित अभ्यास थिक, जे निपुणताक आधार थिक।
१३७. (B) विशिष्ट शैली-परम्पराक संस्था/परिवार — घराना एक विशिष्ट संगीत-शैली आ परम्पराक वाहक परिवार वा शिष्य-परम्परा थिक।
१३८. (B) स्वर-संगति/आधार देब — तानपुरा निरन्तर स्वर-संगति दऽ गायन-वादनक आधार स्वर स्थिर राखैत अछि।
१३९. (B) सामान्य जनमे प्रचलित परम्परागत गीत — लोकगीत ओ गीत थिक जे सामान्य जन-समुदायमे परम्परासँ प्रचलित अछि।

१४०. (B) वाद्य=यन्त्रसँ; कण्ठ=स्वरसँ (गायन) — वाद्य-संगीत यन्त्रसँ बजाओल जाइत अछि, जखन कि कण्ठ-संगीत गायनसँ — स्वर-यन्त्र (कण्ठ)सँ — प्रस्तुत होइत अछि।
१४१. (A) सीता देवी — सीता देवी मिथिला चित्रकलाक प्रसिद्ध कलाकार छलीह, जिनका पद्मश्री सन सम्मान भेटल।
१४२. (A) कचनी (रेखा-प्रधान) — गंगा देवी कचनी (महीन रेखा) शैली लेल प्रसिद्ध छलीह आ हुनका राष्ट्रीय सम्मान भेटल।
१४३. (A) मिश्र बन्धु (दरभंगा घराना) — दरभंगा घरानाक ध्रुपद-गायक परिवार ध्रुपद-संगीतक संरक्षण-प्रसारमे प्रसिद्ध योगदान देने छथि।
१४४. (B) ओइनवार वंशक शिवसिंह — विद्यापति ओइनवार वंशक राजा शिवसिंहक संरक्षणमे रहि रचना केलनि।
१४५. (B) प्रेरणा आ सांस्कृतिक गौरव — मिथिलाक कलाकार-विभूतिक स्मृति अगिला पीढ़ी लेल प्रेरणा आ सांस्कृतिक गौरवक स्रोत थिक।
१४६. (B) प्रदर्शनी आ सम्मानसँ — मिथिलाक कलाकार राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी आ सम्मानक माध्यमसँ ऐ कलाकें विश्व धरि पहुँचेलनि।
१४७. (B) आर्थिक संरक्षण आ मंच — दरभंगा-राज सन दरबार कलाकार-संगीतकारकें आर्थिक संरक्षण आ मंच दऽ हुनकर कलाकें फलित देलक।
१४८. (B) समर्पण, कौशल आ सांस्कृतिक गौरव — मिथिलाक कलाकार-विभूति अपन समर्पण आ कौशलसँ समाजकें सांस्कृतिक गौरव आ प्रेरणा दैत छथि।
१४९. (B) कला आ कलाकार दुनूक प्रतिष्ठा बढ़ल — सम्मान भेटलासँ मिथिलाक कला आ कलाकार दुनूक प्रतिष्ठा आ पहचान बढ़ल।
१५०. (B) रचना, शिष्य-परम्परा आ अभिलेखसँ — हुनकर रचना, शिष्य-परम्परा आ संरक्षित अभिलेखक माध्यमसँ हुनकर योगदान अमर रहैत अछि।
१५१. (B) शुभ, भक्ति आ सौन्दर्य — मिथिलाक कला आ संगीत दुनूक साझा मूल भाव शुभ-मंगल, भक्ति आ सौन्दर्य थिक।
१५२. (B) अभिव्यक्ति, पहचान आ आजीविका — मिथिलाक कला-संगीत नारीकें सृजनात्मक अभिव्यक्ति, स्वतन्त्र पहचान आ आजीविका देलक।
१५३. (B) अद्वितीय लोक-परम्परा आ सौन्दर्य — मिथिलाक कला-संगीत विश्वकें एक अद्वितीय, भाव-समृद्ध लोक-परम्परा आ सौन्दर्य देलक।
१५४. (B) परम्परा-रक्षा, प्रशिक्षण आ नव-सृजनसँ — परम्पराक रक्षा, नव कलाकारक प्रशिक्षण आ संयमित नव-सृजनसँ मिथिलाक कला-संगीतक भविष्य उज्ज्वल भऽ सकैत अछि।
१५५. (B) सिखब, बनाएब आ आगाँ बढ़ाएब — आजुक पीढ़ी ऐ परम्पराकें सिखि, अभ्यास कऽ आ प्रसारित कऽ एकर संरक्षणक दायित्व निभा सकैत अछि।
१५६. (B) विशिष्ट शैली आ विश्व-प्रसिद्धिसँ — अपन विशिष्ट शैली आ विश्व-प्रसिद्धिक कारणे मिथिलाक कला-संगीत मिथिलाक सशक्त सांस्कृतिक पहचान बनल।
१५७. (B) आलेख-रचना प्रकाशन आ संरक्षण — विदेह कला-संगीत सम्बन्धी आलेख-रचनाकें प्रकाशित-संरक्षित कऽ प्रसारमे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकैत अछि।
१५८. (B) सांस्कृतिक बोध आ सौन्दर्य-दृष्टि — मिथिलाक कला-संगीतक अध्ययनसँ सांस्कृतिक बोध आ सूक्ष्म सौन्दर्य-दृष्टि भेटैत अछि।
१५९. (B) सौन्दर्य, भक्ति आ सृजनशीलता — मिथिलाक कला-संगीत सौन्दर्य, भक्ति आ सृजनशीलताक सन्देश दैत अछि।
१६०. (B) मिथिलाक कला आ संगीतक समृद्ध परम्परा बुझब आ सहेजब — एहि प्रश्नोत्तरीक सार थिक — मिथिलाक कला आ संगीतक समृद्ध परम्परा बुझब, सम्मान देब आ सहेजब।
१६१. (B) सामूहिक भाव आ उत्सवसँ — संगीत सामूहिक भाव आ उत्सवक माध्यमसँ समाजकें एक संग जोड़ैत अछि।
१६२. (B) शान्ति आ आनन्द — संगीत सुनब आ गाएब मानसिक शान्ति आ आनन्द दऽ स्वास्थ्यपर सकारात्मक प्रभाव दैत अछि।
१६३. (B) भाव-संवेदना आ अनुशासन सिखा कऽ — संगीत बच्चाके भाव-संवेदना, अनुशासन आ सौन्दर्य-बोध सिखबामे सहायक होइत अछि।
१६४. (B) आनन्द आ सामूहिकता बढ़ाएब — विवाह, पाबनि आ उत्सवमे संगीत आनन्द आ सामूहिकताक भाव बढ़ाबैत अछि।
१६५. (B) गीतक बोलमे सन्देश राखि — गीतक बोलमे सामाजिक सन्देश राखि संगीतक माध्यमसँ जागरूकता फैलाओल जा सकैत अछि।
१६६. (B) भाषा आ परम्पराकें जीवित राखि — मातृभाषामे गीत-संगीत सांस्कृतिक पहचान आ परम्पराकें जीवित राखैत अछि।
१६७. (B) गीतमे घटना-कथा समेटि — अनेक लोकगीतमे ऐतिहासिक घटना आ कथा समेटल रहैत अछि, जे मौखिक रूपेँ इतिहास संरक्षित करैत अछि।
१६८. (B) सामूहिक आनन्द आ कलाकार-प्रोत्साहन — संगीत-सभा दर्शककें सामूहिक आनन्द दैत अछि आ कलाकारकें प्रोत्साहन आ मंच दैत अछि।
१६९. (B) डिजिटल मंचसँ व्यापक भेल — डिजिटल मंचसँ संगीतक सामाजिक भूमिका घटल नहि, बल्कि व्यापक आ सुलभ भऽ गेल अछि।
१७०. (B) परस्पर पूरक आ जीवन्त सम्बन्ध — संगीत आ समाज परस्पर पूरक छथि — समाज संगीतकें जन्म दैत अछि आ संगीत समाजकें समृद्ध करैत अछि।
१७१. (B) केन्द्रीय/सृजक — मिथिला चित्रकलाक सृजनमे नारीक भूमिका केन्द्रीय आ परम्परागत रूपेँ प्रमुख रहल।

१७२. (B) **दुनूक योगदान (भिन्न रूपमे)** — लोकगीत स्त्रीगण आ शास्त्रीय गायन प्रायः पुरुष — दुनूक योगदानसँ मिथिलाक संगीत-परम्परा समृद्ध भेल।
१७३. (B) **वंचित/दलित समुदाय** — गोदना शैली परम्परागत रूपें वंचित-दलित समुदायक योगदानसँ जुड़ल अछि, जे एकरा समावेशी पहचान देलक।
१७४. (B) **विविध स्वर आ शैलीक समृद्धि** — विभिन्न वर्ग-समुदायक भागीदारीसँ कला-संगीतमे विविध स्वर आ शैलीक समृद्धि अबैत अछि।
१७५. (B) **समाजमे नारी-योगदानक स्वीकृति** — नारी-कलाकारकें सम्मान भेटलासँ समाजमे नारीक सृजनात्मक योगदानक स्वीकृति बढ़ल।
१७६. (B) **सभ वर्ग-लिंगकें सीखब-प्रदर्शनक समान मौका** — समान अवसर अर्थात् सभ — स्त्री-पुरुष, सभ समुदाय — कें कला सीखब आ प्रदर्शनक समान मौका भेटब।
१७७. (B) **सामाजिक एकता आ अभिव्यक्ति** — सामूहिक स्त्री-गायन (जेना विवाह-गीत) सामाजिक एकता आ नारीक सामूहिक अभिव्यक्तिक मंच थिक।
१७८. (B) **सभक प्रतिभाक सम्मान** — समावेशी कला-परम्परा समाजकें सिखबैत अछि जे प्रतिभा कोनो वर्ग वा लिंगसँ सीमित नहि होइत अछि।
१७९. (B) **आत्मनिर्भरता आ आत्मविश्वास** — कला-संगीतक माध्यमसँ नारी आर्थिक आत्मनिर्भरता आ सार्वजनिक आत्मविश्वास दुनू प्राप्त करैत छथि।
१८०. (B) **शिक्षा, अवसर आ सम्मानसँ** — शिक्षा, समान अवसर आ सभक योगदानक सम्मानसँ कला-संगीतमे समावेशिता आओर बढ़त।
१८१. (B) **प्रतीकात्मकता आ भाव-समृद्धि** — दुनू कला-रूपमे गहिर प्रतीकात्मकता आ भाव-समृद्धि साझा गुणक रूपमे देखल जाइत अछि।
१८२. (B) **शास्त्रीय=नियम-बद्ध; लोक=सहज-परम्परागत** — शास्त्रीय संगीत निर्धारित नियम-राग पर आधारित अछि, जखन कि लोक-संगीत सहज, परम्परागत आ मुक्त रूपमे विकसित होइत अछि।
१८३. (B) **क्षेत्रीय सांस्कृतिक अभिव्यक्ति** — मिथिला, वारली, गोंड सन सभ लोक-चित्रकला अपन-अपन क्षेत्रक सांस्कृतिक अभिव्यक्तिक माध्यम थिक।
१८४. (B) **विद्यापति सन रचनाकारक योगदान** — विद्यापति सन रचनाकार साहित्य आ संगीत दुनूमे योगदान दऽ एक साझा सूत्र बनलनि।
१८५. (B) **घनिष्ठ — एक-दोसरसँ अभिन्न** — मिथिलाक पाबनि-संस्कार आ कला-संगीत एक-दोसरसँ घनिष्ठ रूपें जुड़ल अछि — एक बिना दोसर अपूर्ण।
१८६. (B) **सार्वभौम सृजनात्मक चेतना** — तुलनासँ बुझल जाइत अछि जे विश्वभरिक लोक-समुदायमे सृजनात्मक अभिव्यक्तिक सार्वभौम चेतना अछि।
१८७. (B) **परस्पर पोषक** — शास्त्रीय आ लोक-कला परस्पर पोषक छथि — दुनू एक-दोसरकें प्रभावित आ समृद्ध करैत छथि।
१८८. (B) **विशिष्टता आ साझा सूत्र दुनूक बोध** — तुलनात्मक अध्ययनसँ मिथिलाक कला-संगीतक विशिष्टता आ अन्यसँ साझा सांस्कृतिक सूत्र दुनूक बोध होइत अछि।
१८९. (B) **मानव-सृजनशीलताक उदाहरण** — मिथिलाक कला-संगीत मानव-सृजनशीलता आ सांस्कृतिक विविधताक एक समृद्ध उदाहरण थिक।
१९०. (B) **व्यापक पहचान आ सम्मान** — तुलनात्मक अध्ययन आ प्रस्तुतिसँ मिथिलाक कला-संगीतकें व्यापक पहचान आ सम्मान भेटि सकैत अछि।
१९१. (B) **भाव, भक्ति आ सौन्दर्यक समृद्ध परम्परा** — मिथिलाक कला-संगीत भाव, भक्ति आ सौन्दर्यक समृद्ध आ जीवन्त परम्परा थिक।
१९२. (B) **समाजक सभ वर्ग (विशेषतः स्त्रीगण)** — मिथिलाक कला-संगीतक मूल सृजनमे समाजक सभ वर्ग, विशेषतः स्त्रीगणक योगदान केन्द्रीय रहल।
१९३. (B) **भीत-आँगन-गाछीसँ मंच-डिजिटल धरि** — मिथिलाक कला-संगीत घर-आँगन आ गाछीसँ निकलि मंच आ डिजिटल माध्यम धरि विश्वव्यापी भेल।
१९४. (B) **शिक्षा, प्रशिक्षण आ प्रसारसँ** — शिक्षा, प्रशिक्षण, आजीविका आ व्यापक प्रसारसँ मिथिलाक कला-संगीतक संरक्षण सम्भव अछि।
१९५. (B) **सांस्कृतिक पहचान आ गौरव** — मिथिलाक कला-संगीत मिथिलाकें विश्व-स्तरीय सांस्कृतिक पहचान आ गौरव दैत अछि।
१९६. (B) **सांस्कृतिक बोध आ सौन्दर्य-दृष्टि** — मिथिलाक कला-संगीतक अध्ययन सांस्कृतिक बोध आ सूक्ष्म सौन्दर्य-दृष्टि दैत अछि।
१९७. (B) **नव पीढ़ी, शिक्षा आ डिजिटल प्रसार** — नव पीढ़ीक जुड़ाव, शिक्षा आ डिजिटल प्रसार मिथिलाक कला-संगीतक भविष्यक चाबी थिक।
१९८. (B) **प्रकाशन, संग्रह आ प्रसार** — विदेह मिथिलाक कला-संगीत सम्बन्धी सामग्रीक प्रकाशन, संग्रह आ प्रसार कऽ संरक्षणमे योगदान दऽ सकैत अछि।
१९९. (B) **सिखब, अभ्यास करब आ आगाँ बढ़ाएब** — आजुक पीढ़ीक उत्तरदायित्व थिक — मिथिलाक कला-संगीत सिखब, अभ्यास करब आ अगिला पीढ़ी धरि पहुँचाएब।
२००. (B) **मिथिलाक कला आ संगीतक समृद्ध परम्परा बुझब, सम्मान देब आ सहेजब** — एहि प्रश्नोत्तरीक सार थिक — मिथिलाक कला आ संगीतक समृद्ध परम्पराकें बुझब, सम्मान देब आ ओकरा सहेजब।

अध्याय ४ : विदेह ई-लर्निंग क्विज — दृश्य-श्रव्य साहित्य/अध्ययन

खण्ड १ : दृश्य-श्रव्य माध्यमक परिचय

१. 'दृश्य-श्रव्य' (ऑडियो-विजुअल) शब्दक अर्थ की?

- (A) केवल पढ़ब
- (B) देखब आ सुनब दुनूक संयोग
- (C) केवल लिखब
- (D) केवल बाजब

२. दृश्य-श्रव्य माध्यमक उदाहरण कोन?

- (A) केवल पुस्तक
- (B) फिल्म, टीवी, वीडियो
- (C) केवल अखबार
- (D) केवल चित्र

३. मैथिली दृश्य-श्रव्य साहित्यमे की समेटल जाइत अछि?

- (A) केवल कविता
- (B) फिल्म, वीडियो-कथा, डॉक्युमेण्ट्री आदि
- (C) केवल निबन्ध
- (D) कोनो नहि

४. दृश्य-श्रव्य माध्यमक मुख्य शक्ति की?

- (A) कोनो नहि
- (B) देखब-सुनब दुनूसँ गहिर प्रभाव
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

५. दृश्य-श्रव्य अध्ययन (मीडिया स्टडीज)क उद्देश्य की?

- (A) केवल मनोरंजन
- (B) माध्यमक संरचना-प्रभावक विश्लेषण
- (C) निरर्थक
- (D) रोक

६. मैथिलीमे दृश्य-श्रव्य सामग्रीक प्रसार कोन माध्यमसँ बढ़ल?

- (A) कोनो नहि
- (B) रेडियो, टीवी आ डिजिटल मंच
- (C) केवल मन्दिर
- (D) कोनो नहि

७. दृश्य-श्रव्य माध्यम साहित्यसँ कोना भिन्न?

- (A) कोनो भेद नहि
- (B) साहित्य पठन-आधारित; ई देखब-सुनब-आधारित
- (C) दुनू एके
- (D) अर्थहीन

८. दृश्य-श्रव्य माध्यमक अध्ययन किएक आवश्यक?

- (A) कोनो नहि
- (B) आधुनिक संचारक प्रभावी बोध
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

९. मैथिली दृश्य-श्रव्य अध्ययनक एक उद्देश्य की?

- (A) भाषा छोड़ब
- (B) भाषा-संस्कृतिक प्रचार-संरक्षण
- (C) रोक
- (D) मौन

१०. दृश्य-श्रव्य माध्यम मिथिलाक संस्कृतिक कोना सहायक?

- (A) कोनो नहि
- (B) व्यापक प्रसार आ संरक्षण
- (C) हानि
- (D) रोक

खण्ड २ : फिल्म आ सिनेमाक मूल तत्त्व

११. 'फिल्म' कोन माध्यमक उदाहरण थिक?

- (A) केवल श्रव्य
- (B) दृश्य-श्रव्य
- (C) केवल दृश्य
- (D) केवल पठन

१२. फिल्ममे 'पटकथा' (स्क्रिप्ट)क की काज?

- (A) कोनो नहि
- (B) संवाद आ दृश्यक लिखित आधार
- (C) केवल संगीत
- (D) दर्शक

१३. 'निर्देशक' (डायरेक्टर)क की भूमिका?

- (A) केवल टिकट
- (B) सम्पूर्ण फिल्मक परिकल्पना आ संचालन
- (C) केवल प्रकाश
- (D) दर्शक

१४. 'कैमरा-कोण' (कैमरा एंगल)क की महत्त्व?

- (A) कोनो नहि
- (B) दृश्यक भाव आ प्रभाव बदलब
- (C) निरर्थक
- (D) रिक्तता

१५. 'सम्पादन' (एडिटिंग)क काज की?

- (A) कोनो नहि
- (B) दृश्य सभकेँ क्रमबद्ध जोड़ब
- (C) केवल संगीत
- (D) दर्शक

१६. 'पार्श्व-संगीत' (बैकग्राउंड स्कोर)क की लाभ?

- (A) कोनो नहि
- (B) दृश्यक भाव आ तनाव बढ़ाएब
- (C) केवल शोर
- (D) निरर्थक

१७. 'ध्वनि-प्रभाव' (साउंड इफेक्ट)क उपयोग किएक?

- (A) कोनो नहि
- (B) दृश्यकेँ यथार्थ बनाएब
- (C) निरर्थक
- (D) केवल शोर

१८. फिल्ममे 'कलाकार/अभिनेता'क की भूमिका?

- (A) कोनो नहि
- (B) पात्रकेँ जीवन्त रूपमे साकार करब
- (C) निरर्थक
- (D) दर्शक

१९. 'फिल्म-निर्माता' (प्रोड्यूसर)क की काज?

- (A) केवल अभिनय
- (B) आर्थिक आ प्रबन्धकीय व्यवस्था
- (C) केवल संगीत
- (D) दर्शक

२०. फिल्म-निर्माणमे 'टीम-वर्क' किएक आवश्यक?

- (A) कोनो नहि
- (B) अनेक विभागक मिलि कऽ सफल निर्माण
- (C) निरर्थक
- (D) विवाद

खण्ड ३ : मैथिली फिल्म आ टीवी

२१. मैथिली फिल्मक मुख्य उद्देश्य की?

- (A) केवल व्यापार
- (B) मैथिली भाषा-संस्कृतिक प्रचार
- (C) कोनो नहि
- (D) विदेशी प्रचार

२२. मैथिली फिल्ममे प्रायः कोन विषय आबैत अछि?

- (A) केवल विदेशी
- (B) सामाजिक जीवन, पाबनि, सम्बन्ध
- (C) गणित
- (D) विज्ञान

२३. मैथिली फिल्मक भाषा कोना होएबाक चाही?

- (A) कठिन विदेशी
- (B) सहज, बोधगम्य मैथिली
- (C) केवल संस्कृत
- (D) अर्थहीन

२४. टेलीविजन (दूरदर्शन)सँ मैथिली कार्यक्रमकेँ की लाभ भेल?

- (A) कोनो नहि
- (B) घर-घर पहुँच
- (C) हानि
- (D) रोक

२५. मैथिली धारावाहिक (टीवी सीरियल) कोन विषय दशाबैत अछि?

- (A) केवल विदेशी
- (B) सामाजिक-पारिवारिक कथा
- (C) गणित
- (D) विज्ञान

२६. मैथिली फिल्म-निर्माणक सोझाँ चुनौती की?

- (A) कोनो नहि
- (B) संसाधन, बजार आ वितरण
- (C) अधिक सुविधा
- (D) लाभ

२७. डिजिटल मंच मैथिली फिल्मकें की लाभ देलक?

- (A) कोनो नहि
- (B) व्यापक दर्शक धरि पहुँच
- (C) हानि
- (D) रोक

२८. मैथिली फिल्मक सफलताक मूल आधार की?

- (A) केवल बजट
- (B) कथा, अभिनय आ भाषाक प्रामाणिकता
- (C) विदेशी शैली
- (D) निरर्थक

२९. मैथिली फिल्म-उद्योगक भविष्य कोना उज्ज्वल भऽ सकैत अछि?

- (A) भाषा छोड़लासँ
- (B) नव प्रतिभा, संसाधन आ डिजिटल मंचसँ
- (C) रोकलासँ
- (D) मौनसँ

३०. मैथिली फिल्म समाजकें कोन सन्देश दऽ सकैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) सामाजिक जागरूकता आ सांस्कृतिक गौरव
- (C) हानि
- (D) निरर्थक

खण्ड ४ : रेडियो आ ध्वनि-माध्यम

३१. रेडियो कोन प्रकारक माध्यम थिक?

- (A) दृश्य-श्रव्य
- (B) केवल श्रव्य
- (C) केवल दृश्य
- (D) पठन

३२. 'रेडियो-नाटक'क सबसँ पैघ विशेषता की?

- (A) केवल दृश्य
- (B) केवल ध्वनिपर आधारित
- (C) केवल नृत्य
- (D) केवल चित्र

३३. रेडियोमे श्रोताक कल्पनाशक्तिक की भूमिका?

- (A) कोनो नहि
- (B) दृश्य बिना सुनि कऽ चित्र बनाएब
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

३४. मैथिली रेडियो-कार्यक्रमसँ की लाभ भेल?

- (A) कोनो नहि
- (B) भाषा-संस्कृतिक प्रचार
- (C) हानि
- (D) रोक

३५. 'पॉडकास्ट' की थिक?

- (A) केवल वीडियो
- (B) डिजिटल ध्वनि-कार्यक्रम
- (C) केवल फिल्म
- (D) कोनो नहि

३६. मैथिली पॉडकास्टक सम्भावित विषय की?

- (A) कोनो नहि
- (B) साहित्य, इतिहास, कथा-वाचन
- (C) केवल विदेशी
- (D) निरर्थक

३७. ध्वनि-माध्यमक की सीमा?

- (A) कोनो नहि
- (B) दृश्य तत्त्वक अभाव
- (C) अधिक सुविधा
- (D) लाभ

३८. ध्वनि-माध्यम कोन परिस्थितिमे विशेष उपयोगी?

- (A) कोनो नहि
- (B) यात्रा वा काज करैत समय सुनब
- (C) हानि
- (D) रोक

३९. मैथिली ध्वनि-सामग्रीक डिजिटल संरक्षणक की लाभ?

- (A) कोनो नहि
- (B) स्थायित्व आ व्यापक पहुँच
- (C) हानि
- (D) लोप

४०. ध्वनि-माध्यमक भविष्य कोना उज्ज्वल?

- (A) रोकसँ
- (B) पॉडकास्ट आ डिजिटल प्रसारसँ
- (C) मौनसँ
- (D) लोपसँ

खण्ड ५ : डिजिटल मंच आ नव माध्यम

४१. 'यू-ट्यूब' कोन प्रकारक मंच थिक?

- (A) केवल पठन
- (B) वीडियो-साझाकरण डिजिटल मंच
- (C) केवल रेडियो
- (D) कोनो नहि

४२. डिजिटल मंचसँ मैथिली दृश्य-श्रव्य सामग्रीकेँ की लाभ?

- (A) कोनो नहि
- (B) विश्वव्यापी पहुँच, कम खर्च
- (C) हानि
- (D) रोक

४३. 'सोशल मीडिया' मैथिली सामग्रीक प्रसारमे कोना सहायक?

- (A) कोनो नहि
- (B) साझाकरण आ तत्काल पहुँच
- (C) हानि
- (D) रोक

४४. 'विदेह' ई-पत्रिका दृश्य-श्रव्य सामग्रीकेँ कोना सहयोग करैत अछि?

- (A) रोक कऽ
- (B) सामग्री प्रकाशित-संरक्षित कऽ
- (C) अनदेखी कऽ
- (D) हानि कऽ

४५. डिजिटल मंचपर मैथिली सामग्रीक चुनौती की?

- (A) कोनो नहि
- (B) गुणवत्ता आ नियमितता बनाए राखब
- (C) अधिक सुविधा
- (D) लाभ

४६. 'स्ट्रीमिंग' (ऑनलाइन प्रसारण)क अर्थ की?

- (A) केवल डाउनलोड
- (B) इन्टरनेटपर तत्काल देखब-सुनब
- (C) केवल प्रिन्ट
- (D) कोनो नहि

४७. मैथिली डिजिटल सामग्री नव पीढ़ीकेँ कोना आकर्षित करैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) सुलभ आ आधुनिक प्रस्तुतिसँ
- (C) हानि
- (D) रोक

४८. डिजिटल मंचसँ मैथिली रचनाकारकेँ की अवसर भेटल?

- (A) कोनो नहि
- (B) बिना मध्यस्थक सीधा दर्शक धरि पहुँच
- (C) हानि
- (D) रोक

४९. मैथिली डिजिटल सामग्रीक संग्रहण किएक जरूरी?

- (A) कोनो नहि
- (B) भविष्यक अध्ययन आ संरक्षण लेल
- (C) हानि
- (D) रोक

५०. डिजिटल मंचक उदयसँ मैथिली भाषाकेँ की दीर्घकालिक लाभ?

- (A) कोनो नहि
- (B) व्यापक प्रसार आ नव पीढ़ीसँ जुड़ाव
- (C) हानि
- (D) लोप

खण्ड ६ : दृश्य-श्रव्य आ साहित्यिक सम्बन्ध

५१. 'नाट्य-रूपान्तरण' (अडैप्टेशन) की थिक?

- (A) मौलिक
- (B) कथा/उपन्यासकेँ फिल्म-नाटकमे बदलब
- (C) केवल अनुवाद
- (D) निरर्थक

५२. साहित्यिक कृतिकेँ फिल्ममे बदलबाक की चुनौती?

- (A) कोनो नहि
- (B) मूल भाव आ गहिराई बचाएब
- (C) अधिक सुविधा
- (D) लाभ

५३. 'डॉक्युमेण्ट्री' (वृत्तचित्र) की थिक?

- (A) कल्पना-कथा
- (B) वास्तविक विषय-घटनापर आधारित फिल्म
- (C) केवल गीत
- (D) कोनो नहि

५४. मिथिलापर डॉक्युमेण्ट्री कोन विषय देखा सकैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) इतिहास, कला, पाबनि-परम्परा
- (C) केवल विदेशी
- (D) निरर्थक

५५. 'कथा-वाचन' (स्टोरीटेलिंग) दृश्य-श्रव्य रूपमे कोना प्रस्तुत होइत अछि?

- (A) केवल पुस्तक
- (B) वीडियो वा ऑडियो माध्यमसँ
- (C) केवल चित्र
- (D) कोनो नहि

५६. साहित्यिक कविताक 'दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति' कोना सम्भव?

- (A) असम्भव
- (B) सस्वर पाठ + पृष्ठभूमि संगीत/चित्र
- (C) केवल पाठ
- (D) कोनो नहि

५७. साहित्य आ दृश्य-श्रव्य माध्यमक मेलसँ की लाभ?

- (A) कोनो नहि
- (B) व्यापक आ नव पाठक-दर्शक वर्ग
- (C) हानि
- (D) रोक

५८. 'ऑडियो-बुक' (श्रव्य-पुस्तक) की थिक?

- (A) केवल चित्र
- (B) पुस्तकक सुनबा-योग्य रूप
- (C) केवल वीडियो
- (D) कोनो नहि

५९. मैथिली ऑडियो-बुकक की सम्भावना?

- (A) कोनो नहि
- (B) साहित्यक नव श्रोता धरि पहुँचाएब
- (C) हानि
- (D) रोक

६०. दृश्य-श्रव्य रूपान्तरण साहित्यक संरक्षणमे कोना सहायक?

- (A) कोनो नहि
- (B) नव माध्यमसँ नव पीढ़ी धरि पहुँच
- (C) हानि
- (D) रोक

खण्ड ७ : मीडिया-साक्षरता आ विश्लेषण

६१. 'मीडिया-साक्षरता'क अर्थ की?

- (A) केवल पढ़ब-लिखब
- (B) माध्यमक समझि-परखि कऽ उपयोग करबाक क्षमता
- (C) कोनो नहि
- (D) निरर्थक

६२. मीडिया-साक्षरता किएक आवश्यक?

- (A) कोनो नहि
- (B) सही-गलत सूचनाक भेद बुझबा लेल
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

६३. 'भ्रामक सूचना' (मिसइन्फॉर्मेशन) सँ बचबाक उपाय?

- (A) आँख मुनि विश्वास
- (B) स्रोत-सत्यापन आ सजगता
- (C) रोक
- (D) मौन

६४. दर्शकक 'समालोचनात्मक दृष्टि' (क्रिटिकल थिंकिंग)क की महत्त्व?

- (A) कोनो नहि
- (B) सामग्रीक विश्लेषण आ मूल्यांकन
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

६५. बच्चाकें मीडिया-साक्षरता सिखेबाक की लाभ?

- (A) कोनो नहि
- (B) सुरक्षित आ समझदार उपयोग
- (C) हानि
- (D) रोक

६६. विज्ञापन (एडवर्टाइजमेंट)क उद्देश्य की?

- (A) केवल सूचना
- (B) प्रभावित कऽ बिक्री बढ़ाएब
- (C) निरर्थक
- (D) मौन

६७. दृश्य-श्रव्य सामग्रीमे 'पूर्वाग्रह' (बायस) कोना पहचानल जाइत अछि?

- (A) असम्भव
- (B) स्रोत आ प्रस्तुतिक एकपक्षीय दृष्टि देखि
- (C) कोनो नहि
- (D) रोक

६८. 'तथ्य' आ 'मत'मे भेद बुझब किएक जरूरी?

- (A) कोनो नहि
- (B) सही बोधक लेल
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

६९. मीडिया-साक्षरताक शिक्षा कतय देल जा सकैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) विद्यालय आ घरमे
- (C) केवल विदेश
- (D) रोक

७०. मीडिया-साक्षरताक अन्तिम लक्ष्य की?

- (A) कोनो नहि
- (B) समझदार आ जागरूक दर्शक-श्रोता बनब
- (C) हानि
- (D) रोक

खण्ड ८ : दृश्य-श्रव्य संरक्षण आ अभिलेखन

७१. मैथिली दृश्य-श्रव्य सामग्रीक संरक्षण किएक आवश्यक?

- (A) कोनो नहि
- (B) सांस्कृतिक धरोहरक रक्षा
- (C) हानि
- (D) निरर्थक

७२. पुरान वीडियो-फिल्म-टेपक डिजिटलीकरण किएक जरूरी?

- (A) कोनो नहि
- (B) नष्ट होबासँ बचाएब
- (C) हानि
- (D) रोक

७३. 'अभिलेखागार' (आर्काइव)क की काज?

- (A) कोनो नहि
- (B) सामग्रीक व्यवस्थित संग्रह आ संरक्षण
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

७४. डिजिटल संग्रहक की लाभ?

- (A) कोनो नहि
- (B) सुरक्षा आ सुलभ पहुँच
- (C) हानि
- (D) लोप

७५. मैथिली पुरान फिल्म-वीडियोक संरक्षण ककर दायित्व?

- (A) केवल सरकार
- (B) सरकार, संस्था आ समाज सभक साझा
- (C) केवल विदेशी
- (D) कोनो नहि

७६. 'विदेह' सन डिजिटल मंच अभिलेखनमे कोना सहायक?

- (A) कोनो नहि
- (B) सामग्री संग्रहित-प्रकाशित कऽ
- (C) रोक
- (D) हानि

७७. दृश्य-श्रव्य अभिलेखनसँ शोधकर्ताकेँ की लाभ?

- (A) कोनो नहि
- (B) ऐतिहासिक-सांस्कृतिक अध्ययन सामग्री
- (C) हानि
- (D) रोक

७८. मेटाडेटा (विवरण-सूचना) अभिलेखनमे किएक जरूरी?

- (A) कोनो नहि
- (B) सामग्री खोजब आ बुझब सहज
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

७९. दृश्य-श्रव्य संरक्षणमे आर्थिक संसाधनक की भूमिका?

- (A) कोनो नहि
- (B) डिजिटलीकरण आ रख-रखावक लेल आवश्यक
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

८०. मैथिली दृश्य-श्रव्य धरोहरक संरक्षणक अन्तिम लक्ष्य की?

- (A) कोनो नहि
- (B) अगिला पीढ़ी धरि सुरक्षित पहुँचाएब
- (C) हानि
- (D) रोक

खण्ड १ : दूरदर्शन आ प्रसारण-इतिहास

८१. भारतमे दूरदर्शनक प्रसारण कोन कालमे आरम्भ भेल?

- (A) स्वतन्त्रतासँ पहिने
- (B) स्वतन्त्रताक बाद (बीसम शताब्दीक मध्य)
- (C) इक्कीसम शताब्दी
- (D) कोनो नहि

८२. क्षेत्रीय भाषाक कार्यक्रम दूरदर्शनपर किएक महत्त्वपूर्ण?

- (A) कोनो नहि
- (B) स्थानीय भाषा-संस्कृतिक प्रसार
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

८३. दूरदर्शनपर मैथिली समाचार/कार्यक्रमक की महत्त्व?

- (A) कोनो नहि
- (B) भाषाक मान्यता आ प्रसार
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

८४. केबल टीवी आ सैटेलाइट प्रसारणसँ की लाभ भेल?

- (A) कोनो नहि
- (B) अनेक चैनल आ विविध सामग्रीक उपलब्धता
- (C) हानि
- (D) रोक

८५. टीवी-समाचार दृश्य-श्रव्य रूपमे की लाभ दैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) तत्काल आ प्रभावी सूचना-प्रसारण
- (C) हानि
- (D) रोक

८६. 'लाइव प्रसारण' (सीधा प्रसारण)क अर्थ की?

- (A) रिकॉर्ड कएल
- (B) वास्तविक समयमे प्रत्यक्ष प्रसारण
- (C) केवल पाठ
- (D) कोनो नहि

८७. दूरदर्शनसँ शैक्षिक कार्यक्रमक की लाभ?

- (A) कोनो नहि
- (B) सुलभ आ रोचक शिक्षा
- (C) हानि
- (D) रोक

८८. मैथिली दूरदर्शन-कार्यक्रमक प्रसारमे चुनौती की?

- (A) कोनो नहि
- (B) समय-स्लॉट आ संसाधनक सीमा
- (C) अधिक सुविधा
- (D) लाभ

८९. दूरदर्शनक तुलनामे डिजिटल मंचक की विशेष लाभ?

- (A) कोनो नहि
- (B) कहियो-कतहु देखबाक स्वतन्त्रता
- (C) हानि
- (D) रोक

९०. दूरदर्शन आ डिजिटल मंच दुनूक भविष्यमे की भूमिका?

- (A) समाप्त
- (B) परस्पर पूरक माध्यमक रूपमे जारी
- (C) विरोधी
- (D) कोनो नहि

खण्ड १० : ध्वनि-तकनीक आ रिकॉर्डिंग

९१. 'रिकॉर्डिंग' (ध्वनि-मुद्रण) की थिक?

- (A) केवल सुनब
- (B) ध्वनिकें स्थायी रूपमे दर्ज करब
- (C) केवल देखब
- (D) कोनो नहि

९२. 'माइक्रोफोन'क काज की?

- (A) ध्वनि सुनाएब
- (B) ध्वनिकें ग्रहण कऽ विद्युत-संकेतमे बदलब
- (C) केवल देखाएब
- (D) कोनो नहि

९३. 'मिक्सिंग' (ध्वनि-मिश्रण)क काज की?

- (A) कोनो नहि
- (B) विभिन्न ध्वनि-स्रोतकें सन्तुलित कऽ मिलाएब
- (C) केवल देखाएब
- (D) कोनो नहि

९४. डिजिटल रिकॉर्डिंगक की लाभ पुरान टेप-रिकॉर्डिंगसँ?

- (A) कोनो नहि
- (B) गुणवत्ता आ सहज सम्पादन
- (C) हानि
- (D) रोक

९५. मैथिली गीत-संगीतक रिकॉर्डिंगसँ की लाभ?

- (A) कोनो नहि
- (B) स्थायी संरक्षण आ व्यापक प्रसार
- (C) हानि
- (D) रोक

९६. 'स्टूडियो-रिकॉर्डिंग' आ 'लाइव-रिकॉर्डिंग'मे भेद की?

- (A) कोनो भेद नहि
- (B) स्टूडियो=नियन्त्रित वातावरण; लाइव=प्रत्यक्ष कार्यक्रम
- (C) दुनू एके
- (D) अर्थहीन

९७. ध्वनि-तकनीशियनक की भूमिका?

- (A) कोनो नहि
- (B) ध्वनिक गुणवत्ता आ सन्तुलन सुनिश्चित करब
- (C) निरर्थक
- (D) दर्शक

९८. 'पुनः-निर्माण' (रीमास्ट्रिंग)क अर्थ की?

- (A) नष्ट करब
- (B) पुरान रिकॉर्डिंगक गुणवत्ता सुधारब
- (C) केवल नकल
- (D) कोनो नहि

९९. मैथिली पुरान रेडियो-रिकॉर्डिंगक रीमास्ट्रिंगक लाभ?

- (A) कोनो नहि
- (B) धरोहरकें नव रूपमे सुनबाक अवसर
- (C) हानि
- (D) रोक

१००. ध्वनि-तकनीकक विकाससँ मैथिली संगीतकें की लाभ?

- (A) कोनो नहि
- (B) उच्च गुणवत्ता आ व्यापक प्रसार
- (C) हानि
- (D) रोक

खण्ड ११ : दृश्य-श्रव्य शिक्षण-सामग्री

१०१. शैक्षिक वीडियोक उद्देश्य की?

- (A) केवल मनोरंजन
- (B) रोचक ढंगे शिक्षा देब
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

१०२. 'ई-लर्निङ्ग'मे दृश्य-श्रव्य सामग्रीक की भूमिका?

- (A) कोनो नहि
- (B) अवधारणाकें सजीव आ स्पष्ट बनाएब
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

१०३. 'एनिमेशन' (कार्टून-चित्रण) शिक्षामे कोना सहायक?

- (A) कोनो नहि
- (B) जटिल प्रक्रियाकें सरल देखाएब
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

१०४. मैथिली शैक्षिक वीडियोक सम्भावित विषय की?

- (A) कोनो नहि
- (B) भाषा-व्याकरण, इतिहास, संस्कृति
- (C) केवल विदेशी
- (D) निरर्थक

१०५. विदेह ई-लर्निंग हबमे दृश्य-श्रव्य सामग्री जोड़लासँ की लाभ?

- (A) कोनो नहि
- (B) पाठककेँ बहुविध सीखबाक अनुभव
- (C) हानि
- (D) रोक

१०६. शैक्षिक वीडियोमे 'उपशीर्षक' (सबटाइटल)क लाभ की?

- (A) कोनो नहि
- (B) भाषा-बोध आ सुलभता बढ़ाएब
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

१०७. बच्चाक शिक्षामे दृश्य-श्रव्य सामग्रीक की लाभ?

- (A) कोनो नहि
- (B) ध्यान आकर्षित आ स्मृति मजगूत
- (C) हानि
- (D) रोक

१०८. 'इन्टरैक्टिव वीडियो' (अन्तःक्रियात्मक वीडियो) की थिक?

- (A) केवल देखब
- (B) दर्शकक प्रतिक्रियासँ बदलैत वीडियो
- (C) केवल सुनब
- (D) कोनो नहि

१०९. दृश्य-श्रव्य शिक्षण-सामग्रीक संरचनामे की ध्यान राखब जरूरी?

- (A) कोनो नहि
- (B) स्पष्टता, क्रम आ रुचिकरता
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

११०. दृश्य-श्रव्य शिक्षण-सामग्रीक भविष्य कोना उज्ज्वल?

- (A) रोकसँ
- (B) नव तकनीक आ रचनात्मक प्रस्तुतिसँ
- (C) मौनसँ
- (D) लोपसँ

खण्ड १२ : समाचार आ पत्रकारिता (दृश्य-श्रव्य)

१११. 'टीवी-पत्रकारिता'क मुख्य उद्देश्य की?

- (A) केवल मनोरंजन
- (B) समाचार-सूचना दृश्य-श्रव्य रूपमे देब
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

११२. 'रिपोर्टर' (संवाददाता)क की भूमिका?

- (A) कोनो नहि
- (B) घटना-स्थलसँ समाचार संग्रह आ प्रस्तुति
- (C) केवल संगीत
- (D) दर्शक

११३. 'एंकर' (समाचार-वाचक)क की काज?

- (A) कोनो नहि
- (B) स्टूडियोसँ समाचार-संचालन-वाचन
- (C) केवल संगीत
- (D) दर्शक

११४. मैथिली समाचार-चैनल/कार्यक्रमक की महत्त्व?

- (A) कोनो नहि
- (B) स्थानीय भाषामे सूचना-पहुँच
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

११५. दृश्य-श्रव्य पत्रकारितामे 'निष्पक्षता'क की महत्त्व?

- (A) कोनो नहि
- (B) विश्वसनीयता आ सत्य-प्रस्तुति
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

११६. 'फील्ड-रिपोर्टिंग' (क्षेत्र-प्रतिवेदन)क लाभ की?

- (A) कोनो नहि
- (B) प्रत्यक्ष आ विश्वसनीय जानकारी
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

११७. दृश्य-श्रव्य पत्रकारिताक चुनौती की?

- (A) कोनो नहि
- (B) समय-सीमामे सटीकता बनाए राखब
- (C) अधिक सुविधा
- (D) लाभ

११८. 'नागरिक पत्रकारिता' (सिटिजन जर्नलिज्म) की थिक?

- (A) केवल पेशेवर
- (B) सामान्य नागरिक द्वारा घटनाक दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति
- (C) कोनो नहि
- (D) रोक

११९. मैथिली नागरिक-पत्रकारिता कोना सम्भव भेल?

- (A) असम्भव
- (B) स्मार्टफोन आ सोशल मीडियासँ
- (C) कोनो नहि
- (D) रोक

१२०. दृश्य-श्रव्य पत्रकारिताक सामाजिक दायित्व की?

- (A) कोनो नहि
- (B) सत्य, सन्तुलन आ जनहित
- (C) हानि
- (D) मौन

खण्ड १३ : दृश्य-श्रव्य व्याकरण आ शैली

१२१. 'क्लोज-अप' (निकट-दृश्य) शॉटक उद्देश्य की?

- (A) दूरी देखाएब
- (B) भाव-विवरण निकटसँ देखाएब
- (C) केवल पृष्ठभूमि
- (D) कोनो नहि

१२२. 'लॉग-शॉट' (दूर-दृश्य)क उद्देश्य की?

- (A) निकटता
- (B) दृश्यक समग्र परिवेश देखाएब
- (C) केवल भाव
- (D) कोनो नहि

१२३. 'कट' (एडिटिंगमे) की थिक?

- (A) केवल संगीत
- (B) एक दृश्यसँ दोसर दृश्यपर तुरत बदलाव
- (C) केवल संवाद
- (D) कोनो नहि

१२४. 'फेड-इन/फेड-आउट'क प्रयोग किएक होइत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) दृश्यक धीरे-धीरे आरम्भ/समापन
- (C) केवल शोर
- (D) निरर्थक

१२५. 'मोंताज' (दृश्य-संयोजन)क अर्थ की?

- (A) एकहि शॉट
- (B) अनेक छोट दृश्यक त्वरित संयोजन
- (C) केवल संवाद
- (D) कोनो नहि

१२६. 'वॉयस-ओवर' (पृष्ठ-स्वर) की थिक?

- (A) केवल संगीत
- (B) पर्दापर अदृश्य कथावाचकक स्वर
- (C) केवल ध्वनि-प्रभाव
- (D) कोनो नहि

१२७. 'फ्रेमिंग' (दृश्य-संयोजन)क की महत्त्व?

- (A) कोनो नहि
- (B) दृश्यक रचना आ दृष्टि-केन्द्रण
- (C) निरर्थक
- (D) रिक्तता

१२८. 'बैकलिटिंग' (पृष्ठ-प्रकाश)क प्रभाव की?

- (A) कोनो नहि
- (B) रहस्य वा नाटकीयता उत्पन्न करब
- (C) निरर्थक
- (D) रिक्तता

१२९. 'जम्प-कट' कोन प्रभाव दैत अछि?

- (A) सहज प्रवाह
- (B) अचानक/झटकेदार बदलाव
- (C) धीमा परिवर्तन
- (D) कोनो नहि

१३०. दृश्य-श्रव्य व्याकरण बुझब किएक उपयोगी?

- (A) कोनो नहि
- (B) फिल्म/वीडियोक गहिर बोध आ निर्माण-कौशल
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

खण्ड १४ : सांस्कृतिक प्रसार आ पहचान

१३१. दृश्य-श्रव्य माध्यम मिथिलाक भाषाकें कोना सहायता दैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) व्यापक प्रसार आ नव पीढ़ीसँ जुड़ाव
- (C) हानि
- (D) रोक

१३२. फिल्म/वीडियोक माध्यमसँ मिथिलाक पाबनि-परम्परा कोना देखाओल जा सकैत अछि?

- (A) असम्भव
- (B) दृश्य-श्रव्य दस्तावेजीकरणसँ
- (C) कोनो नहि
- (D) रोक

१३३. दृश्य-श्रव्य माध्यम सांस्कृतिक पहचानकें कोना सबल करैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) भाषा-संस्कृति देखा-सुना कऽ गौरव जगाएब
- (C) हानि
- (D) रोक

१३४. प्रवासी मैथिल समुदायकें दृश्य-श्रव्य सामग्रीसँ की लाभ?

- (A) कोनो नहि
- (B) देशसँ दूर रहितहु संस्कृतिसँ जुड़ाव
- (C) हानि
- (D) रोक

१३५. दृश्य-श्रव्य माध्यमसँ अन्तर-सांस्कृतिक आदान-प्रदान कोना सम्भव?

- (A) असम्भव
- (B) विभिन्न भाषा-संस्कृतिक सामग्री साझा कऽ
- (C) कोनो नहि
- (D) रोक

१३६. मिथिलाक कला-संगीतपर बनल वीडियो विश्वकें की देखबैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) मिथिलाक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत
- (C) हानि
- (D) रिक्तता

१३७. दृश्य-श्रव्य सामग्री पर्यटन-प्रचारमे कोना सहायक?

- (A) कोनो नहि
- (B) स्थान-संस्कृति आकर्षक रूपमे देखाएब
- (C) हानि
- (D) रोक

१३८. दृश्य-श्रव्य माध्यमसँ भाषा-शिक्षण कोना सहज भेल?

- (A) कोनो नहि
- (B) सुनि-देखि कऽ उच्चारण-शब्द सिखब
- (C) हानि
- (D) रोक

१३९. सांस्कृतिक प्रसारमे दृश्य-श्रव्य माध्यमक भविष्यक सम्भावना?

- (A) सीमित
- (B) विस्तृत आ बहुआयामी
- (C) समाप्त
- (D) कोनो नहि

१४०. दृश्य-श्रव्य माध्यमक माध्यमसँ सांस्कृतिक प्रसारक मूल सन्देश की?

- (A) भेदभाव
- (B) अपन भाषा-संस्कृतिपर गर्व आ साझाकरण
- (C) उपेक्षा
- (D) मौन

खण्ड १५ : दृश्य-श्रव्य अध्ययनक सिद्धान्त

१४१. 'मीडिया स्टडीज' (माध्यम-अध्ययन) कोन क्षेत्रक विषय थिक?

- (A) केवल विज्ञान
- (B) संचार, समाजशास्त्र आ कला-अध्ययनक संगम
- (C) केवल गणित
- (D) कोनो नहि

१४२. 'दर्शक-स्वागत सिद्धान्त' (रिसेप्शन थियरी) की कहैत अछि?

- (A) सभ दर्शक एकहि रूपेँ बुझैत छथि
- (B) दर्शक अपन अनुभवक अनुसार भिन्न अर्थ लगाबैत छथि
- (C) कोनो नहि
- (D) निरर्थक

१४३. 'संकेत-विज्ञान' (सेमियोटिक्स) दृश्य-श्रव्य अध्ययनमे की देखैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) चिन्ह आ प्रतीकक अर्थ-व्यवस्था
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

१४४. 'नैरेटिव' (कथा-संरचना) सिद्धान्त की देखैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) कथा कोना संरचित आ प्रस्तुत होइत अछि
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

१४५. 'प्रतिनिधित्व' (रिप्रेजेंटेशन)क अध्ययन की देखत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) समूह-व्यक्ति माध्यममे कोना देखाओल जाइत छथि
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

१४६. दृश्य-श्रव्य अध्ययनमे 'शैली-विश्लेषण' (जॉनर एनालिसिस) की करैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) विभिन्न शैली (हास्य, त्रासदी आदि)क विशेषता बुझब
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

१४७. दृश्य-श्रव्य अध्ययनक व्यावहारिक उपयोग की?

- (A) कोनो नहि
- (B) बेहतर निर्माण आ समालोचना
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

१४८. मैथिली दृश्य-श्रव्य अध्ययनक एक सम्भावित दिशा?

- (A) कोनो नहि
- (B) मैथिली फिल्म-वीडियोक भाषिक-सांस्कृतिक विश्लेषण
- (C) निरर्थक
- (D) रोक

१४९. दृश्य-श्रव्य अध्ययनसँ विद्यार्थीकें की कौशल भेटैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) समालोचनात्मक दृष्टि आ विश्लेषण-क्षमता
- (C) हानि
- (D) रोक

१५०. दृश्य-श्रव्य अध्ययनक अन्तिम उद्देश्य की?

- (A) कोनो नहि
- (B) माध्यमक गहिर आ जागरूक बोध
- (C) हानि
- (D) रोक

खण्ड १६ : बाल-दर्शक आ दृश्य-श्रव्य सामग्री

१५१. बच्चाक लेल दृश्य-श्रव्य सामग्री बनाएब किएक सावधानीपूर्वक होएबाक चाही?

- (A) कोनो नहि
- (B) उमेर-अनुकूल आ सुरक्षित विषय
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

१५२. बाल-कार्टून/एनिमेशनक उद्देश्य की?

- (A) केवल मनोरंजन
- (B) मनोरंजनक संग शिक्षा-संस्कार
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

१५३. मैथिली बाल-वीडियोक सम्भावित विषय की?

- (A) कोनो नहि
- (B) लोककथा, बालगीत, वर्णमाला-शिक्षण
- (C) केवल विदेशी
- (D) निरर्थक

१५४. बच्चाक स्क्रीन-समयक नियमन किएक जरूरी?

- (A) कोनो नहि
- (B) स्वास्थ्य आ सन्तुलित विकास लेल
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

१५५. माय-बाप बच्चाक दृश्य-श्रव्य उपभोगमे की भूमिका निभा सकैत छथि?

- (A) कोनो नहि
- (B) मार्गदर्शन आ सामग्री-चयनमे सहायता
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

१५६. बाल-शिक्षाक वीडियोमे 'रंग आ ध्वनि'क की महत्त्व?

- (A) कोनो नहि
- (B) ध्यान आकर्षित आ स्मृति मजबूत करब
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

१५७. मैथिली बाल-गीतक वीडियो-प्रस्तुतिक लाभ?

- (A) कोनो नहि
- (B) भाषा-सीखब सहज आ रुचिकर
- (C) हानि
- (D) रोक

१५८. बच्चाकेँ दृश्य-श्रव्य माध्यमसँ सांस्कृतिक मूल्य कोना सिखाओल जा सकैत अछि?

- (A) असम्भव
- (B) लोककथा-पाबनिक वीडियो-प्रस्तुतिसँ
- (C) कोनो नहि
- (D) रोक

१५९. बाल-दृश्य-श्रव्य सामग्रीक निर्माणमे रचनाकारक उत्तरदायित्व?

- (A) कोनो नहि
- (B) सुरक्षित, शिक्षाप्रद आ रुचिकर सामग्री देब
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

१६०. मैथिली बाल-दृश्य-श्रव्य सामग्रीक भविष्यक सम्भावना?

- (A) सीमित
- (B) विस्तृत — डिजिटल मंचक संग
- (C) समाप्त
- (D) कोनो नहि

खण्ड १७ : दृश्य-श्रव्य उद्योग आ आजीविका

१६१. फिल्म/वीडियो-निर्माण कोन-कोन रोजगार सृजित करैत अछि?

- (A) केवल एक
- (B) निर्देशन, अभिनय, सम्पादन, ध्वनि आदि अनेक
- (C) कोनो नहि
- (D) केवल एक्टिंग

१६२. मैथिली दृश्य-श्रव्य उद्योगक विकाससँ की लाभ?

- (A) कोनो नहि
- (B) स्थानीय रोजगार आ सांस्कृतिक प्रसार
- (C) हानि
- (D) रोक

१६३. स्वतन्त्र (इंडिपेंडेंट) वीडियो-निर्माताक उदय कोना सम्भव भेल?

- (A) असम्भव
- (B) सस्ता तकनीक आ डिजिटल मंचसँ
- (C) कोनो नहि
- (D) रोक

१६४. 'कन्टेन्ट क्रिएटर' (सामग्री-निर्माता) की काज करैत छथि?

- (A) कोनो नहि
- (B) डिजिटल मंचक लेल वीडियो-सामग्री बनाएब
- (C) केवल देखब
- (D) कोनो नहि

१६५. मैथिली कन्टेन्ट क्रिएटरक सोझाँ की अवसर?

- (A) कोनो नहि
- (B) भाषा-सांस्कृतिक सामग्रीसँ नव दर्शक जोड़ब
- (C) हानि
- (D) रोक

१६६. दृश्य-श्रव्य उद्योगमे प्रशिक्षण-संस्थाक की भूमिका?

- (A) कोनो नहि
- (B) नव कलाकार-तकनीशियनक कौशल-विकास
- (C) रोक
- (D) हानि

१६७. मैथिली दृश्य-श्रव्य उद्योगक चुनौती की?

- (A) कोनो नहि
- (B) पूँजी, बजार आ प्रशिक्षित जनशक्तिक कमी
- (C) अधिक सुविधा
- (D) लाभ

१६८. दृश्य-श्रव्य उद्योगमे 'सहयोग' (कोलैबोरेशन)क लाभ?

- (A) कोनो नहि
- (B) संसाधन आ कौशलक साझाकरण
- (C) हानि
- (D) रोक

१६९. मैथिली दृश्य-श्रव्य उद्योगिक विकासमे सरकारक की भूमिका भऽ सकैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) अनुदान, प्रशिक्षण आ नीतिगत समर्थन
- (C) रोक
- (D) हानि

१७०. दृश्य-श्रव्य उद्योगिक विकासक अन्तिम लाभ की?

- (A) कोनो नहि
- (B) रोजगार, भाषा-प्रसार आ सांस्कृतिक गौरव
- (C) हानि
- (D) रोक

खण्ड १८ : नैतिकता आ उत्तरदायित्व

१७१. दृश्य-श्रव्य सामग्री-निर्माणमे 'नैतिकता'क की महत्त्व?

- (A) कोनो नहि
- (B) सत्य, सम्मान आ जिम्मेदारीपूर्ण प्रस्तुति
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

१७२. 'कॉपीराइट' (सर्जक-अधिकार)क सम्मान किएक जरूरी?

- (A) कोनो नहि
- (B) मूल सर्जकक अधिकार आ श्रमक सम्मान
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

१७३. दृश्य-श्रव्य सामग्रीमे 'गोपनीयता' (प्राइवेसी)क सम्मान कोना?

- (A) अनदेखी
- (B) अनुमति बिना कोनोक चित्र-वीडियो नहि लेब
- (C) सभ देखाएब
- (D) निरर्थक

१७४. 'हानिकारक सामग्री'सँ दर्शककेँ बचाएब ककर दायित्व?

- (A) केवल दर्शक
- (B) निर्माता, मंच आ अभिभावक सभक साझा
- (C) कोनो नहि
- (D) केवल सरकार

१७५. 'द्वेषपूर्ण सामग्री' (हेट कन्टेन्ट)सँ की हानि?

- (A) कोनो नहि
- (B) समाजमे विभाजन आ हिंसाक भावना
- (C) लाभ
- (D) निरर्थक

१७६. सामग्री-निर्माणमे 'सांस्कृतिक संवेदनशीलता'क की महत्त्व?

- (A) कोनो नहि
- (B) विभिन्न समुदायक सम्मान
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

१७७. मैथिली दृश्य-श्रव्य सामग्रीमे प्रामाणिकता किएक महत्त्वपूर्ण?

- (A) कोनो नहि
- (B) भाषा-संस्कृतिक सही प्रतिनिधित्व
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

१७८. बाल-सुरक्षाक दृष्टिकोणसँ दृश्य-श्रव्य सामग्रीमे की ध्यान राखब जरूरी?

- (A) कोनो नहि
- (B) बाल-उचित विषय आ भाषाक चयन
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

१७९. दृश्य-श्रव्य मंचक 'नियमन' (रेगुलेशन)क उद्देश्य की?

- (A) कोनो नहि
- (B) दर्शककेँ हानिकारक सामग्रीसँ रक्षा
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

१८०. दृश्य-श्रव्य सामग्री-निर्माणक अन्तिम नैतिक उत्तरदायित्व?

- (A) कोनो नहि
- (B) समाज आ संस्कृतिक प्रति सकारात्मक योगदान
- (C) हानि
- (D) रोक

खण्ड १९ : दृश्य-श्रव्य कला आ साहित्यक भविष्य

१८१. मैथिली दृश्य-श्रव्य साहित्यक भविष्य कोना उज्ज्वल भऽ सकैत अछि?

- (A) भाषा छोड़ि
- (B) नव प्रतिभा, तकनीक आ डिजिटल मंचसँ
- (C) रोक
- (D) मौनसँ

१८२. 'कृत्रिम बुद्धि' (AI) दृश्य-श्रव्य निर्माणमे कोन भूमिका निभा सकैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) सम्पादन, एनिमेशन आदिमे सहायता
- (C) रोक
- (D) हानि

१८३. 'वर्चुअल रिएलिटी' (VR) भविष्यमे दृश्य-श्रव्य अनुभवकेँ कोना बदलि सकैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) अधिक immersive (तल्लीन करनिहार) अनुभव
- (C) हानि
- (D) रोक

१८४. मैथिली दृश्य-श्रव्य सामग्रीक अन्तर्राष्ट्रीय पहुँचक सम्भावना?

- (A) कोनो नहि
- (B) डिजिटल मंचसँ विश्वव्यापी सम्भावना
- (C) सीमित
- (D) रोक

१८५. नव पीढ़ीक मैथिली दृश्य-श्रव्य रचनाकारकें की प्रोत्साहन आवश्यक?

- (A) कोनो नहि
- (B) प्रशिक्षण, मंच आ सम्मान
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

१८६. मैथिली दृश्य-श्रव्य साहित्य आ मुद्रित साहित्यक सम्बन्ध भविष्यमे कोना?

- (A) विरोधी
- (B) परस्पर पूरक भऽ संगहि बढ़त
- (C) असम्बद्ध
- (D) समाप्त

१८७. दृश्य-श्रव्य साहित्यक अध्ययन भविष्यमे कोन क्षेत्रमे प्रासंगिक रहत?

- (A) कोनो नहि
- (B) शिक्षा, शोध आ सांस्कृतिक संरक्षण
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

१८८. मैथिली दृश्य-श्रव्य साहित्यक विकासमे विदेहक सम्भावित योगदान?

- (A) कोनो नहि
- (B) रचना-समीक्षा-संग्रहक प्रकाशन
- (C) रोक
- (D) हानि

१८९. भविष्यक मैथिली दृश्य-श्रव्य साहित्यकार लेल सबसँ जरूरी गुण?

- (A) कोनो नहि
- (B) सृजनशीलता, भाषा-निष्ठा आ तकनीकी कौशल
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

१९०. मैथिली दृश्य-श्रव्य साहित्यक भविष्यक सपना की भऽ सकैत अछि?

- (A) लोप
- (B) विश्वमंचपर गौरवपूर्ण उपस्थिति
- (C) रोक
- (D) मौन

खण्ड २० : समापन-समीक्षा आ निष्कर्ष

१९१. 'दृश्य-श्रव्य साहित्य/अध्ययन' एक वाक्यमे की थिक?

- (A) केवल मनोरंजन
- (B) देखब-सुनब माध्यमसँ साहित्य-संस्कृतिक सृजन-अध्ययन
- (C) रिक्तता
- (D) निरर्थक

१९२. मैथिली दृश्य-श्रव्य माध्यमक मूल उद्देश्य की?

- (A) केवल व्यापार
- (B) भाषा-संस्कृतिक संरक्षण आ प्रसार
- (C) निरर्थक
- (D) रिक्तता

१९३. दृश्य-श्रव्य माध्यमक मूल शक्ति की?

- (A) कोनो नहि
- (B) देखब-सुनब दुनूसँ गहिर प्रभाव
- (C) रिक्तता
- (D) निरर्थक

१९४. मीडिया-साक्षरता किएक आजुक युगमे आवश्यक?

- (A) कोनो नहि
- (B) सही-भ्रामक सूचनाक भेद बुझबा लेल
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

१९५. दृश्य-श्रव्य धरोहरक संरक्षण किएक जरूरी?

- (A) कोनो नहि
- (B) सांस्कृतिक स्मृति आ भविष्यक अध्ययन लेल
- (C) हानि
- (D) निरर्थक

१९६. डिजिटल मंच मैथिली दृश्य-श्रव्य सामग्रीकें की देलक?

- (A) कोनो नहि
- (B) विश्वव्यापी पहुँच आ नव अवसर
- (C) हानि
- (D) रोक

१९७. दृश्य-श्रव्य माध्यमक उत्तरदायित्वपूर्ण उपयोगक मूल सिद्धान्त?

- (A) कोनो नहि
- (B) सत्य, सम्मान आ सजगता
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

१९८. मैथिली दृश्य-श्रव्य साहित्यक संरक्षणमे आजुक पीढ़ीक दायित्व?

- (A) उपेक्षा
- (B) बनाएब, देखब आ अगिला पीढ़ी धरि पहुँचाएब
- (C) मौन
- (D) रोक

१९९. एहि सम्पूर्ण प्रश्नोत्तरी-शृंखलाक (सातू भाग) समग्र सन्देश की?

- (A) उपेक्षा
- (B) मैथिली भाषा-संस्कृतिक सभ आयाम बुझब, सम्मान देब आ सहेजब
- (C) मौन
- (D) रोक

२००. एहि प्रश्नोत्तरीसँ की प्रेरणा भेटबाक चाही?

- (A) उपेक्षा
- (B) मैथिली दृश्य-श्रव्य साहित्य बुझब, सिखब आ आगाँ बढ़ाएब
- (C) मौन
- (D) रोक

१. (B) देखब आ सुनब दुनूक संयोग — दृश्य-श्रव्य अर्थात् ओ माध्यम जे एकहि संग देखब (दृश्य) आ सुनब (श्रव्य) दुनूक अनुभव दैत अछि।
२. (B) फिल्म, टीवी, वीडियो — फिल्म, टेलीविजन, वीडियो आ डिजिटल वीडियो-सामग्री दृश्य-श्रव्य माध्यमक उदाहरण थिक।
३. (B) फिल्म, वीडियो-कथा, डॉक्युमेण्ट्री आदि — मैथिली दृश्य-श्रव्य साहित्यमे फिल्म, वीडियो-नाट्य, डॉक्युमेण्ट्री आ ऑडियो-कथा सन रूप सम्मिलित अछि।
४. (B) देखब-सुनब दुनूसँ गहिर प्रभाव — दृश्य आ श्रव्य दुनू इन्द्रियकेँ एकहि संग सक्रिय कऽ ई माध्यम दर्शक-श्रोतापर गहिर प्रभाव छोड़ैत अछि।
५. (B) माध्यमक संरचना-प्रभावक विश्लेषण — दृश्य-श्रव्य अध्ययन फिल्म-वीडियो सन माध्यमक संरचना, भाषा आ समाजपर प्रभावक विश्लेषण करैत अछि।
६. (B) रेडियो, टीवी आ डिजिटल मंच — रेडियो, दूरदर्शन आ डिजिटल मंच (यू-ट्यूब आदि) सँ मैथिली दृश्य-श्रव्य सामग्रीक प्रसार बढ़ल।
७. (B) साहित्य पठन-आधारित; ई देखब-सुनब-आधारित — साहित्य मुख्यतः पठनसँ अनुभूत होइत अछि, जखन कि दृश्य-श्रव्य माध्यम देखब आ सुनबसँ अनुभूत होइत अछि।
८. (B) आधुनिक संचारक प्रभावी बोध — आजुक युगमे दृश्य-श्रव्य माध्यमक प्रभाव बुझब आ ओकर सही उपयोग सिखब आवश्यक अछि।
९. (B) भाषा-सांस्कृतिक प्रचार-संरक्षण — मैथिली दृश्य-श्रव्य अध्ययनक उद्देश्य भाषा आ सांस्कृतिक प्रभावी प्रचार आ संरक्षण थिक।
१०. (B) व्यापक प्रसार आ संरक्षण — दृश्य-श्रव्य माध्यम मिथिलाक भाषा, कला आ परम्पराकेँ व्यापक रूपेँ प्रसारित आ संरक्षित करैत अछि।
११. (B) दृश्य-श्रव्य — फिल्म दृश्य आ श्रव्य दुनू तत्त्वकेँ संयोजित करैत एक प्रमुख माध्यम थिक।
१२. (B) संवाद आ दृश्यक लिखित आधार — पटकथा फिल्मक संवाद, दृश्य आ कथाक्रमक लिखित आधार थिक।
१३. (B) सम्पूर्ण फिल्मक परिकल्पना आ संचालन — निर्देशक फिल्मक परिकल्पना, अभिनय, फिल्मांकन आ समग्र निर्माणकेँ दिशा दैत छथि।
१४. (B) दृश्यक भाव आ प्रभाव बदलब — कैमरा-कोण बदललासँ दृश्यक भाव, शक्ति-सम्बन्ध आ दर्शकपर प्रभाव बदलि जाइत अछि।
१५. (B) दृश्य सभकेँ क्रमबद्ध जोड़ब — सम्पादन फिल्मांकित दृश्य सभकेँ क्रमबद्ध आ प्रभावी ढंगेँ जोड़बाक काज थिक।
१६. (B) दृश्यक भाव आ तनाव बढ़ाएब — पार्श्व-संगीत दृश्यक भाव आ तनावकेँ सघन कऽ दर्शककेँ कथासँ जोड़ैत अछि।
१७. (B) दृश्यकेँ यथार्थ बनाएब — वर्षा, पक्षी सन ध्वनि-प्रभाव दृश्यकेँ यथार्थ आ सजीव बनबैत अछि।
१८. (B) पात्रकेँ जीवन्त रूपमे साकार करब — अभिनेता अपन अभिनयसँ कथाक पात्रकेँ पर्दापर जीवन्त आ विश्वसनीय बनबैत छथि।
१९. (B) आर्थिक आ प्रबन्धकीय व्यवस्था — फिल्म-निर्माता फिल्मक आर्थिक व्यवस्था आ समग्र निर्माण-प्रबन्धन देखैत छथि।
२०. (B) अनेक विभागक मिलि कऽ सफल निर्माण — फिल्म-निर्माण सामूहिक कला थिक — लेखन, अभिनय, फिल्मांकन आ सम्पादन सभक समन्वयसँ ई सफल होइत अछि।
२१. (B) मैथिली भाषा-सांस्कृतिक प्रचार — मैथिली फिल्मक मुख्य उद्देश्य मैथिली भाषा आ सांस्कृतिक प्रचार-प्रसार थिक।
२२. (B) सामाजिक जीवन, पाबनि, सम्बन्ध — मैथिली फिल्ममे प्रायः सामाजिक जीवन, पारिवारिक सम्बन्ध आ मिथिलाक पाबनि-परम्परा आबैत अछि।
२३. (B) सहज, बोधगम्य मैथिली — मैथिली फिल्मक भाषा सामान्य दर्शककेँ बुझबामे सहज आ बोधगम्य होएबाक चाही।
२४. (B) घर-घर पहुँच — दूरदर्शनसँ मैथिली कार्यक्रम घर-घर धरि पहुँचि व्यापक दर्शक प्राप्त केलक।
२५. (B) सामाजिक-पारिवारिक कथा — मैथिली धारावाहिक प्रायः सामाजिक आ पारिवारिक कथा दर्शककेँ सम्बद्ध रूपमे प्रस्तुत करैत अछि।
२६. (B) संसाधन, बजार आ वितरण — संसाधनक कमी, सीमित बजार आ वितरणक समस्या मैथिली फिल्म-निर्माणक प्रमुख चुनौती थिक।
२७. (B) व्यापक दर्शक धरि पहुँच — यू-ट्यूब सन डिजिटल मंच मैथिली फिल्मकेँ देश-विदेशक व्यापक दर्शक धरि पहुँचाओलक।
२८. (B) कथा, अभिनय आ भाषाक प्रामाणिकता — अच्छा कथा, सशक्त अभिनय आ भाषाक प्रामाणिकता मैथिली फिल्मक सफलताक मूल आधार थिक।
२९. (B) नव प्रतिभा, संसाधन आ डिजिटल मंचसँ — नव प्रतिभा, बेसी संसाधन आ डिजिटल मंचक उपयोगसँ मैथिली फिल्म-उद्योगक भविष्य उज्ज्वल भऽ सकैत अछि।
३०. (B) सामाजिक जागरूकता आ सांस्कृतिक गौरव — मैथिली फिल्म रोचक ढंगेँ सामाजिक जागरूकता आ सांस्कृतिक गौरवक सन्देश दऽ सकैत अछि।

३१. (B) केवल श्रव्य — रेडियो केवल श्रव्य (ध्वनि-आधारित) माध्यम थिक, जाहिमे दृश्य तत्त्व नहि रहैत अछि।
३२. (B) केवल ध्वनिपर आधारित — रेडियो-नाटक पूर्णतः ध्वनि — संवाद, स्वर आ ध्वनि-प्रभावपर आधारित रहैत अछि।
३३. (B) दृश्य बिना सुनि कऽ चित्र बनाएब — रेडियोमे श्रोता केवल आवाज सुनि अपन कल्पनाशक्तिसँ दृश्य बनबैत छथि, जे एकर विशेष आकर्षण थिक।
३४. (B) भाषा-संस्कृतिक प्रचार — मैथिली रेडियो-कार्यक्रमसँ भाषा आ संस्कृतिक व्यापक प्रचार-प्रसार भेल।
३५. (B) डिजिटल ध्वनि-कार्यक्रम — पॉडकास्ट डिजिटल माध्यमपर उपलब्ध ध्वनि-आधारित कार्यक्रम थिक, जे सुनल जाइत अछि।
३६. (B) साहित्य, इतिहास, कथा-वाचन — मैथिली पॉडकास्ट साहित्य-चर्चा, इतिहास आ कथा-वाचन सन विषयपर बनि सकैत अछि।
३७. (B) दृश्य तत्त्वक अभाव — ध्वनि-माध्यममे दृश्यक अभाव एकटा सीमा थिक, यद्यपि कल्पनाशक्तिसँ ई पूर्ण होइत अछि।
३८. (B) यात्रा वा काज करैत समय सुनब — रेडियो/पॉडकास्ट यात्रा वा अन्य काज करैत समय सुनबाक लेल विशेष उपयोगी होइत अछि।
३९. (B) स्थायित्व आ व्यापक पहुँच — डिजिटल संरक्षणसँ मैथिली ध्वनि-सामग्री स्थायी रहि व्यापक श्रोता धरि पहुँचि सकैत अछि।
४०. (B) पॉडकास्ट आ डिजिटल प्रसारसँ — पॉडकास्ट आ डिजिटल प्रसारक बढ़ैत लोकप्रियतासँ ध्वनि-माध्यमक भविष्य उज्ज्वल अछि।
४१. (B) वीडियो-साझाकरण डिजिटल मंच — यू-ट्यूब वीडियो साझा करबाक एक प्रमुख डिजिटल मंच थिक, जतय मैथिली सामग्री सेहो उपलब्ध अछि।
४२. (B) विश्वव्यापी पहुँच, कम खर्च — डिजिटल मंचसँ मैथिली सामग्री बिना बेसी खर्चक विश्वव्यापी दर्शक धरि पहुँचि सकैत अछि।
४३. (B) साझाकरण आ तत्काल पहुँच — सोशल मीडिया मैथिली वीडियो-सामग्रीक त्वरित साझाकरण आ व्यापक पहुँच सम्भव बनबैत अछि।
४४. (B) सामग्री प्रकाशित-संरक्षित कऽ — विदेह दृश्य-श्रव्य रचना आ सामग्रीकेँ प्रकाशित-संरक्षित कऽ ओकर प्रसारमे सहयोग करैत अछि।
४५. (B) गुणवत्ता आ नियमितता बनाए राखब — डिजिटल मंचपर निरन्तर गुणवत्तापूर्ण आ नियमित सामग्री देब मैथिली रचनाकारक चुनौती थिक।
४६. (B) इन्टरनेटपर तत्काल देखब-सुनब — स्ट्रीमिंग अर्थात् इन्टरनेटक माध्यमसँ वीडियो/ऑडियो तत्काल देखब वा सुनब, बिना पूर्ण डाउनलोडक।
४७. (B) सुलभ आ आधुनिक प्रस्तुतिसँ — सुलभ, आकर्षक आ आधुनिक प्रस्तुतिसँ डिजिटल मैथिली सामग्री नव पीढ़ीकेँ अपन भाषा-संस्कृति दिस आकर्षित करैत अछि।
४८. (B) बिना मध्यस्थक सीधा दर्शक धरि पहुँच — डिजिटल मंचसँ रचनाकार बिना बेसी मध्यस्थक सीधा दर्शक-श्रोता धरि अपन सामग्री पहुँचा सकैत छथि।
४९. (B) भविष्यक अध्ययन आ संरक्षण लेल — मैथिली दृश्य-श्रव्य सामग्रीक डिजिटल संग्रहण भविष्यक अध्ययन आ सांस्कृतिक संरक्षण लेल आवश्यक अछि।
५०. (B) व्यापक प्रसार आ नव पीढ़ीसँ जुड़ाव — डिजिटल मंचसँ मैथिली भाषा व्यापक प्रसार पाबि नव पीढ़ीसँ जीवन्त जुड़ाव बना सकैत अछि।
५१. (B) कथा/उपन्यासकेँ फिल्म-नाटकमे बदलब — नाट्य-रूपान्तरणमे कोनो कथा वा उपन्यासकेँ फिल्म वा नाटकक रूपमे ढालल जाइत अछि।
५२. (B) मूल भाव आ गहिराई बचाएब — साहित्यक मूल भाव, गहिराई आ सूक्ष्मता फिल्ममे बचा राखब एकटा प्रमुख चुनौती थिक।
५३. (B) वास्तविक विषय-घटनापर आधारित फिल्म — डॉक्युमेन्ट्री वास्तविक विषय, व्यक्ति वा घटनापर आधारित सत्य-तथ्यपरक फिल्म थिक।
५४. (B) इतिहास, कला, पाबनि-परम्परा — मिथिलापर डॉक्युमेन्ट्री एकर इतिहास, चित्रकला, पाबनि आ लोकजीवन देखा सकैत अछि।
५५. (B) वीडियो वा ऑडियोक माध्यमसँ — कथा-वाचन आइ वीडियो वा ऑडियोक माध्यमसँ डिजिटल मंचपर सेहो प्रस्तुत कएल जाइत अछि।
५६. (B) सस्वर पाठ + पृष्ठभूमि संगीत/चित्र — कविताक सस्वर पाठ संग पृष्ठभूमि संगीत वा चित्र जोड़ि एकटा प्रभावी दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति बनि सकैत अछि।
५७. (B) व्यापक आ नव पाठक-दर्शक वर्ग — साहित्यक दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतिसँ ओहो वर्ग धरि पहुँच बनैत अछि जे केवल पढ़बमे रुचि नहि रखैत अछि।
५८. (B) पुस्तकक सुनबा-योग्य रूप — ऑडियो-बुक पुस्तकक पाठ सुनबा-योग्य ध्वनि-रूपमे प्रस्तुत कएल जाइत अछि।
५९. (B) साहित्यकेँ नव श्रोता धरि पहुँचाएब — मैथिली ऑडियो-बुक साहित्यकेँ ओहो श्रोता धरि पहुँचा सकैत अछि जे पढ़बाक समय नहि पबैत छथि।
६०. (B) नव माध्यमसँ नव पीढ़ी धरि पहुँच — दृश्य-श्रव्य रूपान्तरणसँ साहित्य नव माध्यमक संग नव पीढ़ी धरि पहुँचि सकैत अछि।
६१. (B) माध्यमकेँ समझि-परखि कऽ उपयोग करबाक क्षमता — मीडिया-साक्षरता अर्थात् दृश्य-श्रव्य आ अन्य माध्यमक सामग्रीकेँ समझि-परखि कऽ सही उपयोग करबाक क्षमता।
६२. (B) सही-गलत सूचनाक भेद बुझबा लेल — मीडिया-साक्षरतासँ दर्शक-श्रोता सही आ भ्रामक सूचनाक भेद बुझि सकैत छथि।
६३. (B) स्रोत-सत्यापन आ सजगता — कोनो दृश्य-श्रव्य सामग्रीक स्रोत सत्यापन कऽ आ सजग रहि भ्रामक सूचनासँ बचल जा सकैत अछि।

६४. (B) **सामग्रीक विश्लेषण आ मूल्यांकन** — समालोचनात्मक दृष्टि दर्शककें कोनो दृश्य-श्रव्य सामग्रीक उद्देश्य आ प्रभावक विश्लेषण करय दैत अछि।
६५. (B) **सुरक्षित आ समझदार उपयोग** — मीडिया-साक्षरतासँ बच्चा दृश्य-श्रव्य सामग्रीक सुरक्षित आ समझदार उपयोग सिखि सकैत छथि।
६६. (B) **प्रभावित कऽ बिक्री बढ़ाएब** — विज्ञापनक मुख्य उद्देश्य दर्शक-श्रोताकें प्रभावित कऽ उत्पाद/सेवाक बिक्री बढ़ाएब थिक।
६७. (B) **स्रोत आ प्रस्तुतिक एकपक्षीय दृष्टि देखि** — जखन सामग्री केवल एक दृष्टिकोण देखाबय आ अन्य पक्ष छोड़ि देइ, तखन पूर्वाग्रहक सम्भावना बुझल जा सकैत अछि।
६८. (B) **सही बोधक लेल** — तथ्य (सत्यापित जानकारी) आ मत (व्यक्तिगत विचार)क भेद बुझलासँ दर्शक सामग्रीकें सही ढंगे समझि सकैत छथि।
६९. (B) **विद्यालय आ घरमे** — विद्यालय आ घरमे बच्चाकें मीडिया-साक्षरताक प्रारम्भिक शिक्षा देल जा सकैत अछि।
७०. (B) **समझदार आ जागरूक दर्शक-श्रोता बनब** — मीडिया-साक्षरताक अन्तिम लक्ष्य समझदार, जागरूक आ समालोचनात्मक दर्शक-श्रोता तैयार करब थिक।
७१. (B) **सांस्कृतिक धरोहरक रक्षा** — मैथिली फिल्म, वीडियो आ ऑडियो सामग्री सांस्कृतिक धरोहर थिक, तँ एकर संरक्षण आवश्यक।
७२. (B) **नष्ट होबासँ बचाएब** — पुरान टेप/फिल्म समयक संग खराब भऽ जाइत अछि, तँ डिजिटलीकरणसँ ओकरा स्थायी रूपेँ बचाओल जा सकैत अछि।
७३. (B) **सामग्रीक व्यवस्थित संग्रह आ संरक्षण** — अभिलेखागार दृश्य-श्रव्य सामग्रीक व्यवस्थित संग्रह, वर्गीकरण आ दीर्घकालिक संरक्षण करैत अछि।
७४. (B) **सुरक्षा आ सुलभ पहुँच** — डिजिटल संग्रह सामग्रीकें सुरक्षित राखि भविष्यक शोधकर्ता-दर्शक लेल सुलभ बनबैत अछि।
७५. (B) **सरकार, संस्था आ समाज सभक साझा** — मैथिली दृश्य-श्रव्य धरोहरक संरक्षण सरकार, सांस्कृतिक संस्था आ समाज सभक साझा दायित्व थिक।
७६. (B) **सामग्री संग्रहित-प्रकाशित कऽ** — विदेह सन मंच मैथिली दृश्य-श्रव्य सामग्रीकें संग्रहित-प्रकाशित कऽ अभिलेखनमे सहायक भऽ सकैत अछि।
७७. (B) **ऐतिहासिक-सांस्कृतिक अध्ययन सामग्री** — संरक्षित दृश्य-श्रव्य अभिलेख शोधकर्ताकें ऐतिहासिक आ सांस्कृतिक अध्ययनक बहुमूल्य सामग्री दैत अछि।
७८. (B) **सामग्री खोजब आ बुझब सहज** — मेटाडेटा (तिथि, विषय, निर्माता आदि) सामग्रीकें खोजब आ संदर्भ बुझब सहज बनबैत अछि।
७९. (B) **डिजिटलीकरण आ रख-रखावक लेल आवश्यक** — डिजिटलीकरण आ दीर्घकालिक रख-रखाव लेल पर्याप्त आर्थिक संसाधन आवश्यक होइत अछि।
८०. (B) **अगिला पीढ़ी धरि सुरक्षित पहुँचाएब** — संरक्षणक अन्तिम लक्ष्य मैथिली दृश्य-श्रव्य धरोहरकें अगिला पीढ़ी धरि सुरक्षित आ सुलभ रूपमे पहुँचाएब थिक।
८१. (B) **स्वतन्त्रताक बाद (बीसम शताब्दीक मध्य)** — भारतमे दूरदर्शन प्रसारण स्वतन्त्रताक बाद, बीसम शताब्दीक मध्य भागमे आरम्भ भेल।
८२. (B) **स्थानीय भाषा-सांस्कृतिक प्रसार** — क्षेत्रीय भाषाक कार्यक्रम स्थानीय भाषा आ संस्कृतिकें व्यापक दर्शक धरि पहुँचबैत अछि।
८३. (B) **भाषाक मान्यता आ प्रसार** — दूरदर्शनपर मैथिली कार्यक्रम भाषाक सार्वजनिक मान्यता आ व्यापक प्रसारमे सहायक अछि।
८४. (B) **अनेक चैनल आ विविध सामग्रीक उपलब्धता** — केबल आ सैटेलाइट टीवीसँ दर्शककें अनेक चैनल आ विविध भाषा-विषयक सामग्री भेटल।
८५. (B) **तत्काल आ प्रभावी सूचना-प्रसारण** — टीवी-समाचार दृश्य आ ध्वनि दुनूसँ तत्काल आ प्रभावी ढंगे सूचना पहुँचबैत अछि।
८६. (B) **वास्तविक समयमे प्रत्यक्ष प्रसारण** — लाइव प्रसारण अर्थात् घटना घटैत समयहि वास्तविक समयमे ओकर प्रत्यक्ष प्रसारण।
८७. (B) **सुलभ आ रोचक शिक्षा** — दूरदर्शनक शैक्षिक कार्यक्रम घर बैसल सुलभ आ रोचक ढंगे शिक्षा दैत अछि।
८८. (B) **समय-स्लॉट आ संसाधनक सीमा** — सीमित प्रसारण-समय आ संसाधन मैथिली दूरदर्शन-कार्यक्रमक प्रसारमे चुनौती थिक।
८९. (B) **कहियो-कतहु देखबाक स्वतन्त्रता** — डिजिटल मंचपर दर्शक अपन समय-अनुसार कहियो-कतहु सामग्री देखि सकैत छथि, जे दूरदर्शनसँ भिन्न सुविधा थिक।
९०. (B) **परस्पर पूरक माध्यमक रूपमे जारी** — दूरदर्शन आ डिजिटल मंच भविष्यमे परस्पर पूरक माध्यमक रूपमे संगहि जारी रहि सकैत अछि।
९१. (B) **ध्वनिकें स्थायी रूपमे दर्ज करब** — रिकॉर्डिंग ध्वनिकें किसिम-किसिम माध्यम (टेप, डिजिटल फाइल)मे स्थायी रूपमे दर्ज करबाक प्रक्रिया थिक।
९२. (B) **ध्वनिकें ग्रहण कऽ विद्युत-संकेतमे बदलब** — माइक्रोफोन ध्वनिकें ग्रहण कऽ ओकरा विद्युत-संकेतमे बदलैत अछि, जे बादमे रिकॉर्ड वा प्रसारित होइत अछि।
९३. (B) **विभिन्न ध्वनि-स्रोतकें सन्तुलित कऽ मिलाएब** — मिक्सिंगमे संवाद, संगीत आ ध्वनि-प्रभाव सभकें सन्तुलित कऽ एक संग मिलाओल जाइत अछि।
९४. (B) **गुणवत्ता आ सहज सम्पादन** — डिजिटल रिकॉर्डिंगमे ध्वनि-गुणवत्ता बेसी आ सम्पादन बेसी सहज होइत अछि।

१५. (B) स्थायी संरक्षण आ व्यापक प्रसार — रिकॉर्डिंगसँ मैथिली गीत-संगीत स्थायी रूपेँ संरक्षित भऽ व्यापक श्रोता धरि पहुँचि सकैत अछि।
१६. (B) स्टूडियो=नियन्त्रित वातावरण; लाइव=प्रत्यक्ष कार्यक्रम — स्टूडियो-रिकॉर्डिंग नियन्त्रित वातावरणमे होइत अछि, जखन कि लाइव-रिकॉर्डिंग वास्तविक कार्यक्रमक समयमे होइत अछि।
१७. (B) ध्वनिक गुणवत्ता आ सन्तुलन सुनिश्चित करब — ध्वनि-तकनीशियन रिकॉर्डिंग आ प्रसारणमे ध्वनिक गुणवत्ता आ सन्तुलन सुनिश्चित करैत छथि।
१८. (B) पुरान रिकॉर्डिंगक गुणवत्ता सुधारब — रीमास्ट्रिंगमे पुरान रिकॉर्डिंगकेँ आधुनिक तकनीकसँ सुधारि ओकर ध्वनि-गुणवत्ता बेहतर कएल जाइत अछि।
१९. (B) धरोहरकेँ नव रूपमे सुनबाक अवसर — रीमास्ट्रिंगसँ पुरान मैथिली रिकॉर्डिंग आधुनिक गुणवत्तामे नव पीढ़ीकेँ सुनबाक अवसर भेटैत अछि।
१००. (B) उच्च गुणवत्ता आ व्यापक प्रसार — ध्वनि-तकनीकक विकाससँ मैथिली संगीत उच्च गुणवत्तामे रेकर्ड भऽ व्यापक प्रसार पाबि सकैत अछि।
१०१. (B) रोचक ढंगेँ शिक्षा देब — शैक्षिक वीडियो जटिल विषयकेँ दृश्य-श्रव्य रूपमे सरल आ रोचक ढंगेँ समझाबैत अछि।
१०२. (B) अवधारणाकेँ सजीव आ स्पष्ट बनाएब — ई-लर्निङ्ग वीडियोमे चित्र, एनिमेशन आ आवाज मिलि कऽ कठिन अवधारणाकेँ स्पष्ट आ स्मरणीय बनबैत अछि।
१०३. (B) जटिल प्रक्रियाकेँ सरल देखाएब — एनिमेशन जटिल प्रक्रिया वा अवधारणाकेँ चलैत-फिरैत चित्रसँ सरल आ रुचिकर ढंगेँ देखा सकैत अछि।
१०४. (B) भाषा-व्याकरण, इतिहास, संस्कृति — मैथिली शैक्षिक वीडियो भाषा-व्याकरण, मिथिलाक इतिहास आ संस्कृतिपर बनि सकैत अछि।
१०५. (B) पाठककेँ बहुविध सीखबाक अनुभव — क्विज आ पाठक संग वीडियो-ऑडियो जोड़लासँ पाठककेँ बहुविध आ समृद्ध सीखबाक अनुभव भेटि सकैत अछि।
१०६. (B) भाषा-बोध आ सुलभता बढ़ाएब — उपशीर्षक दर्शककेँ संवाद बुझबामे सहायता दैत अछि, विशेषतः भिन्न भाषा-पृष्ठभूमिक दर्शकक लेल।
१०७. (B) ध्यान आकर्षित आ स्मृति मजगूत — रंग, ध्वनि आ गति बच्चाक ध्यान आकर्षित कऽ शिक्षाकेँ स्मरणीय बनबैत अछि।
१०८. (B) दर्शकक प्रतिक्रियासँ बदलैत वीडियो — इन्टरैक्टिव वीडियोमे दर्शक प्रश्नक उत्तर वा विकल्प चुनि सकैत छथि, जे वीडियोक आगाँक भागकेँ प्रभावित करैत अछि।
१०९. (B) स्पष्टता, क्रम आ रुचिकरता — शैक्षिक वीडियो/ऑडियोमे विषयक स्पष्टता, तार्किक क्रम आ रुचिकर प्रस्तुति आवश्यक अछि।
११०. (B) नव तकनीक आ रचनात्मक प्रस्तुतिसँ — नव तकनीक (एनिमेशन, इन्टरैक्टिविटी) आ रचनात्मक प्रस्तुतिसँ दृश्य-श्रव्य शिक्षण-सामग्रीक भविष्य उज्ज्वल अछि।
१११. (B) समाचार-सूचना दृश्य-श्रव्य रूपमे देब — टीवी-पत्रकारिताक मुख्य उद्देश्य समाचार आ सूचनाकेँ दृश्य-श्रव्य रूपमे जनता धरि पहुँचाएब थिक।
११२. (B) घटना-स्थलसँ समाचार संग्रह आ प्रस्तुति — रिपोर्टर घटना-स्थलसँ समाचार संग्रह कऽ ओकरा दर्शक धरि प्रस्तुत करैत छथि।
११३. (B) स्टूडियोसँ समाचार-संचालन-वाचन — एंकर स्टूडियोसँ समाचार-कार्यक्रमक संचालन आ वाचन करैत छथि।
११४. (B) स्थानीय भाषामे सूचना-पहुँच — मैथिली समाचार स्थानीय जनताकेँ अपन भाषामे सहज रूपेँ सूचना पहुँचबैत अछि।
११५. (B) विश्वसनीयता आ सत्य-प्रस्तुति — निष्पक्षता पत्रकारिताक विश्वसनीयता आ सत्यक प्रस्तुतिक आधार थिक।
११६. (B) प्रत्यक्ष आ विश्वसनीय जानकारी — फील्ड-रिपोर्टिंगसँ घटनाक प्रत्यक्ष आ विश्वसनीय जानकारी दर्शक धरि पहुँचैत अछि।
११७. (B) समय-सीमामे सटीकता बनाए राखब — तुरत समाचार देबाक दबावमे सटीकता आ सत्यापन बनाए राखब एकटा प्रमुख चुनौती थिक।
११८. (B) सामान्य नागरिक द्वारा घटनाक दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति — नागरिक पत्रकारितामे सामान्य लोक स्वयं मोबाइल-कैमरासँ घटनाक वीडियो बना कऽ साझा करैत छथि।
११९. (B) स्मार्टफोन आ सोशल मीडियासँ — स्मार्टफोन आ सोशल मीडियाक सुलभतासँ सामान्य मैथिल भाषी सेहो अपन भाषामे घटनाक रिपोर्टिंग कऽ सकैत छथि।
१२०. (B) सत्य, सन्तुलन आ जनहित — दृश्य-श्रव्य पत्रकारिताक सामाजिक दायित्व सत्य, सन्तुलित दृष्टिकोण आ जनहितक रक्षा थिक।
१२१. (B) भाव-विवरण निकटसँ देखाएब — क्लोज-अप शॉट चेहराक भाव वा वस्तुक विवरणकेँ निकटसँ स्पष्ट देखाबैत अछि।
१२२. (B) दृश्यक समग्र परिवेश देखाएब — लॉग-शॉट दृश्यक समग्र परिवेश आ पात्रक स्थितिकेँ व्यापक रूपमे देखाबैत अछि।
१२३. (B) एक दृश्यसँ दोसर दृश्यपर तुरत बदलाव — कट सम्पादनमे एक दृश्यसँ दोसर दृश्यपर तुरत बदलाव थिक।
१२४. (B) दृश्यक धीरे-धीरे आरम्भ/समापन — फेड-इन/फेड-आउट दृश्यक धीरे-धीरे प्रकट होब वा लुप्त होबाक प्रभाव दैत अछि, जे समय/भावक संक्रमण देखाबैत अछि।

- १२५. (B) अनेक छोट दृश्यक त्वरित संयोजन** — मोताज अनेक छोट-छोट दृश्यक त्वरित संयोजन थिक, जे समय-बीतब वा भाव-विकास संक्षेपमे देखाबैत अछि।
- १२६. (B) पर्दापर अदृश्य कथावाचकक स्वर** — वॉयस-ओवर ओ स्वर थिक जे पर्दापर अदृश्य रहि कऽ कथा वा सूचना सुनाबैत अछि।
- १२७. (B) दृश्यक रचना आ दृष्टि-केन्द्रण** — फ्रेमिंग दृश्यक भीतर तत्त्व सभकेँ कोना राखल जाए, ई निर्धारित कऽ दर्शकक दृष्टि-केन्द्रण तय करैत अछि।
- १२८. (B) रहस्य वा नाटकीयता उत्पन्न करब** — पाछाँसँ प्रकाश देलासँ पात्र/वस्तुक सिल्हुएट बनि रहस्य वा नाटकीय प्रभाव उत्पन्न होइत अछि।
- १२९. (B) अचानक/झटकेदार बदलाव** — जम्प-कट एकटा अचानक, झटकेदार दृश्य-बदलाव थिक, जे विशेष शैलीगत प्रभाव लेल प्रयुक्त होइत अछि।
- १३०. (B) फिल्म/वीडियोक गहिर बोध आ निर्माण-कौशल** — दृश्य-श्रव्य व्याकरण बुझलासँ दर्शक आ निर्माता दुनूकेँ फिल्म-वीडियोक गहिर बोध आ बेहतर निर्माण-कौशल भेटैत अछि।
- १३१. (B) व्यापक प्रसार आ नव पीढ़ीसँ जुड़ाव** — दृश्य-श्रव्य माध्यमसँ मैथिली भाषा व्यापक प्रसार पाबि नव पीढ़ीसँ जीवन्त जुड़ाव बना सकैत अछि।
- १३२. (B) दृश्य-श्रव्य दस्तावेजीकरणसँ** — फिल्म-वीडियोक माध्यमसँ मिथिलाक पाबनि, संस्कार आ परम्परा विस्तृत आ जीवन्त रूपमे दर्ज कएल जा सकैत अछि।
- १३३. (B) भाषा-संस्कृति देखा-सुना कऽ गौरव जगाएब** — अपन भाषा-संस्कृति दृश्य-श्रव्य रूपमे देखब-सुनब लोकमे सांस्कृतिक गौरव आ पहचान-बोध जगाबैत अछि।
- १३४. (B) देशसँ दूर रहितहु संस्कृतिसँ जुड़ाव** — डिजिटल दृश्य-श्रव्य सामग्रीसँ प्रवासी मैथिल समुदाय दूर रहितहु अपन भाषा-संस्कृतिसँ जुड़ल रहि सकैत छथि।
- १३५. (B) विभिन्न भाषा-संस्कृतिक सामग्री साझा कऽ** — दृश्य-श्रव्य माध्यमसँ विभिन्न भाषा-संस्कृतिक लोक एक-दोसराक परम्परा देखि-सुनि बुझि सकैत छथि।
- १३६. (B) मिथिलाक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत** — मिथिला चित्रकला-संगीतपर बनल वीडियो विश्वकेँ मिथिलाक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत देखाबैत अछि।
- १३७. (B) स्थान-संस्कृति आकर्षक रूपमे देखाएब** — मिथिलाक सुन्दर वीडियो-प्रस्तुति पर्यटककेँ आकर्षित कऽ सांस्कृतिक पर्यटनकेँ बढ़ा सकैत अछि।
- १३८. (B) सुनि-देखि कऽ उच्चारण-शब्द सिखब** — वीडियो-ऑडियो माध्यमसँ शिक्षार्थी मैथिलीक सही उच्चारण आ शब्द-प्रयोग सुनि-देखि सहजहि सिखि सकैत छथि।
- १३९. (B) विस्तृत आ बहुआयामी** — नव तकनीक आ डिजिटल पहुँचक संग दृश्य-श्रव्य माध्यमसँ सांस्कृतिक प्रसारक सम्भावना विस्तृत आ बहुआयामी अछि।
- १४०. (B) अपन भाषा-संस्कृतिपर गर्व आ साझाकरण** — दृश्य-श्रव्य माध्यमसँ सांस्कृतिक प्रसारक मूल सन्देश थिक — अपन भाषा-संस्कृतिपर गर्व करैत व्यापक रूपेँ साझा करब।
- १४१. (B) संचार, समाजशास्त्र आ कला-अध्ययनक संगम** — मीडिया स्टडीज संचार-शास्त्र, समाजशास्त्र आ कला-अध्ययनक अन्तर्विषयक संगम थिक।
- १४२. (B) दर्शक अपन अनुभवक अनुसार भिन्न अर्थ लगाबैत छथि** — रिसेप्शन थियरी कहैत अछि जे विभिन्न दर्शक अपन पृष्ठभूमि आ अनुभवक अनुसार एकहि सामग्रीसँ भिन्न अर्थ लगा सकैत छथि।
- १४३. (B) चिन्ह आ प्रतीकक अर्थ-व्यवस्था** — संकेत-विज्ञान दृश्य-श्रव्य सामग्रीमे प्रयुक्त चिन्ह, प्रतीक आ ओकर अर्थ-व्यवस्थाक अध्ययन करैत अछि।
- १४४. (B) कथा कोना संरचित आ प्रस्तुत होइत अछि** — नैरेटिव सिद्धान्त एहि बातक अध्ययन करैत अछि जे कथा कोना संरचित, क्रमबद्ध आ प्रस्तुत होइत अछि।
- १४५. (B) समूह-व्यक्ति माध्यममे कोना देखाओल जाइत छथि** — प्रतिनिधित्वक अध्ययन ई देखैत अछि जे विभिन्न समूह, लिंग वा संस्कृति माध्यममे कोना चित्रित होइत छथि।
- १४६. (B) विभिन्न शैली (हास्य, त्रासदी आदि)क विशेषता बुझब** — शैली-विश्लेषण विभिन्न फिल्म/वीडियो-शैलीक विशेषता आ पैटर्नक अध्ययन करैत अछि।
- १४७. (B) बेहतर निर्माण आ समालोचना** — दृश्य-श्रव्य अध्ययनक सिद्धान्तक ज्ञान बेहतर सामग्री-निर्माण आ समालोचनात्मक मूल्यांकनमे सहायक होइत अछि।
- १४८. (B) मैथिली फिल्म-वीडियोक भाषिक-सांस्कृतिक विश्लेषण** — मैथिली दृश्य-श्रव्य अध्ययन मैथिली फिल्म-वीडियोक भाषिक आ सांस्कृतिक तत्त्वक विश्लेषण कऽ सकैत अछि।

- १४९. (B) समालोचनात्मक दृष्टि आ विश्लेषण-क्षमता** — दृश्य-श्रव्य अध्ययन विद्यार्थीमे समालोचनात्मक दृष्टि आ गहिर विश्लेषण-क्षमता विकसित करैत अछि।
- १५०. (B) माध्यमक गहिर आ जागरूक बोध** — दृश्य-श्रव्य अध्ययनक अन्तिम उद्देश्य माध्यमक गहिर, समालोचनात्मक आ जागरूक बोध विकसित करब थिक।
- १५१. (B) उमेर-अनुकूल आ सुरक्षित विषय** — बच्चाक मानसिक विकासकेँ ध्यानमे राखि उमेर-अनुकूल आ सुरक्षित विषय चुनब आवश्यक अछि।
- १५२. (B) मनोरंजनक संग शिक्षा-संस्कार** — बाल-कार्टून मनोरंजनक संग नैतिक शिक्षा आ सामाजिक संस्कार सेहो दऽ सकैत अछि।
- १५३. (B) लोककथा, बालगीत, वर्णमाला-शिक्षण** — मैथिली बाल-वीडियो लोककथा, बालगीत आ मैथिली वर्णमाला-शिक्षण पर बनि सकैत अछि।
- १५४. (B) स्वास्थ्य आ सन्तुलित विकास लेल** — अधिक स्क्रीन-समय बच्चाक स्वास्थ्य आ विकासपर असर डालि सकैत अछि, तँ संतुलित नियमन आवश्यक।
- १५५. (B) मार्गदर्शन आ सामग्री-चयनमे सहायता** — माय-बाप बच्चाक लेल उचित सामग्री चुनब आ संग बैसि देखब-सुनबमे मार्गदर्शक भूमिका निभा सकैत छथि।
- १५६. (B) ध्यान आकर्षित आ स्मृति मजगूत करब** — चटक रंग आ सुरीला ध्वनि बच्चाक ध्यान आकर्षित कऽ सीखब स्मरणीय बनबैत अछि।
- १५७. (B) भाषा-सीखब सहज आ रुचिकर** — चित्र आ संगीतक संग मैथिली बालगीत बच्चाकेँ भाषा सहज आ रुचिकर ढंगेँ सिखाबैत अछि।
- १५८. (B) लोककथा-पाबनिक वीडियो-प्रस्तुतिसँ** — मिथिलाक लोककथा आ पाबनिपर बनल वीडियोसँ बच्चा सहजहि सांस्कृतिक मूल्य आ परम्परा सिखि सकैत छथि।
- १५९. (B) सुरक्षित, शिक्षाप्रद आ रुचिकर सामग्री देब** — रचनाकारक उत्तरदायित्व थिक बच्चा लेल सुरक्षित, शिक्षाप्रद आ रुचिकर सामग्री बनाएब।
- १६०. (B) विस्तृत — डिजिटल मंचक संग** — डिजिटल मंचक उपलब्धताक संग मैथिली बाल-दृश्य-श्रव्य सामग्रीक सम्भावना विस्तृत आ उज्ज्वल अछि।
- १६१. (B) निर्देशन, अभिनय, सम्पादन, ध्वनि आदि अनेक** — फिल्म-वीडियो निर्माण निर्देशन, अभिनय, लेखन, सम्पादन, ध्वनि आ अनेक तकनीकी क्षेत्रमे रोजगार सृजित करैत अछि।
- १६२. (B) स्थानीय रोजगार आ सांस्कृतिक प्रसार** — मैथिली दृश्य-श्रव्य उद्योगक विकाससँ स्थानीय कलाकार-तकनीशियनकेँ रोजगार आ भाषाकेँ प्रसार भेटैत अछि।
- १६३. (B) सस्ता तकनीक आ डिजिटल मंचसँ** — सस्ता कैमरा-तकनीक आ डिजिटल मंचसँ अनेक स्वतन्त्र निर्माता बिना बेसी पूँजीक वीडियो बना सकैत छथि।
- १६४. (B) डिजिटल मंचक लेल वीडियो-सामग्री बनाएब** — कन्टेन्ट क्रिएटर डिजिटल मंच (यू-ट्यूब आदि) लेल नियमित वीडियो-सामग्री बनबैत छथि।
- १६५. (B) भाषा-सांस्कृतिक सामग्रीसँ नव दर्शक जोड़ब** — मैथिली कन्टेन्ट क्रिएटर अपन भाषा-सांस्कृतिक सामग्रीसँ नव डिजिटल दर्शक जोड़ि सकैत छथि।
- १६६. (B) नव कलाकार-तकनीशियनक कौशल-विकास** — प्रशिक्षण-संस्था नव कलाकार आ तकनीशियनकेँ आवश्यक कौशल सिखा उद्योगक लेल तैयार करैत अछि।
- १६७. (B) पूँजी, बजार आ प्रशिक्षित जनशक्तिक कमी** — सीमित पूँजी, छोट बजार आ प्रशिक्षित जनशक्तिक कमी मैथिली दृश्य-श्रव्य उद्योगक प्रमुख चुनौती थिक।
- १६८. (B) संसाधन आ कौशलक साझाकरण** — विभिन्न कलाकार-संस्थाक सहयोगसँ संसाधन आ कौशल साझा भऽ बेहतर निर्माण सम्भव होइत अछि।
- १६९. (B) अनुदान, प्रशिक्षण आ नीतिगत समर्थन** — सरकार अनुदान, प्रशिक्षण-कार्यक्रम आ नीतिगत समर्थन दऽ मैथिली दृश्य-श्रव्य उद्योगकेँ बढ़ा सकैत अछि।
- १७०. (B) रोजगार, भाषा-प्रसार आ सांस्कृतिक गौरव** — दृश्य-श्रव्य उद्योगक विकास रोजगार सृजित करैत, भाषाक प्रसार करैत आ सांस्कृतिक गौरव बढ़बैत अछि।
- १७१. (B) सत्य, सम्मान आ जिम्मेदारीपूर्ण प्रस्तुति** — नैतिकता निर्माणकर्ताकेँ सत्य, सम्मान आ समाजक प्रति जिम्मेदारीपूर्ण सामग्री बनाबय लेल मार्गदर्शन करैत अछि।
- १७२. (B) मूल सर्जकक अधिकार आ श्रमक सम्मान** — कॉपीराइटक सम्मान मूल सर्जकक रचनात्मक श्रम आ अधिकारक रक्षा करैत अछि।
- १७३. (B) अनुमति बिना कोनो चित्र-वीडियो नहि लेब** — बिना अनुमति कोनो व्यक्तिक चित्र-वीडियो लेब वा साझा करब गोपनीयताक उल्लंघन थिक, जे टारल जेबाक चाही।
- १७४. (B) निर्माता, मंच आ अभिभावक सभक साझा** — हानिकारक सामग्रीसँ बचाव निर्माता, मंच-नियामक आ अभिभावक सभक साझा दायित्व थिक।

- १७५. (B) समाजमे विभाजन आ हिंसाक भावना** — द्वेषपूर्ण सामग्री समाजमे विभाजन, घृणा आ हिंसाक भावना फैला सकैत अछि, तँ एकरासँ बचब आवश्यक।
- १७६. (B) विभिन्न समुदायक सम्मान** — सांस्कृतिक संवेदनशीलता सुनिश्चित करैत अछि जे सामग्री विभिन्न समुदाय आ परम्पराक सम्मान करय।
- १७७. (B) भाषा-सांस्कृतिक सही प्रतिनिधित्व** — प्रामाणिक प्रस्तुति मैथिली भाषा-सांस्कृतिक सही आ सम्मानजनक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करैत अछि।
- १७८. (B) बाल-उचित विषय आ भाषाक चयन** — बच्चाक देखब-सुनब सम्भव सामग्रीमे बाल-उचित विषय, भाषा आ दृश्यक विशेष ध्यान राखब आवश्यक अछि।
- १७९. (B) दर्शककें हानिकारक सामग्रीसँ रक्षा** — नियमनक उद्देश्य दर्शक — विशेषतः बच्चा — कें हानिकारक वा अनुचित सामग्रीसँ रक्षा करब थिक।
- १८०. (B) समाज आ सांस्कृतिक प्रति सकारात्मक योगदान** — सामग्री-निर्माणक अन्तिम नैतिक उत्तरदायित्व समाज आ सांस्कृतिक प्रति सकारात्मक योगदान देब थिक।
- १८१. (B) नव प्रतिभा, तकनीक आ डिजिटल मंचसँ** — नव प्रतिभा, आधुनिक तकनीक आ डिजिटल मंचक समुचित उपयोगसँ मैथिली दृश्य-श्रव्य साहित्यक भविष्य उज्ज्वल भऽ सकैत अछि।
- १८२. (B) सम्पादन, एनिमेशन आदिमे सहायता** — AI तकनीक सम्पादन, एनिमेशन आ उपशीर्षक-निर्माण सन काजमे सहायक भऽ सकैत अछि।
- १८३. (B) अधिक immersive (तल्लीन करनिहार) अनुभव** — VR तकनीक दर्शककें दृश्यक भीतर रहल-सन अनुभव दऽ अधिक तल्लीन करनिहार अनुभव दऽ सकैत अछि।
- १८४. (B) डिजिटल मंचसँ विश्वव्यापी सम्भावना** — डिजिटल मंचक माध्यमसँ मैथिली दृश्य-श्रव्य सामग्री विश्वभरिक दर्शक धरि पहुँचबाक सम्भावना रखैत अछि।
- १८५. (B) प्रशिक्षण, मंच आ सम्मान** — नव पीढ़ीक रचनाकारकें प्रशिक्षण, प्रदर्शनक मंच आ उचित सम्मान भेटलासँ ओ आगाँ बढ़ि सकैत छथि।
- १८६. (B) परस्पर पूरक भऽ संगहि बढ़त** — भविष्यमे दृश्य-श्रव्य आ मुद्रित साहित्य परस्पर पूरक भऽ संगहि मैथिली साहित्यकें समृद्ध करत।
- १८७. (B) शिक्षा, शोध आ सांस्कृतिक संरक्षण** — दृश्य-श्रव्य साहित्यक अध्ययन शिक्षा, शोध आ भविष्यक सांस्कृतिक संरक्षणमे निरन्तर प्रासंगिक रहत।
- १८८. (B) रचना-समीक्षा-संग्रहक प्रकाशन** — विदेह मैथिली दृश्य-श्रव्य रचना, समीक्षा आ सम्बद्ध सामग्रीक प्रकाशन-संग्रह कऽ ऐ क्षेत्रक विकासमे योगदान दऽ सकैत अछि।
- १८९. (B) सृजनशीलता, भाषा-निष्ठा आ तकनीकी कौशल** — सृजनशीलता, मातृभाषाक प्रति निष्ठा आ आधुनिक तकनीकी कौशल — ई तीन गुण भविष्यक मैथिली दृश्य-श्रव्य साहित्यकार लेल आवश्यक।
- १९०. (B) विश्वमंचपर गौरवपूर्ण उपस्थिति** — मैथिली दृश्य-श्रव्य साहित्यक भविष्यक सपना थिक — विश्वमंचपर अपन भाषा-सांस्कृतिक संग गौरवपूर्ण उपस्थिति।
- १९१. (B) देखब-सुनब माध्यमसँ साहित्य-सांस्कृतिक सृजन-अध्ययन** — दृश्य-श्रव्य साहित्य/अध्ययन देखब-सुनब माध्यम (फिल्म, वीडियो, ऑडियो)सँ साहित्यिक-सांस्कृतिक सृजन आ ओकर अध्ययन थिक।
- १९२. (B) भाषा-सांस्कृतिक संरक्षण आ प्रसार** — मैथिली दृश्य-श्रव्य माध्यमक मूल उद्देश्य भाषा आ सांस्कृतिक संरक्षण आ व्यापक प्रसार थिक।
- १९३. (B) देखब-सुनब दुनूसँ गहिर प्रभाव** — दृश्य आ श्रव्य दुनू इन्द्रियकें संग सक्रिय कऽ ई माध्यम दर्शक-श्रोतापर गहिर आ स्थायी प्रभाव छोड़ैत अछि।
- १९४. (B) सही-भ्रामक सूचनाक भेद बुझबा लेल** — सूचनाक बाढ़िमे मीडिया-साक्षरता सही आ भ्रामक सामग्रीक भेद बुझबा लेल आजुक युगमे अत्यन्त आवश्यक अछि।
- १९५. (B) सांस्कृतिक स्मृति आ भविष्यक अध्ययन लेल** — दृश्य-श्रव्य धरोहरक संरक्षण सांस्कृतिक स्मृति आ भविष्यक शोध-अध्ययन लेल आवश्यक अछि।
- १९६. (B) विश्वव्यापी पहुँच आ नव अवसर** — डिजिटल मंच मैथिली दृश्य-श्रव्य सामग्रीकें विश्वव्यापी पहुँच आ रचनाकारकें नव अवसर देलक।
- १९७. (B) सत्य, सम्मान आ सजगता** — दृश्य-श्रव्य माध्यमक उत्तरदायित्वपूर्ण उपयोगक मूल सिद्धान्त सत्य-निष्ठा, सम्मान आ सजगता थिक।
- १९८. (B) बनाएब, देखब आ अगिला पीढ़ी धरि पहुँचाएब** — आजुक पीढ़ीक दायित्व थिक — मैथिली दृश्य-श्रव्य सामग्री बनाएब, देखब-सुनब आ अगिला पीढ़ी धरि पहुँचाएब।
- १९९. (B) मैथिली भाषा-सांस्कृतिक सभ आयाम बुझब, सम्मान देब आ सहेजब** — बाल साहित्य, नारी-विमर्श, नाटक-रंगमंच, इतिहास, चित्रकला, कला-संगीत आ दृश्य-श्रव्य — एहि सात भागक समग्र सन्देश थिक मैथिली भाषा-सांस्कृतिक हर आयामकें बुझब, सम्मान देब आ सहेजब।

२००. (B) मैथिली दृश्य-श्रव्य साहित्य बुझब, सिखब आ आगाँ बढ़ाएब — एहि प्रश्नोत्तरीसँ पाठककेँ मैथिली दृश्य-श्रव्य साहित्य-अध्ययनकेँ बुझब, सिखब आ ओकरा आगाँ बढ़ाएबाक प्रेरणा भेटबाक चाही।

अध्याय ५ : Videha QUIZ — Mithila Art and Architecture | UPSC Prelims Standard

Front Matter, Foreword and Publication Context

१. With reference to Front Matter, Foreword and Publication Context , consider the following statements: 1. The author named on the title page is Vijayakanta Mishra. 2. The foreword notes that Madhubani paintings had recently brought Mithila's folk paintings before a discerning public. 3. The author says Mithila art can be understood without examining temple architecture, sculptures, literature, antiquities or excavated material. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 only
- (B) 1 and 3 only
- (C) 1, 2 and 3
- (D) 1 and 2 only

२. Consider the following pairs related to Front Matter, Foreword and Publication Context : 1. 1978 — First publication year 2. Kalyan K. Ganguli — Foreword writer and professor of Indian art 3. Allahabad — Foreword writer and professor of Indian art 4. Vijayakanta Mishra — Author of Mithila Art and Architecture How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) None
- (B) Only three
- (C) All four
- (D) Only one

३. Consider the following Assertion–Reason question on Front Matter, Foreword and Publication Context : Assertion (A): The book is important for art history Reason (R): The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way. Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

४. With reference to Front Matter, Foreword and Publication Context , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The author named on the title page is Vijayakanta Mishra.
- (B) The title of the uploaded book is Mithila Art and Architecture.
- (C) The sikhara type is described as a flat-roofed form with no vertical tower or curvilinear spire.
- (D) The foreword notes that Madhubani paintings had recently brought Mithila's folk paintings before a discerning public.

५. Which one of the following is the best inference from Front Matter, Foreword and Publication Context ?

- (A) The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions.
- (B) The plate list excludes sites in Madhubani and Darbhanga districts.
- (C) The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof.
- (D) The title of the uploaded book is Mithila Art and Architecture.

६. In a source-evidence based UPSC question, why is the item 1978 significant in Front Matter, Foreword and Publication Context ?

- (A) The Viṣṇu images are all assigned by the author to the 18th–19th centuries.
- (B) 1978 is relevant because it is associated with first publication year.
- (C) The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building.
- (D) The plate list excludes sites in Madhubani and Darbhanga districts.

७. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Front Matter, Foreword and Publication Context : B. Preface date 22 February 1978 C. First publication in 1978 A. Foreword date 21 December 1977 Select the correct order.

- (A) A - C - B
- (B) C - B - A
- (C) C - A - B
- (D) A - B - C

८. With reference to Front Matter, Foreword and Publication Context , consider the following statements: 1. The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images. 2. The title of the uploaded book is Mithila Art and Architecture. 3. The foreword notes that Madhubani paintings had recently brought Mithila's folk paintings before a discerning public. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 2 only
- (B) 1 only
- (C) 2 and 3 only
- (D) None

९. Consider the following pairs related to Front Matter, Foreword and Publication Context : 1. Mithila Prakasana — Publisher of the work 2. Vijayakanta Mishra — Author of Mithila Art and Architecture 3. 1978 — First publication year 4. Kalyan K. Ganguli — Author of Mithila Art and Architecture How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) None
- (B) Only two
- (C) Only three
- (D) Only one

१०. Consider the following Assertion–Reason question on Front Matter, Foreword and Publication Context : Assertion (A): The foreword connects Mithila with Janaka and with a long cultural tradition from ancient times. Reason (R): it attempts a first systematic exploration of a neglected field Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

११. With reference to Front Matter, Foreword and Publication Context , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The foreword treats brick and lack of suitable stone as important reasons for the weathering of monuments.
- (B) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.
- (C) The book is presented as an effort to recover a neglected field of Mithila's art and architecture.
- (D) The foreword stresses that Mithila's monuments had survived only by chance because of capricious rivers and other conditions.

१३. Which one of the following is the best inference from Front Matter, Foreword and Publication Context ?

- (A) The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking.
- (B) The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions.
- (C) The foreword stresses that Mithila's monuments had survived only by chance because of capricious rivers and other conditions.
- (D) The author treats Mithila's visual culture as completely disconnected from Janaka, Bengali contact and Madhubani painting.

१३. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Vijayakanta Mishra significant in Front Matter, Foreword and Publication Context ?

- (A) The Bhit-Bhagwanpur door-jamb is treated as insignificant because it has no ornamental rows or iconographic details.
- (B) The book denies any Tantric association with Mithila's religious-artistic culture.
- (C) Vijayakanta Mishra is relevant because it is associated with author of Mithila art and architecture.
- (D) The author rejects the idea of a local Mithila school during the so-called Pāla period.

१४. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Front Matter, Foreword and Publication Context : B. Preface date 22 February 1978 C. First publication in 1978 A. Foreword date 21 December 1977 Select the correct order.

- (A) C - A - B
- (B) B - C - A
- (C) A - B - C
- (D) A - C - B

१५. With reference to Front Matter, Foreword and Publication Context , consider the following statements: 1. The foreword treats brick and lack of suitable stone as important reasons for the weathering of monuments. 2. The author says Mithila art can be understood without examining temple architecture, sculptures, literature, antiquities or excavated material. 3. The hut type temple is described as a stone pyramid imported from the Deccan with no relation to thatched hut forms. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 3 only
- (B) 1 only
- (C) 1, 2 and 3
- (D) 2 and 3 only

१६. Consider the following pairs related to Front Matter, Foreword and Publication Context : 1. Allahabad — Publisher of the work 2. Madhubani paintings — Recent popular label for folk paintings from Mithila 3. Vijayakanta Mishra — Author of Mithila Art and Architecture 4. Mithila Prakasana — Publisher of the work How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) None
- (B) Only one
- (C) Only two
- (D) Only three

१७. Consider the following Assertion–Reason question on Front Matter, Foreword and Publication Context : Assertion (A): The book is important for art history Reason (R): it attempts a first systematic exploration of a neglected field Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

१८. With reference to Front Matter, Foreword and Publication Context , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The foreword connects Mithila with Janaka and with a long cultural tradition from ancient times.
- (B) The author named on the title page is Vijayakanta Mishra.
- (C) The foreword notes that Madhubani paintings had recently brought Mithila's folk paintings before a discerning public.
- (D) The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times.

१९. Which one of the following is the best inference from Front Matter, Foreword and Publication Context ?

- (A) The author says Mithila art can be understood without examining temple architecture, sculptures, literature, antiquities or excavated material.
- (B) The title of the uploaded book is Mithila Art and Architecture.
- (C) The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way.
- (D) The author rejects the idea of a local Mithila school during the so-called Pāla period.

२०. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Madhubani paintings significant in Front Matter, Foreword and Publication Context ?

- (A) The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof.
- (B) The Viṣṇu images are all assigned by the author to the 18th–19th centuries.
- (C) Madhubani paintings is relevant because it is associated with recent popular label for folk paintings from mithila.
- (D) The sculpture chapter says datable specimens of Mithila sculpture are abundant for the 6th and 7th centuries.

२१. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Front Matter, Foreword and Publication Context : B. Preface date 22 February 1978 C. First publication in 1978 A. Foreword date 21 December 1977 Select the correct order.

- (A) A - B - C
- (B) B - C - A
- (C) B - A - C
- (D) C - A - B

२२. With reference to Front Matter, Foreword and Publication Context , consider the following statements: 1. The title of the uploaded book is Mithila Art and Architecture. 2. The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule. 3. The publisher is Mithila Prakasana, Allahabad. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1, 2 and 3
- (B) 2 only
- (C) 2 and 3 only
- (D) 1 and 3 only

२३. Consider the following pairs related to Front Matter, Foreword and Publication Context : 1. 1978 — First publication year 2. Allahabad — First publication year 3. Vijayakanta Mishra — Author of Mithila Art and Architecture 4. Kalyan K. Ganguli — Foreword writer and professor of Indian art How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) None
- (B) Only two
- (C) All four
- (D) Only three

२४. Consider the following Assertion–Reason question on Front Matter, Foreword and Publication Context : Assertion

(A): Architectural members such as pillars, lintels and capitals are said never to have been found in Mithila. Reason

(R): it attempts a first systematic exploration of a neglected field Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

२५. With reference to Front Matter, Foreword and Publication Context , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The foreword treats brick and lack of suitable stone as important reasons for the weathering of monuments.
- (B) The text states that floods, earthquakes and damp climate helped preserve Mithila's monuments in perfect condition.
- (C) The book is presented as an effort to recover a neglected field of Mithila's art and architecture.
- (D) The foreword connects Mithila with Janaka and with a long cultural tradition from ancient times.

२६. Which one of the following is the best inference from Front Matter, Foreword and Publication Context ?

- (A) The publication page records first publication in 1978.
- (B) The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision.
- (C) The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Śūrya images.
- (D) The author says Mithila art can be understood without examining temple architecture, sculptures, literature, antiquities or excavated material.

२७. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Mithila Prakasana significant in Front Matter, Foreword and Publication Context ?

- (A) The book says medieval Mithila was exclusively Buddhist and had no Śaiva, Vaiṣṇava or Śākta imagery.
- (B) Mithila Prakasana is relevant because it is associated with publisher of the work.
- (C) The author treats Mithila's visual culture as completely disconnected from Janaka, Bengali contact and Madhubani painting.
- (D) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.

२८. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Front Matter, Foreword and Publication Context : C. First publication in 1978 B. Preface date 22 February 1978 A. Foreword date 21 December 1977 Select the correct order.

- (A) B - C - A
- (B) B - A - C
- (C) A - B - C
- (D) C - B - A

२९. With reference to Front Matter, Foreword and Publication Context , consider the following statements: 1. The foreword notes that Madhubani paintings had recently brought Mithila's folk paintings before a discerning public. 2. The foreword connects Mithila with Janaka and with a long cultural tradition from ancient times. 3. The publisher is Mithila Prakasana, Allahabad. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1, 2 and 3
- (B) None
- (C) 1 and 3 only
- (D) 1 and 2 only

३०. Consider the following pairs related to Front Matter, Foreword and Publication Context : 1. Mithila Prakasana — Publisher of the work 2. Vijayakanta Mishra — Author of Mithila Art and Architecture 3. Kalyan K. Ganguli — First publication year 4. Madhubani paintings — Recent popular label for folk paintings from Mithila How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only three
- (B) None
- (C) Only two
- (D) All four

Preface, Method and Research Premise

३१. With reference to Preface, Method and Research Premise , consider the following statements: 1. The preface says the author is aware of the difficult task of writing on Mithila's art and architecture. 2. The author's wife Vimala and family members are acknowledged for support. 3. The plate list excludes sites in Madhubani and Darbhanga districts. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 and 3 only
- (B) 1, 2 and 3
- (C) 1 only
- (D) 1 and 2 only

३२. Consider the following pairs related to Preface, Method and Research Premise : 1. Archaeological Survey of India — Institution thanked for photographs 2. First attempt — The author's own description of the work's pioneering character 3. Temple architecture — The author's own description of the work's pioneering character 4. 22 February 1978 — Date of the preface How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only three
- (B) All four
- (C) Only two
- (D) None

३३. Consider the following Assertion–Reason question on Preface, Method and Research Premise : Assertion (A): The author uses sculpture and excavated material Reason (R): The plate list excludes sites in Madhubani and Darbhanga districts. Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

३४. With reference to Preface, Method and Research Premise , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way.
- (B) The preface says Mithila has its own school of art and architecture.
- (C) The author attempts to survey temple architecture of Mithila in the light of sculpture, literature, antiquities and excavated materials.
- (D) The author says he had found no book and not even an article dealing with the temples and sculptures of Mithila except a lone article on temples of Tirhut.

३५. Which one of the following is the best inference from Preface, Method and Research Premise ?

- (A) The preface says Mithila has its own school of art and architecture.
- (B) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.
- (C) The Viṣṇu images are all assigned by the author to the 18th–19th centuries.
- (D) The Bhit-Bhagwanpur door-jamb is treated as insignificant because it has no ornamental rows or iconographic details.

३६. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Temple architecture significant in Preface, Method and Research Premise ?

- (A) Temple architecture is relevant because it is associated with main architectural focus of the study.
- (B) The hut type temple is described as a stone pyramid imported from the Deccan with no relation to thatched hut forms.
- (C) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.
- (D) The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way.

३७. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Preface, Method and Research Premise : C. Use sculpture, literature, antiquities and excavated material B. Survey temple architecture A. Define Mithila's area and names Select the correct order.

- (A) A - C - B
- (B) B - A - C
- (C) A - B - C
- (D) B - C - A

३८. With reference to Preface, Method and Research Premise , consider the following statements: 1. The sculpture chapter says datable specimens of Mithila sculpture are abundant for the 6th and 7th centuries. 2. The preface says the author is aware of the difficult task of writing on Mithila's art and architecture. 3. The author says he had found no book and not even an article dealing with the temples and sculptures of Mithila except a lone article on temples of Tirhut. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1, 2 and 3
- (B) 3 only
- (C) 1 and 2 only
- (D) 2 and 3 only

३९. Consider the following pairs related to Preface, Method and Research Premise : 1. First attempt — The author's own description of the work's pioneering character 2. 22 February 1978 — Date of the preface 3. Sculpture — Evidence used to reconstruct artistic development 4. Archaeological Survey of India — Date of the preface How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) All four
- (B) Only two
- (C) Only three
- (D) Only one

४०. Consider the following Assertion–Reason question on Preface, Method and Research Premise : Assertion (A): The author says he had found no book and not even an article dealing with the temples and sculptures of Mithila except a lone article on temples of Tirhut. Reason (R): standing monuments alone are too few for reconstructing the tradition Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

४१. With reference to Preface, Method and Research Premise , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The Archaeological Survey of India is thanked for permission to use some photographs.
- (B) The work calls itself more accurately a first attempt to explore the art and architecture of Mithila.
- (C) The preface is dated 22 February 1978.
- (D) The book says medieval Mithila was exclusively Buddhist and had no Śaiva, Vaiṣṇava or Śākta imagery.

82. Which one of the following is the best inference from Preface, Method and Research Premise ?

- (A) The Ganeśa images in the list are said to come only from Bengal and not from Bhit-Bhagwanpur or Bhagwatipur.
- (B) The Buddhist references prove that Mithila was always outside every conception of Madhyadeśa and Prācyadeśa.
- (C) The author states that art tradition developed in the interior of the country.
- (D) The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision.

83. In a source-evidence based UPSC question, why is the item 22 February 1978 significant in Preface, Method and Research Premise ?

- (A) 22 February 1978 is relevant because it is associated with date of the preface.
- (B) The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof.
- (C) The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images.
- (D) The book denies any Tantric association with Mithila's religious-artistic culture.

84. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Preface, Method and Research Premise : B. Survey temple architecture A. Define Mithila's area and names C. Use sculpture, literature, antiquities and excavated material Select the correct order.

- (A) A - B - C
- (B) C - A - B
- (C) A - C - B
- (D) B - C - A

85. With reference to Preface, Method and Research Premise , consider the following statements: 1. The author says he had found no book and not even an article dealing with the temples and sculptures of Mithila except a lone article on temples of Tirhut. 2. Architectural members such as pillars, lintels and capitals are said never to have been found in Mithila. 3. In the book, garbhagrha is always above the surface and never reached by descending steps. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 only
- (B) 2 only
- (C) 1, 2 and 3
- (D) 1 and 3 only

86. Consider the following pairs related to Preface, Method and Research Premise : 1. Temple architecture — Evidence used to reconstruct artistic development 2. First attempt — The author's own description of the work's pioneering character 3. Sculpture — Evidence used to reconstruct artistic development 4. 22 February 1978 — Date of the preface How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) All four
- (B) None
- (C) Only two
- (D) Only three

87. Consider the following Assertion–Reason question on Preface, Method and Research Premise : Assertion (A): The book first demarcates Mithila's area and names Reason (R): the author considers regional definition necessary before studying the art Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

86. With reference to Preface, Method and Research Premise , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The author's wife Vimala and family members are acknowledged for support.
- (B) The author attempts to survey temple architecture of Mithila in the light of sculpture, literature, antiquities and excavated materials.
- (C) The author records gratitude to Mahamahopadhyaya Dr. Umesha Mishra and Dr. Jayakanta Mishra.
- (D) The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times.

87. Which one of the following is the best inference from Preface, Method and Research Premise ?

- (A) The author's wife Vimala and family members are acknowledged for support.
- (B) The sculpture chapter says datable specimens of Mithila sculpture are abundant for the 6th and 7th centuries.
- (C) The volume argues that the name Tirhut is older than all Vedic references and has no relation to Tirabhukti.
- (D) The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images.

88. In a source-evidence based UPSC question, why is the item 22 February 1978 significant in Preface, Method and Research Premise ?

- (A) The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images.
- (B) The Buddhist references prove that Mithila was always outside every conception of Madhyadeśa and Prācyadeśa.
- (C) 22 February 1978 is relevant because it is associated with date of the preface.
- (D) The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times.

89. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Preface, Method and Research Premise : C. Use sculpture, literature, antiquities and excavated material A. Define Mithila's area and names B. Survey temple architecture Select the correct order.

- (A) B - C - A
- (B) B - A - C
- (C) C - A - B
- (D) A - B - C

90. With reference to Preface, Method and Research Premise , consider the following statements: 1. The author's wife Vimala and family members are acknowledged for support. 2. The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision. 3. The author says he had found no book and not even an article dealing with the temples and sculptures of Mithila except a lone article on temples of Tirhut. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 and 3 only
- (B) 1 only
- (C) 3 only
- (D) 1 and 3 only

91. Consider the following pairs related to Preface, Method and Research Premise : 1. 22 February 1978 — Date of the preface 2. Temple architecture — Institution thanked for photographs 3. Vimala — Author's wife acknowledged in the preface 4. First attempt — The author's own description of the work's pioneering character How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only three
- (B) Only one
- (C) None
- (D) All four

५४. Consider the following Assertion–Reason question on Preface, Method and Research Premise : Assertion (A): The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building. Reason (R): standing monuments alone are too few for reconstructing the tradition Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

५५. With reference to Preface, Method and Research Premise , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The author states that art tradition developed in the interior of the country.
- (B) The preface says Mithila has its own school of art and architecture.
- (C) The Ganeśa images in the list are said to come only from Bengal and not from Bhit-Bhagwanpur or Bhagwatipur.
- (D) The author's wife Vimala and family members are acknowledged for support.

५६. Which one of the following is the best inference from Preface, Method and Research Premise ?

- (A) Architectural members such as pillars, lintels and capitals are said never to have been found in Mithila.
- (B) The author attempts to survey temple architecture of Mithila in the light of sculpture, literature, antiquities and excavated materials.
- (C) In the book, garbhagṛha is always above the surface and never reached by descending steps.
- (D) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.

५७. In a source-evidence based UPSC question, why is the item First attempt significant in Preface, Method and Research Premise ?

- (A) The author holds that stone was abundantly available in Mithila and therefore brick construction was insignificant.
- (B) The Ahilyasthana temple is presented as a Dravidian vimāna without curvilinear tower features.
- (C) The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way.
- (D) First attempt is relevant because it is associated with the author's own description of the work's pioneering character.

५८. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Preface, Method and Research Premise : A. Define Mithila's area and names B. Survey temple architecture C. Use sculpture, literature, antiquities and excavated material Select the correct order.

- (A) B - C - A
- (B) A - C - B
- (C) A - B - C
- (D) B - A - C

५९. With reference to Preface, Method and Research Premise , consider the following statements: 1. The preface says the author is aware of the difficult task of writing on Mithila's art and architecture. 2. The author says he had found no book and not even an article dealing with the temples and sculptures of Mithila except a lone article on temples of Tirhut. 3. The author attempts to survey temple architecture of Mithila in the light of sculpture, literature, antiquities and excavated materials. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 only
- (B) 1, 2 and 3
- (C) 1 only
- (D) 3 only

६०. Consider the following pairs related to Preface, Method and Research Premise : 1. Archaeological Survey of India — Institution thanked for photographs 2. Vimala — Author's wife acknowledged in the preface 3. Sculpture — The author's own description of the work's pioneering character 4. Temple architecture — Main architectural focus of the study How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only two
- (B) Only one
- (C) None
- (D) Only three

Abbreviations and Source Apparatus

६१. With reference to Abbreviations and Source Apparatus , consider the following statements: 1. M.S. or M.S.S. denotes manuscripts. 2. I.A. refers to Indian Antiquary. 3. The author holds that stone was abundantly available in Mithila and therefore brick construction was insignificant. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 2 only
- (B) 2 and 3 only
- (C) 3 only
- (D) 1, 2 and 3

६२. Consider the following pairs related to Abbreviations and Source Apparatus : 1. A.S.I. — Archaeological Survey of India Annual Reports 2. J.B.(O.)R.S. — Journal of Bihar and Orissa Research Society 3. I.A. — Archaeological Survey of India Annual Reports 4. M.S. or M.S.S. — Manuscripts How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only three
- (B) None
- (C) All four
- (D) Only one

६३. Consider the following Assertion–Reason question on Abbreviations and Source Apparatus : Assertion (A): Epigraphia Indica and inscriptions are important Reason (R): The text states that floods, earthquakes and damp climate helped preserve Mithila's monuments in perfect condition. Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

६४. With reference to Abbreviations and Source Apparatus , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The abbreviation A.S.I. refers to Archaeological Survey of India Annual Reports.
- (B) In the book, garbhaghra is always above the surface and never reached by descending steps.
- (C) I.A. refers to Indian Antiquary.
- (D) Mithila Mihir, Darbhanga is abbreviated as MIHIRA.

६५. Which one of the following is the best inference from Abbreviations and Source Apparatus ?

- (A) The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way.
- (B) The author holds that stone was abundantly available in Mithila and therefore brick construction was insignificant.
- (C) J.B.(O.)R.S. refers to the Journal of Bihar and Orissa Research Society, Patna.
- (D) The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking.

६६. In a source-evidence based UPSC question, why is the item J.B.(O.)R.S. significant in Abbreviations and Source Apparatus ?

- (A) J.B.(O.)R.S. is relevant because it is associated with journal of bihar and orissa research society.
- (B) The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times.
- (C) The plates show no Sūrya images from Nahar-Bhagwatipur or Bhadrakali Mandir.
- (D) The text states that floods, earthquakes and damp climate helped preserve Mithila's monuments in perfect condition.

६७. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Abbreviations and Source Apparatus : A. J.B.(O.)R.S. refers to the Journal of Bihar and Orissa Research Society, Patna. B. E.I. refers to Epigraphia Indica. D. RAYCHAUDHURY refers to the Political History of Ancient India by Roychaudhary. C. L.S.I. refers to the Linguistic Survey of India. Select the correct order.

- (A) D - A - C - B
- (B) D - C - A - B
- (C) B - A - D - C
- (D) A - B - C - D

६८. With reference to Abbreviations and Source Apparatus , consider the following statements: 1. Architectural members such as pillars, lintels and capitals are said never to have been found in Mithila. 2. RAYCHAUDHURY refers to the Political History of Ancient India by Roychaudhary. 3. L.S.I. refers to the Linguistic Survey of India. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1, 2 and 3
- (B) 1 and 3 only
- (C) 1 only
- (D) 2 and 3 only

६९. Consider the following pairs related to Abbreviations and Source Apparatus : 1. J.B.(O.)R.S. — Journal of Bihar and Orissa Research Society 2. M.S. or M.S.S. — Manuscripts 3. L.S.I. — Linguistic Survey of India 4. A.S.I. — Journal of Bihar and Orissa Research Society How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) None
- (B) All four
- (C) Only two
- (D) Only three

७०. Consider the following Assertion–Reason question on Abbreviations and Source Apparatus : Assertion (A): RAYCHAUDHURY refers to the Political History of Ancient India by Roychaudhary. Reason (R): they help in dating, identifying and contextualising objects Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

७१. With reference to Abbreviations and Source Apparatus , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof.
- (B) Mithila Mihir, Darbhanga is abbreviated as MIHIRA.
- (C) J.R.A.S. refers to the Journal of the Royal Asiatic Society, London.
- (D) J.B.(O.)R.S. refers to the Journal of Bihar and Orissa Research Society, Patna.

७२. Which one of the following is the best inference from Abbreviations and Source Apparatus ?

- (A) The volume argues that the name Tirhut is older than all Vedic references and has no relation to Tirabhukti.
- (B) The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building.
- (C) The sculpture chapter says datable specimens of Mithila sculpture are abundant for the 6th and 7th centuries.
- (D) The abbreviation list shows that the work combines art history, epigraphy, literature, manuscript evidence and regional periodicals.

७३. In a source-evidence based UPSC question, why is the item I.A. significant in Abbreviations and Source Apparatus ?

- (A) The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision.
- (B) The plates show no Sūrya images from Nahar-Bhagwatipur or Bhadrakali Mandir.
- (C) I.A. is relevant because it is associated with Indian antiquary.
- (D) The book's plates and list of illustrations are irrelevant for art-historical identification.

७४. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Abbreviations and Source Apparatus : C. Mithila Mihir, Darbhanga is abbreviated as MIHIRA. B. I.A. refers to Indian Antiquary. D. E.I. refers to Epigraphia Indica. A. J.B.(O.)R.S. refers to the Journal of Bihar and Orissa Research Society, Patna. Select the correct order.

- (A) C - D - A - B
- (B) A - C - B - D
- (C) A - D - B - C
- (D) A - B - C - D

७५. With reference to Abbreviations and Source Apparatus , consider the following statements: 1. The abbreviation list shows that the work combines art history, epigraphy, literature, manuscript evidence and regional periodicals. 2. The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision. 3. The Ganeśa images in the list are said to come only from Bengal and not from Bhit-Bhagwanpur or Bhagwatipur. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1, 2 and 3
- (B) 1 only
- (C) 2 only
- (D) 2 and 3 only

७६. Consider the following pairs related to Abbreviations and Source Apparatus : 1. E.I. — Archaeological Survey of India Annual Reports 2. A.S.I. — Archaeological Survey of India Annual Reports 3. J.B.(O.)R.S. — Journal of Bihar and Orissa Research Society 4. L.S.I. — Linguistic Survey of India How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only two
- (B) Only one
- (C) Only three
- (D) All four

७७. Consider the following Assertion–Reason question on Abbreviations and Source Apparatus : Assertion (A): Epigraphia Indica and inscriptions are important Reason (R): they help in dating, identifying and contextualising objects Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

७८. With reference to Abbreviations and Source Apparatus , which one of the following statements is not correct ?

- (A) J.R.A.S. refers to the Journal of the Royal Asiatic Society, London.
- (B) The abbreviation list shows that the work combines art history, epigraphy, literature, manuscript evidence and regional periodicals.
- (C) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.
- (D) J.B.(O.)R.S. refers to the Journal of Bihar and Orissa Research Society, Patna.

७९. Which one of the following is the best inference from Abbreviations and Source Apparatus ?

- (A) The author rejects the idea of a local Mithila school during the so-called Pāla period.
- (B) The sculpture chapter says datable specimens of Mithila sculpture are abundant for the 6th and 7th centuries.
- (C) The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision.
- (D) The abbreviation A.S.I. refers to Archaeological Survey of India Annual Reports.

८०. In a source-evidence based UPSC question, why is the item J.B.(O.)R.S. significant in Abbreviations and Source Apparatus ?

- (A) The book says medieval Mithila was exclusively Buddhist and had no Śaiva, Vaiṣṇava or Śākta imagery.
- (B) J.B.(O.)R.S. is relevant because it is associated with journal of bihar and orissa research society.
- (C) The book's plates and list of illustrations are irrelevant for art-historical identification.
- (D) The author holds that stone was abundantly available in Mithila and therefore brick construction was insignificant.

८१. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Abbreviations and Source Apparatus : A. RAYCHAUDHURY refers to the Political History of Ancient India by Roychaudhary. B. J.B.(O.)R.S. refers to the Journal of Bihar and Orissa Research Society, Patna. D. I.A. refers to Indian Antiquary. C. The abbreviation A.S.I. refers to Archaeological Survey of India Annual Reports. Select the correct order.

- (A) C - A - B - D
- (B) B - A - D - C
- (C) A - B - C - D
- (D) B - A - C - D

८२. With reference to Abbreviations and Source Apparatus , consider the following statements: 1. I.A. refers to Indian Antiquary. 2. The Ganeśa images in the list are said to come only from Bengal and not from Bhit-Bhagwanpur or Bhagwatipur. 3. L.S.I. refers to the Linguistic Survey of India. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) None
- (B) 3 only
- (C) 1 and 3 only
- (D) 1, 2 and 3

८३. Consider the following pairs related to Abbreviations and Source Apparatus : 1. L.S.I. — Linguistic Survey of India 2. M.S. or M.S.S. — Indian Antiquary 3. I.A. — Indian Antiquary 4. A.S.I. — Archaeological Survey of India Annual Reports How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only one
- (B) Only three
- (C) None
- (D) All four

८४. Consider the following Assertion–Reason question on Abbreviations and Source Apparatus : Assertion (A): The Purāṇic evidence gives no mention of Tirabhukti or any later name connected with Mithila. Reason (R): it reveals the range of evidence behind the book. Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

८५. With reference to Abbreviations and Source Apparatus , which one of the following statements is not correct ?

- (A) I.A. refers to Indian Antiquary.
- (B) J.B.(O.)R.S. refers to the Journal of Bihar and Orissa Research Society, Patna.
- (C) L.S.I. refers to the Linguistic Survey of India.
- (D) The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way.

८६. Which one of the following is the best inference from Abbreviations and Source Apparatus ?

- (A) The Bhit-Bhagwanpur door-jamb is treated as insignificant because it has no ornamental rows or iconographic details.
- (B) Mithila Mihir, Darbhanga is abbreviated as MIHIRA.
- (C) The Viṣṇu images are all assigned by the author to the 18th–19th centuries.
- (D) The text states that floods, earthquakes and damp climate helped preserve Mithila's monuments in perfect condition.

८७. In a source-evidence based UPSC question, why is the item J.B.(O.)R.S. significant in Abbreviations and Source Apparatus ?

- (A) The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions.
- (B) The Buddhist references prove that Mithila was always outside every conception of Madhyadeśa and Prācyadeśa.
- (C) J.B.(O.)R.S. is relevant because it is associated with journal of Bihar and Orissa research society.
- (D) The Bhit-Bhagwanpur door-jamb is treated as insignificant because it has no ornamental rows or iconographic details.

८८. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Abbreviations and Source Apparatus : A. M.S. or M.S.S. denotes manuscripts. D. The abbreviation list shows that the work combines art history, epigraphy, literature, manuscript evidence and regional periodicals. B. J.B.(O.)R.S. refers to the Journal of Bihar and Orissa Research Society, Patna. C. L.S.I. refers to the Linguistic Survey of India. Select the correct order.

- (A) A - C - D - B
- (B) B - C - D - A
- (C) A - B - D - C
- (D) A - B - C - D

८९. With reference to Abbreviations and Source Apparatus , consider the following statements: 1. E.I. refers to Epigraphia Indica. 2. RAYCHAUDHURY refers to the Political History of Ancient India by Roychaudhary. 3. J.R.A.S. refers to the Journal of the Royal Asiatic Society, London. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 3 only
- (B) 2 only
- (C) 3 only
- (D) 1, 2 and 3

१०. Consider the following pairs related to Abbreviations and Source Apparatus : 1. A.S.I. — Archaeological Survey of India Annual Reports 2. L.S.I. — Linguistic Survey of India 3. I.A. — Linguistic Survey of India 4. J.B.(O.)R.S. — Journal of Bihar and Orissa Research Society How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only two
- (B) Only three
- (C) All four
- (D) Only one

Ancient Mithila: Boundary, Names and Area

११. With reference to Ancient Mithila: Boundary, Names and Area , consider the following statements: 1. The growing importance of Maithili is presented as one reason for the revival of the name Mithila. 2. The old cultural area includes what is indicated as North Bihar, Terai and the southern portion of Nepal including lower hill ranges. 3. The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 and 3 only
- (B) 1 and 2 only
- (C) 1 and 3 only
- (D) 1, 2 and 3

१२. Consider the following pairs related to Ancient Mithila: Boundary, Names and Area : 1. Tirabhukti — Administrative/historical name later connected with Tirhut 2. Maithili — Regional language whose importance aids revival of the name Mithila 3. Tirhut — Older cultural name revived in modern discourse 4. Terai — Northern belt included in the broader cultural region How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) None
- (B) Only one
- (C) Only three
- (D) All four

१३. Consider the following Assertion–Reason question on Ancient Mithila: Boundary, Names and Area : Assertion (A): Tirhut gives way to Mithila Reason (R): The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way. Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

१४. With reference to Ancient Mithila: Boundary, Names and Area , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The Ganeśa images in the list are said to come only from Bengal and not from Bhit-Bhagwanpur or Bhagwatipur.
- (B) The book begins the historical section by saying that the modern political map of India does not show Mithila as a state-name.
- (C) Tirhut is gradually giving way to the older and culturally richer name Mithila.
- (D) The old cultural area includes what is indicated as North Bihar, Terai and the southern portion of Nepal including lower hill ranges.

१५. Which one of the following is the best inference from Ancient Mithila: Boundary, Names and Area ?

- (A) The book's plates and list of illustrations are irrelevant for art-historical identification.
- (B) The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building.
- (C) The growing importance of Maithili is presented as one reason for the revival of the name Mithila.
- (D) The author holds that stone was abundantly available in Mithila and therefore brick construction was insignificant.

१६. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Videha significant in Ancient Mithila: Boundary, Names and Area ?

- (A) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.
- (B) Videha is relevant because it is associated with ancient name associated with the region.
- (C) The Bhit-Bhagwanpur door-jamb is treated as insignificant because it has no ornamental rows or iconographic details.
- (D) The text states that floods, earthquakes and damp climate helped preserve Mithila's monuments in perfect condition.

१७. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Ancient Mithila: Boundary, Names and Area : D. Tirhut C. Tirabhukti B. Mithila A. Videha Select the correct order.

- (A) A - B - C - D
- (B) D - A - C - B
- (C) B - C - D - A
- (D) B - D - C - A

१८. With reference to Ancient Mithila: Boundary, Names and Area , consider the following statements: 1. The book denies any Tantric association with Mithila's religious-artistic culture. 2. The author says names of states and places change over time because of political changes. 3. The name Mithila had not been completely forgotten, but Tirabhukti and then Tirhut became common administrative designations. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 and 3 only
- (B) 3 only
- (C) 1, 2 and 3
- (D) 1 and 2 only

१९. Consider the following pairs related to Ancient Mithila: Boundary, Names and Area : 1. Tirabhukti — Administrative/historical name later connected with Tirhut 2. Terai — Northern belt included in the broader cultural region 3. Mithila — Older cultural name revived in modern discourse 4. Tirhut — Older cultural name revived in modern discourse How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only two
- (B) None
- (C) Only one
- (D) Only three

१००. Consider the following Assertion–Reason question on Ancient Mithila: Boundary, Names and Area : Assertion (A): Mithila is described as an old name revived in recent times. Reason (R): art history requires a defined cultural region Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

१०१. With reference to **Ancient Mithila: Boundary, Names and Area** , which one of the following statements is not correct ?

- (A) Tirhut is gradually giving way to the older and culturally richer name Mithila.
- (B) The growing importance of Maithili is presented as one reason for the revival of the name Mithila.
- (C) The book begins the historical section by saying that the modern political map of India does not show Mithila as a state-name.
- (D) The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule.

१०२. Which one of the following is the best inference from **Ancient Mithila: Boundary, Names and Area** ?

- (A) The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision.
- (B) The old cultural area includes what is indicated as North Bihar, Terai and the southern portion of Nepal including lower hill ranges.
- (C) The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule.
- (D) The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking.

१०३. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Tirhut significant in **Ancient Mithila: Boundary, Names and Area** ?

- (A) The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building.
- (B) Tirhut is relevant because it is associated with common later designation of the region.
- (C) The volume argues that the name Tirhut is older than all Vedic references and has no relation to Tirabhukti.
- (D) The hut type temple is described as a stone pyramid imported from the Deccan with no relation to thatched hut forms.

१०४. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on **Ancient Mithila: Boundary, Names and Area** : A. Videha C. Tirabhukti B. Mithila D. Tirhut Select the correct order.

- (A) C - B - A - D
- (B) C - A - B - D
- (C) A - B - C - D
- (D) D - C - A - B

१०५. With reference to **Ancient Mithila: Boundary, Names and Area** , consider the following statements: 1. The section prepares the ground for art history by defining the cultural-geographical unit. 2. In the book, garbhagrha is always above the surface and never reached by descending steps. 3. The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 and 3 only
- (B) 1 only
- (C) 1 and 3 only
- (D) 1 and 2 only

१०६. Consider the following pairs related to **Ancient Mithila: Boundary, Names and Area** : 1. Maithili — Older cultural name revived in modern discourse 2. Terai — Northern belt included in the broader cultural region 3. Mithila — Older cultural name revived in modern discourse 4. Videha — Ancient name associated with the region How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only two
- (B) None
- (C) Only one
- (D) Only three

१०७. Consider the following Assertion–Reason question on Ancient Mithila: Boundary, Names and Area : Assertion (A): Tirhut gives way to Mithila Reason (R): older cultural memory and Maithili identity become more important Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

१०८. With reference to Ancient Mithila: Boundary, Names and Area , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The author treats Videha, Mithila and Tirabhukti as historically connected names of the region.
- (B) The author treats Mithila’s visual culture as completely disconnected from Janaka, Bengali contact and Madhubani painting.
- (C) The old cultural area includes what is indicated as North Bihar, Terai and the southern portion of Nepal including lower hill ranges.
- (D) Mithila is described as an old name revived in recent times.

१०९. Which one of the following is the best inference from Ancient Mithila: Boundary, Names and Area ?

- (A) The plates show no Sūrya images from Nahar-Bhagwatipur or Bhadrakali Mandir.
- (B) The growing importance of Maithili is presented as one reason for the revival of the name Mithila.
- (C) The author treats Mithila’s visual culture as completely disconnected from Janaka, Bengali contact and Madhubani painting.
- (D) The sculpture chapter says datable specimens of Mithila sculpture are abundant for the 6th and 7th centuries.

११०. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Terai significant in Ancient Mithila: Boundary, Names and Area ?

- (A) The Ganeśa images in the list are said to come only from Bengal and not from Bhit-Bhagwanpur or Bhagwatipur.
- (B) The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking.
- (C) Terai is relevant because it is associated with northern belt included in the broader cultural region.
- (D) The text states that floods, earthquakes and damp climate helped preserve Mithila’s monuments in perfect condition.

१११. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book’s argument on Ancient Mithila: Boundary, Names and Area : B. Mithila A. Videha D. Tirhut C. Tirabhukti Select the correct order.

- (A) D - C - B - A
- (B) A - B - C - D
- (C) A - D - B - C
- (D) D - A - C - B

११२. With reference to Ancient Mithila: Boundary, Names and Area , consider the following statements: 1. The growing importance of Maithili is presented as one reason for the revival of the name Mithila. 2. The author rejects the idea of a local Mithila school during the so-called Pāla period. 3. Tirhut is gradually giving way to the older and culturally richer name Mithila. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 only
- (B) None
- (C) 1 and 3 only
- (D) 1 and 2 only

११३. Consider the following pairs related to Ancient Mithila: Boundary, Names and Area : 1. Maithili — Regional language whose importance aids revival of the name Mithila 2. Tirabhukti — Common later designation of the region 3. Videha — Ancient name associated with the region 4. Terai — Northern belt included in the broader cultural region How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only one
- (B) None
- (C) All four
- (D) Only three

११४. Consider the following Assertion–Reason question on Ancient Mithila: Boundary, Names and Area : Assertion (A): The Ahilyasthana temple is presented as a Dravidian vimāna without curvilinear tower features. Reason (R): older cultural memory and Maithili identity become more important Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

११५. With reference to Ancient Mithila: Boundary, Names and Area , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The author says names of states and places change over time because of political changes.
- (B) The name Mithila had not been completely forgotten, but Tirabhukti and then Tirhut became common administrative designations.
- (C) The Ahilyasthana temple is presented as a Dravidian vimāna without curvilinear tower features.
- (D) The growing importance of Maithili is presented as one reason for the revival of the name Mithila.

११६. Which one of the following is the best inference from Ancient Mithila: Boundary, Names and Area ?

- (A) The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions.
- (B) The Ahilyasthana temple is presented as a Dravidian vimāna without curvilinear tower features.
- (C) The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images.
- (D) The name problem is linked with political history, language and cultural memory.

११७. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Videha significant in Ancient Mithila: Boundary, Names and Area ?

- (A) The Purāṇic evidence gives no mention of Tirabhukti or any later name connected with Mithila.
- (B) The plate list excludes sites in Madhubani and Darbhanga districts.
- (C) Videha is relevant because it is associated with ancient name associated with the region.
- (D) The text states that floods, earthquakes and damp climate helped preserve Mithila's monuments in perfect condition.

११८. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Ancient Mithila: Boundary, Names and Area : A. Videha D. Tirhut C. Tirabhukti B. Mithila Select the correct order.

- (A) A - D - B - C
- (B) D - C - B - A
- (C) C - D - A - B
- (D) A - B - C - D

११९. With reference to Ancient Mithila: Boundary, Names and Area , consider the following statements: 1. The old cultural area includes what is indicated as North Bihar, Terai and the southern portion of Nepal including lower hill ranges. 2. The author says names of states and places change over time because of political changes. 3. The name problem is linked with political history, language and cultural memory. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1, 2 and 3
- (B) None
- (C) 1 only
- (D) 2 and 3 only

१२०. Consider the following pairs related to Ancient Mithila: Boundary, Names and Area : 1. Tirhut — Common later designation of the region 2. Tirabhukti — Administrative/historical name later connected with Tirhut 3. Maithili — Common later designation of the region 4. Mithila — Older cultural name revived in modern discourse How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) All four
- (B) Only two
- (C) Only one
- (D) Only three

Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References

१२१. With reference to Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References , consider the following statements: 1. The early textual reference is used to anchor Mithila's antiquity. 2. The identification of the Sadānīrā is made with the modern river Gandak. 3. The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 3 only
- (B) 2 only
- (C) 1, 2 and 3
- (D) 1 and 2 only

१२२. Consider the following pairs related to Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References : 1. 1000–600 B.C. — Approximate range mentioned for the text 2. Śatapatha Brāhmaṇa — Early textual reference used for Videha 3. Sadānīrā — Modern river identified with Sadānīrā 4. Kosala — Region distinguished from Videha How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only two
- (B) Only one
- (C) None
- (D) Only three

१२३. Consider the following Assertion–Reason question on Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References :
Assertion (A): The author cites the Śatapatha Brāhmaṇa Reason (R): The plates show no Sūrya images from Nahar-Bhagwatipur or Bhadrakali Mandir. Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

११४. With reference to Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The sikhara type is described as a flat-roofed form with no vertical tower or curvilinear spire.
- (B) The reference does not give modern district boundaries but helps locate an old cultural-political region.
- (C) The date of the Śatapatha Brāhmaṇa is roughly computed between 1000 and 600 B.C. in the text.
- (D) The book treats the Śatapatha Brāhmaṇa as an early textual reference to Videha.

११५. Which one of the following is the best inference from Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References ?

- (A) The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building.
- (B) The identification of the Sadānīrā is made with the modern river Gandak.
- (C) The hut type temple is described as a stone pyramid imported from the Deccan with no relation to thatched hut forms.
- (D) The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images.

११६. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Śatapatha Brāhmaṇa significant in Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References ?

- (A) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.
- (B) The Purāṇic evidence gives no mention of Tirabhukti or any later name connected with Mithila.
- (C) In the book, garbhagṛha is always above the surface and never reached by descending steps.
- (D) Śatapatha Brāhmaṇa is relevant because it is associated with early textual reference used for videha.

११७. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References : C. modern identification with Gandak B. Sadānīrā boundary A. Śatapatha Brāhmaṇa reference Select the correct order.

- (A) A - C - B
- (B) B - A - C
- (C) A - B - C
- (D) B - C - A

११८. With reference to Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References , consider the following statements: 1. The Ahilyasthana temple is presented as a Dravidian vimāna without curvilinear tower features. 2. The discussion treats rivers as significant markers of ancient regional identity. 3. The identification of the Sadānīrā is made with the modern river Gandak. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 only
- (B) 3 only
- (C) 1 only
- (D) 2 and 3 only

११९. Consider the following pairs related to Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References : 1. 1000–600 B.C. — Approximate range mentioned for the text 2. Kosala — Region distinguished from Videha 3. Gandak — Modern river identified with Sadānīrā 4. Sadānīrā — Approximate range mentioned for the text How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) None
- (B) Only two
- (C) All four
- (D) Only three

१३०. Consider the following Assertion–Reason question on Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References :

Assertion (A): The discussion treats rivers as significant markers of ancient regional identity. **Reason (R):** it supplies early evidence for Videha’s antiquity. Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

१३१. With reference to Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The Viṣṇu images are all assigned by the author to the 18th–19th centuries.
- (B) The book treats the Śatapatha Brāhmaṇa as an early textual reference to Videha.
- (C) The author uses textual evidence before moving to architectural history.
- (D) The Gandak identification connects literary evidence with geography.

१३२. Which one of the following is the best inference from Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References ?

- (A) The book treats the Śatapatha Brāhmaṇa as an early textual reference to Videha.
- (B) The author treats Mithila’s visual culture as completely disconnected from Janaka, Bengali contact and Madhubani painting.
- (C) In the book, garbhagrha is always above the surface and never reached by descending steps.
- (D) The Buddhist references prove that Mithila was always outside every conception of Madhyadeśa and Prācyadeśa.

१३३. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Gandak significant in Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References ?

- (A) The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images.
- (B) The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule.
- (C) Gandak is relevant because it is associated with modern river identified with sadānīrā.
- (D) The author treats Mithila’s visual culture as completely disconnected from Janaka, Bengali contact and Madhubani painting.

१३४. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book’s argument on Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References : C. modern identification with Gandak A. Śatapatha Brāhmaṇa reference B. Sadānīrā boundary. Select the correct order.

- (A) B - C - A
- (B) A - C - B
- (C) C - A - B
- (D) A - B - C

१३५. With reference to Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References , consider the following statements: 1. The date of the Śatapatha Brāhmaṇa is roughly computed between 1000 and 600 B.C. in the text. 2. The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images. 3. In the book, garbhagrha is always above the surface and never reached by descending steps. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 2 only
- (B) None
- (C) 2 only
- (D) 1 only

१३६. Consider the following pairs related to Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References : 1. Kosala — Early textual reference used for Videha 2. Śatapatha Brāhmaṇa — Early textual reference used for Videha 3. Gandak — Modern river identified with Sadānīrā 4. Sadānīrā — River used as a boundary marker How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only three
- (B) Only one
- (C) All four
- (D) Only two

१३७. Consider the following Assertion–Reason question on Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References : Assertion (A): The author cites the Śatapatha Brāhmaṇa Reason (R): it supplies early evidence for Videha’s antiquity Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

१३८. With reference to Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The discussion treats rivers as significant markers of ancient regional identity.
- (B) The river Sadānīrā is mentioned in the early reference.
- (C) In the book, garbhagṛha is always above the surface and never reached by descending steps.
- (D) The Gandak identification connects literary evidence with geography.

१३९. Which one of the following is the best inference from Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References ?

- (A) The book denies any Tantric association with Mithila’s religious-artistic culture.
- (B) The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking.
- (C) The date of the Śatapatha Brāhmaṇa is roughly computed between 1000 and 600 B.C. in the text.
- (D) The book’s plates and list of illustrations are irrelevant for art-historical identification.

१४०. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Śatapatha Brāhmaṇa significant in Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References ?

- (A) The Bhit-Bhagwanpur door-jamb is treated as insignificant because it has no ornamental rows or iconographic details.
- (B) Śatapatha Brāhmaṇa is relevant because it is associated with early textual reference used for videha.
- (C) The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images.
- (D) The Purāṇic evidence gives no mention of Tirabhukti or any later name connected with Mithila.

१४१. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book’s argument on Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References : B. Sadānīrā boundary A. Śatapatha Brāhmaṇa reference C. modern identification with Gandak Select the correct order.

- (A) A - B - C
- (B) C - A - B
- (C) C - B - A
- (D) B - A - C

१४२. With reference to Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References , consider the following statements: 1. The book treats the Śatapatha Brāhmaṇa as an early textual reference to Videha. 2. The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions. 3. The date of the Śatapatha Brāhmaṇa is roughly computed between 1000 and 600 B.C. in the text. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 only
- (B) 3 only
- (C) 1 and 3 only
- (D) None

१४३. Consider the following pairs related to Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References : 1. Sadānīrā — River used as a boundary marker 2. Kosala — Approximate range mentioned for the text 3. Gandak — Modern river identified with Sadānīrā 4. 1000–600 B.C. — Approximate range mentioned for the text How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only three
- (B) Only one
- (C) All four
- (D) Only two

१४४. Consider the following Assertion–Reason question on Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References :
Assertion (A): In the book, garbhagṛha is always above the surface and never reached by descending steps. Reason (R): it supplies early evidence for Videha’s antiquity Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

१४५. With reference to Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The plate list excludes sites in Madhubani and Darbhanga districts.
- (B) The river Sadānīrā is mentioned in the early reference.
- (C) The date of the Śatapatha Brāhmaṇa is roughly computed between 1000 and 600 B.C. in the text.
- (D) The identification of the Sadānīrā is made with the modern river Gandak.

१४६. Which one of the following is the best inference from Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References ?

- (A) The author holds that stone was abundantly available in Mithila and therefore brick construction was insignificant.
- (B) The volume argues that the name Tirhut is older than all Vedic references and has no relation to Tirabhukti.
- (C) The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof.
- (D) Sadānīrā is said to have distinguished Mithila or Videha from Kosala.

१४७. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Śatapatha Brāhmaṇa significant in Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References ?

- (A) The Ganeśa images in the list are said to come only from Bengal and not from Bhit-Bhagwanpur or Bhagwatipur.
- (B) The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way.
- (C) Śatapatha Brāhmaṇa is relevant because it is associated with early textual reference used for videha.
- (D) The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision.

१४८. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References : B. Sadānīrā boundary C. modern identification with Gandak A. Śatapatha Brāhmaṇa reference Select the correct order.

- (A) C - B - A
- (B) B - A - C
- (C) A - B - C
- (D) A - C - B

१४९. With reference to Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References , consider the following statements: 1. The river Sadānīrā is mentioned in the early reference. 2. The date of the Śatapatha Brāhmaṇa is roughly computed between 1000 and 600 B.C. in the text. 3. The Gandak identification connects literary evidence with geography. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 2 only
- (B) 1, 2 and 3
- (C) 3 only
- (D) 1 and 3 only

१५०. Consider the following pairs related to Śatapatha Brāhmaṇa, Sadānīrā and Early References : 1. Gandak — Modern river identified with Sadānīrā 2. Kosala — Region distinguished from Videha 3. Sadānīrā — Early textual reference used for Videha 4. Śatapatha Brāhmaṇa — Early textual reference used for Videha How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) None
- (B) Only two
- (C) Only three
- (D) All four

Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence

१५१. With reference to Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence , consider the following statements: 1. The Mithila-Māhātmya Khaṇḍa of the Bṛhad-Viṣṇu Purāṇa links Tirabhukti with Ganga, Himalaya, Kosi-Kausiki and Gandaki limits. 2. The book says the Epics do not give exact boundaries of Videha. 3. The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 3 only
- (B) None
- (C) 1 only
- (D) 1 and 2 only

१५२. Consider the following pairs related to Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence : 1. Madhyadeśa — Broad textual region in Buddhist discussion 2. Bṛhad-Viṣṇu Purāṇa — Later source giving clearer boundary material 3. Vaisali — Section cited for Tirabhukti's limits 4. Prācyadeśa — Eastern country unit in which Mithila is treated How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) All four
- (B) Only one
- (C) Only two
- (D) Only three

१५३. Consider the following Assertion–Reason question on Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence : Assertion (A): The Purāṇic evidence is treated carefully Reason (R): In the book, garbhagṛha is always above the surface and never reached by descending steps. Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

१५४. With reference to Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence , which one of the following statements is not correct ?

- (A) Mithila is also treated as an independent unit of Prācyadeśa in the discussion.
- (B) The Rāmāyaṇa mentions Vaisali and Mithila, but the exact boundary between them is not clear.
- (C) The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule.
- (D) Some Purāṇas such as Viṣṇu, Bhāgavata, Vāyu and Skanda do not give clear boundaries of Mithila.

१५५. Which one of the following is the best inference from Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence ?

- (A) The author holds that stone was abundantly available in Mithila and therefore brick construction was insignificant.
- (B) The section uses textual evidence critically, not mechanically.
- (C) Architectural members such as pillars, lintels and capitals are said never to have been found in Mithila.
- (D) The Bhit-Bhagwanpur door-jamb is treated as insignificant because it has no ornamental rows or iconographic details.

१५६. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Madhyadeśa significant in Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence ?

- (A) The book denies any Tantric association with Mithila's religious-artistic culture.
- (B) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.
- (C) Madhyadeśa is relevant because it is associated with broad textual region in buddhist discussion.
- (D) The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way.

१५७. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence : A. Epic references C. Purāṇic references D. Bṛhad-Viṣṇu Purāṇa boundary account B. Buddhist texts Select the correct order.

- (A) A - B - C - D
- (B) C - D - B - A
- (C) B - D - A - C
- (D) D - C - A - B

१५८. With reference to Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence , consider the following statements: 1. The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions. 2. Buddhist texts place Videha in a broad tract called Madhyadeśa in some references. 3. The Mithila-Māhātmya Khaṇḍa of the Bṛhad-Viṣṇu Purāṇa links Tirabhukti with Ganga, Himalaya, Kosi-Kausiki and Gandaki limits. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 3 only
- (B) 2 and 3 only
- (C) 1, 2 and 3
- (D) 1 only

१५९. Consider the following pairs related to Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence : 1. Vaisali — Epic reference associated with Mithila’s approximate region 2. Madhyadeśa — Broad textual region in Buddhist discussion 3. Bṛhad-Viṣṇu Purāṇa — Later source giving clearer boundary material 4. Prācyadeśa — Broad textual region in Buddhist discussion How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only three
- (B) All four
- (C) None
- (D) Only one

१६०. Consider the following Assertion–Reason question on Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence : Assertion (A): Mithila is also treated as an independent unit of Prācyadeśa in the discussion. Reason (R): religious expansion of sacred geography affected regional descriptions Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

१६१. With reference to Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The Buddhist references prove that Mithila was always outside every conception of Madhyadeśa and Prācyadeśa.
- (B) The Rāmāyaṇa narrative is used to suggest approximate spatial relations rather than modern boundaries.
- (C) The Rāmāyaṇa mentions Vaisali and Mithila, but the exact boundary between them is not clear.
- (D) The section uses textual evidence critically, not mechanically.

१६२. Which one of the following is the best inference from Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence ?

- (A) The Buddhist references prove that Mithila was always outside every conception of Madhyadeśa and Prācyadeśa.
- (B) The Viṣṇu images are all assigned by the author to the 18th–19th centuries.
- (C) Mithila is also treated as an independent unit of Prācyadeśa in the discussion.
- (D) Architectural members such as pillars, lintels and capitals are said never to have been found in Mithila.

१६३. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Bṛhad-Viṣṇu Purāṇa significant in Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence ?

- (A) The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule.
- (B) The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times.
- (C) Bṛhad-Viṣṇu Purāṇa is relevant because it is associated with later source giving clearer boundary material.
- (D) The author rejects the idea of a local Mithila school during the so-called Pāla period.

१६४. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book’s argument on Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence : B. Buddhist texts C. Purāṇic references A. Epic references D. Bṛhad-Viṣṇu Purāṇa boundary account Select the correct order.

- (A) A - C - B - D
- (B) B - D - C - A
- (C) C - A - B - D
- (D) A - B - C - D

१६५. With reference to Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence , consider the following statements: 1. The Rāmāyaṇa narrative is used to suggest approximate spatial relations rather than modern boundaries. 2. The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision. 3. The text states that floods, earthquakes and damp climate helped preserve Mithila’s monuments in perfect condition. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 3 only
- (B) 1 only
- (C) 1 and 2 only
- (D) 3 only

१६६. Consider the following pairs related to Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence : 1. Prācyadeśa — Epic reference associated with Mithila’s approximate region 2. Madhyadeśa — Broad textual region in Buddhist discussion 3. Mithila-Māhātmya Khaṇḍa — Section cited for Tirabhukti’s limits 4. Vaisali — Epic reference associated with Mithila’s approximate region How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only two
- (B) Only three
- (C) All four
- (D) None

१६७. Consider the following Assertion–Reason question on Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence : Assertion (A): The Purāṇic evidence is treated carefully Reason (R): many Purāṇas lack precise boundary information Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

१६८. With reference to Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence , which one of the following statements is not correct ?

- (A) A later work, Bṛhad-Viṣṇu Purāṇa, gives a more definite account.
- (B) The Rāmāyaṇa narrative is used to suggest approximate spatial relations rather than modern boundaries.
- (C) The book says the Epics do not give exact boundaries of Videha.
- (D) The book denies any Tantric association with Mithila’s religious-artistic culture.

१६९. Which one of the following is the best inference from Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence ?

- (A) The Rāmāyaṇa narrative is used to suggest approximate spatial relations rather than modern boundaries.
- (B) The author says Mithila art can be understood without examining temple architecture, sculptures, literature, antiquities or excavated material.
- (C) The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building.
- (D) The sikhara type is described as a flat-roofed form with no vertical tower or curvilinear spire.

१७०. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Mithila-Māhātmya Khaṇḍa significant in Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence ?

- (A) The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking.
- (B) The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions.
- (C) Architectural members such as pillars, lintels and capitals are said never to have been found in Mithila.
- (D) Mithila-Māhātmya Khaṇḍa is relevant because it is associated with section cited for tirabhukti’s limits.

१७१. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence : D. Bṛhad-Viṣṇu Purāṇa boundary account A. Epic references C. Purāṇic references B. Buddhist texts Select the correct order.

- (A) B - A - D - C
- (B) A - B - C - D
- (C) C - B - A - D
- (D) C - A - D - B

१७२. With reference to Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence , consider the following statements: 1. The Mithila-Māhātmya Khaṇḍa of the Bṛhad-Viṣṇu Purāṇa links Tirabhukti with Ganga, Himalaya, Kosi-Kausiki and Gandaki limits. 2. The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way. 3. Some Purāṇas such as Viṣṇu, Bhāgavata, Vāyu and Skanda do not give clear boundaries of Mithila. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1, 2 and 3
- (B) 3 only
- (C) 1 and 3 only
- (D) None

१७३. Consider the following pairs related to Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence : 1. Prācyadeśa — Eastern country unit in which Mithila is treated 2. Madhyadeśa — Later source giving clearer boundary material 3. Bṛhad-Viṣṇu Purāṇa — Later source giving clearer boundary material 4. Mithila-Māhātmya Khaṇḍa — Section cited for Tirabhukti's limits How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only three
- (B) All four
- (C) Only two
- (D) Only one

१७४. Consider the following Assertion–Reason question on Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence : Assertion (A): The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times. Reason (R): religious expansion of sacred geography affected regional descriptions Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

१७५. With reference to Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The Mithila-Māhātmya Khaṇḍa of the Bṛhad-Viṣṇu Purāṇa links Tirabhukti with Ganga, Himalaya, Kosi-Kausiki and Gandaki limits.
- (B) The author notes that Buddhist extension of Madhyadeśa may reflect Buddhism's attempt to include its sacred areas.
- (C) The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision.
- (D) The Rāmāyaṇa mentions Vaisali and Mithila, but the exact boundary between them is not clear.

१७६. Which one of the following is the best inference from Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence ?

- (A) The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images.
- (B) The author says Mithila art can be understood without examining temple architecture, sculptures, literature, antiquities or excavated material.
- (C) The book says the Epics do not give exact boundaries of Videha.
- (D) The plate list excludes sites in Madhubani and Darbhanga districts.

१७७. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Vaisali significant in Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence ?

- (A) Vaisali is relevant because it is associated with epic reference associated with mithila's approximate region.
- (B) The Ahilyasthana temple is presented as a Dravidian vimāna without curvilinear tower features.
- (C) The Purāṇic evidence gives no mention of Tirabhukti or any later name connected with Mithila.
- (D) The sculpture chapter says datable specimens of Mithila sculpture are abundant for the 6th and 7th centuries.

१७८. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence : B. Buddhist texts C. Purāṇic references A. Epic references D. Bṛhad-Viṣṇu Purāṇa boundary account Select the correct order.

- (A) B - D - C - A
- (B) A - B - C - D
- (C) C - D - A - B
- (D) D - C - B - A

१७९. With reference to Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence , consider the following statements: 1. Some Purāṇas such as Viṣṇu, Bhāgavata, Vāyu and Skanda do not give clear boundaries of Mithila. 2. The Rāmāyaṇa mentions Vaisali and Mithila, but the exact boundary between them is not clear. 3. The book says the Epics do not give exact boundaries of Videha. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 3 only
- (B) 1, 2 and 3
- (C) 2 only
- (D) None

१८०. Consider the following pairs related to Epic, Buddhist and Purāṇic Evidence : 1. Prācyadeśa — Eastern country unit in which Mithila is treated 2. Vaisali — Epic reference associated with Mithila's approximate region 3. Bṛhad-Viṣṇu Purāṇa — Eastern country unit in which Mithila is treated 4. Madhyadeśa — Broad textual region in Buddhist discussion How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only three
- (B) Only two
- (C) None
- (D) All four

Factors Responsible for Erection of Temples

१८१. With reference to Factors Responsible for Erection of Temples , consider the following statements: 1. The author connects temple construction with the popularity of Śaiva, Vaiṣṇava and Śākta worship. 2. The temple-building tradition is linked with political patronage and religious practice. 3. The author says Mithila art can be understood without examining temple architecture, sculptures, literature, antiquities or excavated material. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) None
- (B) 2 and 3 only
- (C) 1 and 2 only
- (D) 1 and 3 only

१८२. Consider the following pairs related to Factors Responsible for Erection of Temples : 1. Natural calamities — Floods and earthquakes affecting remains 2. Śākta worship — Mother-goddess cultic strand 3. Śaiva worship — Floods and earthquakes affecting remains 4. Oinivāra period — Later patronage context for Brahmanical culture How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only three
- (B) All four
- (C) Only two
- (D) Only one

१८३. Consider the following Assertion–Reason question on Factors Responsible for Erection of Temples : Assertion (A): Religious patronage matters Reason (R): The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule. Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

१८४. With reference to Factors Responsible for Erection of Temples , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The Karnāṭa and Oinivāra periods are important for the flourishing of Brahmanical culture in Mithila.
- (B) A damp climate and heavy rains contributed to decay of building materials and paintings.
- (C) The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking.
- (D) Non-availability of stone in the area encouraged brick and less durable materials.

१८५. Which one of the following is the best inference from Factors Responsible for Erection of Temples ?

- (A) The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building.
- (B) The book studies factors responsible for the erection of temples before describing temple types.
- (C) The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way.
- (D) The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking.

१८६. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Vaiṣṇava worship significant in Factors Responsible for Erection of Temples ?

- (A) The plate list excludes sites in Madhubani and Darbhanga districts.
- (B) Vaiṣṇava worship is relevant because it is associated with one major iconographic and religious strand.
- (C) The Buddhist references prove that Mithila was always outside every conception of Madhyadeśa and Prācyadeśa.
- (D) The Ahilyasthana temple is presented as a Dravidian vimāna without curvilinear tower features.

१८७. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Factors Responsible for Erection of Temples : B. The Karnāṭa and Oinivāra periods are important for the flourishing of Brahmanical culture in Mithila. D. The author connects temple construction with the popularity of Śaiva, Vaiṣṇava and Śākta worship. C. Natural calamities such as floods and earthquakes are identified as causes of loss. A. Buddhist and Tantric currents are also acknowledged in Mithila's religious-artistic background. Select the correct order.

- (A) B - D - A - C
- (B) D - A - B - C
- (C) A - B - C - D
- (D) C - A - D - B

१८८. With reference to Factors Responsible for Erection of Temples , consider the following statements: 1. The author treats Mithila's visual culture as completely disconnected from Janaka, Bengali contact and Madhubani painting. 2. The scarcity of durable structural remains complicates the reconstruction of early temple types. 3. Non-availability of stone in the area encouraged brick and less durable materials. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 and 3 only
- (B) 1 only
- (C) 1, 2 and 3
- (D) 3 only

१८९. Consider the following pairs related to Factors Responsible for Erection of Temples : 1. Śākta worship — Mother-goddess cultic strand 2. Vaiṣṇava worship — One major iconographic and religious strand 3. Oinivāra period — Later patronage context for Brahmanical culture 4. Natural calamities — A period of religious and artistic patronage in Mithila How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only three
- (B) All four
- (C) Only one
- (D) None

१९०. Consider the following Assertion–Reason question on Factors Responsible for Erection of Temples : Assertion (A): A damp climate and heavy rains contributed to decay of building materials and paintings. Reason (R): images and temples were made primarily for worship Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

१९१. With reference to Factors Responsible for Erection of Temples , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The scarcity of durable structural remains complicates the reconstruction of early temple types.
- (B) Non-availability of stone in the area encouraged brick and less durable materials.
- (C) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.
- (D) The temple chapter therefore combines history, religion, material culture and environmental constraints.

१९२. Which one of the following is the best inference from Factors Responsible for Erection of Temples ?

- (A) The Bhit-Bhagwanpur door-jamb is treated as insignificant because it has no ornamental rows or iconographic details.
- (B) The author holds that stone was abundantly available in Mithila and therefore brick construction was insignificant.
- (C) The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions.
- (D) The temple-building tradition is linked with political patronage and religious practice.

१९३. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Śākta worship significant in Factors Responsible for Erection of Temples ?

- (A) The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof.
- (B) The Buddhist references prove that Mithila was always outside every conception of Madhyadeśa and Prācyadeśa.
- (C) Śākta worship is relevant because it is associated with mother-goddess cultic strand.
- (D) The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way.

११४. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Factors Responsible for Erection of Temples : D. The author connects temple construction with the popularity of Śaiva, Vaiṣṇava and Śākta worship. C. The book studies factors responsible for the erection of temples before describing temple types. A. The scarcity of durable structural remains complicates the reconstruction of early temple types. B. The Karnāṭa and Oinivāra periods are important for the flourishing of Brahmanical culture in Mithila. Select the correct order.

- (A) C - B - A - D
- (B) A - B - C - D
- (C) B - C - A - D
- (D) B - A - C - D

११५. With reference to Factors Responsible for Erection of Temples , consider the following statements: 1. The temple-building tradition is linked with political patronage and religious practice. 2. The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book. 3. The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 2 only
- (B) 3 only
- (C) 1 only
- (D) 1 and 3 only

११६. Consider the following pairs related to Factors Responsible for Erection of Temples : 1. Karnāṭa period — Floods and earthquakes affecting remains 2. Vaiṣṇava worship — One major iconographic and religious strand 3. Śaiva worship — One major cultic background for temples 4. Śākta worship — Mother-goddess cultic strand How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) All four
- (B) Only three
- (C) None
- (D) Only one

११७. Consider the following Assertion–Reason question on Factors Responsible for Erection of Temples : Assertion (A): Early temple types are hard to reconstruct Reason (R): structural remains are scarce because of natural calamities and materials Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

११८. With reference to Factors Responsible for Erection of Temples , which one of the following statements is not correct ?

- (A) Buddhist and Tantric currents are also acknowledged in Mithila's religious-artistic background.
- (B) The scarcity of durable structural remains complicates the reconstruction of early temple types.
- (C) The book studies factors responsible for the erection of temples before describing temple types.
- (D) The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times.

११९. Which one of the following is the best inference from Factors Responsible for Erection of Temples ?

- (A) Natural calamities such as floods and earthquakes are identified as causes of loss.
- (B) In the book, garbhagrha is always above the surface and never reached by descending steps.
- (C) The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building.
- (D) The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking.

२००. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Natural calamities significant in Factors Responsible for Erection of Temples ?

- (A) Natural calamities is relevant because it is associated with floods and earthquakes affecting remains.
- (B) The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times.
- (C) The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building.
- (D) The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking.

२०१. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Factors Responsible for Erection of Temples : C. The book studies factors responsible for the erection of temples before describing temple types. A. Buddhist and Tantric currents are also acknowledged in Mithila's religious-artistic background. B. The scarcity of durable structural remains complicates the reconstruction of early temple types. D. A damp climate and heavy rains contributed to decay of building materials and paintings. Select the correct order.

- (A) A - D - C - B
- (B) A - B - C - D
- (C) B - D - C - A
- (D) B - A - C - D

२०२. With reference to Factors Responsible for Erection of Temples , consider the following statements: 1. A damp climate and heavy rains contributed to decay of building materials and paintings. 2. The book's plates and list of illustrations are irrelevant for art-historical identification. 3. Natural calamities such as floods and earthquakes are identified as causes of loss. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 3 only
- (B) None
- (C) 2 only
- (D) 1 and 2 only

२०३. Consider the following pairs related to Factors Responsible for Erection of Temples : 1. Vaiṣṇava worship — One major iconographic and religious strand 2. Śākta worship — Floods and earthquakes affecting remains 3. Karnāṭa period — A period of religious and artistic patronage in Mithila 4. Oinivāra period — Later patronage context for Brahmanical culture How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only two
- (B) Only three
- (C) Only one
- (D) None

२०४. Consider the following Assertion–Reason question on Factors Responsible for Erection of Temples : Assertion (A): The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building. Reason (R): images and temples were made primarily for worship Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

२०५. With reference to Factors Responsible for Erection of Temples , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The Bhit-Bhagwanpur door-jamb is treated as insignificant because it has no ornamental rows or iconographic details.
- (B) The Karnāṭa and Oinivāra periods are important for the flourishing of Brahmanical culture in Mithila.
- (C) Buddhist and Tantric currents are also acknowledged in Mithila's religious-artistic background.
- (D) A damp climate and heavy rains contributed to decay of building materials and paintings.

२०६. Which one of the following is the best inference from Factors Responsible for Erection of Temples ?

- (A) The Ahilyasthana temple is presented as a Dravidian vimāna without curvilinear tower features.
- (B) Non-availability of stone in the area encouraged brick and less durable materials.
- (C) The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking.
- (D) The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule.

२०७. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Śaiva worship significant in Factors Responsible for Erection of Temples ?

- (A) The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking.
- (B) Śaiva worship is relevant because it is associated with one major cultic background for temples.
- (C) The author treats Mithila's visual culture as completely disconnected from Janaka, Bengali contact and Madhubani painting.
- (D) Architectural members such as pillars, lintels and capitals are said never to have been found in Mithila.

२०८. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Factors Responsible for Erection of Temples : C. The temple chapter therefore combines history, religion, material culture and environmental constraints. B. The author connects temple construction with the popularity of Śaiva, Vaiṣṇava and Śākta worship. A. The book studies factors responsible for the erection of temples before describing temple types. D. Buddhist and Tantric currents are also acknowledged in Mithila's religious-artistic background. Select the correct order.

- (A) D - B - A - C
- (B) A - B - C - D
- (C) A - D - C - B
- (D) C - B - D - A

२०९. With reference to Factors Responsible for Erection of Temples , consider the following statements: 1. A damp climate and heavy rains contributed to decay of building materials and paintings. 2. The author connects temple construction with the popularity of Śaiva, Vaiṣṇava and Śākta worship. 3. The book studies factors responsible for the erection of temples before describing temple types. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 3 only
- (B) 2 and 3 only
- (C) None
- (D) 1, 2 and 3

२१०. Consider the following pairs related to Factors Responsible for Erection of Temples : 1. Natural calamities — Floods and earthquakes affecting remains 2. Śaiva worship — One major cultic background for temples 3. Vaiṣṇava worship — Mother-goddess cultic strand 4. Karnāṭa period — A period of religious and artistic patronage in Mithila How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only one
- (B) None
- (C) Only three
- (D) All four

Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad

२११. With reference to Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad , consider the following statements: 1. The gumbad type has a constricted neck. 2. The book broadly divides Mithila temples into several types: Bhadra or tier type, hut type, śikhara type, śikhara with ekchari, gumbad type and miscellaneous types. 3. The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 3 only
- (B) 1 and 2 only
- (C) 2 and 3 only
- (D) 2 only

२१२. Consider the following pairs related to Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad : 1. Bhadra or tier type — Orissan-like tiered form with diminishing horizontal tiers 2. Gaur-Pandua — Possible source of influence for gumbad type 3. Śikhara type — Sloped roof truncated at the top 4. Gumbad type — Dome-like type with constricted neck How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) None
- (B) Only three
- (C) All four
- (D) Only one

२१३. Consider the following Assertion–Reason question on Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad : Assertion (A): Gumbad type is linked with Bengal Reason (R): The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way. Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

२१४. With reference to Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.
- (B) The gumbad type is suggested to have possibly originated under the influence of Gaur-Pandua in Bengal.
- (C) The Gaur-Pandua influence is linked with the Sultanates of Bengal in the 14th–15th centuries A.D.
- (D) The hut type has a sloped roof truncated at the top.

२१५. Which one of the following is the best inference from Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad ?

- (A) The Ganeśa images in the list are said to come only from Bengal and not from Bhit-Bhagwanpur or Bhagwatipur.
- (B) The hut type has a sloped roof truncated at the top.
- (C) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.
- (D) The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions.

२१६. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Śikhara type significant in Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad ?

- (A) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.
- (B) The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule.
- (C) Śikhara type is relevant because it is associated with curvilinear tower/spire form.
- (D) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.

२१७. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad : D. gumbad type A. Bhadra or tier type C. śikhara type B. hut type Select the correct order.

- (A) A - C - D - B
- (B) A - B - C - D
- (C) D - B - C - A
- (D) B - C - A - D

२१८. With reference to Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad , consider the following statements: 1. The Ganeśa images in the list are said to come only from Bengal and not from Bhit-Bhagwanpur or Bhagwatipur. 2. The Bhadra or tier type is compared with Orissan temples and consists of horizontal tiers diminishing upwards. 3. The śikhara type is represented at Ahilyasthana. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 and 3 only
- (B) 1 and 3 only
- (C) 1 and 2 only
- (D) 2 only

२१९. Consider the following pairs related to Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad : 1. Gaur-Pandua — Possible source of influence for gumbad type 2. Hut type — Sloped roof truncated at the top 3. Śikhara type — Curvilinear tower/spire form 4. Gumbad type — Possible source of influence for gumbad type How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only three
- (B) All four
- (C) None
- (D) Only one

२२०. Consider the following Assertion–Reason question on Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad : Assertion (A): The hut type has a sloped roof truncated at the top. Reason (R): Gaur-Pandua was a centre of Sultanate activity in the relevant period Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

२२१. With reference to Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The book broadly divides Mithila temples into several types: Bhadra or tier type, hut type, śikhara type, śikhara with ekchari, gumbad type and miscellaneous types.
- (B) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.
- (C) The classification is stylistic, based on surviving and reconstructable forms.
- (D) Śikhara type with ekchari is mentioned at Kalna and Kapileswara.

२२२. Which one of the following is the best inference from Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad ?

- (A) The Bhadra type is said to end with an āmalaka śilā on top with the help of a narrow cylindrical neck.
- (B) The hut type temple is described as a stone pyramid imported from the Deccan with no relation to thatched hut forms.
- (C) The Buddhist references prove that Mithila was always outside every conception of Madhyadeśa and Prācyadeśa.
- (D) The book says medieval Mithila was exclusively Buddhist and had no Śaiva, Vaiṣṇava or Śākta imagery.

२२३. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Hut type significant in Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad ?

- (A) The book says medieval Mithila was exclusively Buddhist and had no Śaiva, Vaiṣṇava or Śākta imagery.
- (B) The volume argues that the name Tirhut is older than all Vedic references and has no relation to Tirabhukti.
- (C) The author holds that stone was abundantly available in Mithila and therefore brick construction was insignificant.
- (D) Hut type is relevant because it is associated with sloped roof truncated at the top.

२२४. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad : C. śikhara type D. gumbad type A. Bhadra or tier type B. hut type Select the correct order.

- (A) D - A - C - B
- (B) D - C - A - B
- (C) C - A - B - D
- (D) A - B - C - D

२२५. With reference to Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad , consider the following statements: 1. The Bhadra or tier type is compared with Orissan temples and consists of horizontal tiers diminishing upwards. 2. The Ahilyasthana temple is presented as a Dravidian vimāna without curvilinear tower features. 3. The author rejects the idea of a local Mithila school during the so-called Pāla period. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 only
- (B) 1 and 2 only
- (C) 1, 2 and 3
- (D) 1 only

२२६. Consider the following pairs related to Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad : 1. Śikhara type — Dome-like type with constricted neck 2. Ekchari — Associated with a variety of śikhara type 3. Bhadra or tier type — Orissan-like tiered form with diminishing horizontal tiers 4. Gaur-Pandua — Possible source of influence for gumbad type How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only two
- (B) Only three
- (C) Only one
- (D) None

२२७. Consider the following Assertion–Reason question on Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad : Assertion (A): Gumbad type is linked with Bengal Reason (R): Gaur-Pandua was a centre of Sultanate activity in the relevant period Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

२२८. With reference to Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The Gaur-Pandua influence is linked with the Sultanates of Bengal in the 14th–15th centuries A.D.
- (B) The sculpture chapter says datable specimens of Mithila sculpture are abundant for the 6th and 7th centuries.
- (C) Śikhara type with ekchari is mentioned at Kalna and Kapileswara.
- (D) The gumbad type has a constricted neck.

२३९. Which one of the following is the best inference from Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad ?

- (A) The book's plates and list of illustrations are irrelevant for art-historical identification.
- (B) The Purāṇic evidence gives no mention of Tirabhukti or any later name connected with Mithila.
- (C) The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building.
- (D) Śikhara type with ekchari is mentioned at Kalna and Kapileswara.

२३०. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Gaur-Pandua significant in Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad ?

- (A) In the book, garbhagṛha is always above the surface and never reached by descending steps.
- (B) The volume argues that the name Tirhut is older than all Vedic references and has no relation to Tirabhukti.
- (C) Gaur-Pandua is relevant because it is associated with possible source of influence for gumbad type.
- (D) The author holds that stone was abundantly available in Mithila and therefore brick construction was insignificant.

२३१. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad : A. Bhadra or tier type D. gumbad type B. hut type C. śikhara type Select the correct order.

- (A) C - D - B - A
- (B) C - B - D - A
- (C) D - C - A - B
- (D) A - B - C - D

२३२. With reference to Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad , consider the following statements: 1. The Bhadra type is said to end with an āmalaka śilā on top with the help of a narrow cylindrical neck. 2. The Viṣṇu images are all assigned by the author to the 18th–19th centuries. 3. The book broadly divides Mithila temples into several types: Bhadra or tier type, hut type, śikhara type, śikhara with ekchari, gumbad type and miscellaneous types. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1, 2 and 3
- (B) 1 and 3 only
- (C) 1 only
- (D) 2 and 3 only

२३३. Consider the following pairs related to Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad : 1. Śikhara type — Curvilinear tower/spire form 2. Bhadra or tier type — Possible source of influence for gumbad type 3. Gumbad type — Dome-like type with constricted neck 4. Ekchari — Associated with a variety of śikhara type How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) None
- (B) Only two
- (C) Only one
- (D) Only three

२३४. Consider the following Assertion–Reason question on Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad : Assertion

(A): Architectural members such as pillars, lintels and capitals are said never to have been found in Mithila. Reason

(R): complete early temples are scarce, so reconstruction needs form-based comparison Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

२३५. With reference to Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The Gaur-Pandua influence is linked with the Sultanates of Bengal in the 14th–15th centuries A.D.
- (B) The classification is stylistic, based on surviving and reconstructable forms.
- (C) The gumbad type is suggested to have possibly originated under the influence of Gaur-Pandua in Bengal.
- (D) The hut type temple is described as a stone pyramid imported from the Deccan with no relation to thatched hut forms.

२३६. Which one of the following is the best inference from Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad ?

- (A) The author rejects the idea of a local Mithila school during the so-called Pāla period.
- (B) The author says Mithila art can be understood without examining temple architecture, sculptures, literature, antiquities or excavated material.
- (C) Śikhara type with ekchari is mentioned at Kalna and Kapileswara.
- (D) The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions.

२३७. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Śikhara type significant in Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad ?

- (A) The Ganeśa images in the list are said to come only from Bengal and not from Bhit-Bhagwanpur or Bhagwatipur.
- (B) Śikhara type is relevant because it is associated with curvilinear tower/spire form.
- (C) The volume argues that the name Tirhut is older than all Vedic references and has no relation to Tirabhukti.
- (D) The sikhara type is described as a flat-roofed form with no vertical tower or curvilinear spire.

२३८. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad : D. gumbad type B. hut type A. Bhadra or tier type C. śikhara type Select the correct order.

- (A) C - A - D - B
- (B) D - C - A - B
- (C) D - A - B - C
- (D) A - B - C - D

२३९. With reference to Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad , consider the following statements: 1. The śikhara type is represented at Ahilyasthana. 2. The Gaur-Pandua influence is linked with the Sultanates of Bengal in the 14th–15th centuries A.D. 3. The Bhadra or tier type is compared with Orissan temples and consists of horizontal tiers diminishing upwards. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 and 3 only
- (B) 1, 2 and 3
- (C) 3 only
- (D) None

२४०. Consider the following pairs related to Temple Types: Bhadra, Hut, Śikhara and Gumbad : 1. Ekchari — Associated with a variety of śikhara type 2. Gaur-Pandua — Possible source of influence for gumbad type 3. Gumbad type — Curvilinear tower/spire form 4. Śikhara type — Curvilinear tower/spire form How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only one
- (B) All four
- (C) None
- (D) Only three

Hut Type and Vernacular Continuity

२४१. With reference to Hut Type and Vernacular Continuity , consider the following statements: 1. The roof base is carved like a segment of a circle to permit rapid drainage of water. 2. The book compares these forms with dochari or chalchala temples of Bengal. 3. The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 only
- (B) 1 and 2 only
- (C) 1, 2 and 3
- (D) 2 only

२४२. Consider the following pairs related to Hut Type and Vernacular Continuity : 1. Thatched hut — Vernacular prototype for hut type 2. Covered verandah — Feature found in some hut-type temples 3. Dochari — Bengal temple roof comparison 4. Rapid drainage — Functional reason for roof shape How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only two
- (B) None
- (C) All four
- (D) Only three

२४३. Consider the following Assertion–Reason question on Hut Type and Vernacular Continuity : Assertion (A): The roof was curved or sloped Reason (R): The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision. Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

२४४. With reference to Hut Type and Vernacular Continuity , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The Ahilyasthana temple is presented as a Dravidian vimāna without curvilinear tower features.
- (B) The roof base is carved like a segment of a circle to permit rapid drainage of water.
- (C) Subsidiary shrines may be kept in dochari temples.
- (D) The sloping roof resisted excessive rainfall and damage from luxuriant vegetation.

२४५. Which one of the following is the best inference from Hut Type and Vernacular Continuity ?

- (A) The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision.
- (B) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.
- (C) In the book, garbhagrha is always above the surface and never reached by descending steps.
- (D) The main Nagara or Indo-Aryan śikhara temple in which the deity is installed may stand adjacent to hut-type forms.

२४६. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Dochari significant in Hut Type and Vernacular Continuity ?

- (A) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.
- (B) The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof.
- (C) Dochari is relevant because it is associated with two-sloped roof form related to hut type.
- (D) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.

२४७. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Hut Type and Vernacular Continuity : A. The main Nagara or Indo-Aryan śikhara temple in which the deity is installed may stand adjacent to hut-type forms. D. Subsidiary shrines may be kept in dochari temples. B. The book compares these forms with dochari or chalchala temples of Bengal. C. A single hut type temple is modelled after dochari with two sloping roofs. Select the correct order.

- (A) C - D - A - B
- (B) B - A - C - D
- (C) B - C - D - A
- (D) A - B - C - D

२४८. With reference to Hut Type and Vernacular Continuity , consider the following statements: 1. The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India. 2. The main Nagara or Indo-Aryan śikhara temple in which the deity is installed may stand adjacent to hut-type forms. 3. The roof base is carved like a segment of a circle to permit rapid drainage of water. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 only
- (B) 2 and 3 only
- (C) 2 only
- (D) 1 and 3 only

२४९. Consider the following pairs related to Hut Type and Vernacular Continuity : 1. Rapid drainage — Functional reason for roof shape 2. Covered verandah — Feature found in some hut-type temples 3. Thatched hut — Vernacular prototype for hut type 4. Dochari — Feature found in some hut-type temples How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only three
- (B) Only two
- (C) All four
- (D) None

२५०. Consider the following Assertion–Reason question on Hut Type and Vernacular Continuity : Assertion (A): The author suggests that the hut type continued from ancient periods down to the present day. Reason (R): rainfall, vegetation and lack of stone favoured sloping roofs Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

२५१. With reference to Hut Type and Vernacular Continuity , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The book compares these forms with dochari or chalchala temples of Bengal.
- (B) The hut type temple is derived from thatched structures grouped under the same form.
- (C) The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images.
- (D) The main Nagara or Indo-Aryan śikhara temple in which the deity is installed may stand adjacent to hut-type forms.

२५२. Which one of the following is the best inference from Hut Type and Vernacular Continuity ?

- (A) The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions.
- (B) The hut type temple is described as a stone pyramid imported from the Deccan with no relation to thatched hut forms.
- (C) The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof.
- (D) The book compares these forms with dochari or chalchala temples of Bengal.

२५३. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Chalchala significant in Hut Type and Vernacular Continuity ?

- (A) The author holds that stone was abundantly available in Mithila and therefore brick construction was insignificant.
- (B) The book says medieval Mithila was exclusively Buddhist and had no Śaiva, Vaiṣṇava or Śākta imagery.
- (C) Chalchala is relevant because it is associated with bengal temple roof comparison.
- (D) The sculpture chapter says datable specimens of Mithila sculpture are abundant for the 6th and 7th centuries.

२५४. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Hut Type and Vernacular Continuity : A. The hut type is considered common in Mithila because of climatic conditions and lack of stone. C. The main Nagara or Indo-Aryan śikhara temple in which the deity is installed may stand adjacent to hut-type forms. B. Some hut-type temples have covered verandahs. D. The hut type temple is derived from thatched structures grouped under the same form. Select the correct order.

- (A) A - B - C - D
- (B) D - C - A - B
- (C) B - C - A - D
- (D) D - B - C - A

२५५. With reference to Hut Type and Vernacular Continuity , consider the following statements: 1. Subsidiary shrines may be kept in dochari temples. 2. The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building. 3. The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 only
- (B) 3 only
- (C) None
- (D) 1 only

२५६. Consider the following pairs related to Hut Type and Vernacular Continuity : 1. Thatched hut — Feature found in some hut-type temples 2. Rapid drainage — Functional reason for roof shape 3. Chalchala — Bengal temple roof comparison 4. Covered verandah — Feature found in some hut-type temples How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only one
- (B) Only two
- (C) Only three
- (D) None

२५७. Consider the following Assertion–Reason question on Hut Type and Vernacular Continuity : Assertion (A): The roof was curved or sloped Reason (R): rapid drainage helped protect the structure Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

२५८. With reference to Hut Type and Vernacular Continuity , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The author suggests that the hut type continued from ancient periods down to the present day.
- (B) The hut type temple is described as a stone pyramid imported from the Deccan with no relation to thatched hut forms.
- (C) The book compares these forms with dochari or chalchala temples of Bengal.
- (D) The main Nagara or Indo-Aryan śikhara temple in which the deity is installed may stand adjacent to hut-type forms.

२५९. Which one of the following is the best inference from Hut Type and Vernacular Continuity ?

- (A) The book denies any Tantric association with Mithila's religious-artistic culture.
- (B) The Ganeśa images in the list are said to come only from Bengal and not from Bhit-Bhagwanpur or Bhagwatipur.
- (C) The text states that floods, earthquakes and damp climate helped preserve Mithila's monuments in perfect condition.
- (D) Some hut-type temples have covered verandahs.

२६०. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Rapid drainage significant in Hut Type and Vernacular Continuity ?

- (A) Rapid drainage is relevant because it is associated with functional reason for roof shape.
- (B) The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions.
- (C) The sikhara type is described as a flat-roofed form with no vertical tower or curvilinear spire.
- (D) The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule.

२६१. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Hut Type and Vernacular Continuity : D. The hut type temple is derived from thatched structures grouped under the same form. B. The sloping roof resisted excessive rainfall and damage from luxuriant vegetation. A. The author suggests that the hut type continued from ancient periods down to the present day. C. The book compares these forms with dochari or chachala temples of Bengal. Select the correct order.

- (A) A - C - B - D
- (B) C - B - D - A
- (C) D - C - A - B
- (D) A - B - C - D

२६२. With reference to Hut Type and Vernacular Continuity , consider the following statements: 1. Subsidiary shrines may be kept in dochari temples. 2. The volume argues that the name Tirhut is older than all Vedic references and has no relation to Tirabhukti. 3. The roof base is carved like a segment of a circle to permit rapid drainage of water. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 3 only
- (B) 1 only
- (C) 2 only
- (D) 3 only

२६३. Consider the following pairs related to Hut Type and Vernacular Continuity : 1. Dochari — Two-sloped roof form related to hut type 2. Thatched hut — Feature found in some hut-type temples 3. Rapid drainage — Functional reason for roof shape 4. Covered verandah — Feature found in some hut-type temples How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only two
- (B) Only three
- (C) All four
- (D) Only one

२६४. Consider the following Assertion–Reason question on Hut Type and Vernacular Continuity : Assertion (A): In the book, garbhagrha is always above the surface and never reached by descending steps. Reason (R): rapid drainage helped protect the structure Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

२६५. With reference to Hut Type and Vernacular Continuity , which one of the following statements is not correct ?

- (A) Some hut-type temples have covered verandahs.
- (B) The Ahilyasthana temple is presented as a Dravidian vimāna without curvilinear tower features.
- (C) The main Nagara or Indo-Aryan śikhara temple in which the deity is installed may stand adjacent to hut-type forms.
- (D) The roof base is carved like a segment of a circle to permit rapid drainage of water.

२६६. Which one of the following is the best inference from Hut Type and Vernacular Continuity ?

- (A) The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision.
- (B) The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking.
- (C) The Ahilyasthana temple is presented as a Dravidian vimāna without curvilinear tower features.
- (D) The sloping roof resisted excessive rainfall and damage from luxuriant vegetation.

२६७. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Dochari significant in Hut Type and Vernacular Continuity ?

- (A) The sculpture chapter says datable specimens of Mithila sculpture are abundant for the 6th and 7th centuries.
- (B) Dochari is relevant because it is associated with two-sloped roof form related to hut type.
- (C) The author treats Mithila's visual culture as completely disconnected from Janaka, Bengali contact and Madhubani painting.
- (D) The Purāṇic evidence gives no mention of Tirabhukti or any later name connected with Mithila.

२६८. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Hut Type and Vernacular Continuity : B. The sloping roof resisted excessive rainfall and damage from luxuriant vegetation. A. The main Nagara or Indo-Aryan śikhara temple in which the deity is installed may stand adjacent to hut-type forms. C. The hut type temple is derived from thatched structures grouped under the same form. D. The hut type is considered common in Mithila because of climatic conditions and lack of stone. Select the correct order.

- (A) B - A - C - D
- (B) A - B - C - D
- (C) A - D - C - B
- (D) B - D - C - A

२६९. With reference to Hut Type and Vernacular Continuity , consider the following statements: 1. A single hut type temple is modelled after dochari with two sloping roofs. 2. The roof base is carved like a segment of a circle to permit rapid drainage of water. 3. The main Nagara or Indo-Aryan śikhara temple in which the deity is installed may stand adjacent to hut-type forms. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 2 only
- (B) 1 and 3 only
- (C) 1 only
- (D) 1, 2 and 3

२७०. Consider the following pairs related to Hut Type and Vernacular Continuity : 1. Rapid drainage — Functional reason for roof shape 2. Chalchala — Bengal temple roof comparison 3. Thatched hut — Bengal temple roof comparison 4. Dochari — Two-sloped roof form related to hut type How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) All four
- (B) Only three
- (C) Only one
- (D) Only two

Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior

२७१. With reference to Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior , consider the following statements: 1. Examples are mentioned at Shankarasthana near Lohana road and Mahadeva Math at Gajahara. 2. The combination of hut and śikhara type side by side is described as not rare. 3. The sculpture chapter says datable specimens of Mithila sculpture are abundant for the 6th and 7th centuries. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 2 only
- (B) None
- (C) 2 only
- (D) 1, 2 and 3

२७२. Consider the following pairs related to Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior : 1. Gajahara — Site of Mahadeva Math example 2. Garbhagrha — Sanctum, sometimes below surface in Mithila temples 3. Shankarasthana — Sanctum, sometimes below surface in Mithila temples 4. Andhra Tharhi — Site used to infer use of corbelled arches How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) All four
- (B) None
- (C) Only three
- (D) Only two

२७३. Consider the following Assertion–Reason question on Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior : Assertion (A): Stone temples are rare Reason (R): In the book, garbhagrha is always above the surface and never reached by descending steps. Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

२७४. With reference to Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior , which one of the following statements is not correct ?

- (A) In the book, garbhagrha is always above the surface and never reached by descending steps.
- (B) The outer surface of the temple is often plain.
- (C) The upper portion may be built of a thatched hut.
- (D) Stone temples are described as very rare in Mithila.

२७५. Which one of the following is the best inference from Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior ?

- (A) The book denies any Tantric association with Mithila's religious-artistic culture.
- (B) The author holds that stone was abundantly available in Mithila and therefore brick construction was insignificant.
- (C) In many ancient Śiva temples of Mithila, the garbhagrha is below the surface.
- (D) Architectural members such as pillars, lintels and capitals are said never to have been found in Mithila.

२७६. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Gajahara significant in Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior ?

- (A) Architectural members such as pillars, lintels and capitals are said never to have been found in Mithila.
- (B) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.
- (C) The book denies any Tantric association with Mithila's religious-artistic culture.
- (D) Gajahara is relevant because it is associated with site of mahadeva math example.

२७७. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior : D. The earliest stone temple evidence is linked with a stone door-jamb found at Bhit-Bhagwanpur in Madhubani district. C. The outer surface of the temple is often plain. B. In many ancient Śiva temples of Mithila, the garbhagrha is below the surface. A. The upper portion may be built of a thatched hut.

Select the correct order.

- (A) D - C - A - B
- (B) B - A - D - C
- (C) A - B - C - D
- (D) A - D - C - B

२७८. With reference to Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior , consider the following statements: 1. The book denies any Tantric association with Mithila's religious-artistic culture. 2. Examples are mentioned at Shankarasthana near Lohana road and Mahadeva Math at Gajahara. 3. The outer surface of the temple is often plain. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 and 3 only
- (B) None
- (C) 2 only
- (D) 1 and 2 only

२७९. Consider the following pairs related to Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior : 1. Bhit-Bhagwanpur — Site of important stone door-jamb 2. Andhra Tharhi — Site used to infer use of corbelled arches 3. Jorbangala and Vishnupur — Bengal comparison for decoration 4. Shankarasthana — Site of Mahadeva Math example How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) None
- (B) All four
- (C) Only three
- (D) Only two

२८०. Consider the following Assertion–Reason question on Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior : Assertion (A): Neither interior nor exterior decoration need be as elaborate as at Jorbangala or Vishnupur in Bengal. Reason (R): the region lacked suitable stone and relied on more vulnerable materials Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

२८१. With reference to Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior , which one of the following statements is not correct ?

- (A) A below-surface garbhagrha can be reached by a descending flight of steps.
- (B) The combination of hut and śikhara type side by side is described as not rare.
- (C) In the book, garbhagrha is always above the surface and never reached by descending steps.
- (D) The outer surface of the temple is often plain.

२८२. Which one of the following is the best inference from Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior ?

- (A) The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images.
- (B) The book says medieval Mithila was exclusively Buddhist and had no Śaiva, Vaiṣṇava or Śākta imagery.
- (C) The book's plates and list of illustrations are irrelevant for art-historical identification.
- (D) Examples are mentioned at Shankarasthana near Lohana road and Mahadeva Math at Gajahara.

२८३. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Shankarasthana significant in Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior ?

- (A) The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof.
- (B) The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking.
- (C) The author says Mithila art can be understood without examining temple architecture, sculptures, literature, antiquities or excavated material.
- (D) Shankarasthana is relevant because it is associated with example near lohana road.

२८४. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior : A. Neither interior nor exterior decoration need be as elaborate as at Jorbangala or Vishnupur in Bengal. C. The outer surface of the temple is often plain. B. A below-surface garbhagrha can be reached by a descending flight of steps. D. The combination of hut and śikhara type side by side is described as not rare. Select the correct order.

- (A) A - B - C - D
- (B) C - D - A - B
- (C) C - B - D - A
- (D) B - D - A - C

२८५. With reference to Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior , consider the following statements: 1. The outer surface of the temple is often plain. 2. The sikhara type is described as a flat-roofed form with no vertical tower or curvilinear spire. 3. The Buddhist references prove that Mithila was always outside every conception of Madhyadeśa and Prācyadeśa. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 only
- (B) None
- (C) 1 and 3 only
- (D) 1 only

२८६. Consider the following pairs related to Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior : 1. Bhit-Bhagwanpur — Bengal comparison for decoration 2. Gajahara — Site of Mahadeva Math example 3. Andhra Tharhi — Site used to infer use of corbelled arches 4. Jorbangala and Vishnupur — Bengal comparison for decoration How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) All four
- (B) Only three
- (C) Only one
- (D) Only two

२८७. Consider the following Assertion–Reason question on Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior : Assertion (A): Stone temples are rare Reason (R): the region lacked suitable stone and relied on more vulnerable materials Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

२८८. With reference to Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The plates show no Sūrya images from Nahar-Bhagwatipur or Bhadrakali Mandir.
- (B) From the Andhra Tharhi temple the author infers that Maithila builders used corbelled arches wherever necessary.
- (C) The earliest stone temple evidence is linked with a stone door-jamb found at Bhit-Bhagwanpur in Madhubani district.
- (D) A below-surface garbhagrha can be reached by a descending flight of steps.

२८९. Which one of the following is the best inference from Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior ?

- (A) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.
- (B) The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking.
- (C) The book's plates and list of illustrations are irrelevant for art-historical identification.
- (D) Examples are mentioned at Shankarasthana near Lohana road and Mahadeva Math at Gajahara.

२९०. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Garbhagrha significant in Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior ?

- (A) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.
- (B) Garbhagrha is relevant because it is associated with sanctum, sometimes below surface in mithila temples.
- (C) In the book, garbhagrha is always above the surface and never reached by descending steps.
- (D) The book says medieval Mithila was exclusively Buddhist and had no Śaiva, Vaiṣṇava or Śākta imagery.

२९१. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior : B. A below-surface garbhagrha can be reached by a descending flight of steps. A. The earliest stone temple evidence is linked with a stone door-jamb found at Bhit-Bhagwanpur in Madhubani district. C. Neither interior nor exterior decoration need be as elaborate as at Jorbangala or Vishnupur in Bengal. D. From the Andhra Tharhi temple the author infers that Maithila builders used corbelled arches wherever necessary. Select the correct order.

- (A) A - D - C - B
- (B) A - D - B - C
- (C) C - A - B - D
- (D) A - B - C - D

२९२. With reference to Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior , consider the following statements: 1. From the Andhra Tharhi temple the author infers that Maithila builders used corbelled arches wherever necessary. 2. The Buddhist references prove that Mithila was always outside every conception of Madhyadeśa and Prācyadeśa. 3. The earliest stone temple evidence is linked with a stone door-jamb found at Bhit-Bhagwanpur in Madhubani district. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 and 3 only
- (B) 1 and 3 only
- (C) 1 only
- (D) 1 and 2 only

२९३. Consider the following pairs related to Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior : 1. Garbhagrha — Sanctum, sometimes below surface in Mithila temples 2. Shankarasthana — Site used to infer use of corbelled arches 3. Gajahara — Site of Mahadeva Math example 4. Bhit-Bhagwanpur — Site of important stone door-jamb How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only three
- (B) None
- (C) Only one
- (D) Only two

२९४. Consider the following Assertion–Reason question on Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior : Assertion (A): The plate list excludes sites in Madhubani and Darbhanga districts. Reason (R): some ancient Śiva temples in Mithila use descending steps Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

२९६. With reference to Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior , which one of the following statements is not correct ?

- (A) From the Andhra Tharhi temple the author infers that Maithila builders used corbelled arches wherever necessary.
- (B) The upper portion may be built of a thatched hut.
- (C) The outer surface of the temple is often plain.
- (D) The author says Mithila art can be understood without examining temple architecture, sculptures, literature, antiquities or excavated material.

२९७. Which one of the following is the best inference from Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior ?

- (A) The author rejects the idea of a local Mithila school during the so-called Pāla period.
- (B) The combination of hut and śikhara type side by side is described as not rare.
- (C) The plates show no Sūrya images from Nahar-Bhagwatipur or Bhadrakali Mandir.
- (D) The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way.

२९८. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Gajahara significant in Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior ?

- (A) Architectural members such as pillars, lintels and capitals are said never to have been found in Mithila.
- (B) Gajahara is relevant because it is associated with site of mahadeva math example.
- (C) The sculpture chapter says datable specimens of Mithila sculpture are abundant for the 6th and 7th centuries.
- (D) The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule.

२९९. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior : A. The earliest stone temple evidence is linked with a stone door-jamb found at Bhit-Bhagwanpur in Madhubani district. C. Examples are mentioned at Shankarasthana near Lohana road and Mahadeva Math at Gajahara. D. The outer surface of the temple is often plain. B. In many ancient Śiva temples of Mithila, the garbhagrha is below the surface. Select the correct order.

- (A) A - B - C - D
- (B) B - A - C - D
- (C) D - B - C - A
- (D) B - D - C - A

३००. With reference to Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior , consider the following statements: 1. A below-surface garbhagrha can be reached by a descending flight of steps. 2. Neither interior nor exterior decoration need be as elaborate as at Jorbangala or Vishnupur in Bengal. 3. The outer surface of the temple is often plain. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1, 2 and 3
- (B) 2 only
- (C) 3 only
- (D) None

३०१. Consider the following pairs related to Śikhara Type, Garbhagrha and Temple Interior : 1. Shankarasthana — Example near Lohana road 2. Bhit-Bhagwanpur — Site of important stone door-jamb 3. Garbhagrha — Site used to infer use of corbelled arches 4. Andhra Tharhi — Site used to infer use of corbelled arches How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) None
- (B) Only three
- (C) Only two
- (D) All four

Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction

३०१. With reference to Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction , consider the following statements: 1. The development of the śikhara or curvilinear spire is difficult to trace from the surviving evidence. 2. The piece helps reconstruct devotional performance through songs and dances around temples. 3. The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1, 2 and 3
- (B) 2 and 3 only
- (C) 2 only
- (D) 1 and 2 only

३०२. Consider the following pairs related to Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction : 1. Bhit-Bhagwanpur — Key site for reconstructed door-jamb and temple 2. Door-jamb — Important architectural member used in reconstruction 3. Kalasa — Key site for reconstructed door-jamb and temple 4. Khapuri — Part of mastaka in the reconstructed form How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only one
- (B) Only three
- (C) Only two
- (D) All four

३०३. Consider the following Assertion–Reason question on Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction : Assertion (A): The Bhit-Bhagwanpur door-jamb is central Reason (R): The plate list excludes sites in Madhubani and Darbhanga districts. Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

३०४. With reference to Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The author suggests that some detached sculptures may have belonged to early temples now lost.
- (B) The development of the śikhara or curvilinear spire is difficult to trace from the surviving evidence.
- (C) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.
- (D) The piece helps reconstruct devotional performance through songs and dances around temples.

३०५. Which one of the following is the best inference from Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction ?

- (A) The sculpture chapter says datable specimens of Mithila sculpture are abundant for the 6th and 7th centuries.
- (B) The complete reconstruction remains cautious because no complete temple picture has survived.
- (C) The Bhit-Bhagwanpur door-jamb is treated as insignificant because it has no ornamental rows or iconographic details.
- (D) In the book, garbhagrha is always above the surface and never reached by descending steps.

३०६. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Khapuri significant in Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction ?

- (A) The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building.
- (B) Khapuri is relevant because it is associated with part of mastaka in the reconstructed form.
- (C) The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions.
- (D) The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking.

३०७. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction : A. The piece helps reconstruct devotional performance through songs and dances around temples. B. The complete reconstruction remains cautious because no complete temple picture has survived. C. The author suggests that some detached sculptures may have belonged to early temples now lost. D. The facade of the little-known temple at Bhit-Bhagwanpur is treated as an example of ornamental style. Select the correct order.

- (A) A - B - C - D
- (B) A - D - B - C
- (C) B - D - C - A
- (D) B - A - D - C

३०८. With reference to Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction , consider the following statements: 1. The book denies any Tantric association with Mithila's religious-artistic culture. 2. The facade is described as having floral and geometric designs. 3. A door-jamb sculpture from Bhit-Bhagwanpur is used to reconstruct a temple form. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 only
- (B) None
- (C) 2 and 3 only
- (D) 3 only

३०९. Consider the following pairs related to Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction : 1. Bhit-Bhagwanpur — Key site for reconstructed door-jamb and temple 2. Beki — Part of mastaka 3. Kalasa — Part of mastaka in the reconstructed form 4. Khapuri — Part of mastaka How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only two
- (B) Only one
- (C) Only three
- (D) None

३१०. Consider the following Assertion–Reason question on Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction : Assertion (A): The Buddhists may have tried to raise roof forms higher, encouraging growth of the śikhara style.

Reason (R): it preserves decorative and structural clues for reconstruction Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

३११. With reference to Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The development of the śikhara or curvilinear spire is difficult to trace from the surviving evidence.
- (B) The facade of the little-known temple at Bhit-Bhagwanpur is treated as an example of ornamental style.
- (C) The complete reconstruction remains cautious because no complete temple picture has survived.
- (D) The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof.

३१२. Which one of the following is the best inference from Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction ?

- (A) The Ganeśa images in the list are said to come only from Bengal and not from Bhit-Bhagwanpur or Bhagwatipur.
- (B) The facade is described as having floral and geometric designs.
- (C) The Bhit-Bhagwanpur door-jamb is treated as insignificant because it has no ornamental rows or iconographic details.
- (D) In the book, garbhagṛha is always above the surface and never reached by descending steps.

३१३. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Bhit-Bhagwanpur significant in Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction ?

- (A) The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule.
- (B) The sculpture chapter says datable specimens of Mithila sculpture are abundant for the 6th and 7th centuries.
- (C) Bhit-Bhagwanpur is relevant because it is associated with key site for reconstructed door-jamb and temple.
- (D) The author treats Mithila's visual culture as completely disconnected from Janaka, Bengali contact and Madhubani painting.

३१४. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction : B. The author suggests that some detached sculptures may have belonged to early temples now lost. A. The facade is described as having floral and geometric designs. C. The development of the śikhara or curvilinear spire is difficult to trace from the surviving evidence. D. The piece helps reconstruct devotional performance through songs and dances around temples. Select the correct order.

- (A) A - B - C - D
- (B) D - A - C - B
- (C) A - D - B - C
- (D) D - B - A - C

३१५. With reference to Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction , consider the following statements: 1. The facade is described as having floral and geometric designs. 2. The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images. 3. The Viṣṇu images are all assigned by the author to the 18th–19th centuries. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1, 2 and 3
- (B) 2 and 3 only
- (C) 1 only
- (D) 3 only

३१६. Consider the following pairs related to Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction : 1. Khapuri — Key site for reconstructed door-jamb and temple 2. Āmla — Part of mastaka 3. Door-jamb — Important architectural member used in reconstruction 4. Bhit-Bhagwanpur — Key site for reconstructed door-jamb and temple How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only one
- (B) None
- (C) Only two
- (D) Only three

३१७. Consider the following Assertion–Reason question on Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction : Assertion (A): The reconstruction is cautious Reason (R): complete temple images are not available Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

३१८. With reference to Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The complete reconstruction remains cautious because no complete temple picture has survived.
- (B) The Buddhists may have tried to raise roof forms higher, encouraging growth of the śikhara style.
- (C) The author suggests that some detached sculptures may have belonged to early temples now lost.
- (D) The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times.

३१९. Which one of the following is the best inference from Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction ?

- (A) A door-jamb sculpture from Bhit-Bhagwanpur is used to reconstruct a temple form.
- (B) The sculpture chapter says datable specimens of Mithila sculpture are abundant for the 6th and 7th centuries.
- (C) The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way.
- (D) The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times.

३२०. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Beki significant in Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction ?

- (A) Beki is relevant because it is associated with part of mastaka.
- (B) The author treats Mithila's visual culture as completely disconnected from Janaka, Bengali contact and Madhubani painting.
- (C) The sikhara type is described as a flat-roofed form with no vertical tower or curvilinear spire.
- (D) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.

३२१. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction : D. The Bhit-Bhagwanpur piece includes kalasa, khapuri, āmla and beki among the four parts of the mastaka. A. The development of the śikhara or curvilinear spire is difficult to trace from the surviving evidence. B. The facade of the little-known temple at Bhit-Bhagwanpur is treated as an example of ornamental style. C. The facade is described as having floral and geometric designs. Select the correct order.

- (A) C - B - A - D
- (B) D - A - B - C
- (C) D - B - A - C
- (D) A - B - C - D

३२२. With reference to Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction , consider the following statements: 1. The Bhit-Bhagwanpur piece includes kalasa, khapuri, āmla and beki among the four parts of the mastaka. 2. The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times. 3. The door-jambs contain representations of women and decorative figures. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1, 2 and 3
- (B) 1 and 3 only
- (C) None
- (D) 1 only

३२३. Consider the following pairs related to Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction : 1. Āmla — Part of mastaka 2. Door-jamb — Part of mastaka in the reconstructed form 3. Beki — Part of mastaka 4. Khapuri — Part of mastaka in the reconstructed form How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only two
- (B) Only three
- (C) None
- (D) All four

३२४. Consider the following Assertion–Reason question on Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction :

Assertion (A): The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way.

Reason (R): complete temple images are not available Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

३२५. With reference to Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The facade is described as having floral and geometric designs.
- (B) The plate list excludes sites in Madhubani and Darbhanga districts.
- (C) The piece helps reconstruct devotional performance through songs and dances around temples.
- (D) The Buddhists may have tried to raise roof forms higher, encouraging growth of the śikhara style.

३२६. Which one of the following is the best inference from Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction ?

- (A) The facade is described as having floral and geometric designs.
- (B) The book denies any Tantric association with Mithila's religious-artistic culture.
- (C) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.
- (D) Architectural members such as pillars, lintels and capitals are said never to have been found in Mithila.

३२७. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Beki significant in Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction ?

- (A) Beki is relevant because it is associated with part of mastaka.
- (B) The book's plates and list of illustrations are irrelevant for art-historical identification.
- (C) The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way.
- (D) The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions.

३२८. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction : C. The Buddhists may have tried to raise roof forms higher, encouraging growth of the śikhara style. A. The facade is described as having floral and geometric designs. B. The piece helps reconstruct devotional performance through songs and dances around temples. D. The complete reconstruction remains cautious because no complete temple picture has survived. Select the correct order.

- (A) B - A - D - C
- (B) D - B - C - A
- (C) C - B - D - A
- (D) A - B - C - D

३२९. With reference to Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction , consider the following statements: 1. A door-jamb sculpture from Bhit-Bhagwanpur is used to reconstruct a temple form. 2. The facade of the little-known temple at Bhit-Bhagwanpur is treated as an example of ornamental style. 3. The piece helps reconstruct devotional performance through songs and dances around temples. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 3 only
- (B) 2 only
- (C) 1 and 2 only
- (D) 1, 2 and 3

३३०. Consider the following pairs related to Temple Door-Jamb and Bhit-Bhagwanpur Reconstruction : 1. Āmla — Part of mastaka 2. Bhit-Bhagwanpur — Key site for reconstructed door-jamb and temple 3. Khapuri — Part of mastaka 4. Kalasa — Part of mastaka in the reconstructed form How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only two
- (B) Only three
- (C) None
- (D) Only one

Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels

३३१. With reference to Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels , consider the following statements: 1. The common and simple type of pillar is divided into base, shaft and capital. 2. These architectural members testify to the grandeur and grace of vanished edifices. 3. The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 and 3 only
- (B) 3 only
- (C) 1 and 3 only
- (D) 1 and 2 only

३३२. Consider the following pairs related to Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels : 1. Lintel — Horizontal member over jambs 2. Chandradhari Museum — Darbhanga museum preserving pillars 3. Door frame — Site with large recovered door frames 4. Pillar — Architectural member with base, shaft and capital How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) All four
- (B) Only three
- (C) None
- (D) Only one

३३३. Consider the following Assertion–Reason question on Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels : Assertion (A): Architectural fragments are important Reason (R): The Viṣṇu images are all assigned by the author to the 18th–19th centuries. Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

३३४. With reference to Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels , which one of the following statements is not correct ?

- (A) Such members were fashioned either in wood or stone.
- (B) The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times.
- (C) Stone specimens survived more commonly because of their durability.
- (D) The next important stone member is the temple door frame made of upright jambs capped by a lintel.

३३५. Which one of the following is the best inference from Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels ?

- (A) The common and simple type of pillar is divided into base, shaft and capital.
- (B) The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way.
- (C) The volume argues that the name Tirhut is older than all Vedic references and has no relation to Tirabhukti.
- (D) The sikhara type is described as a flat-roofed form with no vertical tower or curvilinear spire.

३३६. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Bhit-Bhagwanpur significant in Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels ?

- (A) Bhit-Bhagwanpur is relevant because it is associated with site with large recovered door frames.
- (B) The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way.
- (C) The text states that floods, earthquakes and damp climate helped preserve Mithila's monuments in perfect condition.
- (D) The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times.

३३७. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels : D. These architectural members testify to the grandeur and grace of vanished edifices. A. Stone specimens survived more commonly because of their durability. C. Many pillars are preserved in the Chandradhari Museum, Darbhanga. B. Architectural members such as pillars and door frames lie scattered throughout ancient Mithila sites. Select the correct order.

- (A) A - B - C - D
- (B) D - A - B - C
- (C) C - D - A - B
- (D) A - D - C - B

३३८. With reference to Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels , consider the following statements: 1. The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images. 2. Immense door frames have been recovered from Bhit-Bhagwanpur in Madhubani district. 3. Complete sets of door frames are rare, but individual jambs and lintels are found in different parts of Mithila. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 only
- (B) 2 and 3 only
- (C) 1 and 2 only
- (D) 1 and 3 only

३३९. Consider the following pairs related to Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels : 1. Lintel — Horizontal member over jambs 2. Pāla period — Period linked with decorated stone members 3. Door frame — Pair of upright jambs capped by lintel 4. Pillar — Pair of upright jambs capped by lintel How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only one
- (B) All four
- (C) Only three
- (D) Only two

३४०. Consider the following Assertion–Reason question on Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels : Assertion (A): Immense door frames have been recovered from Bhit-Bhagwanpur in Madhubani district. Reason (R): they testify to vanished buildings whose full forms no longer remain Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

३४१. With reference to Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The sikhara type is described as a flat-roofed form with no vertical tower or curvilinear spire.
- (B) Many pillars are preserved in the Chandradhari Museum, Darbhanga.
- (C) Architectural members such as pillars and door frames lie scattered throughout ancient Mithila sites.
- (D) These architectural members testify to the grandeur and grace of vanished edifices.

३४२. Which one of the following is the best inference from Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels ?

- (A) In the book, garbhagha is always above the surface and never reached by descending steps.
- (B) The next important stone member is the temple door frame made of upright jambs capped by a lintel.
- (C) The author holds that stone was abundantly available in Mithila and therefore brick construction was insignificant.
- (D) Architectural members such as pillars, lintels and capitals are said never to have been found in Mithila.

३४३. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Chandradhari Museum significant in Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels ?

- (A) The author holds that stone was abundantly available in Mithila and therefore brick construction was insignificant.
- (B) Chandradhari Museum is relevant because it is associated with darbhanga museum preserving pillars.
- (C) The book says medieval Mithila was exclusively Buddhist and had no Śaiva, Vaiṣṇava or Śākta imagery.
- (D) The hut type temple is described as a stone pyramid imported from the Deccan with no relation to thatched hut forms.

३४४. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels : D. Stone specimens survived more commonly because of their durability. A. The common and simple type of pillar is divided into base, shaft and capital. C. Such members were fashioned either in wood or stone. B. The next important stone member is the temple door frame made of upright jambs capped by a lintel. Select the correct order.

- (A) A - B - C - D
- (B) C - A - B - D
- (C) C - D - B - A
- (D) D - A - C - B

३४५. With reference to Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels , consider the following statements: 1. Such members were fashioned either in wood or stone. 2. The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building. 3. The book's plates and list of illustrations are irrelevant for art-historical identification. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 only
- (B) None
- (C) 1 only
- (D) 3 only

३४६. Consider the following pairs related to Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels : 1. Pāla period — Pair of upright jambs capped by lintel 2. Chandradhari Museum — Darbhanga museum preserving pillars 3. Lintel — Horizontal member over jambs 4. Bhit-Bhagwanpur — Site with large recovered door frames How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only two
- (B) All four
- (C) Only three
- (D) Only one

३४७. Consider the following Assertion–Reason question on Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels : Assertion (A): Stone members survive more often Reason (R): stone is more durable than wood Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

३४८. With reference to Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels , which one of the following statements is not correct ?

- (A) These architectural members testify to the grandeur and grace of vanished edifices.
- (B) The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images.
- (C) Immense door frames have been recovered from Bhit-Bhagwanpur in Madhubani district.
- (D) The common and simple type of pillar is divided into base, shaft and capital.

३४९. Which one of the following is the best inference from Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels ?

- (A) Architectural members such as pillars and door frames lie scattered throughout ancient Mithila sites.
- (B) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.
- (C) The text states that floods, earthquakes and damp climate helped preserve Mithila's monuments in perfect condition.
- (D) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.

३५०. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Pāla period significant in Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels ?

- (A) The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision.
- (B) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.
- (C) Pāla period is relevant because it is associated with period linked with decorated stone members.
- (D) The book says medieval Mithila was exclusively Buddhist and had no Śaiva, Vaiṣṇava or Śākta imagery.

३५१. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels : B. The next important stone member is the temple door frame made of upright jambs capped by a lintel. A. The common and simple type of pillar is divided into base, shaft and capital. D. Immense door frames have been recovered from Bhit-Bhagwanpur in Madhubani district. C. Many pillars are preserved in the Chandradhari Museum, Darbhanga. Select the correct order.

- (A) B - C - D - A
- (B) A - B - C - D
- (C) C - B - A - D
- (D) D - C - B - A

३५२. With reference to Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels , consider the following statements: 1. Artists, especially of the Pāla period, covered these members with elaborate decorations. 2. The author says Mithila art can be understood without examining temple architecture, sculptures, literature, antiquities or excavated material. 3. Architectural members such as pillars and door frames lie scattered throughout ancient Mithila sites. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) None
- (B) 1 only
- (C) 1, 2 and 3
- (D) 1 and 3 only

३५३. Consider the following pairs related to Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels : 1. Lintel — Horizontal member over jambs 2. Bhit-Bhagwanpur — Architectural member with base, shaft and capital 3. Pāla period — Period linked with decorated stone members 4. Pillar — Architectural member with base, shaft and capital How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only two
- (B) Only one
- (C) All four
- (D) Only three

३५४. Consider the following Assertion–Reason question on Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels : Assertion (A): The Ahilyasthana temple is presented as a Dravidian vimāna without curvilinear tower features. Reason (R): they testify to vanished buildings whose full forms no longer remain Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

३५५. With reference to Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels , which one of the following statements is not correct ?

- (A) Stone specimens survived more commonly because of their durability.
- (B) The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images.
- (C) Immense door frames have been recovered from Bhit-Bhagwanpur in Madhubani district.
- (D) These architectural members testify to the grandeur and grace of vanished edifices.

३५६. Which one of the following is the best inference from Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels ?

- (A) The Bhit-Bhagwanpur door-jamb is treated as insignificant because it has no ornamental rows or iconographic details.
- (B) The next important stone member is the temple door frame made of upright jambs capped by a lintel.
- (C) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.
- (D) The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision.

३५७. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Chandradhari Museum significant in Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels ?

- (A) Chandradhari Museum is relevant because it is associated with darbhanga museum preserving pillars.
- (B) The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking.
- (C) In the book, garbhagṛha is always above the surface and never reached by descending steps.
- (D) The plate list excludes sites in Madhubani and Darbhanga districts.

३५८. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels : D. These architectural members testify to the grandeur and grace of vanished edifices. B. Many pillars are preserved in the Chandradhari Museum, Darbhanga. C. Artists, especially of the Pāla period, covered these members with elaborate decorations. A. Architectural members such as pillars and door frames lie scattered throughout ancient Mithila sites. Select the correct order.

- (A) C - D - B - A
- (B) C - B - A - D
- (C) C - A - B - D
- (D) A - B - C - D

३५९. With reference to Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels , consider the following statements: 1. Many pillars are preserved in the Chandradhari Museum, Darbhanga. 2. Stone specimens survived more commonly because of their durability. 3. Complete sets of door frames are rare, but individual jambs and lintels are found in different parts of Mithila. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 and 3 only
- (B) 1 only
- (C) 3 only
- (D) 1, 2 and 3

३६०. Consider the following pairs related to Architectural Members: Pillars, Door Frames and Lintels : 1. Pāla period — Period linked with decorated stone members 2. Lintel — Horizontal member over jambs 3. Bhit-Bhagwanpur — Pair of upright jambs capped by lintel 4. Door frame — Pair of upright jambs capped by lintel How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only one
- (B) None
- (C) Only three
- (D) All four

Sculpture: Dating, Local School and Religious Background

३६१. With reference to Sculpture: Dating, Local School and Religious Background , consider the following statements: 1. The sculpture section says art and architecture in ancient India almost invariably went hand in hand. 2. Viṣṇu and Śiva cults became popular during these periods. 3. The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 3 only
- (B) 1 and 2 only
- (C) None
- (D) 1, 2 and 3

३६२. Consider the following pairs related to Sculpture: Dating, Local School and Religious Background : 1. Karnāṭa — Patronage period of Brahmanical culture 2. Oinivāra — Patronage period of Brahmanical culture 3. 800–1200 A.D. — Period with very few definitely datable specimens 4. Pāla period — Period associated with a local Mithila school How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) All four
- (B) None
- (C) Only two
- (D) Only three

३६३. Consider the following Assertion–Reason question on Sculpture: Dating, Local School and Religious Background : Assertion (A): Early sculpture is hard to date Reason (R): The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book. Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

३६४. With reference to Sculpture: Dating, Local School and Religious Background , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions.
- (B) Brahmanical culture gained strength in the Karnāṭa and Oinivāra periods.
- (C) The local Mithila school developed its own characteristics.
- (D) The sculpture section says art and architecture in ancient India almost invariably went hand in hand.

३६५. Which one of the following is the best inference from Sculpture: Dating, Local School and Religious Background ?

- (A) The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule.
- (B) The Purāṇic evidence gives no mention of Tirabhukti or any later name connected with Mithila.
- (C) The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions.
- (D) The local Mithila school developed its own characteristics.

३६६. In a source-evidence based UPSC question, why is the item 800–1200 A.D. significant in Sculpture: Dating, Local School and Religious Background ?

- (A) 800–1200 A.D. is relevant because it is associated with approximate ancient hindu period range used in the text.
- (B) The Ahilyasthana temple is presented as a Dravidian vimāna without curvilinear tower features.
- (C) The volume argues that the name Tirhut is older than all Vedic references and has no relation to Tirabhukti.
- (D) The Buddhist references prove that Mithila was always outside every conception of Madhyadeśa and Prācyadeśa.

३६७. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Sculpture: Dating, Local School and Religious Background : A. scarce 6th–7th century datable specimens D. ancient Hindu period roughly 800–1200 A.D. C. local Mithila school during so-called Pāla period B. regional spirit after late 7th/early 8th century Select the correct order.

- (A) C - D - A - B
- (B) A - D - C - B
- (C) A - B - C - D
- (D) C - A - D - B

३६८. With reference to Sculpture: Dating, Local School and Religious Background , consider the following statements: 1. The sculpture chapter says datable specimens of Mithila sculpture are abundant for the 6th and 7th centuries. 2. The local school continued until the end of the ancient Hindu period, roughly 800 to 1200 A.D. 3. Viṣṇu and Śiva cults became popular during these periods. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 3 only
- (B) 1 and 3 only
- (C) 2 only
- (D) 2 and 3 only

३६९. Consider the following pairs related to Sculpture: Dating, Local School and Religious Background : 1. 800–1200 A.D. — Approximate ancient Hindu period range used in the text 2. Pāla period — Period associated with a local Mithila school 3. Karnāṭa — Patronage period of Brahmanical culture 4. 6th–7th century A.D. — Approximate ancient Hindu period range used in the text How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only two
- (B) None
- (C) All four
- (D) Only three

३७०. Consider the following Assertion–Reason question on Sculpture: Dating, Local School and Religious Background : Assertion (A): The local school continued until the end of the ancient Hindu period, roughly 800 to 1200 A.D. Reason (R): few 6th–7th century specimens are definitely datable Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

३७१. With reference to Sculpture: Dating, Local School and Religious Background , which one of the following statements is not correct ?

- (A) From the end of the 7th and beginning of the 8th century, regional spirit and local schools became more visible in Indian art.
- (B) The local Mithila school developed its own characteristics.
- (C) The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times.
- (D) The sculpture section says art and architecture in ancient India almost invariably went hand in hand.

३७२. Which one of the following is the best inference from Sculpture: Dating, Local School and Religious Background ?

- (A) The sculpture section says art and architecture in ancient India almost invariably went hand in hand.
- (B) The Buddhist references prove that Mithila was always outside every conception of Madhyadeśa and Prācyadeśa.
- (C) The Bhit-Bhagwanpur door-jamb is treated as insignificant because it has no ornamental rows or iconographic details.
- (D) The plate list excludes sites in Madhubani and Darbhanga districts.

३७३. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Oinivāra significant in Sculpture: Dating, Local School and Religious Background ?

- (A) The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way.
- (B) The book denies any Tantric association with Mithila's religious-artistic culture.
- (C) Oinivāra is relevant because it is associated with patronage period of brahmanical culture.
- (D) In the book, garbhagṛha is always above the surface and never reached by descending steps.

३७४. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Sculpture: Dating, Local School and Religious Background : B. regional spirit after late 7th/early 8th century C. local Mithila school during so-called Pāla period D. ancient Hindu period roughly 800–1200 A.D. A. scarce 6th–7th century datable specimens Select the correct order.

- (A) A - C - D - B
- (B) A - B - C - D
- (C) B - D - C - A
- (D) B - A - C - D

३७५. With reference to Sculpture: Dating, Local School and Religious Background , consider the following statements: 1. Brahmanical culture gained strength in the Karnāṭa and Oinivāra periods. 2. The Ahilyasthana temple is presented as a Dravidian vimāna without curvilinear tower features. 3. The hut type temple is described as a stone pyramid imported from the Deccan with no relation to thatched hut forms. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 only
- (B) 1, 2 and 3
- (C) 1 and 2 only
- (D) 2 and 3 only

३७६. Consider the following pairs related to Sculpture: Dating, Local School and Religious Background : 1. Chance finds — Patronage period of Brahmanical culture 2. Pāla period — Period associated with a local Mithila school 3. 6th–7th century A.D. — Period with very few definitely datable specimens 4. 800–1200 A.D. — Approximate ancient Hindu period range used in the text How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) None
- (B) Only one
- (C) Only three
- (D) All four

३७७. Consider the following Assertion–Reason question on Sculpture: Dating, Local School and Religious Background : Assertion (A): Early sculpture is hard to date Reason (R): few 6th–7th century specimens are definitely datable Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

३७८. With reference to Sculpture: Dating, Local School and Religious Background , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The author says the so-called Pāla period ushered in a local school in Mithila.
- (B) From the end of the 7th and beginning of the 8th century, regional spirit and local schools became more visible in Indian art.
- (C) The text states that floods, earthquakes and damp climate helped preserve Mithila's monuments in perfect condition.
- (D) A large number of Brahmanical god and goddess images from Mithila testify to the spread of Brahmanical tradition.

३७९. Which one of the following is the best inference from Sculpture: Dating, Local School and Religious Background ?

- (A) The local school continued until the end of the ancient Hindu period, roughly 800 to 1200 A.D.
- (B) The Buddhist references prove that Mithila was always outside every conception of Madhyadeśa and Prācyadeśa.
- (C) The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule.
- (D) The plates show no Sūrya images from Nahar-Bhagwatipur or Bhadrakali Mandir.

३८०. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Oinivāra significant in Sculpture: Dating, Local School and Religious Background ?

- (A) Oinivāra is relevant because it is associated with patronage period of brahmanical culture.
- (B) The volume argues that the name Tirhut is older than all Vedic references and has no relation to Tirabhukti.
- (C) The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way.
- (D) The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision.

३८१. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Sculpture: Dating, Local School and Religious Background : D. ancient Hindu period roughly 800–1200 A.D. C. local Mithila school during so-called Pāla period B. regional spirit after late 7th/early 8th century A. scarce 6th–7th century datable specimens Select the correct order.

- (A) B - A - C - D
- (B) A - D - C - B
- (C) A - B - C - D
- (D) A - C - B - D

३८२. With reference to Sculpture: Dating, Local School and Religious Background , consider the following statements: 1. Definitely datable specimens of sculpture from the 6th and 7th centuries A.D. are very few. 2. The sculpture chapter says datable specimens of Mithila sculpture are abundant for the 6th and 7th centuries. 3. The author says the so-called Pāla period ushered in a local school in Mithila. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 3 only
- (B) 3 only
- (C) 1, 2 and 3
- (D) 1 only

३८३. Consider the following pairs related to Sculpture: Dating, Local School and Religious Background : 1. Pāla period — Period associated with a local Mithila school 2. 800–1200 A.D. — Period associated with a local Mithila school 3. Karnāṭa — Patronage period of Brahmanical culture 4. 6th–7th century A.D. — Period with very few definitely datable specimens How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) None
- (B) Only one
- (C) All four
- (D) Only three

३८४. Consider the following Assertion–Reason question on Sculpture: Dating, Local School and Religious Background : Assertion (A): The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building. Reason (R): few 6th–7th century specimens are definitely datable Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

३८५. With reference to Sculpture: Dating, Local School and Religious Background , which one of the following statements is not correct ?

- (A) Viṣṇu and Śiva cults became popular during these periods.
- (B) Many sculptures are found above ground, as chance finds from tanks and ditches, or from the upper stratum of soil.
- (C) The author rejects the idea of a local Mithila school during the so-called Pāla period.
- (D) The local Mithila school developed its own characteristics.

३८६. Which one of the following is the best inference from Sculpture: Dating, Local School and Religious Background ?

- (A) The text states that floods, earthquakes and damp climate helped preserve Mithila's monuments in perfect condition.
- (B) The Buddhist references prove that Mithila was always outside every conception of Madhyadeśa and Prācyadeśa.
- (C) The sculpture section says art and architecture in ancient India almost invariably went hand in hand.
- (D) The hut type temple is described as a stone pyramid imported from the Deccan with no relation to thatched hut forms.

३८७. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Oinivāra significant in Sculpture: Dating, Local School and Religious Background ?

- (A) The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times.
- (B) The Buddhist references prove that Mithila was always outside every conception of Madhyadeśa and Prācyadeśa.
- (C) The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building.
- (D) Oinivāra is relevant because it is associated with patronage period of brahmanical culture.

३८८. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Sculpture: Dating, Local School and Religious Background : C. local Mithila school during so-called Pāla period D. ancient Hindu period roughly 800–1200 A.D. A. scarce 6th–7th century datable specimens B. regional spirit after late 7th/early 8th century Select the correct order.

- (A) C - A - D - B
- (B) C - B - A - D
- (C) C - B - D - A
- (D) A - B - C - D

३८९. With reference to Sculpture: Dating, Local School and Religious Background , consider the following statements: 1. Brahmanical culture gained strength in the Karnāṭa and Oinivāra periods. 2. The author says the so-called Pāla period ushered in a local school in Mithila. 3. The local school continued until the end of the ancient Hindu period, roughly 800 to 1200 A.D. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 2 only
- (B) None
- (C) 1, 2 and 3
- (D) 2 only

३९०. Consider the following pairs related to Sculpture: Dating, Local School and Religious Background : 1. Pāla period — Period associated with a local Mithila school 2. Oinivāra — Patronage period of Brahmanical culture 3. 800–1200 A.D. — Patronage period of Brahmanical culture 4. 6th–7th century A.D. — Period with very few definitely datable specimens How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only three
- (B) None
- (C) All four
- (D) Only two

Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults

३९१. With reference to Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults , consider the following statements: 1. Many images of Viṣṇu, Sūrya, Pārvaṭī, Gaṇeśa and Navagrahas were discovered. 2. Smarṭa tradition is linked with worship of Gaṇeśa, Śiva, Viṣṇu, Sūrya and Śakti as pañcopāsakas. 3. The Viṣṇu images are all assigned by the author to the 18th–19th centuries. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 2 only
- (B) 1 and 3 only
- (C) 3 only
- (D) None

३९२. Consider the following pairs related to Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults : 1. Cāmuṇḍā — Śākta goddess form 2. Mahiṣāsura-mardīnī — Śākta form of Durgā 3. Bhairava — Śākta goddess form 4. Uma-Maheśvara — Śaiva iconographic form How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only one
- (B) None
- (C) Only three
- (D) Only two

३९३. Consider the following Assertion–Reason question on Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults : Assertion (A): Śaivism is visible in sculpture Reason (R): The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way. Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

३९४. With reference to Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults , which one of the following statements is not correct ?

- (A) Smarṭa tradition is linked with worship of Gaṇeśa, Śiva, Viṣṇu, Sūrya and Śakti as pañcopāsakas.
- (B) The plates show no Sūrya images from Nahar-Bhagwatipur or Bhadrakali Mandir.
- (C) Many images of Viṣṇu, Sūrya, Pārvaṭī, Gaṇeśa and Navagrahas were discovered.
- (D) Śakti appears in sculptural forms such as Mahiṣāsura-mardīnī, Siṃhavāhinī and Cāmuṇḍā.

३९५. Which one of the following is the best inference from Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults ?

- (A) Smarṭa tradition is linked with worship of Gaṇeśa, Śiva, Viṣṇu, Sūrya and Śakti as pañcopāsakas.
- (B) The author says Mithila art can be understood without examining temple architecture, sculptures, literature, antiquities or excavated material.
- (C) The text states that floods, earthquakes and damp climate helped preserve Mithila's monuments in perfect condition.
- (D) The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions.

३९६. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Mahiṣāsura-mardīnī significant in Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults ?

- (A) The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions.
- (B) The Ahilyasthana temple is presented as a Dravidian vimāna without curvilinear tower features.
- (C) The plate list excludes sites in Madhubani and Darbhanga districts.
- (D) Mahiṣāsura-mardīnī is relevant because it is associated with śākta form of durgā.

३९७. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults : A. Śakti appears in sculptural forms such as Mahiṣāsūramardīnī, Siṃhavāhinī and Cāmuṇḍā. D. Uma-Maheśvara and Bhairava sculptures reveal the popularity of Śaivism. C. The Śākta or Mother Worship cult is described as prevalent in Mithila from early times and popular even today. B. Smarṭa tradition is linked with worship of Gaṇeśa, Śiva, Viṣṇu, Sūrya and Śakti as pañcopāsakas. Select the correct order.

- (A) D - B - C - A
- (B) B - D - A - C
- (C) A - B - D - C
- (D) A - B - C - D

३९८. With reference to Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults , consider the following statements: 1. The Buddhist references prove that Mithila was always outside every conception of Madhyadeśa and Prācyadeśa. 2. Śakti appears in sculptural forms such as Mahiṣāsūramardīnī, Siṃhavāhinī and Cāmuṇḍā. 3. Buddhism flourished simultaneously with Śakti worship in a limited area during the 11th and 12th centuries. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1, 2 and 3
- (B) 3 only
- (C) 1 and 3 only
- (D) 2 and 3 only

३९९. Consider the following pairs related to Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults : 1. Tārā — Buddhist/Śākta-related goddess image in the region 2. Pañcopāsakas — Smarṭa worshippers of five deities 3. Uma-Maheśvara — Śaiva iconographic form 4. Bhairava — Smarṭa worshippers of five deities How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only one
- (B) None
- (C) Only three
- (D) All four

४००. Consider the following Assertion–Reason question on Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults : Assertion (A): Buddhism flourished simultaneously with Śakti worship in a limited area during the 11th and 12th centuries. Reason (R): Uma-Maheśvara and Bhairava images survive Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

४०१. With reference to Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images.
- (B) Tārā sculptures and Buddha images point to Buddhist survivals and interactions.
- (C) Uma-Maheśvara and Bhairava sculptures reveal the popularity of Śaivism.
- (D) Śakti appears in sculptural forms such as Mahiṣāsūramardīnī, Siṃhavāhinī and Cāmuṇḍā.

४०२. Which one of the following is the best inference from Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults ?

- (A) The plates show no Sūrya images from Nahar-Bhagwatipur or Bhadrakali Mandir.
- (B) The book says Brahmanism made a great headway in Mithila under Karnāṭa and Oinivāra patronage.
- (C) The book says medieval Mithila was exclusively Buddhist and had no Śaiva, Vaiṣṇava or Śākta imagery.
- (D) The author says Mithila art can be understood without examining temple architecture, sculptures, literature, antiquities or excavated material.

४०३. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Tārā significant in Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults ?

- (A) Architectural members such as pillars, lintels and capitals are said never to have been found in Mithila.
- (B) Tārā is relevant because it is associated with buddhist/śākta-related goddess image in the region.
- (C) The Viṣṇu images are all assigned by the author to the 18th–19th centuries.
- (D) The Bhit-Bhagwanpur door-jamb is treated as insignificant because it has no ornamental rows or iconographic details.

४०४. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults : C. Buddhism flourished simultaneously with Śakti worship in a limited area during the 11th and 12th centuries. D. The book says Brahmanism made a great headway in Mithila under Karnāṭa and Oinivāra patronage. B. Tārā sculptures and Buddha images point to Buddhist survivals and interactions. A. Śakti appears in sculptural forms such as Mahiṣāsūramardīnī, Siṃhavāhinī and Cāmuṇḍā. Select the correct order.

- (A) A - D - C - B
- (B) C - D - A - B
- (C) D - B - C - A
- (D) A - B - C - D

४०५. With reference to Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults , consider the following statements: 1. Mithila was famous for Tantric cults during the 11th and 12th centuries A.D. 2. The Buddhist references prove that Mithila was always outside every conception of Madhyadeśa and Prācyadeśa. 3. In the book, garbhagṛha is always above the surface and never reached by descending steps. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 and 3 only
- (B) 1, 2 and 3
- (C) 1 only
- (D) None

४०६. Consider the following pairs related to Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults : 1. Uma-Maheśvara — Śākta form of Durgā 2. Bhairava — Śaiva form found in sculpture 3. Pañcopāsakas — Smarṭa worshippers of five deities 4. Tārā — Buddhist/Śākta-related goddess image in the region How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only three
- (B) All four
- (C) Only one
- (D) None

४०७. Consider the following Assertion–Reason question on Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults : Assertion (A): Buddhist material survives in Mithila Reason (R): Buddha and Tārā images and inscriptions indicate a limited but real Buddhist presence Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

४०८. With reference to Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The book says medieval Mithila was exclusively Buddhist and had no Śaiva, Vaiṣṇava or Śākta imagery.
- (B) Tārā sculptures and Buddha images point to Buddhist survivals and interactions.
- (C) The book says Brahmanism made a great headway in Mithila under Karnāṭa and Oinivāra patronage.
- (D) Buddhism flourished simultaneously with Śakti worship in a limited area during the 11th and 12th centuries.

809. Which one of the following is the best inference from Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults ?

- (A) The Gaṇeśa images in the list are said to come only from Bengal and not from Bhit-Bhagwanpur or Bhagwatipur.
- (B) Buddhism flourished simultaneously with Śakti worship in a limited area during the 11th and 12th centuries.
- (C) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.
- (D) The book denies any Tantric association with Mithila's religious-artistic culture.

810. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Cāmuṇḍā significant in Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults ?

- (A) Cāmuṇḍā is relevant because it is associated with śākta goddess form.
- (B) The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule.
- (C) The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision.
- (D) The author treats Mithila's visual culture as completely disconnected from Janaka, Bengali contact and Madhubani painting.

811. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults : C. The Śākta or Mother Worship cult is described as prevalent in Mithila from early times and popular even today. B. Tārā sculptures and Buddha images point to Buddhist survivals and interactions. A. Smarṭa tradition is linked with worship of Gaṇeśa, Śiva, Viṣṇu, Sūrya and Śakti as pañcopāsakas. D. Śakti appears in sculptural forms such as Maḥiṣāsūramardīnī, Sīṃhavāhīnī and Cāmuṇḍā. Select the correct order.

- (A) A - B - C - D
- (B) A - B - D - C
- (C) B - C - D - A
- (D) C - B - A - D

812. With reference to Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults , consider the following statements: 1. Tārā sculptures and Buddha images point to Buddhist survivals and interactions. 2. The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building. 3. Mithila was famous for Tantric cults during the 11th and 12th centuries A.D. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 3 only
- (B) 1, 2 and 3
- (C) None
- (D) 1 and 3 only

813. Consider the following pairs related to Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults : 1. Uma-Maheśvara — Śaiva iconographic form 2. Tārā — Śākta form of Durgā 3. Maḥiṣāsūramardīnī — Śākta form of Durgā 4. Bhairava — Śaiva form found in sculpture How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only three
- (B) Only one
- (C) None
- (D) All four

814. Consider the following Assertion–Reason question on Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults : Assertion (A): The author treats Mithila's visual culture as completely disconnected from Janaka, Bengali contact and Madhubani painting. Reason (R): Buddha and Tārā images and inscriptions indicate a limited but real Buddhist presence Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

४१५. With reference to Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The Gaṇeśa images in the list are said to come only from Bengal and not from Bhit-Bhagwanpur or Bhagwatipur.
- (B) Mithila was famous for Tantric cults during the 11th and 12th centuries A.D.
- (C) Buddhism flourished simultaneously with Śakti worship in a limited area during the 11th and 12th centuries.
- (D) Uma-Maheśvara and Bhairava sculptures reveal the popularity of Śaivism.

४१६. Which one of the following is the best inference from Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults ?

- (A) The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions.
- (B) The Śākta or Mother Worship cult is described as prevalent in Mithila from early times and popular even today.
- (C) The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule.
- (D) The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times.

४१७. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Pañcopāsakas significant in Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults ?

- (A) In the book, garbhagṛha is always above the surface and never reached by descending steps.
- (B) Pañcopāsakas is relevant because it is associated with smārta worshippers of five deities.
- (C) The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision.
- (D) The plate list excludes sites in Madhubani and Darbhanga districts.

४१८. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults : B. The Śākta or Mother Worship cult is described as prevalent in Mithila from early times and popular even today. A. Many images of Viṣṇu, Sūrya, Pārvatī, Gaṇeśa and Navagrahas were discovered. D. Śiva was probably worshipped mainly in the phallus symbol and also in anthropomorphic form and the bull. C. Buddhism flourished simultaneously with Śakti worship in a limited area during the 11th and 12th centuries. Select the correct order.

- (A) A - B - C - D
- (B) A - B - D - C
- (C) A - D - B - C
- (D) D - B - C - A

४१९. With reference to Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults , consider the following statements: 1. Mithila was famous for Tantric cults during the 11th and 12th centuries A.D. 2. Uma-Maheśvara and Bhairava sculptures reveal the popularity of Śaivism. 3. Many images of Viṣṇu, Sūrya, Pārvatī, Gaṇeśa and Navagrahas were discovered. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1, 2 and 3
- (B) 1 and 2 only
- (C) 3 only
- (D) None

४२०. Consider the following pairs related to Śaiva, Vaiṣṇava, Śākta and Buddhist Cults : 1. Pañcopāsakas — Smārta worshippers of five deities 2. Cāmuṇḍā — Śākta goddess form 3. Uma-Maheśvara — Śaiva form found in sculpture 4. Tārā — Buddhist/Śākta-related goddess image in the region How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) None
- (B) Only two
- (C) Only three
- (D) Only one

Ritual Rules and Classification of Sculpture

४२१. With reference to Ritual Rules and Classification of Sculpture , consider the following statements: 1. Other available images include Buddha, Tārā, Gaṇeśa, Sūrya, Brahmā, Gaṅgā and Yamunā. 2. Medieval Maithila sculptures are broadly classified into Viṣṇu, Śiva and Śakti groups. 3. The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 2 only
- (B) 1 only
- (C) 2 only
- (D) 1 and 3 only

४२२. Consider the following pairs related to Ritual Rules and Classification of Sculpture : 1. Mūlanāyaka-pratimā — Principal image subject to strict damage rules 2. Prāṇapratīṣṭhā — Consecration relevant to continued worship 3. Adhikāṅga — Broken image not normally fit for worship 4. Sadoṣa — Defective figure discussed in ritual literature How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only two
- (B) Only three
- (C) All four
- (D) None

४२३. Consider the following Assertion–Reason question on Ritual Rules and Classification of Sculpture : Assertion (A): Some old images may continue to be worshipped Reason (R): The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images. Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

४२४. With reference to Ritual Rules and Classification of Sculpture , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The Gaṇeśa images in the list are said to come only from Bengal and not from Bhit-Bhagwanpur or Bhagwatipur.
- (B) If an image has been worshipped for more than three hundred years and has undergone prāṇapratīṣṭhā, it may continue to be worshipped even if damaged.
- (C) Other available images include Buddha, Tārā, Gaṇeśa, Sūrya, Brahmā, Gaṅgā and Yamunā.
- (D) Vāstusāra is cited for the rule that a sculptor attracts merit when carving a sadoṣa figure.

४२५. Which one of the following is the best inference from Ritual Rules and Classification of Sculpture ?

- (A) The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking.
- (B) The Bhit-Bhagwanpur door-jamb is treated as insignificant because it has no ornamental rows or iconographic details.
- (C) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.
- (D) If an image has been worshipped for more than three hundred years and has undergone prāṇapratīṣṭhā, it may continue to be worshipped even if damaged.

४२६. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Hīnāṅga significant in Ritual Rules and Classification of Sculpture ?

- (A) The book denies any Tantric association with Mithila's religious-artistic culture.
- (B) The author treats Mithila's visual culture as completely disconnected from Janaka, Bengali contact and Madhubani painting.
- (C) Hīnāṅga is relevant because it is associated with image with deficient limb/body feature.
- (D) The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building.

४२७. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Ritual Rules and Classification of Sculpture : C. A bhagna pratimā, or broken image, is not to be worshipped. B. A mūlanāyaka-pratimā should not be worshipped if its face, ear, nose, navel or waist is damaged. D. Vāstusāra is cited for the rule that a sculptor attracts merit when carving a sadoṣa figure. A. Ritual authorities criticised renovation of any stone pratimā. Select the correct order.

- (A) B - D - A - C
- (B) C - B - A - D
- (C) A - D - B - C
- (D) A - B - C - D

४२८. With reference to Ritual Rules and Classification of Sculpture , consider the following statements: 1. The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book. 2. The most important cult is described as that of Śaivites, but every medieval Maithila person is described as a Śākta, Śaiva and Vaiṣṇava in some measure. 3. A mūlanāyaka-pratimā should not be worshipped if its face, ear, nose, navel or waist is damaged. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 3 only
- (B) 2 only
- (C) 2 and 3 only
- (D) None

४२९. Consider the following pairs related to Ritual Rules and Classification of Sculpture : 1. Hīnāṅga — Image with deficient limb/body feature 2. Prāṇapratīṣṭhā — Consecration relevant to continued worship 3. Mūlanāyaka-pratimā — Principal image subject to strict damage rules 4. Sadoṣa — Image with deficient limb/body feature How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only one
- (B) Only three
- (C) All four
- (D) Only two

४३०. Consider the following Assertion–Reason question on Ritual Rules and Classification of Sculpture : Assertion (A): The book states that ritual texts do not allow installation of sculptures that are hīnāṅga or adhikāṅga. Reason (R): long worship and prāṇapratīṣṭhā create an exception Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

४३१. With reference to Ritual Rules and Classification of Sculpture , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.
- (B) Other available images include Buddha, Tārā, Gaṇeśa, Sūrya, Brahmā, Gaṅgā and Yamunā.
- (C) Vāstusāra is cited for the rule that a sculptor attracts merit when carving a sadoṣa figure.
- (D) A devotee associated with such defective images was believed to die immediately according to the ritual warning cited.

४३२. Which one of the following is the best inference from Ritual Rules and Classification of Sculpture ?

- (A) If an image has been worshipped for more than three hundred years and has undergone prāṇapratīṣṭhā, it may continue to be worshipped even if damaged.
- (B) The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way.
- (C) The sikhara type is described as a flat-roofed form with no vertical tower or curvilinear spire.
- (D) The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions.

४३३. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Prāṇapraṭiṣṭhā significant in Ritual Rules and Classification of Sculpture ?

- (A) Prāṇapraṭiṣṭhā is relevant because it is associated with consecration relevant to continued worship.
- (B) The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking.
- (C) The author treats Mithila's visual culture as completely disconnected from Janaka, Bengali contact and Madhubani painting.
- (D) The Viṣṇu images are all assigned by the author to the 18th–19th centuries.

४३४. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Ritual Rules and Classification of Sculpture : A. A mūlanāyaka-pratimā should not be worshipped if its face, ear, nose, navel or waist is damaged. D. Ritual authorities criticised renovation of any stone pratimā. B. Other available images include Buddha, Tārā, Gaṇeśa, Sūrya, Brahmā, Gaṅgā and Yamunā. C. The book states that ritual texts do not allow installation of sculptures that are hīnāṅga or adhikāṅga. Select the correct order.

- (A) C - B - D - A
- (B) B - C - A - D
- (C) A - D - C - B
- (D) A - B - C - D

४३५. With reference to Ritual Rules and Classification of Sculpture , consider the following statements: 1. The book states that ritual texts do not allow installation of sculptures that are hīnāṅga or adhikāṅga. 2. The Viṣṇu images are all assigned by the author to the 18th–19th centuries. 3. The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 2 only
- (B) 1, 2 and 3
- (C) 1 only
- (D) 2 only

४३६. Consider the following pairs related to Ritual Rules and Classification of Sculpture : 1. Hīnāṅga — Consecration relevant to continued worship 2. Bhagna pratimā — Broken image not normally fit for worship 3. Adhikāṅga — Image with excessive/additional limb/body feature 4. Mūlanāyaka-pratimā — Principal image subject to strict damage rules How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) All four
- (B) Only two
- (C) Only one
- (D) Only three

४३७. Consider the following Assertion–Reason question on Ritual Rules and Classification of Sculpture : Assertion (A): Broken images are treated carefully Reason (R): ritual texts restrict worship of damaged icons Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

४३८. With reference to Ritual Rules and Classification of Sculpture , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The book states that ritual texts do not allow installation of sculptures that are hīnāṅga or adhikāṅga.
- (B) Ritual authorities criticised renovation of any stone pratimā.
- (C) A mūlanāyaka-pratimā should not be worshipped if its face, ear, nose, navel or waist is damaged.
- (D) The author rejects the idea of a local Mithila school during the so-called Pāla period.

839. Which one of the following is the best inference from Ritual Rules and Classification of Sculpture ?

- (A) Medieval Maithila sculptures are broadly classified into Viṣṇu, Śiva and Śakti groups.
- (B) The plate list excludes sites in Madhubani and Darbhanga districts.
- (C) The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision.
- (D) The plates show no Sūrya images from Nahar-Bhagwatipur or Bhadrakali Mandir.

840. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Hīnāṅga significant in Ritual Rules and Classification of Sculpture ?

- (A) The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule.
- (B) The author holds that stone was abundantly available in Mithila and therefore brick construction was insignificant.
- (C) Hīnāṅga is relevant because it is associated with image with deficient limb/body feature.
- (D) The author treats Mithila's visual culture as completely disconnected from Janaka, Bengali contact and Madhubani painting.

841. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Ritual Rules and Classification of Sculpture : C. The book states that ritual texts do not allow installation of sculptures that are hīnāṅga or adhikāṅga. B. The most important cult is described as that of Śaivites, but every medieval Maithila person is described as a Śākta, Śaiva and Vaiṣṇava in some measure. D. Ritual authorities criticised renovation of any stone pratimā. A. A mūlanāyaka-pratimā should not be worshipped if its face, ear, nose, navel or waist is damaged.

Select the correct order.

- (A) A - B - C - D
- (B) B - A - C - D
- (C) C - B - D - A
- (D) C - B - A - D

842. With reference to Ritual Rules and Classification of Sculpture , consider the following statements: 1. Ritual authorities criticised renovation of any stone pratimā. 2. The book's plates and list of illustrations are irrelevant for art-historical identification. 3. Medieval Maithila sculptures are broadly classified into Viṣṇu, Śiva and Śakti groups. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 only
- (B) 3 only
- (C) 1, 2 and 3
- (D) 1 and 3 only

843. Consider the following pairs related to Ritual Rules and Classification of Sculpture : 1. Hīnāṅga — Image with deficient limb/body feature 2. Mūlanāyaka-pratimā — Consecration relevant to continued worship 3. Bhagna pratimā — Broken image not normally fit for worship 4. Adhikāṅga — Image with excessive/additional limb/body feature How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only one
- (B) None
- (C) Only two
- (D) Only three

844. Consider the following Assertion–Reason question on Ritual Rules and Classification of Sculpture : Assertion (A): The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building. Reason (R): ritual texts restrict worship of damaged icons Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

४४५. With reference to Ritual Rules and Classification of Sculpture , which one of the following statements is not correct ?

- (A) A bhagna pratimā, or broken image, is not to be worshipped.
- (B) The most important cult is described as that of Śaivites, but every medieval Maithila person is described as a Śākta, Śaiva and Vaiṣṇava in some measure.
- (C) The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way.
- (D) If an image has been worshipped for more than three hundred years and has undergone prāṇapratīṣṭhā, it may continue to be worshipped even if damaged.

४४६. Which one of the following is the best inference from Ritual Rules and Classification of Sculpture ?

- (A) The book denies any Tantric association with Mithila's religious-artistic culture.
- (B) The book's plates and list of illustrations are irrelevant for art-historical identification.
- (C) A mūlanāyaka-pratimā should not be worshipped if its face, ear, nose, navel or waist is damaged.
- (D) The book says medieval Mithila was exclusively Buddhist and had no Śaiva, Vaiṣṇava or Śākta imagery.

४४७. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Sadoṣa significant in Ritual Rules and Classification of Sculpture ?

- (A) Architectural members such as pillars, lintels and capitals are said never to have been found in Mithila.
- (B) The plate list excludes sites in Madhubani and Darbhanga districts.
- (C) The plates show no Sūrya images from Nahar-Bhagwatipur or Bhadrakali Mandir.
- (D) Sadoṣa is relevant because it is associated with defective figure discussed in ritual literature.

४४८. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Ritual Rules and Classification of Sculpture : B. The book states that ritual texts do not allow installation of sculptures that are hīnāṅga or adhikāṅga. C. A mūlanāyaka-pratimā should not be worshipped if its face, ear, nose, navel or waist is damaged. A. Ritual authorities criticised renovation of any stone pratimā. D. Medieval Maithila sculptures are broadly classified into Viṣṇu, Śiva and Śakti groups. Select the correct order.

- (A) A - B - C - D
- (B) B - D - C - A
- (C) A - B - D - C
- (D) D - A - B - C

४४९. With reference to Ritual Rules and Classification of Sculpture , consider the following statements: 1. The book states that ritual texts do not allow installation of sculptures that are hīnāṅga or adhikāṅga. 2. If an image has been worshipped for more than three hundred years and has undergone prāṇapratīṣṭhā, it may continue to be worshipped even if damaged. 3. Vāstusāra is cited for the rule that a sculptor attracts merit when carving a sadoṣa figure. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1, 2 and 3
- (B) 1 and 2 only
- (C) 2 and 3 only
- (D) None

४५०. Consider the following pairs related to Ritual Rules and Classification of Sculpture : 1. Mūlanāyaka-pratimā — Principal image subject to strict damage rules 2. Sadoṣa — Defective figure discussed in ritual literature 3. Prāṇapratīṣṭhā — Defective figure discussed in ritual literature 4. Adhikāṅga — Image with excessive/additional limb/body feature How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) None
- (B) All four
- (C) Only two
- (D) Only three

Sūrya Iconography and Early Plates

४५१. With reference to Sūrya Iconography and Early Plates , consider the following statements: 1. A headless Sūrya from Nahar-Bhagwatipur is dated to circa 12th–13th century A.D. 2. A standing image of Sūrya from Nahar-Bhagwatipur in Madhubani district is dated stylistically to circa 11th century A.D. 3. The author treats Mithila’s visual culture as completely disconnected from Janaka, Bengali contact and Madhubani painting. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 3 only
- (B) 1 and 2 only
- (C) None
- (D) 3 only

४५२. Consider the following pairs related to Sūrya Iconography and Early Plates : 1. Aruṇa — Solar charioteer mentioned in illustration description 2. Nahar-Bhagwatipur — Madhubani site associated with Sūrya images 3. Bhit-Bhagwanpur — Attendant figures in Sūrya iconography 4. Uṣas and Pratyūṣas — Associated figures in Sūrya imagery How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only two
- (B) Only three
- (C) Only one
- (D) None

४५३. Consider the following Assertion–Reason question on Sūrya Iconography and Early Plates : Assertion (A): Sūrya images are numerous in the plates Reason (R): The text states that floods, earthquakes and damp climate helped preserve Mithila’s monuments in perfect condition. Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

४५४. With reference to Sūrya Iconography and Early Plates , which one of the following statements is not correct ?

- (A) Sūrya from Bhit-Bhagwanpur is described in samapāda-sthānaka pose with attributes such as gadā, cakṛa and śaṅkha in one list entry.
- (B) The Viṣṇu images are all assigned by the author to the 18th–19th centuries.
- (C) The list of illustrations begins with several Sūrya images.
- (D) A Sūrya image from Bhadrakali Mandir, Bhagwatipur is dated circa 12th century A.D.

४५५. Which one of the following is the best inference from Sūrya Iconography and Early Plates ?

- (A) The Purāṇic evidence gives no mention of Tirabhukti or any later name connected with Mithila.
- (B) The book denies any Tantric association with Mithila’s religious-artistic culture.
- (C) The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions.
- (D) A headless Sūrya from Nahar-Bhagwatipur is dated to circa 12th–13th century A.D.

४५६. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Daṇḍi and Piṅgala significant in Sūrya Iconography and Early Plates ?

- (A) The Viṣṇu images are all assigned by the author to the 18th–19th centuries.
- (B) The volume argues that the name Tirhut is older than all Vedic references and has no relation to Tirabhukti.
- (C) Daṇḍi and Piṅgala is relevant because it is associated with attendant figures in sūrya iconography.
- (D) The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule.

४५७. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Sūrya Iconography and Early Plates : B. circa 11th century Sūrya from Nahar-Bhagwatipur D. circa 12th–13th century headless Sūrya from Nahar-Bhagwatipur C. circa 12th century Sūrya from Bhadrakali Mandir A. circa 10th–11th century Sūrya from Bhadrakali Mandir Select the correct order.

- (A) A - C - D - B
- (B) B - A - D - C
- (C) D - A - C - B
- (D) A - B - C - D

४५८. With reference to Sūrya Iconography and Early Plates , consider the following statements: 1. The hut type temple is described as a stone pyramid imported from the Deccan with no relation to thatched hut forms. 2. A standing image of Sūrya from Nahar-Bhagwatipur in Madhubani district is dated stylistically to circa 11th century A.D. 3. The Sūrya images often carry attendants or associated figures such as Piṅgala, Daṇḍi, Uṣas and Pratyūṣas. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 and 3 only
- (B) None
- (C) 1 only
- (D) 1 and 3 only

४५९. Consider the following pairs related to Sūrya Iconography and Early Plates : 1. Daṇḍi and Piṅgala — Attendant figures in Sūrya iconography 2. Bhadrakali Mandir, Bhagwatipur — Site associated with multiple Sūrya images 3. Aruṇa — Solar charioteer mentioned in illustration description 4. Nahar-Bhagwatipur — Solar charioteer mentioned in illustration description How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only three
- (B) None
- (C) All four
- (D) Only one

४६०. Consider the following Assertion–Reason question on Sūrya Iconography and Early Plates : Assertion (A): The list mentions Aruṇa and seven horses in connection with one Sūrya image. Reason (R): solar iconography forms a visible component of Mithila sculpture Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

४६१. With reference to Sūrya Iconography and Early Plates , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.
- (B) Sūrya from Bhit-Bhagwanpur is described in samapāda-sthānaka pose with attributes such as gadā, cakra and śaṅkha in one list entry.
- (C) The recurrence of Sūrya images shows the importance of solar imagery in the surveyed material.
- (D) Another Sūrya from Bhadrakali Mandir, Bhagwatipur is dated circa 10th–11th century A.D.

४६२. Which one of the following is the best inference from Sūrya Iconography and Early Plates ?

- (A) The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times.
- (B) The Purāṇic evidence gives no mention of Tirabhukti or any later name connected with Mithila.
- (C) The Sūrya images often carry attendants or associated figures such as Piṅgala, Daṇḍi, Uṣas and Pratyūṣas.
- (D) The author rejects the idea of a local Mithila school during the so-called Pāla period.

४६३. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Nahar-Bhagwatipur significant in Sūrya Iconography and Early Plates ?

- (A) The Buddhist references prove that Mithila was always outside every conception of Madhyadeśa and Prācyadeśa.
- (B) Nahar-Bhagwatipur is relevant because it is associated with madhubani site associated with sūrya images.
- (C) The volume argues that the name Tirhut is older than all Vedic references and has no relation to Tirabhukti.
- (D) The plate list excludes sites in Madhubani and Darbhanga districts.

४६४. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Sūrya Iconography and Early Plates : D. circa 12th–13th century headless Sūrya from Nahar-Bhagwatipur A. circa 10th–11th century Sūrya from Bhadrakali Mandir C. circa 12th century Sūrya from Bhadrakali Mandir B. circa 11th century Sūrya from Nahar-Bhagwatipur Select the correct order.

- (A) B - D - A - C
- (B) C - D - A - B
- (C) A - B - C - D
- (D) C - B - A - D

४६५. With reference to Sūrya Iconography and Early Plates , consider the following statements: 1. A Sūrya image from Bhadrakali Mandir, Bhagwatipur is dated circa 12th century A.D. 2. The Buddhist references prove that Mithila was always outside every conception of Madhyadeśa and Prācyadeśa. 3. The author treats Mithila's visual culture as completely disconnected from Janaka, Bengali contact and Madhubani painting. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 2 only
- (B) 2 only
- (C) 1 only
- (D) 2 and 3 only

४६६. Consider the following pairs related to Sūrya Iconography and Early Plates : 1. Bhadrakali Mandir, Bhagwatipur — Attendant figures in Sūrya iconography 2. Daṇḍi and Piṅgala — Attendant figures in Sūrya iconography 3. Aruṇa — Solar charioteer mentioned in illustration description 4. Uṣas and Pratyūṣas — Associated figures in Sūrya imagery How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only three
- (B) Only two
- (C) All four
- (D) Only one

४६७. Consider the following Assertion–Reason question on Sūrya Iconography and Early Plates : Assertion (A): Sūrya images are numerous in the plates Reason (R): solar iconography forms a visible component of Mithila sculpture Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

४६८. With reference to Sūrya Iconography and Early Plates , which one of the following statements is not correct ?

- (A) A standing image of Sūrya from Nahar-Bhagwatipur in Madhubani district is dated stylistically to circa 11th century A.D.
- (B) Another Sūrya from Bhadrakali Mandir, Bhagwatipur is dated circa 10th–11th century A.D.
- (C) The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof.
- (D) The Sūrya images often carry attendants or associated figures such as Piṅgala, Daṇḍi, Uṣas and Pratyūṣas.

४६९. Which one of the following is the best inference from *Sūrya Iconography and Early Plates* ?

- (A) The hut type temple is described as a stone pyramid imported from the Deccan with no relation to thatched hut forms.
- (B) The Ahilyasthana temple is presented as a Dravidian vimāna without curvilinear tower features.
- (C) The book denies any Tantric association with Mithila's religious-artistic culture.
- (D) A headless Sūrya from Nahar-Bhagwatipur is dated to circa 12th–13th century A.D.

४७०. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Aruṇa significant in *Sūrya Iconography and Early Plates* ?

- (A) The text states that floods, earthquakes and damp climate helped preserve Mithila's monuments in perfect condition.
- (B) Aruṇa is relevant because it is associated with solar charioteer mentioned in illustration description.
- (C) The sikhara type is described as a flat-roofed form with no vertical tower or curvilinear spire.
- (D) The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building.

४७१. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on *Sūrya Iconography and Early Plates* : C. circa 12th century Sūrya from Bhadrakali Mandir B. circa 11th century Sūrya from Nahar-Bhagwatipur D. circa 12th–13th century headless Sūrya from Nahar-Bhagwatipur A. circa 10th–11th century Sūrya from Bhadrakali Mandir Select the correct order.

- (A) A - C - D - B
- (B) C - B - A - D
- (C) A - B - C - D
- (D) B - A - C - D

४७२. With reference to *Sūrya Iconography and Early Plates* , consider the following statements: 1. The recurrence of Sūrya images shows the importance of solar imagery in the surveyed material. 2. The Viṣṇu images are all assigned by the author to the 18th–19th centuries. 3. A standing image of Sūrya from Nahar-Bhagwatipur in Madhubani district is dated stylistically to circa 11th century A.D. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) None
- (B) 1 and 3 only
- (C) 1 and 2 only
- (D) 3 only

४७३. Consider the following pairs related to *Sūrya Iconography and Early Plates* : 1. Bhit-Bhagwanpur — Site associated with a Sūrya image and door-jambs 2. Daṇḍi and Piṅgala — Solar charioteer mentioned in illustration description 3. Nahar-Bhagwatipur — Madhubani site associated with Sūrya images 4. Aruṇa — Solar charioteer mentioned in illustration description How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only three
- (B) Only two
- (C) Only one
- (D) None

४७४. Consider the following Assertion–Reason question on *Sūrya Iconography and Early Plates* : Assertion (A): The book denies any Tantric association with Mithila's religious-artistic culture. Reason (R): they provide deity, site, district and approximate date Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

४७५. With reference to Sūrya Iconography and Early Plates , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The recurrence of Sūrya images shows the importance of solar imagery in the surveyed material.
- (B) A headless Sūrya from Nahar-Bhagwatipur is dated to circa 12th–13th century A.D.
- (C) Sūrya from Bhit-Bhagwanpur is described in samapāda-sthānaka pose with attributes such as gadā, cakra and śaṅkha in one list entry.
- (D) The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times.

४७६. Which one of the following is the best inference from Sūrya Iconography and Early Plates ?

- (A) The author treats Mithila's visual culture as completely disconnected from Janaka, Bengali contact and Madhubani painting.
- (B) The sculpture chapter says datable specimens of Mithila sculpture are abundant for the 6th and 7th centuries.
- (C) Sūrya from Bhit-Bhagwanpur is described in samapāda-sthānaka pose with attributes such as gadā, cakra and śaṅkha in one list entry.
- (D) The text states that floods, earthquakes and damp climate helped preserve Mithila's monuments in perfect condition.

४७७. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Bhit-Bhagwanpur significant in Sūrya Iconography and Early Plates ?

- (A) The hut type temple is described as a stone pyramid imported from the Deccan with no relation to thatched hut forms.
- (B) The Ahilyasthana temple is presented as a Dravidian vimāna without curvilinear tower features.
- (C) Bhit-Bhagwanpur is relevant because it is associated with site associated with a sūrya image and door-jambs.
- (D) In the book, garbhagṛha is always above the surface and never reached by descending steps.

४७८. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Sūrya Iconography and Early Plates : B. circa 11th century Sūrya from Nahar-Bhagwatipur C. circa 12th century Sūrya from Bhadrakali Mandir A. circa 10th–11th century Sūrya from Bhadrakali Mandir D. circa 12th–13th century headless Sūrya from Nahar-Bhagwatipur Select the correct order.

- (A) B - D - A - C
- (B) A - D - C - B
- (C) A - B - C - D
- (D) B - D - C - A

४७९. With reference to Sūrya Iconography and Early Plates , consider the following statements: 1. Another Sūrya from Bhadrakali Mandir, Bhagwatipur is dated circa 10th–11th century A.D. 2. A Sūrya image from Bhadrakali Mandir, Bhagwatipur is dated circa 12th century A.D. 3. A Sūrya image from Bhadrakali Mandir, Bhagwatipur is dated to the 11th century in one plate caption. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 3 only
- (B) 2 only
- (C) 2 and 3 only
- (D) 1, 2 and 3

४८०. Consider the following pairs related to Sūrya Iconography and Early Plates : 1. Nahar-Bhagwatipur — Madhubani site associated with Sūrya images 2. Bhit-Bhagwanpur — Site associated with a Sūrya image and door-jambs 3. Aruṇa — Associated figures in Sūrya imagery 4. Daṇḍi and Piṅgala — Attendant figures in Sūrya iconography How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only three
- (B) All four
- (C) Only two
- (D) None

Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material

8८१. With reference to Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material , consider the following statements: 1. The list includes a standing Viṣṇu from Bideswarasthana in Madhubani district dated circa 13th century A.D. 2. A standing Viṣṇu from Bhairava Balia is dated to the 12th century A.D. 3. The Bhit-Bhagwanpur door-jamb is treated as insignificant because it has no ornamental rows or iconographic details. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) None
- (B) 2 only
- (C) 1 and 2 only
- (D) 1 only

8८२. Consider the following pairs related to Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material : 1. Bhairava Balia — Site of a 12th-century Viṣṇu image 2. Girijasthan, Uccaitha — Site of a Viṣṇu image dated circa 13th century 3. Caturbhuja — Site of a Viṣṇu image dated circa 13th century 4. Śrīdhara — Minister of King Nānyadeva linked to a Viṣṇu temple How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only two
- (B) All four
- (C) None
- (D) Only three

8८३. Consider the following Assertion–Reason question on Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material : Assertion (A): Andhra Tharhi is especially important Reason (R): The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision. Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

8८४. With reference to Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The Bideswarasthana Viṣṇu has a plain prabhāvalī and shows only two flying Gandharvas at the upper portion.
- (B) The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof.
- (C) The Andhra Tharhi Viṣṇu inscription is connected with King Nānyadeva’s minister Śrīdhara building a Viṣṇu temple.
- (D) The Viṣṇu material helps demonstrate Vaiṣṇava presence in medieval Mithila art.

8८५. Which one of the following is the best inference from Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material ?

- (A) The author holds that stone was abundantly available in Mithila and therefore brick construction was insignificant.
- (B) The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof.
- (C) The list includes a standing Viṣṇu from Bideswarasthana in Madhubani district dated circa 13th century A.D.
- (D) The sikhara type is described as a flat-roofed form with no vertical tower or curvilinear spire.

8८६. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Girijasthan, Uccaitha significant in Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material ?

- (A) The Bhit-Bhagwanpur door-jamb is treated as insignificant because it has no ornamental rows or iconographic details.
- (B) Girijasthan, Uccaitha is relevant because it is associated with site of a viṣṇu image dated circa 13th century.
- (C) The Ganeśa images in the list are said to come only from Bengal and not from Bhit-Bhagwanpur or Bhagwatipur.
- (D) The author treats Mithila’s visual culture as completely disconnected from Janaka, Bengali contact and Madhubani painting.

8८७. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material : C. A profusely ornamented Viṣṇu from Bhit-Bhagwanpur is dated to the 11th century A.D. B. A weather-worn Viṣṇu from Andhra Tharhi is dated to the 11th century A.D. D. A standing Viṣṇu from Bhairava Balia is dated to the 12th century A.D. A. An image of Viṣṇu from Girijasthana, Uccaitha in Madhubani district is dated circa 13th century A.D. Select the correct order.

- (A) D - B - C - A
- (B) B - C - D - A
- (C) B - A - D - C
- (D) A - B - C - D

8८८. With reference to Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material , consider the following statements: 1. The sculpture chapter says datable specimens of Mithila sculpture are abundant for the 6th and 7th centuries. 2. An image of Viṣṇu from Girijasthana, Uccaitha in Madhubani district is dated circa 13th century A.D. 3. A standing Viṣṇu from Bhairava Balia is dated to the 12th century A.D. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) None
- (B) 2 only
- (C) 2 and 3 only
- (D) 1, 2 and 3

8८९. Consider the following pairs related to Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material : 1. Andhra Tharhi — Site of an 11th-century Viṣṇu image with inscription 2. Caturbhuja — Four-armed Viṣṇu form 3. Girijasthana, Uccaitha — Site of a Viṣṇu image dated circa 13th century 4. Bideswarasthana — Site of a 12th-century Viṣṇu image How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only two
- (B) Only one
- (C) All four
- (D) Only three

8९०. Consider the following Assertion–Reason question on Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material : Assertion (A): The Bideswarasthana Viṣṇu has a plain prabhāvalī and shows only two flying Gandharvas at the upper portion. Reason (R): they demonstrate the strength of Vaiṣṇava art in medieval Mithila Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

8९१. With reference to Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The Ganeśa images in the list are said to come only from Bengal and not from Bhit-Bhagwanpur or Bhagwatipur.
- (B) The Bideswarasthana Viṣṇu has a plain prabhāvalī and shows only two flying Gandharvas at the upper portion.
- (C) The Koti Ranway Viṣṇu is associated with Lakṣmī, Sarasvatī, śaṅkha-puruṣa and cakra-puruṣa motifs.
- (D) The Viṣṇu material helps demonstrate Vaiṣṇava presence in medieval Mithila art.

8९२. Which one of the following is the best inference from Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material ?

- (A) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.
- (B) A weather-worn Viṣṇu from Andhra Tharhi is dated to the 11th century A.D.
- (C) The Ganeśa images in the list are said to come only from Bengal and not from Bhit-Bhagwanpur or Bhagwatipur.
- (D) The plate list excludes sites in Madhubani and Darbhanga districts.

४९३. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Bideswarasthana significant in Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material ?

- (A) Bideswarasthana is relevant because it is associated with site of a viṣṇu image dated circa 13th century.
- (B) The book says medieval Mithila was exclusively Buddhist and had no Śaiva, Vaiṣṇava or Śākta imagery.
- (C) Architectural members such as pillars, lintels and capitals are said never to have been found in Mithila.
- (D) The volume argues that the name Tirhut is older than all Vedic references and has no relation to Tirabhukti.

४९४. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material : D. A profusely ornamented Viṣṇu from Bhit-Bhagwanpur is dated to the 11th century A.D. A. A caturbhuja Viṣṇu from Koti Ranway, Darbhanga district, stands in samapāda-sthānaka on a lotus pedestal. B. A standing Viṣṇu from Bhairava Balia is dated to the 12th century A.D. C. The Viṣṇu material helps demonstrate Vaiṣṇava presence in medieval Mithila art. Select the correct order.

- (A) A - B - C - D
- (B) D - C - A - B
- (C) C - A - B - D
- (D) D - B - A - C

४९५. With reference to Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material , consider the following statements: 1. An image of Viṣṇu from Girijasthana, Uccaitha in Madhubani district is dated circa 13th century A.D. 2. The sikhara type is described as a flat-roofed form with no vertical tower or curvilinear spire. 3. The text states that floods, earthquakes and damp climate helped preserve Mithila's monuments in perfect condition. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 only
- (B) 3 only
- (C) 1 and 3 only
- (D) None

४९६. Consider the following pairs related to Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material : 1. Śrīdhara — Site of a Viṣṇu image dated circa 13th century 2. Bideswarasthana — Site of a Viṣṇu image dated circa 13th century 3. Andhra Tharhi — Site of an 11th-century Viṣṇu image with inscription 4. Bhairava Balia — Site of a 12th-century Viṣṇu image How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) None
- (B) Only one
- (C) Only three
- (D) Only two

४९७. Consider the following Assertion–Reason question on Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material : Assertion (A): Andhra Tharhi is especially important Reason (R): its inscription links sculpture with patronage and temple construction Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

४९८. With reference to Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material , which one of the following statements is not correct ?

- (A) A profusely ornamented Viṣṇu from Bhit-Bhagwanpur is dated to the 11th century A.D.
- (B) An image of Viṣṇu from Girijasthana, Uccaitha in Madhubani district is dated circa 13th century A.D.
- (C) The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions.
- (D) A standing Viṣṇu from Bhairava Balia is dated to the 12th century A.D.

४९९. Which one of the following is the best inference from Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material ?

- (A) The plate list excludes sites in Madhubani and Darbhanga districts.
- (B) The book denies any Tantric association with Mithila's religious-artistic culture.
- (C) The Buddhist references prove that Mithila was always outside every conception of Madhyadeśa and Prācyadeśa.
- (D) The Andhra Tharhi Viṣṇu inscription is connected with King Nānyadeva's minister Śrīdhara building a Viṣṇu temple.

५००. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Caturbhuja significant in Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material ?

- (A) Caturbhuja is relevant because it is associated with four-armed viṣṇu form.
- (B) The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions.
- (C) The hut type temple is described as a stone pyramid imported from the Deccan with no relation to thatched hut forms.
- (D) The book says medieval Mithila was exclusively Buddhist and had no Śaiva, Vaiṣṇava or Śākta imagery.

५०१. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material : A. The Andhra Tharhi Viṣṇu inscription is connected with King Nānyadeva's minister Śrīdhara building a Viṣṇu temple. B. The Koti Ranway Viṣṇu is associated with Lakṣmī, Sarasvatī, śaṅkha-puruṣa and cakṛa-puruṣa motifs. D. The Bideswarasthana Viṣṇu has a plain prabhāvalī and shows only two flying Gandharvas at the upper portion. C. The list includes a standing Viṣṇu from Bideswarasthana in Madhubani district dated circa 13th century A.D. Select the correct order.

- (A) D - A - C - B
- (B) B - A - C - D
- (C) A - B - C - D
- (D) D - A - B - C

५०२. With reference to Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material , consider the following statements: 1. The Viṣṇu material helps demonstrate Vaiṣṇava presence in medieval Mithila art. 2. The author says Mithila art can be understood without examining temple architecture, sculptures, literature, antiquities or excavated material. 3. A standing Viṣṇu from Bhairava Balia is dated to the 12th century A.D. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 3 only
- (B) 2 only
- (C) 3 only
- (D) 1 and 2 only

५०३. Consider the following pairs related to Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material : 1. Śrīdhara — Minister of King Nānyadeva linked to a Viṣṇu temple 2. Bhairava Balia — Four-armed Viṣṇu form 3. Andhra Tharhi — Site of an 11th-century Viṣṇu image with inscription 4. Girijasthana, Uccaitha — Site of a Viṣṇu image dated circa 13th century How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only two
- (B) Only one
- (C) None
- (D) Only three

५०४. Consider the following Assertion–Reason question on Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material : Assertion (A): The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking. Reason (R): they demonstrate the strength of Vaiṣṇava art in medieval Mithila Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

५०५. With reference to **Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material** , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.
- (B) A caturbhuja Viṣṇu from Koti Ranway, Darbhanga district, stands in samapāda-sthānaka on a lotus pedestal.
- (C) An image of Viṣṇu from Girijasthana, Uccaitha in Madhubani district is dated circa 13th century A.D.
- (D) A standing Viṣṇu from Bhairava Balia is dated to the 12th century A.D.

५०६. Which one of the following is the best inference from **Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material** ?

- (A) The Purāṇic evidence gives no mention of Tirabhukti or any later name connected with Mithila.
- (B) A standing Viṣṇu from Bhairava Balia is dated to the 12th century A.D.
- (C) The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule.
- (D) The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times.

५०७. In a source-evidence based UPSC question, why is the item **Bhairava Balia** significant in **Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material** ?

- (A) Bhairava Balia is relevant because it is associated with site of a 12th-century viṣṇu image.
- (B) The Bhit-Bhagwanpur door-jamb is treated as insignificant because it has no ornamental rows or iconographic details.
- (C) The plate list excludes sites in Madhubani and Darbhanga districts.
- (D) Architectural members such as pillars, lintels and capitals are said never to have been found in Mithila.

५०८. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on **Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material** : D. A caturbhuja Viṣṇu from Koti Ranway, Darbhanga district, stands in samapāda-sthānaka on a lotus pedestal. C. A weather-worn Viṣṇu from Andhra Tharhi is dated to the 11th century A.D. A. The Koti Ranway Viṣṇu is associated with Lakṣmī, Sarasvatī, śaṅkha-puruṣa and cakra-puruṣa motifs. B. A profusely ornamented Viṣṇu from Bhit-Bhagwanpur is dated to the 11th century A.D. Select the correct order.

- (A) A - B - C - D
- (B) B - C - A - D
- (C) B - A - C - D
- (D) C - B - A - D

५०९. With reference to **Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material** , consider the following statements: 1. A profusely ornamented Viṣṇu from Bhit-Bhagwanpur is dated to the 11th century A.D. 2. The Andhra Tharhi Viṣṇu inscription is connected with King Nānyadeva's minister Śrīdhara building a Viṣṇu temple. 3. A caturbhuja Viṣṇu from Koti Ranway, Darbhanga district, stands in samapāda-sthānaka on a lotus pedestal. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1, 2 and 3
- (B) 1 and 2 only
- (C) 1 and 3 only
- (D) 2 and 3 only

५१०. Consider the following pairs related to **Viṣṇu Images and Vaiṣṇava Material** : 1. Śrīdhara — Minister of King Nānyadeva linked to a Viṣṇu temple 2. Bhairava Balia — Site of a 12th-century Viṣṇu image 3. Bideswarasthana — Site of an 11th-century Viṣṇu image with inscription 4. Andhra Tharhi — Site of an 11th-century Viṣṇu image with inscription How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only three
- (B) None
- (C) Only two
- (D) Only one

Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images

५११. With reference to Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images , consider the following statements: 1. A highly decorated Śiva-Pārvatī from Bhit-Bhagwanpur is dated circa 11th century A.D. 2. The Śiva-Pārvatī alingana motif shows the couple in embrace and is associated with Śaiva iconography. 3. The Buddhist references prove that Mithila was always outside every conception of Madhyadeśa and Prācyadeśa. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 only
- (B) 1, 2 and 3
- (C) 1 and 2 only
- (D) None

५१२. Consider the following pairs related to Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images : 1. Śiva-Pārvatī — Couple image in alingana pose 2. Pārvatī — Śaiva goddess image from Girijasthan/Phulhara 3. Ekamukhi Śiva — Site of Śiva-Pārvatī image 4. Bhuvaneswarasthana — Site of Śiva-Pārvatī image How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only three
- (B) None
- (C) Only one
- (D) Only two

५१३. Consider the following Assertion–Reason question on Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images : Assertion (A): Śaiva images are prominent Reason (R): The book denies any Tantric association with Mithila’s religious-artistic culture. Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

५१४. With reference to Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The Śiva-Pārvatī alingana motif shows the couple in embrace and is associated with Śaiva iconography.
- (B) The Pārvatī image is described as standing on kamalāsana and having four arms in the illustration list.
- (C) The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof.
- (D) Śaiva imagery is one of the strongest strands in medieval Maithila sculpture.

५१५. Which one of the following is the best inference from Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images ?

- (A) The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision.
- (B) The author says Mithila art can be understood without examining temple architecture, sculptures, literature, antiquities or excavated material.
- (C) The Śiva-Pārvatī alingana motif shows the couple in embrace and is associated with Śaiva iconography.
- (D) The Bhit-Bhagwanpur door-jamb is treated as insignificant because it has no ornamental rows or iconographic details.

५१६. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Pārvatī significant in Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images ?

- (A) The Purāṇic evidence gives no mention of Tirabhukti or any later name connected with Mithila.
- (B) Pārvatī is relevant because it is associated with śaiva goddess image from girijasthan/phulhara.
- (C) The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking.
- (D) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.

५१७. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images : D. A beautiful head of Śiva from Jogeswaranatha temple at Nahar is dated circa 12th century A.D. A. A highly decorated Śiva-Pārvatī from Bhit-Bhagwanpur is dated circa 11th century A.D. C. A Pārvatī image from Girijasthan, Phulhara is dated to the 11th century A.D. B. A Śiva-Pārvatī image from Bhuvaneswarasthana, Mangarauni is dated circa 11th–12th century A.D. Select the correct order.

- (A) C - B - A - D
- (B) D - C - B - A
- (C) A - D - B - C
- (D) A - B - C - D

५१८. With reference to Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images , consider the following statements: 1. The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking. 2. The Pārvatī image is described as standing on kamalāsana and having four arms in the illustration list. 3. A highly decorated Śiva-Pārvatī from Bhit-Bhagwanpur is dated circa 11th century A.D. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 and 3 only
- (B) 1 and 3 only
- (C) 3 only
- (D) 2 only

५१९. Consider the following pairs related to Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images : 1. Śiva-Pārvatī — Couple image in alingana pose 2. Bhuvaneswarasthana — Site of Śiva-Pārvatī image 3. Pārvatī — Śaiva goddess image from Girijasthan/Phulhara 4. Ekamukhi Śiva — Nahar site associated with Śiva head How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only two
- (B) Only three
- (C) Only one
- (D) All four

५२०. Consider the following Assertion–Reason question on Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images : Assertion (A): A Śiva-Pārvatī image from Bhuvaneswarasthana, Mangarauni is dated circa 11th–12th century A.D. Reason (R): they show the intimate Śiva-Pārvatī iconographic motif in the region Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

५२१. With reference to Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The text also refers to Śiva worship in phallic symbol, anthropomorphic form and bull association.
- (B) The Pārvatī image is described as standing on kamalāsana and having four arms in the illustration list.
- (C) A weather-worn Śiva-Pārvatī image is dated circa 10th–11th century A.D.
- (D) The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building.

५२२. Which one of the following is the best inference from Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images ?

- (A) The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building.
- (B) A highly decorated Śiva-Pārvatī from Bhit-Bhagwanpur is dated circa 11th century A.D.
- (C) The sikhara type is described as a flat-roofed form with no vertical tower or curvilinear spire.
- (D) The volume argues that the name Tirhut is older than all Vedic references and has no relation to Tirabhukti.

५२३. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Jogeswaranatha temple significant in Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images ?

- (A) The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking.
- (B) The sikhara type is described as a flat-roofed form with no vertical tower or curvilinear spire.
- (C) Jogeswaranatha temple is relevant because it is associated with nahar site associated with Śiva head.
- (D) The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times.

५२४. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images : C. A weather-worn Śiva-Pārvatī image is dated circa 10th–11th century A.D. D. A highly decorated Śiva-Pārvatī from Bhit-Bhagwanpur is dated circa 11th century A.D. A. The Śiva-Pārvatī alingana motif shows the couple in embrace and is associated with Śaiva iconography. B. The text also refers to Śiva worship in phallic symbol, anthropomorphic form and bull association. Select the correct order.

- (A) D - B - A - C
- (B) C - A - B - D
- (C) A - B - C - D
- (D) D - C - B - A

५२५. With reference to Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images , consider the following statements: 1. Śaiva imagery is one of the strongest strands in medieval Maithila sculpture. 2. The Buddhist references prove that Mithila was always outside every conception of Madhyadeśa and Prācyadeśa. 3. The author rejects the idea of a local Mithila school during the so-called Pāla period. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 3 only
- (B) 1 only
- (C) 1, 2 and 3
- (D) 3 only

५२६. Consider the following pairs related to Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images : 1. Śiva-Pārvatī — Śaiva goddess image from Girijasthan/Phulhara 2. Pārvatī — Śaiva goddess image from Girijasthan/Phulhara 3. Alingana mudrā — Embrace pose in Śiva-Pārvatī imagery 4. Ekamukhi Śiva — One-faced Śiva bust from Girijasthan How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only two
- (B) Only three
- (C) None
- (D) All four

५२७. Consider the following Assertion–Reason question on Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images : Assertion (A): The alingana images are significant Reason (R): they show the intimate Śiva-Pārvatī iconographic motif in the region Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

५२८. With reference to Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images , which one of the following statements is not correct ?

- (A) A Śiva-Pārvatī image from Bhuvaneswarasthan, Mangarauni is dated circa 11th–12th century A.D.
- (B) Śaiva imagery is one of the strongest strands in medieval Maithila sculpture.
- (C) The Purāṇic evidence gives no mention of Tirabhukti or any later name connected with Mithila.
- (D) A weather-worn Śiva-Pārvatī image is dated circa 10th–11th century A.D.

५२९. Which one of the following is the best inference from Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images ?

- (A) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.
- (B) The Purāṇic evidence gives no mention of Tirabhukti or any later name connected with Mithila.
- (C) The author says Mithila art can be understood without examining temple architecture, sculptures, literature, antiquities or excavated material.
- (D) A beautiful head of Śiva from Jogeswaranatha temple at Nahar is dated circa 12th century A.D.

५३०. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Pārvatī significant in Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images ?

- (A) The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof.
- (B) Pārvatī is relevant because it is associated with śaiva goddess image from girijasthana/phulhara.
- (C) The book says medieval Mithila was exclusively Buddhist and had no Śaiva, Vaiṣṇava or Śākta imagery.
- (D) The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule.

५३१. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images : D. A beautiful head of Śiva from Jogeswaranatha temple at Nahar is dated circa 12th century A.D. C. The Pārvatī image is described as standing on kamalāsana and having four arms in the illustration list. A. The text also refers to Śiva worship in phallic symbol, anthropomorphic form and bull association. B. A Śiva-Pārvatī image from Bhuvaneswarasthana, Mangarauni is dated circa 11th–12th century A.D. Select the correct order.

- (A) D - B - C - A
- (B) A - B - C - D
- (C) C - A - D - B
- (D) C - D - A - B

५३२. With reference to Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images , consider the following statements: 1. The Pārvatī image is described as standing on kamalāsana and having four arms in the illustration list. 2. The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India. 3. A Śiva-Pārvatī image from Bhuvaneswarasthana, Mangarauni is dated circa 11th–12th century A.D. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) None
- (B) 2 only
- (C) 1 and 3 only
- (D) 1 and 2 only

५३३. Consider the following pairs related to Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images : 1. Pārvatī — Śaiva goddess image from Girijasthana/Phulhara 2. Alingana mudrā — One-faced Śiva bust from Girijasthana 3. Śiva-Pārvatī — Couple image in alingana pose 4. Ekamukhi Śiva — One-faced Śiva bust from Girijasthana How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) None
- (B) Only three
- (C) Only two
- (D) Only one

५३४. Consider the following Assertion–Reason question on Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images : Assertion (A): The hut type temple is described as a stone pyramid imported from the Deccan with no relation to thatched hut forms. Reason (R): they show the intimate Śiva-Pārvatī iconographic motif in the region Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

५३५. With reference to Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images , which one of the following statements is not correct ?

- (A) A beautiful head of Śiva from Jogeswaranatha temple at Nahar is dated circa 12th century A.D.
- (B) Śaiva imagery is one of the strongest strands in medieval Maithila sculpture.
- (C) The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision.
- (D) The Pārvatī image is described as standing on kamalāsana and having four arms in the illustration list.

५३६. Which one of the following is the best inference from Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images ?

- (A) The sikhara type is described as a flat-roofed form with no vertical tower or curvilinear spire.
- (B) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.
- (C) A weather-worn Śiva-Pārvatī image is dated circa 10th–11th century A.D.
- (D) The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof.

५३७. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Śiva-Pārvatī significant in Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images ?

- (A) The author says Mithila art can be understood without examining temple architecture, sculptures, literature, antiquities or excavated material.
- (B) Śiva-Pārvatī is relevant because it is associated with couple image in alingana pose.
- (C) The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof.
- (D) The Purāṇic evidence gives no mention of Tirabhukti or any later name connected with Mithila.

५३८. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book’s argument on Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images : D. The Śiva-Pārvatī alingana motif shows the couple in embrace and is associated with Śaiva iconography. B. Śaiva imagery is one of the strongest strands in medieval Maithila sculpture. C. A beautiful head of Śiva from Jogeswaranatha temple at Nahar is dated circa 12th century A.D. A. A highly decorated Śiva-Pārvatī from Bhit-Bhagwanpur is dated circa 11th century A.D. Select the correct order.

- (A) B - C - A - D
- (B) C - A - B - D
- (C) B - D - A - C
- (D) A - B - C - D

५३९. With reference to Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images , consider the following statements: 1. A highly decorated Śiva-Pārvatī from Bhit-Bhagwanpur is dated circa 11th century A.D. 2. A Pārvatī image from Girijasthana, Phulhara is dated to the 11th century A.D. 3. A beautiful head of Śiva from Jogeswaranatha temple at Nahar is dated circa 12th century A.D. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 only
- (B) None
- (C) 2 and 3 only
- (D) 1, 2 and 3

५४०. Consider the following pairs related to Śiva, Pārvatī, Uma-Maheśvara and Śaiva Images : 1. Pārvatī — Śaiva goddess image from Girijasthan/Phulhara 2. Ekamukhi Śiva — One-faced Śiva bust from Girijasthan 3. Alingana mudrā — Śaiva goddess image from Girijasthan/Phulhara 4. Jogeswaranatha temple — Nahar site associated with Śiva head How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only three
- (B) Only two
- (C) Only one
- (D) All four

Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images

५४१. With reference to Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images , consider the following statements: 1. Mahiṣāsūramardīnī in Chandradhari Museum is dated circa 12th century A.D. 2. A female deity possibly Kālī from Girijasthan, Phulhara is dated circa 11th century A.D. 3. The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 and 3 only
- (B) 1 and 2 only
- (C) 1 and 3 only
- (D) 1 only

५४२. Consider the following pairs related to Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images : 1. Aṣṭabhuṣā Cāmuṇḍā — Eight-armed Cāmuṇḍā image 2. Durgā-Siṃhavāhinī — Durgā seated with lion vehicle 3. Mahiṣāsūramardīnī — Durgā seated with lion vehicle 4. Chandradhari Museum — Institution associated with Mahiṣāsūramardīnī and other specimens How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only two
- (B) None
- (C) Only three
- (D) Only one

५४३. Consider the following Assertion–Reason question on Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images : Assertion (A): Śakti images are central to the corpus Reason (R): The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof. Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

५४४. With reference to Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images , which one of the following statements is not correct ?

- (A) A Cāmuṇḍā image shows an emaciated body and iconographic details such as skull, dagger, ḍamaru or kapāla in the list description.
- (B) Mahiṣāsūramardīnī in Chandradhari Museum is dated circa 12th century A.D.
- (C) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.
- (D) Durgā-Siṃhavāhinī from Chaugama is dated circa 12th century A.D.

५४५. Which one of the following is the best inference from Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images ?

- (A) The plates show no Sūrya images from Nahar-Bhagwatipur or Bhadrakali Mandir.
- (B) The plate list excludes sites in Madhubani and Darbhanga districts.
- (C) The sculpture chapter says datable specimens of Mithila sculpture are abundant for the 6th and 7th centuries.
- (D) Mahiṣāsūramardīnī, Siṃhavāhinī and Cāmuṇḍā are named as forms of Śakti in the sculptural corpus.

५४६. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Tārā significant in Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images ?

- (A) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.
- (B) The Viṣṇu images are all assigned by the author to the 18th–19th centuries.
- (C) The book's plates and list of illustrations are irrelevant for art-historical identification.
- (D) Tārā is relevant because it is associated with buddhist/tantric goddess form.

५४७. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images : A. Maḥiṣāsūramardīnī in Chandradhari Museum is dated circa 12th century A.D. B. Durgā-Siṃhavāhinī from Chaugama is dated circa 12th century A.D. C. An aṣṭabhuja Cāmuṇḍā seated in ardhaparyāṅka-mudrā is dated circa 12th century A.D. D. A Cāmuṇḍā image shows an emaciated body and iconographic details such as skull, dagger, ḍamaru or kapāla in the list description. Select the correct order.

- (A) D - B - C - A
- (B) A - B - C - D
- (C) D - B - A - C
- (D) A - B - D - C

५४८. With reference to Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images , consider the following statements: 1. The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule. 2. Maḥiṣāsūramardīnī, Siṃhavāhinī and Cāmuṇḍā are named as forms of Śakti in the sculptural corpus. 3. A Cāmuṇḍā image shows an emaciated body and iconographic details such as skull, dagger, ḍamaru or kapāla in the list description. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 only
- (B) 1 and 3 only
- (C) 2 and 3 only
- (D) 1 and 2 only

५४९. Consider the following pairs related to Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images : 1. Tārā — Buddhist/Tantric goddess form 2. Ardhaparyāṅka-mudrā — Seated posture in several images 3. Durgā-Siṃhavāhinī — Durgā seated with lion vehicle 4. Maḥiṣāsūramardīnī — Institution associated with Maḥiṣāsūramardīnī and other specimens How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only three
- (B) Only one
- (C) None
- (D) Only two

५५०. Consider the following Assertion–Reason question on Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images : Assertion (A): A female deity possibly Kālī from Girijasthana, Phulhara is dated circa 11th century A.D. Reason (R): Buddhist and Tantric strands overlapped in the region Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

५५१. With reference to Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images , which one of the following statements is not correct ?

- (A) Durgā-Siṃhavāhinī from Chaugama is dated circa 12th century A.D.
- (B) Maḥiṣāsūramardīnī, Siṃhavāhinī and Cāmuṇḍā are named as forms of Śakti in the sculptural corpus.
- (C) Tārā images indicate Buddhist or Tantric currents alongside Śākta traditions.
- (D) The Ahilyasthana temple is presented as a Dravidian vimāna without curvilinear tower features.

५५२. Which one of the following is the best inference from Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images ?

- (A) The sikhara type is described as a flat-roofed form with no vertical tower or curvilinear spire.
- (B) Durgā-Siṃhavāhinī from Chaugama is dated circa 12th century A.D.
- (C) The book's plates and list of illustrations are irrelevant for art-historical identification.
- (D) The author treats Mithila's visual culture as completely disconnected from Janaka, Bengali contact and Madhubani painting.

५५३. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Aṣṭabhuṣā Cāmuṇḍā significant in Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images ?

- (A) Aṣṭabhuṣā Cāmuṇḍā is relevant because it is associated with eight-armed cāmuṇḍā image.
- (B) The Purāṇic evidence gives no mention of Tirabhukti or any later name connected with Mithila.
- (C) The volume argues that the name Tirhut is older than all Vedic references and has no relation to Tirabhukti.
- (D) The book's plates and list of illustrations are irrelevant for art-historical identification.

५५४. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images : B. Mahiṣasuramardini, Siṃhavāhinī and Cāmuṇḍā are named as forms of Śakti in the sculptural corpus. D. A Cāmuṇḍā image shows an emaciated body and iconographic details such as skull, dagger, ḍamaru or kapāla in the list description. A. Mahiṣasuramardini in Chandradhari Museum is dated circa 12th century A.D. C. A female deity possibly Kālī from Girijasthana, Phulhara is dated circa 11th century A.D. Select the correct order.

- (A) B - D - A - C
- (B) B - C - D - A
- (C) A - B - C - D
- (D) A - D - C - B

५५५. With reference to Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images , consider the following statements: 1. The Śākta cult is described as prevalent in Mithila from early times and popular even today. 2. The sikhara type is described as a flat-roofed form with no vertical tower or curvilinear spire. 3. The Bhit-Bhagwanpur door-jamb is treated as insignificant because it has no ornamental rows or iconographic details. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1, 2 and 3
- (B) 2 and 3 only
- (C) 1 and 3 only
- (D) 1 only

५५६. Consider the following pairs related to Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images : 1. Aṣṭabhuṣā Cāmuṇḍā — Institution associated with Mahiṣasuramardini and other specimens 2. Tārā — Buddhist/Tantric goddess form 3. Chandradhari Museum — Institution associated with Mahiṣasuramardini and other specimens 4. Mahiṣasuramardini — Durgā as slayer of buffalo demon How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only two
- (B) Only three
- (C) All four
- (D) None

५५७. Consider the following Assertion–Reason question on Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images : Assertion (A): Tārā appears in the list Reason (R): Buddhist and Tantric strands overlapped in the region Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

५५८. With reference to Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The sikhara type is described as a flat-roofed form with no vertical tower or curvilinear spire.
- (B) The Śākta cult is described as prevalent in Mithila from early times and popular even today.
- (C) An aṣṭabhujā Cāmuṇḍā seated in ardhaparyāṅka-mudrā is dated circa 12th century A.D.
- (D) Maḥiṣāsura-mardīnī, Siṃhavāhinī and Cāmuṇḍā are named as forms of Śakti in the sculptural corpus.

५५९. Which one of the following is the best inference from Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images ?

- (A) The sculpture chapter says datable specimens of Mithila sculpture are abundant for the 6th and 7th centuries.
- (B) The Śakti material strengthens the book's emphasis on Mithila's Tantric and mother-goddess traditions.
- (C) In the book, garbhagṛha is always above the surface and never reached by descending steps.
- (D) The book says medieval Mithila was exclusively Buddhist and had no Śaiva, Vaiṣṇava or Śākta imagery.

५६०. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Ardhaparyāṅka-mudrā significant in Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images ?

- (A) The volume argues that the name Tirhut is older than all Vedic references and has no relation to Tirabhukti.
- (B) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.
- (C) Ardhaparyāṅka-mudrā is relevant because it is associated with seated posture in several images.
- (D) The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking.

५६१. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images : C. Durgā-Siṃhavāhinī from Chaugama is dated circa 12th century A.D. B. The Śakti material strengthens the book's emphasis on Mithila's Tantric and mother-goddess traditions. A. The Śākta cult is described as prevalent in Mithila from early times and popular even today. D. A beautiful Tārā image from Mangarauni is dated circa 11th century A.D. Select the correct order.

- (A) A - B - C - D
- (B) B - D - A - C
- (C) B - C - A - D
- (D) B - C - D - A

५६२. With reference to Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images , consider the following statements: 1. A beautiful Tārā image from Mangarauni is dated circa 11th century A.D. 2. The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof. 3. An aṣṭabhujā Cāmuṇḍā seated in ardhaparyāṅka-mudrā is dated circa 12th century A.D. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 and 3 only
- (B) 1 and 3 only
- (C) 1, 2 and 3
- (D) None

५६३. Consider the following pairs related to Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images : 1. Aṣṭabhujā Cāmuṇḍā — Eight-armed Cāmuṇḍā image 2. Durgā-Siṃhavāhinī — Durgā as slayer of buffalo demon 3. Maḥiṣāsura-mardīnī — Durgā as slayer of buffalo demon 4. Ardhaparyāṅka-mudrā — Seated posture in several images How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) All four
- (B) Only two
- (C) Only one
- (D) Only three

५६४. Consider the following Assertion–Reason question on Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images : Assertion (A): The Bhit-Bhagwanpur door-jamb is treated as insignificant because it has no ornamental rows or iconographic details. Reason (R): Buddhist and Tantric strands overlapped in the region Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

५६५. With reference to Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images , which one of the following statements is not correct ?

- (A) Tārā images indicate Buddhist or Tantric currents alongside Śākta traditions.
- (B) Maḥiṣāsūramardīnī in Chandradhari Museum is dated circa 12th century A.D.
- (C) The Śākta cult is described as prevalent in Mithila from early times and popular even today.
- (D) The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule.

५६६. Which one of the following is the best inference from Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images ?

- (A) Maḥiṣāsūramardīnī in Chandradhari Museum is dated circa 12th century A.D.
- (B) The volume argues that the name Tirhut is older than all Vedic references and has no relation to Tirabhukti.
- (C) The plate list excludes sites in Madhubani and Darbhanga districts.
- (D) The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times.

५६७. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Chandradhari Museum significant in Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images ?

- (A) The author rejects the idea of a local Mithila school during the so-called Pāla period.
- (B) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.
- (C) The author holds that stone was abundantly available in Mithila and therefore brick construction was insignificant.
- (D) Chandradhari Museum is relevant because it is associated with institution associated with maḥiṣāsūramardīnī and other specimens.

५६८. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book’s argument on Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images : C. The Śakti material strengthens the book’s emphasis on Mithila’s Tantric and mother-goddess traditions. B. The Śākta cult is described as prevalent in Mithila from early times and popular even today. D. Maḥiṣāsūramardīnī, Siṃhavāhinī and Cāmuṇḍā are named as forms of Śakti in the sculptural corpus. A. A Cāmuṇḍā image shows an emaciated body and iconographic details such as skull, dagger, ḍamaru or kapāla in the list description. Select the correct order.

- (A) A - B - C - D
- (B) B - D - A - C
- (C) B - A - D - C
- (D) A - C - B - D

५६९. With reference to Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images , consider the following statements: 1. Maḥiṣāsūramardīnī in Chandradhari Museum is dated circa 12th century A.D. 2. The Śakti material strengthens the book’s emphasis on Mithila’s Tantric and mother-goddess traditions. 3. Maḥiṣāsūramardīnī, Siṃhavāhinī and Cāmuṇḍā are named as forms of Śakti in the sculptural corpus. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 3 only
- (B) 1, 2 and 3
- (C) 2 only
- (D) 1 and 2 only

५७०. Consider the following pairs related to Śakti, Durgā, Cāmuṇḍā and Tārā Images : 1. Ardhaparyāṅka-mudrā — Seated posture in several images 2. Durgā-Siṃhavāhinī — Durgā seated with lion vehicle 3. Mahiṣāsūramardīnī — Buddhist/Tantric goddess form 4. Chandradhari Museum — Institution associated with Mahiṣāsūramardīnī and other specimens How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) All four
- (B) Only two
- (C) None
- (D) Only three

Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images

५७१. With reference to Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images , consider the following statements:

1. An Agni image seated in ardhaparyāṅka-mudrā on a lotus pedestal is listed among the illustrations. 2. A weather-worn Buddha in bhūmisparśa-mudrā from Bideswarasthana is dated circa 11th–12th century A.D. 3. The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) None
- (B) 1 and 2 only
- (C) 2 only
- (D) 1 only

५७२. Consider the following pairs related to Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images : 1.

Bhūmisparśa-mudrā — Earth-touching Buddha posture 2. Agni — Image seated on lotus pedestal in list 3. Rāja-līlā pose — Earth-touching Buddha posture 4. Gajalakṣmī — Door-jamb fragment motif with Navagrahas How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only one
- (B) Only two
- (C) Only three
- (D) None

५७३. Consider the following Assertion–Reason question on Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images : Assertion (A): Door-jamb imagery matters Reason (R): The author rejects the idea of a local Mithila school during the so-called Pāla period. Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

५७४. With reference to Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images , which one of the following statements is not correct ?

- (A) A weather-worn Buddha in bhūmisparśa-mudrā from Bideswarasthana is dated circa 11th–12th century A.D.
- (B) Gaṅgā, Piṅgala and a cauri bearer on makara are also shown within a trefoil arch at Andhra Tharhi.
- (C) A damaged Buddha in bhūmisparśa-mudrā from Manapura, Darbhanga is dated to the 11th century A.D.
- (D) The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule.

५७५. Which one of the following is the best inference from Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images ?

- (A) The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way.
- (B) Gaṅgā, Piṅgala and a cauri bearer on makara are also shown within a trefoil arch at Andhra Tharhi.
- (C) The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times.
- (D) The text states that floods, earthquakes and damp climate helped preserve Mithila's monuments in perfect condition.

५७६. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Agni significant in Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images ?

- (A) The Purāṇic evidence gives no mention of Tirabhukti or any later name connected with Mithila.
- (B) Agni is relevant because it is associated with image seated on lotus pedestal in list.
- (C) The Viṣṇu images are all assigned by the author to the 18th–19th centuries.
- (D) The sikhara type is described as a flat-roofed form with no vertical tower or curvilinear spire.

५७७. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images : B. An Agni image seated in ardhaparyāṅka-mudrā on a lotus pedestal is listed among the illustrations. C. A four-armed Gaṇeśa from Bhagwanpur is seated in rāja-līlā pose and dated circa 12th century A.D. A. A damaged Buddha in bhūmisparśa-mudrā from Manapura, Darbhanga is dated to the 11th century A.D. D. A bronze Garuḍa from Durgasthana, Mangarauni is stylistically dated circa 11th–12th century A.D. Select the correct order.

- (A) A - D - B - C
- (B) B - C - A - D
- (C) A - B - C - D
- (D) B - D - A - C

५७८. With reference to Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images , consider the following statements:
1. The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule. 2. Yamunā on tortoise and Daṇḍi within a trefoil arch are linked with a Viṣṇu temple built by King Nānyadeva's minister Śrīdhara. 3. A four-armed Gaṇeśa from Bhagwanpur is seated in rāja-līlā pose and dated circa 12th century A.D. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 3 only
- (B) 1 only
- (C) 2 only
- (D) 2 and 3 only

५७९. Consider the following pairs related to Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images : 1. Bhūmisparśa-mudrā — Earth-touching Buddha posture 2. Rāja-līlā pose — Posture of a four-armed Gaṇeśa 3. Dancing Gaṇeśa — Bhit-Bhagwanpur image dated circa 10th century 4. Agni — Posture of a four-armed Gaṇeśa How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) All four
- (B) None
- (C) Only three
- (D) Only two

५८०. Consider the following Assertion–Reason question on Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images :
Assertion (A): Dancing Gaṇeśa from Bhit-Bhagwanpur is dated circa 10th century A.D. Reason (R): Mithila's art corpus is not limited to Viṣṇu, Śiva and Śakti Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

५८१. With reference to Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The miscellaneous material shows that the corpus extends beyond the three main groups of Viṣṇu, Śiva and Śakti.
- (B) A damaged Buddha in bhūmisparśa-mudrā from Manapura, Darbhanga is dated to the 11th century A.D.
- (C) A weather-worn Buddha in bhūmisparśa-mudrā from Bideswarasthana is dated circa 11th–12th century A.D.
- (D) The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof.

५८२. Which one of the following is the best inference from Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images ?

- (A) The Ahilyasthana temple is presented as a Dravidian vimāna without curvilinear tower features.
- (B) The volume argues that the name Tirhut is older than all Vedic references and has no relation to Tirabhukti.
- (C) The author rejects the idea of a local Mithila school during the so-called Pāla period.
- (D) A bronze Garuḍa from Durgasthana, Mangarauni is stylistically dated circa 11th–12th century A.D.

५८३. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Gajalakṣmī significant in Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images ?

- (A) The text states that floods, earthquakes and damp climate helped preserve Mithila's monuments in perfect condition.
- (B) The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way.
- (C) Gajalakṣmī is relevant because it is associated with door-jamb fragment motif with navagrahas.
- (D) The Bhit-Bhagwanpur door-jamb is treated as insignificant because it has no ornamental rows or iconographic details.

५८४. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images : C. Fragments of a door-jamb depicting Gajalakṣmī with Navagrahas on both sides are from Bhit-Bhagwanpur and dated circa 10th century A.D. A. Gaṅgā, Piṅgala and a cauri bearer on makara are also shown within a trefoil arch at Andhra Tharhi. B. The miscellaneous material shows that the corpus extends beyond the three main groups of Viṣṇu, Śiva and Śakti. D. Yamunā on tortoise and Daṇḍi within a trefoil arch are linked with a Viṣṇu temple built by King Nānyadeva's minister Śrīdhara. Select the correct order.

- (A) C - B - D - A
- (B) C - B - A - D
- (C) A - B - C - D
- (D) C - D - B - A

५८५. With reference to Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images , consider the following statements:

1. A damaged Buddha in bhūmisparśa-mudrā from Manapura, Darbhanga is dated to the 11th century A.D. 2. The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building. 3. The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 3 only
- (B) 3 only
- (C) 1 only
- (D) 2 only

५८६. Consider the following pairs related to Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images : 1. Garuḍa — Bhit-Bhagwanpur image dated circa 10th century 2. Dancing Gaṇeśa — Bhit-Bhagwanpur image dated circa 10th century 3. Rāja-līlā pose — Posture of a four-armed Gaṇeśa 4. Agni — Image seated on lotus pedestal in list How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) None
- (B) All four
- (C) Only one
- (D) Only three

५८७. Consider the following Assertion–Reason question on Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images :

Assertion (A): Door-jamb imagery matters Reason (R): it preserves subsidiary deities and decorative iconographic programmes Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

५८८. With reference to Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images , which one of the following statements is not correct ?

- (A) A damaged Buddha in bhūmisparśa-mudrā from Manapura, Darbhanga is dated to the 11th century A.D.
- (B) A bronze Garuḍa from Durgasthana, Mangarauni is stylistically dated circa 11th–12th century A.D.
- (C) The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking.
- (D) The miscellaneous material shows that the corpus extends beyond the three main groups of Viṣṇu, Śiva and Śakti.

५८९. Which one of the following is the best inference from Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images ?

- (A) The miscellaneous material shows that the corpus extends beyond the three main groups of Viṣṇu, Śiva and Śakti.
- (B) The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof.
- (C) The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times.
- (D) The book says medieval Mithila was exclusively Buddhist and had no Śaiva, Vaiṣṇava or Śākta imagery.

५९०. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Agni significant in Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images ?

- (A) The Purāṇic evidence gives no mention of Tirabhukti or any later name connected with Mithila.
- (B) Agni is relevant because it is associated with image seated on lotus pedestal in list.
- (C) The author holds that stone was abundantly available in Mithila and therefore brick construction was insignificant.
- (D) The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof.

५९१. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images : B. Fragments of a door-jamb depicting Gajalakṣmī with Navagrahas on both sides are from Bhit-Bhagwanpur and dated circa 10th century A.D. D. Gaṅgā, Piṅgala and a cauri bearer on makara are also shown within a trefoil arch at Andhra Tharhi. A. The miscellaneous material shows that the corpus extends beyond the three main groups of Viṣṇu, Śiva and Śakti. C. A bronze Garuḍa from Durgasthana, Mangarauni is stylistically dated circa 11th–12th century A.D. Select the correct order.

- (A) A - B - C - D
- (B) D - C - B - A
- (C) A - C - B - D
- (D) C - A - B - D

५९२. With reference to Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images , consider the following statements:

1. An Agni image seated in ardhaparyāṅka-mudrā on a lotus pedestal is listed among the illustrations. 2. The book says medieval Mithila was exclusively Buddhist and had no Śaiva, Vaiṣṇava or Śākta imagery. 3. A four-armed Gaṇeśa from Bhagwanpur is seated in rāja-līlā pose and dated circa 12th century A.D. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 only
- (B) None
- (C) 1 and 3 only
- (D) 3 only

५९३. Consider the following pairs related to Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images : 1. Garuḍa — Bronze image from Durgasthana, Mangarauni 2. Agni — Earth-touching Buddha posture 3. Gajalakṣmī — Door-jamb fragment motif with Navagrahas 4. Dancing Gaṇeśa — Bhit-Bhagwanpur image dated circa 10th century How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) None
- (B) Only one
- (C) Only two
- (D) Only three

५९४. Consider the following Assertion–Reason question on Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images : Assertion (A): The author says Mithila art can be understood without examining temple architecture, sculptures, literature, antiquities or excavated material. Reason (R): Mithila’s art corpus is not limited to Viṣṇu, Śiva and Śakti Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

५९५. With reference to Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images , which one of the following statements is not correct ?

- (A) A four-armed Gaṇeśa from Bhagwanpur is seated in rāja-līlā pose and dated circa 12th century A.D.
- (B) A weather-worn Buddha in bhūmisparśa-mudrā from Bideswarasthana is dated circa 11th–12th century A.D.
- (C) Fragments of a door-jamb depicting Gajalakṣmī with Navagrahas on both sides are from Bhit-Bhagwanpur and dated circa 10th century A.D.
- (D) The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building.

५९६. Which one of the following is the best inference from Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images ?

- (A) Fragments of a door-jamb depicting Gajalakṣmī with Navagrahas on both sides are from Bhit-Bhagwanpur and dated circa 10th century A.D.
- (B) The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions.
- (C) The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times.
- (D) The Buddhist references prove that Mithila was always outside every conception of Madhyadeśa and Prācyadeśa.

५९७. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Agni significant in Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images ?

- (A) The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions.
- (B) The hut type temple is described as a stone pyramid imported from the Deccan with no relation to thatched hut forms.
- (C) Agni is relevant because it is associated with image seated on lotus pedestal in list.
- (D) The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision.

५९८. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book’s argument on Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images : B. Gaṅgā, Piṅgala and a cauri bearer on makara are also shown within a trefoil arch at Andhra Tharhi. D. An Agni image seated in ardhaparyāṅka-mudrā on a lotus pedestal is listed among the illustrations. A. A weather-worn Buddha in bhūmisparśa-mudrā from Bideswarasthana is dated circa 11th–12th century A.D. C. A bronze Garuḍa from Durgasthana, Mangarauni is stylistically dated circa 11th–12th century A.D. Select the correct order.

- (A) B - A - C - D
- (B) A - B - C - D
- (C) A - B - D - C
- (D) D - B - A - C

५९९. With reference to Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images , consider the following statements: 1. The miscellaneous material shows that the corpus extends beyond the three main groups of Viṣṇu, Śiva and Śakti. 2. Fragments of a door-jamb depicting Gajalakṣmī with Navagrahas on both sides are from Bhit-Bhagwanpur and dated circa 10th century A.D. 3. A damaged Buddha in bhūmisparśa-mudrā from Manapura, Darbhanga is dated to the 11th century A.D. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1, 2 and 3
- (B) None
- (C) 1 only
- (D) 2 only

६००. Consider the following pairs related to Gaṇeśa, Gaṅgā-Yamunā, Buddha and Miscellaneous Images : 1. Rāja-līlā pose — Posture of a four-armed Gaṇeśa 2. Bhūmisparśa-mudrā — Earth-touching Buddha posture 3. Garuḍa — Bhit-Bhagwanpur image dated circa 10th century 4. Dancing Gaṇeśa — Bhit-Bhagwanpur image dated circa 10th century How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) All four
- (B) Only three
- (C) Only one
- (D) None

Temple Sites in the Illustration List

६०१. With reference to Temple Sites in the Illustration List , consider the following statements: 1. Durga temple, Rajnagar is listed among the temple illustrations. 2. Ahilyasthana temple is described as an Indo-Aryan type with curvilinear tower and aṅgaśikharas. 3. In the book, garbhagṛha is always above the surface and never reached by descending steps. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 only
- (B) 1 and 2 only
- (C) 2 and 3 only
- (D) 1, 2 and 3

६०२. Consider the following pairs related to Temple Sites in the Illustration List : 1. Bhadrakali temple, Bhagwatipur — Gumbad type roof with side openings 2. Gaurisankara temple — Combined dome-shaped śikhara and modified charbangla type 3. Ahilyasthana — Site of Kankali and Durga temples 4. Rajnagar — Site of Kankali and Durga temples How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only one
- (B) None
- (C) Only three
- (D) Only two

६०३. Consider the following Assertion–Reason question on Temple Sites in the Illustration List : Assertion (A): Temple plates are useful for UPSC-style questions Reason (R): The author holds that stone was abundantly available in Mithila and therefore brick construction was insignificant. Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

६०४. With reference to Temple Sites in the Illustration List , which one of the following statements is not correct ?

- (A) Gaurisankara temple at Gandheshwarasthana, Sivanagar near Jogiyara is a combined temple with dome-shaped śikhara and modified charbangla type.
- (B) Kankali temple at Rajnagar and other Rajnagar temples were built by Maharaja Rameswara Singh of Darbhanga.
- (C) Girijasthan temple at Phulhara in Darbhanga district is listed.
- (D) Architectural members such as pillars, lintels and capitals are said never to have been found in Mithila.

६०५. Which one of the following is the best inference from Temple Sites in the Illustration List ?

- (A) Architectural members such as pillars, lintels and capitals are said never to have been found in Mithila.
- (B) Gaurisankara temple at Gandheshwarasthana, Sivanagar near Jogiyara is a combined temple with dome-shaped śikhara and modified charbangla type.
- (C) The Purāṇic evidence gives no mention of Tirabhukti or any later name connected with Mithila.
- (D) The Bhit-Bhagwanpur door-jamb is treated as insignificant because it has no ornamental rows or iconographic details.

६०६. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Gaurisankara temple significant in Temple Sites in the Illustration List ?

- (A) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.
- (B) Gaurisankara temple is relevant because it is associated with combined dome-shaped śikhara and modified charbangla type.
- (C) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.
- (D) The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision.

६०७. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Temple Sites in the Illustration List : A. Gaurisankara temple at Gandheshwarasthana, Sivanagar near Jogiyara is a combined temple with dome-shaped śikhara and modified charbangla type. C. Durga temple, Rajnagar is listed among the temple illustrations. B. Jogeswaranatha temple at Nahar in Madhubani district is listed. D. Brijbihari Mandir, Madhubani is listed. Select the correct order.

- (A) A - B - C - D
- (B) D - B - A - C
- (C) A - D - C - B
- (D) D - C - B - A

६०८. With reference to Temple Sites in the Illustration List , consider the following statements: 1. The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images. 2. Rajeswara Mandir, Dokahara has a three-sided open verandah in front of the main temple according to the list. 3. Brijbihari Mandir, Madhubani is listed. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 2 only
- (B) 1 only
- (C) 2 and 3 only
- (D) 2 only

६०९. Consider the following pairs related to Temple Sites in the Illustration List : 1. Bhadrakali temple, Bhagwatipur — Gumbad type roof with side openings 2. Rajnagar — Site of Kankali and Durga temples 3. Rajeswara Mandir, Dokahara — Temple with three-sided open verandah 4. Maharaja Rameswara Singh — Indo-Aryan type temple with curvilinear tower How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) None
- (B) Only two
- (C) Only three
- (D) All four

६१०. Consider the following Assertion–Reason question on Temple Sites in the Illustration List : Assertion (A): Bhadrakali temple, Bhagwatipur has gumbad type roof with sides opening. Reason (R): they provide site, type, patronage and architectural features Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

६११. With reference to Temple Sites in the Illustration List , which one of the following statements is not correct ?

- (A) Bhadrakali temple, Bhagwatipur has gumbad type roof with sides opening.
- (B) Girijasthan temple at Phulhara in Darbhanga district is listed.
- (C) Durga temple, Rajnagar is listed among the temple illustrations.
- (D) The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images.

६१२. Which one of the following is the best inference from Temple Sites in the Illustration List ?

- (A) The book denies any Tantric association with Mithila's religious-artistic culture.
- (B) The Ganeśa images in the list are said to come only from Bengal and not from Bhit-Bhagwanpur or Bhagwatipur.
- (C) Brijbihari Mandir, Madhubani is listed.
- (D) The volume argues that the name Tirhut is older than all Vedic references and has no relation to Tirabhukti.

६१३. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Maharaja Rameswara Singh significant in Temple Sites in the Illustration List ?

- (A) The Ganeśa images in the list are said to come only from Bengal and not from Bhit-Bhagwanpur or Bhagwatipur.
- (B) The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images.
- (C) Maharaja Rameswara Singh is relevant because it is associated with builder associated with rajnagar temples.
- (D) The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building.

६१४. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Temple Sites in the Illustration List : B. Durga temple, Rajnagar is listed among the temple illustrations. C. Ahilyasthan temple is described as an Indo-Aryan type with curvilinear tower and aṅgaśikharas. D. Kankali temple at Rajnagar and other Rajnagar temples were built by Maharaja Rameswara Singh of Darbhanga. A. Brijbihari Mandir, Madhubani is listed. Select the correct order.

- (A) A - C - D - B
- (B) A - B - D - C
- (C) A - B - C - D
- (D) A - C - B - D

६१५. With reference to Temple Sites in the Illustration List , consider the following statements: 1. Rajeswara Mandir, Dokahara has a three-sided open verandah in front of the main temple according to the list. 2. The book denies any Tantric association with Mithila's religious-artistic culture. 3. The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 only
- (B) 3 only
- (C) 1 only
- (D) 2 and 3 only

६१६. Consider the following pairs related to Temple Sites in the Illustration List : 1. Rajeswara Mandir, Dokahara — Combined dome-shaped śikhara and modified charbangla type 2. Bhadrakali temple, Bhagwatipur — Gumbad type roof with side openings 3. Gaurisankara temple — Combined dome-shaped śikhara and modified charbangla type 4. Ahilyasthana — Indo-Aryan type temple with curvilinear tower How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) None
- (B) Only one
- (C) All four
- (D) Only three

६१७. Consider the following Assertion–Reason question on Temple Sites in the Illustration List : Assertion (A): Temple plates are useful for UPSC-style questions Reason (R): they provide site, type, patronage and architectural features Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

६१८. With reference to Temple Sites in the Illustration List , which one of the following statements is not correct ?

- (A) Brijbihari Mandir, Madhubani is listed.
- (B) The sculpture chapter says datable specimens of Mithila sculpture are abundant for the 6th and 7th centuries.
- (C) Rajeswara Mandir, Dokahara has a three-sided open verandah in front of the main temple according to the list.
- (D) Jogeswaranatha temple at Nahar in Madhubani district is listed.

६१९. Which one of the following is the best inference from Temple Sites in the Illustration List ?

- (A) Brijbihari Mandir, Madhubani is listed.
- (B) The author holds that stone was abundantly available in Mithila and therefore brick construction was insignificant.
- (C) The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof.
- (D) The Ahilyasthana temple is presented as a Dravidian vimāna without curvilinear tower features.

६२०. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Bhadrakali temple, Bhagwatipur significant in Temple Sites in the Illustration List ?

- (A) The author holds that stone was abundantly available in Mithila and therefore brick construction was insignificant.
- (B) The author rejects the idea of a local Mithila school during the so-called Pāla period.
- (C) The book denies any Tantric association with Mithila's religious-artistic culture.
- (D) Bhadrakali temple, Bhagwatipur is relevant because it is associated with gumbad type roof with side openings.

६२१. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Temple Sites in the Illustration List : C. Ahilyasthana temple is described as an Indo-Aryan type with curvilinear tower and aṅgaśikhara. B. Gaurisankara temple at Gandheshwarasthana, Sivanagar near Jogyara is a combined temple with dome-shaped śikhara and modified charbangla type. A. Brijbihari Mandir, Madhubani is listed. D. Kankali temple at Rajnagar and other Rajnagar temples were built by Maharaja Rameswara Singh of Darbhanga. Select the correct order.

- (A) C - B - D - A
- (B) C - A - D - B
- (C) A - B - C - D
- (D) D - A - B - C

६२२. With reference to Temple Sites in the Illustration List , consider the following statements: 1. Ahilyasthana temple is described as an Indo-Aryan type with curvilinear tower and aṅgaśikharas. 2. The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions. 3. Durga temple, Rajnagar is listed among the temple illustrations. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 and 3 only
- (B) 1 and 3 only
- (C) 1 and 2 only
- (D) 2 only

६२३. Consider the following pairs related to Temple Sites in the Illustration List : 1. Rajeswara Mandir, Dokahara — Temple with three-sided open verandah 2. Bhadrakali temple, Bhagwatipur — Indo-Aryan type temple with curvilinear tower 3. Maharaja Rameswara Singh — Builder associated with Rajnagar temples 4. Rajnagar — Site of Kankali and Durga temples How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) All four
- (B) Only one
- (C) Only three
- (D) None

६२४. Consider the following Assertion–Reason question on Temple Sites in the Illustration List : Assertion (A): The author says Mithila art can be understood without examining temple architecture, sculptures, literature, antiquities or excavated material. Reason (R): they provide site, type, patronage and architectural features Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

६२५. With reference to Temple Sites in the Illustration List , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The Purāṇic evidence gives no mention of Tirabhukti or any later name connected with Mithila.
- (B) Murali Manohara temple, Madhubani is listed among the temple illustrations.
- (C) Gaurisankara temple at Gandheshwarasthana, Sivanagar near Jogyara is a combined temple with dome-shaped śikhara and modified charbangla type.
- (D) Ahilyasthana temple is described as an Indo-Aryan type with curvilinear tower and aṅgaśikharas.

६२६. Which one of the following is the best inference from Temple Sites in the Illustration List ?

- (A) Jogeswaranatha temple at Nahar in Madhubani district is listed.
- (B) The volume argues that the name Tirhut is older than all Vedic references and has no relation to Tirabhukti.
- (C) The text states that floods, earthquakes and damp climate helped preserve Mithila's monuments in perfect condition.
- (D) The plate list excludes sites in Madhubani and Darbhanga districts.

६२७. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Bhadrakali temple, Bhagwatipur significant in Temple Sites in the Illustration List ?

- (A) The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions.
- (B) Bhadrakali temple, Bhagwatipur is relevant because it is associated with gumbad type roof with side openings.
- (C) The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times.
- (D) The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule.

୧୨୮. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Temple Sites in the Illustration List : D. Girijasthan temple at Phulhara in Darbhanga district is listed. A. Gaurisankara temple at Gandheshwarasthan, Sivanagar near Jogyara is a combined temple with dome-shaped śikhara and modified charbangla type. B. Brijbihari Mandir, Madhubani is listed. C. Murali Manohara temple, Madhubani is listed among the temple illustrations. Select the correct order.

- (A) B - D - A - C
- (B) D - A - B - C
- (C) A - B - C - D
- (D) C - D - B - A

୧୨୯. With reference to Temple Sites in the Illustration List , consider the following statements: 1. Brijbihari Mandir, Madhubani is listed. 2. Kankali temple at Rajnagar and other Rajnagar temples were built by Maharaja Rameswara Singh of Darbhanga. 3. Ahilyasthan temple is described as an Indo-Aryan type with curvilinear tower and aṅgaśikharas. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 3 only
- (B) 2 only
- (C) 3 only
- (D) 1, 2 and 3

୧୩୦. Consider the following pairs related to Temple Sites in the Illustration List : 1. Maharaja Rameswara Singh — Builder associated with Rajnagar temples 2. Rajeswara Mandir, Dokahara — Temple with three-sided open verandah 3. Gaurisankara temple — Site of Kankali and Durga temples 4. Ahilyasthan — Indo-Aryan type temple with curvilinear tower How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) All four
- (B) None
- (C) Only two
- (D) Only three

Gumbad Type and Later Temple Forms

୧୩୧. With reference to Gumbad Type and Later Temple Forms , consider the following statements: 1. General view of Rama Mandir at Nahar is described as gumbad type with three side openings and flat-roofed verandah. 2. A Śiva temple at Bhuvaneswaranath, Bhagwatipur is described with a gumbad type main temple in the background. 3. The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) None
- (B) 1, 2 and 3
- (C) 2 only
- (D) 1 and 2 only

୧୩୨. Consider the following pairs related to Gumbad Type and Later Temple Forms : 1. Bhairava Balia — Gumbad type temple with one entrance 2. Navaratna temple, Mangarauni — Temple with three gumbad type roofs 3. Koilakha — Bengal roof comparison 4. Jore Bangla type — Bengal roof comparison How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only one
- (B) Only three
- (C) Only two
- (D) None

६३३. Consider the following Assertion–Reason question on Gumbad Type and Later Temple Forms : Assertion (A): Gumbad forms are repeatedly illustrated Reason (R): The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision. Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

६३४. With reference to Gumbad Type and Later Temple Forms , which one of the following statements is not correct ?

- (A) A Śiva temple at Madhubani has gumbad type roof with constricted neck and openings on all four sides.
- (B) The Viṣṇu images are all assigned by the author to the 18th–19th centuries.
- (C) The front structure at Bhuvaneswaranath represents the roof of Jore Bangla type of Vishnupur, Bengal.
- (D) A Śiva temple at Kalna has a garbhagrha of gumbad flat type without decoration and a truncated-roof front building.

६३५. Which one of the following is the best inference from Gumbad Type and Later Temple Forms ?

- (A) General view of Rama Mandir at Nahar is described as gumbad type with three side openings and flat-roofed verandah.
- (B) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.
- (C) The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building.
- (D) Architectural members such as pillars, lintels and capitals are said never to have been found in Mithila.

६३६. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Jore Bangla type significant in Gumbad Type and Later Temple Forms ?

- (A) The book denies any Tantric association with Mithila's religious-artistic culture.
- (B) The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way.
- (C) The book's plates and list of illustrations are irrelevant for art-historical identification.
- (D) Jore Bangla type is relevant because it is associated with bengal roof comparison.

६३७. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Gumbad Type and Later Temple Forms : D. Rama Mandir at Nahar C. Navaratna temple at Mangarauni B. Madhubani Śiva temple with gumbad roof A. Bhuvaneswaranath Śiva temple Select the correct order.

- (A) B - A - C - D
- (B) B - C - D - A
- (C) A - B - C - D
- (D) C - B - D - A

६३८. With reference to Gumbad Type and Later Temple Forms , consider the following statements: 1. The plate list excludes sites in Madhubani and Darbhanga districts. 2. A gumbad type temple at Bhairava Balia has no verandah and only one entrance. 3. A Śiva temple at Bhuvaneswaranath, Bhagwatipur is described with a gumbad type main temple in the background. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 2 only
- (B) 1, 2 and 3
- (C) 1 and 3 only
- (D) 2 and 3 only

६३९. Consider the following pairs related to Gumbad Type and Later Temple Forms : 1. Koilakha — Old gumbad type temple with long-necked verandah 2. Jore Bangla type — Bengal roof comparison 3. Bhairava Balia — Gumbad type temple with one entrance 4. Navaratna temple, Mangarauni — Old gumbad type temple with long-necked verandah How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only three
- (B) Only one
- (C) None
- (D) Only two

६४०. Consider the following Assertion–Reason question on Gumbad Type and Later Temple Forms : Assertion (A): A Śiva temple at Kalna has a garbhagṛha of gumbad flat type without decoration and a truncated-roof front building. Reason (R): later temple forms in Mithila show dome-like roof types and verandahs Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

६४१. With reference to Gumbad Type and Later Temple Forms , which one of the following statements is not correct ?

- (A) In front of the Navaratna gumbad, there is an open verandah with three arched openings.
- (B) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.
- (C) A Śiva temple at Madhubani has gumbad type roof with constricted neck and openings on all four sides.
- (D) The front structure at Bhuvaneswaranath represents the roof of Jore Bangla type of Vishnupur, Bengal.

६४२. Which one of the following is the best inference from Gumbad Type and Later Temple Forms ?

- (A) The text states that floods, earthquakes and damp climate helped preserve Mithila's monuments in perfect condition.
- (B) Architectural members such as pillars, lintels and capitals are said never to have been found in Mithila.
- (C) The Buddhist references prove that Mithila was always outside every conception of Madhyadeśa and Prācyadeśa.
- (D) Two gumbad-type temples from Krishnamandir, Mirzapur, Darbhanga have a palanquin-type flat roof serving as verandah.

६४३. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Rama Mandir, Nahar significant in Gumbad Type and Later Temple Forms ?

- (A) Rama Mandir, Nahar is relevant because it is associated with gumbad type temple with three side openings.
- (B) The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building.
- (C) The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision.
- (D) The Gaṇeśa images in the list are said to come only from Bengal and not from Bhit-Bhagwanpur or Bhagwatipur.

६४४. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Gumbad Type and Later Temple Forms : C. Navaratna temple at Mangarauni A. Bhuvaneswaranath Śiva temple B. Madhubani Śiva temple with gumbad roof D. Rama Mandir at Nahar Select the correct order.

- (A) C - B - A - D
- (B) D - B - A - C
- (C) A - B - C - D
- (D) B - A - D - C

६४५. With reference to Gumbad Type and Later Temple Forms , consider the following statements: 1. A Śiva temple at Bhuvaneswaranath, Bhagwatipur is described with a gumbad type main temple in the background. 2. Architectural members such as pillars, lintels and capitals are said never to have been found in Mithila. 3. In the book, garbhagrha is always above the surface and never reached by descending steps. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 3 only
- (B) 3 only
- (C) None
- (D) 1 only

६४६. Consider the following pairs related to Gumbad Type and Later Temple Forms : 1. Koilakha — Temple with three gumbad type roofs 2. Bhairava Balia — Gumbad type temple with one entrance 3. Jore Bangla type — Bengal roof comparison 4. Navaratna temple, Mangarauni — Temple with three gumbad type roofs How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only three
- (B) Only one
- (C) All four
- (D) Only two

६४७. Consider the following Assertion–Reason question on Gumbad Type and Later Temple Forms : Assertion (A): Bengal comparisons appear in the list Reason (R): Jore Bangla and charbangla forms help situate regional architectural exchange Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

६४८. With reference to Gumbad Type and Later Temple Forms , which one of the following statements is not correct ?

- (A) General view of Rama Mandir at Nahar is described as gumbad type with three side openings and flat-roofed verandah.
- (B) The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision.
- (C) An old gumbad type temple at Koilakha has a long-necked and flat-roofed verandah with three arched entrances, of which side entrances are false and blocked.
- (D) Navaratna temple at Mangarauni has three gumbad type roofs without any neck or wide neck.

६४९. Which one of the following is the best inference from Gumbad Type and Later Temple Forms ?

- (A) The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule.
- (B) The Ahilyasthana temple is presented as a Dravidian vimāna without curvilinear tower features.
- (C) A Śiva temple at Kalna has a garbhagrha of gumbad flat type without decoration and a truncated-roof front building.
- (D) The volume argues that the name Tirhut is older than all Vedic references and has no relation to Tirabhukti.

६५०. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Bhuvaneswaranath, Bhagwatipur significant in Gumbad Type and Later Temple Forms ?

- (A) In the book, garbhagrha is always above the surface and never reached by descending steps.
- (B) Bhuvaneswaranath, Bhagwatipur is relevant because it is associated with śiva temple with gumbad type main temple.
- (C) The plate list excludes sites in Madhubani and Darbhanga districts.
- (D) The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images.

६५१. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Gumbad Type and Later Temple Forms : B. Madhubani Śiva temple with gumbad roof A. Bhuvaneswaranath Śiva temple C. Navaratna temple at Mangarauni D. Rama Mandir at Nahar Select the correct order.

- (A) B - A - C - D
- (B) A - D - C - B
- (C) A - B - C - D
- (D) D - A - B - C

६५२. With reference to Gumbad Type and Later Temple Forms , consider the following statements: 1. A Śiva temple at Madhubani has gumbad type roof with constricted neck and openings on all four sides. 2. The book says medieval Mithila was exclusively Buddhist and had no Śaiva, Vaiṣṇava or Śākta imagery. 3. General view of Rama Mandir at Nahar is described as gumbad type with three side openings and flat-roofed verandah. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 and 3 only
- (B) 3 only
- (C) 1 and 2 only
- (D) None

६५३. Consider the following pairs related to Gumbad Type and Later Temple Forms : 1. Koilakha — Old gumbad type temple with long-necked verandah 2. Bhuvaneswaranath, Bhagwatipur — Gumbad type temple with one entrance 3. Navaratna temple, Mangarauni — Temple with three gumbad type roofs 4. Rama Mandir, Nahar — Gumbad type temple with three side openings How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only two
- (B) Only one
- (C) Only three
- (D) All four

६५४. Consider the following Assertion–Reason question on Gumbad Type and Later Temple Forms : Assertion (A): The author holds that stone was abundantly available in Mithila and therefore brick construction was insignificant. Reason (R): later temple forms in Mithila show dome-like roof types and verandahs Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

६५५. With reference to Gumbad Type and Later Temple Forms , which one of the following statements is not correct ?

- (A) A Śiva temple at Kalna has a garbhagṛha of gumbad flat type without decoration and a truncated-roof front building.
- (B) Two gumbad-type temples from Krishnamandir, Mirzapur, Darbhanga have a palanquin-type flat roof serving as verandah.
- (C) The volume argues that the name Tirhut is older than all Vedic references and has no relation to Tirabhukti.
- (D) In front of the Navaratna gumbad, there is an open verandah with three arched openings.

६५६. Which one of the following is the best inference from Gumbad Type and Later Temple Forms ?

- (A) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.
- (B) Two gumbad-type temples from Krishnamandir, Mirzapur, Darbhanga have a palanquin-type flat roof serving as verandah.
- (C) The plates show no Sūrya images from Nahar-Bhagwatipur or Bhadrakali Mandir.
- (D) The Purāṇic evidence gives no mention of Tirabhukti or any later name connected with Mithila.

६५७. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Rama Mandir, Nahar significant in Gumbad Type and Later Temple Forms ?

- (A) Rama Mandir, Nahar is relevant because it is associated with gumbad type temple with three side openings.
- (B) The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule.
- (C) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.
- (D) The plate list excludes sites in Madhubani and Darbhanga districts.

६५८. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Gumbad Type and Later Temple Forms : B. Madhubani Śiva temple with gumbad roof C. Navaratna temple at Mangarauni D. Rama Mandir at Nahar A. Bhuvaneswaranath Śiva temple Select the correct order.

- (A) A - B - C - D
- (B) C - A - B - D
- (C) C - D - B - A
- (D) A - C - B - D

६५९. With reference to Gumbad Type and Later Temple Forms , consider the following statements: 1. A Śiva temple at Madhubani has gumbad type roof with constricted neck and openings on all four sides. 2. Two gumbad-type temples from Krishnamandir, Mirzapur, Darbhanga have a palanquin-type flat roof serving as verandah. 3. General view of Rama Mandir at Nahar is described as gumbad type with three side openings and flat-roofed verandah. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 and 3 only
- (B) 1 and 3 only
- (C) None
- (D) 1, 2 and 3

६६०. Consider the following pairs related to Gumbad Type and Later Temple Forms : 1. Rama Mandir, Nahar — Gumbad type temple with three side openings 2. Koilakha — Old gumbad type temple with long-necked verandah 3. Bhuvaneswaranath, Bhagwatipur — Old gumbad type temple with long-necked verandah 4. Navaratna temple, Mangarauni — Temple with three gumbad type roofs How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only two
- (B) Only three
- (C) All four
- (D) Only one

Paintings and Late Survivals

६६१. With reference to Paintings and Late Survivals , consider the following statements: 1. The survival of painting depends heavily on building material and climate. 2. The list of illustrations includes a separate painting section after temple entries. 3. The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 only
- (B) 1, 2 and 3
- (C) 1 and 2 only
- (D) None

६६२. Consider the following pairs related to Paintings and Late Survivals : 1. Red, green, black and blue — Colours listed for Ahilyasthana painting 2. Floral and geometric designs — Motifs in ceiling painting 3. Ahilyasthana Mandir — Motifs in ceiling painting 4. 18th–19th century A.D. — Period of available painting examples How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only two
- (B) Only three
- (C) All four
- (D) Only one

६६३. Consider the following Assertion–Reason question on Paintings and Late Survivals : Assertion (A): Earlier paintings are scarce Reason (R): The sikhara type is described as a flat-roofed form with no vertical tower or curvilinear spire. Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

६६४. With reference to Paintings and Late Survivals , which one of the following statements is not correct ?

- (A) Available painting examples mainly belong to the 18th and 19th centuries A.D.
- (B) The author rejects the idea of a local Mithila school during the so-called Pāla period.
- (C) A painting on the wall of the Ahilyasthana Mandir at Tamoriya is listed.
- (D) The survival of painting depends heavily on building material and climate.

६६५. Which one of the following is the best inference from Paintings and Late Survivals ?

- (A) The Ganeśa images in the list are said to come only from Bengal and not from Bhit-Bhagwanpur or Bhagwatipur.
- (B) The painting section complements the architecture and sculpture sections.
- (C) The author treats Mithila's visual culture as completely disconnected from Janaka, Bengali contact and Madhubani painting.
- (D) In the book, garbhagṛha is always above the surface and never reached by descending steps.

६६६. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Tamoriya significant in Paintings and Late Survivals ?

- (A) Tamoriya is relevant because it is associated with location associated with ahilyasthana wall painting.
- (B) The author says Mithila art can be understood without examining temple architecture, sculptures, literature, antiquities or excavated material.
- (C) The volume argues that the name Tirhut is older than all Vedic references and has no relation to Tirabhukti.
- (D) The plates show no Sūrya images from Nahar-Bhagwatipur or Bhadrakali Mandir.

६६७. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Paintings and Late Survivals : B. surviving examples mainly 18th–19th century C. Ahilyasthana ceiling and wall paintings A. loss of early paintings due to climate and materials Select the correct order.

- (A) B - A - C
- (B) A - B - C
- (C) A - C - B
- (D) C - B - A

६६८. With reference to Paintings and Late Survivals , consider the following statements: 1. The sikhara type is described as a flat-roofed form with no vertical tower or curvilinear spire. 2. Painting evidence is treated as fragile compared with stone sculpture. 3. The painting section complements the architecture and sculpture sections. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 3 only
- (B) 2 and 3 only
- (C) 1 and 3 only
- (D) 1 only

६६९. Consider the following pairs related to Paintings and Late Survivals : 1. Red, green, black and blue — Colours listed for Ahilyasthana painting 2. Ahilyasthana Mandir — Site of ceiling and wall paintings 3. Floral and geometric designs — Motifs in ceiling painting 4. 18th–19th century A.D. — Motifs in ceiling painting How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only two
- (B) Only three
- (C) All four
- (D) None

६७०. Consider the following Assertion–Reason question on Paintings and Late Survivals : Assertion (A): Colours used in the Ahilyasthana ceiling painting include red, green, black and blue. Reason (R): they preserve evidence of decorative continuity Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

६७१. With reference to Paintings and Late Survivals , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking.
- (B) The text says non-permanency of temple building materials and damp climate caused decay and destruction of earlier paintings.
- (C) The list of illustrations includes a separate painting section after temple entries.
- (D) Painting evidence is treated as fragile compared with stone sculpture.

६७२. Which one of the following is the best inference from Paintings and Late Survivals ?

- (A) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.
- (B) The Buddhist references prove that Mithila was always outside every conception of Madhyadeśa and Prācyadeśa.
- (C) The sculpture chapter says datable specimens of Mithila sculpture are abundant for the 6th and 7th centuries.
- (D) Late painting survivals help show continuity of decorative traditions even when earlier material is lost.

६७३. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Tamoriya significant in Paintings and Late Survivals ?

- (A) The Buddhist references prove that Mithila was always outside every conception of Madhyadeśa and Prācyadeśa.
- (B) The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images.
- (C) The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way.
- (D) Tamoriya is relevant because it is associated with location associated with ahilyasthana wall painting.

६७४. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Paintings and Late Survivals : C. Ahilyasthana ceiling and wall paintings B. surviving examples mainly 18th–19th century A. loss of early paintings due to climate and materials Select the correct order.

- (A) A - C - B
- (B) C - B - A
- (C) C - A - B
- (D) A - B - C

६७५. With reference to Paintings and Late Survivals , consider the following statements: 1. Available painting examples mainly belong to the 18th and 19th centuries A.D. 2. The volume argues that the name Tirhut is older than all Vedic references and has no relation to Tirabhukti. 3. The plate list excludes sites in Madhubani and Darbhanga districts.

Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1, 2 and 3
- (B) 2 only
- (C) 2 and 3 only
- (D) 1 only

६७६. Consider the following pairs related to Paintings and Late Survivals : 1. Ahilyasthana Mandir — Colours listed for Ahilyasthana painting 2. Red, green, black and blue — Colours listed for Ahilyasthana painting 3. 18th–19th century A.D. — Period of available painting examples 4. Tamoriya — Location associated with Ahilyasthana wall painting How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only one
- (B) All four
- (C) Only three
- (D) Only two

६७७. Consider the following Assertion–Reason question on Paintings and Late Survivals : Assertion (A): Late paintings still matter Reason (R): they preserve evidence of decorative continuity Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

६७८. With reference to Paintings and Late Survivals , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The list of illustrations includes a separate painting section after temple entries.
- (B) The text says non-permanency of temple building materials and damp climate caused decay and destruction of earlier paintings.
- (C) The author rejects the idea of a local Mithila school during the so-called Pāla period.
- (D) A painting on the ceiling of the Ahilyasthana Mandir shows mostly floral and geometric designs.

६७९. Which one of the following is the best inference from Paintings and Late Survivals ?

- (A) The author treats Mithila's visual culture as completely disconnected from Janaka, Bengali contact and Madhubani painting.
- (B) The text says non-permanency of temple building materials and damp climate caused decay and destruction of earlier paintings.
- (C) The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking.
- (D) The book's plates and list of illustrations are irrelevant for art-historical identification.

६८०. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Ahilyasthana Mandir significant in Paintings and Late Survivals ?

- (A) The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions.
- (B) Ahilyasthana Mandir is relevant because it is associated with site of ceiling and wall paintings.
- (C) The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images.
- (D) The author rejects the idea of a local Mithila school during the so-called Pāla period.

६८१. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Paintings and Late Survivals : A. loss of early paintings due to climate and materials B. surviving examples mainly 18th–19th century C. Ahilyasthana ceiling and wall paintings Select the correct order.

- (A) A - C - B
- (B) A - B - C
- (C) C - A - B

६८२. With reference to Paintings and Late Survivals , consider the following statements: 1. Late painting survivals help show continuity of decorative traditions even when earlier material is lost. 2. In the book, garbhagrha is always above the surface and never reached by descending steps. 3. The text says non-permanency of temple building materials and damp climate caused decay and destruction of earlier paintings. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1, 2 and 3
- (B) 3 only
- (C) 1 and 3 only
- (D) None

६८३. Consider the following pairs related to Paintings and Late Survivals : 1. Ahilyasthana Mandir — Site of ceiling and wall paintings 2. Red, green, black and blue — Location associated with Ahilyasthana wall painting 3. 18th–19th century A.D. — Period of available painting examples 4. Floral and geometric designs — Motifs in ceiling painting How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only three
- (B) Only two
- (C) None
- (D) All four

६८४. Consider the following Assertion–Reason question on Paintings and Late Survivals : Assertion (A): The Viṣṇu images are all assigned by the author to the 18th–19th centuries. Reason (R): damp climate and non-permanent materials caused decay Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

६८५. With reference to Paintings and Late Survivals , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The Viṣṇu images are all assigned by the author to the 18th–19th centuries.
- (B) The painting section complements the architecture and sculpture sections.
- (C) Available painting examples mainly belong to the 18th and 19th centuries A.D.
- (D) A painting on the wall of the Ahilyasthana Mandir at Tamoriya is listed.

६८६. Which one of the following is the best inference from Paintings and Late Survivals ?

- (A) The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way.
- (B) The book says medieval Mithila was exclusively Buddhist and had no Śaiva, Vaiṣṇava or Śākta imagery.
- (C) A painting on the ceiling of the Ahilyasthana Mandir shows mostly floral and geometric designs.
- (D) The book's plates and list of illustrations are irrelevant for art-historical identification.

६८७. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Tamoriya significant in Paintings and Late Survivals ?

- (A) In the book, garbhagṛha is always above the surface and never reached by descending steps.
- (B) Tamoriya is relevant because it is associated with location associated with ahilyasthana wall painting.
- (C) The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times.
- (D) The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way.

६८८. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Paintings and Late Survivals : A. loss of early paintings due to climate and materials B. surviving examples mainly 18th–19th century C. Ahilyasthana ceiling and wall paintings Select the correct order.

- (A) B - C - A
- (B) C - A - B
- (C) B - A - C
- (D) A - B - C

६८९. With reference to Paintings and Late Survivals , consider the following statements: 1. A painting on the wall of the Ahilyasthana Mandir at Tamoriya is listed. 2. The list of illustrations includes a separate painting section after temple entries. 3. Colours used in the Ahilyasthana ceiling painting include red, green, black and blue. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1 only
- (B) 1 and 3 only
- (C) 1, 2 and 3
- (D) 1 and 2 only

६९०. Consider the following pairs related to Paintings and Late Survivals : 1. Ahilyasthana Mandir — Site of ceiling and wall paintings 2. Red, green, black and blue — Colours listed for Ahilyasthana painting 3. Tamoriya — Motifs in ceiling painting 4. 18th–19th century A.D. — Period of available painting examples How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only three
- (B) Only one
- (C) None
- (D) All four

Cross-Section Art-History Synthesis

६९१. With reference to Cross-Section Art-History Synthesis , consider the following statements: 1. The book links region, text, patronage, architecture, sculpture, ritual and plates into a single art-historical argument. 2. Material constraints such as brick, wood and climate are integral to the historical explanation. 3. The text states that floods, earthquakes and damp climate helped preserve Mithila's monuments in perfect condition. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 3 only
- (B) 2 and 3 only
- (C) 2 only
- (D) 1 and 2 only

६९३. Consider the following pairs related to Cross-Section Art-History Synthesis : 1. Fragmentary remains — Reason for cautious reconstruction 2. Material constraints — Brick, wood, damp climate and lack of stone 3. Comparative method — Step for defining the cultural zone 4. Boundary discussion — Step for defining the cultural zone How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) All four
- (B) Only two
- (C) Only three
- (D) None

६९३. Consider the following Assertion–Reason question on Cross-Section Art-History Synthesis : Assertion (A): Cross-sectional reading is necessary Reason (R): The author treats Mithila’s visual culture as completely disconnected from Janaka, Bengali contact and Madhubani painting. Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

६९४. With reference to Cross-Section Art-History Synthesis , which one of the following statements is not correct ?

- (A) The author’s method is cautious because many remains are fragmentary and inscriptions are limited.
- (B) Plate captions supply deity, location, district and approximate date, which are useful for comparative analysis.
- (C) In the book, garbhagṛha is always above the surface and never reached by descending steps.
- (D) Temple types are reconstructed from partial remains, textual references and comparative forms.

६९५. Which one of the following is the best inference from Cross-Section Art-History Synthesis ?

- (A) The Bhit-Bhagwanpur door-jamb is treated as insignificant because it has no ornamental rows or iconographic details.
- (B) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.
- (C) Sculptural classification reflects religious practice and patronage rather than merely aesthetic grouping.
- (D) The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking.

६९६. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Material constraints significant in Cross-Section Art-History Synthesis ?

- (A) The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof.
- (B) The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision.
- (C) The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building.
- (D) Material constraints is relevant because it is associated with brick, wood, damp climate and lack of stone.

६९७. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book’s argument on Cross-Section Art-History Synthesis : A. The author’s method is cautious because many remains are fragmentary and inscriptions are limited. D. Bengal, Orissa and regional vernacular building forms appear as points of comparison. B. Boundary discussions help identify which objects belong to Mithila’s cultural zone. C. The book links region, text, patronage, architecture, sculpture, ritual and plates into a single art-historical argument. Select the correct order.

- (A) A - B - C - D
- (B) B - C - D - A
- (C) B - C - A - D
- (D) C - A - B - D

६९८. With reference to Cross-Section Art-History Synthesis , consider the following statements: 1. The Ganeśa images in the list are said to come only from Bengal and not from Bhit-Bhagwanpur or Bhagwatipur. 2. Plate captions supply deity, location, district and approximate date, which are useful for comparative analysis. 3. Material constraints such as brick, wood and climate are integral to the historical explanation. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) None
- (B) 2 and 3 only
- (C) 1, 2 and 3
- (D) 1 only

६९९. Consider the following pairs related to Cross-Section Art-History Synthesis : 1. Fragmentary remains — Reason for cautious reconstruction 2. Material constraints — Brick, wood, damp climate and lack of stone 3. Boundary discussion — Step for defining the cultural zone 4. Comparative method — Step for defining the cultural zone How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only three
- (B) All four
- (C) Only one
- (D) Only two

७००. Consider the following Assertion–Reason question on Cross-Section Art-History Synthesis : Assertion (A): Bengal, Orissa and regional vernacular building forms appear as points of comparison. Reason (R): objects are linked with cults, sites, periods and patronage Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

७०१. With reference to Cross-Section Art-History Synthesis , which one of the following statements is not correct ?

- (A) Plate captions supply deity, location, district and approximate date, which are useful for comparative analysis.
- (B) The work combines art history with cultural history of Mithila.
- (C) The book links region, text, patronage, architecture, sculpture, ritual and plates into a single art-historical argument.
- (D) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.

७०२. Which one of the following is the best inference from Cross-Section Art-History Synthesis ?

- (A) In the book, garbhagṛha is always above the surface and never reached by descending steps.
- (B) Temple types are reconstructed from partial remains, textual references and comparative forms.
- (C) Architectural members such as pillars, lintels and capitals are said never to have been found in Mithila.
- (D) The author rejects the idea of a local Mithila school during the so-called Pāla period.

७०३. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Material constraints significant in Cross-Section Art-History Synthesis ?

- (A) The Bhit-Bhagwanpur door-jamb is treated as insignificant because it has no ornamental rows or iconographic details.
- (B) The author holds that stone was abundantly available in Mithila and therefore brick construction was insignificant.
- (C) The text states that floods, earthquakes and damp climate helped preserve Mithila's monuments in perfect condition.
- (D) Material constraints is relevant because it is associated with brick, wood, damp climate and lack of stone.

७०४. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Cross-Section Art-History Synthesis : D. Mithila's art is presented as related to wider eastern Indian traditions but not identical with them. C. The author's method is cautious because many remains are fragmentary and inscriptions are limited. B. The book links region, text, patronage, architecture, sculpture, ritual and plates into a single art-historical argument. A. Bengal, Orissa and regional vernacular building forms appear as points of comparison. Select the correct order.

- (A) C - B - D - A
- (B) A - B - C - D
- (C) C - D - B - A
- (D) B - A - D - C

७०५. With reference to Cross-Section Art-History Synthesis , consider the following statements: 1. Sculptural classification reflects religious practice and patronage rather than merely aesthetic grouping. 2. The text states that floods, earthquakes and damp climate helped preserve Mithila's monuments in perfect condition. 3. The Bhit-Bhagwanpur door-jamb is treated as insignificant because it has no ornamental rows or iconographic details. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 1, 2 and 3
- (B) 1 only
- (C) None
- (D) 2 only

७०६. Consider the following pairs related to Cross-Section Art-History Synthesis : 1. Comparative method — Step for defining the cultural zone 2. Plate captions — Evidence for deity, site and dating 3. Material constraints — Brick, wood, damp climate and lack of stone 4. Fragmentary remains — Reason for cautious reconstruction How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) None
- (B) Only one
- (C) Only three
- (D) All four

७०७. Consider the following Assertion–Reason question on Cross-Section Art-History Synthesis : Assertion (A): The author avoids simple aesthetic description Reason (R): objects are linked with cults, sites, periods and patronage Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

७०८. With reference to Cross-Section Art-History Synthesis , which one of the following statements is not correct ?

- (A) Mithila's art is presented as related to wider eastern Indian traditions but not identical with them.
- (B) Bengal, Orissa and regional vernacular building forms appear as points of comparison.
- (C) Material constraints such as brick, wood and climate are integral to the historical explanation.
- (D) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.

७०९. Which one of the following is the best inference from Cross-Section Art-History Synthesis ?

- (A) The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule.
- (B) In the book, garbhagṛha is always above the surface and never reached by descending steps.
- (C) Material constraints such as brick, wood and climate are integral to the historical explanation.
- (D) The Purāṇic evidence gives no mention of Tirabhukti or any later name connected with Mithila.

७१०. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Comparative method significant in Cross-Section Art-History Synthesis ?

- (A) The Bhit-Bhagwanpur door-jamb is treated as insignificant because it has no ornamental rows or iconographic details.
- (B) The author holds that stone was abundantly available in Mithila and therefore brick construction was insignificant.
- (C) The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building.
- (D) Comparative method is relevant because it is associated with use of bengal, orissa and regional forms for interpretation.

७११. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Cross-Section Art-History Synthesis : B. Mithila's art is presented as related to wider eastern Indian traditions but not identical with them. D. The work combines art history with cultural history of Mithila. C. Temple types are reconstructed from partial remains, textual references and comparative forms. A. Material constraints such as brick, wood and climate are integral to the historical explanation. Select the correct order.

- (A) B - D - C - A
- (B) A - B - C - D
- (C) D - C - B - A
- (D) C - D - B - A

७१२. With reference to Cross-Section Art-History Synthesis , consider the following statements: 1. The work combines art history with cultural history of Mithila. 2. The author rejects the idea of a local Mithila school during the so-called Pāla period. 3. Temple types are reconstructed from partial remains, textual references and comparative forms. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) None
- (B) 1, 2 and 3
- (C) 1 and 3 only
- (D) 1 and 2 only

७१३. Consider the following pairs related to Cross-Section Art-History Synthesis : 1. Material constraints — Brick, wood, damp climate and lack of stone 2. Comparative method — Reason for cautious reconstruction 3. Boundary discussion — Step for defining the cultural zone 4. Plate captions — Evidence for deity, site and dating How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only one
- (B) Only three
- (C) None
- (D) All four

७१४. Consider the following Assertion–Reason question on Cross-Section Art-History Synthesis : Assertion (A): The book denies any Tantric association with Mithila's religious-artistic culture. Reason (R): architecture, sculpture and textual geography support one another Select the correct answer.

- (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.
- (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.
- (C) A is true, but R is false.
- (D) A is false, but R is true.

७१५. With reference to Cross-Section Art-History Synthesis , which one of the following statements is not correct ?

- (A) Boundary discussions help identify which objects belong to Mithila's cultural zone.
- (B) The book links region, text, patronage, architecture, sculpture, ritual and plates into a single art-historical argument.
- (C) Sculptural classification reflects religious practice and patronage rather than merely aesthetic grouping.
- (D) The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof.

७१६. Which one of the following is the best inference from Cross-Section Art-History Synthesis ?

- (A) Architectural members such as pillars, lintels and capitals are said never to have been found in Mithila.
- (B) The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images.
- (C) Temple types are reconstructed from partial remains, textual references and comparative forms.
- (D) In the book, garbhagṛha is always above the surface and never reached by descending steps.

७१७. In a source-evidence based UPSC question, why is the item Comparative method significant in Cross-Section Art-History Synthesis ?

- (A) The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way.
- (B) The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions.
- (C) Comparative method is relevant because it is associated with use of bengal, orissa and regional forms for interpretation.
- (D) The Ganeśa images in the list are said to come only from Bengal and not from Bhit-Bhagwanpur or Bhagwatipur.

७१८. Arrange the following items in their most appropriate chronological or logical sequence in the book's argument on Cross-Section Art-History Synthesis : B. Temple types are reconstructed from partial remains, textual references and comparative forms. D. Sculptural classification reflects religious practice and patronage rather than merely aesthetic grouping. C. Plate captions supply deity, location, district and approximate date, which are useful for comparative analysis. A. Boundary discussions help identify which objects belong to Mithila's cultural zone. Select the correct order.

- (A) A - B - C - D
- (B) B - A - D - C
- (C) D - A - C - B
- (D) B - D - A - C

७१९. With reference to Cross-Section Art-History Synthesis , consider the following statements: 1. Sculptural classification reflects religious practice and patronage rather than merely aesthetic grouping. 2. The book links region, text, patronage, architecture, sculpture, ritual and plates into a single art-historical argument. 3. Mithila's art is presented as related to wider eastern Indian traditions but not identical with them. Which of the statements given above is/are correct?

- (A) 2 and 3 only
- (B) 2 only
- (C) None
- (D) 1, 2 and 3

७२०. Consider the following pairs related to Cross-Section Art-History Synthesis : 1. Comparative method — Use of Bengal, Orissa and regional forms for interpretation 2. Plate captions — Evidence for deity, site and dating 3. Material constraints — Step for defining the cultural zone 4. Boundary discussion — Step for defining the cultural zone How many of the above pairs are correctly matched?

- (A) Only one
- (B) Only three
- (C) Only two
- (D) None

उत्तरमाला — अध्याय ५ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (D) 1 and 2 only — The correct choice is 1 and 2 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

२. (B) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

३. (C) **A is true, but R is false.** — Answer: A is true, but R is false. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
४. (C) **The sikhara type is described as a flat-roofed form with no vertical tower or curvilinear spire.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
५. (D) **The title of the uploaded book is Mithila Art and Architecture.** — The best inference is supported by the author's discussion: The title of the uploaded book is Mithila Art and Architecture. The other alternatives are overstatements or reversals.
६. (B) **1978 is relevant because it is associated with first publication year.** — The significance lies in the exact evidentiary role: 1978 is relevant because it is associated with first publication year.
७. (D) **A - B - C** — The intended order is A - B - C . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
८. (C) **2 and 3 only** — The correct choice is 2 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
९. (C) **Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 3 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
१०. (B) **Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.** — Answer: Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
११. (B) **The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
१२. (C) **The foreword stresses that Mithila's monuments had survived only by chance because of capricious rivers and other conditions.** — The best inference is supported by the author's discussion: The foreword stresses that Mithila's monuments had survived only by chance because of capricious rivers and other conditions. The other alternatives are overstatements or reversals.
१३. (C) **Vijayakanta Mishra is relevant because it is associated with author of mithila art and architecture.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Vijayakanta Mishra is relevant because it is associated with author of mithila art and architecture.
१४. (C) **A - B - C** — The intended order is A - B - C . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
१५. (B) **1 only** — The correct choice is 1 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
१६. (D) **Only three** — Correctly matched pair number(s): 2, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
१७. (A) **Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.** — Answer: Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
१८. (D) **The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
१९. (B) **The title of the uploaded book is Mithila Art and Architecture.** — The best inference is supported by the author's discussion: The title of the uploaded book is Mithila Art and Architecture. The other alternatives are overstatements or reversals.

- २०. (C) Madhubani paintings is relevant because it is associated with recent popular label for folk paintings from mithila.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Madhubani paintings is relevant because it is associated with recent popular label for folk paintings from mithila.
- २१. (A) A - B - C** — The intended order is A - B - C . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- २२. (D) 1 and 3 only** — The correct choice is 1 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- २३. (D) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- २४. (D) A is false, but R is true.** — Answer: A is false, but R is true. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- २५. (B) The text states that floods, earthquakes and damp climate helped preserve Mithila's monuments in perfect condition.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- २६. (A) The publication page records first publication in 1978.** — The best inference is supported by the author's discussion: The publication page records first publication in 1978. The other alternatives are overstatements or reversals.
- २७. (B) Mithila Prakasana is relevant because it is associated with publisher of the work.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Mithila Prakasana is relevant because it is associated with publisher of the work.
- २८. (C) A - B - C** — The intended order is A - B - C . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- २९. (A) 1, 2 and 3** — The correct choice is 1, 2 and 3 . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ३०. (A) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ३१. (D) 1 and 2 only** — The correct choice is 1 and 2 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ३२. (A) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ३३. (C) A is true, but R is false.** — Answer: A is true, but R is false. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ३४. (A) The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ३५. (A) The preface says Mithila has its own school of art and architecture.** — The best inference is supported by the author's discussion: The preface says Mithila has its own school of art and architecture. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ३६. (A) Temple architecture is relevant because it is associated with main architectural focus of the study.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Temple architecture is relevant because it is associated with main architectural focus of the study.
- ३७. (C) A - B - C** — The intended order is A - B - C . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

- ३८. (D) 2 and 3 only** — The correct choice is 2 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ३९. (C) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 3 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ४०. (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.** — Answer: Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ४१. (D) The book says medieval Mithila was exclusively Buddhist and had no Śaiva, Vaiṣṇava or Śākta imagery.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ४२. (C) The author states that art tradition developed in the interior of the country.** — The best inference is supported by the author's discussion: The author states that art tradition developed in the interior of the country. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ४३. (A) 22 February 1978 is relevant because it is associated with date of the preface.** — The significance lies in the exact evidentiary role: 22 February 1978 is relevant because it is associated with date of the preface.
- ४४. (A) A - B - C** — The intended order is A - B - C . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ४५. (A) 1 only** — The correct choice is 1 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ४६. (D) Only three** — Correctly matched pair number(s): 2, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ४७. (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.** — Answer: Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ४८. (D) The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ४९. (A) The author's wife Vimala and family members are acknowledged for support.** — The best inference is supported by the author's discussion: The author's wife Vimala and family members are acknowledged for support. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ५०. (C) 22 February 1978 is relevant because it is associated with date of the preface.** — The significance lies in the exact evidentiary role: 22 February 1978 is relevant because it is associated with date of the preface.
- ५१. (D) A - B - C** — The intended order is A - B - C . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ५२. (D) 1 and 3 only** — The correct choice is 1 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ५३. (A) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ५४. (D) A is false, but R is true.** — Answer: A is false, but R is true. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ५५. (C) The Ganeśa images in the list are said to come only from Bengal and not from Bhit-Bhagwanpur or Bhagwatipur.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the

book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

46. (B) The author attempts to survey temple architecture of Mithila in the light of sculpture, literature, antiquities and excavated materials. — The best inference is supported by the author's discussion: The author attempts to survey temple architecture of Mithila in the light of sculpture, literature, antiquities and excavated materials. The other alternatives are overstatements or reversals.

47. (D) First attempt is relevant because it is associated with the author's own description of the work's pioneering character. — The significance lies in the exact evidentiary role: First attempt is relevant because it is associated with the author's own description of the work's pioneering character.

48. (C) A - B - C — The intended order is A - B - C . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

49. (B) 1, 2 and 3 — The correct choice is 1, 2 and 3 . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

50. (D) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

51. (A) 1 and 2 only — The correct choice is 1 and 2 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

52. (A) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

53. (C) A is true, but R is false. — Answer: A is true, but R is false. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

54. (B) In the book, garbhagrha is always above the surface and never reached by descending steps. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

55. (C) J.B.(O.)R.S. refers to the Journal of Bihar and Orissa Research Society, Patna. — The best inference is supported by the author's discussion: J.B.(O.)R.S. refers to the Journal of Bihar and Orissa Research Society, Patna. The other alternatives are overstatements or reversals.

56. (A) J.B.(O.)R.S. is relevant because it is associated with journal of bihar and orissa research society. — The significance lies in the exact evidentiary role: J.B.(O.)R.S. is relevant because it is associated with journal of bihar and orissa research society.

57. (D) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

58. (D) 2 and 3 only — The correct choice is 2 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

59. (D) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 3 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

60. (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. — Answer: Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

61. (A) The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

- 92. (D) The abbreviation list shows that the work combines art history, epigraphy, literature, manuscript evidence and regional periodicals.** — The best inference is supported by the author's discussion: The abbreviation list shows that the work combines art history, epigraphy, literature, manuscript evidence and regional periodicals. The other alternatives are overstatements or reversals.
- 93. (C) I.A. is relevant because it is associated with indian antiquary.** — The significance lies in the exact evidentiary role: I.A. is relevant because it is associated with indian antiquary.
- 94. (D) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- 95. (B) 1 only** — The correct choice is 1 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- 96. (C) Only three** — Correctly matched pair number(s): 2, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- 97. (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.** — Answer: Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- 98. (C) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- 99. (D) The abbreviation A.S.I. refers to Archaeological Survey of India Annual Reports.** — The best inference is supported by the author's discussion: The abbreviation A.S.I. refers to Archaeological Survey of India Annual Reports. The other alternatives are overstatements or reversals.
- 100. (B) J.B.(O.)R.S. is relevant because it is associated with journal of bihar and orissa research society.** — The significance lies in the exact evidentiary role: J.B.(O.)R.S. is relevant because it is associated with journal of bihar and orissa research society.
- 101. (C) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- 102. (C) 1 and 3 only** — The correct choice is 1 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- 103. (B) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- 104. (D) A is false, but R is true.** — Answer: A is false, but R is true. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- 105. (D) The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- 106. (B) Mithila Mihir, Darbhanga is abbreviated as MIHIRA.** — The best inference is supported by the author's discussion: Mithila Mihir, Darbhanga is abbreviated as MIHIRA. The other alternatives are overstatements or reversals.
- 107. (C) J.B.(O.)R.S. is relevant because it is associated with journal of bihar and orissa research society.** — The significance lies in the exact evidentiary role: J.B.(O.)R.S. is relevant because it is associated with journal of bihar and orissa research society.
- 108. (D) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

८९. (D) 1, 2 and 3 — The correct choice is 1, 2 and 3 . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
९०. (B) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
९१. (B) 1 and 2 only — The correct choice is 1 and 2 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
९२. (C) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
९३. (C) A is true, but R is false. — Answer: A is true, but R is false. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
९४. (A) The Ganeśa images in the list are said to come only from Bengal and not from Bhit-Bhagwanpur or Bhagwatipur. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
९५. (C) The growing importance of Maithili is presented as one reason for the revival of the name Mithila. — The best inference is supported by the author's discussion: The growing importance of Maithili is presented as one reason for the revival of the name Mithila. The other alternatives are overstatements or reversals.
९६. (B) Videha is relevant because it is associated with ancient name associated with the region. — The significance lies in the exact evidentiary role: Videha is relevant because it is associated with ancient name associated with the region.
९७. (A) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
९८. (A) 2 and 3 only — The correct choice is 2 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
९९. (D) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 3 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
१००. (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. — Answer: Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
१०१. (D) The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
१०२. (B) The old cultural area includes what is indicated as North Bihar, Terai and the southern portion of Nepal including lower hill ranges. — The best inference is supported by the author's discussion: The old cultural area includes what is indicated as North Bihar, Terai and the southern portion of Nepal including lower hill ranges. The other alternatives are overstatements or reversals.
१०३. (B) Tirhut is relevant because it is associated with common later designation of the region. — The significance lies in the exact evidentiary role: Tirhut is relevant because it is associated with common later designation of the region.
१०४. (C) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
१०५. (B) 1 only — The correct choice is 1 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
१०६. (D) Only three — Correctly matched pair number(s): 2, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

१०७. (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. — Answer: Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

१०८. (B) The author treats Mithila's visual culture as completely disconnected from Janaka, Bengali contact and Madhubani painting. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

१०९. (B) The growing importance of Maithili is presented as one reason for the revival of the name Mithila. — The best inference is supported by the author's discussion: The growing importance of Maithili is presented as one reason for the revival of the name Mithila. The other alternatives are overstatements or reversals.

११०. (C) Terai is relevant because it is associated with northern belt included in the broader cultural region. — The significance lies in the exact evidentiary role: Terai is relevant because it is associated with northern belt included in the broader cultural region.

१११. (B) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

११२. (C) 1 and 3 only — The correct choice is 1 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

११३. (D) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

११४. (D) A is false, but R is true. — Answer: A is false, but R is true. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

११५. (C) The Ahilyasthana temple is presented as a Dravidian vimāna without curvilinear tower features. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

११६. (D) The name problem is linked with political history, language and cultural memory. — The best inference is supported by the author's discussion: The name problem is linked with political history, language and cultural memory. The other alternatives are overstatements or reversals.

११७. (C) Videha is relevant because it is associated with ancient name associated with the region. — The significance lies in the exact evidentiary role: Videha is relevant because it is associated with ancient name associated with the region.

११८. (D) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

११९. (A) 1, 2 and 3 — The correct choice is 1, 2 and 3 . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

१२०. (D) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

१२१. (D) 1 and 2 only — The correct choice is 1 and 2 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

१२२. (D) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

१२३. (C) A is true, but R is false. — Answer: A is true, but R is false. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

१२४. (A) The sikhara type is described as a flat-roofed form with no vertical tower or curvilinear spire. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical

recall but a linked art-historical argument.

१२५. (B) The identification of the Sadānīrā is made with the modern river Gandak. — The best inference is supported by the author's discussion: The identification of the Sadānīrā is made with the modern river Gandak. The other alternatives are overstatements or reversals.

१२६. (D) Śatapatha Brāhmaṇa is relevant because it is associated with early textual reference used for videha. — The significance lies in the exact evidentiary role: Śatapatha Brāhmaṇa is relevant because it is associated with early textual reference used for videha.

१२७. (C) A - B - C — The intended order is A - B - C . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

१२८. (D) 2 and 3 only — The correct choice is 2 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

१२९. (D) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 3 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

१३०. (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. — Answer: Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

१३१. (A) The Viṣṇu images are all assigned by the author to the 18th–19th centuries. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

१३२. (A) The book treats the Śatapatha Brāhmaṇa as an early textual reference to Videha. — The best inference is supported by the author's discussion: The book treats the Śatapatha Brāhmaṇa as an early textual reference to Videha. The other alternatives are overstatements or reversals.

१३३. (C) Gandak is relevant because it is associated with modern river identified with sadānīrā. — The significance lies in the exact evidentiary role: Gandak is relevant because it is associated with modern river identified with sadānīrā.

१३४. (D) A - B - C — The intended order is A - B - C . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

१३५. (D) 1 only — The correct choice is 1 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

१३६. (A) Only three — Correctly matched pair number(s): 2, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

१३७. (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. — Answer: Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

१३८. (C) In the book, garbhagṛha is always above the surface and never reached by descending steps. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

१३९. (C) The date of the Śatapatha Brāhmaṇa is roughly computed between 1000 and 600 B.C. in the text. — The best inference is supported by the author's discussion: The date of the Śatapatha Brāhmaṇa is roughly computed between 1000 and 600 B.C. in the text. The other alternatives are overstatements or reversals.

१४०. (B) Śatapatha Brāhmaṇa is relevant because it is associated with early textual reference used for videha. — The significance lies in the exact evidentiary role: Śatapatha Brāhmaṇa is relevant because it is associated with early textual reference used for videha.

- १४१. (A) A - B - C** — The intended order is A - B - C . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- १४२. (C) 1 and 3 only** — The correct choice is 1 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- १४३. (A) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- १४४. (D) A is false, but R is true.** — Answer: A is false, but R is true. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- १४५. (A) The plate list excludes sites in Madhubani and Darbhanga districts.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- १४६. (D) Sadānīrā is said to have distinguished Mithila or Videha from Kosala.** — The best inference is supported by the author's discussion: Sadānīrā is said to have distinguished Mithila or Videha from Kosala. The other alternatives are overstatements or reversals.
- १४७. (C) Śatapatha Brāhmaṇa is relevant because it is associated with early textual reference used for videha.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Śatapatha Brāhmaṇa is relevant because it is associated with early textual reference used for videha.
- १४८. (C) A - B - C** — The intended order is A - B - C . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- १४९. (B) 1, 2 and 3** — The correct choice is 1, 2 and 3 . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- १५०. (C) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- १५१. (D) 1 and 2 only** — The correct choice is 1 and 2 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- १५२. (D) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- १५३. (C) A is true, but R is false.** — Answer: A is true, but R is false. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- १५४. (C) The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- १५५. (B) The section uses textual evidence critically, not mechanically.** — The best inference is supported by the author's discussion: The section uses textual evidence critically, not mechanically. The other alternatives are overstatements or reversals.
- १५६. (C) Madhyadeśa is relevant because it is associated with broad textual region in buddhist discussion.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Madhyadeśa is relevant because it is associated with broad textual region in buddhist discussion.
- १५७. (A) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- १५८. (B) 2 and 3 only** — The correct choice is 2 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

- १५९. (A) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 3 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- १६०. (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.** — Answer: Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- १६१. (A) The Buddhist references prove that Mithila was always outside every conception of Madhyadeśa and Prācyadeśa.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- १६२. (C) Mithila is also treated as an independent unit of Prācyadeśa in the discussion.** — The best inference is supported by the author's discussion: Mithila is also treated as an independent unit of Prācyadeśa in the discussion. The other alternatives are overstatements or reversals.
- १६३. (C) Bṛhad-Viṣṇu Purāṇa is relevant because it is associated with later source giving clearer boundary material.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Bṛhad-Viṣṇu Purāṇa is relevant because it is associated with later source giving clearer boundary material.
- १६४. (D) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- १६५. (B) 1 only** — The correct choice is 1 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- १६६. (B) Only three** — Correctly matched pair number(s): 2, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- १६७. (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.** — Answer: Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- १६८. (D) The book denies any Tantric association with Mithila's religious-artistic culture.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- १६९. (A) The Rāmāyaṇa narrative is used to suggest approximate spatial relations rather than modern boundaries.** — The best inference is supported by the author's discussion: The Rāmāyaṇa narrative is used to suggest approximate spatial relations rather than modern boundaries. The other alternatives are overstatements or reversals.
- १७०. (D) Mithila-Māhātmya Khaṇḍa is relevant because it is associated with section cited for tirabhukti's limits.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Mithila-Māhātmya Khaṇḍa is relevant because it is associated with section cited for tirabhukti's limits.
- १७१. (B) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- १७२. (C) 1 and 3 only** — The correct choice is 1 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- १७३. (A) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- १७४. (D) A is false, but R is true.** — Answer: A is false, but R is true. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- १७५. (C) The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not

mechanical recall but a linked art-historical argument.

१७६. (C) The book says the Epics do not give exact boundaries of Videha. — The best inference is supported by the author's discussion: The book says the Epics do not give exact boundaries of Videha. The other alternatives are overstatements or reversals.

१७७. (A) Vaisali is relevant because it is associated with epic reference associated with mithila's approximate region. — The significance lies in the exact evidentiary role: Vaisali is relevant because it is associated with epic reference associated with mithila's approximate region.

१७८. (B) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

१७९. (B) 1, 2 and 3 — The correct choice is 1, 2 and 3 . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

१८०. (A) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

१८१. (C) 1 and 2 only — The correct choice is 1 and 2 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

१८२. (A) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

१८३. (C) A is true, but R is false. — Answer: A is true, but R is false. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

१८४. (C) The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

१८५. (B) The book studies factors responsible for the erection of temples before describing temple types. — The best inference is supported by the author's discussion: The book studies factors responsible for the erection of temples before describing temple types. The other alternatives are overstatements or reversals.

१८६. (B) Vaiṣṇava worship is relevant because it is associated with one major iconographic and religious strand. — The significance lies in the exact evidentiary role: Vaiṣṇava worship is relevant because it is associated with one major iconographic and religious strand.

१८७. (C) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

१८८. (A) 2 and 3 only — The correct choice is 2 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

१८९. (A) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 3 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

१९०. (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. — Answer: Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

१९१. (C) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

१९२. (D) The temple-building tradition is linked with political patronage and religious practice. — The best inference is supported by the author's discussion: The temple-building tradition is linked with political patronage and religious practice. The

other alternatives are overstatements or reversals.

१९३. (C) Śākta worship is relevant because it is associated with mother-goddess cultic strand. — The significance lies in the exact evidentiary role: Śākta worship is relevant because it is associated with mother-goddess cultic strand.

१९४. (B) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

१९५. (C) 1 only — The correct choice is 1 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

१९६. (B) Only three — Correctly matched pair number(s): 2, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

१९७. (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. — Answer: Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

१९८. (D) The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

१९९. (A) Natural calamities such as floods and earthquakes are identified as causes of loss. — The best inference is supported by the author's discussion: Natural calamities such as floods and earthquakes are identified as causes of loss. The other alternatives are overstatements or reversals.

२००. (A) Natural calamities is relevant because it is associated with floods and earthquakes affecting remains. — The significance lies in the exact evidentiary role: Natural calamities is relevant because it is associated with floods and earthquakes affecting remains.

२०१. (B) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

२०२. (A) 1 and 3 only — The correct choice is 1 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

२०३. (B) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

२०४. (D) A is false, but R is true. — Answer: A is false, but R is true. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

२०५. (A) The Bhit-Bhagwanpur door-jamb is treated as insignificant because it has no ornamental rows or iconographic details. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

२०६. (B) Non-availability of stone in the area encouraged brick and less durable materials. — The best inference is supported by the author's discussion: Non-availability of stone in the area encouraged brick and less durable materials. The other alternatives are overstatements or reversals.

२०७. (B) Śaiva worship is relevant because it is associated with one major cultic background for temples. — The significance lies in the exact evidentiary role: Śaiva worship is relevant because it is associated with one major cultic background for temples.

२०८. (B) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

२०९. (D) 1, 2 and 3 — The correct choice is 1, 2 and 3 . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

- २१०. (C) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- २११. (B) 1 and 2 only** — The correct choice is 1 and 2 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- २१२. (B) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- २१३. (C) A is true, but R is false.** — Answer: A is true, but R is false. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- २१४. (A) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- २१५. (B) The hut type has a sloped roof truncated at the top.** — The best inference is supported by the author's discussion: The hut type has a sloped roof truncated at the top. The other alternatives are overstatements or reversals.
- २१६. (C) Śikhara type is relevant because it is associated with curvilinear tower/spire form.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Śikhara type is relevant because it is associated with curvilinear tower/spire form.
- २१७. (B) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- २१८. (A) 2 and 3 only** — The correct choice is 2 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- २१९. (A) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 3 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- २२०. (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.** — Answer: Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- २२१. (B) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- २२२. (A) The Bhadra type is said to end with an āmalaka śilā on top with the help of a narrow cylindrical neck.** — The best inference is supported by the author's discussion: The Bhadra type is said to end with an āmalaka śilā on top with the help of a narrow cylindrical neck. The other alternatives are overstatements or reversals.
- २२३. (D) Hut type is relevant because it is associated with sloped roof truncated at the top.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Hut type is relevant because it is associated with sloped roof truncated at the top.
- २२४. (D) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- २२५. (D) 1 only** — The correct choice is 1 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- २२६. (B) Only three** — Correctly matched pair number(s): 2, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- २२७. (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.** — Answer: Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

२३८. (B) The sculpture chapter says datable specimens of Mithila sculpture are abundant for the 6th and 7th centuries. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

२३९. (D) Śikhara type with ekchari is mentioned at Kalna and Kapileswara. — The best inference is supported by the author's discussion: Śikhara type with ekchari is mentioned at Kalna and Kapileswara. The other alternatives are overstatements or reversals.

२३०. (C) Gaur-Pandua is relevant because it is associated with possible source of influence for gumbad type. — The significance lies in the exact evidentiary role: Gaur-Pandua is relevant because it is associated with possible source of influence for gumbad type.

२३१. (D) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

२३२. (B) 1 and 3 only — The correct choice is 1 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

२३३. (D) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

२३४. (D) A is false, but R is true. — Answer: A is false, but R is true. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

२३५. (D) The hut type temple is described as a stone pyramid imported from the Deccan with no relation to thatched hut forms. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

२३६. (C) Śikhara type with ekchari is mentioned at Kalna and Kapileswara. — The best inference is supported by the author's discussion: Śikhara type with ekchari is mentioned at Kalna and Kapileswara. The other alternatives are overstatements or reversals.

२३७. (B) Śikhara type is relevant because it is associated with curvilinear tower/spire form. — The significance lies in the exact evidentiary role: Śikhara type is relevant because it is associated with curvilinear tower/spire form.

२३८. (D) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

२३९. (B) 1, 2 and 3 — The correct choice is 1, 2 and 3 . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

२४०. (D) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

२४१. (B) 1 and 2 only — The correct choice is 1 and 2 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

२४२. (D) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

२४३. (C) A is true, but R is false. — Answer: A is true, but R is false. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

२४४. (A) The Ahilyasthana temple is presented as a Dravidian vimāna without curvilinear tower features. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

२४५. (D) The main Nagara or Indo-Aryan śikhara temple in which the deity is installed may stand adjacent to hut-type forms. — The best inference is supported by the author's discussion: The main Nagara or Indo-Aryan śikhara temple in which

the deity is installed may stand adjacent to hut-type forms. The other alternatives are overstatements or reversals.

२४६. (C) Dochari is relevant because it is associated with two-sloped roof form related to hut type. — The significance lies in the exact evidentiary role: Dochari is relevant because it is associated with two-sloped roof form related to hut type.

२४७. (D) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

२४८. (B) 2 and 3 only — The correct choice is 2 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

२४९. (A) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 3 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

२५०. (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. — Answer: Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

२५१. (C) The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

२५२. (D) The book compares these forms with dochari or chalachala temples of Bengal. — The best inference is supported by the author's discussion: The book compares these forms with dochari or chalachala temples of Bengal. The other alternatives are overstatements or reversals.

२५३. (C) Chalachala is relevant because it is associated with bengal temple roof comparison. — The significance lies in the exact evidentiary role: Chalachala is relevant because it is associated with bengal temple roof comparison.

२५४. (A) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

२५५. (D) 1 only — The correct choice is 1 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

२५६. (C) Only three — Correctly matched pair number(s): 2, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

२५७. (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. — Answer: Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

२५८. (B) The hut type temple is described as a stone pyramid imported from the Deccan with no relation to thatched hut forms. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

२५९. (D) Some hut-type temples have covered verandahs. — The best inference is supported by the author's discussion: Some hut-type temples have covered verandahs. The other alternatives are overstatements or reversals.

२६०. (A) Rapid drainage is relevant because it is associated with functional reason for roof shape. — The significance lies in the exact evidentiary role: Rapid drainage is relevant because it is associated with functional reason for roof shape.

२६१. (D) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

२६२. (A) 1 and 3 only — The correct choice is 1 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

- २६३. (B) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- २६४. (D) A is false, but R is true.** — Answer: A is false, but R is true. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- २६५. (B) The Ahilyasthana temple is presented as a Dravidian vimāna without curvilinear tower features.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- २६६. (D) The sloping roof resisted excessive rainfall and damage from luxuriant vegetation.** — The best inference is supported by the author's discussion: The sloping roof resisted excessive rainfall and damage from luxuriant vegetation. The other alternatives are overstatements or reversals.
- २६७. (B) Dochari is relevant because it is associated with two-sloped roof form related to hut type.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Dochari is relevant because it is associated with two-sloped roof form related to hut type.
- २६८. (B) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- २६९. (D) 1, 2 and 3** — The correct choice is 1, 2 and 3 . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- २७०. (B) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- २७१. (A) 1 and 2 only** — The correct choice is 1 and 2 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- २७२. (C) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- २७३. (C) A is true, but R is false.** — Answer: A is true, but R is false. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- २७४. (A) In the book, garbhagrha is always above the surface and never reached by descending steps.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- २७५. (C) In many ancient Śiva temples of Mithila, the garbhagrha is below the surface.** — The best inference is supported by the author's discussion: In many ancient Śiva temples of Mithila, the garbhagrha is below the surface. The other alternatives are overstatements or reversals.
- २७६. (D) Gajahara is relevant because it is associated with site of mahadeva math example.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Gajahara is relevant because it is associated with site of mahadeva math example.
- २७७. (C) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- २७८. (A) 2 and 3 only** — The correct choice is 2 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- २७९. (C) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 3 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- २८०. (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.** — Answer: Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

- २८१. (C) In the book, garbhagrha is always above the surface and never reached by descending steps.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- २८२. (D) Examples are mentioned at Shankarasthana near Lohana road and Mahadeva Math at Gajahara.** — The best inference is supported by the author's discussion: Examples are mentioned at Shankarasthana near Lohana road and Mahadeva Math at Gajahara. The other alternatives are overstatements or reversals.
- २८३. (D) Shankarasthana is relevant because it is associated with example near lohana road.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Shankarasthana is relevant because it is associated with example near lohana road.
- २८४. (A) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- २८५. (D) 1 only** — The correct choice is 1 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- २८६. (B) Only three** — Correctly matched pair number(s): 2, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- २८७. (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.** — Answer: Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- २८८. (A) The plates show no Sūrya images from Nahar-Bhagwatipur or Bhadrakali Mandir.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- २८९. (D) Examples are mentioned at Shankarasthana near Lohana road and Mahadeva Math at Gajahara.** — The best inference is supported by the author's discussion: Examples are mentioned at Shankarasthana near Lohana road and Mahadeva Math at Gajahara. The other alternatives are overstatements or reversals.
- २९०. (B) Garbhagrha is relevant because it is associated with sanctum, sometimes below surface in mithila temples.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Garbhagrha is relevant because it is associated with sanctum, sometimes below surface in mithila temples.
- २९१. (D) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- २९२. (B) 1 and 3 only** — The correct choice is 1 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- २९३. (A) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- २९४. (D) A is false, but R is true.** — Answer: A is false, but R is true. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- २९५. (D) The author says Mithila art can be understood without examining temple architecture, sculptures, literature, antiquities or excavated material.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- २९६. (B) The combination of hut and śikhara type side by side is described as not rare.** — The best inference is supported by the author's discussion: The combination of hut and śikhara type side by side is described as not rare. The other alternatives are overstatements or reversals.
- २९७. (B) Gajahara is relevant because it is associated with site of mahadeva math example.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Gajahara is relevant because it is associated with site of mahadeva math example.

- ३९८. (A) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ३९९. (A) 1, 2 and 3** — The correct choice is 1, 2 and 3 . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ३००. (B) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ३०१. (D) 1 and 2 only** — The correct choice is 1 and 2 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ३०२. (B) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ३०३. (C) A is true, but R is false.** — Answer: A is true, but R is false. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ३०४. (C) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ३०५. (B) The complete reconstruction remains cautious because no complete temple picture has survived.** — The best inference is supported by the author's discussion: The complete reconstruction remains cautious because no complete temple picture has survived. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ३०६. (B) Khapuri is relevant because it is associated with part of mastaka in the reconstructed form.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Khapuri is relevant because it is associated with part of mastaka in the reconstructed form.
- ३०७. (A) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ३०८. (C) 2 and 3 only** — The correct choice is 2 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ३०९. (C) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 3 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ३१०. (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.** — Answer: Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ३११. (D) The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ३१२. (B) The facade is described as having floral and geometric designs.** — The best inference is supported by the author's discussion: The facade is described as having floral and geometric designs. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ३१३. (C) Bhit-Bhagwanpur is relevant because it is associated with key site for reconstructed door-jamb and temple.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Bhit-Bhagwanpur is relevant because it is associated with key site for reconstructed door-jamb and temple.
- ३१४. (A) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ३१५. (C) 1 only** — The correct choice is 1 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

- ३१६. (D) Only three** — Correctly matched pair number(s): 2, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ३१७. (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.** — Answer: Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ३१८. (D) The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ३१९. (A) A door-jamb sculpture from Bhit-Bhagwanpur is used to reconstruct a temple form.** — The best inference is supported by the author's discussion: A door-jamb sculpture from Bhit-Bhagwanpur is used to reconstruct a temple form. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ३२०. (A) Beki is relevant because it is associated with part of mastaka.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Beki is relevant because it is associated with part of mastaka.
- ३२१. (D) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ३२२. (B) 1 and 3 only** — The correct choice is 1 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ३२३. (B) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ३२४. (D) A is false, but R is true.** — Answer: A is false, but R is true. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ३२५. (B) The plate list excludes sites in Madhubani and Darbhanga districts.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ३२६. (A) The facade is described as having floral and geometric designs.** — The best inference is supported by the author's discussion: The facade is described as having floral and geometric designs. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ३२७. (A) Beki is relevant because it is associated with part of mastaka.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Beki is relevant because it is associated with part of mastaka.
- ३२८. (D) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ३२९. (D) 1, 2 and 3** — The correct choice is 1, 2 and 3 . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ३३०. (B) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ३३१. (D) 1 and 2 only** — The correct choice is 1 and 2 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ३३२. (B) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ३३३. (C) A is true, but R is false.** — Answer: A is true, but R is false. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

३३४. (B) The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

३३५. (A) The common and simple type of pillar is divided into base, shaft and capital. — The best inference is supported by the author's discussion: The common and simple type of pillar is divided into base, shaft and capital. The other alternatives are overstatements or reversals.

३३६. (A) Bhit-Bhagwanpur is relevant because it is associated with site with large recovered door frames. — The significance lies in the exact evidentiary role: Bhit-Bhagwanpur is relevant because it is associated with site with large recovered door frames.

३३७. (A) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

३३८. (B) 2 and 3 only — The correct choice is 2 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

३३९. (C) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 3 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

३४०. (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. — Answer: Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

३४१. (A) The sikhara type is described as a flat-roofed form with no vertical tower or curvilinear spire. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

३४२. (B) The next important stone member is the temple door frame made of upright jambs capped by a lintel. — The best inference is supported by the author's discussion: The next important stone member is the temple door frame made of upright jambs capped by a lintel. The other alternatives are overstatements or reversals.

३४३. (B) Chandradhari Museum is relevant because it is associated with darbhangā museum preserving pillars. — The significance lies in the exact evidentiary role: Chandradhari Museum is relevant because it is associated with darbhangā museum preserving pillars.

३४४. (A) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

३४५. (C) 1 only — The correct choice is 1 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

३४६. (C) Only three — Correctly matched pair number(s): 2, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

३४७. (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. — Answer: Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

३४८. (B) The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

३४९. (A) Architectural members such as pillars and door frames lie scattered throughout ancient Mithila sites. — The best inference is supported by the author's discussion: Architectural members such as pillars and door frames lie scattered throughout ancient Mithila sites. The other alternatives are overstatements or reversals.

- ३५०. (C) Pāla period is relevant because it is associated with period linked with decorated stone members.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Pāla period is relevant because it is associated with period linked with decorated stone members.
- ३५१. (B) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ३५२. (D) 1 and 3 only** — The correct choice is 1 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ३५३. (D) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ३५४. (D) A is false, but R is true.** — Answer: A is false, but R is true. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ३५५. (B) The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ३५६. (B) The next important stone member is the temple door frame made of upright jambs capped by a lintel.** — The best inference is supported by the author's discussion: The next important stone member is the temple door frame made of upright jambs capped by a lintel. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ३५७. (A) Chandradhari Museum is relevant because it is associated with darbhang museum preserving pillars.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Chandradhari Museum is relevant because it is associated with darbhang museum preserving pillars.
- ३५८. (D) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ३५९. (D) 1, 2 and 3** — The correct choice is 1, 2 and 3 . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ३६०. (C) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ३६१. (B) 1 and 2 only** — The correct choice is 1 and 2 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ३६२. (D) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ३६३. (C) A is true, but R is false.** — Answer: A is true, but R is false. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ३६४. (A) The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ३६५. (D) The local Mithila school developed its own characteristics.** — The best inference is supported by the author's discussion: The local Mithila school developed its own characteristics. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ३६६. (A) 800–1200 A.D. is relevant because it is associated with approximate ancient hindu period range used in the text.** — The significance lies in the exact evidentiary role: 800–1200 A.D. is relevant because it is associated with approximate ancient hindu period range used in the text.
- ३६७. (C) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

- ३६८. (D) 2 and 3 only** — The correct choice is 2 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ३६९. (D) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 3 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ३७०. (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.** — Answer: Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ३७१. (C) The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ३७२. (A) The sculpture section says art and architecture in ancient India almost invariably went hand in hand.** — The best inference is supported by the author's discussion: The sculpture section says art and architecture in ancient India almost invariably went hand in hand. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ३७३. (C) Oinivāra is relevant because it is associated with patronage period of brahmanical culture.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Oinivāra is relevant because it is associated with patronage period of brahmanical culture.
- ३७४. (B) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ३७५. (A) 1 only** — The correct choice is 1 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ३७६. (C) Only three** — Correctly matched pair number(s): 2, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ३७७. (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.** — Answer: Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ३७८. (C) The text states that floods, earthquakes and damp climate helped preserve Mithila's monuments in perfect condition.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ३७९. (A) The local school continued until the end of the ancient Hindu period, roughly 800 to 1200 A.D.** — The best inference is supported by the author's discussion: The local school continued until the end of the ancient Hindu period, roughly 800 to 1200 A.D. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ३८०. (A) Oinivāra is relevant because it is associated with patronage period of brahmanical culture.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Oinivāra is relevant because it is associated with patronage period of brahmanical culture.
- ३८१. (C) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ३८२. (A) 1 and 3 only** — The correct choice is 1 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ३८३. (D) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ३८४. (D) A is false, but R is true.** — Answer: A is false, but R is true. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ३८५. (C) The author rejects the idea of a local Mithila school during the so-called Pāla period.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a

linked art-historical argument.

३८६. (C) The sculpture section says art and architecture in ancient India almost invariably went hand in hand. — The best inference is supported by the author's discussion: The sculpture section says art and architecture in ancient India almost invariably went hand in hand. The other alternatives are overstatements or reversals.

३८७. (D) Oinivāra is relevant because it is associated with patronage period of brahmanical culture. — The significance lies in the exact evidentiary role: Oinivāra is relevant because it is associated with patronage period of brahmanical culture.

३८८. (D) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

३८९. (C) 1, 2 and 3 — The correct choice is 1, 2 and 3 . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

३९०. (A) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

३९१. (A) 1 and 2 only — The correct choice is 1 and 2 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

३९२. (C) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

३९३. (C) A is true, but R is false. — Answer: A is true, but R is false. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

३९४. (B) The plates show no Sūrya images from Nahar-Bhagwatipur or Bhadrakali Mandir. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

३९५. (A) Smarṭa tradition is linked with worship of Gaṇeśa, Śiva, Viṣṇu, Sūrya and Śakti as pañcopāsakas. — The best inference is supported by the author's discussion: Smarṭa tradition is linked with worship of Gaṇeśa, Śiva, Viṣṇu, Sūrya and Śakti as pañcopāsakas. The other alternatives are overstatements or reversals.

३९६. (D) Mahiṣāsūramardinī is relevant because it is associated with śākta form of durgā. — The significance lies in the exact evidentiary role: Mahiṣāsūramardinī is relevant because it is associated with śākta form of durgā.

३९७. (D) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

३९८. (D) 2 and 3 only — The correct choice is 2 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

३९९. (C) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 3 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

४००. (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. — Answer: Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

४०१. (A) The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

४०२. (B) The book says Brahmanism made a great headway in Mithila under Karnāṭa and Oinivāra patronage. — The best inference is supported by the author's discussion: The book says Brahmanism made a great headway in Mithila under Karnāṭa and Oinivāra patronage. The other alternatives are overstatements or reversals.

- ४०३. (B) Tārā is relevant because it is associated with buddhist/śākta-related goddess image in the region.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Tārā is relevant because it is associated with buddhist/śākta-related goddess image in the region.
- ४०४. (D) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ४०५. (C) 1 only** — The correct choice is 1 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ४०६. (A) Only three** — Correctly matched pair number(s): 2, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ४०७. (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.** — Answer: Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ४०८. (A) The book says medieval Mithila was exclusively Buddhist and had no Śaiva, Vaiṣṇava or Śākta imagery.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ४०९. (B) Buddhism flourished simultaneously with Śakti worship in a limited area during the 11th and 12th centuries.** — The best inference is supported by the author's discussion: Buddhism flourished simultaneously with Śakti worship in a limited area during the 11th and 12th centuries. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ४१०. (A) Cāmuṇḍā is relevant because it is associated with śākta goddess form.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Cāmuṇḍā is relevant because it is associated with śākta goddess form.
- ४११. (A) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ४१२. (D) 1 and 3 only** — The correct choice is 1 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ४१३. (A) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ४१४. (D) A is false, but R is true.** — Answer: A is false, but R is true. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ४१५. (A) The Gaṇeśa images in the list are said to come only from Bengal and not from Bhit-Bhagwanpur or Bhagwatipur.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ४१६. (B) The Śākta or Mother Worship cult is described as prevalent in Mithila from early times and popular even today.** — The best inference is supported by the author's discussion: The Śākta or Mother Worship cult is described as prevalent in Mithila from early times and popular even today. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ४१७. (B) Pañcopāsakas is relevant because it is associated with smarṭa worshippers of five deities.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Pañcopāsakas is relevant because it is associated with smarṭa worshippers of five deities.
- ४१८. (A) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ४१९. (A) 1, 2 and 3** — The correct choice is 1, 2 and 3 . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ४२०. (C) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

- ४२१. (A) 1 and 2 only** — The correct choice is 1 and 2 only . The true statement(s) follow the book’s discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ४२२. (B) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ४२३. (C) A is true, but R is false.** — Answer: A is true, but R is false. This checks whether the causal link in the author’s argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ४२४. (A) The Ganeśa images in the list are said to come only from Bengal and not from Bhit-Bhagwanpur or Bhagwatipur.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book’s evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ४२५. (D) If an image has been worshipped for more than three hundred years and has undergone prāṇapratīṣṭhā, it may continue to be worshipped even if damaged.** — The best inference is supported by the author’s discussion: If an image has been worshipped for more than three hundred years and has undergone prāṇapratīṣṭhā, it may continue to be worshipped even if damaged. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ४२६. (C) Hīnāṅga is relevant because it is associated with image with deficient limb/body feature.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Hīnāṅga is relevant because it is associated with image with deficient limb/body feature.
- ४२७. (D) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ४२८. (C) 2 and 3 only** — The correct choice is 2 and 3 only . The true statement(s) follow the book’s discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ४२९. (B) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 3 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ४३०. (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.** — Answer: Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author’s argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ४३१. (A) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book’s evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ४३२. (A) If an image has been worshipped for more than three hundred years and has undergone prāṇapratīṣṭhā, it may continue to be worshipped even if damaged.** — The best inference is supported by the author’s discussion: If an image has been worshipped for more than three hundred years and has undergone prāṇapratīṣṭhā, it may continue to be worshipped even if damaged. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ४३३. (A) Prāṇapratīṣṭhā is relevant because it is associated with consecration relevant to continued worship.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Prāṇapratīṣṭhā is relevant because it is associated with consecration relevant to continued worship.
- ४३४. (D) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ४३५. (C) 1 only** — The correct choice is 1 only . The true statement(s) follow the book’s discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ४३६. (D) Only three** — Correctly matched pair number(s): 2, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ४३७. (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.** — Answer: Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author’s argument has been understood, not merely whether a

phrase is familiar.

४३८. (D) The author rejects the idea of a local Mithila school during the so-called Pāla period. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

४३९. (A) Medieval Maithila sculptures are broadly classified into Viṣṇu, Śiva and Śakti groups. — The best inference is supported by the author's discussion: Medieval Maithila sculptures are broadly classified into Viṣṇu, Śiva and Śakti groups. The other alternatives are overstatements or reversals.

४४०. (C) Hīnāṅga is relevant because it is associated with image with deficient limb/body feature. — The significance lies in the exact evidentiary role: Hīnāṅga is relevant because it is associated with image with deficient limb/body feature.

४४१. (A) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

४४२. (D) 1 and 3 only — The correct choice is 1 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

४४३. (D) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

४४४. (D) A is false, but R is true. — Answer: A is false, but R is true. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

४४५. (C) The gumbad type is said to be unrelated to Bengal or Gaur-Pandua influences in any possible way. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

४४६. (C) A mūlanāyaka-pratimā should not be worshipped if its face, ear, nose, navel or waist is damaged. — The best inference is supported by the author's discussion: A mūlanāyaka-pratimā should not be worshipped if its face, ear, nose, navel or waist is damaged. The other alternatives are overstatements or reversals.

४४७. (D) Sadoṣa is relevant because it is associated with defective figure discussed in ritual literature. — The significance lies in the exact evidentiary role: Sadoṣa is relevant because it is associated with defective figure discussed in ritual literature.

४४८. (A) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

४४९. (A) 1, 2 and 3 — The correct choice is 1, 2 and 3 . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

४५०. (D) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

४५१. (B) 1 and 2 only — The correct choice is 1 and 2 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

४५२. (B) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

४५३. (C) A is true, but R is false. — Answer: A is true, but R is false. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

४५४. (B) The Viṣṇu images are all assigned by the author to the 18th–19th centuries. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

४५५. (D) A headless Sūrya from Nahar-Bhagwatipur is dated to circa 12th–13th century A.D. — The best inference is supported by the author's discussion: A headless Sūrya from Nahar-Bhagwatipur is dated to circa 12th–13th century A.D. The other alternatives are overstatements or reversals.

४५६. (C) Daṇḍi and Piṅgala is relevant because it is associated with attendant figures in sūrya iconography. — The significance lies in the exact evidentiary role: Daṇḍi and Piṅgala is relevant because it is associated with attendant figures in sūrya iconography.

४५७. (D) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

४५८. (A) 2 and 3 only — The correct choice is 2 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

४५९. (A) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 3 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

४६०. (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. — Answer: Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

४६१. (A) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

४६२. (C) The Sūrya images often carry attendants or associated figures such as Piṅgala, Daṇḍi, Uṣas and Pratyūṣas. — The best inference is supported by the author's discussion: The Sūrya images often carry attendants or associated figures such as Piṅgala, Daṇḍi, Uṣas and Pratyūṣas. The other alternatives are overstatements or reversals.

४६३. (B) Nahar-Bhagwatipur is relevant because it is associated with madhubani site associated with sūrya images. — The significance lies in the exact evidentiary role: Nahar-Bhagwatipur is relevant because it is associated with madhubani site associated with sūrya images.

४६४. (C) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

४६५. (C) 1 only — The correct choice is 1 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

४६६. (A) Only three — Correctly matched pair number(s): 2, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

४६७. (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. — Answer: Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

४६८. (C) The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

४६९. (D) A headless Sūrya from Nahar-Bhagwatipur is dated to circa 12th–13th century A.D. — The best inference is supported by the author's discussion: A headless Sūrya from Nahar-Bhagwatipur is dated to circa 12th–13th century A.D. The other alternatives are overstatements or reversals.

४७०. (B) Aruṇa is relevant because it is associated with solar charioteer mentioned in illustration description. — The significance lies in the exact evidentiary role: Aruṇa is relevant because it is associated with solar charioteer mentioned in illustration description.

- ४७१. (C) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ४७२. (B) 1 and 3 only** — The correct choice is 1 and 3 only . The true statement(s) follow the book’s discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ४७३. (A) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ४७४. (D) A is false, but R is true.** — Answer: A is false, but R is true. This checks whether the causal link in the author’s argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ४७५. (D) The author says the Śākta cult was unknown in Mithila until modern times.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book’s evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ४७६. (C) Sūrya from Bhit-Bhagwanpur is described in samapāda-sthānaka pose with attributes such as gadā, cakra and śaṅkha in one list entry.** — The best inference is supported by the author’s discussion: Sūrya from Bhit-Bhagwanpur is described in samapāda-sthānaka pose with attributes such as gadā, cakra and śaṅkha in one list entry. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ४७७. (C) Bhit-Bhagwanpur is relevant because it is associated with site associated with a sūrya image and door-jambs.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Bhit-Bhagwanpur is relevant because it is associated with site associated with a sūrya image and door-jambs.
- ४७८. (C) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ४७९. (D) 1, 2 and 3** — The correct choice is 1, 2 and 3 . The true statement(s) follow the book’s discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ४८०. (A) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ४८१. (C) 1 and 2 only** — The correct choice is 1 and 2 only . The true statement(s) follow the book’s discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ४८२. (D) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ४८३. (C) A is true, but R is false.** — Answer: A is true, but R is false. This checks whether the causal link in the author’s argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ४८४. (B) The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book’s evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ४८५. (C) The list includes a standing Viṣṇu from Bideswarasthana in Madhubani district dated circa 13th century A.D.** — The best inference is supported by the author’s discussion: The list includes a standing Viṣṇu from Bideswarasthana in Madhubani district dated circa 13th century A.D. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ४८६. (B) Girijasthan, Uccaitha is relevant because it is associated with site of a viṣṇu image dated circa 13th century.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Girijasthan, Uccaitha is relevant because it is associated with site of a viṣṇu image dated circa 13th century.
- ४८७. (D) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

- ४८८. (C) 2 and 3 only** — The correct choice is 2 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ४८९. (D) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 3 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ४९०. (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.** — Answer: Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ४९१. (A) The Ganeśa images in the list are said to come only from Bengal and not from Bhit-Bhagwanpur or Bhagwatipur.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ४९२. (B) A weather-worn Viṣṇu from Andhra Tharhi is dated to the 11th century A.D.** — The best inference is supported by the author's discussion: A weather-worn Viṣṇu from Andhra Tharhi is dated to the 11th century A.D. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ४९३. (A) Bideswarasthana is relevant because it is associated with site of a viṣṇu image dated circa 13th century.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Bideswarasthana is relevant because it is associated with site of a viṣṇu image dated circa 13th century.
- ४९४. (A) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ४९५. (A) 1 only** — The correct choice is 1 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ४९६. (C) Only three** — Correctly matched pair number(s): 2, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ४९७. (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.** — Answer: Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ४९८. (C) The book treats Mithila as a region with abundant early stone temples whose dates are always recorded in inscriptions.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ४९९. (D) The Andhra Tharhi Viṣṇu inscription is connected with King Nānyadeva's minister Śrīdhara building a Viṣṇu temple.** — The best inference is supported by the author's discussion: The Andhra Tharhi Viṣṇu inscription is connected with King Nānyadeva's minister Śrīdhara building a Viṣṇu temple. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ५००. (A) Caturbhuja is relevant because it is associated with four-armed viṣṇu form.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Caturbhuja is relevant because it is associated with four-armed viṣṇu form.
- ५०१. (C) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ५०२. (A) 1 and 3 only** — The correct choice is 1 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ५०३. (D) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ५०४. (D) A is false, but R is true.** — Answer: A is false, but R is true. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

- ५०५. (A) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ५०६. (B) A standing Viṣṇu from Bhairava Balia is dated to the 12th century A.D.** — The best inference is supported by the author's discussion: A standing Viṣṇu from Bhairava Balia is dated to the 12th century A.D. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ५०७. (A) Bhairava Balia is relevant because it is associated with site of a 12th-century viṣṇu image.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Bhairava Balia is relevant because it is associated with site of a 12th-century viṣṇu image.
- ५०८. (A) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ५०९. (A) 1, 2 and 3** — The correct choice is 1, 2 and 3 . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ५१०. (A) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ५११. (C) 1 and 2 only** — The correct choice is 1 and 2 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ५१२. (A) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ५१३. (C) A is true, but R is false.** — Answer: A is true, but R is false. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ५१४. (C) The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ५१५. (C) The Śiva-Pārvatī alingana motif shows the couple in embrace and is associated with Śaiva iconography.** — The best inference is supported by the author's discussion: The Śiva-Pārvatī alingana motif shows the couple in embrace and is associated with Śaiva iconography. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ५१६. (B) Pārvatī is relevant because it is associated with śaiva goddess image from girijasthana/phulhara.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Pārvatī is relevant because it is associated with śaiva goddess image from girijasthana/phulhara.
- ५१७. (D) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ५१८. (A) 2 and 3 only** — The correct choice is 2 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ५१९. (B) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 3 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ५२०. (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.** — Answer: Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ५२१. (D) The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

५२२. (B) A highly decorated Śiva-Pārvatī from Bhit-Bhagwanpur is dated circa 11th century A.D. — The best inference is supported by the author's discussion: A highly decorated Śiva-Pārvatī from Bhit-Bhagwanpur is dated circa 11th century A.D. The other alternatives are overstatements or reversals.

५२३. (C) Jogeswaranatha temple is relevant because it is associated with nahar site associated with śiva head. — The significance lies in the exact evidentiary role: Jogeswaranatha temple is relevant because it is associated with nahar site associated with śiva head.

५२४. (C) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

५२५. (B) 1 only — The correct choice is 1 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

५२६. (B) Only three — Correctly matched pair number(s): 2, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

५२७. (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. — Answer: Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

५२८. (C) The Purāṇic evidence gives no mention of Tirabhukti or any later name connected with Mithila. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

५२९. (D) A beautiful head of Śiva from Jogeswaranatha temple at Nahar is dated circa 12th century A.D. — The best inference is supported by the author's discussion: A beautiful head of Śiva from Jogeswaranatha temple at Nahar is dated circa 12th century A.D. The other alternatives are overstatements or reversals.

५३०. (B) Pārvatī is relevant because it is associated with śaiva goddess image from girijasthan/phulhara. — The significance lies in the exact evidentiary role: Pārvatī is relevant because it is associated with śaiva goddess image from girijasthan/phulhara.

५३१. (B) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

५३२. (C) 1 and 3 only — The correct choice is 1 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

५३३. (B) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

५३४. (D) A is false, but R is true. — Answer: A is false, but R is true. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

५३५. (C) The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

५३६. (C) A weather-worn Śiva-Pārvatī image is dated circa 10th–11th century A.D. — The best inference is supported by the author's discussion: A weather-worn Śiva-Pārvatī image is dated circa 10th–11th century A.D. The other alternatives are overstatements or reversals.

५३७. (B) Śiva-Pārvatī is relevant because it is associated with couple image in alingana pose. — The significance lies in the exact evidentiary role: Śiva-Pārvatī is relevant because it is associated with couple image in alingana pose.

५३८. (D) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

- ५३९. (D) 1, 2 and 3** — The correct choice is 1, 2 and 3 . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ५४०. (A) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ५४१. (B) 1 and 2 only** — The correct choice is 1 and 2 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ५४२. (C) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ५४३. (C) A is true, but R is false.** — Answer: A is true, but R is false. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ५४४. (C) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ५४५. (D) Maḥiṣāsūramardīnī, Siṃhavāhinī and Cāmuṇḍā are named as forms of Śakti in the sculptural corpus.** — The best inference is supported by the author's discussion: Maḥiṣāsūramardīnī, Siṃhavāhinī and Cāmuṇḍā are named as forms of Śakti in the sculptural corpus. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ५४६. (D) Tārā is relevant because it is associated with buddhist/tantric goddess form.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Tārā is relevant because it is associated with buddhist/tantric goddess form.
- ५४७. (B) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ५४८. (C) 2 and 3 only** — The correct choice is 2 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ५४९. (A) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 3 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ५५०. (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.** — Answer: Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ५५१. (D) The Ahilyasthana temple is presented as a Dravidian vimāna without curvilinear tower features.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ५५२. (B) Durgā-Siṃhavāhinī from Chaugama is dated circa 12th century A.D.** — The best inference is supported by the author's discussion: Durgā-Siṃhavāhinī from Chaugama is dated circa 12th century A.D. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ५५३. (A) Aṣṭabhujā Cāmuṇḍā is relevant because it is associated with eight-armed cāmuṇḍā image.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Aṣṭabhujā Cāmuṇḍā is relevant because it is associated with eight-armed cāmuṇḍā image.
- ५५४. (C) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ५५५. (D) 1 only** — The correct choice is 1 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ५५६. (B) Only three** — Correctly matched pair number(s): 2, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

५५७. (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. — Answer: Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

५५८. (A) The sikhara type is described as a flat-roofed form with no vertical tower or curvilinear spire. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

५५९. (B) The Śakti material strengthens the book's emphasis on Mithila's Tantric and mother-goddess traditions. — The best inference is supported by the author's discussion: The Śakti material strengthens the book's emphasis on Mithila's Tantric and mother-goddess traditions. The other alternatives are overstatements or reversals.

५६०. (C) Ardhaparyāṅka-mudrā is relevant because it is associated with seated posture in several images. — The significance lies in the exact evidentiary role: Ardhaparyāṅka-mudrā is relevant because it is associated with seated posture in several images.

५६१. (A) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

५६२. (B) 1 and 3 only — The correct choice is 1 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

५६३. (D) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

५६४. (D) A is false, but R is true. — Answer: A is false, but R is true. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

५६५. (D) The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

५६६. (A) Maḥiṣāsura-mardīnī in Chandradhari Museum is dated circa 12th century A.D. — The best inference is supported by the author's discussion: Maḥiṣāsura-mardīnī in Chandradhari Museum is dated circa 12th century A.D. The other alternatives are overstatements or reversals.

५६७. (D) Chandradhari Museum is relevant because it is associated with institution associated with maḥiṣāsura-mardīnī and other specimens. — The significance lies in the exact evidentiary role: Chandradhari Museum is relevant because it is associated with institution associated with maḥiṣāsura-mardīnī and other specimens.

५६८. (A) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

५६९. (B) 1, 2 and 3 — The correct choice is 1, 2 and 3 . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

५७०. (D) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

५७१. (B) 1 and 2 only — The correct choice is 1 and 2 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

५७२. (C) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

५७३. (C) A is true, but R is false. — Answer: A is true, but R is false. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

498. (D) The ritual discussion encourages the worship of every broken image irrespective of damage or textual rule. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

499. (B) Gaṅgā, Piṅgala and a cauri bearer on makara are also shown within a trefoil arch at Andhra Tharhi. — The best inference is supported by the author's discussion: Gaṅgā, Piṅgala and a cauri bearer on makara are also shown within a trefoil arch at Andhra Tharhi. The other alternatives are overstatements or reversals.

500. (B) Agni is relevant because it is associated with image seated on lotus pedestal in list. — The significance lies in the exact evidentiary role: Agni is relevant because it is associated with image seated on lotus pedestal in list.

501. (C) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

502. (D) 2 and 3 only — The correct choice is 2 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

503. (C) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 3 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

504. (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. — Answer: Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

505. (D) The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

506. (D) A bronze Garuḍa from Durgasthana, Mangarauni is stylistically dated circa 11th–12th century A.D. — The best inference is supported by the author's discussion: A bronze Garuḍa from Durgasthana, Mangarauni is stylistically dated circa 11th–12th century A.D. The other alternatives are overstatements or reversals.

507. (C) Gajalakṣmī is relevant because it is associated with door-jamb fragment motif with navagrahas. — The significance lies in the exact evidentiary role: Gajalakṣmī is relevant because it is associated with door-jamb fragment motif with navagrahas.

508. (C) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

509. (C) 1 only — The correct choice is 1 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

510. (D) Only three — Correctly matched pair number(s): 2, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

511. (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. — Answer: Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

512. (C) The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

513. (A) The miscellaneous material shows that the corpus extends beyond the three main groups of Viṣṇu, Śiva and Śakti. — The best inference is supported by the author's discussion: The miscellaneous material shows that the corpus extends beyond the three main groups of Viṣṇu, Śiva and Śakti. The other alternatives are overstatements or reversals.

- ५९०. (B) Agni is relevant because it is associated with image seated on lotus pedestal in list.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Agni is relevant because it is associated with image seated on lotus pedestal in list.
- ५९१. (A) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ५९२. (C) 1 and 3 only** — The correct choice is 1 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ५९३. (D) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ५९४. (D) A is false, but R is true.** — Answer: A is false, but R is true. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ५९५. (D) The Karnāṭa and Oinivāra periods are presented as periods hostile to Brahmanical cults and temple-building.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ५९६. (A) Fragments of a door-jamb depicting Gajalakṣmī with Navagrahas on both sides are from Bhit-Bhagwanpur and dated circa 10th century A.D.** — The best inference is supported by the author's discussion: Fragments of a door-jamb depicting Gajalakṣmī with Navagrahas on both sides are from Bhit-Bhagwanpur and dated circa 10th century A.D. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ५९७. (C) Agni is relevant because it is associated with image seated on lotus pedestal in list.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Agni is relevant because it is associated with image seated on lotus pedestal in list.
- ५९८. (B) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ५९९. (A) 1, 2 and 3** — The correct choice is 1, 2 and 3 . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ६००. (B) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ६०१. (B) 1 and 2 only** — The correct choice is 1 and 2 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ६०२. (C) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ६०३. (C) A is true, but R is false.** — Answer: A is true, but R is false. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ६०४. (D) Architectural members such as pillars, lintels and capitals are said never to have been found in Mithila.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ६०५. (B) Gaurisankara temple at Gandheshwarasthana, Sivanagar near Jogyara is a combined temple with dome-shaped śikhara and modified charbangla type.** — The best inference is supported by the author's discussion: Gaurisankara temple at Gandheshwarasthana, Sivanagar near Jogyara is a combined temple with dome-shaped śikhara and modified charbangla type. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ६०६. (B) Gaurisankara temple is relevant because it is associated with combined dome-shaped śikhara and modified charbangla type.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Gaurisankara temple is relevant because it is associated with combined dome-shaped śikhara and modified charbangla type.

- ६०७. (A) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ६०८. (C) 2 and 3 only** — The correct choice is 2 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ६०९. (C) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 3 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ६१०. (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.** — Answer: Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ६११. (D) The author classifies all medieval Maithila sculptures only as Sūrya images.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ६१२. (C) Brijbihari Mandir, Madhubani is listed.** — The best inference is supported by the author's discussion: Brijbihari Mandir, Madhubani is listed. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ६१३. (C) Maharaja Rameswara Singh is relevant because it is associated with builder associated with rajnagar temples.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Maharaja Rameswara Singh is relevant because it is associated with builder associated with rajnagar temples.
- ६१४. (C) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ६१५. (C) 1 only** — The correct choice is 1 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ६१६. (D) Only three** — Correctly matched pair number(s): 2, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ६१७. (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.** — Answer: Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ६१८. (B) The sculpture chapter says datable specimens of Mithila sculpture are abundant for the 6th and 7th centuries.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ६१९. (A) Brijbihari Mandir, Madhubani is listed.** — The best inference is supported by the author's discussion: Brijbihari Mandir, Madhubani is listed. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ६२०. (D) Bhadrakali temple, Bhagwatipur is relevant because it is associated with gumbad type roof with side openings.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Bhadrakali temple, Bhagwatipur is relevant because it is associated with gumbad type roof with side openings.
- ६२१. (C) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ६२२. (B) 1 and 3 only** — The correct choice is 1 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ६२३. (C) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ६२४. (D) A is false, but R is true.** — Answer: A is false, but R is true. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

- ६२५. (A) The Purāṇic evidence gives no mention of Tirabhukti or any later name connected with Mithila.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ६२६. (A) Jogeswaranatha temple at Nahar in Madhubani district is listed.** — The best inference is supported by the author's discussion: Jogeswaranatha temple at Nahar in Madhubani district is listed. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ६२७. (B) Bhadrakali temple, Bhagwatipur is relevant because it is associated with gumbad type roof with side openings.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Bhadrakali temple, Bhagwatipur is relevant because it is associated with gumbad type roof with side openings.
- ६२८. (C) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ६२९. (D) 1, 2 and 3** — The correct choice is 1, 2 and 3 . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ६३०. (D) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ६३१. (D) 1 and 2 only** — The correct choice is 1 and 2 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ६३२. (B) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ६३३. (C) A is true, but R is false.** — Answer: A is true, but R is false. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ६३४. (B) The Viṣṇu images are all assigned by the author to the 18th–19th centuries.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ६३५. (A) General view of Rama Mandir at Nahar is described as gumbad type with three side openings and flat-roofed verandah.** — The best inference is supported by the author's discussion: General view of Rama Mandir at Nahar is described as gumbad type with three side openings and flat-roofed verandah. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ६३६. (D) Jore Bangla type is relevant because it is associated with bengal roof comparison.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Jore Bangla type is relevant because it is associated with bengal roof comparison.
- ६३७. (C) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ६३८. (D) 2 and 3 only** — The correct choice is 2 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ६३९. (A) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 3 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ६४०. (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.** — Answer: Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ६४१. (B) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ६४२. (D) Two gumbad-type temples from Krishnamandir, Mirzapur, Darbhanga have a palanquin-type flat roof serving as verandah.** — The best inference is supported by the author's discussion: Two gumbad-type temples from Krishnamandir,

Mirzapur, Darbhanga have a palanquin-type flat roof serving as verandah. The other alternatives are overstatements or reversals.

६४३. (A) Rama Mandir, Nahar is relevant because it is associated with gumbad type temple with three side openings. — The significance lies in the exact evidentiary role: Rama Mandir, Nahar is relevant because it is associated with gumbad type temple with three side openings.

६४४. (C) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

६४५. (D) 1 only — The correct choice is 1 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

६४६. (A) Only three — Correctly matched pair number(s): 2, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

६४७. (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. — Answer: Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

६४८. (B) The author says the Epics give exact political boundaries of Mithila with modern district-level precision. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

६४९. (C) A Śiva temple at Kalna has a garbhagrha of gumbad flat type without decoration and a truncated-roof front building. — The best inference is supported by the author's discussion: A Śiva temple at Kalna has a garbhagrha of gumbad flat type without decoration and a truncated-roof front building. The other alternatives are overstatements or reversals.

६५०. (B) Bhuvaneswaranath, Bhagwatipur is relevant because it is associated with śiva temple with gumbad type main temple. — The significance lies in the exact evidentiary role: Bhuvaneswaranath, Bhagwatipur is relevant because it is associated with śiva temple with gumbad type main temple.

६५१. (C) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

६५२. (A) 1 and 3 only — The correct choice is 1 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

६५३. (C) Only three — Correctly matched pair number(s): 1, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

६५४. (D) A is false, but R is true. — Answer: A is false, but R is true. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.

६५५. (C) The volume argues that the name Tirhut is older than all Vedic references and has no relation to Tirabhukti. — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

६५६. (B) Two gumbad-type temples from Krishnamandir, Mirzapur, Darbhanga have a palanquin-type flat roof serving as verandah. — The best inference is supported by the author's discussion: Two gumbad-type temples from Krishnamandir, Mirzapur, Darbhanga have a palanquin-type flat roof serving as verandah. The other alternatives are overstatements or reversals.

६५७. (A) Rama Mandir, Nahar is relevant because it is associated with gumbad type temple with three side openings. — The significance lies in the exact evidentiary role: Rama Mandir, Nahar is relevant because it is associated with gumbad type temple with three side openings.

६५८. (A) A - B - C - D — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.

- ६५९. (D) 1, 2 and 3** — The correct choice is 1, 2 and 3 . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ६६०. (B) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ६६१. (C) 1 and 2 only** — The correct choice is 1 and 2 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ६६२. (B) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ६६३. (C) A is true, but R is false.** — Answer: A is true, but R is false. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ६६४. (B) The author rejects the idea of a local Mithila school during the so-called Pāla period.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ६६५. (B) The painting section complements the architecture and sculpture sections.** — The best inference is supported by the author's discussion: The painting section complements the architecture and sculpture sections. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ६६६. (A) Tamoriya is relevant because it is associated with location associated with ahilyasthana wall painting.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Tamoriya is relevant because it is associated with location associated with ahilyasthana wall painting.
- ६६७. (B) A - B - C** — The intended order is A - B - C . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ६६८. (B) 2 and 3 only** — The correct choice is 2 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ६६९. (B) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 3 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ६७०. (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.** — Answer: Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ६७१. (A) The index and abbreviation list are used to replace the main argument rather than support source checking.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ६७२. (D) Late painting survivals help show continuity of decorative traditions even when earlier material is lost.** — The best inference is supported by the author's discussion: Late painting survivals help show continuity of decorative traditions even when earlier material is lost. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ६७३. (D) Tamoriya is relevant because it is associated with location associated with ahilyasthana wall painting.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Tamoriya is relevant because it is associated with location associated with ahilyasthana wall painting.
- ६७४. (D) A - B - C** — The intended order is A - B - C . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ६७५. (D) 1 only** — The correct choice is 1 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.

- ६७६. (C) Only three** — Correctly matched pair number(s): 2, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ६७७. (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.** — Answer: Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ६७८. (C) The author rejects the idea of a local Mithila school during the so-called Pāla period.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ६७९. (B) The text says non-permanency of temple building materials and damp climate caused decay and destruction of earlier paintings.** — The best inference is supported by the author's discussion: The text says non-permanency of temple building materials and damp climate caused decay and destruction of earlier paintings. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ६८०. (B) Ahilyasthana Mandir is relevant because it is associated with site of ceiling and wall paintings.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Ahilyasthana Mandir is relevant because it is associated with site of ceiling and wall paintings.
- ६८१. (B) A - B - C** — The intended order is A - B - C . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ६८२. (C) 1 and 3 only** — The correct choice is 1 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ६८३. (A) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ६८४. (D) A is false, but R is true.** — Answer: A is false, but R is true. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ६८५. (A) The Viṣṇu images are all assigned by the author to the 18th–19th centuries.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ६८६. (C) A painting on the ceiling of the Ahilyasthana Mandir shows mostly floral and geometric designs.** — The best inference is supported by the author's discussion: A painting on the ceiling of the Ahilyasthana Mandir shows mostly floral and geometric designs. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ६८७. (B) Tamoriya is relevant because it is associated with location associated with ahilyasthana wall painting.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Tamoriya is relevant because it is associated with location associated with ahilyasthana wall painting.
- ६८८. (D) A - B - C** — The intended order is A - B - C . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ६८९. (C) 1, 2 and 3** — The correct choice is 1, 2 and 3 . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ६९०. (A) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ६९१. (D) 1 and 2 only** — The correct choice is 1 and 2 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ६९२. (C) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.

- ६९३. (C) A is true, but R is false.** — Answer: A is true, but R is false. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ६९४. (C) In the book, garbhagha is always above the surface and never reached by descending steps.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ६९५. (C) Sculptural classification reflects religious practice and patronage rather than merely aesthetic grouping.** — The best inference is supported by the author's discussion: Sculptural classification reflects religious practice and patronage rather than merely aesthetic grouping. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ६९६. (D) Material constraints is relevant because it is associated with brick, wood, damp climate and lack of stone.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Material constraints is relevant because it is associated with brick, wood, damp climate and lack of stone.
- ६९७. (A) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ६९८. (B) 2 and 3 only** — The correct choice is 2 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ६९९. (A) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 3 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ७००. (B) Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A.** — Answer: Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ७०१. (D) The book identifies the Sadānīrā with the modern Yamuna and treats it as a boundary of western India.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ७०२. (B) Temple types are reconstructed from partial remains, textual references and comparative forms.** — The best inference is supported by the author's discussion: Temple types are reconstructed from partial remains, textual references and comparative forms. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ७०३. (D) Material constraints is relevant because it is associated with brick, wood, damp climate and lack of stone.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Material constraints is relevant because it is associated with brick, wood, damp climate and lack of stone.
- ७०४. (B) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ७०५. (B) 1 only** — The correct choice is 1 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ७०६. (C) Only three** — Correctly matched pair number(s): 2, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ७०७. (A) Both A and R are true, and R is the correct explanation of A.** — Answer: Both A and R are true, and R is the correct explanation of A. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ७०८. (D) The foreword claims that Mithila had already been thoroughly studied by archaeologists before this book.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.

- ৩০৭. (C) Material constraints such as brick, wood and climate are integral to the historical explanation.** — The best inference is supported by the author's discussion: Material constraints such as brick, wood and climate are integral to the historical explanation. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ৩১০. (D) Comparative method is relevant because it is associated with use of bengal, orissa and regional forms for interpretation.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Comparative method is relevant because it is associated with use of bengal, orissa and regional forms for interpretation.
- ৩১১. (B) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ৩১২. (C) 1 and 3 only** — The correct choice is 1 and 3 only . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ৩১৩. (B) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 3, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.
- ৩১৪. (D) A is false, but R is true.** — Answer: A is false, but R is true. This checks whether the causal link in the author's argument has been understood, not merely whether a phrase is familiar.
- ৩১৫. (D) The list of illustrations says the Navaratna temple at Mangarauni has no gumbad-type roof.** — The incorrect statement is the selected one because it contradicts the book's evidence for this theme. In the book, the point is not mechanical recall but a linked art-historical argument.
- ৩১৬. (C) Temple types are reconstructed from partial remains, textual references and comparative forms.** — The best inference is supported by the author's discussion: Temple types are reconstructed from partial remains, textual references and comparative forms. The other alternatives are overstatements or reversals.
- ৩১৭. (C) Comparative method is relevant because it is associated with use of bengal, orissa and regional forms for interpretation.** — The significance lies in the exact evidentiary role: Comparative method is relevant because it is associated with use of bengal, orissa and regional forms for interpretation.
- ৩১৮. (A) A - B - C - D** — The intended order is A - B - C - D . This follows the sequence in which the book builds the argument or the chronological period indicated in the section.
- ৩১৯. (D) 1, 2 and 3** — The correct choice is 1, 2 and 3 . The true statement(s) follow the book's discussion; the other statement(s) either reverse the argument or import a claim not made in the section.
- ৩২০. (B) Only three** — Correctly matched pair number(s): 1, 2, 4 . This is a UPSC-style pair question testing exact association of term, site, deity, date or evidence.